अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान,
बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश

२०२४–२५

वार्षिक विवरण

CIRCULAR RING signifies the Continuity, Consistency and Community Involvement. The Maroon colour represents Ambition & Passion of the members of the Institute.

The **RISING SUN** symbolizes bright future and vital energy as a new era dawns for Medical Innovation through research in all spheres of life and also portrays preservation and nurturing of health. The **12 RAYS OF SUN** are representation of 12 districts of Himachal Pradesh which this institute would serve.

Visuals of Himachal Pradesh are incomplete without **SNOWCLAD MOUNTAINS**, which have become the identity of the State and is reflected in the name too..
The peaks of mountains represents the height of academic and medical care the institute determines to provide.

STAFF OF CADUCEUS, the traditional symbol of Medical Profession
Wings of staff of Caduceus symbolizes freedom of innovation in Medical Education and Research to its faculty and students

The **BOOK** is representation of Learning and Knowledge imparted through this Institute

MOTIF is a unique local social & cultural identity of the Himachal Pradesh, usually seen being used in Himachali Handlooms like Shawls, Caps etc. The intense colours of these portray enthusiasm for life

The local geographical identity of the District Bilaspur is the famous **BHAKRA DAM**, often termed as "Temple of Resurgent India" and huge **GOBIND SAGAR LAKE**. The Dam symbolizes the institute as storehouse of knowledge with ability to harness the potential of intelligence (water) and channelizing the energy of the youth for benefit of the society. The huge Gobind Sagar lake is representation of the vastness of the Medical Knowledge.

RIBBON signifies Hope and Strength and the Golden Yellow colour potrays optimism. The Sanskrit saying translates into **"LET ALL BE FREE FROM ILLNESS"**

सत्यमेव जयते

श्री जगत प्रकाश नड्डा
SHRI JAGAT PRAKASH NADDA
माननीय केंद्रीय मंत्री
Hon'ble Union Minister
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण व रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार
Ministry of Health & Family Welfare and Chemicals & Fertilizers, Government of India

श्री प्रतापराव जाधव
Shri Prataprao Jadhav
माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
आयुष मंत्रालय
Hon'ble Minister of State (Independent Charge)
Ministry of Ayush
व
and
माननीय राज्य मंत्री
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार
Hon'ble Minister of State
Ministry of Health & Family Welfare, Government of India

श्रीमती अनुप्रिया पटेल
Smt. Anupriya Patel
माननीय राज्य मंत्री
Hon'ble Minister of State
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण व
रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार
Ministry of Health & Family Welfare and
Chemicals & Fertilizers, Government of India

परिचय

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), बिलासपुर एक राष्ट्रीय महत्व का संस्थान है, जिसे भारत सरकार की महत्वाकांक्षी 'प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना' (चरण–V) के अंतर्गत इस उद्देश्य से स्थापित किया गया है कि देश में किफायती एवं विश्वसनीय तृतीयक स्तर की स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता में विद्यमान असंतुलन को दूर किया जा सके तथा अल्पसेवित राज्यों में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा हेतु आवश्यक अधोसंरचना को सुदृढ़ किया जा सके।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस परियोजना को 03 जनवरी, 2018 को स्वीकृति प्रदान की थी, जिसके तहत संस्थान का विकास तीन चरणों में किया जाना निर्धारित था। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के प्रथम चरण के अंतर्गत लगभग 247 एकड़ भूमि पर, राष्ट्रीय राजमार्ग–205 (शिमला–कांगड़ा/शिमला–घुमारवीं मार्ग) पर स्थित ग्राम कोठीपुरा, जिला बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश) में संस्थान का निर्माण किया गया। अस्पताल परिसर को 750 बिस्तरों की क्षमता तथा आधुनिकतम सुविधाओं से युक्त रूप में विकसित किया गया है।

एम्स, बिलासपुर का शिलान्यास भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा 03 अक्टूबर, 2018 को किया गया था। इसके उपरांत 21 जनवरी, 2019 को माननीय केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री जे. पी. नड्डा जी तथा माननीय मुख्यमंत्री, हिमाचल प्रदेश श्री जय राम ठाकुर जी की गरिमामयी उपस्थिति में भूमि पूजन संपन्न किया गया।

संस्थान को राष्ट्र को समर्पित करने का शुभ अवसर 05 अक्टूबर, 2022 को प्राप्त हुआ, जब माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा इसका विधिवत् उद्घाटन किया गया। आज एम्स, बिलासपुर स्वास्थ्य सेवा एवं चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता का प्रतीक बनकर उभरा है, जो भारत की विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएँ तथा उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा शिक्षा प्रदान करने की प्रतिबद्धता का द्योतक है।

एम्स, बिलासपुर तीव्र गति से एक अग्रणी संस्थान के रूप में विकसित हो रहा है, जो न केवल समग्र एवं उन्नत चिकित्सा सेवाएँ उपलब्ध कराता है, अपितु अत्याधुनिक अनुसंधान, नवाचार तथा भावी स्वास्थ्य-व्यवसायी विशेषज्ञों के प्रशिक्षण का एक प्रमुख केंद्र भी बन चुका है।

हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर की सुरम्य वादियों के मध्य स्थित यह संस्थान एक स्वस्थ एवं समृद्ध भारत के दृष्टिकोण का सजीव प्रतीक है। अपनी स्थापना के उपरांत से ही एम्स, बिलासपुर उच्चतम स्तर की स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने, चिकित्सा अनुसंधान के आयामों का विस्तार करने तथा ऐसे स्वास्थ्यकर्मियों के निर्माण के अपने मिशन में निरंतर संलग्न है, जो न केवल शैक्षणिक रूप से उत्कृष्ट हों, बल्कि संवेदनशील, उत्तरदायी एवं सेवा-भाव से प्रेरित भी हों।
एम्स, बिलासपुर जन–स्वास्थ्य में सकारात्मक एवं स्थायी परिवर्तन लाने, चिकित्सा विज्ञान के विकास को प्रोत्साहित करने तथा एक स्वस्थ और समृद्ध राष्ट्र के निर्माण में सार्थक योगदान देने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

अध्यक्ष महोदय का संदेश

मुझे अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर के वर्ष 2024–25 के वार्षिक प्रतिवेदन को प्रस्तुत करते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है। यह वर्ष हमारे उस मूल उद्देश्य की प्राप्ति की दिशा में एक महत्वपूर्ण चरण सिद्ध हुआ है, जिसके अंतर्गत राष्ट्र को विश्व-स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएँ, अत्याधुनिक चिकित्सा शिक्षा तथा प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान उपलब्ध कराने की हमारी प्रतिबद्धता निहित है।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर ने रोगी-देखभाल में उत्कृष्टता एवं सहानुभूति के उच्चतम मानकों को निरंतर बनाए रखा है। हमारे समर्पित संकाय सदस्य, चिकित्सक, छात्र तथा समस्त कर्मचारी संस्थान की दृष्टि को सुदृढ़ करने, नवाचार को प्रोत्साहित करने तथा हिमाचल प्रदेश सहित आसपास के क्षेत्रों में उन्नत एवं सुगम स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने के लिए सतत प्रयासरत रहे हैं। इन प्रयासों का परिणाम संस्थान द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं के निरंतर विस्तार तथा मरीजों की संख्या में लगातार हो रही वृद्धि में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है।

संस्थान ने अपने शैक्षणिक कार्यक्रमों के विस्तार, अनुसंधान उत्पादन में वृद्धि तथा अन्य अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थानों एवं प्रमुख राष्ट्रीय अनुसंधान संस्थानों के साथ सहयोग को सुदृढ़ करने के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। डिजिटल स्वास्थ्य पहलों, अत्याधुनिक चिकित्सा प्रौद्योगिकियों तथा अंतर्विषयक प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान केंद्रित किए जाने से हमारे विद्यार्थियों एवं आवासीय चिकित्सकों के लिए शिक्षण-अधिगम का वातावरण और अधिक समृद्ध एवं प्रभावी हुआ है।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर हिमाचल प्रदेश के दूरदराज़ एवं कठिन भौगोलिक परिस्थितियों वाले क्षेत्रों के नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएँ प्रदान करने तथा उन्हें और अधिक सुदृढ़ करने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है और इस दिशा में सक्रियतापूर्वक कार्यरत है।

मैं इस अवसर पर अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर परिवार के सभी सदस्यों के समर्पित प्रयासों की सराहना करना चाहता हूँ, जिनकी निष्ठा, प्रतिबद्धता और ईमानदारी ने हमारी सामूहिक प्रगति और उपलब्धियों को संभव बनाया है। मैं भारत सरकार तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के प्रति भी उनके निरंतर सहयोग, मार्गदर्शन और विश्वास के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ।

भविष्य की ओर दृष्टिपात करते हुए, मुझे पूर्ण विश्वास है कि अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर अपनी प्रगति की इस गति को बनाए रखते हुए क्षेत्र एवं देश के लिए स्वास्थ्य सेवा, चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्टता का एक सुदृढ़ एवं प्रतिष्ठित केंद्र बनकर सेवारत रहेगा।

प्रो. (डॉ.) नरेंद्र कुमार अरोड़ा
अध्यक्ष, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स),
बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश)

निर्देशक महोदय की समीक्षा

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर, प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के तहत स्थापित एक राष्ट्रीय महत्व का संस्थान है, जो हिमाचल प्रदेश तथा आस-पास के राज्यों को उच्च गुणवत्ता वाली तृतीयक स्वास्थ्य सेवाएँ तथा उत्कृष्ट चिकित्सा शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। अक्टूबर 2017 में इसके शिलान्यास होने के बाद से, यह संस्थान अपनी अत्याधुनिक अवसंरचना, आधुनिक डायग्नोस्टिक सुविधाएँ और बहु-विषयक विशेषज्ञता के बूते तेज़ी से नैदानिक उत्कृष्टता और शैक्षणिक नवाचार का केंद्र बन गया है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर क्षेत्रीय स्वास्थ्य असंतुलन को सुधारने, अनुसंधान और प्रशिक्षण को बढ़ावा देने, और क्षेत्र एवं राष्ट्र के लिए चिकित्सा शिक्षा और रोगी देखभाल में उच्च मानक स्थापित करने के अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित है।

संस्थान की गतिविधियाँ

रोगी देखभाल

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर समाज के सभी वर्गों को सहानुभूतिपूर्ण, नैतिक और साक्ष्य-आधारित चिकित्सा सेवा प्रदान करने के लिए दृढ़ प्रतिबद्ध है। उत्कृष्टता, सहानुभूति और ईमानदारी के मूल्यों द्वारा मार्गदर्शित, संस्थान अपने सुसज्जित सुविधाओं, बहुविषयक विशेषज्ञता और रोगी-केंद्रित दृष्टिकोण के माध्यम से समग्र स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने का प्रयास कर रहा है। तकनीकी नवाचार, गुणवत्ता सुधार और कर्मचारियों के प्रशिक्षण के माध्यम से नैदानिक सेवाओं को बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाते हैं। प्रत्येक रोगी की सुरक्षा, सम्मान और आराम सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया जाता है। निवारक और संवर्धक स्वास्थ्य पहलों से लेकर उन्नत तृतीयक देखभाल और आपातकालीन सेवाओं तक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर हिमाचल प्रदेश और पड़ोसी क्षेत्रों के लोगों की सेवा के अपने उद्देश्य में उत्कृष्टता और मानवता के साथ समर्पित है।

बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) ने इस वर्ष **3,19,149** रोगियों को सेवाएँ प्रदान कीं, जो पिछले वर्ष की तुलना में **60% की उल्लेखनीय वृद्धि** को दर्शाता है। यह वृद्धि संस्थान की, जनता के बीच बढ़ती विश्वसनीयता और पहुंच को दर्शाती है। **जीवनशैली प्रबंधन क्लिनिक, स्टाफ वेलनेस क्लिनिक, ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र (सीआरएच), मार्कंड और शहरी स्वास्थ्य एवं प्रशिक्षण केंद्र (यूएचटीसी), रौड़ा** में आउटरीच ओपीडी जैसी कई नई पहलों ने स्वास्थ्य संवर्धन एवं रोग निवारक सेवाओं को मजबूती प्रदान की है। इसके अतिरिक्त, **टेलीमेडिसिन परामर्श सेवा को** हिमाचल प्रदेश के विभिन्न जिलों में विस्तारित किया गया है, जिसमें अब तक 5,953 रोगियों को लाभ हुआ है।

भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास विभाग की स्थापना शारीरिक विकलांगता, न्यूरोलॉजिकल स्थितियों, मस्कुलोस्केलेटल विकारों और पोस्ट-सर्जिकल कार्यात्मक अक्षमताओं वाले रोगियों को समग्र पुनर्वास सेवा प्रदान करने के दृष्टिकोण से की गई है। यह विभाग व्यक्ति केंद्रित पुनर्वास कार्यक्रमों के द्वारा रोगियों के ठीक होने, उनकी क्रियात्मक स्वतंत्रता एवं उन्नत जीवनशैली को प्रदान करने पर बल देता है।

संस्थान की निदानात्मक एवं उपचारात्मक क्षमताओं को उन्नत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में **नाभिकीय औषधि सुविधाएँ** शुरु की गई हैं। **पॉज़िट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी (पीईटी)** और **सिंगल फोटॉन एमिशन कंप्यूटेड टोमोग्राफी (एसपीईसीटी)** सेवाओं की शुरुआत ने ऑन्कोलॉजी, कार्डियोलॉजी, न्यूरोलॉजी और विभिन्न मेटाबोलिक रोगों के लिए इमेजिंग की सटीकता और दायरे को काफी बढ़ा दिया है। **पीईटी सेवाओं** की शुरुआत के साथ, **अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर** अब, एक ही छत के नीचे, व्यापक कैंसर देखभाल प्रदान करता है, जिसमें **मेडिकल ऑन्कोलॉजी, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, रेडिएशन ऑन्कोलॉजी और नाभिकीय चिकित्सा सेवाएँ** शामिल हैं।

इस वर्ष एम्स, बिलासपुर के विकास क्रम में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर उस समय स्थापित हुआ, जब संस्थान में गुर्दा प्रत्यारोपण सेवाओं का सफलतापूर्वक शुभारंभ किया गया। यह उपलब्धि संस्थान की चिकित्सा क्षमता में उल्लेखनीय प्रगति का द्योतक है, जिसके माध्यम से अंतिम चरण के गुर्दा रोग से पीड़ित रोगियों को व्यापक एवं उन्नत तृतीयक स्तर की देखभाल उपलब्ध कराई जा सकेगी। संस्थान में **पहला गुर्दा प्रत्यारोपण 02 अक्टूबर 2024** को संपन्न हुआ। वर्ष के दौरान कुल **चार सफल गुर्दा प्रत्यारोपण** किए गए, जो संस्थान की उत्कृष्टता, सुदृढ़ टीम वर्क तथा रोगी-केंद्रित देखभाल के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करते हैं। इस कार्यक्रम की सफल शुरुआत ने एम्स, बिलासपुर को उन्नत गुर्दा-देखभाल के क्षेत्र में एक **क्षेत्रीय केंद्र** के रूप में स्थापित किया है तथा साथ ही ऐसे रोगियों के लिए जीवन-रक्षक प्रक्रियाओं हेतु दूरस्थ स्थलों की यात्रा की आवश्यकता में भी उल्लेखनीय कमी लाई है।

इस वर्ष अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर ने अपनी **बेड क्षमता** और **देखभाल की गुणवत्ता** का विस्तार जारी रखा, जो संस्थान की बढ़ती प्रतिष्ठा और सामुदायिक विश्वास को दर्शाता है। **बेड ओक्यूपेंसी दर** 2023–24 में 55.2% से बढ़कर 2024–25 में 57.6% हो गई, जो अस्पताल की सेवाओं के बेहतर उपयोग का सूचक है। **स्पेशलिटी बेड्स** की संख्या 348 से बढ़कर 394 हो गई और **सुपर-स्पेशलिटी बेड्स** 177 से बढ़कर 191 हो गए, जिससे कुल **बेड क्षमता** 726 तक पहुंच गई। वर्ष के दौरान कुल 20,321 रोगियों को भर्ती किया गया, जिन्होंने व्यापक और बहु-विषयक **अस्पताल-आधारित आंतरिक उपचार सेवाओं** का लाभ उठाया।

एम्स, बिलासपुर में **आपातकालीन सेवाएँ** चौबीसों घंटे संचालित होती हैं, जो **चिकित्सा, शल्य, ट्रॉमा, प्रसूति और बाल चिकित्सा आपात स्थितियों** में आने वाले रोगियों को त्वरित, व्यापक और उच्च गुणवत्ता वाली देखभाल प्रदान करती हैं। वर्ष के दौरान अस्पताल ने **17,344 व्यक्तियों** को आपातकालीन देखभाल प्रदान की, जो इस क्षेत्र में **महत्वपूर्ण और जीवनरक्षक स्वास्थ्य सेवा** में इसकी भूमिका को दर्शाता है। रोगियों के प्रबंधन में त्वरित निदान सुनिश्चित करने और देरी को कम करने के लिए, **पॉइंट-ऑफ-केयर टेस्टिंग (पीओसीटी)** को प्रमुख जांचों जैसे कि **ट्रोपोनीन-आई, प्रोकैल्सीटोनीन, डी-डाइमर, एनटी-प्रो बीएनपी, मूत्र विषविज्ञान** और **शिरा रक्त गैस** के लिए पूरी तरह से कार्यशील बनाया गया है। औसतन, हर महीने लगभग **1,500 पीओसीटी टेस्ट** किए गए, जिससे समय पर नैदानिक निर्णय लेने और रोगी परिणामों में सुधार सुनिश्चित हुआ।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर में एक समर्पित आघात और आपातकालीन विभाग भी स्थापित किया गया है, ताकि तत्काल, उच्च गुणवत्ता वाली और सुव्यवस्थित देखभाल उन रोगियों को प्रदान की जा सके, जिन्हें तुरंत चिकित्सीय देखभाल की आवश्यकता हो।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर में **ऑपरेशन थिएटर कॉम्प्लेक्स** ने वर्ष भर कुशलतापूर्वक संचालन जारी रखा, जिसमें 6 क्रियाशील ओटी टेबल शामिल हैं, जो विभिन्न **स्पेशियलिटी और सुपरस्पेशियलिटी विभागों** में व्यापक श्रृंखला की सर्जिकल प्रक्रियाओं को संपन्न करवाते हैं। अत्याधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर, उन्नत एनेस्थेसिया वर्कस्टेशन और आधुनिक सर्जिकल तकनीक से सुसज्जित यह ओटी कॉम्प्लेक्स सभी आयु वर्ग के मरीजों के लिए सुरक्षित और प्रभावी शल्य चिकित्सा सुनिश्चित करता है। वर्ष के दौरान, वयस्क और बाल चिकित्सा स्पेशियलिटी में कुल **3,544 मेजर सर्जरी** और **945 माइनर सर्जरी** सफलतापूर्वक संचालित की गई।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर में **इंटेंसिव केयर सेवाओं** (आईसीयू) का विस्तार महत्वपूर्ण रूप से किया गया है ताकि उन्नत गंभीर देखभाल की बढ़ती मांग को पूरा किया जा सके। संस्थान अब विशेषीकृत आईसीयू सुविधाएँ प्रदान करता है, जिनमें **मेडिकल आईसीयू (एमआईसीयू), कोरोनरी केयर यूनिट (सीसीयू), क्रिटिकल केयर यूनिट, पीडियाट्रिक आईसीयू (पीआईसीयू), न्योनेटल आईसीयू (एनआईसीयू),** और रीनल ट्रांसप्लांट आईसीयू शामिल हैं, जो गंभीर रूप से **बीमार वयस्क, सर्जिकल, बाल रोग और नवजात रोगियों** की देखभाल करती हैं। वर्ष के दौरान, **आईसीयू की बिस्तर संख्या 42 से बढ़कर 65** हो गई, जो जटिल और जानलेवा स्थितियों को संभालने में संस्थान की क्षमता में महत्वपूर्ण वृद्धि को दर्शाता है।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर विशिष्ट सेवाएँ प्रदान करना जारी रखे हुए है, जैसे कि कार्डियक कैथ लैब सेवाएँ, और इस वर्ष कुल 1022 कैथ-लैब प्रक्रियाएँ सफलतापूर्वक की गईं। डायलिसिस सेवाएँ पूर्ण क्षमता पर कार्य कर रही हैं, और इस अवधि में 3205 मरीजों को हेमोडायलिसिस प्रदान किया गया।

ब्लड बैंक ने विभिन्न नैदानिक विभागों में जीवन रक्षक हस्तक्षेपों के लिए **4,720 यूनिट पीआरबीसी, 1,336 यूनिट एफएफपी, और 1,312 यूनिट प्लेटलेट्स** जारी कर गंभीर एवं आपातकालीन रोगी सेवाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं के निरंतर सुदृढ़ीकरण के माध्यम से माताओं एवं नवजात शिशुओं को सुरक्षित, उच्च गुणवत्तापूर्ण तथा व्यापक देखभाल प्रदान करना संस्थान की स्वास्थ्य सेवाओं का एक प्रमुख केन्द्र-बिंदु रहा है।

अस्पताल ने ऑटोप्सी सेवाएँ भी शुरू की, जिसके अंतर्गत अस्पताल में मृत, बाह्य लाए गए मृत तथा संदर्भित मामलों सहित कुल 175 ऑटोप्सी संपन्न की गईं।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर में रेडियोलॉजी सेवाओं ने रोगियों की देखभाल सेवाओं में सहयोग करते हुए अनेकों प्रकार की निदानात्मक और इंटरवेंशनल इमेजिंग सेवाएँ प्रदान कीं, जिनमें **एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड, डॉपलर, सीटी, एमआरआई और फ्लोरोस्कोपी** शामिल हैं। इस वर्ष के दौरान, **1,66,779 रेडियोलॉजिकल जांच और प्रक्रियाएँ** की गईं, जिससे सटीक निदान और प्रभावी नैदानिक निर्णय सुनिश्चित हुए। इसके अतिरिक्त, **865 इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी प्रक्रियाएँ**—जैसे इमेज-गाइडेड बायोप्सी, ड्रेनेज और वास्कुलर इंटरवेंशन्स—सफलतापूर्वक संपन्न की गईं।

एम्स, बिलासपुर की प्रयोगशाला सेवाओं ने अपने सुसज्जित **बायोकैमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी, पैथोलॉजी और ईसीआर प्रयोगशालाओं** के माध्यम से विश्वसनीय और उच्च गुणवत्ता वाला निदानात्मक सहयोग हिंद लैब्स की **24x7** प्रयोगशाला के समर्थन से प्रदान किया। इस वर्ष के दौरान, **कुल 11,18,057 निदानात्मक परीक्षण** किए गए, जिससे सभी क्लिनिकल विभागों में रोगी देखभाल के लिए समय पर और सटीक परिणाम सुनिश्चित किए गए।

रोगियों की सुविधा के लिए, एम्स, बिलासपुर ने हिमकेयर और आयुष्मान योजनाएँ जारी रखीं, जिससे इस वर्ष 18,578 रोगियों को लाभ प्राप्त हुआ। संस्थान के ओपीडी परिसर में जन औषधि और अमृत फ़ार्मेसी के वितरण केंद्र भी हैं ताकि रोगियों को

गुणवत्तापूर्ण दवाएँ किफायती कीमत पर मिल सकें।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर में रोगी देखभाल विभिन्न सेवाओं के सहयोग से प्रदान की जा रही हैं :

- संस्थान में लॉन्ड्री सेवाएँ संचालित हैं, जो ओपीडी, आईपीडी, ओटी और अस्पताल के अन्य क्षेत्रों को सहयोग देती है।
- अस्पताल में अब एमजीपीएस सिस्टम सक्रिय है।
- सीएसएसडी सेवाएँ पूर्ण रूप से संचालित हो रही हैं।
- 20,000 लीटर क्षमता वाले 2 टैंकों के साथ तरल चिकित्सा ऑक्सीजन संयंत्र कार्यरत है।
- संस्थान में रोगियों के परिवहन के लिए 2 एम्बुलेंस हैं, जो ए.सी.एल.एस और बी.एल.एस से लैस हैं।
- अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर परिसर के भीतर रोगियों और परिचारकों के लिए मुफ्त इलेक्ट्रिक-कार्ट सेवाएँ प्रदान करता है।
- दूरदराज़ के क्षेत्रों से आए रोगियों और परिचारकों के लिए पावर ग्रिड निगम की सी.एस.आर योजना के तहत 250 बेड का रात्री विश्राम गृह निर्माणाधीन है।
- संस्थान नए निवास, नर्सिंग कॉलेज के लिए लेक्चर थिएटर और होस्टल का निर्माण कर रहा है।
- संस्थान वैकल्पिक ऊर्जा स्त्रोतों के लिए प्रतिबद्ध है और 650 किलो वाट क्षमता की रूफटॉप सोलर प्लांट के निर्माण की प्रक्रिया में है।

शैक्षणिक गतिविधियाँ

एमबीबीएस पाठ्यक्रम:

सितंबर 2024 में पाँचवे एमबीबीएस सत्र की शुरुआत हुई, जिसमें नीट मेरिट के आधार पर एनटीए और एमसीसी सीट आवंटन के अनुसार 100 छात्रों का प्रवेश हुआ। इस बैच के लिए अभिविन्यास और बुनियादी पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए गए।

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम:

शैक्षणिक सत्र 2024-25 में विभिन्न विशेषज्ञताओं में कनिष्ठ आवासी चिकित्सकों की 54 अनुमोदित सीटों में से 43 सीटों पर प्रवेश संपन्न हुआ; वरिष्ठ आवासी चिकित्सकों की 20 उपलब्ध सीटों में से 9 सीटों पर अभ्यार्थियों ने प्रवेश लिया, जो मुख्य क्लिनिकल और सुपर-स्पेशियलिटी क्षेत्रों में विस्तार को दर्शाता है। स्नातकोत्तर बैच के लिए ओरिएंटेशन आयोजित किया गया, जिसमें शोध कार्यप्रणाली और प्रोटोकॉल लेखन प्रशिक्षण शामिल था।

सुपर-स्पेशियलिटी पाठ्यक्रम:

संस्थान कार्डियोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, मेडिकल ऑन्कोलॉजी, नियोनेटलॉजी, एंडोक्राइनोलॉजी, क्लिनिकल इम्यूनोलॉजी और रूमेटोलॉजी, पेडियाट्रिक सर्जरी, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, और बर्न्स एवं प्लास्टिक सर्जरी में सुपर-स्पेशियलिटी पाठ्यक्रम प्रदान करता है। कुल 20 उपलब्ध सीटों में से 9 छात्रों का नामांकन इन पाठ्यक्रम में हुआ।

नर्सिंग और पैरा-मेडिकल पाठ्यक्रम:

वर्ष 2024 में बी.एससी नर्सिंग और बी.एससी पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों का तीसरा बैच शुरू हुआ। इसके अतिरिक्त, एम्स बिलासपुर ने 2025–2027 के लिए दो वर्षीय इमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियन डिप्लोमा कार्यक्रम शुरू किया, जिसका उद्देश्य आपातकालीन और गैर-आपातकालीन दोनों परिस्थितियों में त्वरित और आवश्यक चिकित्सा देखभाल प्रदान करने में सक्षम पेशेवर तैयार करना है।

संकाय विकास और विस्तारित सेवाएँ:

मेडिकल एजुकेशन यूनिट ने मेडिकल एजुकेशन टेक्नोलॉजीज़ पर अपनी द्वितीय संकाय कार्यशाला का आयोजन किया, जिसके अंतर्गत विभिन्न विशेषज्ञताओं के 25 संकाय सदस्यों को शिक्षण मानकों में उन्नयन हेतु प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

पूरे वर्ष के दौरान, एम्स बिलासपुर ने 20 राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन एवं सीएमई सफलतापूर्वक आयोजित किए, जिनका उद्देश्य चिकित्सा ज्ञान के आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करना एवं आधुनिक नैदानिक प्रथाओं को बढ़ावा देना था।

जून और अगस्त 2024 में नर्सिंग अधिकारियों के लिए परिचयात्मक कार्यक्रम एवं अभिविन्यास सत्र आयोजित किए गए, जिससे कार्यबल की तत्परता एवं दक्षता सुनिश्चित की जा सकी।

संस्थान ने सामुदायिक सहभागिता को भी विशेष प्राथमिकता दी तथा कुल 28 जागरूकता गतिविधियाँ सफलतापूर्वक आयोजित कीं, जो जनस्वास्थ्य, सामाजिक उत्तरदायित्व और स्थानीय समुदाय के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता का द्योतक हैं।

अनुसंधान

संस्थान के संकाय सदस्य तन्मयता से अनुसंधान गतिविधियों में संलग्न हैं, तथा वैज्ञानिक उन्नति और सामुदायिक स्वास्थ्य के लिए अर्थपूर्ण अनुप्रयोगों, दोनों पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

वर्ष 2024-25 के दौरान, एम्स, बिलासपुर ने एक जीवंत, अनुसंधान-केंद्रित पारिस्थितिकी तंत्र, 30 अनुसंधान परियोजनाओं जिनकी कुल लागत ₹80 करोड़ थी और 3 पूर्ण परियोजनाओं के द्वारा बनाए रखा जिसके परिणामस्वरूप 83 अनुसंधान प्रकाशन हुए।

संस्थान की अनुसंधान क्षमताओं को और आणविक निदान के लिए क्षेत्रीय वायरल अनुसंधान और डायग्नोस्टिक प्रयोगशाला (वी.आर.डी.एल) जैसी उन्नत सुविधाओं की स्थापना के माध्यम से मजबूत किया गया।

इस वर्ष, 4 संकाय सदस्यों को आंतरिक अनुदान प्रदान किए गए, 2 एमबीबीएस छात्रों ने आईसीएमआर की एसटीएस परियोजनाएँ हासिल कीं और एक स्नातकोत्तर छात्र को आईसीएमआर स्नातकोत्तर अनुदान प्राप्त हुआ।

केंद्रीय अनुसंधान सुविधा के उद्घाटन ने बहुविषयक अनुसंधान के विकास में योगदान दिया है। विशेषीकृत इकाइयाँ जैसे कि डब्लयूईटी लैब, जीनोमिक्स और प्रोटिओमिक्स अब कार्यशील हैं, और प्रति वर्ष 25 स्नातकोत्तर छात्रों के लिए संस्थागत स्नातकोत्तर थीसिस अनुदानों की स्वीकृति देकर शैक्षणिक अनुसंधान प्रयासों को सशक्त कर रही हैं।

कुल मिलाकर, ये प्रयास एम्स, बिलासपुर की स्वास्थ्य देखभाल में अग्रणी प्रगति, शैक्षणिक उत्कृष्टता और समाज के लाभ के लिए अनुसंधान के परिणामों के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करती हैं।

भविष्य की योजनाएँ

चिकित्सीय सेवाएँ

एम्स, बिलासपुर अपनी चिकित्सीय अवसंरचना और सेवा क्षमताओं के महती विस्तार करने के लिए तैयार है। सभी 750 बिस्तर जल्द ही पूरी तरह से संचालित होंगे, और 16 अत्याधुनिक शल्य चिकित्सा कक्षों से सुसज्जित होंगे। लेवल 3 बाल रोग आईसीयू, आई.वी.एफ केंद्र, और परिधीय शिरापरिचर्या एवं थोरैसिक सर्जरी के लिए विशेष सुविधाएँ स्थापित करने की योजनाएँ जारी हैं।

संस्थान का लक्ष्य व्यापक बहुअंग प्रत्यारोपण सेवाएँ विकसित करना है, जिसमें गुर्दा प्रत्यारोपण, स्टेम सेल प्रत्यारोपण और कॉर्निया प्रत्यारोपण सेवाएँ पहले से योजना में हैं। एक हड्डी बैंक भी प्रस्तावित है। इसके अतिरिक्त, क्षेत्र की अद्वितीय भौगोलिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए, एम्स बिलासपुर एक उच्च-ऊंचाई चिकित्सा केंद्र स्थापित करने की योजना बना रहा है।

निदान क्षमताओं को और सुदृढ़ करने के लिए, संस्थान उन्नत सेवाएँ प्रदान करने की दिशा में काम कर रहा है, जैसे कि एचएलए टाइपिंग और आणविक कैंसर प्रोफाइलिंग, ताकि प्रारंभिक और सटीक निदान संभव हो सके।

शिक्षण और प्रशिक्षण

एम्स, बिलासपुर अपने शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करने की कई पहलों के साथ शैक्षणिक विस्तार की ओर अग्रसर है। एमबीबीएस प्रवेश संख्या को 125 तक बढ़ाया जाएगा, और शेष विभागों में एमडी/एमएस तथा डीएम/एमसीएच पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे।

पीएचडी कार्यक्रम प्रारंभ किए जाएंगे, साथ ही सार्वजनिक स्वास्थ्य नर्सिंग और सहायक स्वास्थ्य विज्ञान में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम भी शुरू किए जाएंगे। बढ़ती शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, डिजिटल शिक्षा और शोध तक पहुंच को बढ़ाने के लिए ई-लाइब्रेरी की भी योजना बनाई गई है।

अनुसंधान

एम्स बिलासपुर, नवाचार एवं वैज्ञानिक उन्नति के प्रति प्रतिबद्धता हेतु अनुसंधान के उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने की योजना बना रहा है, जो क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्वास्थ्य देखभाल परिदृश्य की सेवा कर सकें। भारतीयों के लिए अनुकूल, किफायती और सस्ती तकनीक और चिकित्सीय विकास प्राथमिकताओं में शामिल हैं।

रणनीतियाँ: ऑन्कोजीन स्क्रीनिंग, कैंसर कोशिका एपिजेनेमिक्स, **और** अस्पताल जनित संक्रमणों को नियंत्रित करने की रणनीतियाँ। संस्थान का उद्देश्य उच्च-ऊंचाई चिकित्सा, डिजिटल स्वास्थ्य और स्वास्थ्य देखभाल में एआई में अनुसंधान को भी बढ़ावा देना है, साथ ही नए जीन लक्ष्यों और चिकित्सीय विकास की दिशा में काम करना है।

सामुदायिक सहभागिता

एम्स बिलासपुर अपने सामुदायिक सेवाओं को सुदृढ़ बनाने की योजना बना रहा है, जिसमें आउटरीच कैंपों में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार और ग्रामीण, व्यावसायिक एवं पर्यावरणीय स्वास्थ्य केंद्र (किसान स्वास्थ्य केंद्र) की स्थापना शामिल है।

संस्थान दूर-दराज और कठिनाईपूर्ण क्षेत्रों में सैटेलाइट केंद्र विकसित करने की भी योजना बना रहा है, ताकि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल सेवाएँ प्रत्येक व्यक्ति तक समान रूप से पहुँचाई जा सकें। इन केंद्रों का उपयोग निकट भविष्य में मेडिकल वैल्यू टूरिज़्म (एम.वी.टी) को बढ़ावा देने के लिए भी किया जाएगा।

हम भविष्य में देखेंगे कि एम्स बिलासपुर रोगी देखभाल, चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान और सामुदायिक सहभागिता में उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्ध और अडिग है। हमने कम समय में जो प्रगति की है, वह हमारे संकाय सदस्यों, अधिकारियों, कर्मचारियों, छात्रों और सहयोगियों की समर्पित मेहनत का परिणाम है, जिनके सामूहिक प्रयास, संस्थान की नींव को मजबूत करते हैं। चिकित्सीय सेवाओं, शैक्षणिक कार्यक्रमों और अनुसंधान पहलों में आगामी विस्तार के साथ, हम क्षेत्र की सेवा, और भी क्षमता और करुणा के साथ करने के लिए तैयार हैं।

मैं उन सभी का हृदयतल से आभारी हूँ जिन्होंने हमारी प्रगति में योगदान दिया और मैं सभी हितधारकों को आमंत्रित करता हूँ कि वे हमारे साथ जुड़ें, ताकि हम एम्स बिलासपुर को राष्ट्र के लिए एक अग्रणी स्वास्थ्य और नवाचार केंद्र के रूप में आकार देने की अपनी यात्रा जारी रख सकें।

सर्वे सन्तु निरामया।

ले. ज. (डॉ.) दलजीत सिंह (से.नि.)
कार्यकारी निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर

विषय-सूची

क्र. सं.	विषय	पृष्ठ संख्या
I	**संस्थान और इसकी समितियाँ**	XV
II	**भर्ती अनुभाग**	01
III	**कानूनी अनुभाग**	03
IV	**अभियांत्रिकी अनुभाग**	05
V	**राजभाषा विभाग**	08
VI	**दिव्यांगजन के लिए पहल**	12
VII	**अस्पताल अनुभाग**	15
1.	ओ.पी.डी. सेवाएँ	15
2.	आई.पी.डी. सेवाएँ	16
3.	आई.सी.यू. सेवाएँ	17
4.	कार्डियोलॉजी सेवाएँ	20
5.	ओटी सेवाएँ	21
6.	रक्त बैंक सेवाएँ	22
7.	प्रसूति सेवाएँ	22
8.	आघात और आपातकालीन सेवाएँ	22
9.	नैदानिक सेवाएँ	24
10.	शव परीक्षण सेवाएँ	31
11.	हिमकेयर और आयुष्मान भारत स्वास्थ्य बीमा योजनाएं	31
12.	प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना	31
13.	मेडिकल रिकॉर्ड अनुभाग	32
14.	डिजिटल स्वास्थ्य केंद्र	36
15.	नर्सिंग सेवाएँ	37
VIII	**शैक्षणिक अनुभाग**	39
1.	स्नातक पाठ्यक्रम	39
2.	स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम	40
3.	सुपर स्पेशियलिटी पाठ्यक्रम	41
4.	चिकित्सा शिक्षा इकाई	43
5.	मेंटरशिप कार्यक्रम	46
6.	छात्रावास अनुभाग	48
IX	**अनुसंधान अनुभाग**	49
1.	संस्थागत आचार समिति	51
2.	अनुसंधान परियोजनाएँ	54
X	**परीक्षा अनुभाग**	75
XI	**विभागीय वार्षिक प्रतिवेदन**	
1.	संज्ञाहरण एवं गहन चिकित्सा	79
2.	शरीर रचना	83
3.	जैव रसायन	85
4.	बर्न्स एवं प्लास्टिक सर्जरी	88
5.	कार्डियोथोरेसिक सर्जरी	90

6.	कार्डियोलॉजी	92
7.	क्लिनिकल इम्यूनोलॉजी व रुमेटोलॉजी	95
8.	सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा	100
9.	दंत चिकित्सा	110
10.	त्वचा रोग विज्ञान	113
11.	अंतःस्राविकी एवं चयापचय विभाग	117
12.	ईएनटी (ओटो-राइनो-लैरिंगोलॉजी)	119
13.	न्यायालयी चिकित्सा एवं विष विज्ञान	122
14.	सामान्य चिकित्सा	125
15.	सामान्य शल्य चिकित्सा	129
16.	अस्पताल प्रशासन	132
17.	मेडिकल ऑन्कोलॉजी व हेमेटोलॉजी	133
18.	सूक्ष्म जीव विज्ञान	137
19.	नवजात शिशु रोग	140
20.	नेफ्रोलॉजी	143
21.	तंत्रिका-विज्ञान	145
22.	न्यूरोसर्जरी	150
23.	नाभिकीय चिकित्सा	152
24.	प्रसूति एवं स्त्री रोग	154
25.	नेत्र विज्ञान	157
26.	हड्डी रोग	160
27.	बाल रोग विभाग	162
28.	बाल शल्य चिकित्सा विभाग	165
29.	पैथोलॉजी	167
30.	भेषजगुण विज्ञान	170
31.	भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास	174
32.	शरीर क्रिया विज्ञान	176
33.	मनोरोग विज्ञान	180
34.	रेडियोलॉजी	183
35.	रेडिएशन ऑन्कोलॉजी	187
36.	सर्जिकल ऑन्कोलॉजी	189
37.	ट्रांसफ़्यूज़न मेडिसिन एवं ब्लड बैंक	191
38.	आघात एवं आपातकालीन विभाग	192
39.	यूरोलॉजी	193
40.	नर्सिंग महाविद्यालय	194
XII	**सामुदायिक सहभागिताएँ**	201
XIII	**मीडिया में एम्स बिलासपुर**	214
XIV	**वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए वार्षिक खाते**	217

संस्थान निकाय

क्र. सं.	सदस्य का नाम		पदनाम
1.	**प्रो. (डॉ.) रणदीप गुलेरिया** अध्यक्ष, आंतरिक चिकित्सा, श्वसन एवं निद्रा संस्थान चिकित्सा, मेदांता, द मेडिसिटी, गुरुग्राम		अध्यक्ष
2.	**श्री अनिल बलूनी** सांसद, राज्यसभा, नई दिल्ली	दिनांक 02/04/2024 तक	सदस्य
	श्री हर्ष महाजन सांसद, राज्यसभा, नई दिल्ली	दिनांक 13/01/2025 से	
3.	**श्री सुरेश कश्यप** सांसद, लोकसभा, नई दिल्ली	दिनांक 12/01/2025 तक	सदस्य
	श्री शिवाजी बंडप्पा कालगे सांसद, लोकसभा, नई दिल्ली	दिनांक 13/01/2025 से	
4.	**श्री किशन कपूर** सांसद, लोकसभा, नई दिल्ली	दिनांक 12/01/2025 तक	सदस्य
	श्री अनुराग सिंह ठाकुर सांसद, लोकसभा, नई दिल्ली	दिनांक 13/01/2025 से	
5.	**श्री अपूर्व चंद्र** आईएएस, सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	दिनांक 30/09/2024 तक	सदस्य
	सुश्री पुन्या सलीला श्रीवास्तव आईएएस, सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	दिनांक 01/10/2024 से	
6.	**डॉ. अतुल गोयल** महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवाएँ, नई दिल्ली	दिनांक 27/04/2025 तक	सदस्य
7.	**श्री जयदीप कुमार मिश्रा** आईएएस, अतिरिक्त सचिव एवं वित्त सलाहकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली		सदस्य
8.	**श्री प्रभोध सक्सेना** आईएएस, मुख्य सचिव, शिमला		सदस्य
9.	**प्रो. (डॉ.) एस. पी. बंसल** कुलपति, केंद्रीय विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश		सदस्य
10.	**प्रो. गंगाधर** महासचिव (पूर्व), भारतीय विज्ञान कांग्रेस संघ		सदस्य
11.	रिक्त पद		सदस्य
12.	**प्रो. (डॉ.) अजय दुसेजा** आचार्य, हेपेटोलॉजी विभाग, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़		सदस्य
13.	**डॉ. आदर्श चौधरी** अध्यक्ष, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जरी, इंस्टिट्यूट ऑफ डाइजेस्टिव एंड हेपेटोबिलियरी साइंसेज़		सदस्य
14.	**डॉ. अक्षय चंद्र धारीवाल** सलाहकार, राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम, नई दिल्ली		सदस्य
15.	**प्रो. (डॉ.) पीयूष साहनी** आचार्य एवं प्रमुख, जीआई सर्जरी विभाग, एम्स, नई दिल्ली		सदस्य
16.	**प्रो. लक्ष्मीधर बेहरा** निदेशक, आईआईटी मंडी		सदस्य
17.	**प्रो. (डॉ.) वीर सिंह नेगी** कार्यकारी निदेशक, एम्स बिलासपुर	दिनांक 31/01/2025 तक	सदस्य-सचिव
	प्रो. (डॉ.) दयानंद शर्मा कार्यकारी निदेशक, एम्स बिलासपुर	दिनांक 01/02/2025 से	

शासनकारी समिति

क्र. सं.	सदस्य का नाम		पदनाम
1.	**प्रो. (डॉ.) रणदीप गुलेरिया** अध्यक्ष, आंतरिक चिकित्सा, श्वसन एवं निद्रा संस्थान चिकित्सा, मेदांता, द मेडिसिटी, गुरुग्राम		अध्यक्ष
2.	**श्री सुरेश कश्यप** सांसद, लोकसभा, नई दिल्ली	दिनांक 12/01/2025 तक	सदस्य
3.	**श्री अपूर्व चंद्र** आईएएस, सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	दिनांक 30/09/2024 तक	सदस्य
	सुश्री पुन्या सलीला श्रीवास्तव आईएएस, सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	दिनांक 01/10/2024 से	
4.	**डॉ. अतुल गोयल** महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवाएँ, नई दिल्ली		पदेन सदस्य
5.	**श्री जयदीप कुमार मिश्रा** आई.सी.ए.एस., अतिरिक्त सचिव एवं वित्त सलाहकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली		सदस्य
6.	**श्री प्रभोध सक्सेना** आईएएस, मुख्य सचिव, शिमला		सदस्य
7.	रिक्त पद		सदस्य
8.	**प्रो. (डॉ.) पीयूष साहनी** आचार्य एवं प्रमुख, जीआई सर्जरी विभाग, एम्स, नई दिल्ली		सदस्य
9.	**डॉ. आदर्श चौधरी** अध्यक्ष, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जरी, इंस्टिट्यूट ऑफ डाइजेस्टिव एंड हेपेटोबिलियरी साइंसेज़		सदस्य
10.	**प्रो. (डॉ.) अजय दुसेजा** आचार्य, हेपेटोलॉजी विभाग, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़		सदस्य
11.	**प्रो. (डॉ.) वीर सिंह नेगी** कार्यकारी निदेशक, एम्स बिलासपुर	दिनांक 31/01/2025 तक	सदस्य-सचिव
	प्रो. (डॉ.) दयानंद शर्मा कार्यकारी निदेशक, एम्स बिलासपुर	दिनांक 01/02/2025 से	

स्थायी वित्त समिति

क्र. सं.	सदस्य का नाम		पदनाम
1.	**श्री अपूर्व चंद्र** आईएएस, सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	दिनांक 30/09/2024 तक	अध्यक्ष
	सुश्री पुन्या सलीला श्रीवास्तव आईएएस, सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	दिनांक 01/10/2024 से	
2.	**श्री किशन कपूर** सांसद, लोकसभा, नई दिल्ली	दिनांक 12/01/2025 तक	उपाध्यक्ष
3.	**डॉ. अतुल गोयल** महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवाएँ, नई दिल्ली		सदस्य
4.	**श्री जयदीप कुमार मिश्रा** आई.सी.ए.एस., अतिरिक्त सचिव एवं वित्त सलाहकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली		सदस्य
5.	**प्रो. (डॉ.) पीयूष साहनी** आचार्य एवं प्रमुख, जीआई सर्जरी विभाग, एम्स, नई दिल्ली		सदस्य
6.	**प्रो. (डॉ.) एस. पी. बंसल** केंद्रीय विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश के कुलपति		सदस्य
7.	रिक्त पद		सदस्य
8.	**डॉ. अक्षय चंद्र धारिवाल** सलाहकार, राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम, नई दिल्ली		सदस्य
9.	**प्रो. (डॉ.) वीर सिंह नेगी** कार्यकारी निदेशक, एम्स बिलासपुर	दिनांक 31/01/2025 तक	सदस्य-सचिव
	प्रो. (डॉ.) दयानंद शर्मा कार्यकारी निदेशक, एम्स बिलासपुर	दिनांक 01/02/2025 से	

स्थायी चयन समिति

क्र. सं.	सदस्य का नाम		पदनाम
1.	**प्रो. (डॉ.) पीयूष साहनी** आचार्य एवं प्रमुख, जीआई सर्जरी विभाग, एम्स, नई दिल्ली		अध्यक्ष
2.	रिक्त पद		उपाध्यक्ष
3.	**डॉ. अतुल गोयल** महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवाएँ, नई दिल्ली		सदस्य
4.	**डॉ. आदर्श चौधरी** अध्यक्ष, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जरी, इंस्टिट्यूट ऑफ डाइजेस्टिव एंड हेपेटोबिलियरी साइंसेज़		सदस्य
5.	**प्रो. (डॉ.) एस. पी. बंसल** कुलपति, हिमाचल प्रदेश टेक्निकल यूनिवर्सिटी, हमीरपुर		सदस्य
6.	**प्रो. गंगाधर** सामान्य सचिव (पूर्व), भारतीय विज्ञान कांग्रेस संघ		सदस्य
7.	**प्रो. (डॉ.) अजय दुसेजा** प्रोफेसर, हेपेटोलॉजी, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़		सदस्य
8.	**डॉ. अक्षय चंद्र धारिवाल** सलाहकार, राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम, नई दिल्ली		सदस्य
9.	**प्रो. (डॉ.) वीर सिंह नेगी** कार्यकारी निदेशक, एम्स बिलासपुर	दिनांक 31/01/2025 तक	सदस्य-सचिव
	प्रो. (डॉ.) दयानंद शर्मा कार्यकारी निदेशक, एम्स बिलासपुर	दिनांक 01/02/2025 से	

स्थायी शैक्षणिक समिति

क्र. सं.	सदस्य का नाम		पदनाम
1.	**डॉ. अक्षय चंद्र धारिवाल** सलाहकार, राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम, नई दिल्ली		अध्यक्ष
2.	**प्रो. (डॉ.) पीयूष साहनी** आचार्य एवं प्रमुख, जीआई सर्जरी विभाग, एम्स, नई दिल्ली		उपाध्यक्ष
3.	**श्री अनिल बलूनी** सांसद, राज्यसभा, नई दिल्ली	दिनांक 02/04/2024 तक	सदस्य
4.	**डॉ. अतुल गोयल** महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवाएँ, नई दिल्ली		सदस्य
5.	**प्रो. (डॉ.) एस. पी. बंसल** कुलपति, केंद्रीय विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश		सदस्य
6.	**प्रो. (डॉ.) अजय दुसेजा** आचार्य, हेपेटोलॉजी, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़		सदस्य
7.	**प्रो. गंगाधर** सामान्य सचिव (पूर्व), भारतीय विज्ञान कांग्रेस संघ		सदस्य
8.	**प्रो. (डॉ.) वीर सिंह नेगी** कार्यकारी निदेशक, एम्स बिलासपुर	दिनांक 31/01/2025 तक	सदस्य-सचिव
	प्रो. (डॉ.) दयानंद शर्मा कार्यकारी निदेशक, एम्स बिलासपुर	दिनांक 01/02/2025 से	

स्थायी संपदा समिति

क्र. सं.	सदस्य का नाम		पदनाम
1.	**श्री सुरेश कश्यप** सांसद	दिनांक 12/01/2025 तक	अध्यक्ष
2.	**श्री जयदीप कुमार मिश्रा** आई.सी.ए.एस., अतिरिक्त सचिव एवं वित्त सलाहकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली		सदस्य
3.	**श्री प्रभोद सक्सेना** आईएएस, मुख्य सचिव, शिमला		सदस्य
4.	**डॉ. अक्षय चंद्र धारिवाल** सलाहकार, राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम, नई दिल्ली		सदस्य
5.	रिक्त पद		सदस्य
6.	**प्रो. (डॉ.) एस. पी. बंसल** कुलपति, केंद्रीय विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश		सदस्य
7.	**प्रो. (डॉ.) अजय दुसेजा** आचार्य, हेपेटोलॉजी, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़		सदस्य
8.	**प्रो. (डॉ.) पीयूष साहनी** आचार्य एवं प्रमुख, जीआई सर्जरी विभाग, एम्स, नई दिल्ली		सदस्य
9.	**प्रो. (डॉ.) वीर सिंह नेगी** कार्यकारी निदेशक, एम्स बिलासपुर	दिनांक 31/01/2025 तक	सदस्य-सचिव
	प्रो. (डॉ.) दयानंद शर्मा कार्यकारी निदेशक, एम्स बिलासपुर	दिनांक 01/02/2025 से	

मानव संसाधन उप-समिति

क्र. सं.	सदस्य का नाम		पदनाम
1.	**प्रो. (डॉ.) अजय दुसेजा** आचार्य, हेपेटोलॉजी, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़		अध्यक्ष
2.	**प्रो. लक्ष्मिधर बेहेरा** निदेशक, आईआईटी मंडी		उपाध्यक्ष
3.	**श्री अपूर्व चंद्र** आईएएस, सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	दिनांक 30/09/2024 तक	सदस्य
	सुश्री पुन्या सलीला श्रीवास्तव आईएएस, सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	दिनांक 01/10/2024 से	
4.	**श्री प्रभोद सक्सेना** आईएएस, मुख्य सचिव, शिमला		सदस्य
5.	**प्रो. (डॉ.) वीर सिंह नेगी** कार्यकारी निदेशक, एम्स बिलासपुर	दिनांक 31/01/2025 तक	सदस्य-सचिव
	प्रो. (डॉ.) दयानंद शर्मा कार्यकारी निदेशक, एम्स बिलासपुर	दिनांक 01/02/2025 से	

भर्ती अनुभाग

एम्स बिलासपुर में भर्ती प्रक्रिया में सक्षम प्राधिकारी की सहायता के लिए 4 सितंबर 2021 को एम्स बिलासपुर में भर्ती प्रकोष्ठ का गठन किया गया। बड़ी संख्या में लंबित भर्तियों और प्रशासनिक व्यवस्था की कमी को देखते हुए, एम्स बिलासपुर में भर्ती (नियमित/अनुबंध/प्रतिनियुक्ति) और पदोन्नति प्रक्रिया में सहायता के लिए संकाय सदस्यों को नामित किया गया।

क्र. सं.	नाम	सौंपा गया दायित्व
1.	डॉ. अशोक कुमार दुबे	संकाय और ग्रुप ए गैर-संकाय, ग्रुप ए संविदात्मक
2.	डॉ. राकेश कुमार सिंह	ग्रुप बी व सी नियमित तथा संविदात्मक और प्रतिनियुक्ति ग्रुप ए
3.	श्री कुलदीप शर्मा	सीनियर रेज़िडेंट (गैर-शैक्षणिक), जूनियर रेज़िडेंट (गैर-शैक्षणिक) तथा आउटसोर्स कर्मचारी

जनशक्ति

क्र. सं.	पद	स्वीकृत	कार्यरत	रिक्त	टिप्पणियाँ
1.	**परियोजना प्रकोष्ठ पद (प्रतिनियुक्ति)**	08	06	02	कई विज्ञापनों के बावजूद एफए और एमएस के पद रिक्त
2.	**चिकित्सा संकाय**	217	117	100	निरंतर विज्ञापन
3.	**नर्सिंग संकाय**	23	11	12	एम्स सीआरई 2024 के लिए एम्स नई दिल्ली को 12 अनुशिक्षक पदों के लिए अधियाचना दी गई है
4.	**नर्सिंग स्टाफ**	833	587	246	174 एसएनओ पदोन्नति पद। 57 पदों पर कैट द्वारा चयन स्थगन। एम्स नई दिल्ली द्वारा 07 नर्सिंग अधिकारी पदों पर नॉरसेट के माध्यम से भर्ती।
5.	**वरिष्ठ रेजिडेंट**	200	72	128	निरंतर विज्ञापन
6.	**जूनियर रेजिडेंट**	200	116	84	निरंतर विज्ञापन
	अन्य गैर-संकाय कर्मचारी				
7.	**ग्रुप ए**	16	08	08	विज्ञापन प्रक्रियाधीन
8.	**ग्रुप बी**	69	13	56	एम्स सीआरई 2025 के लिए एम्स नई दिल्ली को अधियाचना दे दी गई है
9.	**ग्रुप सी**	164	62	102	एम्स सीआरई 2025 के लिए एम्स नई दिल्ली को अधियाचना दे दी गई है
कुल		1730	992	732	-
आउटसोर्स कर्मचारी		-	266	-	-

चिकित्सा संकाय, नर्सिंग संकाय, सीनियर रेजिडेंट, जूनियर रेजिडेंट, प्रतिनियुक्ति पद, सुरक्षा एवं स्वच्छता सेवाएं, सामान्य एवं तकनीकी जनशक्ति के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

भर्ती योजना

क्र. सं.	पद का नाम	विज्ञापन तिथि	आवेदन की अंतिम तिथि	आवेदन संवीक्षा	परीक्षा	साक्षात्कार/दस्तावेज सत्यापन	परिणाम घोषणा	कार्यभार ग्रहण
संकाय पद								
1.	ग्रुप (ए) संकाय	11.12.2024	15.01.2025	14.02.2025	-	24.02.2025 से 28.02.2025	07.03.2025	मार्च
गैर-संकाय पद								
1.	सीनियर रेजिडेंट	10.01.2025	18.01.2025	21.01.2025	-	21.01.2025	30.01.2025	
		28.11.2024	17.12.2024	17.12.2024	-	17.12.2024	21.12.2024	-
		07.10.2024	17.10.2024	17.10.2024	-	17.10.2024	22.10.2024	-
		26.07.2024	05.08.2024	08.08.2024	-	08.08.2024	13.08.2024	
		13.06.2024	22.06.2024	25.06.2024	-	25.06.2024	28.06.2024	
2.	जूनियर रेजिडेंट	23.01.2025	26.01.2025	28.01.2025	-	28.01.2025	29.01.2025	
		28.11.2024	30.11.2024	02.12.2024	-	02.12.2024	06.12.2024	
		10.10.2024	19.10.2024	22.10.2024	-	22.10.2024	22.10.2024	
		16.08.2024	23.08.2024	23.08.2024	-	23.08.2024	31.08.2024	
		26.07.2024	05.08.2024	08.08.2024	-	08.08.2024	13.08.2024	
3.	एम्स नई दिल्ली द्वारा विज्ञापित नियमित पद (ग्रुप-बी और सी)	07.01.2025	31.01.2025	-	26.02.2025 से 28.02.2025	-		
	एम्स नई दिल्ली द्वारा नॉर्सेट (नर्सिंग अधिकारी) के लिए विज्ञापन	05.08.2023	25.08.2023	-	17.09.2023 (चरण 1), 07.10.2023 (चरण 2)	-	16.10.2023	अक्टूबर
		26.02.2024	17.03.2024	-	14.04.2024 (चरण 1), 05.05.2024 (चरण 2)	-	06.06.2024	जून
4.	प्रतिनियुक्ति	20.02.2025	14.04.2025	28.08.2025	-	प्रक्रिया में	-	-
		11.12.2024	16.01.2025	14.02.2025	-	18.02.2025	31.05.2025, और 16.06.2025	-
		23.07.2024	31.08.2024	19.11.2024	-	22.11.2024	10.05.2025	-
5.	सलाहकार	04.09.2024	30.09.2024	13.02.2024	-	18.02.2024	28.05.2025	-

कानूनी अनुभाग

सलाहकार (कानूनी):- श्री. अरविन्द कुमार नडडा

1. रैगिंग विरोधी समिति

एम्स बिलासपुर की रैगिंग विरोधी समिति का गठन 23 अक्टूबर, 2021 को वैधानिक आवश्यकताओं के अनुसार किया गया।

क्र. सं.	नाम	पद/विभाग	नियुक्ति
1.	प्रो. (डॉ.) वीर सिंह नेगी	कार्यकारी निदेशक	संरक्षक
2.	प्रो. (डॉ.) रूपाली पारलेवार	अधिष्ठाता (शैक्षणिक)	अध्यक्ष
3.	डॉ. राकेश कुमार सिंह	रजिस्ट्रार	सदस्य सचिव
4.	प्रो. (डॉ.) दीप्ति चोपड़ा	भेषजगुण विज्ञान विभाग	सदस्य
5.	प्रो. (डॉ.) नरवीर सिंह चौहान	रेडियोलॉजी विभाग	सदस्य
6.	डॉ. सुदेश कुमार	ईएनटी विभाग	सदस्य
7.	डॉ. सुमिता शर्मा	जैव रसायन विभाग	सदस्य
8.	डॉ. मनु प्रिया	पैथोलॉजी (सीनियर वार्डन, गर्ल्स हॉस्टल)	सदस्य
9.	डॉ. नेहा चौहान	ईएनटी (जूनियर एफ/आई, यूजी गर्ल्स हॉस्टल)	सदस्य
10.	प्रो. (डॉ.) आदित्य शर्मा	प्रधानाचार्य, नर्सिंग महाविद्यालय	सदस्य
11.	डॉ. इंदु बाला / डॉ. मोनिका शर्मा	नर्सिंग महाविद्यालय (वार्डन, नर्सिंग हॉस्टल)	सदस्य
12.	ऋत्विक शर्मा	छात्र प्रतिनिधि (एम.बी.बी.एस. 2022 बैच)	सदस्य
13.	गौरी शर्मा	छात्र प्रतिनिधि (एम.बी.बी.एस. 2022 बैच)	सदस्य
14.	सारिका	छात्र प्रतिनिधि (एम.बी.बी.एस. 2023 बैच)	सदस्य
15.	सक्षम गुप्ता	छात्र प्रतिनिधि (एम.बी.बी.एस. 2023 बैच)	सदस्य
16.	बिलासपुर के उपायुक्त या उनके प्रतिनिधि	-	सदस्य
17.	पुलिस अधीक्षक या उनके प्रतिनिधि	-	सदस्य
18.	श्री विशाल सिंह ठाकुर	मीडिया प्रतिनिधि	सदस्य
19.	श्री कश्मीर सिंह	स्थानीय एनजीओ प्रतिनिधि	सदस्य
20.	श्री मनोज कुमार, ग्राम मतवाना, डाकघर लुहार्विन, तहसील घुमारवीं, जिला बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश-174021	अभिभावक प्रतिनिधि	सदस्य
21.	श्री राजिंदर कुमार, क्वार्टर संख्या – 6, संचार कॉलोनी, डी-ब्लॉक, बीआरएस नगर, लुधियाना, पंजाब-141012	अभिभावक प्रतिनिधि	सदस्य

समिति को एक (01) शिकायत प्राप्त हुई है और उचित अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है।

2. महिला आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसीडब्ल्यू)

महिला कर्मचारियों के प्रति कार्यस्थान पर यौन उत्पीड़न को रोकने, निषेध करने और निवारण करने वाले अधिनियम, 2013 (पॉश अधिनियम) की धारा 4 के अनुसार, संस्थान ने महिला आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसीडब्ल्यू) का गठन किया है।

क्र. सं.	नाम	पद	विभाग	नियुक्ति
1.	प्रो. (डॉ.) प्रीति अग्रवाल	आचार्य	सूक्ष्मजीव विज्ञान	अध्यक्ष
2.	प्रो. (डॉ.) यतीराज सिंगी	आचार्य	न्यायालीय चिकित्सा एवं विष विज्ञान	सदस्य
3.	डॉ. मीनल एम. ठकरे	अतिरिक्त आचार्य	सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा	सदस्य सचिव
4.	डॉ. सुदेश कुमार	अतिरिक्त आचार्य	ईएनटी	सदस्य
5.	डॉ. सुमिता शर्मा	सह-आचार्य	जैव रसायन	सदस्य
6.	लेफ्टिनेंट कर्नल एम. हरिहरन	उप निदेशक (प्रशासन)	प्रशासन	सदस्य
7.	डॉ. सुषृति कौशल	सहायक आचार्य	प्रसूति एवं स्त्री रोग	सदस्य
8.	श्री अरविंद कुमार नड्डा	कानूनी सलाहकार	प्रशासन (कानूनी)	सदस्य
9.	श्रीमती हेमलता, पर्यवेक्षक, एकीकृत बचपन विकास सेवा परियोजना, जिला बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश	9805756992, Hemlatasharma2301 @gmail.com	एनजीओ	बाहरी सदस्य

समिति को चार (04) शिकायतें प्राप्त हुईं और उन सभी का समाधान कर दिया गया।

3. सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम:

दायर की गई कुल आरटीआई की संख्या	निपटाई गई कुल आरटीआई की संख्या
151	151

4. न्यायालयीन मामले:

कुल	निपटाए गए	लंबित
14	08	06

अभियांत्रिकी अनुभाग

अधिकारी

क्र. सं.	नाम	पदनाम	कार्यभार ग्रहण करने की तिथि
1.	श्री विवेक शिवाजी मोरे	अधीक्षण अभियंता	31.07.2022
2.	श्री आशीष पटियाल	कार्यकारी अभियंता (सिविल)	26.10.2022
3.	श्री सिकंदर सिंह	कार्यकारी अभियंता (विद्युत)	30.12.2023

रिपोर्ट को तीन प्रमुख शीर्षकों अर्थात एचवीएसी, विद्युत और सिविल में विभाजित किया गया है और इसमें मुख्य रूप से उपरोक्त अवधि के दौरान अभियांत्रिकी विभाग द्वारा किए गए कार्यों/गतिविधियों का विवरण शामिल है।

क. एचवीएसी

1. एम्स बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश में स्थापित एचवीएसी प्रणाली के वार्षिक तीन शिफ्ट संचालन और व्यापक रखरखाव के लिए निविदा आमंत्रित की गई और सीपीपी पोर्टल के माध्यम से मेसर्स कैरियर एयरकंडिशनिंग एंड रेफ्रिजरेशन लिमिटेड को प्रदान की गई।
2. एम्स बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश में विभिन्न भवनों में स्थापित वीआरवी एयर कंडीशनरों के वार्षिक तीन शिफ्ट संचालन और रखरखाव के लिए निविदा आमंत्रित की गई और सीपीपी पोर्टल के माध्यम से मेसर्स एजाइल इंजीनियर्स को प्रदान की गई।
3. उपकरण के केंद्रीकृत चिलर प्लांट और वीआरवी प्रणाली के वर्ष 2024-2025 के कैलेंडर के अनुसार निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार निवारक रखरखाव (पीएमआई) का पर्यवेक्षण और सत्यापन।
4. संबंधित आवंटित क्षेत्रों में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार तैनात जनशक्ति के निरीक्षण के लिए साइट का दौरा किया और उपकरणों के संचालन और निवारक रखरखाव की जाँच की ताकि उपकरणों का अधिकतम दक्षता से संचालन सुनिश्चित किया जा सके।
5. ऑपरेटर और तकनीशियन को ओईएम मैनुअल/दिशानिर्देशों के अनुसार संबंधित उपकरणों का संचालन और निवारक रखरखाव करने का निर्देश दिया।
6. एचवीएसी से संबंधित लॉगबुक, चेकलिस्ट और शिकायत रजिस्टर की स्थिति की दैनिक जाँच और सत्यापन किया गया और संबंधित रजिस्टरों में रिकॉर्ड बनाए गए।
7. मेसर्स एएनके सर्विसेज के माध्यम से एमजीपीएस संचालन किया गया, जिसमें मुख्य रूप से एमजीपीएस प्लांट रूम उपकरणों की कार्यप्रणाली की दैनिक जाँच और सत्यापन, वार्डों में मेडिकल गैसों से संबंधित मेडिकल गैसों के आउटलेट, मेडिकल गैसों की आपूर्ति अलार्म, एमजीपीएस मैनिफोल्ड रूम में स्थापित एलएमओ टैंकों और बैंकों के माध्यम से अस्पताल क्षेत्र और आयुष ब्लॉक में मेडिकल गैसों की आपूर्ति का संचालन, अस्पताल क्षेत्र में आवश्यकतानुसार मेडिकल गैसों की आपूर्ति के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए मेडिकल गैस सिलेंडर (मेडिकल ऑक्सीजन, नाइट्रस ऑक्साइड, कार्बन डाइऑक्साइड) के संदर्भ में मेडिकल गैसों के पर्याप्त स्टॉक का रखरखाव और संबंधित रजिस्टरों में रिकॉर्ड का रखरखाव शामिल था।
8. एचवीएसी, एमजीपीएस और अग्निशमन कार्यों से संबंधित उपयोगकर्ता विभागों से प्राप्त मांग के अनुसार आकलन कार्य किया गया।
9. विक्रेता से प्राप्त एलएमओ का निस्तारण करना तथा उसका डिलीवरी चालान स्टोर अनुभाग को भेजना।

ख. विद्युत

1. एम्स बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश में स्थापित 33/0.415 केवी सबस्टेशनों के तीन शिफ्ट संचालन और रखरखाव के लिए निविदा आमंत्रित की गई और उसे सीपीपी पोर्टल के माध्यम से मेसर्स भारत इलेक्ट्रिकल को प्रदान किया गया।
2. एम्स बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश में स्थापित एसटीपी, ईटीपी और अग्निशमन पंपिंग स्टेशन के तीन शिफ्ट संचालन और रखरखाव के लिए निविदा आमंत्रित की गई और उसे सीपीपी पोर्टल के माध्यम से मेसर्स कोहसा एनालिटिक्स को प्रदान किया गया।

3. एचपीएसईबीएल के मासिक बिजली बिलों को लेखा अनुभाग में अग्रेषित करने हेतु अंतर-कार्यालय कार्य।
4. लॉगबुक, शिकायत रजिस्टर की स्थिति की दैनिक जाँच और सत्यापन।
5. सब-स्टेशन, डीजी सेट, लिफ्ट, एसटीपी और ईटीपी, सीसीटीवी और एवी सिस्टम के निवारक रखरखाव का सत्यापन और जाँच।
6. विद्युत कार्यों से संबंधित उपयोगकर्ता विभाग से अनुरोध प्राप्त होने पर आकलन कार्य किया गया।
7. नवीनीकरण के लिए लंबित लिफ्ट लाइसेंसों के नवीनीकरण का कार्य किया गया।
8. आवासीय क्वार्टरों, विभिन्न विक्रेताओं और कार्यालय कार्यों से संबंधित मीटर रीडिंग दर्ज की (मीटर रीडिंग के आधार पर बिजली बिल तैयार करना, मासिक खपत पैटर्न में किसी भी असामान्य परिवर्तन का विश्लेषण, यदि कोई हो, तो बिलों को लेखा अनुभाग को अग्रेषित करने के लिए आईओएम तैयार करना आदि)।
9. विभिन्न सेवाओं के लिए नियोजित एजेंसियों के साथ समन्वय में विभिन्न उपयोगकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत विद्युत संबंधी शिकायतों का समाधान किया।
10. अतिरिक्त कार्यों के लिए उपयोगकर्ता विभागों, विक्रेताओं, ठेकेदारों और अन्य एजेंसियों के साथ साइट का दौरा किया।
11. एचपीसीएल से प्राप्त एचएसडी का निथारण और उसके बिल को प्रसंस्करण हेतु लेखा विभाग को अग्रेषित करना।
12. वर्ष 2024-2025 में सीपीपी पोर्टल/एनआईक्यू/जीईएम पर निविदा होस्टिंग के माध्यम से प्रदान और पूर्ण किए गए कार्य:
    - क. एम्स बिलासपुर हिमाचल प्रदेश में मेडिकल गैस पाइपलाइन सिस्टम (एमजीपीएस) विस्तार कार्य की आपूर्ति कमीशनिंग (विद्युत कार्य)
    - ख. एम्स बिलासपुर के क्लब और गेस्ट हाउस के प्रत्येक कमरे के शेल्फ क्षेत्र में विद्युत पावर पॉइंट्स की एसआईटीसी
    - ग. एम्स बिलासपुर के अस्पताल ब्लॉक ई के छठी और सातवीं मंजिल स्थित सीटीवीएस आईसीयू में अतिरिक्त पावर पॉइंट्स की एसआईटीसी
    - घ. एम्स बिलासपुर के ब्लड बैंक के पास औद्योगिक प्रकार के पावर पॉइंट्स की एसआईटीसी
    - ङ. एम्स बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश) के अस्पताल ब्लॉक एफ के भूतल स्थित न्यूक्लियर मेडिसिन के एसपीईसीटी सीटी और पीईटी सीटी को विद्युत आपूर्ति प्रदान करना
    - च. डीजल जनरेटरों का निवारक रखरखाव (बी-चेक)
    - छ. सेंसर-आधारित नलों के लिए ड्यूरासेल एए बैटरियों की खरीद

ग. सिविल

1. एम्स बिलासपुर हिमाचल प्रदेश के शैक्षणिक, प्रशासनिक सी.ओ.एन. अस्पताल में ओवरहेड कैबिनेट उपलब्ध कराना।
2. एम्स बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश में ओपीडी के परामर्श कक्षों में कर्टेन रेल की आपूर्ति और स्थापना
3. एनआईसीयू, ए ब्लॉक, एम्स बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश में अतिरिक्त/परिवर्तन
4. ईएनटी ओपीडी के ऑडियोलॉजी और स्पीच थेरेपी कक्ष में ध्वनिरोधी कार्य
5. भूतल ए ब्लॉक में रैंप के नीचे के क्षेत्र के उपयोग से संबंधित संशोधन कार्य
6. एम्स बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश में गोदरेज फर्नीचर की मरम्मत
7. छात्रावास क्षेत्र, डाइनिंग ब्लॉक ए और बी तथा आसपास के क्षेत्र के लिए सिविल कार्यों हेतु वार्षिक रखरखाव अनुबंध
8. नर्सिंग शैक्षणिक महाविद्यालय के सभागार तथा आसपास के क्षेत्र के लिए सिविल कार्यों हेतु वार्षिक रखरखाव अनुबंध
9. अस्पताल और आयुष भवन तथा आसपास के क्षेत्र के लिए सिविल कार्यों हेतु वार्षिक रखरखाव अनुबंध
10. एम्स बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश में कॉम्पैक्टर की आपूर्ति और स्थापना
11. आवासीय क्वार्टर, क्लब और गेस्ट हाउस, निदेशक बंगला तथा आसपास के क्षेत्र के लिए सिविल कार्यों हेतु वार्षिक रखरखाव अनुबंध
12. एम्स बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश में ग्रेनाइट टॉप और नीचे कैबिनेट प्रदान करना और लगाना

13. डब्ल्यूटीपी और केंद्रीय आरओ प्लांट का व्यापक संचालन और रखरखाव
14. एआरटी केंद्र के पास क्षेत्र का संशोधन ब्लड बैंक
15. एम्स बिलासपुर हिमाचल प्रदेश में स्टोर के लिए एल्युमीनियम पार्टीशन और शेड उपलब्ध कराना।
16. सभी आरओ की सर्विसिंग।
17. क्षतिग्रस्त प्लंबर उपकरणों की मरम्मत।
18. टाइप-IV और स्नातक छात्रों के मेस के पीछे खुले प्रवेश द्वारों पर ईंटों का काम और घूमने वाला गेट उपलब्ध कराना।
19. बैडमिंटन कोर्ट मैट का प्रावधान।
20. आईपीएच विभाग को बिल राशि के भुगतान हेतु जांच के बाद लेखा विभाग को पानी के बिल भेजना।
21. एनबीसीसी (आई) लिमिटेड के साथ 72 आवासीय इकाइयों (टाइप V- 30 संख्या, टाइप IV-30 संख्या और टाइप III- 12 संख्या) के निर्माण, नर्सिंग और पैरामेडिकल विज्ञान महाविद्यालय के लिए 4 एलटी, 204 बिस्तरों वाले स्नातक लड़कों के छात्रावास, 334 बिस्तरों वाले स्नातक लड़कियों के छात्रावास, 650 किलोवाट क्षमता के रूफटॉप सोलर प्लांट के निर्माण के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

भविष्य की योजनाएं

क्र. सं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत
1.	सी/ओ मल्टीलेवल कार पार्किंग का निर्माण (624 वाहन क्षमता)	₹ 729.70 लाख
2.	सी/ओ एम्स-बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश में मोर्चुरी का निर्माण	₹ 3461.12 लाख
3.	एम्स-बिलासपुर की मौजूदा इमारतों की संरचनात्मक स्थिरता/ ढलान स्थिरीकरण/निवारक उपायों की जांच	₹ 61.52 करोड़
4.	सी/ओ बीएमटी और एचडीटी भवन का निर्माण	₹ 18.52 करोड़
5.	सी/ओ एम्स-बिलासपुर (एचपी) में फायर स्टेशन का निर्माण	₹ 227.96 लाख
6.	सी/ओ इनडोर स्पोर्ट्स स्टेडियम का निर्माण	₹ 495.33 लाख

राजभाषा विभाग

अधिकारी

क्र. सं.	नाम	पदनाम	कार्यभार ग्रहण की तिथि
1.	डॉ. राकेश कुमार सिंह	राजभाषा अधिकारी	19.02.2024
2.	श्री शिवेंदु गौतम	कनिष्ठ हिंदी अनुवादक	19.10.2023

राजभाषा विभाग के विषय में

एम्स बिलासपुर का हिंदी अनुभाग राजभाषा अधिनियम, 1963 (1967 में यथा संशोधित), राजभाषा नियम, 1976 और राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी विभिन्न दिशा-निर्देशों, परिपत्रों और अनुदेशों के अंतर्गत कार्य करता है। इस अनुभाग को संस्थान में भारत सरकार की राजभाषा नीति के क्रियान्वयन और सभी आधिकारिक संचार, अभिलेखों और दस्तावेज़ीकरण में हिंदी के प्रगतिशील प्रयोग को सुनिश्चित करने का दायित्व सौंपा गया है।

हिंदी अनुभाग संस्थान के द्विभाषी संचालन को बढ़ावा देने और संघ की राजभाषा के रूप में हिंदी के प्रयोग और प्रचार-प्रसार से संबंधित संवैधानिक प्रावधानों (अनुच्छेद 343 से 351) का अनुपालन सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह हिंदी और अंग्रेजी दोनों में आधिकारिक संचार, रिपोर्ट और प्रकाशन जारी करने में सहायता प्रदान करता है और शैक्षणिक, प्रशासनिक और अस्पताल विभागों को अनुवाद सहायता प्रदान करता है। कार्यान्वयन कार्य के अलावा, यह अनुभाग कर्मचारियों में क्षमता निर्माण और जागरूकता पैदा करने पर भी ध्यान केंद्रित करता है। यह कर्मचारियों को अपना दैनिक आधिकारिक कार्य हिंदी में करने के लिए प्रेरित करने हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालाएँ और हिंदी पखवाड़ा (हिंदी पखवाड़ा) आयोजित करता है। यह अनुभाग भारत सरकार द्वारा निर्धारित वार्षिक लक्ष्यों के अनुरूप, नोटिंग, ड्राफ्ट, पत्राचार और रिपोर्टों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने के लिए विभागों को तकनीकी मार्गदर्शन, भाषाई सहायता और प्रशासनिक सहायता प्रदान करता है।

इन प्रयासों के माध्यम से, हिंदी अनुभाग एक भाषाई रूप से समावेशी प्रशासनिक संस्कृति बनाने का प्रयास करता है, जिससे **"राजभाषा हमारी पहचान"** की भावना को कायम रखा जा सके और हिमाचल प्रदेश में राजभाषा नीति के कार्यान्वयन में एम्स बिलासपुर को एक आदर्श संस्थान बनाने में योगदान दिया जा सके।

दृष्टि

भारत सरकार के संवैधानिक और वैधानिक आदेशों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करते हुए, सभी प्रशासनिक, शैक्षणिक और शोध संचार में एम्स बिलासपुर की राजभाषा के रूप में हिंदी के प्रगतिशील प्रयोग को बढ़ावा देना।

लक्ष्य

एक संस्थागत वातावरण तैयार करना जो सटीकता, स्पष्टता और समावेशिता के उच्च मानकों को बनाए रखते हुए आधिकारिक पत्राचार, दस्तावेज़ीकरण और संचार में हिंदी के प्रयोग को प्रोत्साहित करे।

हिंदी से संबंधित संवैधानिक प्रावधान

1) अनुच्छेद 343 (1): देवनागरी लिपि में हिंदी संघ की राजभाषा होगी।
2) अनुच्छेद 343 (2): एक निश्चित अवधि तक हिंदी के साथ-साथ अंग्रेजी का भी आधिकारिक कार्यों में प्रयोग होता रहेगा।
3) अनुच्छेद 344: राजभाषा आयोग और संसदीय राजभाषा समिति का गठन।
4) अनुच्छेद 351: भारत की सामासिक संस्कृति के सभी तत्वों की अभिव्यक्ति के माध्यम के रूप में हिंदी भाषा के विकास हेतु निर्देश।

राजभाषा अधिनियम के अधिदेश और प्रावधान

1) राजभाषा अधिनियम, 1963 और नियम, 1976 के अनुसार राजभाषा नीति का कार्यान्वयन।
2) परिपत्रों, आदेशों, अधिसूचनाओं, रिपोर्टों और प्रपत्रों जैसे सरकारी दस्तावेजों का अंग्रेजी से हिंदी में और अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद।
3) गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों के अनुसार टिप्पण, प्रारूपण और पत्राचार में हिंदी का प्रयोग सुनिश्चित करना।
4) निरीक्षणों, त्रैमासिक प्रगति रिपोर्टों और समीक्षा बैठकों के माध्यम से सभी विभागों में हिंदी के प्रयोग की निगरानी और रिपोर्टिंग।
5) अधिकारियों और कर्मचारियों को दैनिक कार्यों में हिंदी के व्यावहारिक प्रयोग का प्रशिक्षण देने के लिए हिंदी कार्यशालाओं, संगोष्ठियों और प्रतियोगिताओं का आयोजन।
6) द्विभाषी बोर्ड, नामपट्ट, साइनेज और आधिकारिक प्रकाशन तैयार करना।
7) निर्देशों के अनुपालन हेतु राजभाषा विभाग और क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय के साथ समन्वय।

2024-25 के दौरान प्रमुख गतिविधियाँ

1) कर्मचारियों की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए 14-28 सितंबर 2024 तक हिंदी पखवाड़ा (हिंदी पखवाड़ा) का आयोजन, जिसमें निबंध लेखन, हिंदी प्रश्नोत्तरी और वाद-विवाद जैसी विभिन्न प्रतियोगिताएँ शामिल थीं।
2) हिंदी के कार्यसाधक ज्ञान को बढ़ावा देने के लिए प्रशासनिक और तकनीकी कर्मचारियों के लिए एक हिंदी कार्यशाला का आयोजन।
3) वार्षिक कार्यान्वयन कार्यक्रम के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए द्विभाषी परिपत्र और कार्यालय आदेश प्रकाशित करना।
4) संस्थान के सभी लेटरहेड, फाइलों, फॉर्मों और नाम पट्टों के द्विभाषी प्रारूपों को अद्यतन और अनुरक्षित किया।
5) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और राजभाषा विभाग को राजभाषा कार्यान्वयन पर तिमाही प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की।
6) बिलासपुर (हि.प्र.) में आयोजित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति) की बैठकों में भाग लिया।

पुरस्कार और उपलब्धियाँ

- संस्थान के कर्मचारियों ने नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति/नराकास), बिलासपुर द्वारा आयोजित विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं में सक्रिय रूप से भाग लिया और अपने प्रदर्शन के लिए पुरस्कार और प्रशंसा पत्र जीते।

भविष्य के लक्ष्य

1) राजभाषा वार्षिक कार्यक्रम के लक्ष्यों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करना।
2) ई-ऑफिस, चिकित्सा प्रलेखन और आंतरिक संचार प्रणालियों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ाना।
3) अनुवाद प्रकोष्ठ का विस्तार करना और ऑनलाइन हिंदी प्रशिक्षण मॉड्यूल शुरू करना।

हिंदी पखवाड़ा 2024 विजेताओं की सूची

प्रतियोगिता का नाम	पुरस्कार	नाम	पदनाम
हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता	पहला	सुश्री शिवानी सिंह	आशुलिपिक
	दूसरा	श्री उमेश	पुस्तकालयाध्यक्ष (तृतीय श्रेणी)
	तीसरा	अंकित जी	अस्पताल परिचारक
	सांत्वना	सुश्री मीनाक्षी द्विवेदी	आशुलिपिक

	सांत्वना	सुश्री प्रियंका	नर्सिंग छात्र
	सांत्वना	सुश्री मोनिका कंवर	नर्सिंग छात्र
नारा लेखन प्रतियोगिता	पहला	श्रीमती निहारिका दास	आशुलिपिक
	दूसरा	सुश्री मीनाक्षी द्विवेदी	आशुलिपिक
	तीसरा	अंकित जी	अस्पताल परिचारक
	सांत्वना	श्री हनुमान यादव	अस्पताल परिचारक
	सांत्वना	सुश्री शिवानी सिंह	आशुलिपिक
	सांत्वना	श्री ज़हीर मोहम्मद	पर्फ्यूजनिस्ट
वाद-विवाद प्रतियोगिता	पहला	श्री अभिषेक शर्मा	कनिष्ठ प्रशासनिक सहायक
	दूसरा	डॉ. भूमेश कुमार	योग प्रशिक्षक
	तीसरा	श्री ज़हीर मोहम्मद	पर्फ्यूजनिस्ट
	सांत्वना	सुश्री किरण मिश्रा	नर्सिंग अधीक्षक
	सांत्वना	सुश्री रजनी	नर्सिंग अधिकारी
	सांत्वना	सुश्री रिद्धि	एम.बी.बी.एस. छात्र
आशुभाषण प्रतियोगिता	पहला	श्री अभिषेक शर्मा	कनिष्ठ प्रशासनिक सहायक
	दूसरा	डॉ. भूमेश कुमार	योग प्रशिक्षक
	तीसरा	श्री कुलदीप शर्मा	सहायक परीक्षा नियंत्रक
	सांत्वना	सुश्री प्रियंका	नर्सिंग अधिकारी
	सांत्वना	सुश्री रजनी	नर्सिंग अधिकारी
	सांत्वना	सुश्री रीताशा	नर्सिंग अधिकारी
हिंदी टिप्पण एवं प्रारूपण प्रतियोगिता	पहला	श्री कुलदीप शर्मा	सहायक परीक्षा नियंत्रक
	दूसरा	श्रीमती निहारिका दास	आशुलिपिक
	तीसरा	श्री उमेश	पुस्तकालयाध्यक्ष (तृतीय श्रेणी)
	सांत्वना	श्री उमंग पठानिया	अवर श्रेणी लिपिक
	सांत्वना	मनीष जी	नर्सिंग अधिकारी
	सांत्वना	आयुष जी	कनिष्ठ प्रशासनिक सहायक
हिंदी कविता पाठ प्रतियोगिता	पहला	सुश्री रीताशा	नर्सिंग अधिकारी
	दूसरा	संयम जी	एम.बी.बी.एस. छात्र
	तीसरा	श्रीमती कविता शर्मा	प्रशिक्षक
	सांत्वना	डॉ. मोनिका शर्मा	एसोसिएट प्रोफेसर
	सांत्वना	सुश्री माला देवी	फिजियोथेरेपिस्ट
	सांत्वना	सुश्री अंशू	नर्सिंग अधिकारी
राजभाषा हिंदी सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता	पहला	सुश्री मीनाक्षी द्विवेदी	आशुलिपिक
	दूसरा	श्री हनुमान यादव	अस्पताल परिचारक
	तीसरा	श्री कुलदीप शर्मा	सहायक परीक्षा नियंत्रक
	सांत्वना	श्री सतपाल शर्मा	अस्पताल परिचारक
	सांत्वना	श्री उमंग पठानिया	अवर श्रेणी लिपिक
	सांत्वना	श्री सुनंत ठाकुर	अवर श्रेणी लिपिक

हिंदी पखवाड़ा समारोह की तस्वीरें (सितंबर 2024)

हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम के दौरान श्रोतागण

एम्स के कर्मचारी आशुभाषण प्रतियोगिता में भाग लेते हुए।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर का हिंदी अनुभाग, सभी संस्थागत कार्यों में दक्षता, समावेशिता और उत्कृष्टता सुनिश्चित करते हुए, हिंदी को राजभाषा के रूप में बढ़ावा देने के संवैधानिक दायित्व और राष्ट्रीय उद्देश्य को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

दिव्यांगजनों के लिए वार्षिक रिपोर्ट : दिव्यांगजनों के लिए बाधा मुक्त वातावरण बनाने की दिशा में एक कदम

दिनांक 10-02-2006 को राष्ट्रीय दिव्यांगजन नीति, 2006 अधिनियम पारित किया गया, जिसका उद्देश्य दिव्यांगजनों के अधिकारों की रक्षा और समाज में समावेशन सुनिश्चित करना है। इस अधिनियम और दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के क्रियान्वयन हेतु, संस्थान द्वारा निम्नलिखित उपाय किए जा रहे हैं।

1. रोज़गार और शिक्षा

इस संस्थान में कुल 21 लाभार्थी हैं जो विभिन्न पदों और शैक्षणिक पाठ्यक्रमों के विभिन्न समूहों में दिव्यांग हैं, जैसा कि नीचे दी गई तालिका में दर्शाया गया है।

क्र. सं.	पद समूह	संख्या	पदनाम	श्रेणी	प्रतिशत	विकलांगता का प्रकार
1.	ग्रुप ए (संकाय एवं गैर-संकाय)	1	सह-आचार्य	ओबीसी	60%	लोकोमोटर
2.	ग्रुप बी	2	नर्सिंग ऑफिसर	अनारक्षित-2	45%, 48%	लोकोमोटर
3.	ग्रुप बी	1	लैब टेक्नीशियन	अनारक्षित	50%	लोकोमोटर
4.	ग्रुप सी	1	फार्मासिस्ट	ओबीसी	40%	लोकोमोटर
5.	ग्रुप सी	1	प्रशासनिक सहायक	अनारक्षित	40%	लोकोमोटर
6.	ग्रुप सी	1	लैब अटेंडेंट ग्रेड 2	अनारक्षित	40%	दृष्टिबाधित
7.	स्नातकोत्तर एसएस (डीएम/एमसीएच)	शून्य	-	-	-	-
8.	स्नातकोत्तर (एमडी/एमएस)	1	रेडियोलॉजी	ओबीसी	70%	लोकोमोटर
9.	स्नातक (एम.बी.बी.एस.)	1	बैच 2020	ओबीसी	43%	बहु-अक्षम
10.	स्नातक (एम.बी.बी.एस.)	शून्य	बैच 2021	-	-	-
11.	स्नातक (एम.बी.बी.एस.)	4	बैच 2022	अनारक्षित-2, ओबीसी -2	50% 43% 40% 40%	लोकोमोटर-3, बहु-अक्षम (बधिर एवं दृष्टिबाधित)-1
12.	स्नातक (एम.बी.बी.एस.)	5	बैच 2023	अनारक्षित-2, ओबीसी -2, एससी-1	75% 60% 50% 40% 42%	लोकोमोटर-5
13.	स्नातक (एम.बी.बी.एस.)	3	बैच 2024	अनारक्षित-2, एससी -1	65% 40% 40%	लोकोमोटर-2, दृष्टिबाधित
14.	स्नातक (नर्सिंग एवं पैरामेडिकल)	शून्य	-	-	-	-

	कुल	**21**				

2. **इंजीनियरिंग पहलू**

एसआईपीडीए की बाधा मुक्त उप-योजना के दिनांक 21-03-2024 के संशोधित दिशानिर्देशों के अनुसार, इस संस्थान में बाधा मुक्त वातावरण बनाने के लिए निम्नलिखित सुविधाएँ उपलब्ध हैं:

क) छात्रावासों में शारीरिक रूप से विकलांग छात्रों के लिए आवास सुविधाएँ प्रदान की गई हैं।

ख) सभी ब्लॉकों में शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिए अलग-अलग शौचालय बनाए गए हैं।

ग) सुविधा केंद्र में भूतल पर विकलांग व्यक्तियों (पुरुष और महिला प्रत्येक के लिए एक) के लिए अलग-अलग बाड़ों के साथ शौचालय की सुविधा भी उपलब्ध है।

घ) शैक्षणिक ब्लॉक के पीछे और आपातकालीन क्षेत्र के पास शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिए पार्किंग स्थान निर्धारित किए गए हैं।

ङ) सभी ब्लॉकों में आसान आवागमन और परिवहन के लिए ब्रेल लिपि में लिफ्ट कॉल बटन के साथ लिफ्ट प्रदान की गई हैं।

च) सभी ब्लॉकों में शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिए रैंप और रेलिंग प्रदान की गई हैं, हालाँकि प्रवेश द्वार वाली लिफ्टों के पास नहीं।

छ) छात्रावासों और क्वार्टरों के प्रवेश रैंप में स्पर्शनीय फर्श

3. प्रशासनिक पहलू और समिति

दिव्यांगजनों के लिए सामाजिक सुरक्षा, सशक्तिकरण सुनिश्चित करने और बाधा मुक्त वातावरण बनाने के लिए, इस संस्थान में निम्नलिखित समितियों का गठन किया गया है।

क) सुगम्यता मानक समिति- अधिसूचना संख्या टी.21017/20/2021-एनसीडी.I (एनपीपीसीडी)/भाग-धारा 40 आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम 2016 दिनांक 04-05-2023 के अनुसार बाधा मुक्त वातावरण बनाने के लिए एम्स/बीएलएस/एमएस/2024-228 के अनुसार इस संस्थान में 25-3-2025 से अस्पताल परिसर का गठन किया गया है।

ख) दिव्यांगजनों के लिए आरक्षण प्रकोष्ठ रोस्टर संपर्क अधिकारी - कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के दिनांक 4.1.2013 के कार्यालय ज्ञापन संख्या 43011/153/2010-स्था.(निवास) के अनुसार, संस्थान ने 30-09-2023 के परिपत्र दिनांक 11.09.2023 से दिव्यांगजनों के प्रतिनिधित्व से संबंधित मुद्दों के लिए एक संपर्क अधिकारी के रूप में दिव्यांगजनों को शामिल करते हुए एक समिति गठित की है।

ग) बेंचमार्क दिव्यांगता वाले व्यक्तियों के लिए उपयुक्त पद की पहचान हेतु विशेषज्ञ समिति, कार्यालय ज्ञापन संख्या 11.09.2023 के आदेश संख्या 11.09.2023 के अनुसार भर्ती हेतु आरक्षण लागू है। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के दिनांक 12.12.2018 के कार्यालय ज्ञापन संख्या 34-16/02/18-DD.111 और स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के दिनांक 10.01.2019 के कार्यालय ज्ञापन संख्या C.30016/01/2017-SC के अनुसार, संस्थान ने RPwD अधिनियम, 2016 की धारा 34(1) के तहत पहचानी गई सभी विकलांगताओं के लिए उपयुक्त पदों की पहचान के उद्देश्य से एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया है।

4. वित्तपोषण

वित्तीय वर्ष 2024-2025 के लिए एसआईपीडीए सहायता अनुदान/योजना से इस संस्थान में किसी भी विकलांग व्यक्ति के लिए अनुसंधान, शैक्षणिक या खेल अनुदान नहीं लिया गया है।

5. भविष्य की योजनाएँ

क) संस्थान में दिव्यांगजनों के लिए शिकायत निवारण नोडल अधिकारी का गठन करना।

ख) दिव्यांगजनों को इस संस्थान में सेवाओं को बेहतर बनाने और किसी भी शिकायत का समाधान करने के लिए सशक्त बनाना।

ग) मानक दिशानिर्देशों के अनुसार दिव्यांगजनों के लिए पार्किंग स्थान निर्धारित करना।

घ) दिव्यांगजनों के लिए उपलब्ध कराई गई सुविधाओं पर मानक संकेत लगाना।

ङ) व्हीलचेयर उपयोगकर्ताओं की आसान पहुंच के लिए फुटपाथ में कर्ब कट और ढलान बनाना
च) दिव्यांगजनों के लिए छात्रावासों और क्वार्टरों के पास निर्दिष्ट पार्किंग की सुविधा प्रदान करना।
छ) दिव्यांगजनों के लिए कम ऊँचाई वाले काउंटर बनाने में सुविधा प्रदान करना।
ज) नवनिर्मित छात्रावासों और क्वार्टरों में बाधा मुक्त वातावरण का निर्माण करना, विशेष रूप से लिफ्ट खराब होने की स्थिति में रेलिंग युक्त रैंप, पार्किंग सुविधा और मानक अनुशंसाओं के अनुसार सुलभ शौचालय।
झ) दिव्यांग छात्रों, कर्मचारियों और शिक्षकों को खेल, सांस्कृतिक और शैक्षणिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना और उन्हें इसके लिए उपलब्ध धनराशि/अनुदान से अवगत कराना।
ञ) बोर्ड के सदस्यों द्वारा विकलांग व्यक्तियों को प्रमाणित करने के लिए समिति के गठन के विषय में संस्थान को सूचित करना।

एम्स बिलासपुर रोजगार में समान अवसर प्रदान करके और संस्थान में एक समावेशी कार्यस्थान का निर्माण करके विकलांग व्यक्तियों को सम्मानजनक और गरिमापूर्ण जीवन जीने का अधिकार प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अस्पताल सेवाएँ

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान बिलासपुर

ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES BILASPUR

सर्वे सन्तु निरामयाः

अस्पताल अनुभाग

अस्पताल प्रशासन

पदनाम	नाम
चिकित्सा अधीक्षक	डॉ. दिनेश वर्मा
अतिरिक्त चिकित्सा अधीक्षक (1)	डॉ. श्रीराम पोथाप्रेगाडा
अतिरिक्त चिकित्सा अधीक्षक (2)	डॉ. यतिराज सिंगी
उप चिकित्सा अधीक्षक (1)	डॉ. सुमिता शर्मा
उप चिकित्सा अधीक्षक (2)	डॉ. विकास कुमार
उप चिकित्सा अधीक्षक (3)	डॉ. तरूण शर्मा
उप चिकित्सा अधीक्षक (4)	डॉ. विक्रांत कंवर

प्रमुख आँकड़े

अस्पताल की बिस्तर अधिभोग दर वर्ष 23-24 में 55.2% से बढ़कर वर्ष 24-25 में 57.6% हो गई है। विशेष बिस्तरों की संख्या पिछले वर्ष के 348 से बढ़कर 394 हो गई है और सुपर स्पेशियलिटी बिस्तरों की संख्या पिछले वित्तीय वर्ष के 177 से बढ़कर 191 हो गई है। आईसीयू बिस्तरों की संख्या पिछले वर्ष के 42 से बढ़कर इस वित्तीय वर्ष में 65 हो गई है।

बिस्तर क्षमता	आईपीडी प्रवेश	बिस्तर अधिभोग दर	औसत ठहरने की अवधि (दिन)
726	36226	57.6%	5.13

माह	आईपीडी गणना	आघात और आपातकालीन गणना	स्त्री रोग आपातकालीन गणना	ओपीडी गणना	ओटी गणना	
					मुख्य प्रकरण	लघु प्रकरण
अप्रैल 2024	1397	1208	75	23292	220	76
मई 2024	1467	1292	94	25997	319	35
जून 2024	1581	1426	114	24468	267	65
जुलाई 2024	1744	1529	131	30610	300	50
अगस्त 2024	1811	1575	152	28821	298	65
सितंबर 2024	1948	1556	176	30829	276	112
अक्टूबर 2024	1965	1484	171	24405	322	76
नवंबर 2024	1989	1424	140	25058	311	83
दिसंबर 2024	2015	1330	173	25556	326	96
जनवरी 2025	2185	1383	158	27079	316	106
फरवरी 2025	1888	1170	120	24189	284	90
मार्च 2025	2219	1325	138	28845	305	91
कुल	**20321**	**16702**	**1642**	**319149**	**3544**	**945**

ओपीडी सेवाएँ

संस्थान ने विशेषज्ञता और अति-विशिष्टता बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) सेवाओं की एक व्यापक श्रृंखला सफलतापूर्वक स्थापित की है, जो समुदाय को व्यापक स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के अपने मिशन की पुष्टि करती है। हमारे चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ और सहायता टीमों के समर्पित प्रयासों से, विभिन्न ओपीडी में 3,00,000 से अधिक रोगियों का इलाज किया गया - जो न केवल समुदाय के विश्वास को दर्शाता है, बल्कि पिछले वर्ष की तुलना में रोगियों की संख्या में 60% की उल्लेखनीय वृद्धि को भी

दर्शाता है। यह वृद्धि गुणवत्ता, करुणा और सुलभता द्वारा चिह्नित स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए हमारी अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

सेवा विस्तार के प्रति अपनी निरंतर प्रतिबद्धता के हिस्से के रूप में, संस्थान ने विशिष्ट स्वास्थ्य सेवा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नए क्लीनिक शुरू किए हैं। सितंबर 2024 में शुरू किया गया लाइफस्टाइल मैनेजमेंट क्लिनिक, साक्ष्य-आधारित जीवनशैली हस्तक्षेपों के माध्यम से व्यक्तियों को स्वस्थ आदतें अपनाने और मधुमेह, उच्च रक्तचाप और मोटापे जैसी पुरानी बीमारियों को नियंत्रित करने में मदद करने के लिए व्यापक देखभाल प्रदान करता है। ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र (सीआरएच), मार्कंड और शहरी स्वास्थ्य एवं प्रशिक्षण केंद्र (यूएचटीसी), रौड़ा में स्टाफ वेलनेस क्लिनिक और ओपीडी सेवाएँ भी शुरू की गईं, जो अस्पताल के कर्मचारियों के साथ-साथ ग्रामीण और शहरी आबादी के लिए लक्षित देखभाल प्रदान करती हैं। इन क्लीनिकों को सकारात्मक प्रतिक्रिया और मज़बूत सामुदायिक समर्थन मिला है, जो मरीजों की ज़रूरतों को पूरा करने और समग्र स्वास्थ्य सेवा पहुँच में सुधार लाने में उनकी सफलता को दर्शाता है।

भविष्य में, संस्थान का लक्ष्य अपनी सेवाओं का दायरा और व्यापक करना, स्वास्थ्य सेवा सुविधाओं को मज़बूत करना और संरचित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से कर्मचारियों की क्षमता बढ़ाना है, जिससे मरीजों की देखभाल में निरंतर उत्कृष्टता और सामुदायिक स्वास्थ्य आवश्यकताओं के प्रति निरंतर जवाबदेही सुनिश्चित हो सके।

वर्ष 2024-25 के लिए, एम्स बिलासपुर ओपीडी में कुल 3,19,219 मरीजों ने ओपीडी परामर्श का लाभ उठाया।

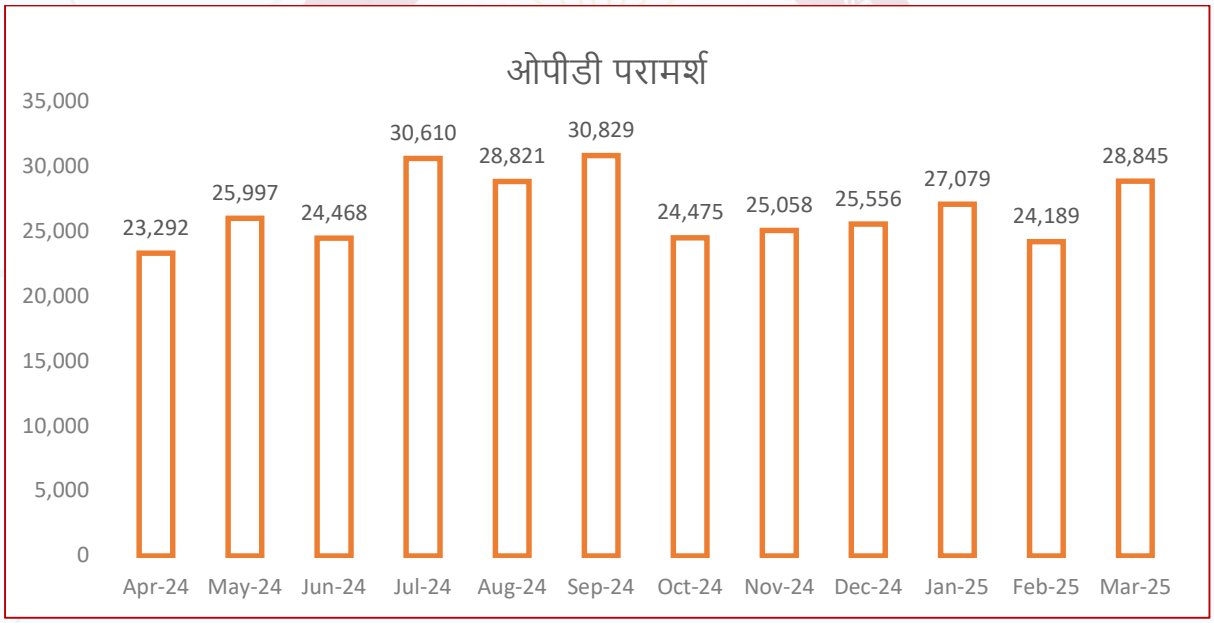

अंतः रोगी सेवाएँ (आईपीडी)

एम्स बिलासपुर का अंतःरोगी विभाग 2024-25 के दौरान उच्च-गुणवत्तापूर्ण, रोगी-केंद्रित देखभाल प्रदान करता रहेगा। विभिन्न विशेषज्ञताओं में 700 से अधिक बिस्तरों की क्षमता के साथ, इस विभाग ने हिमाचल प्रदेश और आसपास के राज्यों के रोगियों की सेवा की। इस वर्ष बिस्तरों के उपयोग में सुधार, रहने की औसत अवधि को कम करने, संक्रमण नियंत्रण प्रक्रियाओं को सुदृढ़ करने और रोगी संतुष्टि बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

बिस्तर वितरण

अस्पताल ब्लॉक

ब्लॉक / तल	ए ब्लॉक	डी ब्लॉक	ई ब्लॉक
भूतल	डायलिसिस वार्ड – 14 नेफ्रोलॉजी वार्ड – 15 रिनल ट्रांसप्लांट आई.सी.यू. – 3 पीओएससीओ पीड़ित वार्ड – 1	—	रेडिएशन ऑन्कोलॉजी वार्ड – 13 मेडिकल ऑन्कोलॉजी वार्ड – 12

	थर्ड जेंडर वार्ड – 1		डे केयर (मेडिकल एवं रेडिएशन ऑन्कोलॉजी) – 9 पीडियाट्रिक सर्जरी वार्ड – 15 सर्जिकल ऑन्कोलॉजी वार्ड – 15
प्रथम तल	एंडोक्राइनोलॉजी वार्ड – 13 रूमेटोलॉजी वार्ड – 12 फिजिकल मेडिसिन एंड रिहैबिलिटेशन वार्ड – 5	—	—
द्वितीय तल	साइकियाट्री वार्ड – 30 पल्मोनरी मेडिसिन वार्ड – 15 मेडिकल गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी वार्ड – 15	—	यूरोलॉजी वार्ड – 20 डेंटिस्ट्री वार्ड – 10 सर्जिकल गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी (SGE) वार्ड – 15 ई.एन.टी. वार्ड – 15
तृतीय तल	जनरल मेडिसिन वार्ड – 60	ट्रॉमा एवं इमरजेंसीमुख्य ट्रायेज – 8 ग्रीन एरिया – 15 ऑब्ज़र्वेशन वार्ड – 26 पीडियाट्रिक इमरजेंसी – 6 गायनेकोलॉजी इमरजेंसी• ट्रायेज – 2 ऑब्ज़र्वेशन वार्ड – 4	जनरल सर्जरी वार्ड – 56 सर्जिकल आई.सी.यू. – 4
चतुर्थ तल	न्यूरोलॉजी वार्ड – 15 गायनेकोलॉजी वार्ड – 19 ऑफ्थैल्मोलॉजी वार्ड – 19 डर्मेटोलॉजी वार्ड – 15	क्रॉनिक पेन सर्विसेज वार्ड – 2	ऑर्थोपेडिक्स वार्ड – 30 न्यूरोसर्जरी वार्ड – 15 प्लास्टिक सर्जरी वार्ड – 15
पंचम तल	पीडियाट्रिक्स वार्ड – 30	लेबर रूम – 17	मेडिसिन आई.सी.यू. – 11 क्रिटिकल केयर यूनिट – 10
षष्ठ तल	ओबीजी वार्ड – 41 नवजात शिशु आई.सी.यू. – 8 नवजात स्टेप-डाउन आई.सी.यू. – 4	—	कार्डियक केयर यूनिट – 8 कार्डियोलॉजी वार्ड (एच.डी.यू.) – 4 कार्डियोलॉजी वार्ड – 11 सीटीवीएस वार्ड (वर्तमान में इमरजेंसी ऑब्ज़र्वेशन-2 के रूप में क्रियाशील) – 15
सप्तम तल	—	—	न्यूरोसर्जरी आई.सी.यू. – 8 पीडियाट्रिक आई.सी.यू. – 7

आयुष ब्लॉक

मंकी पॉक्स / कोविड (वर्तमान में रेडिएशन ऑन्कोलॉजी वर्चुअल) वार्ड – 16

पल्मोनरी आईसीयू – 14

स्लीप लैब – 1

गहन देखभाल इकाइयाँ (आईसीयूएस)

एम्स बिलासपुर में वर्तमान में 65 बिस्तर हैं जो सभी आवश्यक और उन्नत जीवन रक्षक प्रणालियों से सुसज्जित हैं, जिनमें शामिल हैं:

- मल्टी-पैरामीटर मॉनिटर
- उच्च-स्तरीय वेंटिलेटर
- डिफिब्रिलेटर
- एबीजी विश्लेषक
- पोर्टेबल एक्स-रे
- पोर्टेबल अल्ट्रासाउंड

ये आईसीयू गंभीर या जानलेवा स्थितियों वाले मरीज़ों को गहन उपचार और निरंतर निगरानी प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। प्रदान की जाने वाली प्रमुख सेवाओं में शामिल हैं:

क. निरंतर निगरानी

उन्नत मल्टी-पैरामीटर प्रणालियों का उपयोग करके रोगियों की निरंतर निगरानी की जाती है जो हृदय गति, रक्तचाप, श्वसन दर और ऑक्सीजन संतृप्ति जैसे महत्वपूर्ण संकेतों को ट्रैक करती हैं।

ख. उन्नत श्वसन सहायता

श्वसन विफलता वाले रोगियों के लिए यांत्रिक वेंटिलेशन और गैर-आक्रामक श्वसन सहायता विधियाँ, जैसे सीपीएपी और बाईपैप, प्रदान की जाती हैं।

ग. गहन देखभाल प्रबंधन

इंटेंसिविस्ट और गहन देखभाल चिकित्सक, गंभीर संक्रमण, बहु-अंग विफलता और गंभीर बीमारियों सहित जटिल चिकित्सा स्थितियों वाले रोगियों के लिए विशेष देखभाल प्रदान करते हैं।

घ. गुणवत्तापूर्ण नर्सिंग देखभाल

उच्च प्रशिक्षित नर्सिंग अधिकारी चौबीसों घंटे देखभाल प्रदान करते हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि रोगियों की स्वच्छता, पोषण, उत्सर्जन और आराम संबंधी ज़रूरतें पूरी हों।

ङ. वृक्क प्रतिस्थापन चिकित्सा

तीव्र गुर्दे की चोट वाले रोगियों के लिए, डायलिसिस और निरंतर वृक्क प्रतिस्थापन चिकित्सा (सीआरआरटी) उपलब्ध हैं।

च. बेहोश करने की दवा और दर्द निवारण

यांत्रिक वेंटिलेशन या गंभीर हस्तक्षेपों के दौरान आराम की आवश्यकता वाले रोगियों के लिए बेहोश करने की दवा और दर्द प्रबंधन प्रदान किया जाता है।

छ. शल्य चिकित्सा और प्रक्रियात्मक सहायता

ट्रेकियोस्टोमी और अन्य जीवन रक्षक हस्तक्षेपों सहित आपातकालीन बेडसाइड प्रक्रियाएँ आवश्यकतानुसार की जाती हैं।

ज. पोषण संबंधी सहायता

रोगी की व्यक्तिगत आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, एंटरल (ट्यूब फीडिंग) और पैरेंट्रल (आईवी पोषण/टीपीएन) सहित व्यापक पोषण प्रबंधन प्रदान किया जाता है।

झ. बहु-विषयक देखभाल

एमआईसीयू टीम में चिकित्सक, नर्स, फिजियोथेरेपिस्ट, आहार विशेषज्ञ और अन्य संबद्ध स्वास्थ्य पेशेवर शामिल होते हैं जो समग्र रोगी देखभाल प्रदान करने के लिए मिलकर काम करते हैं।

ञ. पारिवारिक सहायता और संचार

रोगी के आईसीयू में रहने के दौरान परिवार के सदस्यों को सूचित और समर्थित रखा जाता है, गंभीर बीमारी से जुड़ी भावनात्मक चुनौतियों को स्वीकार करते हुए।

ट. संक्रमण नियंत्रण

व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण के उपयोग और रोगाणुरहित तकनीकों के पालन सहित, संक्रमण रोकथाम के सख्त प्रोटोकॉल का पालन किया जाता है।

मेडिसिन आईसीयू

माह (2024-25)	अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितंबर	अक्टूबर	नवंबर	दिसंबर	जनवरी	फरवरी	मार्च	कुल
नए भर्ती मरीज	22	23	23	16	20	19	17	24	40	29	20	31	284
अन्य वार्ड/संस्थान से स्थानांतरित मरीज	07	03	09	06	14	09	13	23	10	11	12	09	126
कुल मरीज संख्या	29	26	32	22	34	28	30	47	50	40	32	40	410
अन्य वार्ड/संस्थान को स्थानांतरित मरीज	16	15	13	14	15	09	11	19	28	19	20	24	203
छुट्टी प्राप्त मरीज	01	04	01	02	03	04	01	03	01	01	03	01	25
अनुमति के बिना अस्पताल छोड़ने वाले मरीज	01	00	01	00	00	00	02	01	01	01	01	00	09
मृत्यु	11	07	16	07	14	09	17	23	20	16	09	13	162
अन्य संस्थान को संदर्भित मरीज	00	00	00	00	01	01	00	01	01	01	00	01	06

एमआईसीयू में मृत्यु दर: 39%

सर्जरी आईसीयू

माह (2024-25)	अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितंबर	अक्टूबर	नवंबर	दिसंबर	जनवरी	फरवरी	मार्च	कुल
नए भर्ती मरीज	10	07	06	08	04	02	12	08	04	10	06	10	87
अन्य वार्ड/संस्थान से स्थानांतरित मरीज	20	06	15	21	19	22	14	15	11	13	16	14	186
कुल मरीज संख्या	30	13	21	29	23	24	26	23	15	23	22	24	273
मृत्यु	03	02	04	05	01	04	05	07	03	02	00	05	41

गंभीर रोगी-देखभाल इकाई

माह (2024-25)	अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितंबर	अक्टूबर	नवंबर	दिसंबर	जनवरी	फरवरी	मार्च	कुल
नए भर्ती मरीज	14	21	15	27	20	22	32	36	41	31	37	37	333
अन्य वार्ड/संस्थान को स्थानांतरित मरीज	11	22	12	21	12	19	26	34	32	31	29	33	282
मृत्यु	3	0	2	5	9	2	3	3	7	3	4	2	43
अनुमति के बिना अस्पताल छोड़ने वाले मरीज	0	0	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	2
छुट्टी प्राप्त मरीज	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	1	2

बाल चिकित्सा आईसीयू

माह (2024-25)	अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितंबर	अक्टूबर	नवंबर	दिसंबर	जनवरी	फरवरी	मार्च	कुल
कुल भर्ती	18	24	23	28	30	21	36	26	29	33	31	40	351

नवजात विज्ञान आईसीयू

माह (2024-25)	अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितंबर	अक्टूबर	नवंबर	दिसंबर	जनवरी	फरवरी	मार्च	कुल

संस्थान में जन्मे शिशु	01	24	20	30	30	41	24	30	38	28	37	27	340
बाह्य संस्थान से लाए गए शिशु	06	05	05	05	10	11	10	07	09	02	07	08	85
कुल मामलों की संख्या	17	29	25	35	40	52	34	37	47	30	44	35	425
जीवित जन्म	29	35	57	64	93	116	109	111	114	124	86	86	1024
नवजात मृत्यु दर	02	02	00	00	02	01	03	00	02	02	01	01	16
मृत जन्म	02	00	02	00	02	00	00	01	04	02	03	01	17

कार्डियोलॉजी सेवाएँ

कार्डियक कैथीटेराइजेशन प्रयोगशाला (कैथ लैब) ने 9 फरवरी 2024 से अपनी सेवाएँ शुरू कीं और वर्ष 2024-2025 में निम्नलिखित प्रक्रियाएँ संचालित कीं।

क्र.सं.	प्रक्रिया का नाम	संख्या
1.	कोरोनरी एंजियोग्राफी	565
2.	कोरोनरी एंजियोप्लास्टी	306
3.	पेरिफेरल एंजियोग्राफी	29
4.	पेरिकार्डियोसेंटेसिस	17
5.	कैरोटिड स्टेंटिंग	3
6.	कार्डियो रिसिंक्रोनाइजेशन थैरेपी – डिफिब्रिलेटर (सीआरटी-डी)	7
7.	कार्डियो रिसिंक्रोनाइजेशन थैरेपी – पेसमेकर (सीआरटी-पी)	3
8.	इम्प्लांटेबल कार्डियोवर्टर डिफिब्रिलेटर (आईसीडी)	10
9.	फ्रैक्शनल फ्लो रिजर्व (एफएफआर) / इंस्टेंटेनियस वेव-फ्री रेशियो (आईएफआर)	10
10.	स्थायी पेसमेकर प्रत्यारोपण	20
11.	अस्थायी पेसमेकर प्रत्यारोपण	17
12.	वेनोग्राम	2
13.	इंट्रावास्कुलर अल्ट्रासाउंड (आईवीयूएस))	4
14.	प्लेन ओल्ड बैलून एंजियोप्लास्टी (पीओबीए)	7
15.	इंट्रा एओर्टिक बैलून पंप (आईएबीपी)	1
16.	फिस्टुलोप्लास्टी	1
17.	फ्लोरोस्कोपी	6
18.	सबक्लेवियन स्टेंटिंग	1
19.	पेरिफेरल एंजियोप्लास्टी (पैर)	3
20.	एड्रिनल वेनस सैम्पलिंग	1
21.	इंट्रा वास्कुलर लिथोट्रिप्सी	5
22.	मैकेनिकल थ्रॉम्बेक्टॉमी	1
23.	रोटा एब्लेशन	3
	कुल	**1022**

ओटी सेवाएँ

यह वर्ष अतिरिक्त ओटी टेबलों के संचालन, नई शल्य चिकित्सा सेवाओं की शुरुआत और उन्नत प्रक्रियाओं के सफल संचालन के लिए उल्लेखनीय रहा है, जिससे व्यापक शल्य चिकित्सा देखभाल प्रदान करने में संस्थान की भूमिका और मज़बूत हुई है।

परिचालन विस्तार

वित्तीय वर्ष की शुरुआत में, ओटी कॉम्प्लेक्स 2 वैकल्पिक ओटी टेबल, 1 आपातकालीन ओटी टेबल और 1 माइनर ओटी टेबल (स्थानीय एनेस्थीसिया) के साथ कार्यरत था। वर्ष के दौरान, 2 और वैकल्पिक ओटी टेबलों को क्रियाशील बनाया गया, जिससे बढ़ते शल्य चिकित्सा भार को पूरा करने की क्षमता में वृद्धि हुई। इस विस्तार के साथ, ओटी कॉम्प्लेक्स अब एक साथ कई विशेषज्ञताओं और सुपर-स्पेशलिटीज़ को कुशलतापूर्वक समर्थन दे रहा है।

शल्य चिकित्सा आँकड़े

अप्रैल 2024 और मार्च 2025 के बीच कुल 4488 शल्य चिकित्साएँ की गईं। वितरण इस प्रकार है:

- कुल शल्यक्रियाएँ: 4488
- प्रमुख वैकल्पिक और आपातकालीन शल्यक्रियाएँ: 3543
- स्थानीय संज्ञाहरण के अंतर्गत लघु प्रक्रियाएँ: 945

नई सेवाओं की शुरुआत

इस वित्तीय वर्ष के दौरान नेत्र रोग (नेत्र) शल्यक्रियाएँ शुरू की गईं, जो पहले चालू नहीं थीं।

विशेषज्ञता और अति-विशिष्ट सेवाएँ

वर्तमान में, ऑपरेशन थिएटर परिसर में शल्य चिकित्सा सेवाएँ निम्नलिखित द्वारा प्रदान की जा रही हैं:

व्यापक विशेषताएँ	अति-विशेषताएँ
क) नेत्र विज्ञान	क) न्यूरोसर्जरी
ख) ईएनटी	ख) प्लास्टिक शल्य चिकित्सा
ग) सामान्य शल्य चिकित्सा	ग) यूरोलॉजी
घ) प्रसूति एवं स्त्री रोग	घ) बाल शल्य चिकित्सा
ङ) अस्थि रोग	ङ) सर्जिकल ऑन्कोलॉजी
च) दंत चिकित्सा	

प्रत्यारोपण सर्जरी

इस वर्ष की एक ऐतिहासिक उपलब्धि यूरोलॉजी विभाग द्वारा 4 वृक्क (किडनी) प्रत्यारोपण सर्जरी का सफल संचालन रहा है।

ओटी मामलों की कुल संख्या

माह (2024-25)	अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितंबर	अक्टूबर	नवंबर	दिसंबर	जनवरी	फरवरी	मार्च	कुल
सामान्य शल्य चिकित्सा	43	54	52	54	54	44	48	46	52	43	43	46	**579**
ईएनटी	22	38	47	43	37	41	39	34	43	37	37	36	**454**
ऑर्थोपेडिक्स	101	121	130	150	119	131	129	126	126	150	125	119	**1527**
प्लास्टिक शल्य चिकित्सा	16	17	22	09	12	07	13	16	09	06	15	20	**162**
यूरोलॉजी	49	28	16	19	41	42	45	40	51	41	41	32	**445**
प्रसूति एवं स्त्री रोग	22	33	14	22	31	24	33	20	27	20	18	34	**298**
बाल शल्य चिकित्सा	18	27	14	14	24	20	22	21	26	21	18	15	**240**

सर्जिकल ऑन्कोलॉजी	08	11	05	10	09	15	10	14	26	08	14	14	**144**
न्यूरोसर्जरी	12	11	19	22	22	20	22	23	17	29	11	25	**233**
दंत चिकित्सा	02	09	12	06	05	09	07	14	05	10	09	09	**97**
नेत्र विज्ञान	--	--	--	--	06	33	28	39	40	57	43	46	**292**

रक्त बैंक

माह (2024-25)	अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितंबर	अक्टूबर	नवंबर	दिसंबर	जनवरी	फरवरी	मार्च	कुल
पैक्ड रेड ब्लड सेल निर्गमन	294	339	322	330	412	454	456	386	401	459	405	462	**4720**
फ्रेश फ्रोजन प्लाज़्मा निर्गमन	90	51	96	87	138	76	133	121	143	105	171	125	**1336**
प्लेटलेट कंसन्ट्रेट निर्गमन	82	98	66	107	74	107	116	102	177	159	99	125	**1312**

प्रसूति

माह (2024-25)	अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितंबर	अक्टूबर	नवंबर	दिसंबर	जनवरी	फरवरी	मार्च	**कुल**
सामान्य प्रसव	19	16	34	38	60	65	58	63	50	71	48	50	**572**
निचले खंड का सिजेरियन प्रसव	12	18	24	26	35	52	51	49	65	54	40	34	**460**
कुल प्रसव	**31**	**34**	**58**	**64**	**95**	**117**	**109**	**112**	**117**	**125**	**88**	**84**	**1034**

आघात और आपातकाल

आघात और आपातकालीन सेवाओं का लक्ष्य समय पर, व्यापक और करुणामयी देखभाल प्रदान करते हुए एक अग्रणी उत्कृष्टता केंद्र के रूप में विकसित होना है। इसका मुख्य उद्देश्य त्वरित प्रतिक्रिया, आधुनिक तकनीक का उपयोग, निरंतर कौशल विकास और परिणामों को बेहतर बनाने और जीवन बचाने के लिए मज़बूत बहु-विषयक टीमवर्क पर केंद्रित है। यह इकाई एक सुरक्षित, कुशल और रोगी-केंद्रित वातावरण बनाए रखने के लिए कार्य करती है जो समुदाय की तत्काल आवश्यकताओं को व्यावसायिकता और सहानुभूति के साथ पूरा करता है। इसका मिशन इस प्रतिबद्धता को दर्शाता है: प्रशिक्षित पेशेवरों द्वारा चौबीसों घंटे जीवन रक्षक देखभाल सुनिश्चित करना, अनुसंधान और शिक्षा के माध्यम से आगे बढ़ना, देखभाल संबंधी निर्णयों में रोगियों और परिवारों को शामिल करना, अन्य नैदानिक विभागों के साथ निकट समन्वय करना, सख्त सुरक्षा प्रोटोकॉल बनाए रखना और सभी आपात स्थितियों के लिए तैयार रहना। जन स्वास्थ्य और आपातकालीन तैयारियों को मज़बूत करने के लिए सामुदायिक जागरूकता और आउटरीच गतिविधियाँ प्राथमिकता बनी हुई हैं।

अप्रैल 2024 से मार्च 2025 के दौरान आपातकालीन सेवाओं में कुल 17,786 नए मरीज़ आए, जिनमें से 2,249 मेडिकोलीगल मामले थे।

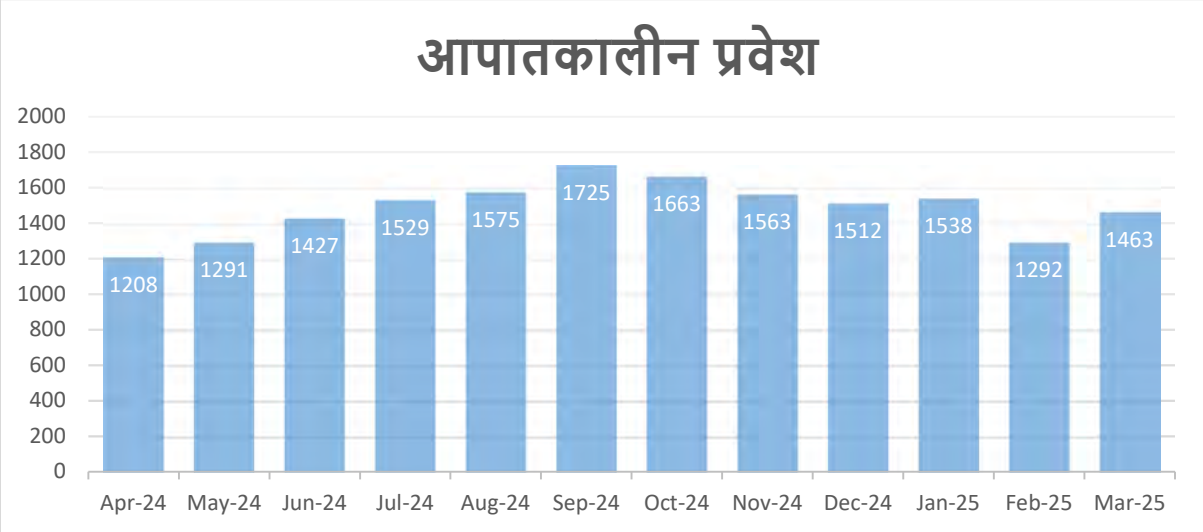

माह (2024-25)	अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितंबर	अक्टूबर	नवंबर	दिसंबर	जनवरी	फरवरी	मार्च	कुल
आघात	77	57	76	66	72	79	83	61	48	53	56	51	**779**
जलन	01	02	02	01	01	00	00	07	02	00	02	00	**18**
सर्पदंश	03	08	08	20	23	18	17	02	00	01	00	01	**101**
तीव्र हृदय आपातस्थिति	11	19	25	12	13	42	22	27	25	25	11	06	**238**
स्ट्रोक	12	18	08	04	05	05	20	18	19	18	12	03	**142**
अन्य	00	00	00	00	19	25	23	14	23	06	13	09	**132**
मृत अवस्था में लाए गए	05	06	04	07	09	03	02	06	03	08	02	06	**61**
मृत्यु	17	18	24	22	40	31	36	47	48	58	50	40	**431**
कुल	**126**	**128**	**147**	**132**	**187**	**203**	**203**	**182**	**168**	**169**	**146**	**116**	**1907**

पॉइंट-ऑफ-केयर टेस्टिंग (पीओसीटी) प्रयोगशाला सभी आपातकालीन और चयनित आईपीडी रोगियों के लिए त्वरित निदान में सहायता प्रदान करती रही है। ये परीक्षण 10 से 15 मिनट की समय सीमा के साथ आसानी से उपलब्ध हैं। हर महीने औसतन लगभग 1,500 पीओसीटी परीक्षण किए गए, जिनमें ट्रोपोनिन-I, प्रोकैल्सीटोनिन, डी-डाइमर, एनटी-प्रो-बीएनपी, मूत्र विष विज्ञान और धमनी रक्त गैसें शामिल हैं, जिससे गंभीर परिस्थितियों में तेज़ी से नैदानिक निर्णय लेना संभव हुआ।

माह (2024-25)	अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितंबर	अक्टूबर	नवंबर	दिसंबर	जनवरी	फरवरी	मार्च	कुल
आर्टियल ब्लड गैस विश्लेषण	714	272	224	951	361	957	960	1023	1050	1250	212	151	**8125**
ट्रोपोनिन-आई	317	661	83	397	551	348	02	377	518	642	364	412	**4672**
एनटी-प्रो बीएनपी	142	334	00	123	179	221	205	205	276	232	174	128	**2219**
प्रो-कैल्सिटोनिन	28	32	08	10	25	15	22	42	36	24	49	00	**291**

नैदानिक सेवाएँ

एम्स बिलासपुर की प्रयोगशालाएँ अत्याधुनिक नैदानिक उपकरणों और उन्नत स्वचालन तकनीकों से सुसज्जित हैं, जिन्हें विभिन्न प्रयोगशाला परीक्षणों के विश्वसनीय और समय पर परिणाम सुनिश्चित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। प्रयोगशालाओं में रुधिर विज्ञान, कोशिकाविकृति विज्ञान, ऊतकविकृति विज्ञान, सूक्ष्म जीव विज्ञान, जैव रसायन विज्ञान और प्रतिरक्षा विज्ञान जैसे विभिन्न विभाग शामिल हैं, जो नियमित और विशिष्ट दोनों प्रकार की जाँचों की सुविधा प्रदान करते हैं। दक्षता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक अनुभाग प्रशिक्षित तकनीकी कर्मचारियों और संकाय पर्यवेक्षण द्वारा समर्थित है। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दिशानिर्देशों का पालन करते हुए कठोर आंतरिक और बाह्य गुणवत्ता आश्वासन कार्यक्रम लागू किए जाते हैं। ये उपाय सुनिश्चित करते हैं कि प्रत्येक परीक्षण परिणाम सटीक, पुनरुत्पादनीय और चिकित्सकीय रूप से प्रासंगिक हो, जिससे सर्वोत्तम रोगी देखभाल और साक्ष्य-आधारित नैदानिक निर्णय लेने में सहायता मिलती है।

पैथोलॉजी

पैथोलॉजी विभाग 1 दिसंबर, 2022 से व्यापक प्रयोगशाला निदान सेवाएँ प्रदान कर रहा है, जिसमें हेमटोलॉजी, साइटोपैथोलॉजी और हिस्टोपैथोलॉजी शामिल हैं। यह विभाग नैदानिक निदान, रोगी प्रबंधन और शैक्षणिक प्रशिक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

क. हेमटोलॉजी प्रभाग

हेमटोलॉजी अनुभाग हेमटोलॉजिकल विकारों के मूल्यांकन के लिए आवश्यक परीक्षणों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है। सेवाओं में पूर्ण रक्त गणना, परिधीय स्मीयर, एरिथ्रोसाइट अवसादन दर (ईएसआर), जमावट अध्ययन (पीटी, एपीटीटी, आईएनआर), और अस्थि मज्जा परीक्षण शामिल हैं। चालू वित्तीय वर्ष के दौरान, इस अनुभाग ने कुल 1,21,854 हेमटोलॉजी जाँचें कीं।

ख. साइटोपैथोलॉजी प्रभाग

साइटोपैथोलॉजी प्रभाग फाइन नीडल एस्पिरेशन साइटोलॉजी (एफएनएसी, प्रत्यक्ष और यूएसजी निर्देशित दोनों), बॉडी फ्लूइड एनालिसिस और लिक्विड-बेस्ड साइटोलॉजी के लिए नैदानिक सेवाएँ प्रदान करता है। सेल काउंट (टीएलसी/डीएलसी) और मैलिग्नेंट साइटोलॉजी दोनों के लिए बॉडी फ्लूइड्स की जाँच की जाती है। यह अनुभाग मस्तिष्कमेरु द्रव (सीएसएफ), वीर्य विश्लेषण और मूत्र कोशिका विज्ञान परीक्षण भी करता है।

गर्भाशय ग्रीवा की जाँच के लिए द्रव-आधारित कोशिका विज्ञान (एलबीसी) का नियमित कार्यान्वयन एक प्रमुख प्रगति रही है।

ग. हिस्टोपैथोलॉजी प्रभाग

ऊतकविकृतिविज्ञान प्रभाग छोटे और बड़े, दोनों प्रकार के शल्य चिकित्सा नमूनों, जमे हुए खंडों और शव परीक्षण परीक्षणों का नैदानिक मूल्यांकन करता है। यह इकाई महत्वपूर्ण अंतःक्रियात्मक जमे हुए खंडों का निदान प्रदान करती है और जुलाई 2023 से पैथोलॉजिकल शव परीक्षण भी कर रही है।

अनुभाग	परीक्षण	कुल संख्या	कार्यभार
हेमटोलॉजी प्रभाग	संपूर्ण रक्त गणना	71549	1,21,854
	अस्थिमज्जा परीक्षण	145	
	प्रोथ्रोम्बिन समय, सक्रिय आंशिक थ्रॉम्बोप्लास्टिन समय, अंतरराष्ट्रीय सामान्यीकृत अनुपात	31881	
	एरिथ्रोसाइट सेडिमेंटेशन दर	18279	
साइटोपैथोलॉजी प्रभाग	सूक्ष्म सूई चिकित्सीय ऊतक अवशेष परीक्षा	885	29,255
	विभिन्न शरीर तरल पदार्थों की कुल और भिन्न श्वेतकण गणना	673	
	विभिन्न शरीर तरल पदार्थों में दुष्ट कोशिका जांच	895	
	मस्तिष्क–मेरुरक्त तरल विश्लेषण	438	
	वीर्य परीक्षण	123	

	मूत्र परीक्षण	24956	
	द्रव आधारित साइटोलॉजी	1285	
हिस्टोपैथोलॉजी प्रभाग	बड़े और छोटे ऊतक नमूनों का परीक्षण	3061	3,126
	फ्रोजन सेक्शन विश्लेषण	40	
	शव परीक्षा / पोस्टमार्टम	25	
	कुल		**1,54,235**

जैव रसायन

विभाग डायग्नोस्टिक्स ब्लॉक सी में स्थित आंतरिक क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्री प्रयोगशाला और आयुष ब्लॉक में हिंद लैब्स के माध्यम से नैदानिक सेवाएँ प्रदान करता है। अप्रैल 2024 और मार्च 2025 के बीच, संकाय ने 10 लाख से अधिक जाँचों की समीक्षा की। प्रयोगशाला की गुणवत्ता दैनिक आंतरिक गुणवत्ता नियंत्रण और बाह्य गुणवत्ता आश्वासन योजनाओं में मासिक भागीदारी के माध्यम से सुनिश्चित की जाती है। दिसंबर 2024 से, विभाग ने डायग्नोस्टिक्स ब्लॉक में आघात और आपातकालीन रोगियों के लिए गुर्दे और यकृत कार्य परीक्षण शुरू कर दिए हैं। क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्री प्रयोगशाला (ब्लॉक सी) में नैदानिक सेवाओं का विस्तार बाद में एंटी-टीपीओ, मूत्र विश्लेषक (यूरिया, यूरिक एसिड, इलेक्ट्रोलाइट्स), लिथियम, अमोनिया और ऑस्मोलैलिटी परीक्षण को शामिल करने के लिए किया गया। ये सेवाएं अब 24×7 संचालित होती हैं, अप्रैल 2024 और मार्च 2025 के बीच डायग्नोस्टिक्स ब्लॉक में 50,000 से अधिक जांच की गई हैं। इसके अलावा, विभाग ने आणविक नैदानिक परीक्षण शुरू किया, जिसमें थैलेसीमिया के लिए डीएनए-आधारित उत्परिवर्तन विश्लेषण और जेएके2 वी617एफ उत्परिवर्तन का पता लगाना शामिल है।

क्र. सं.	जाँच का नाम	जांचों की संख्या (एम्स लैब)	जाँच का नाम	जाँचों की संख्या (हिंद लैब्स के सहयोग से)
1.	सीरम यूरिया	2949	ग्लूकोज	37384
2.	सीरम क्रिएटिनिन	2982	यूरिया	53820
3.	सीरम यूरिक एसिड	2982	बीयूएन	53809
4.	सीरम कैल्शियम	2983	क्रिएटिनिन	53713
5.	सीरम फॉस्फोरस	2982	यूरिक एसिड	54801
6.	सीरम सोडियम	2856	कैल्शियम	54878
7.	सीरम पोटैशियम	3009	फॉस्फोरस	48681
8.	कुल बिलीरुबिन	1496	सोडियम	48815
9.	डायरेक्ट बिलीरुबिन	2838	पोटैशियम	49720
10.	एस्पार्टेट ट्रांसएमिनेस (AST)	2837	कुल बिलीरुबिन	42529
11.	एलानिन ट्रांसएमिनेस (ALT)	2837	डायरेक्ट बिलीरुबिन	44640
12.	सीरम प्रोटीन	1235	इंडायरेक्ट बिलीरुबिन	41698
13.	सीरम एल्ब्यूमिन	1199	एएसटी	39992
14.	सीरम एलडीएच	10	एएलटी	41309
15.	एमाइलेज	2240	एएलपी	39414
16.	लाइपेज	42	कुल प्रोटीन	39352
17.	अमोनिया	42	एल्ब्यूमिन	26852
18.	एच.बी. एचपीएलसी	1116	ग्लोब्युलिन	26839
19.	रूमेटॉयड फैक्टर (RF)	2088	ए:जी अनुपात	26771

20.	एंटी CCP	1502	कुल कोलेस्ट्रॉल	13459
21.	एंटी TPO	618	ट्राइग्लिसराइड	13433
22.	एंटी tTG IgA	256	एचडीएल	15484
23.	सीआरपी	7	एलडीएल	15208
24.	एएसओ	9	वीएलडीएल	7162
25.	सीरम ऑस्मोलैलिटी	17	HbA1c	10235
26.	यूरिन ऑस्मोलैलिटी	23	सीआरपी	12377
27.	माइक्रोएल्ब्यूमिन	2193	ट्रोप I	2033
28.	यूरिनरी क्रिएटिनिन	2382	ट्रोप T	1494
29.	यूरिन स्पॉट प्रोटीन	1079	एमाइलेज	2340
30.	24 घंटे की यूरिनरी प्रोटीन	1212	लाइपेज	2299
31.	यूरिनरी कैल्शियम	66	आयरन	6648
32.	यूरिनरी फॉस्फोरस	40	TIBC	6688
33.	यूरिनरी यूरिक एसिड	43	जीजीटी	7685
34.	यूरिनरी सोडियम	79	एलडीएच	1361
35.	यूरिनरी पोटैशियम	56	सीपीके	748
36.	प्लूरल फ्लूड ग्लूकोज	278	आयोनाइज़्ड कैल्शियम	193
37.	प्लूरल फ्लूड प्रोटीन	278	सीके-एमबी	226
38.	प्लूरल फ्लूड एलडीएच	252	मैग्नीशियम	1902
39.	प्लूरल फ्लूड एडीए	285	फेरिटिन	5012
40.	एसीटिक फ्लूड ग्लूकोज	214	T3	4353
41.	एसीटिक फ्लूड प्रोटीन	225	T4	4989
42.	एसीटिक फ्लूड एल्ब्यूमिन	174	TSH	7216
43.	एसीटिक फ्लूड एलडीएच	157	FT3	266
44.	एसीटिक फ्लूड एडीए	216	FT4	336
45.	पेरिकार्डियल फ्लूड प्रोटीन	14	FSH	1182
46.	पेरिकार्डियल फ्लूड ग्लूकोज	14	LH	3250
47.	पेरिकार्डियल फ्लूड एडीए	14	प्रोलैक्टिन	652
48.	सीएसएफ ग्लूकोज	383	विटामिन B12	3183
49.	सीएसएफ प्रोटीन	388	विटामिन D	3216
50.	सीएसएफ एलडीएच	146	PSA	399
51.	सीएसएफ एडीए	271	CA-125	30784
52.	अन्य फ्लूड क्रिएटिनिन	9	IgE	5853
53.	अन्य फ्लूड यूरिया	6	बीटा-hCG	510
54.	अन्य फ्लूड प्रोटीन	33	कॉर्टिसोल	2509
55.	अन्य फ्लूड ग्लूकोज	25	CEA	2265
56.	अन्य फ्लूड एडीए	21	फोलिक एसिड	539
57.	अन्य फ्लूड एलडीएच	16		
58.	थैलेसीमिया हेतु म्यूटेशन डिटेक्शन	15		
59.	डीएमडी/बीएमडी हेतु डिलीशन अध्ययन	18		

	कुल	51,757	कुल	10,22,506

सूक्ष्म जीव विज्ञान

सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग, शुरुआत में हिंद प्रयोगशाला सेवाओं की रिपोर्टिंग और पर्यवेक्षण के साथ, रोगियों को प्रयोगशाला सेवाएँ प्रदान कर रहा है। विभाग द्वारा उपलब्ध मानव संसाधन, उपकरणों और उपभोग्य सामग्रियों के आधार पर चरणबद्ध तरीके से विभिन्न प्रयोगशाला परीक्षण शुरू किए गए हैं और वर्ष 2024-25 के दौरान इनका विस्तार किया गया है। इस अवधि के दौरान, हिंद प्रयोगशाला परीक्षणों के आंतरिक परीक्षण और रिपोर्टिंग पर्यवेक्षण द्वारा 72348 प्रयोगशाला जाँचें की गई हैं, जिनका विवरण नीचे दिया गया है:

क्र. सं.	जाँच	जाँच की संख्या (एम्स लैब)
1	ज़ील-नील्सन माइक्रोस्कोपी	829
2	जीनएक्सपर्ट परीक्षण	3218
3	लाइन प्रॉब एसे (रेफरल)	105
4	माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरक्लोसिस कल्चर (रेफरल)*	86
5	रक्त कल्चर एवं संवेदनशीलता परीक्षण	5169
6	मूत्र कल्चर एवं संवेदनशीलता परीक्षण	1771
7	जैविक संकेतक परीक्षण	572
8	हेपेटाइटिस ई आईजीएम परीक्षण	86
9	हेपेटाइटिस ई आईजीजी परीक्षण	24
10	डेंगू आईजीजी परीक्षण	116
11	डेंगू आईजीएम परीक्षण	209
12	डेंगू NS1 एंटिजन परीक्षण	201
13	हेपेटाइटिस ए IgM परीक्षण	60
14	हेपेटाइटिस B सतही एंटिजन (HBsAg)	8045
15	एच.आई.वी. सेरोलॉजी परीक्षण	8056
16	एचसीवी एंटीबॉडी परीक्षण	8043
17	प्रो-कैल्सिटोनिन परीक्षण	117
18	एचबीवी वायरल लोड परीक्षण	8
19	एचसीवी वायरल लोड परीक्षण	6
20	इन्फ्लुएंजा ए पीसीआर परीक्षण	23
21	इन्फ्लुएंजा बी पीसीआर परीक्षण	23
22	एच1एन1 पीसीआर परीक्षण	22
23	एच3एन2 पीसीआर परीक्षण	22
24	रेस्पिरेटरी सिनसिशियल वायरस 1 पीसीआर परीक्षण	22
25	रेस्पिरेटरी सिनसिशियल वायरस 2 पीसीआर परीक्षण	22
26	क्लैमाइडिया ट्रकोमैटिस/गोनोरिया पीसीआर परीक्षण	12
27	एडेनोवायरस पीसीआर परीक्षण	8
28	हर्पीस सिम्प्लेक्स वायरस 1 एवं 2 पीसीआर परीक्षण	1

29	वेरिसेला जोस्टर वायरस पीसीआर परीक्षण	1
30	डेंगू पीसीआर परीक्षण	3
31	चिकनगुनिया पीसीआर परीक्षण	3
32	ह्यूमन पैपिलोमा वायरस पीसीआर परीक्षण	1
33	लेप्टोस्पाइरा पीसीआर परीक्षण	2
34	बोकावायरस पीसीआर परीक्षण	7
35	ह्यूमन मेटाप्न्यूमोवायरस पीसीआर परीक्षण	3
36	मम्प्स वायरस पीसीआर परीक्षण	3
37	पैराइइन्फ्लुएंजा 1 पीसीआर परीक्षण	3
38	पैराइइन्फ्लुएंजा 2 पीसीआर परीक्षण	3
39	पैराइइन्फ्लुएंजा 3 पीसीआर परीक्षण	3
40	पैराइइन्फ्लुएंजा 4 पीसीआर परीक्षण	3
41	कोविड-19 पीसीआर परीक्षण	1
42	कोरोनावायरस पीसीआर परीक्षण	7
43	स्ट्रेप्टोकोकस न्यूमोनिया पीसीआर परीक्षण	1
44	क्लैमाइडिया न्यूमोनिया पीसीआर परीक्षण	1
45	मायकोप्लाज्मा न्यूमोनिया पीसीआर परीक्षण	1
	कुल	**36,912**
क्र. सं.	**जाँच**	**जाँचों की संख्या (हिंद लैब सेवाओं के माध्यम से)**
1.	हेपेटाइटिस ई आईजीएम परीक्षण	288
2.	डेंगू आईजीएम परीक्षण	177
3.	डेंगू NS1 एंटिजन परीक्षण	675
4.	हेपेटाइटिस ए आईजीएम परीक्षण	329
5.	हेपेटाइटिस बी सतही एंटिजन परीक्षण	9537
6.	एच.आई.वी. सेरोलॉजी परीक्षण	9520
7.	एचसीवी एंटीबॉडी परीक्षण	9528
8.	के.ओ.एच. माइक्रोस्कोपी (त्वचा/नाखून फंगल संक्रमण जांच)	384
9.	मल में परजीवी जांच (वेट माउंट)	435
10.	मल में परजीवी जांच (आयोडीन माउंट)	435
11.	मलेरिया रैपिड टेस्ट	656
12.	मलेरिया स्मीयर जांच	583
13.	विडल / टाइफीडॉट परीक्षण (टाइफाइड निदान)	1366
14.	वीनियल डिज़ीज़ रिसर्च लैब परीक्षण	1432
15.	चिकनगुनिया आईजीएम परीक्षण	91
	कुल	**35436**

जिन नमूनों पर * अंकित है, उन्हें परीक्षण के लिए मध्यवर्ती संदर्भ प्रयोगशाला (आईआरएल) धरमपुर भेजा जाता है।

एंडोक्रिनोलॉजी और क्लिनिकल रुमेटोलॉजी (ईसीआर) प्रयोगशाला

ईसीआर प्रयोगशाला, क्लिनिकल इम्यूनोलॉजी और रुमेटोलॉजी विभाग, और एंडोक्रिनोलॉजी एवं मेटाबॉलिज्म विभाग की नैदानिक आवश्यकताओं से संबंधित नैदानिक सेवाएँ प्रदान करती रही है। प्रयोगशाला ने जनवरी 2024 से अप्रत्यक्ष इम्यूनोफ्लोरेसेंस परख (एएनए-आईएफए) का उपयोग करके एंटी-न्यूक्लियर एंटीबॉडी का पता लगाना शुरू कर दिया है। इसके बाद, प्रयोगशाला ने अपने पोर्टफोलियो में कई और नैदानिक सेवाएँ जोड़ी हैं। वर्तमान में, प्रयोगशाला एंडोक्रिनोलॉजी और क्लिनिकल इम्यूनोलॉजी विभागों में निम्नलिखित सेवाएँ प्रदान करती है:

	क्लिनिकल रुमेटोलॉजी			एंडोक्रिनोलॉजी		
क्र. सं.	परीक्षण	प्रारंभ तिथि	कुल संख्या	परीक्षण	प्रारंभ तिथि	कुल संख्या
1.	एंटी न्यूक्लियर एंटिबॉडी – इम्यूनोफ्लोरेसेंस एसे	जनवरी 2024	1081	ग्लाइकोसिलेटेड हीमोग्लोबिन (HbA1C) परीक्षण	जून 2024	1933
2.	एंटी न्यूक्लियर एंटिबॉडी – लाइन इम्यूनोअसे	अक्टूबर 2024	152	सीरम इलेक्ट्रोलाइट्स परीक्षण	जून 2024	486
3.	एंटी-डबल स्ट्रैंडेड DNA IgG परीक्षण	अक्टूबर 2024	32	मूत्र इलेक्ट्रोलाइट्स परीक्षण	जून 2024	77
4.	एंटी-कार्डियोलिपिन IgG एवं IgM परीक्षण	अक्टूबर 2024	14	थायरॉइड स्टिमुलेटिंग हार्मोन (TSH) परीक्षण	जून 2024	478
5.	एंटी-बेटा 2 ग्लाइकोप्रोटीन-I IgG एवं IgM परीक्षण	अक्टूबर 2024	14	थायरॉइड हार्मोन परीक्षण	जून 2024	238
6.	ANCA प्रोफाइल IgG (PR3, MPO) ELISA परीक्षण	अक्टूबर 2024	65	थायरॉइड हार्मोन परीक्षण	जून 2024	221
7.	सिस्टमिक स्क्लेरोसिस प्रोफाइल इम्यूनोब्लॉट	जनवरी 2025	22	थायरॉइड फंक्शन टेस्ट	जून 2024	607
8.	मायोसाइटिस प्रोफाइल इम्यूनोब्लॉट	जनवरी 2025	15	फ्री थायरॉक्सिन परीक्षण	जून 2024	343
9.	एंटी-ग्लोमेरुलर बेसमेंट मेम्ब्रेन IgG परीक्षण	जनवरी 2025	-	कॉर्टिसोल परीक्षण	जून 2024	294
10.	इंटरफेरॉन गामा रिलीज़ एसे (क्वांटिफ़ेरॉन TB गोल्ड)	जनवरी 2025	56	टेस्टोस्टेरोन परीक्षण	जून 2024	110
11.	HLA-B27 पीसीआर जीनोटाइपिंग	जनवरी 2025	50	एड्रेनोकॉर्टिकोट्रॉपिक हार्मोन परीक्षण	जून 2024	150
12.	HLA-ABC, DQ, DR पीसीआर SSP परीक्षण	फरवरी 2025	1	ACTH स्टिमुलेशन टेस्ट	जून 2024	20
13.	क्रायोग्लोबुलिन परीक्षण	जनवरी 2025	-	ल्यूटिनाइजिंग हार्मोन (LH) परीक्षण	जून 2024	150
14.	क्रायोफाइब्रिनोजेन परीक्षण	जनवरी 2025	-	फॉलिकल स्टिमुलेटिंग हार्मोन (FSH) परीक्षण	जून 2024	151
15.				प्रोलैक्टिन परीक्षण	जून 2024	160
16.				डीहाइड्रोएपिअंड्रोस्टेरोन सल्फेट (DHEAS) परीक्षण	जून 2024	70
17.				विटामिन D 25-हाइड्रॉक्सी परीक्षण	जून 2024	703

18.				C-पेप्टाइड परीक्षण	जून 2024	80
19.				गोनाडोट्रोपिन-रिलीजिंग हार्मोन (GnRH) परीक्षण	जून 2024	6
20.				लेवोथायरॉक्सिन अवशोषण परीक्षण	जून 2024	1
		कुल	**1502**		**कुल**	**6278**

रेडियोलॉजी

रेडियोलॉजी सेवाएँ अक्टूबर 2022 से चालू हो गई हैं और इनकी संख्या और क्षमता दोनों में लगातार विस्तार हो रहा है। आपातकालीन सीटी स्कैनिंग फरवरी 2024 में उपलब्ध हो गई, जिससे आघात और तीव्र देखभाल के रोगियों का शीघ्र निदान सुनिश्चित हो गया। बढ़ती नैदानिक माँगों को पूरा करने के लिए एक दूसरी एमआरआई इकाई की स्थापना की प्रक्रिया प्रगति परहै। इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी प्रक्रियाएँ भी नियमित रूप से की जा रही हैं, जो न्यूनतम आक्रामक निदान और उपचारात्मक विकल्प प्रदान करती हैं।

माह (2024-25)	एक्स-रे परीक्षण	अल्ट्रासाउंड	सीटी स्कैन	एमआरआई परीक्षण	इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी प्रक्रियाएँ
अप्रैल 24	8704	1595	1132	482	79
मई 24	9904	1675	1097	485	73
जून 24	13290	1609	1169	402	62
जुलाई 24	14223	2277	1172	416	82
अगस्त 24	8598	1649	1415	441	82
सितम्बर 24	11003	1508	1644	614	72
अक्टूबर 24	8964	1377	1458	659	59
नवंबर 24	10194	1450	1663	608	57
दिसम्बर 24	9653	1491	1302	651	66
जनवरी 25	10180	1347	1568	725	64
फरवरी 25	8339	1566	1326	666	83
मार्च 25	10247	1814	1552	610	86
कुल	**123299**	**19358**	**16498**	**6759**	**865**

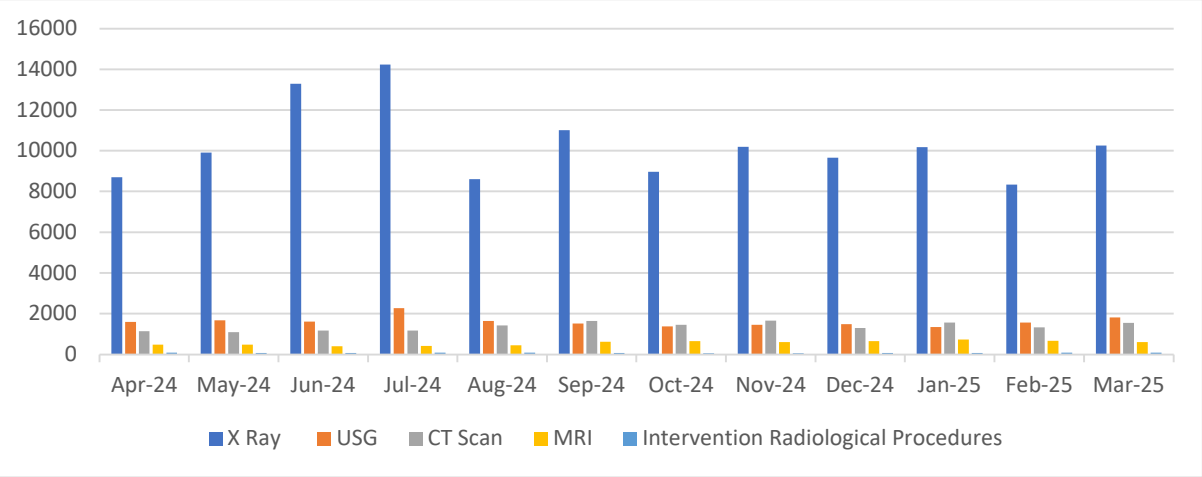

शव परीक्षण सेवाएँ

अप्रैल 2024 में न्यायालीय चिकित्सा एवं विष विज्ञान विभाग द्वारा एक अस्थायी शवगृह में शव परीक्षण सेवाएँ शुरू की गईं। यह इकाई बिलासपुर और बद्दी पुलिस ज़िलों से भेजे गए मामलों के साथ-साथ अस्पताल में हुई मौतों के लिए नियमित रूप से मेडिकोलीगल शव परीक्षण करती है। नैदानिक और भ्रूण शव परीक्षण भी किए जाते हैं, जिससे शैक्षणिक और नैदानिक आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके। यह सुविधा स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों ही छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण प्रशिक्षण मंच बन गई है।

माह (2024-25)	अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितंबर	अक्टूबर	नवंबर	दिसंबर	जनवरी	फरवरी	मार्च	**कुल**
अस्पताल में मृत्यु	04	07	04	14	16	10	12	09	10	11	16	08	**121**
मृतावस्था में लाए गए मरीज	02	04	04	08	04	02	01	07	05	04	02	05	**48**
संदर्भित मामले	00	00	00	00	00	03	00	00	01	01	00	01	**06**
कुल	06	11	08	22	20	15	13	16	16	16	18	14	**175**

आयुष्मान भारत और हिमकेयर

वित्तीय वर्ष 2024-2025 में आयुष्मान भारत योजना के तहत लगभग 3980 मरीज़ों का इलाज हो चुका है। इस योजना पर अब तक लगभग 8.4 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। इसी प्रकार, हिमकेयर योजना में लगभग 14598 मरीज़ों को भर्ती होने के बाद लाभ मिला है। इस योजना पर लगभग 35 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। सरकार द्वारा अस्पतालों को अधिकांश भुगतान कर दिया गया है, जबकि लगभग 44 करोड़ रुपये अभी भी बकाया हैं।

क्र.सं.	**विवरण**	**हिमकेयर**	**आयुष्मान**	**कुल संचयी**
1.	मरीजों की संख्या	14598	3980	18578
2.	निपटाए गए क्लेम की संख्या	5966	196	6162
3.	कुल क्लेम राशि (2022-2025)	**53,12,16,608 करोड़**	**13,48,45,876 करोड़**	**66,60,62,484 करोड़**
4.	प्राप्त राशि (2022-2025)	16,76,54,507 करोड़	2,75,30495 करोड़	19,51,85002 करोड़
5.	निपटान के लिए लंबित क्लेम की संख्या	8525	3219	11,744
6.	निपटान के लिए लंबित कुल क्लेम राशि	**36,35,62,101 करोड़**	**10,73,15,381 करोड़**	**47,08,77,482 करोड़**

प्रधान मंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना (पी.एम.बी.जे.पी.)

प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) भारत सरकार की एक अभियान-जन कल्याण योजना है। इसे ***प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना केंद्र (पी.एम.बी.जे.पी.)*** नामक विशेष केंद्र के माध्यम से जनता को सस्ती कीमतों पर गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराने के लिए फार्मास्यूटिकल्स विभाग द्वारा लॉन्च किया गया था।

प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र एम्स बिलासपुर एच.पी.:- एम्स बिलासपुर में प्रधान मंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र 03 अक्टूबर, 2022 को स्थापित किया गया। इसके संचालन के प्रारंभ से अब तक **90,000 से अधिक लाभार्थियों** को गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाओं का लाभ उचित मूल्य पर उपलब्ध कराया गया है। पी.एम.बी.जे.पी. केंद्र में प्रतिदिन लाभार्थियों की संख्या निरंतर बढ़ रही है, जिससे यह स्वास्थ्य सुविधा क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र एम्स बिलासपुर एच.पी. वित्तीय वर्ष 2024-2025 के लिए बिक्री रिपोर्ट (माहवार)

माह	कुल विक्रय	विक्रय वापसी	शुद्ध विक्रय	लाभार्थी रोगियों की संख्या
अप्रैल 2024	2,57,290	180	2,57,110	2197
मई 2024	3,04,575	0	3,04,575	2209
जून 2024	2,69,336	36	2,69,300	2050
जुलाई 2024	2,62,536	498	2,62,038	1968
अगस्त 2024	3,33,055	304	3,32,751	2129
सितंबर 2024	3,53,398	1542	3,51,856	2570
अक्टूबर 2024	3,26,188	1575	3,24,613	1954
नवंबर 2024	3,74,277	4154	3,70,123	2689
दिसंबर 2024	4,68,241	622	4,67,619	3238
जनवरी 2025	3,85,204	508	3,84,696	2975
फरवरी 2025	4,38,630	869	4,37,761	2851
मार्च 2025	5,031,34	1968	5,01,166	3398
कुल	**42,75,864**	**12,256**	**42,63,608**	**30,228**

चिकित्सा अभिलेख अनुभाग

अस्पताल प्रशासन विभाग के अंतर्गत चिकित्सा अभिलेख अनुभाग, रोगी की अद्यतन और विश्वसनीय जानकारी बनाए रखते हुए, रोगी देखभाल, अनुसंधान और प्रशासनिक सेवाओं के लिए एक प्रमुख सहायक इकाई के रूप में कार्य करता रहता है।

इस अनुभाग में पाँच चिकित्सा अभिलेख तकनीशियन (एमआरटी) तैनात हैं, और वर्ष के दौरान नियमित कौशल-संवर्धन प्रशिक्षणों का आयोजन किया गया, जिनमें आरएच बिलासपुर में जन्म और मृत्यु पंजीकरण, स्नातकोत्तरआईएमईआर चंडीगढ़ में एमआरडी का संचालन, और आरएचएसटीसी मोहाली में आईसीडी कोडिंग शामिल हैं।

कुल प्राप्त फ़ाइलें

आईपीडी	आपातकालीन विभाग	प्रपत्रित एवं सूचीबद्ध
28,254	40,705	42,994

आईसीडी-10 के मानक के अनुसार रिकॉर्ड कोडिंग कार्य संचालित किया गया। प्रशिक्षण से पूर्व, 377 मृत्यु और 90 स्त्रीरोग फाइलें को कोडित किया गया। प्रशिक्षण के पश्चात, 570 मृत्यु और 1,587 स्त्रीरोग फाइलें को कोडित किया गया, जिससे कुल 2,624 फाइलें कोडिंग के अंतर्गत आईं।

यह अनुभाग महत्वपूर्ण घटनाओं के पंजीकरण और दस्तावेज़ीकरण के लिए भी ज़िम्मेदार है।
महत्वपूर्ण आँकड़े पंजीकृत

महत्वपूर्ण आँकड़े	जन्म	मृत्यु
पंजीकरण	1378	1565
प्रमाणपत्र जारी	1337	1270
महत्वपूर्ण घटनाओं के प्रपत्रों की स्कैनिंग और अपलोडिंग	1695	1656

वर्ष के दौरान कुल 1,372 आभा कार्ड बनाए गए। अनुरोध पर उपचार सारांश और मेडिकोलीगल दस्तावेज़ जैसे चिकित्सा रिकॉर्ड जारी किए गए, जिनमें 571 सामान्य और 31 एमएलसी रिकॉर्ड शामिल थे। एम.बी.बी.एस. छात्रों के सात बैचों ने चिकित्सा रिकॉर्ड प्रबंधन के विषय में जानने के लिए इस अनुभाग का दौरा किया। अन्य नियमित जिम्मेदारियों में जन्म और मृत्यु रिपोर्ट का रखरखाव, रिकॉर्ड के संचलन की निगरानी, बीमा और कानूनी उपयोग के लिए दस्तावेज़ जारी करना और तिमाही सांख्यिकीय रिपोर्ट संकलित करना शामिल था।

स्वच्छता और जैव-चिकित्सा अपशिष्ट निपटान

रोगी सुरक्षा, संक्रमण नियंत्रण, पर्यावरण संरक्षण और नियामक अनुपालन के लिए प्रभावी जैव-चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन आवश्यक है। जैव-चिकित्सा अपशिष्ट का उचित पृथक्करण, प्रबंधन, परिवहन और निपटान अस्पताल में होने वाले संक्रमणों के जोखिम को कम करता है, खतरनाक पदार्थों के आकस्मिक संपर्क को रोकता है, और यह सुनिश्चित करता है कि संस्थान रोगियों, कर्मचारियों और समुदाय के लिए सुरक्षित और स्वच्छ संचालन बनाए रखे।

एम्स बिलासपुर में स्वच्छता सेवाओं का प्रबंधन दो प्रभागों - बाहरी परिसर और अस्पताल क्षेत्र - में किया जा रहा है। नवंबर 2024 से, संकाय प्रभारी (स्वच्छता-बाहरी क्षेत्र) का दायित्व डॉ. सचिन सोनी को सौंपा गया, जबकि नर्सिंग अधीक्षक ने अस्पताल क्षेत्र के लिए स्वच्छता का प्रभार संभाला, यह भूमिका पहले डॉ. चित्रेश कुमार शर्मा द्वारा देखी जाती थी। वित्तीय वर्ष के दौरान, संचालन को सुव्यवस्थित करने और सेवा की गुणवत्ता में सुधार के लिए बाहरी और आंतरिक दोनों क्षेत्रों में स्वच्छता सेवाओं के लिए अलग-अलग निविदाएँ संसाधित की गईं। स्वच्छता सेवाओं के अंतर्गत वर्तमान में तैनात जनशक्ति इस प्रकार है:

क्र. सं.	पदनाम	कार्मिक
1.	वरिष्ठ प्रबंधक	01
2.	सुविधा प्रबंधक	04
3.	स्टोर कीपर	02
4.	पर्यवेक्षक	15
5.	स्वच्छता सहायक	294

सीएसएसडी सेवाएँ

डी-ब्लॉक की दूसरी मंजिल पर स्थित केंद्रीय स्टेराइल आपूर्ति विभाग (सीएसएसडी) अक्टूबर 2022 से कार्यरत है और चौबीसों घंटे काम करता है। यह इकाई सुरक्षित शल्य चिकित्सा और प्रक्रियात्मक देखभाल के लिए आवश्यक स्टेराइलाइज़ेशन और कीटाणुशोधन सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करती है। इसकी गतिविधियों में ऑटोक्लेविंग, प्लाज्मा और एथिलीन ऑक्साइड स्टेराइलाइज़ेशन, उपकरणों की स्वचालित और अल्ट्रासोनिक सफाई, मैन्युअल सफाई, सुखाने, उपकरण सेट की पैकिंग, गॉज कटिंग, और महत्वपूर्ण क्षेत्रों में गॉज, गैम्ज़ी रोल, नाक और योनि पैक की आपूर्ति शामिल है। विभाग सर्जिकल ड्रम की सफाई, नाजुक उपकरणों का स्नेहन और स्टेराइलाइज़ेशन पेपर में सामग्री की पैकिंग का भी काम करता है। सभी नैदानिक विभागों को निर्बाध 24x7 सहायता सुनिश्चित करने के लिए स्टाफिंग पैटर्न और ड्यूटी टाइमिंग को बनाए रखा जाता है।

उपकरणों की कुल संख्या और चक्रों की संख्या:

क्र.सं.	स्टीरिलाइज़र/डिसइंफेक्टर	मात्रा	साइकिल और उपयोग की संख्या
1.	क्षैतिज आटोक्लेव	06	8,497
2.	प्लाज्मा स्टेरिलाइज़र	02	932
3.	ईटीओ स्टेरिलाइज़र	01	282
4.	वॉशर कीटाणुनाशक	03	345
5.	ड्राइंग कैबिनेट	01	सफाई और स्टरलाइज़ेशन की प्रक्रिया के दौरान उपयोग किया जाता है
6.	हीट सीलिंग मशीन	03	
7.	अल्ट्रासोनिक सफाई मशीन	02	रिकार्ड रखरखाव का कार्य वर्ष 2025 से शुरू किया गया है।

लॉन्ड्री सेवाएँ

यह लॉन्ड्री डी-ब्लॉक की दूसरी मंजिल पर स्थित है और दिसंबर 2023 से प्रतिदिन सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक कार्यरत है। यह अस्पताल के लिनेन की देखभाल का पूरा चक्र संभालती है, जिसकी शुरुआत स्रोत पर संग्रह और पृथक्करण से होती है, उसके बाद पूर्व-उपचार और दाग-धब्बों को हटाने का काम होता है। यह अनुभाग स्वच्छता और उपयोगिता बनाए रखने के लिए उचित कीटाणुशोधन उपायों के साथ धुलाई, सुखाने, इस्त्री और प्रेस करने का काम करता है। फिर आवश्यकतानुसार लिनेन को मोड़ा, छांटा, पैक या संग्रहीत किया जाता है, और क्षतिग्रस्त वस्तुओं की मरम्मत और सिलाई की सेवाएँ प्रदान की जाती हैं। निर्बाध रोगी देखभाल सेवाएँ सुनिश्चित करने के लिए नियमित समय पर अस्पताल के विभागों में साफ लिनेन वितरित किया जाता है।

अस्पताल की लॉन्ड्री में मौजूद मशीनों की कुल संख्या

क्र. सं.	मशीन का नाम	क्षमता	मात्रा
1.	बैरियर वॉशर एक्स्ट्रैक्टर	100 किग्रा	02
		50 किग्रा	01
2.	स्वचालित डोज़िंग पंप सहित स्लूइंग मशीन – वॉशर एक्स्ट्रैक्टर	30 किग्रा	01
3.	फ्रंट लोडिंग ड्राइंग टम्बलर	50 किग्रा	02
		30 किग्रा	01
4.	फीडर फोल्डर और स्टैकर सहित फ्लैटवर्क आयरनर	--	02
5.	आयरनिंग टेबल सहित यूटिलिटी प्रेस	--	03
6.	सिलाई मशीन	--	01

लॉन्ड्री में धुले गए लिनेन का कुल वजन

गंदी लांड्री	मैलयुक्त लांड्री	कर्मचारी लांड्री
1,85,133 कि.ग्रा.	33,053 कि.ग्रा.	10,010 कि.ग्रा.

एम्बुलेंस सेवाएँ

अस्पताल की आपातकालीन और रेफरल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एम्बुलेंस सेवाएँ चौबीसों घंटे उपलब्ध रहती हैं। बेड़े में उन्नत जीवन रक्षक परिवहन के लिए सुसज्जित एक ACLS एम्बुलेंस और बुनियादी जीवन रक्षक परिवहन के लिए एक BCLS एम्बुलेंस शामिल है। प्रशिक्षित कर्मचारी हर स्थानांतरण के साथ मौजूद रहते हैं, जिससे गंभीर रूप से बीमार और स्थिर रोगियों को अस्पताल नेटवर्क के भीतर या आवश्यकतानुसार रेफरल केंद्रों तक समय पर और सुरक्षित पहुँचाया जा सके।

माह (2024-25)	अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितंबर	अक्टूबर	नवंबर	दिसंबर	जनवरी	फरवरी	मार्च	कुल
एम्बुलेंस सेवाओं की संख्या	18	28	28	28	32	39	27	51	97	100	81	84	**613**

सुरक्षा सेवाएँ

एम्स बिलासपुर में सुरक्षा सेवाएँ एक सुरक्षित, व्यवस्थित और उत्तरदायी परिसर वातावरण बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। यह टीम संवेदनशील क्षेत्रों तक नियंत्रित पहुँच सुनिश्चित करके, चोरी या तोड़फोड़ को रोककर, आपात स्थितियों में सहायता करके और छात्रावासों, अस्पताल ब्लॉकों और बाहरी परिसर क्षेत्रों में सतर्कता बनाए रखकर रोगी देखभाल और शैक्षणिक गतिविधियों में सहायता करती है। उनकी उपस्थिति व्यवधानों को कम करने, अस्पताल के सुचारू संचालन में सहायता करने और रोगियों, कर्मचारियों, छात्रों और आगंतुकों के लिए सुरक्षा की समग्र भावना को मजबूत करने में मदद करती है।

पर्यवेक्षक	फायरमैन	सीसीटीवी ऑपरेटर	गनमैन	महिला सुरक्षा कर्मी	पुरुष सुरक्षा कर्मी	कुल
11	07	03	03	15	118	157

डिजिटल स्वास्थ्य केंद्र

आयुष ब्लॉक में एक डिजिटल स्वास्थ्य केंद्र स्थापित किया गया है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एन.एच.एम.) हिमाचल प्रदेश के सहयोग से ई-संजीवनी टेलीमेडिसिन सेवाओं का उद्घाटन मई 2021 में किया गया था। शुरुआत में, 17 विशेषज्ञ और सुपर विशेषज्ञ टेली परामर्श प्रदान कर रहे थे। इसके बाद, केवल 4 विशेषज्ञ टेली परामर्श प्रदान कर रहे हैं। अब तक मरीज से डॉक्टर तक टेली-परामर्श की सुविधा प्रदान की जा रही है। इसके बाद से, हिमाचल प्रदेश के सभी जिलों के मरीज इस सुविधा का लाभ उठा रहे हैं।

विभागवार टेली-परामर्श

विभाग	सामान्य चिकित्सा	प्रसूति एवं स्त्री रोग	त्वचाविज्ञान	बाल रोग
टेली-परामर्श दिया गया	4904	369	328	352

जिलेवार टेली-परामर्श

क्र. सं.	जिला	टेली परामर्श दिया गया
1.	हमीरपुर	163
2.	मंडी	1019
3.	शिमला	1525
4.	बिलासपुर	259
5.	कांगड़ा	353
6.	कुल्लू	344
7.	सोलन	1164
8.	ऊना	155
9.	चंबा	139
10.	सिरमौर	832
11.	किन्नौर	0
12.	लाहौल और स्पीति	0
	कुल	**5953**

संस्थान आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन दिशानिर्देशों के अनुसार निर्बाध पेपरलेस ओपीडी सेवाएँ शुरू करने पर विचार कर रहा है। इसे एम्स ओपीडी में आने वाले सभी मरीजों के लिए व्यापक टेली-फॉलो-अप सेवाओं तक विस्तारित किया जा सकता है।

नर्सिंग सेवाएं

परिचय

नर्सें स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की रीढ़ हैं। नर्सिंग को कला का सबसे प्राचीन और पेशे का सबसे नया रूप कहा गया है। आज की नर्सिंग वर्षों पहले की तुलना में बहुत अलग है और आने वाले वर्षों में इसके निरंतर विकास की उम्मीद है। एम्स में मरीजों को समग्र नर्सिंग देखभाल प्रदान की जाती है।

क्षमता

एम्स के कार्यबल का मुख्य स्तर अच्छी तरह से प्रशिक्षित पेशेवर नर्सों से बना है।

क्र. सं.	पदनाम	संख्या
1.	नर्सिंग अधीक्षक	01
2.	नर्सिंग अधिकारी	591

भर्ती अभियान

नॉरसेट-6 उत्तीर्ण नर्सिंग अधिकारियों का दस्तावेज़ सत्यापन किया गया, जिसमें नर्सिंग अधीक्षक समन्वय कर रहे थे। सफल सत्यापन के बाद, नए नियुक्त नर्सिंग अधिकारियों को कार्यभार और सेवा आवश्यकता के आधार पर विभिन्न विभागों में नियुक्त किया गया ताकि संतुलित जनशक्ति वितरण सुनिश्चित किया जा सके।

अस्पताल में नए वार्ड और ओपीडी की स्थापना

नर्सिंग अधिकारी वर्ष के दौरान नए विभागों की स्थापना और संचालन के लिए टीम के महत्वपूर्ण सदस्य थे। उल्लेखनीय क्षेत्रों में पल्मोनरी वार्ड और आईसीयू, पीएमआर, आपातकालीन अवलोकन 2, पीआईसीयू, पुराने दर्द की सेवाएँ, संक्रामक रोग वार्ड, रीनल आईसीयू, तृतीय लिंग वार्ड, पोस्को वार्ड और बाल रोग वार्ड शामिल थे।

कर्मचारी विकास गतिविधियाँ

- सभी नर्सिंग अधिकारियों को मंत्रालय द्वारा शुरू किए गए अनिवार्य कर्मयोगी सत्रों में नामांकित किया गया और उन्होंने व्यावसायिक एवं व्यवहारिक कौशल संवर्धन के मॉड्यूल सफलतापूर्वक पूरे किए।
- संस्थान में कायाकल्प के भविष्य के कार्यान्वयन के लिए लगभग 450 नर्सिंग अधिकारियों को गुणवत्ता प्रकोष्ठ नर्सिंग अधिकारियों, राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा कार्यालय में तैनात नर्सिंग अधिकारियों और संक्रमण नियंत्रण नर्सिंग अधिकारियों द्वारा निम्नलिखित विषयों पर पूर्व-संवेदनशील बनाया गया:
  - स्वच्छता और स्वास्थ्य सेवा तथा अस्पताल रखरखाव में सुधार।
  - अपशिष्ट प्रबंधन और स्वच्छता संवर्धन में सुधार।
  - संक्रमण नियंत्रण और सहायता सेवाएँ।
- आपातकालीन तैयारी और पुनर्जीवन कौशल को बढ़ाने के लिए सभी नर्सिंग अधिकारियों द्वारा कई बैचों में कौशल प्रयोगशाला शैक्षणिक ब्लॉक में बीएलएस प्रशिक्षण सत्र सफलतापूर्वक आयोजित किए गए।

नर्सिंग अधिकारियों द्वारा प्रशिक्षण में भाग लिया गया

क्र. सं.	प्रशिक्षण कार्यक्रम	तिथि
1.	सीटीवीएस आईसीयू और सीटीवीएस ओटी प्रशिक्षण, स्नातकोत्तरआईएमईआर चंडीगढ़	26/02/2024 से 25/05/2024
2.	कैथ लैब और आईसीयू/सीसीयू, स्नातकोत्तरआईएमईआर चंडीगढ़ की विशेषता	12/03/2024 से 11/04/2024
		12/04/2024 से 11/05/2024
3.	एम्स दिल्ली में रीनल ट्रांसप्लांट ओटी प्रशिक्षण	24/06/2024 से 29/06/2024

		24/6/2024 से 30/06/2024
		24/06/2024-08/09/2024
4.	बुनियादी और चिकित्सीय एंडोस्कोपी और एंडोस्कोपिक उपकरणों का रखरखाव, एम्स दिल्ली	27/08/2024 से 31/08/2024
5.	ऑन्कोलॉजी नर्सिंग प्रशिक्षण	1/11/2024 से 30/11/2024
6.	आघात और जलने की चोटों की रोकथाम और प्रबंधन के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम, आरएमएल नई दिल्ली	9/12/2025 से 13/12/2025
7.	ट्रॉमा केयर प्रबंधन, एम्स दिल्ली	15/01/2025 से 17/01/2025
8.	पोर्ट देखभाल, रखरखाव और समस्या निवारण पर व्यावहारिक प्रशिक्षण	06/02/2025

परिचयात्मक प्रशिक्षण - नवनियुक्त नर्सिंग अधिकारियों के लिए 27/08/2025 से 31/08/2025 तक एक सुव्यवस्थित परिचयात्मक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जन जागरूकता गतिविधियाँ - रोगियों और उनके तीमारदारों को अस्पताल की दिनचर्या, स्वच्छता, पोषण, टीकाकरण, हाथों की स्वच्छता और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करने के लिए सभी वार्डों और ओपीडी में प्रतिदिन स्वास्थ्य शिक्षा का आयोजन किया जाता है।

अन्य गतिविधियाँ

क. 12 मई 2024 को "हमारी नर्सें हमारा भविष्य। देखभाल की आर्थिक शक्ति" विषय पर नर्स दिवस मनाया गया, जिसमें एम्स, बिलासपुर के डीडीए लेफ्टिनेंट कर्नल हरिहरन को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया।

ख. नर्सिंग अधिकारियों ने जुखाला, बिलासपुर में "पशुपालक सैर मेला" में रक्तदान शिविर के आयोजन में भाग लिया।

ग. स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत नर्सिंग अधीक्षक के मार्गदर्शन में दिनांक 17.09.2024 से 02.10.2025 तक स्वच्छता पखवाड़ा 2024 अभियान का आयोजन किया गया, जिसके अंतर्गत अभियान के दौरान विभिन्न स्वच्छता एवं जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं, जैसे स्वास्थ्य शिक्षा, सफाई कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, स्वच्छता शपथ आदि।

नर्सिंग अधिकारी मरीजों और उनके परिचारकों को स्वास्थ्य शिक्षा प्रदान करते हैं

नर्सिंग अधिकारी कई अंतर-विभागीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग ले रहे हैं

शैक्षणिक अनुभाग

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान बिलासपुर

ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES BILASPUR

सर्वे सन्तु निरामयाः

शैक्षणिक अनुभाग

अधिकारी

पदनाम	नाम
अधिष्ठाता (शैक्षणिक)	प्रो. (डॉ.) रूपाली पारलेवार
सह-अधिष्ठाता (शैक्षणिक)	डॉ. अशोक कुमार दुबे
कुलसचिव	डॉ. राकेश कुमार सिंह

शैक्षणिक एवं प्रशासनिक भवन

शैक्षणिक कार्यक्रम

स्नातक पाठ्यक्रम

- **बैचलर ऑफ मेडिसिन एंड बैचलर ऑफ सर्जरी (एम.बी.बी.एस.)**
  एम्स बिलासपुर में एम.बी.बी.एस. छात्रों को राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के माध्यम से योग्यता के आधार पर प्रवेश दिया गया और सीटों का आवंटन एक केंद्रीकृत प्रणाली के माध्यम से किया गया। पाँचवाँ शैक्षणिक एम.बी.बी.एस. सत्र सितंबर 2024 में 100 छात्रों के प्रवेश के साथ शुरू हुआ।
- **बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग और बी.एससी. पैरामेडिकल पाठ्यक्रम**
  बीएससी. (ऑनर्स) नर्सिंग और बीएससी. पैरामेडिकल पाठ्यक्रम क्रमशः 40 और 20 की स्वीकृत क्षमता के साथ वर्ष 2022 से शुरू हुए। बी.एससी. नर्सिंग और बी.एससी. पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों का तीसरा बैच 2024 में शुरू किया गया।
  - क) बी.एससी. मेडिकल टेक्नोलॉजी डायलिसिस थेरेपी टेक्नोलॉजी (एमडीटीटी)
  - ख) बी.एससी. मेडिकल लैबोरेटरी टेक्नोलॉजी (एमएलटी)
  - ग) बी.एससी. (मेडिकल रेडियोलॉजी) और इमेजिंग टेक्नोलॉजी (एमआरआईटी)
  - घ) बी.एससी. ऑपरेशन थिएटर तकनीशियन (ओटीटी)

नर्सिंग एवं संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान कॉलेज

- **आपातकालीन चिकित्सा तकनीशियन**
  एम्स बिलासपुर ने ऐसे कर्मियों को प्रशिक्षित करने के लिए दो वर्षीय (2025-2027) **आपातकालीन चिकित्सा तकनीशियन (डिप्लोमा)** पाठ्यक्रम शुरू किया है जो आघात और गैर-आघात दोनों प्रकार की आपात स्थितियों में शीघ्र और गंभीर चिकित्सा देखभाल प्रदान कर सकें। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य पुनर्जीवन, आपातकालीन हस्तक्षेप और अस्पताल-पूर्व देखभाल में दक्षता विकसित करना है ताकि रोगियों के अस्पताल पहुँचने से पहले ही उनके परिणामों में सुधार हो सके।

दाखिले:

2024 प्रवेश	एम.बी.बी.एस.	बीएससी नर्सिंग (ऑनर्स)	बीएससी एमएलटी	बीएससी एमडीटीटी	बीएससी एमआरआईटी	बीएससी ओटीटी	ईएमटी डिप्लोमा
स्वीकृत सीटें	100	40	10	05	05	05	10
प्रवेश	100	40	06	04	03	04	10

स्नातकोत्तर एवं अति विशिष्ट पाठ्यक्रम

- **स्नातकोत्तर (एम.डी./एम.एस.) कार्यक्रम**
  एम्स बिलासपुर में एमडी/एमएस में स्नातकोत्तर सीटें एम्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित आईएनआई-सीईटी प्रवेश परीक्षा के माध्यम से प्रदान की जाती हैं। सीटों का आवंटन केंद्रीकृत परामर्श के माध्यम से किया जाता है। एमडी/एमएस छात्रों के पहले बैच को जुलाई 2023 में प्रवेश दिया गया था, जिसमें उम्मीदवारों को भारत सरकार द्वारा जारी योग्यता और आरक्षण दिशानिर्देशों के आधार पर प्रवेश दिया गया था। प्रशिक्षण विभिन्न चिकित्सा विशेषज्ञताओं में नैदानिक अनुभव, शोध कौशल और योग्यता-आधारित शिक्षा पर केंद्रित है।

प्रवेश सत्र 2024-25

जूनियर रेजिडेंट (शैक्षणिक)

क्र. सं.	विभाग	अनुमोदित प्रवेश संख्या	वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्रवेशित छात्रों की संख्या
1.	शरीर रचना विज्ञान	1	0
2.	एनेस्थिसियोलॉजी	4	4
3.	जैव रसायन विज्ञान	1	0

4.	सीएफएम	3	1
5.	दंत चिकित्सा	1	1
6.	त्वचा विज्ञान	1	1
7.	ईएनटी	4	4
8.	फोरेंसिक चिकित्सा	1	1
9.	सामान्य चिकित्सा	6	6
10.	सामान्य शल्य चिकित्सा	4	2
11.	सूक्ष्म जीव विज्ञान	1	1
12.	ओबीजी	5	4
13.	नेत्र विज्ञान	3	3
14.	हड्डी रोग विज्ञान	4	3
15.	विकृति विज्ञान	1	1
16.	बाल रोग विज्ञान	4	3
17.	औषध विज्ञान	1	1
18.	शरीर क्रिया विज्ञान	1	1
19.	मनोचिकित्सा	1	1
20.	रेडियो निदान	4	4
21.	रेडियोथेरेपी	2	1
22.	आधान चिकित्सा और रक्त बैंक	1	0
	कुल सीटें	**54**	**43**

सुपर-स्पेशलिटी (डीएम/एमसीएच) कार्यक्रम

डीएम/एमसीएच में सुपर-स्पेशलिटी प्रवेश आईएनआई-एसएस परीक्षा के माध्यम से होता है, जिसका समन्वय भी एम्स, नई दिल्ली द्वारा किया जाता है। योग्यता प्राप्त करने के बाद, केंद्रीकृत परामर्श प्रक्रिया के माध्यम से सीटों का आवंटन पूरा होता है। डीएम/एमसीएच का पहला बैच **2024** में शुरू हुआ, जो संस्थान के उन्नत तृतीयक देखभाल प्रशिक्षण में विस्तार का प्रतीक है। पाठ्यक्रम उच्च-स्तरीय नैदानिक दक्षता, अंतःविषय शिक्षण और उप-विशिष्ट क्षेत्रों में अनुसंधान पर ज़ोर देता है।

प्रवेश सत्र 2024-25

सीनियर रेजिडेंट (शैक्षणिक)

क्र.सं.	विभाग	स्वीकृत प्रवेश	वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्रवेशित छात्रों की संख्या
1.	कार्डियोलॉजी	2	0
2.	नेफ्रोलॉजी	6	2
3.	मेडिकल ऑन्कोलॉजी	2	0
4.	नियोनेटोलॉजी	2	1
5.	एंडोक्रिनोलॉजी	2	2
6.	क्लिनिकल इम्यूनोलॉजी और रुमेटोलॉजी	2	2
7.	बाल चिकित्सा सर्जरी	2	0
8.	सर्जिकल ऑन्कोलॉजी	1	1
9.	जला और प्लास्टिक सर्जरी	1	1
	कुल सीटें	**20**	**09**

एम.बी.बी.एस. छात्रों के व्याख्यान और व्यावहारिक सत्र

शरीर रचना, शरीर क्रिया विज्ञान, जीव रसायन, पैथोलॉजी, भेषजगुण विज्ञान, सूक्ष्मजीव विज्ञान और न्यायालीय चिकित्सा विभाग पूरे वर्ष सैद्धांतिक व्याख्यान और व्यावहारिक सत्रों में लगन से शामिल रहे।

एम.बी.बी.एस. के चौथे बैच का शैक्षणिक सत्र सितंबर 2024 में औपचारिक शिक्षण सत्रों के साथ शुरू हुआ। दूसरे वर्ष (2020, 2021, 2022) के दौरान, बैच के छात्र मेडिसिन, सर्जरी, प्रसूति एवं स्त्री रोग और बाल रोग जैसे विभिन्न विभागों में सैद्धांतिक शिक्षण के साथ-साथ नैदानिक पदों पर भी कार्यरत रहे।

अभिविन्यास एवं आधारभूत पाठ्यक्रम

एम.बी.बी.एस. सत्र का पहला महीना आधारभूत पाठ्यक्रम के लिए समर्पित था, जिसमें छात्रों का परिसर से परिचय, शरीर रचना विज्ञान और शरीर क्रिया विज्ञान की मूल बातें, डॉक्टर-रोगी संबंध, नैतिकता और संचार तथा टीम गतिशीलता शामिल थी।

अभिविन्यास एवं आधारभूत पाठ्यक्रम का संचालन अधिष्ठाता (शैक्षणिक) के नेतृत्व में विभिन्न विभागों के संकाय सदस्यों द्वारा किया गया। अभिविन्यास कार्यक्रम की शुरुआत अधिष्ठाता (शैक्षणिक) द्वारा संस्थान के परिचय और एम.बी.बी.एस. पाठ्यक्रम के अवलोकन से हुई। कॉलेजों में रैगिंग से निपटने के लिए एंटी-रैगिंग उपाय भी छात्रों को बताए गए। छात्रों को पहले व्यावसायिक विषयों शरीर रचना विज्ञान, शरीर क्रिया विज्ञान, जैव रसायन और सामुदायिक चिकित्सा से परिचित कराया गया। साथ ही, छात्रों को जैव चिकित्सा अनुसंधान की अवधारणाओं से भी संक्षिप्त रूप से परिचित कराया गया। जीवन में रोज़मर्रा के तनाव से निपटने के लिए, उन्हें घर और कार्यस्थान पर तनाव प्रबंधन के विषय में सिखाया गया।

आधारभूत पाठ्यक्रम की शुरुआत भारतीय चिकित्सा स्नातक की भूमिका और उसके सामाजिक महत्व से परिचय के साथ हुई। छात्रों को समाज में डॉक्टर के महत्व और भूमिका तथा राष्ट्र से एम.बी.बी.एस. छात्रों की अपेक्षाओं के विषय में बताया गया। उन्हें विश्व और भारत में चिकित्सा के इतिहास की रूपरेखा बताई गई। स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के विभिन्न स्तरों पर चिकित्सक की भूमिका के विषय में बताया गया। एलोपैथिक चिकित्सा के अलावा, उन्हें अन्य प्रकार की पूरक और वैकल्पिक चिकित्सा के प्रति भी संवेदनशील बनाया गया।

एम.बी.बी.एस. छात्रों को वर्तमान एम.बी.बी.एस. पाठ्यक्रम में प्रयुक्त विभिन्न शिक्षण और अधिगम विधियों के साथ-साथ मूल्यांकन विधियों से भी संक्षिप्त रूप से परिचित कराया गया। उन्हें चिकित्सा के विभिन्न पहलुओं, जैसे उपचारात्मक या आंतरिक चिकित्सा और निवारक या सामुदायिक/पारिवारिक चिकित्सा, के विषय में बताया गया। उन्हें देश भर में प्रगति परविभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीतियों और स्वास्थ्य सेवा प्रणालियों के विषय में भी जानकारी दी गई।

छात्रों को उनके जीवन और पेशे में पारस्परिक संबंधों और डॉक्टर-रोगी संबंधों जैसे विभिन्न संबंधों के विषय में भी बताया गया। साथ ही, उन्हें ध्यान और योग जैसी विभिन्न तकनीकों का उपयोग करके घर और कार्यस्थान पर तनाव और उसके प्रबंधन के प्रति संवेदनशील बनाया गया। छात्रों के लिए योग सत्र आयोजित किए गए और उन्होंने उनमें सक्रिय रूप से भाग लिया।

उन्हें समय प्रबंधन तकनीकों के विषय में भी सिखाया गया जो उनके जीवन भर उपयोगी रहेंगी। उन्हें व्यावसायिकता और नैतिकता तथा पेशेवर और परोपकारी व्यवहार की अवधारणाओं से भी परिचित कराया गया। उन्हें टीम वर्क और टीम डायनेमिक्स के विषय में सिखाया गया और इसके लिए रोल प्ले भी करवाया गया।

उन्हें कंप्यूटर-आधारित कौशल, अंग्रेजी और स्थानीय बोली सहित विभिन्न भाषाओं में संचार और विभिन्न सांस्कृतिक व विकलांगता संबंधी दक्षताओं से परिचित कराया गया। उन्हें सार्वभौमिक संक्रमण सावधानियों, जैव-चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन, हाथ धोने, स्वच्छता और व्यक्तिगत स्वच्छता के विषय में सिखाया और उनका प्रदर्शन किया गया। टीकाकरण और स्वास्थ्य एवं रोग में पर्यावरण की भूमिका पर व्याख्यान दिए गए। व्याख्यान और प्रदर्शन के माध्यम से उन्हें बुनियादी जीवन कौशल से भी परिचित कराया गया। 'एम.बी.बी.एस. छात्रों की राष्ट्र से क्या अपेक्षाएँ हैं' विषय पर दृष्टिकोण, नैतिकता और संचार (एईटीकॉम) मॉड्यूल भी आयोजित किया गया। उन्हें विश्व और भारत में चिकित्सा के इतिहास की रूपरेखा बताई गई। स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के विभिन्न स्तरों पर चिकित्सक की भूमिका के विषय में बताया गया। एलोपैथिक चिकित्सा के अलावा, उन्हें अन्य प्रकार की पूरक और वैकल्पिक चिकित्सा के प्रति भी संवेदनशील बनाया गया।

चिकित्सा शिक्षा इकाई

हिमाचल प्रदेश के एम्स बिलासपुर में शैक्षणिक गतिविधियों की देखरेख, चिकित्सा शिक्षा में नई तकनीकों और प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग तथा संकाय के संवर्धन हेतु एक चिकित्सा शिक्षा प्रभाग का गठन किया गया है। चिकित्सा शिक्षा इकाई चिकित्सा शिक्षा योजना में निरंतर गुणवत्ता सुधार, पाठ्यक्रम के कार्यान्वयन और मूल्यांकन के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप संकाय विकास सुनिश्चित करेगी। इन इकाइयों द्वारा पिछले वर्ष विभिन्न गतिविधियाँ की गई हैं।

चिकित्सा शिक्षा इकाई में निम्नलिखित सदस्य शामिल हैं: -

क्र.सं.	संकाय सदस्य का नाम	विभाग	पदनाम	भूमिका
1.	डॉ. दीप्ति चोपड़ा	औषध विज्ञान	आचार्य	प्रभारी अधिकारी
2.	डॉ. श्रीराम	बाल चिकित्सा	आचार्य	समन्वयक
3.	डॉ. पुनम वर्मा	शरीर क्रिया विज्ञान	अतिरिक्त आचार्य	सदस्य
4.	डॉ. पूजन डोगरा	ओबीजी	अतिरिक्त आचार्य	सदस्य
5.	डॉ. विजयालक्ष्मी	एनेस्थिसियोलॉजी	अतिरिक्त आचार्य	सदस्य
6.	डॉ. संजय कुमार शर्मा	शरीर रचना विज्ञान	अतिरिक्त आचार्य	सदस्य
7.	डॉ. नीलम वर्मा	नेत्र विज्ञान	सह-आचार्य	सदस्य
8.	डॉ. देवेन्द्र	सामान्य चिकित्सा	सहायक आचार्य	सदस्य
9.	डॉ. यांग शेन लाह्मो	औषध विज्ञान	सह-आचार्य	सदस्य
10.	डॉ. अनुपमा धीमान	सीएफएम	सह-आचार्य	सदस्य
11.	डॉ.कुलदीप ठाकुर	ईएनटी	सहायक आचार्य	सदस्य

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश का उद्देश्य विश्वस्तरीय शिक्षकों को प्रशिक्षित और तैयार करना तथा विश्व स्तर पर प्रासंगिक चिकित्सा स्नातक तैयार करना है। इस प्रकार, चिकित्सा शिक्षा इकाई का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों के शिक्षण कौशल को निरंतर उन्नत करना है।

एम्स बिलासपुर, अन्य एम्स, राजकीय चिकित्सा महाविद्यालयों और नर्सिंग महाविद्यालयों के संकाय सदस्यों, वरिष्ठ रेजिडेंटों, शिक्षकों के लिए चिकित्सा शिक्षा पर नवीनतम विषयों पर वेबिनार आयोजित किए गए।

चिकित्सा शिक्षा पर संकाय कार्यशाला

चिकित्सा शिक्षा इकाई ने एम्स, बिलासपुर द्वारा आयोजित चिकित्सा शिक्षा प्रौद्योगिकी (एमईटी) पर द्वितीय संकाय कार्यशाला का भी आयोजन किया और विभिन्न विशेषज्ञताओं, क्लिनिकल और पैराक्लिनिकल, के 25 संकायों को प्रशिक्षित किया। एक अतिथि संकाय, डॉ. गगनदीप क्वात्रा, अतिरिक्त आचार्य, भेषजगुण विज्ञान, एम्स बठिंडा को आमंत्रित किया गया था।

क्र.सं.	कार्यक्रम का शीर्षक	तिथि	प्रतिभागियों की संख्या
1.	नर्सिंग अधिकारियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम (प्रेरण प्रशिक्षण)	18-22 जून 2024	68
2.	नर्सिंग अधिकारियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम (प्रेरण प्रशिक्षण)	27-31 अगस्त 2024	91

संस्थान द्वारा आयोजित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

क्र.सं.	सम्मेलन का शीर्षक	राष्ट्रीय/ अंतर्राष्ट्रीय	कोई सहयोग या वित्तपोषण
1.	विश्व एंटीमाइक्रोबियल जागरूकता सप्ताह के अवसर पर सीएमई	संस्थागत	आंतरिक चिकित्सा एवं औषध विज्ञान विभाग, एम्स बिलासपुर, गैर-वित्तपोषित
2.	प्रथम बेसिक स्युटरिंग कौशल पाठ्यक्रम – एमबीबीएस 2020 बैच	25-26 नवंबर 2024	क्षमता निर्माण इकाई के अंतर्गत एम्स बिलासपुर
3.	कार्यशाला: 'गुड क्लिनिकल प्रैक्टिस (GCP), भारत में नैदानिक अनुसंधान/ट्रायल संचालित करने के लिए वर्तमान नैतिक दिशानिर्देश	राष्ट्रीय	
4.	यूरोपीय संघ, फ्रांस और CNRS के साथ वैज्ञानिक सहयोग और उच्च शिक्षा के अवसर एवं तंत्र	अंतर्राष्ट्रीय	
5.	नवाचार, इनक्यूबेशन और उद्यमिता	राष्ट्रीय	
6.	हिमराकॉन 2024	राष्ट्रीय	
7.	ऑटोएंटीबॉडी कार्यशाला 2024	राष्ट्रीय	
8.	एस. डी. देवधर क्विज 2024	राष्ट्रीय	भारतीय रुमेटोलॉजी एसोसिएशन के सहयोग से
9.	एमएसके यूएसजी कार्यशाला 2025	क्षेत्रीय	
10.	6वीं सीएमई एवं सम्मेलन: 3-डी एनाटॉमी इनसाइट "क्लिनिकल उत्कृष्टता के लिए मेडिकल शिक्षा में क्रांति" – 28 सितम्बर 2024	राष्ट्रीय	एनाटोमिस्ट सोसाइटी का उत्तरी अध्याय (एनसीएएस)

11.	त्रिचियोलॉजी और हेयर ट्रांसप्लांट पर सीएमई	राष्ट्रीय	भारतीय त्वचा रोग विशेषज्ञ, वेनेरोलॉजी और कुष्ठ रोग एसोसिएशन, एसआईजी ट्राइकोलॉजी
12.	डर्माटोपैथोलॉजी सीएमई: फोकस – ग्रैनुलोमैटस रोग	राष्ट्रीय	भारतीय त्वचा रोग विज्ञान सोसायटी (डीएसआई)
13.	सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम	राष्ट्रीय	बीएमओ मार्कंड
14.	कार्यशाला – NRP स्वास्थ्य कार्यकर्ता (मार्कंड)	राष्ट्रीय	बीएमओ मार्कंड
15.	कार्यशाला – KMC नर्सिंग अधिकारी	स्थानीय	
16.	कार्यशाला – NRP जूनियर रेजिडेंट्स	राष्ट्रीय	
17.	कार्यशाला – NRP नर्सिंग अधिकारी	राष्ट्रीय	
18.	कार्यशाला – स्तनपान नर्सिंग अधिकारी	राष्ट्रीय	
19.	ई-पोस्टर प्रतियोगिता	राष्ट्रीय	
20.	सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम	राष्ट्रीय	

विश्व स्वास्थ्य जागरूकता दिवस और अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य दिवस

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	तिथि	विभाग
1.	सुरक्षित इन्फ्यूज़न प्रथाएँ	05.04.2024	नर्सिंग महाविद्यालय
2.	विश्व लूपस दिवस	10.05.2025	क्लिनिकल इम्यूनोलॉजी और रुमेटोलॉजी
3.	विश्व स्किज़ोफ्रेनिया दिवस	24.05.2025	मनोचिकित्सा विभाग
4.	मासिक धर्म स्वच्छता दिवस एवं विश्व तम्बाकू निषेध दिवस	29.05.2024-30.05.2024	सामुदायिक एवं परिवार चिकित्सा
5.	विश्व जनसंख्या दिवस	11.06.2024	सामुदायिक एवं परिवार चिकित्सा
6.	भारतीय अंगदान दिवस	03.08.2024	नेफ्रोलॉजी
7.	स्तनपान सप्ताह	07.08.2024	नर्सिंग महाविद्यालय
8.	39वाँ राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा 2024	25.08.2024-08.09.2024	नेत्र विज्ञान
9.	पोषण सप्ताह	10.09.2024	नर्सिंग महाविद्यालय
10.	"फार्माकोविजिलेंस" सप्ताह	17.09.2024-23.09.2024	भेषजगुण विज्ञान विभाग
11.	विश्व हृदय दिवस	28.09.2024	कार्डियोलॉजी
12.	अंतरराष्ट्रीय रेडियोलॉजी दिवस	08.11.2024	रेडियोलॉजी
13.	विश्व एएमआर जागरूकता सप्ताह	18.11.2024-24.11.2024	भेषजगुण विज्ञान विभाग
14.	प्रथम विश्व ध्यान दिवस	21.12.2024	शरीरक्रिया विज्ञान
15.	विश्व कैंसर दिवस	04.02.2024	रेडिएशन ऑन्कोलॉजी
16.	विश्व ग्लूकोमा सप्ताह	11.03.2024-12.03.2025	नेत्र विज्ञान
17.	विश्व निद्रा दिवस	14.03.2025	शरीरक्रिया विज्ञान

स्वास्थ्य गतिविधियों/जागरूकता कार्यक्रमों/और छात्र समारोहों का आयोजन

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	तिथि	विभाग
1.	एमबीबीएस छात्रों (बैच 2022) का वन स्टॉप सेंटर बिलासपुर का क्षेत्रीय भ्रमण	12.06.2024 एवं 19.06.2024	**न्यायालीय चिकित्सा एवं विष विज्ञान**
2.	जेएनवी कोठीपुरा में दंत जांच शिवि	07.08.2024 – 10.08.2024	दंत चिकित्सा
3.	जिला ऊना में निःशुल्क चिकित्सा शिविर	03.08.2024	आर्थोपेडिक्स
4.	कुल्लू एवं कांगड़ा में आर्थराइटिस स्क्रीनिंग एवं रूमेटोलॉजी जागरूकता शिविर	01.09.2024 एवं 14.09.2024 – 15.09.2024	क्लिनिकल इम्यूनोलॉजी एवं रूमेटोलॉजी
5.	स्नातकोत्तर विद्यार्थियों हेतु थीसिस प्रोटोकॉल लेखन पर कार्यशाला	19.09.2024	सामुदायिक एवं परिवार चिकित्सा
6.	बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग छात्रों हेतु फ्रेशर्स पार्टी	09.10.2024	नर्सिंग महाविद्यालय
7.	ट्राइकोलॉजी एवं हेयर ट्रांसप्लांट पर सीएमई	26.10.2024	त्वचा रोग विभाग
8.	विश्व मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह में एमबीबीएस, बी.एससी पैरामेडिकल एवं बी.एससी नर्सिंग छात्रों की सहभागिता	08.09.2024 – 10.09.2024	मनोचिकित्सा विभाग
9.	राष्ट्रीय नवजात सप्ताह के अवसर पर लेबर रूम, ऑपरेशन थियेटर, ईआर–पीडियाट्रिक एवं गायनी, प्रसूति वार्ड तथा एनआईसीयू के रेजिडेंट्स हेतु नवजात पुनर्जीवन कार्यशाला	18.11.2024	बाल एवं नवजात विज्ञान
10.	एंडोक्राइन सोसाइटी ऑफ इंडिया का नॉर्थ ज़ोन सैटेलाइट संगोष्ठी	18.05.2025	एंडोक्राइनोलॉजी
11.	सर्वाइकल कैंसर एवं एचपीवी टीकाकरण जागरूकता पर सीओसी गतिविधि	19.02.2025	प्रसूति एवं स्त्री रोग

मेंटरशिप कार्यक्रम

मेंटरिंग एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके तहत एक अनुभवी, सहानुभूतिपूर्ण व्यक्ति (मेंटर), किसी अन्य (आमतौर पर युवा) व्यक्ति (मेंटी) को उसके विचारों, सीखने और व्यक्तिगत व व्यावसायिक विकास और पुनर्मूल्यांकन में मार्गदर्शन प्रदान करता है। मेंटर, मेंटी की बात सुनकर या विश्वास के साथ उससे बात करके ऐसा करता है। मेंटर, मेंटी को ज्ञान और अनुभव साझा करके और निरंतर समर्थन व प्रोत्साहन प्रदान करके अपनी पूरी क्षमता को साकार करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

इसका उद्देश्य मेंटी को समग्र विकास का अवसर प्रदान करना, उन्हें नए वातावरण में सहज बनाना और कॉलेज जीवन से परिचित कराना है, ताकि वे सभी क्षेत्रों में अपनी पूरी क्षमता को बेहतर ढंग से प्राप्त कर सकें।

इसका लक्ष्य नए छात्रों के लिए एक तत्काल सहायता नेटवर्क स्थापित करना है। इस प्रकार, नए प्रवेशार्थी कॉलेज के जीवन से शैक्षणिक और सांस्कृतिक रूप से परिचित होंगे, ताकि वे अपनी पूरी शैक्षणिक क्षमता को बेहतर ढंग से प्राप्त कर सकें। मेंटरिंग संबंध स्थापित होने से कार्यस्थान में उत्साह बढ़ता है, जिससे यह अधिक प्रभावी बनता है। बेहतर संचार, नेटवर्किंग और मूल्यों का आदान-प्रदान होता है।

इन उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु, एम्स, बिलासपुर में 50 एम.बी.बी.एस. छात्रों के पहले बैच के प्रारंभ और संकाय सदस्यों के शामिल होने के बाद एक मेंटरशिप कार्यक्रम शुरू किया गया। प्रत्येक मेंटी (छात्र) को एक यादृच्छिक चयन प्रक्रिया के माध्यम से एक मेंटर (संकाय) आवंटित किया गया। बेहतर संचार प्रक्रिया के लिए उनके संपर्क नंबर साझा किए गए। प्रत्येक मेंटर-मेंटी को महीने में कम से कम एक बार एक-दूसरे से व्यक्तिगत रूप से मिलना होता था। छात्रों ने इसे एक बहुत ही उपयोगी कार्यक्रम

पाया क्योंकि वे अपने मेंटरों के साथ अपनी दिन-प्रतिदिन की समस्याओं के साथ-साथ परीक्षा के समय जैसे तनावपूर्ण समय में आने वाली विभिन्न कठिनाइयों को भी साझा कर पाए। मेंटर अपनी बुद्धिमत्ता और देखभालपूर्ण व्यवहार से उनकी समस्याओं का समाधान खोजने में सक्षम रहे।

यह मेंटरशिप कार्यक्रम भविष्य में और भी अधिक फलदायी कार्यक्रम के रूप में विकसित होगा। प्रत्येक मेंटर और मेंटी के अलग-अलग दृष्टिकोण और अलग-अलग अनुभव इस कार्यक्रम की सफलता में योगदान देंगे।

छात्रावास अनुभाग

छात्रावास सलाहकार समिति

छात्रावास सलाहकार समिति का गठन छात्रावास से संबंधित मामलों के सुचारू संचालन और दीर्घकालिक योजना बनाने के लिए किया गया था, जिसमें छात्रावास के सभी कर्मचारियों का पर्यवेक्षण भी शामिल है। समिति में निम्नलिखित सदस्य शामिल हैं:

क्र.सं.	नाम	पदनाम	भूमिका
1.	डॉ. दीप्ति चोपड़ा	आचार्य	मुख्य वार्डन
2.	डॉ. सुदेश कुमार	अतिरिक्त आचार्य	वरिष्ठ संकाय प्रभारी, स्नातक, छात्र
3.	डॉ. मनुप्रिया	अतिरिक्त आचार्य	वरिष्ठ संकाय प्रभारी, स्नातक, छात्रा
4.	डॉ. मोनिका शर्मा	सहायक आचार्य	वरिष्ठ संकाय प्रभारी, नर्सिंग हॉस्टल
5.	डॉ. नेहा चौहान	सहायक आचार्य	वरिष्ठ संकाय प्रभारी, स्नातक, छात्रा
6.	डॉ. देवेंद्र बैरवा	सहायक आचार्य	वरिष्ठ संकाय प्रभारी, स्नातक, छात्र
7.	श्रीमती इंदुबाला	सहायक आचार्य	कनिष्ठ संकाय प्रभारी, नर्सिंग हॉस्टल
8.	श्रीमती सीला लोटे	हॉस्टल वार्डन	यू.जी. **छात्रा** एवं नर्सिंग वार्डन
9.	श्रीमती शगुफ़्ता अली	कनिष्ठ वार्डन	नर्सिंग वार्डन
10.	सुश्री कोमल चंदेल	कनिष्ठ वार्डन	स्नातक स्नातक छात्रा वार्डन
11.	श्री रामानंद शर्मा	कनिष्ठ वार्डन	स्नातक स्नातक छात्र वार्डन
12.	सुश्री पुनीता	अभीक्षक	स्नातकोत्तर छात्रा होस्टल
13.	श्री रोहित कुमार	अभीक्षक	स्नातकोत्तर छात्र–बी हॉस्टल
14.	श्री विशाल	अभीक्षक	स्नातकोत्तर छात्र–ए हॉस्टल
15.	श्री प्रशांत	अभीक्षक	स्नातकोत्तर विवाहित हॉस्टल

छात्रावास समिति छात्रावास के वातावरण के प्रबंधन और सुधार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, यह सुनिश्चित करते हुए कि नीतियाँ और प्रक्रियाएँ छात्रों की आवश्यकताओं और कल्याण के अनुरूप हों। छात्रावास समिति छात्रावास के नियमों और विनियमों को विकसित और अद्यतन करने में मदद करती है ताकि एक सुरक्षित और सम्मानजनक रहने का वातावरण सुनिश्चित हो सके और साथ ही छात्रावास नीतियों के अनुपालन की निगरानी भी करती है। समिति आवास प्रबंधन और छात्रों की सुरक्षा की देखरेख करती है। यह निवासियों के बीच विवादों के समाधान में मदद करती है और रखरखाव और मरम्मत के अनुरोधों को प्राथमिकता देती है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि छात्रावास का रखरखाव और स्वच्छता अच्छी तरह से हो और स्वास्थ्य एवं स्वच्छता मानकों का पालन किया जा सके। सदस्य कमरे के आवंटन, घटनाओं और समिति की बैठकों का सटीक रिकॉर्ड रखकर प्रशासनिक कर्तव्यों में भाग लेते हैं और छात्रावास के संचालन और किसी भी महत्वपूर्ण मुद्दे के विषय में उच्च अधिकारियों को नियमित रिपोर्ट प्रदान करते हैं। छात्रावास के वार्डन अच्छी तरह से प्रशिक्षित हैं और स्वास्थ्य संकट, दुर्घटनाओं आदि सहित आपातकालीन स्थितियों का कुशलतापूर्वक सामना और प्रबंधन करते हैं।

छात्रावास अनुभाग स्वतंत्रता दिवस समारोह, जन्माष्टमी, गणेश चतुर्थी, दिवाली, लोहड़ी और होली जैसे त्योहारों सहित वर्ष भर विभिन्न त्योहारों और शुभ दिनों के उत्सव को सुगम बनाकर एक जीवंत और समावेशी वातावरण बनाने के लिए समर्पित है। ये कार्यक्रम सांस्कृतिक परंपराओं को बनाए रखने और छात्रों के सामुदायिक अनुभव को बढ़ाने के लिए अभिन्न अंग हैं।

छात्रावास अनुभाग छात्र प्रतिनिधि निकाय और प्रशासन के बीच की खाई को पाटने, प्रभावी संचार सुनिश्चित करने और एक सहयोगात्मक वातावरण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

अनुसंधान अनुभाग

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान बिलासपुर

ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES BILASPUR

सर्वे सन्तु निरामयाः

अनुसंधान अनुभाग

अधिकारी

पदनाम	प्रभारी संकाय
अधिष्ठाता (अनुसंधान)	प्रो. (डॉ.) अनुपम पाराशर
सह-अधिष्ठाता (अनुसंधान)	प्रो. (डॉ.) पूजन डोगरा मरवाहा

अनुसंधान चिकित्सा विज्ञान में प्रगति का आधार बनता है और नवाचार एवं बेहतर स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने में सहायक होता है। एम्स बिलासपुर में, संकाय एवं छात्रों के बीच शोध-प्रधानता और साक्ष्य-आधारित शिक्षा की एक सुदृढ़ संस्कृति को प्रोत्साहित किया जाता है। चिकित्सा अनुसंधान मानव स्वास्थ्य के विविध पहलुओं का अन्वेषण करता है, रोग तंत्र को समझने, जोखिम कारकों की पहचान करने और प्रभावी निवारक एवं उपचारात्मक रणनीतियाँ विकसित करने का प्रयास करता है। ऐसे प्रयासों के माध्यम से, नए उपचार और निदान पद्धतियाँ उभरती हैं, साथ ही मौजूदा प्रथाओं को रोगी परिणामों और स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता में सुधार के लिए परिष्कृत किया जाता है।

अनुसंधान अनुभाग समिति- अनुभाग के सुचारू संचालन के लिए 09.05.2024 को अनुसंधान अनुभाग समिति का गठन किया गया। निम्नलिखित सदस्यों को नामित किया गया:

क्र. सं.	नाम	विभाग	भूमिका
1.	डॉ. नीलम वर्मा	नेत्र विज्ञान	सदस्य
2.	डॉ मेघा शर्मा	सूक्ष्म जीव विज्ञान	सदस्य
3.	डॉ. निकिता शर्मा	सीएफएम	सदस्य
4.	डॉ. यांगशेन ल्हामो	औषध विज्ञान	सदस्य
5.	डॉ. नवप्रीत	सीएफएम	सदस्य

संस्थान के संकाय सक्रिय रूप से अनुसंधान करने और समुदाय के लाभ के लिए उसके अनुप्रयोग में संलग्न हैं। उन्होंने अपने शोध कार्य विभिन्न प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में प्रकाशित किए हैं।
विभिन्न संकायों द्वारा अनुमोदित परियोजनाओं और प्रकाशनों का विवरण इस प्रकार है:

परियोजनाएँ/प्रकाशन	प्रगति पर	पूर्ण
वित्त पोषित परियोजनाएँ	30	03
शैक्षणिक प्रकाशन	--	83

बाह्य परियोजनाएँ

कई संकाय सदस्यों को शोध करने के लिए प्रमुख वित्त पोषण एजेंसियों से बाह्य अनुदान प्राप्त हुए हैं।
हमारे संस्थान के दो एम.बी.बी.एस. छात्रों का चयन आईसीएमआर के अल्पकालिक छात्रवृत्ति (एसटीएस) कार्यक्रम के लिए हुआ है। एक डीएम एंडोक्रिनोलॉजी रेजिडेंट के शोध प्रस्ताव को आईसीएमआर से वित्त पोषण प्राप्त हुआ है।

आंतरिक परियोजनाएं

चार संकाय सदस्यों को 'सीडिंग इंट्राम्यूरल अनुदान योजना' के तहत वित्त पोषण प्राप्त हुआ।

संस्थान वैज्ञानिक सलाहकार समिति

संस्थान वैज्ञानिक सलाहकार समिति (आईएसएसी) अपनी मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) के अनुसार बाह्य और आंतरिक वित्तपोषण के प्रस्तावों की समीक्षा करती है। इस दौरान, इसने संकाय और छात्रों से प्राप्त 60 से अधिक प्रस्तुतियों की समीक्षा की।

केंद्रीय अनुसंधान सुविधा (सीआरएफ)

एम्स बिलासपुर में केंद्रीय अनुसंधान सुविधा (सीआरएफ) की स्थापना की जा रही है ताकि इसके छात्रों और संकाय सदस्यों को उन्नत उपकरणों और संसाधनों तक केंद्रीकृत और लागत-कुशल पहुँच प्रदान की जा सके। ये उपकरण और सेवाएँ सभी शोधकर्ताओं के लिए सुलभ हैं, जिससे सहयोग और संसाधनों के कुशल उपयोग को बढ़ावा मिलता है। इस सुविधा को कार्यात्मक बनाने के लिए उपकरणों की खरीद चरणबद्ध तरीके से की जा रही है। सीआरएफ स्थापना समिति योजना, खरीद, निरंतर रखरखाव और उपयोगकर्ता सहायता का पर्यवेक्षण करती है। सीआरएफ स्थापना समिति के सदस्य हैं:

क्र. सं.	नाम	विभाग	पदनाम	समिति में पद
1.	प्रो. (डॉ.) वीर सिंह नेगी	प्रशासन	कार्यकारी निदेशक	अध्यक्ष
2.	प्रो. (डॉ.) अनुपम पाराशर	सामुदायिक और पारिवारिक चिकित्सा	अधिष्ठाता (अनुसंधान)	सदस्य
3.	डॉ. मनु प्रिया	पैथोलॉजी	अतिरिक्त आचार्य	सदस्य
4.	डॉ. सुमिता शर्मा	जीव रसायन विज्ञान	सह-आचार्य	सदस्य सचिव
5.	डॉ.पुनीत कुमार गुप्ता	सूक्ष्मजीव विज्ञान	सह-आचार्य	सदस्य
6.	डॉ. संजय शर्मा	शरीर रचना	सह-आचार्य	सदस्य
7.	डॉ. प्रीयंदर सिंह ठाकुर	एंडोक्रिनोलॉजी	सह-आचार्य	सदस्य
8.	डॉ. प्रवेश धीमान	मेडिकल ऑन्कोलॉजी	सह-आचार्य	सदस्य
9.	डॉ रवि कुमार	क्लिनिकल इम्यूनोलॉजी	सहायक आचार्य	सदस्य
10.	डॉ. नवदीप आहूजा	शरीर क्रिया विज्ञान	सहायक आचार्य	सदस्य
11.	लेफ्टिनेंट कर्नल एम हरिहरन	प्रशासन	उप-निदेशक	सदस्य
विशेष आमंत्रित				
1.	अधीक्षण अभियंता (सिविल) या नामित व्यक्ति			
2.	लेखा अधिकारी			
3.	प्रभारी संकाय खरीद / सलाहकार			

वर्तमान में निम्नलिखित अनुभाग कार्यरत हैं:

क. वेट लैब

- 240 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्रफल वाली दो वेट लैब
- क्रायो स्टोरेज आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए लैब में -20°C और -80°C के डीप फ्रीज़र हैं
- प्रारंभिक प्रयोगों के लिए इन्क्यूबेटर, इलेक्ट्रोफोरेसिस इकाइयाँ, स्पेक्ट्रोफोटोमीटर और बुनियादी प्रयोगशालाएँ स्थापित हैं

ख. जीनोमिक्स सुविधा

- नमूना तैयारी प्रयोगशाला और पीसीआर प्रयोगशाला
- यह सुविधा एचएलए-बी27 परीक्षण का समर्थन करती है।

ग. प्रोटिओमिक्स सुविधा

- यह सुविधा एलिसा का उपयोग करके एंजाइम इम्यूनोएसे जैसी नैदानिक सेवाओं का समर्थन करती है।

नवाचार, ऊष्मायन और उद्यमिता प्रकोष्ठ (आईआईईसी)

- आईआईई प्रकोष्ठ की स्थापना अंतःविषय सहयोग को प्रोत्साहित करने और शैक्षणिक अनुसंधान को स्वास्थ्य सेवा के व्यावहारिक समाधानों में बदलने के लिए की गई है।
- नवाचार पहलों का समर्थन करने के लिए हिमाचल प्रदेश के उद्योग निदेशालय से अनुदान प्राप्त हुआ है।

क्षेत्रीय विषाणु अनुसंधान एवं निदान प्रयोगशाला (आरवीआरडीएल)

- एम्स बिलासपुर में डीएचआर/आईसीएमआर द्वारा प्रायोजित आरवीआरडीएल की स्थापना के लिए लगभग 700 वर्ग मीटर क्षेत्र की पहचान की गई है।
- इस परियोजना के अंतर्गत 11 अनुसंधान कर्मचारियों की भर्ती की गई है।
- रोगी देखभाल, अनुसंधान और प्रकोप जाँच के लिए सेवाएँ शुरू की गई हैं, जिनमें एचबीवी, एचसीवी, एचआईवी, एचएवी, एचईवी, डेंगू एनएस1 और आईजीएम, स्क्रब टाइफस, लेप्टोस्पाइरा आदि जैसी सीरोलॉजिकल सेवाएँ और इन्फ्लूएंजा, आरएसवी, डेंगू, पैराइन्फ्लुएंजा, एडेनोवायरस, एंटरोवायरस, मेटान्यूमोनिया वायरस, चिकनगुनिया वायरस, स्क्रब टाइफस, लेप्टोस्पाइरा, एचएसवी, वीजेडवी, सीएमवी आदि के लिए रीयल-टाइम पीसीआर का उपयोग करते हुए आणविक सेवाएँ; हेपेटाइटिस बी और सी वायरल लोड और डेंगू सीरोटाइपिंग शामिल हैं।

संस्थान आचार समिति

एम्स बिलासपुर की संस्थान आचार समिति का गठन दो समितियों के गठन के साथ किया गया था-

- संस्थान आचार समिति - जैव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अनुसंधान
- संस्थान आचार समिति - नैदानिक परीक्षण

आईईसी-बीएचआर

एम्स बिलासपुर स्थित जैव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अनुसंधान हेतु संस्थान आचार समिति (आईईसी-बीएचआर) मानव प्रतिभागियों से संबंधित अनुसंधान की नैतिक समीक्षा और निगरानी के लिए उत्तरदायी है। यह सुनिश्चित करती है कि सभी परियोजनाएँ राष्ट्रीय नैतिक दिशानिर्देशों का पालन करें, प्रतिभागियों के अधिकारों और सुरक्षा की रक्षा करें, और पूरे अध्ययन के दौरान वैज्ञानिक एवं नैतिक अखंडता बनाए रखें। आईईसी-बीएचआर समिति ने अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक छह बैठकें आयोजित कीं। समिति ने 87 नई शोध परियोजनाओं की समीक्षा की, कुछ को संशोधित किया गया और चर्चा के बाद पुनः प्रस्तुत किया गया और लगभग 60 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई।

समिति का पुनर्गठन 10.05.2024 और 21.03.2025 को किया गया। संस्थान आचार समिति (जैव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अनुसंधान) के सदस्य हैं:

क्र. सं.	सदस्यों का नाम	धारित पद
1.	डॉ. वी एम कटोच	अध्यक्ष
2.	डॉ. संजय विक्रांत	सदस्य (चिकित्सक)
3.	श्री रतन लाल शर्मा	सदस्य (कानूनी)
4.	श्री धर्म सिंह कुटल	वैकल्पिक सदस्य (कानूनी)
5.	श्रीमती बृज बाला सांख्यान	सदस्य (सामाजिक कार्यकर्ता)
6.	श्री जगदीश ठाकुर	सदस्य (शिक्षित समुदाय का व्यक्ति)
7.	डॉ. सुमिता शर्मा	सदस्य (बुनियादी चिकित्सा वैज्ञानिक) (20.03.2025 तक) सदस्य सचिव (21.03.2025 से)
8.	डॉ. ऋचा दीवान	सदस्य (चिकित्सक)
9.	डॉ. संतोष मिन्हास	सदस्य (चिकित्सक)
10.	डॉ. अशोक के दुबे	सदस्य सचिव (20.03.2025 तक)
11.	डॉ. अवुला नवीन	सदस्य (बुनियादी चिकित्सा वैज्ञानिक) (21.03.2025 से प्रभावी)

आईईसी - नैदानिक परीक्षण

संस्थान आचार समिति (नैदानिक परीक्षण) प्रतिभागियों की सुरक्षा और अनुसंधान के नैतिक आचरण को सुनिश्चित करने के लिए समिति को नैतिक समीक्षा के लिए प्रस्तुत नैदानिक परीक्षणों की देखरेख करती है। आईईसी-सीटी समिति ने अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक दो बैठकें आयोजित कीं। आईईसी वर्तमान में तीन नैदानिक परीक्षण प्रोटोकॉल की समीक्षा कर रही

है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अनुसंधान डिज़ाइन वैज्ञानिक रूप से ठोस है और प्रतिभागियों के लिए परीक्षण के जोखिम-लाभ अनुपात को संतुलित करते हुए नैतिक दिशानिर्देशों का पालन किया जाता है। इसके अलावा, आईसीएमआर और सीडीएससीओ द्वारा जारी नए दिशानिर्देशों को जोड़ने के लिए आईईसी-सीटी की मानक संचालन प्रक्रिया में संशोधन किया जा रहा है। समिति आईईसी-सीटी के अध्यक्ष और संस्थान के प्रमुख के बीच समझौता ज्ञापन भी तैयार कर रही है। संस्थान आचार समिति (नैदानिक परीक्षण) के सदस्य हैं:

क्र. सं.	सदस्यों का नाम	धारित पद
1.	लेफ्टिनेंट जनरल (डॉ.) वीपी चतुर्वेदी	अध्यक्ष
2.	प्रोफेसर संजय विक्रांत	सदस्य
3.	श्री राजेश कुमार वर्मा	सदस्य (कानूनी)
4.	श्री चमन ठाकुर	वैकल्पिक सदस्य (कानूनी)
5.	श्रीमती बृज बाला सांख्यान	सदस्य (सामाजिक वैज्ञानिक)
6.	श्री विनोद कुमार	वैकल्पिक सदस्य (सामाजिक वैज्ञानिक)
7.	श्री जगदीश ठाकुर	सदस्य (सामान्य व्यक्ति)
8.	डॉ. बिकास मेधी	सदस्य (मूलभूत चिकित्सा वैज्ञानिक)
9.	डॉ. प्रशांत सूद	वैकल्पिक सदस्य (मूलभूत चिकित्सा वैज्ञानिक)
10.	प्रो. आरके कौशल	सदस्य (नैदानिक वैज्ञानिक)
11.	डॉ. हरप्रीत कौर	सदस्य (नैदानिक वैज्ञानिक)
12.	डॉ. यांगशेन ल्हामो	सदस्य
13.	डॉ. मीनाक्षी मीनू	सदस्य-सचिव

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आई.आई.आई.टी.), ऊना के साथ समझौता ज्ञापन

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आई.आई.आई.टी.), ऊना और एम्स बिलासपुर के बीच स्टार्टअप इकोसिस्टम के विकास और सहयोग हेतु एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। दोनों संस्थान संयुक्त रूप से प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएँ आयोजित करेंगे, और प्रयोगशालाओं तथा अन्य शैक्षणिक एवं अनुसंधान अवसंरचनाओं की स्थापना में एक-दूसरे का सहयोग करेंगे। दोनों पक्षों के छात्रों और संकाय सदस्यों को एक-दूसरे की शैक्षणिक और अनुसंधान सुविधाओं तक पारस्परिक पहुँच भी प्राप्त होगी।

नवाचार संवेदीकरण कार्यशाला

एम्स बिलासपुर ने 23 नवंबर 2024 को नवाचार, ऊष्मायन और उद्यमिता पर एक कार्यशाला का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य अपने संकाय और छात्रों में रचनात्मकता और उद्यमशीलता की भावना को बढ़ावा देना था। हाल ही में स्थापित नवाचार,

ऊष्मायन और उद्यमिता प्रकोष्ठ (आईआईईसी) के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम ने नवाचार के माध्यम से स्वास्थ्य सेवा समाधानों को आगे बढ़ाने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया। इस पहल को उद्योग निदेशालय के उदार समर्थन से बल मिला, जिसने इनक्यूबेटर की गतिविधियों के लिए आधारभूत समर्थन प्रदान किया।

कार्यशाला एक शानदार सफलता रही, जिसने प्रतिभागियों को नवाचार और उद्यमिता में संलग्न होने के लिए ज्ञान और प्रेरणा प्रदान की। उद्योग निदेशालय के निरंतर समर्थन और नवाचार को बढ़ावा देने की साझा प्रतिबद्धता के साथ, एम्स बिलासपुर स्वास्थ्य सेवा में अभूतपूर्व योगदान का केंद्र बनने के लिए तैयार है।

13 मई 2024 को **"उत्कृष्ट नैदानिक अभ्यास" पर राष्ट्रीय कार्यशाला** का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न राज्य चिकित्सा महाविद्यालयों के संकाय सदस्य और आचार समितियों के प्रतिनिधि एक साथ आए। कार्यशाला में 900 ऑनलाइन और 40 ऑफलाइन प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला ने शोधकर्ताओं के बीच नैतिक और नियामक मानकों के विषय में जागरूकता बढ़ाई। इसने प्रतिभागियों को नैदानिक अध्ययनों को जिम्मेदारी से डिज़ाइन और संचालित करने के ज्ञान और कौशल से लैस किया, जिससे प्रतिभागियों की सुरक्षा, वैज्ञानिक वैधता और राष्ट्रीय नैतिक ढाँचों का अनुपालन सुनिश्चित हुआ

अनुसंधान परियोजनाएँ

संस्थागत परियोजनाएँ

पूर्ण

क्र. सं.	परियोजना का शीर्षक	आई.ई.सी. स्वीकृति संख्या	प्रधान अन्वेषक	सह-अन्वेषक	बाह्य/अंतर/ स्व-वित्तपोषित	अवधि (वर्ष)	कुल स्वीकृत धनराशि
1.	उत्तर भारत के उप-हिमालयी क्षेत्र में पीसीओएस का क्लिनिको-मेटाबोलिक प्रोफ़ाइल: एक भावी अध्ययन	संदर्भ संख्या एचके/पीसीओएस/ सीएसआर/2023, 31/23	डॉ. हरप्रीत कौर	डॉ. दीप्ति मलिक	बाह्य-वित्तपोषित (सीएसआर)	1.5 वर्ष	₹4,99,550
2.	कीटनाशक संपर्क एवं अज्ञात कारणों से उत्पन्न दीर्घकालिक गुर्दा-रोग का अध्ययन	25/23	प्रो. (डॉ.) अनुपम पाराशर और प्रो. (डॉ.) संजय विक्रांत	डॉ. अजय जारियाल, डॉ. अनुपमा धीमान	बाह्य-वित्तपोषित (हिमाचल प्रदेश विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं पर्यावरण परिषद)	2 वर्ष	₹5,60,000
3.	सामुदायिक चिकित्सा में शिक्षण एवं क्षेत्रीय कार्य की उत्कृष्ट प्रथाओं का राष्ट्रव्यापी विश्लेषण एवं संकलन (2024-25)	आईएपीएसएम/जी सी/2024/67, दिनांक 31/12/2024	डॉ. मीनल एम. ठाकरे	सहयोगात्मक	बाह्य-वित्तपोषित	6 माह	₹48,000
4.	कोविड-19 टीकाकरण की स्थिति एवं बूस्टर खुराक हेतु इच्छा का अध्ययन	46/23, दिनांक 22.07.2023	डॉ. मीनल एम. ठाकरे	डॉ. निकिता शर्मा	स्वयं-वित्तपोषित	6 माह	-
5.	स्क्रैप साइटोलॉजी एवं फ्रोज़न सेक्शन के 80 क्रमिक नमूनों का तुलनात्मक विश्लेषण	--	डॉ. मनुप्रिया	डॉ. देचेन, डॉ. सी.डी. शर्मा, डॉ. चित्रेश, डॉ. सुधेश कुमार	स्वयं-वित्तपोषित	2 वर्ष	

क्र. सं.	परियोजना का शीर्षक	आई.ई.सी. स्वीकृति संख्या	प्रधान अन्वेषक	सह-अन्वेषक	बाह्य/अंतर/ स्व-वित्तपोषित	अवधि (वर्ष)	कुल स्वीकृत धनराशि
6.	सामुदायिक फार्मासिस्टों/केमिस्टों में डर्माटोफाइट संक्रमण से संबंधित के.ए.पी. पर आईईसी हस्तक्षेप का प्रभाव मूल्यांकन	48/23	डॉ. मंजू दरोच	डॉ. पायल चौहान, डॉ. अनुपमा धीमान, डॉ. नवप्रीत सिंह, डॉ. अविता	बाह्य-वित्तपोषित	2 वर्ष	₹3,17,000
7.	सामान्य त्वचा रोग क्लिनिक में आने वाले रोगियों में त्वचा रोगों के प्रति जागरूकता का के.ए.पी. सर्वेक्षण	38/22	डॉ. मंजू दरोच	डॉ. पायल चौहान	स्वयं-वित्तपोषित	1 वर्ष	
8.	कैंसर रोधी दवाओं की वित्तीय विषाक्तता और स्वास्थ्य पर इसके प्रभाव, कैंसर रोगियों की देखभाल और जीवन की गुणवत्ता	--	डॉ. मीनाक्षी	डॉ. प्रवेश धीमान	स्वयं-वित्तपोषित	--	
9.	स्त्री-रोग ओपीडी में जननांग क्षय रोग की व्यापकता का भावी अध्ययन	आईईसी 5/23 दिनांक 11.02.2023	प्रो. (डॉ.) पूजन डोगरा मारवाहा	डॉ. अस्मिता, डॉ. सृष्टि कौशल	स्वयं-वित्तपोषित	1 वर्ष	
10.	लेबर इंडक्शन हेतु सबलिंगुअल मिसोप्रोस्टोल बनाम फोली कैथेटर का तुलनात्मक नैदानिक परीक्षण	आईईसी-22/23	प्रो. (डॉ.) पूजन डोगरा मारवाहा	डॉ. अस्मिता, डॉ. सृष्टि कौशल	स्वयं-वित्तपोषित	1 वर्ष	

क्र. सं.	परियोजना का शीर्षक	आई.ई.सी. स्वीकृति संख्या	प्रधान अन्वेषक	सह-अन्वेषक	बाह्य/अंतर/ स्व-वित्तपोषित	अवधि (वर्ष)	कुल स्वीकृत धनराशि
11.	महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर के प्रति के.ए.पी. का मूल्यांकन	आईईसी-23/23	प्रो. (डॉ.) पूजन डोगरा मारवाहा	डॉ. अस्मिता, डॉ. सृष्टि कौशल	स्वयं-वित्तपोषित	1 वर्ष	--
12.	भ्रूण-मातृ प्रतिकूल परिणाम हेतु लैटरल प्लेसेंटा स्थिति का प्रेक्षणात्मक अध्ययन	आईईसी 33/23, दिनांक 22/07/2023	प्रो. (डॉ.) पूजन डोगरा मारवाहा	डॉ. अस्मिता, डॉ. सृष्टि कौशल	स्वयं-वित्तपोषित	1 वर्ष	--
13.	आरएच -निगेटिव महिलाओं में प्रचलन, सेंसिटाइज़ेशन दर एवं प्रोफिलैक्टिक उपचार उपयोग का वास्तविक-विश्व अध्ययन	आईईसी 30/23, दिनांक 10/03/2023	डॉ. हरप्रीत कौर	--	बाह्य-वित्तपोषित (बीएसवी फार्मास्यूटिकल्स)	1 वर्ष	₹44,055
14.	बी.एस.एफ. कार्मिकों की पत्नियों में तनाव-प्रबंधन में योग की भूमिका	आईईसी-57/23, दिनांक 22.07.2023	डॉ. रुपाली परलेवार	डॉ. पूनम वर्मा, डॉ. हितेश जानी, डॉ. प्रीति भंडेरी, डॉ. भूपेन्द्र पटेल, डॉ. नवप्रीत, डॉ. सुमिता शर्मा	स्वयं-वित्तपोषित	1 वर्ष	--
15.	युवा पुरुष एवं महिला प्रतिभागियों में थर्मोटैक्टाइल एवं पीड़ा-अनुभूति प्रतिक्रिया का अध्ययन	आईईसी -58/23, दिनांक 05.08.2023	डॉ. पूनम वर्मा	डॉ. रुपाली परलेवार, डॉ. हितेश जानी, डॉ. प्रीति भंडेरी, डॉ. भूपेन्द्र पटेल	स्वयं-वित्तपोषित	1 वर्ष	--

क्र. सं.	परियोजना का शीर्षक	आई.ई.सी. स्वीकृति संख्या	प्रधान अन्वेषक	सह-अन्वेषक	बाह्य/अंतर/ स्व-वित्तपोषित	अवधि (वर्ष)	कुल स्वीकृत धनराशि
16.	मेडिकल छात्रों में निद्रा-गुणवत्ता, निद्रा-स्वच्छता एवं मानसिक अवस्था के सहसंबंध का गुणात्मक अध्ययन	2408/सी.ई.आर.टी./10, दिनांक 02.09.2024	डॉ. पूनम वर्मा	डॉ. रुपाली परलेवार, डॉ. हितेश जानी, डॉ. प्रीति भंडेरी, डॉ. भूपेन्द्र पटेल	स्वयं-वित्तपोषित	1 वर्ष	--
17.	मानव ब्रूसेलोसिस के भार का bcsp31 qPCR द्वारा मूल्यांकन	--	डॉ. मेघा शर्मा		बाह्य-वित्तपोषित (डीएसटी-एसईआरबी)	2 वर्ष	₹15,31,200
18.	बच्चों (6 माह–5 वर्ष) में जंक्स उपभोग एवं मोटापे के संबंध का अध्ययन	07-10/सी.ई.आर.टी./03, दिनांक 02.11.2024	श्रीजन सत्याम (एमबीबीएस)	मार्गदर्शक: डॉ. नवीन कुमार	बाह्य-वित्तपोषित (इंडियन कॉलेज ऑफ पीडियाट्रिक्स)	6 माह	₹10,000

प्रगति पर

क्र. सं.	परियोजना का शीर्षक	आई.ई.सी. स्वीकृति संख्या	प्रधान अन्वेषक	सह-अन्वेषक	बाह्य/अंतर/स्व-वित्तपोषित	अवधि (वर्ष)	कुल स्वीकृत धनराशि
1.	रंगीन त्वचा में एक्स्ट्राफेशियल मेलास्मा का एक नैदानिक, डर्मोस्कोपिक और इम्यूनोहिस्टोकेमिकल अध्ययन	77/23	डॉ. मंजू दरोच	डॉ. पायल चौहान, डॉ. गुरविंदर कौर	बाह्य-वित्तपोषित	1 वर्ष	₹98,000
2.	टाइप 2 मधुमेह, प्रीडायबिटीज वाले व्यक्तियों में अग्नाशयी वसा अंश का अनुमान और इंसुलिन संवेदनशीलता सूचकांकों और एडिपोसाइट बायोमार्करों के साथ इसका सहसंबंध		डॉ. प्रियंदर ठाकुर		बाह्य-वित्तपोषित एंडोक्राइन सोसाइटी ऑफ इंडिया	2 वर्ष	₹5,00,000
3.	मानसिक स्थिति की जाँच और मानसिक स्वास्थ्य एवं मनोभ्रंश में सुधार के लिए अनुसंधान सुविधाओं का निर्माण	सीएमपीडीआई/सीआईएल/ आर एंड डी/ 01/82/2024/418 दिनांक 17.12.2024	प्रमुख कार्यान्वयन एजेंसी: आईआईटी मंडी	डॉ. भूपेंद्र यादव	बाह्य-वित्तपोषित केंद्रीय खान योजना एवं डिजाइन संस्थान लिमिटेड	2 वर्ष	₹3,33,56,000
4.	सीमेंट प्लांट का एसीसी सीमेंट प्लांट के आसपास रहने वाले निवासियों के स्वास्थ्य पर प्रभाव बरमाणा, जिला बिलासपुर	18-12-24/सीईआरटी/03	प्रो. (डॉ.) अनुपम पाराशर	डॉ. नवप्रीत, डॉ. अनुपमा धीमान, डॉ. निकिता शर्मा	बाह्य-वित्तपोषित	1 वर्ष	₹33,00,000
5.	लाहौल और स्पीति में पारंपरिक आदिवासी चिकित्सकों द्वारा प्रयुक्त औषधीय जड़ी-बूटियों का नृवंशविज्ञान संबंधी सर्वेक्षण - भारत के उत्तर-पश्चिमी हिमालय क्षेत्र का एक ठंडा रेगिस्तानी क्षेत्र	15/22	डॉ. यांगशेन ल्हामो	डॉ. मोहिम ठाकुर	बाह्य-वित्तपोषित (एम.ओ.टी.ए.)	2 वर्ष	₹2,00,000

क्र. सं.	परियोजना का शीर्षक	आई.ई.सी. स्वीकृति संख्या	प्रधान अन्वेषक	सह-अन्वेषक	बाह्य/अंतर/स्व-वित्तपोषित	अवधि (वर्ष)	कुल स्वीकृत धनराशि
6.	प्री-एक्लेमप्सिया की शीघ्र भविष्यवाणी के लिए नए सीरम बायोमार्कर घुलनशील एफएमएस-जैसे टायरोसिन काइनेज-1/ प्लेसेंटल वृद्धि कारक का अध्ययन	आईईसी 08/22 दिनांक 03.03.22	डॉ. हरप्रीत कौर	डॉ. अनुराग सांख्यान	बाह्य-वित्तपोषित डीएचआर	3 वर्ष	₹34,00,000
7.	उत्तर-पश्चिम भारत में तीव्र ज्वर रोग (एएफआई) की बहु-केंद्रित सिंड्रोमिक निगरानी		डॉ. पुनीत कुमार गुप्ता	डॉ. प्रीति अग्रवाल,डॉ. मेघा शर्मा	बाह्य-वित्तपोषित डीएचआर-आईसीएमआर	2 वर्ष	₹57,87,769
8.	हिमाचल प्रदेश के आदिवासी क्षेत्रों में आयोडीन की कमी की व्यापकता का अनुमान लगाना और आयोडीन की स्थिति और सेलेनियम की स्थिति का थायरॉइड कार्य और थायरॉइड स्वप्रतिरक्षा के साथ संबंध की जाँच करना।	आईईसी 30/22	डॉ. सुश्रुति कौशल	प्रो (डॉ) पूजन डोगरा, डॉ. हरप्रीत कौर, डॉ. चंद्रदीप शर्मा, डॉ अस्मिता, डॉ. सुमिता शर्मा	बाह्य-वित्तपोषित	3 वर्ष	₹29,00,000
9.	'बड़े चार' भारतीय साँपों के बहुक्रियाशील विषों को लक्षित करने वाले नए पुनर्योगज बहुसंयोजी प्रतिविष का विकास	18-12-24/सी.ई.आर.टी./04 दिनांक 16.01.2025	डॉ. अनुराग सांख्यान	प्रोफेसर (डॉ) साधना शर्मा डॉ तरूण शर्मा	बाह्य-वित्तपोषित आईसीएमआर	3 वर्ष	₹44,76,199
10.	मेटफॉर्मिन या मेटफॉर्मिन + डीपीपी-4 अवरोधक का संयोजन लेने वाले टी2डीएम रोगियों में विटामिन डी और विटामिन बी12 की स्थिति का आकलन - पूर्वव्यापी अध्ययन।	08-25/सी.ई.आर.टी./02 दिनांक 29.09.2025	डॉ. अनुराग सांख्यान	प्राची एमबीबीएस बैच 2023	बाह्य-वित्तपोषित (आईसीएमआर-एसटीएस)	2 वर्ष	शून्य
11.	क्षेत्रीय वीआरडीएल		प्रो. (डॉ.) प्रीति अग्रवाल	डॉ. पुनीत कुमार गुप्ता, डॉ. मेघा शर्मा	बाह्य-वित्तपोषित	लागू नहीं	₹15,00,00,000 (प्रथम वर्ष)

क्र. सं.	परियोजना का शीर्षक	आई.ई.सी. स्वीकृति संख्या	प्रधान अन्वेषक	सह-अन्वेषक	बाह्य/अंतर/स्व-वित्तपोषित	अवधि (वर्ष)	कुल स्वीकृत धनराशि
					डीएचआर-आईसीएमआर		
12.	हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी क्षेत्रों के हाइपोथायरायड रोगियों में न्यूरोफिजियोलॉजिकल और जैव रासायनिक मापदंडों का अध्ययन।	आईईसी-17/21 दिनांक 26.04.2022	प्रो. (डॉ.) रूपाली पारलेवार	डॉ. पुनम वर्मा, डॉ. हितेश जानी, डॉ. प्रीति भंडेरी, डॉ. भूपेनरा पटेल, डॉ. प्रीयेन्द्र ठाकुर, डॉ. आशीष शर्मा, डॉ. कपिल शर्मा	बाह्य-वित्तपोषित आईसीएमआर	3 वर्ष	₹19,64,880
13.	हिमाचल प्रदेश की स्पीति घाटी के विभिन्न आयु वर्ग के मूल निवासियों में जीवनशैली से संबंधित रोग बायोमार्करों का स्वायत्त और संज्ञानात्मक कार्यों के साथ संबंध का आकलन: एक व्यापक अवलोकनात्मक क्रॉससेक्शनल अध्ययन	आईईसी-08/21 दिनांक 26.04.2022	डॉ. पूनम वर्मा	डॉ. रूपाली पार्लेवार, डॉ. हितेश जानी, डॉ. प्रीति भंडेरी, डॉ. भूपेनरा पटेल, डॉ. नवप्रीत, डॉ. सुमिता शर्मा	बाह्य-वित्तपोषित आईसीएमआर	2 वर्ष	₹28,95,520
14.	पल्स ऑक्सीमेट्री स्क्रीनिंग और फीमरल पल्स पैल्पेशन का संयोजन, बिलासपुर जिले के नवजात शिशुओं में गंभीर जन्मजात हृदय रोग का पता लगाने	12/21	डॉ. नलिनी ए	डॉ. जसबीर सिंह डॉ. नवप्रीत	बाह्य-वित्तपोषित आईसीएमआर	17 माह	₹4,84,826

क्र. सं.	परियोजना का शीर्षक	आई.ई.सी. स्वीकृति संख्या	प्रधान अन्वेषक	सह-अन्वेषक	बाह्य/अंतर/स्व-वित्तपोषित	अवधि (वर्ष)	कुल स्वीकृत धनराशि
	के लिए - एक संभावित अवलोकनात्मक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन						
15.	स्कूल जाने वाली लड़कियों में एचपीवी वैक्सीन के प्रति ज्ञान, जागरूकता और स्वीकृति और एचपीवी की स्वीकृति में सुधार के लिए हस्तक्षेप रणनीतियों की प्रभावशीलता	I07-10/सी.ई.आर.टी./02	डॉ. हरप्रीत कौर	छात्रा धवनी एमबीबीएस बैच 2022	आईसीएमआर	1 वर्ष	₹60,000
16.	सौम्य और घातक उपकला डिम्बग्रंथि ट्यूमर के बीच miRNA200 परिवार (miRNA220a, miRNA200b,miRNA200c, miRNA141, miRNA429) के स्तर में अंतर की तुलना	04-25/सी.ई.आर.टी./08 दिनांक 13.05.2025	प्रो. (डॉ.) पूजन डोगरा मरवाहा	डॉ. अस्मिता, डॉ. सुश्रुति कौशल, डॉ. अनुराग सांख्यान	आंतरिक	1 वर्ष	₹3,50,000
17.	सिग्मा मेट्रिक्स: क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्री प्रयोगशाला में प्रदर्शन मूल्यांकन और गुणवत्ता नियंत्रण के लिए एक आवश्यक उपकरण	24-08/सी.ई.आर.टी./14 दिनांक 02.09.24	डॉ. सुमिता शर्मा	डॉ. अनुराग सांख्यान	स्व-वित्तपोषित	1 वर्ष	शून्य
18.	रंगीन त्वचा में कोलेजन संवहनी विकारों में नेल फोल्ड डर्मोस्कोपी: संभावित अवलोकन संबंधी क्रॉस सेक्शनल अध्ययन	47/23	डॉ. पायल चौहान	डॉ. मंजू दारोच	स्व-वित्तपोषित	1 वर्ष	-
19.	उत्तर भारतीय जनसंख्या में मीट्रिक विश्लेषण पद्धति द्वारा 9वीं और 10वीं वक्षीय कशेरुका का उपयोग करके नैदानिक छाती एक्स-रे का विश्लेषण करके लिंग निर्धारण	आईईसी-36/22 दिनांक 10.03.2023	डॉ. दीपेन डाभी	प्रो. (डॉ.) यतिराज सिंगी, डॉ. लोकेश राणा	स्व-वित्तपोषित	2 वर्ष	--

क्र. सं.	परियोजना का शीर्षक	आई.ई.सी. स्वीकृति संख्या	प्रधान अन्वेषक	सह-अन्वेषक	बाह्य/अंतर/स्व-वित्तपोषित	अवधि (वर्ष)	कुल स्वीकृत धनराशि
20.	उत्तर भारत के एक पहाड़ी क्षेत्र में अस्पताल-पूर्व आघात देखभाल सेवाओं का आकलन करने के लिए क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन: एक तृतीयक देखभाल केंद्र की आपातकालीन इकाई में आने वाले रोगियों के बीच पायलट अध्ययन।	05-25/सीईआरटी/06	डॉ. अजय धीमान	डॉ. मोहिम ठाकुर	स्व-वित्तपोषित	1 वर्ष	-
21.	उन्नत कैंसर रोगियों में पारंपरिक कीमोथेरेपी के साथ लक्षित चिकित्सा की प्रभावशीलता और सुरक्षा की तुलना करने के लिए वास्तविक दुनिया के आंकड़ों का पूर्वव्यापी ऑडिट		डॉ. मीनाक्षी	डॉ. प्रवेश धीमान	स्व-वित्तपोषित		
22.	हिमाचल प्रदेश के आयोडीन की कमी वाले क्षेत्र में गर्भावस्था के दौरान आयोडीन की स्थिति और थायरॉइड कार्य के बीच संबंध की जाँच करें।	आईईसी 2/22	डॉ. सुश्रुति कौशल	डॉ. सुमिता शर्मा	स्व-वित्तपोषित	3 वर्ष	
23.	गर्भावस्था के दौरान गैर-अल्कोहलिक वसायुक्त यकृत रोग (एनएएफएलडी) की व्यापकता का अनुमान लगाना और एनएएफएलडी का अध्ययन मृत जन्म के जोखिम कारक के रूप में करना	आईईसी 19/23 दिनांक 10/03/2023	डॉ. सुश्रुति कौशल	प्रो. (डॉ.) पूजन डोगरा	स्व-वित्तपोषित	2 वर्ष	
24.	प्रमुख अवसादग्रस्तता विकार बनाम द्विध्रुवी अवसाद में विभेदन और गंभीरता के लिए संभावित बायोमार्कर के रूप में न्यूट्रोफिल-से-लिम्फोसाइट अनुपात (एनएलआर), मोनोसाइट-से-लिम्फोसाइट अनुपात (एमएलआर), प्लेटलेट-से-लिम्फोसाइट अनुपात (पीएलआर) और प्रणालीगत प्रतिरक्षा-सूजन (एसआईआई) सूचकांक की खोज: एक तुलनात्मक अध्ययन	18-12-24/सी.ई.आर.टी./02 दिनांक 16.01.2025	डॉ. ज्योति गुप्ता	डॉ मनुप्रिया शर्मा डॉ नीलम कुमारी डॉ शिवम शर्मा सुश्री सागरिका अग्रवाल	स्व-वित्तपोषित	3 माह	

क्र. सं.	परियोजना का शीर्षक	आई.ई.सी. स्वीकृति संख्या	प्रधान अन्वेषक	सह-अन्वेषक	बाह्य/अंतर/स्व-वित्तपोषित	अवधि (वर्ष)	कुल स्वीकृत धनराशि
25.	नोडल विकिरण के साथ या उसके बिना स्तन कैंसर रोगियों में अल्ट्राहाइपोफ्रैक्शनेटेड एक-सप्ताह बनाम मध्यम हाइपोफ्रैक्शनेटेड 3-सप्ताह सहायक रेडियोथेरेपी के तुलनात्मक परिणाम: रोगी की पसंद पर आधारित एक भावी अवलोकन अध्ययन		डॉ. निकेता ठाकुर		स्व-वित्तपोषित	5 वर्ष	-

सहयोगात्मक परियोजनाएँ

पूर्ण

क्र. सं.	परियोजना का शीर्षक	आई.ई.सी. स्वीकृति संख्या	प्रधान अन्वेषक	सह-अन्वेषक	बाह्य/अंतर/स्व-वित्तपोषित	अवधि (वर्ष)	कुल स्वीकृत धनराशि
1.	स्मार्टफोन-आधारित टेली-स्ट्रोक बनाम स्ट्रोक-चिकित्सक-नेतृत्व वाला तीव्र स्ट्रोक प्रबंधन (स्मार्ट-इंडिया)	डीएचआर-आईसीएमआर /जीआईए/ 04/18/2020	डॉ. आशीष शर्मा (केंद्रीय अन्वेषक)		बाह्य (डीएचआर)	3 वर्ष	₹4,92,340
2.	पित्ताशय-उच्छेदन पर एक अंतर्राष्ट्रीय संभावित समूह अध्ययन। वैश्विक पित्ताशय-उच्छेदन ज्ञान और परिणामों का मूल्यांकन (GECKO)	39/23	डॉ. मोहिम ठाकुर	डॉ सौम्या चोपड़ा डॉ. सरोज यादव	बहु-केंद्रित और अंतर्राष्ट्रीय	-	-

प्रगति पर

क्र. सं.	परियोजना का शीर्षक	आई.ई.सी. स्वीकृति संख्या	प्रधान अन्वेषक	सह-अन्वेषक	बाह्य/अंतर/स्व-वित्तपोषित	अवधि (वर्ष)	कुल स्वीकृत धनराशि
1.	मानसिक स्थिति की जांच और मानसिक स्वास्थ्य एवं मनोभ्रंश में सुधार के लिए अनुसंधान सुविधाओं का निर्माण	सीएमपीडीआई/सीआईएल/आर एंड डी/01/82/2024/418 दिनांक 17.12.2024	प्रमुख कार्यान्वयन एजेंसी: आईआईटी मंडी	डॉ. भूपेंद्र यादव	बाह्य केंद्रीय खान योजना एवं डिजाइन संस्थान लिमिटेड	2 वर्ष	₹3,33,56,000
2.	बाद के नैदानिक हस्तक्षेप के लिए सिर और गर्दन की हल्की चोटों का वास्तविक समय में पता लगाने हेतु कम्प्यूटेशनल मॉडल सिस्टम का उपयोग करते हुए एक पहनने योग्य उपकरण का डिज़ाइन और विकास।	एफआईडब्ल्यू-2024-01-00000504	आईआईटी रुड़की	डॉ. अर्जुन धर	बाह्य	1 वर्ष	
3.	सिज़ोफ्रेनिया में न्यूरोफिज़ियोलॉजिकल ध्यान तंत्र पर योग आधारित अतिरिक्त हस्तक्षेप का प्रभाव - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण	डीएसटी/श्री/सत्यम/2023/06(जी)(श्री) दिनांक 26.05.2025	डॉ. रामजयम जी, आईआईटी मंडी	डॉ. भूपेंद्र यादव	बाह्य – डीएसटी	3 वर्ष	₹26,58,400
4.	तीव्र स्ट्रोक में बुखार, हाइपरग्लाइसीमिया, निगलने में कठिनाई और उच्च रक्तचाप का प्रबंधन (स्ट्रोक देखभाल में भारतीय गुणवत्ता सुधार - इनक्विस्ट)	एसडब्ल्यूजी/न्यूरो/35/2018-एनसीडी-I	डॉ. आशीष शर्मा (केंद्रीय अन्वेषक)		बाह्य (डीएचआर)	4 वर्ष	₹17,85,250
5.	रक्त बायोबैंक स्ट्रोक और नियंत्रण / रोगी (FeSSH / InQuIST)	SWG/ /35/न्यूरो 2018-एनसीडी-I	डॉ. आशीष शर्मा (केंद्रीय अन्वेषक)		बाह्य (डीएचआर)	4 वर्ष	FeSSH बजट का एक हिस्सा

क्र. सं.	परियोजना का शीर्षक	आई.ई.सी. स्वीकृति संख्या	प्रधान अन्वेषक	सह-अन्वेषक	बाह्य/अंतर/स्व-वित्तपोषित	अवधि (वर्ष)	कुल स्वीकृत धनराशि
6.	पिछला – इस्केमिक और रक्तस्रावी स्ट्रोक	ईसीआर/2017/000174	डॉ. आशीष शर्मा (केंद्रीय अन्वेषक)		बाह्य (डीएसटी-एसईआरबी)	2 वर्ष	₹6,63,000
7.	प्रोलेविस - सीवीटी (प्राथमिक और द्वितीयक रोकथाम)	ईसीआर/2017/000175	डॉ. आशीष शर्मा (केंद्रीय अन्वेषक)		बाह्य (डीएसटी-एसईआरबी)	2 वर्ष	₹6,63,000
8.	भारतीय स्ट्रोक क्लिनिकल परीक्षण नेटवर्क चरण II (INSTRuCT) की स्थापना	एसडब्ल्यूजी/न्यूरो/47/2021-एनसीडी-I	डॉ. आशीष शर्मा (केंद्रीय अन्वेषक)		बाह्य (आईसीएमआर टास्क फोर्स)	5 वर्ष	₹1,00,000 (प्रारंभिक राशि)
9.	भारतीय एमएस एवं संबद्ध डिमाइलेटिंग विकार रजिस्ट्री (आईएमएसआरएन)	5/4-5/192/न्यूरो/टीएफ सेंटर I/2019-एनसीडीआई (16-01-23)	डॉ. आशीष शर्मा (केंद्रीय अन्वेषक)		बाह्य (आईसीएमआर टास्क फोर्स)	5 वर्ष	₹2,23,500
10.	आंतरिक परीक्षण - सहज आईसीएच में ट्रैनेक्सैमिक एसिड	एसडब्ल्यूजी/न्यूरो/42/टीएफ सेंटर II/2021-एनसीडी-I	डॉ. आशीष शर्मा (केंद्रीय अन्वेषक)		बाह्य (आईसीएमआर)	4 वर्ष	₹5,76,800
11.	स्टेनोसिस परीक्षण - इंट्राक्रैनियल एथेरोस्क्लेरोसिस में दीर्घकालिक SAPT बनाम DAPT	एसडब्ल्यूजी/न्यूरो/41/2021-एनसीडी-I	डॉ. आशीष शर्मा (केंद्रीय अन्वेषक)		बाह्य (आईसीएमआर)	4 वर्ष	₹5,58,672
12.	अस्पताल-आधारित स्ट्रोक रजिस्ट्री (एचबीएसआर - आईसीएमआर-एनसीडीआईआर)	एनसीडीआईआर/एचबीएसआर/40/2021/27 37 (04-01-22)	डॉ. आशीष शर्मा (केंद्रीय अन्वेषक)		बाह्य (आईसीएमआर-एनसीडीआईआर)	5 वर्ष	₹12,50,000
13.	हरित ऑपरेटिंग थिएटरों के लिए पुन: प्रयोज्य और डिस्पोजेबल ड्रेप्स और गाउन का बहु-केंद्रीय गैर-निम्न क्लस्टर यादृच्छिक परीक्षण। (ड्रैगन)	अगस्त/पीजी/25-01	डॉ. मोहिम ठाकुर	डॉ. यांगशेन ल्हामो डॉ. अजय धीमान	बहु-केंद्रित और अंतर्राष्ट्रीय	2 वर्ष	-

क्र. सं.	परियोजना का शीर्षक	आई.ई.सी. स्वीकृति संख्या	प्रधान अन्वेषक	सह-अन्वेषक	बाह्य/अंतर/स्व-वित्तपोषित	अवधि (वर्ष)	कुल स्वीकृत धनराशि
14.	सीकेडी (एवोआईडीसीकेडी) में सीवीडी के लिए एलोप्यूरिनॉल: एक डबल ब्लाइंड, यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, एक बहु-केंद्रित परीक्षण		डॉ. संजय विक्रांत	डॉ. अजय जड़याल	बाह्य डीबीटी-वेलकम ट्रस्ट इंडिया एलायंस बहुकेंद्रित परियोजना	5 वर्ष	₹25,000
15.	भारतीय ट्रांसलेशनल ग्लोमेरुलोनेफ्राइटिस बायोलॉजी नेटवर्क (आई-टैंगिबल)।		डॉ. संजय विक्रांत	डॉ. अजय जड़याल	बाह्य बहु-केंद्रित आईसीएमआर अध्ययन जॉर्ज इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली।	3 वर्ष	-
16.	यह दर्शाने के लिए कि कैसे miR-2909 RNomics मानव प्रोस्टेट कैंसर में TGFB सिग्नलिंग कैस्केड को नियंत्रित करता है।	संदर्भ संख्या 5/3/38/2 022-एनसीडी-III आईईसी - 15/21	डॉ. दीप्ति मलिक	डॉ. विकास मेधी, डॉ. रविमोहन एस मावुदुरू डॉ मोहिम ठाकुर डॉ. गुरविंदर कौर	बाह्य- आईसीएमआर	3 वर्ष	₹31,87,616
17.	स्वास्थ्य सेवा के लिए डिजिटल नाक: कम लागत वाली डिजिटल नाक के माध्यम से मधुमेह और हृदय रोगों का निदान	प्रोजेक्ट आईडी - आईआईटी मंडी iHub/RD/2023/00 1	आईआईटी मंडी आईहब और एचसीआई फाउंडेशन	डॉ. प्रियंदर ठाकुर		2 वर्ष	₹67,48,500

थीसिस/ शोध प्रबंध

प्रगति पर

क्र. सं.	थीसिस/ शोध प्रबंध का शीर्षक	आईईसी अनुमोदन संख्या	स्नातकोत्तर छात्र का नाम	मार्गदर्शक का नाम	सह-मार्गदर्शक का नाम
1.	रुमेटी गठिया के रोगियों में स्वप्रतिपिंड लक्षण वर्णन और रोग के परिणाम के साथ इसका नैदानिक सहसंबंध	01-25/ सीईआरटी/01	डॉ. अंकिता देवांगन (क्लिनिकल इम्यूनोलॉजी एवं रुमेटोलॉजी)	डॉ. योगेश प्रीत सिंह	डॉ.देवेन्द्र बैरवा, डॉ.रवि कुमार शर्मा
2.	बिलासपुर (हि.प्र.) जिले में युवाओं में मादक द्रव्यों के सेवन का बोझ और इसके निर्धारक	24-01/ सीईआरटी/15	डॉ. प्रतीक गोयल (सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा)	प्रो. (डॉ.) अनुपम पराशर	डॉ. नवप्रीत
3.	हिमाचल प्रदेश के जिला बिलासपुर में आयुष्मान भारत स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों पर आने वाले लाभार्थियों के बीच स्वास्थ्य सेवाओं का उपयोग।	24-08/ सीईआरटी/05	डॉ अनु बाबू (सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा)	प्रो. (डॉ.) अनुपम पराशर	डॉ. निकिता शर्मा
4.	हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में क्षय रोग के रोगियों में अनुवर्ती कार्रवाई में कमी और प्रारंभिक अनुवर्ती कार्रवाई में कमी की बाधाओं का आकलन।	13-06/ सी.ई.आर.टी./19 दिनांक 05.07.24	डॉ. अभीत गुलाटी (सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा)	डॉ. मीनल एम ठाकरे	डॉ. अनुपमा धीमान
5.	बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश, भारत जिले में मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं (आशा) कार्यकर्ताओं द्वारा सेवाओं के प्रभावी वितरण में सहायक और बाधाएँ	01- सी.ई.आर.टी./09 दिनांक 10.03.25	डॉ. तमन्ना नेगी (सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा)	डॉ. मीनल एम ठाकरे	डॉ. नवप्रीत
6.	परिधीय स्वास्थ्य देखभाल केंद्रों में जाने वाले टाइप 2 मधुमेह और/या उच्च रक्तचाप के रोगियों में चिकित्सा अनुपालन और स्व-देखभाल प्रथाएँ: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन	07-25/ सी.ई.आर.टी./01 दिनांक 16.09.2025	डॉ. आलोक कुमार (सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा)	प्रो. (डॉ.) अनुपम पराशर	डॉ. अनुपमा धीमान

क्र. सं.	थीसिस/ शोध प्रबंध का शीर्षक	आईईसी अनुमोदन संख्या	स्नातकोत्तर छात्र का नाम	मार्गदर्शक का नाम	सह-मार्गदर्शक का नाम
7.	प्रभावित मैंडिबुलर तीसरे दाढ़ को शल्य चिकित्सा द्वारा हटाने के बाद संक्रमण को रोकने में एंटीबायोटिक युक्त पीओपी मोतियों की प्रभावशीलता का अध्ययन करना - एक संभावित अवलोकन अध्ययन	एमटीजी24-04	डॉ. संदीप शाह (दंत चिकित्सा)	प्रो. (डॉ.) दिनेश कुमार वर्मा	डॉ. नीलम यादव
8.	प्रभावित मैंडिबुलर थर्ड मोलर सर्जरी के बाद पोस्ट-ऑपरेटिव फॉलो-अप के लिए टेली-फॉलो-अप और पारंपरिक क्लिनिक-आधारित फॉलो-अप की तुलना करना - एक संभावित अध्ययन।	एमओएम-25-04	डॉ. रश्मि पाल (दंत चिकित्सा)	प्रो. (डॉ.) दिनेश कुमार वर्मा	डॉ. नीलम यादव
9.	ओफियासिस बनाम अन्य एलोपेसिया एरीटा पैटर्न: एक क्लिनिको-डर्मोस्कोपिक और हिस्टोपैथोलॉजिक तुलनात्मक अध्ययन"	13-06/ सीईआरटी/11	डॉ क्षितिज मल्होत्रा (त्वचाविज्ञान)	डॉ. मंजू दरोच	डॉ. गुरविंदर कौर, डॉ. मनुप्रिया
10.	मेलास्मा के पाठ्यक्रम और विकास पर एक अध्ययन	01/25/ सीईआरटी/10	डॉ. ऋषि मल्होत्रा (त्वचा रोग विशेषज्ञ)	डॉ. मंजू दरोच	डॉ. अनुपमा धीमान, डॉ. नवप्रीत सिंह, डॉ. भाग्यश्री
11.	टाइप-2 डायबिटीज मेलिटस और प्रीडायबिटीज वाले व्यक्तियों में अग्नाशयी वसा अंश का आकलन और इंसुलिन स्राव, संवेदनशीलता और एडीपोसाइट बायोमार्कर के सूचकांकों के साथ इसका सहसंबंध: एक केस नियंत्रण अध्ययन	13-06/ सीईआरटी/21	जे. अमरेश्वर (एंडोक्राइनोलॉजी)	डॉ. प्रियंदर सिंह ठाकुर	प्रोफ़ेसर (डॉ.) नरवीर सिंह चौहान, डॉ. तरुण शर्मा, डॉ. अनुराग सांख्यान
12.	पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम के रोगियों में क्रोनिक इन्फ्लेमेटरी मार्करों और एडिपोकिन्स पर मेटफॉर्मिन और मौखिक गर्भनिरोधक गोलियों का प्रभाव एक तुलनात्मक अध्ययन	01-25/ सीईआरटी/02	बरसा रानी स्वैन (एंडोक्राइनोलॉजी)	डॉ. प्रियंदर सिंह ठाकुर	डॉ. हरप्रीत कौर, डॉ. चंद्रदीप शर्मा, डॉ. अनुराग सांख्यान, डॉ. रवि कुमार शर्मा

क्र. सं.	थीसिस/ शोध प्रबंध का शीर्षक	आईईसी अनुमोदन संख्या	स्नातकोत्तर छात्र का नाम	मार्गदर्शक का नाम	सह-मार्गदर्शक का नाम
13.	पैरोटिड ग्रंथि नियोप्लाज्म में चेहरे की तंत्रिका के इंट्रा-ऑपरेटिव स्थानीयकरण में कंट्रास्ट संवर्धित चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग और 3-आयामी डबल इको स्थिर अवस्था चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग का संभावित तुलनात्मक अध्ययन	24-01/ सीईआरटी/16	डॉ. रीतिका पंडित (ईएनटी)	डॉ. सुदेश कुमार	डॉ. सुमीत अंगराल, डॉ. नेहा चौहान, प्रो. (डॉ.) नरवीर सिंह चौहान
14.	क्रोनिक राइनोसिनुसाइटिस के रोगियों में कार्यात्मक एंडोस्कोपिक साइनस सर्जरी के बाद दस्ताने वाली उंगली से लेपित नाक पैकिंग बनाम मेरोसील नाक पैकिंग की प्रभावकारिता का आकलन करने के लिए अध्ययन - एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन	13-06/ सीईआरटी/07	डॉ. ईशु गुप्ता (ईएनटी)	डॉ. सुदेश कुमार	डॉ. सुमीत अंगराल, डॉ. नेहा चौहान
15.	एंडोस्कोपिक साइनस सर्जरी से गुजर रहे क्रोनिक राइनोसिनुसाइटिस रोगियों में नैदानिक परिणाम और जीवन की गुणवत्ता का आकलन	01-25/ सीईआरटी/16	डॉ. शुभम शर्मा (ईएनटी)	डॉ. सुदेश कुमार	डॉ. सुमीत अंगराल, डॉ. नेहा चौहान
16.	एलर्जिक राइनाइटिस में जीवन की गुणवत्ता और लक्षणों से राहत का आकलन - इंट्रा-नासल स्टेरॉयड स्प्रे और स्टेरॉयड नासल सिंचाई की तुलना	01-25/ सीईआरटी/15	डॉ. राहुल (ईएनटी)	डॉ. सुदेश कुमार	डॉ. सुमीत अंगराल, डॉ. नेहा चौहान
17.	लेप्रोस्कोपिक वंक्षण हर्निया की मरम्मत में जाल के स्थिरीकरण बनाम गैर-स्थिरीकरण पर संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन	24-01/ सीईआरटी/01	डॉ. अनंश (सामान्य शल्य चिकित्सा)	डॉ. मोहिम ठाकुर	डॉ. अजय धीमान, डॉ. सौम्या चोपड़ा, डॉ. विपुल
18.	आपातकालीन लैपरोटॉमी से गुज़र रहे मरीज़ों में एसएसआई की घटना पर सर्जरी स्थल पर जेंटामाइसिन के प्री-ऑपरेटिव लोकल इन्फ़िल्ट्रेशन का प्रभाव। एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन	24-01/ सीईआरटी/02	डॉ. पवन (सामान्य शल्य चिकित्सा)	डॉ. अजय धीमान	डॉ. मोहिम ठाकुर, डॉ. सौम्या चोपड़ा, डॉ विपुल, डॉ. मेघा शर्मा, डॉ. यांगशेन

क्र. सं.	थीसिस/ शोध प्रबंध का शीर्षक	आईईसी अनुमोदन संख्या	स्नातकोत्तर छात्र का नाम	मार्गदर्शक का नाम	सह-मार्गदर्शक का नाम
19.	आपातकालीन लैपरोटॉमी में उदर भित्ति बंद करने की निरंतर बनाम बाधित एक्स सिवनी तकनीक - एक तुलनात्मक अध्ययन	13-06/ सीईआरटी/01	डॉ. शांतनु त्यागी (सामान्य शल्य चिकित्सा)	डॉ. मोहिम ठाकुर	डॉ. अजय धीमान, डॉ. सौम्या चोपड़ा, डॉ. विपुल
20.	पित्ताशय की पथरी के साथ एच.पाइलोरी का संबंध – एक केस कंट्रोल अध्ययन	दिसंबर/पीजी/ 24-08	डॉ. प्रज्ञा द्विवेदी (सामान्य शल्य चिकित्सा)	डॉ. मोहिम ठाकुर	डॉ. अजय धीमान
21.	एच.पाइलोरी संक्रमण के निदान के लिए मानक बनाम संकीर्ण बैंड इमेजिंग (एनबीआई)। एक अवलोकनात्मक अध्ययन	अगस्त/पीजी/ 25-11	डॉ. नंदिनी (सामान्य शल्य चिकित्सा)	डॉ. मोहिम ठाकुर	डॉ. कपिल शर्मा, डॉ. तरुणप्रीत सैनी
22.	कठिन लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी की पूर्व-ऑपरेटिव भविष्यवाणी: एक संभावित अवलोकन अध्ययन	24-08/ सीईआरटी/01	डॉ. पीयूष भारद्वाज (सामान्य शल्य चिकित्सा)	डॉ. अजय धीमान	डॉ. मोहिम ठाकुर, डॉ. सौम्या चोपड़ा
23.	नवजात शिशुओं में परिधीय रूप से डाले गए केंद्रीय कैथेटर (पीआईसीसी) के सिरे को स्थानीयकृत करने के लिए बेडसाइड अल्ट्रासोनोग्राफी और रेडियोग्राफी की तुलना - एक संभावित अवलोकन अध्ययन	24-08/ सीईआरटी-06	डॉ अंजलि शर्मा (नियोनेटोलॉजी)	डॉ. नलिनी ए	प्रोफ़ेसर (डॉ.) श्रीराम पी, डॉ. लोकेश राणा
24.	नवजात शिशु में विटामिन डी की स्थिति और उप-हिमालयी क्षेत्र में मातृ विटामिन डी स्तर के साथ इसका संबंध: एक संभावित अवलोकन अध्ययन	1-25/ सीईआरटी-03	डॉ. मोनालिसा प्रधान (नियोनेटोलॉजी)	डॉ. नलिनी ए	प्रो. (डॉ.) श्रीराम पी, प्रो. (डॉ.) पूजन डोगरा मारवाह
25.	क्रोनिक किडनी रोग के रोगियों में हृदय विफलता की व्यापकता और सहसंबंध: तृतीयक देखभाल सेटिंग में एक क्रॉससेक्शनल अध्ययन	24-01/ सीईआरटी /12 दिनांक 12.03.2024	डॉ. मानवी शर्मा (सामान्य दवा)	प्रो. (डॉ.) संजय विक्रांत	डॉ. अजय जरयाल, डॉ. कपिल शर्मा, डॉ. नवदीप सिद्धू
26.	अस्पताल में भर्ती मरीजों में हाइपोनेट्रेमिया की नैदानिक और एटियोलॉजिकल प्रोफ़ाइल का आकलन: एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन	13-06/ सीईआरटी/0एस	डॉ. आंचल रानी (सामान्य चिकित्सा)	प्रो. (डॉ.) संजय विक्रांत	डॉ. कपिल शर्मा, डॉ. अजय जरयाल, डॉ. सुमिता शर्मा

क्र. सं.	थीसिस/ शोध प्रबंध का शीर्षक	आईईसी अनुमोदन संख्या	स्नातकोत्तर छात्र का नाम	मार्गदर्शक का नाम	सह-मार्गदर्शक का नाम
27.	अस्पताल में भर्ती मधुमेह रोगियों में यूटीआई का नैदानिक स्पेक्ट्रम - एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन	01-25/ सी.ई.आर.टी./12 दिनांक 10.03.2025	डॉ. नमित साईं राम (सामान्य दवा)	प्रो. (डॉ.) संजय विक्रांत	डॉ. कपिल शर्मा, प्रो.(डॉ.) प्रीति अग्रवाल
28.	तीव्र किडनी रोग का क्लिनिकोपैथोलॉजिकल स्पेक्ट्रम रोग	एमटीजी25-03 दिनांक 09.03.2025	डॉ. श्रीधर पट्टर (नेफ्रोलॉजी)	प्रो. (डॉ.) संजय विक्रांत	डॉ. अजय जड़याल
29.	ऑटोसोमल डोमिनेंट पॉलीसिस्टिक किडनी रोग वाले रोगियों में नेफ्रोलिथियासिस के लिए चयापचय जोखिम कारकों का आकलन	एमटीजी25-03 दिनांक 09.03.2025	डॉ. साइमा खान (नेफ्रोलॉजी)	प्रो. (डॉ.) संजय विक्रांत	डॉ. अजय जरयाल, डॉ. सुमिता शर्मा, डॉ. लोकेश राणा
30.	गर्भावस्था में हाइपरहोमोसिस्टीनीमिया की व्यापकता और फोलिक एसिड और विटामिन बी12 के उपचार के बाद होमोसिस्टीन के स्तर में परिवर्तन का आकलन करना।	24-01/ सी.ई.आर.टी./07 दिनांक 12.03.2024	डॉ. साक्षी झा (प्रसूति एवं स्त्री रोग)	प्रो. (डॉ.) पूजन डोगरा मरवाहा	डॉ. नलिनी, डॉ. सुश्रुति कौशल, डॉ. दीप्ति मलिक
31.	उप-हिमालयी क्षेत्र (बिलासपुर) में प्रसव पीड़ा निवारण के लिए पैरेंट्रल पैरासिटामोल बनाम ट्रामाडोल - एक तुलनात्मक भावी अवलोकनात्मक अध्ययन	24-01/ सीईआरटी/08	डॉ. साथिया (प्रसूति एवं स्त्री रोग)	डॉ. हरप्रीत कौर	डॉ. चंद्रदीप शर्मा, डॉ. नलिनी
32.	उत्तरी भारत के एक तृतीयक केंद्र में भ्रूण वृद्धि प्रतिबंध का मूल्यांकन करने के लिए एक संभावित अवलोकन अध्ययन।	04-25/ सीईआरटी/05	डॉ. श्रद्धा (प्रसूति एवं स्त्री रोग)	डॉ. हरप्रीत कौर	डॉ. चंद्रदीप शर्मा, डॉ. नलिनी, प्रो. (डॉ.) नरवीर सिंह चौहान
33.	एज़िथ्रोमाइसिन इंजेक्शन के साथ सेफाज़ोलिन इंजेक्शन के साथ एंटीबायोटिक प्रोफिलैक्सिस के बाद एसएसआई की घटना - एक संभावित अवलोकन अध्ययन	24-01/ सीईआरटी/09	डॉ. साई प्रज्ञा श्री (प्रसूति एवं स्त्री रोग)	डॉ. चंद्रदीप शर्मा	डॉ. हरप्रीत कौर, डॉ. पुनीत कुमार गुप्ता, डॉ. नलिनी

क्र. सं.	थीसिस/ शोध प्रबंध का शीर्षक	आईईसी अनुमोदन संख्या	स्नातकोत्तर छात्र का नाम	मार्गदर्शक का नाम	सह-मार्गदर्शक का नाम
34.	असामान्य गर्भाशय रक्तस्राव वाली प्रजनन आयु की महिलाओं का नैदानिक प्रोफ़ाइल और असामान्य गर्भाशय रक्तस्राव वाली महिलाओं में जननांग संक्रमण की भूमिका	13-06/ सी.ई.आर.टी./20 दिनांक 05.07.2024	डॉ. सबीहा सिद्दीकी (प्रसूति एवं स्त्री रोग)	डॉ. सुश्रुति कौशल	प्रो. (डॉ.) पूजन डोगरा मरवाहा, डॉ. पुनीत कुमार गुप्ता, डॉ. मनुप्रिया, डॉ. अस्मिता
35.	प्राथमिक खुले कोण ग्लूकोमा और प्राथमिक कोण बंद ग्लूकोमा के बीच पानी पीने के परीक्षण द्वारा पता लगाए गए अंतःनेत्र दबाव गतिशीलता की तुलना	13-06/ सीईआरटी/09	डॉ. अनुज कुमारी (नेत्र रोग विशेषज्ञ)	डॉ. नीलम वर्मा	डॉ. नृपेन गौड़, डॉ. विभूति मित्तल
36.	ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी द्वारा मापी गई मधुमेह रेटिनल न्यूरोडीजेनेरेशन के लिए एनाटॉमिकल बायोमेट्री का मूल्यांकन	01-25/ सीईआरटी/14	डॉ. राकेश कुमार (नेत्र रोग विशेषज्ञ)	डॉ. नीलम वर्मा	डॉ. नृपेन गौड़, डॉ. विभूति मित्तल
37.	तृतीयक देखभाल अस्पताल में भर्ती बच्चों में तीव्र विषाक्तता का नैदानिक प्रोफ़ाइल और परिणाम - एक क्रॉस सेक्शनल अवलोकन अध्ययन।	13-06/ सी.ई.आर.टी./10 दिनांक 05.07.2024	डॉ. हिमांशु (बाल रोग)	प्रो. (डॉ.) पी. श्रीराम	डॉ. रमन शर्मा
38.	शारीरिक द्रव विश्लेषण में ऑप्टिकल माइक्रोस्कोपी और स्वचालित कोशिका विश्लेषकों का तुलनात्मक अध्ययन	13-06/ सीईआरटी/18	डॉ. मीशा सुमन (पैथोलॉजी)	डॉ. मनुप्रिया	डॉ. तरूणप्रीत सैनी, डॉ. तरूण शर्मा, डॉ. चन्द्रदीप शर्मा, डॉ. सुमिता शर्मा, डॉ. नवप्रीत
39.	ओरल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में ट्यूमर बडिंग और ट्यूमर-इन्फिल्ट्रेटिंग लिम्फोसाइट्स का पूर्वानुमानात्मक महत्व: एक सहसंबंधी अध्ययन	13-06/ सीईआरटी/17	डॉ. नेहा (पैथोलॉजी)	डॉ. मनुप्रिया शर्मा	डॉ. गुरविंदर कौर, डॉ. सुदेश कुमार, डॉ. नेहा चौहान, डॉ. लोकेश राणा, डॉ चित्रेश कुमार

क्र. सं.	थीसिस/ शोध प्रबंध का शीर्षक	आईईसी अनुमोदन संख्या	स्नातकोत्तर छात्र का नाम	मार्गदर्शक का नाम	सह-मार्गदर्शक का नाम
40.	टाइप 2 मधुमेह रोगियों में दवा पालन पर मोबाइल आधारित हस्तक्षेप की उपयोगिता का मूल्यांकन	24-08/ सीईआरटी/04	डॉ. बाला दिवाकर (फार्माकोलॉजी)	प्रो. (डॉ.) दीप्ति चोपड़ा	प्रो. (डॉ.) दीप्ति चोपड़ा
41.	ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया रोगी में स्वायत्त कार्य और रक्त मापदंडों पर सकारात्मक वायुमार्ग दबाव चिकित्सा का प्रभाव	एमओएम25-06	डॉ. श्रेया पांडे (फिजियोलॉजी)	प्रो. (डॉ.) रूपाली पारलेवार	डॉ. पुनम वर्मा, डॉ. भूपेन्द्र पटेल, डॉ. तरूण शर्मा, डॉ. हितेश जानी
42.	ओपिओइड पर निर्भर रोगियों में प्रीगैबलिन के दुरुपयोग और अन्य मनो-सक्रिय पदार्थों के उपयोग का एक अध्ययन	11-4-25/ सीईआरटी	डॉ. शुभंकर अवस्थी (मनोरोग)	डॉ. ज्योति गुप्ता	डॉ. अशोक के दुबे, डॉ. भूपेन्द्र यादव
43.	संदर्भ मानक के रूप में पोस्ट-ऑपरेटिव हिस्टोपैथोलॉजी का उपयोग करके तीव्र एपेंडिसाइटिस के मूल्यांकन में दोहरे स्रोत दोहरी ऊर्जा सीटी की नैदानिक सटीकता का निर्धारण करना	24-01/ सीईआरटी/05	डॉ. अरमान गुप्ता (रेडियोलॉजी)	प्रो. (डॉ.) नरवीर सिंह चौहान	डॉ. लोकेश राणा, डॉ. मोहिम ठाकुर, डॉ. मनुप्रिया शर्मा
44.	सिर और गर्दन की दुर्दमता में मेटास्टेटिक सरवाइकल एलएपी के आकलन के लिए दोहरी ऊर्जा सीटी, प्रसार भारित और रासायनिक शिफ्ट एमआर से युक्त एक तुलनात्मक अध्ययन जिसमें संदर्भ मानक के रूप में हिस्टोपैथोलॉजिकल मूल्यांकन शामिल है	24-01/ सीईआरटी/06	डॉ. राजेश खन्ना (रेडियोलॉजी)	डॉ. लोकेश राणा	प्रो. (डॉ.) नरवीर सिंह चौहान, डॉ. सुदेश कुमार, डॉ. मनुप्रिया शर्मा
45.	अंतर्गर्भाशयी विकास प्रतिबंध (आईयूजीआर) के नैदानिक मूल्यांकन में डॉपलर अल्ट्रासाउंड सूचकांकों के साथ प्लेसेंटा के एमआरआई प्रसार भारित इमेजिंग (डीडब्ल्यूआई) की तुलना: एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन।	13-06/ सीईआरटी/12	डॉ. विदुषी धीमान (रेडियोलॉजी)	प्रो. (डॉ.) नरवीर सिंह चौहान	डॉ. लोकेश राणा, डॉ. चंद्रदीप शर्मा
46.	एमआरआई-पीडीएफएफ को संदर्भ मानक के रूप में लेकर मेटाबोलिक डिसफंक्शन से जुड़े स्टेटोटिक लिवर रोग (एमएएसएलडी) के रोगियों में हेपेटिक स्टेटोसिस का पता लगाने	13-06/ सीईआरटी/13	डॉ. विनय शर्मा (रेडियोलॉजी)	डॉ. लोकेश राणा	प्रो. (डॉ.) नरवीर सिंह चौहान, डॉ. सुमिता शर्मा, डॉ. भूपिंदर

क्र. सं.	थीसिस/ शोध प्रबंध का शीर्षक	आईईसी अनुमोदन संख्या	स्नातकोत्तर छात्र का नाम	मार्गदर्शक का नाम	सह-मार्गदर्शक का नाम
	और उसे वर्गीकृत करने में पारंपरिक बी-मोड यूएसजी और मात्रात्मक यूएसजी की उपयोगिता की तुलना करना - एक अवलोकन अध्ययन				कुमार, डॉ. नवप्रीत, डॉ. वरुण बंसल
47.	दर्दनाक रीढ़ की हड्डी की चोट के आकलन में एमआरआई डिफ्यूजन टेंसर इमेजिंग का मूल्यांकन: एक क्रॉस-सेक्शनल अवलोकन अध्ययन।	दिसंबर/पीजी/ 24-18	डॉ. दीपेश प्रसाद (रेडियोलॉजी)	प्रो. (डॉ.) नरवीर सिंह चौहान	डॉ. लोकेश राणा
48.	सीटी स्कैन और कोएक्सियल सुई बायोप्सी का उपयोग करके फेफड़ों के द्रव्यमान का मूल्यांकन	दिसंबर/पीजी/ 24-17	डॉ. ऋतांशु जयसवाल (रेडियोलॉजी)	डॉ. लोकेश राणा	प्रो. (डॉ.) नरवीर सिंह चौहान, डॉ. प्रवेश धीमान, डॉ. मनुप्रिया शर्मा, डॉ. मुनीन्द्र नेगी
49.	मौखिक कैंसर के लिए माइक्रोवैस्कुलर फ्री फ्लैप पुनर्निर्माण के परिणाम	डीईसी/ डीएमएमसीएच/ 24-06	डॉ. अजय कुमार (सर्जिकल ऑन्कोलॉजी)	डॉ. चित्रेश कुमार	डा. मुनीन्द्र कुमार, डा. नवनीत शर्मा, डा. दिनेश वर्मा, डा. सुदेश कुमार
50.	स्वैच्छिक रक्तदाताओं में β-थैलेसीमिया लक्षण की व्यापकता - एक संभावित अवलोकन अध्ययन।	13-06/ सीईआरटी/16	डॉ. अलीशा सोलंकी सिंह (ट्रांसफ़्यूज़न मेडिसिन)	डॉ. राकेश कुमार	डॉ. दीप्ति मलिक, डॉ. अनुपमा धीमान

परीक्षा अनुभाग

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान बिलासपुर

ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES BILASPUR

सर्वे सन्तु निरामयाः

परीक्षा अनुभाग

अधिकारी

पदनाम	नाम
अधिष्ठाता (परीक्षा)	प्रो. (डॉ.) निधि पुरी
सह-अधिष्ठाता (परीक्षा)	डॉ. पुनम वर्मा
सहायक परीक्षा नियंत्रक	श्री कुलदीप कुमार शर्मा

परीक्षा अनुभाग एम्स बिलासपुर में संपूर्ण शैक्षणिक मूल्यांकन प्रक्रिया का सावधानीपूर्वक प्रबंधन करता है, पारदर्शिता और सत्यनिष्ठा सुनिश्चित करता है। इसमें संपूर्ण परीक्षा चक्र की देखरेख शामिल है:

क. योजना: प्रश्नपत्रों का समय निर्धारण, तैयारी और सुरक्षा।

ख. कार्यान्वयन: नियंत्रित और निष्पक्ष वातावरण में परीक्षा का संचालन।

ग. मूल्यांकन: परिणामों का प्रसंस्करण और आधिकारिक अभिलेखों का प्रबंधन।

विभाग गुणवत्ता मूल्यांकन के लिए प्रतिबद्ध है, तथा ऐसे उपकरणों का डिजाइन तैयार करता है जो सरल स्मरण से आगे बढ़कर छात्रों की समझ, विश्लेषणात्मक क्षमता और उन्नत समस्या-समाधान कौशल का व्यापक मूल्यांकन करते हैं।

परीक्षा उप-समिति: ये उप-समितियां आवश्यकतानुसार परीक्षा संचालन की विभिन्न प्रक्रियाओं में सहायता करती हैं।

एम.बी.बी.एस. समिति

क्र. सं.	नाम	पदनाम	विभाग
1.	डॉ नवीन कुमार	सह-आचार्य	बाल रोग
2.	डॉ. मंजू दरोच	सह-आचार्य	त्वचा विज्ञान
3.	डॉ. प्रीति सी भंडेरी	सह-आचार्य	शरीर क्रिया विज्ञान
4.	डॉ. अनुपमा धीमान	सह-आचार्य	सीएफएम
5.	डॉ संजुक्ता नाइक	सहायक आचार्य	जैव रसायन विज्ञान
6.	डॉ. मोनाली पी हिवारकर	सहायक आचार्य	शरीर रचना विज्ञान
7.	सुश्री शिवरंजनी	बाल मनोवैज्ञानिक	मनोचिकित्सा

पी.जी./एस.एस. समिति

क्र. सं.	नाम	पदनाम	विभाग
1.	डॉ. नलिनी ए	सह-आचार्य	नवजात शिशु विज्ञान
2.	डॉ. भाग्य श्री	सह-आचार्य	शरीर रचना विज्ञान
3.	डॉ. सौम्या चोपड़ा	सह-आचार्य	सामान्य शल्य चिकित्सा
4.	डॉ. नवप्रीत	सह-आचार्य	बाल रोग
5.	डॉ. रमन शर्मा	सहायक आचार्य	सीएफएम
6.	सुश्री हिमानी	भौतिक चिकित्सा विज्ञानी	मनोचिकित्सा

बी.एससी. नर्सिंग (ऑनर्स)

क्र. सं.	नाम	पदनाम	विभाग
1.	डॉ. लक्ष्मी के सांख्यान	सहायक आचार्य	सीटीवीएस
2.	डॉ. मोनिका शर्मा	सह-आचार्य	कॉलेज ऑफ नर्सिंग
3.	डॉ.अंशुल शर्मा	सहायक आचार्य	न्यूक्लियर मेडिसिन
4.	डॉ. सुमनदीप कौर	सह-आचार्य	कॉलेज ऑफ नर्सिंग
5.	श्री अरविन्द कुमार	भौतिक चिकित्सा विज्ञानी	रेडिएशन ऑन्कोलॉजी

बी.एससी. पैरामेडिकल/अन्य

क्र. सं.	नाम	पदनाम	विभाग
1.	डॉ. अवुला नवीन	सह-आचार्य	औषध विज्ञान
2.	डॉ. देवेन्द्र	सहायक आचार्य	हड्डी रोग
3.	डॉ. वरुण बंसल	सहायक आचार्य	विकिरण विज्ञान
4.	डॉ. ओंजल के तायवाड़े	सहायक आचार्य	जैव रसायन विज्ञान
5.	कुमारी अर्चना कश्यप	नैदानिक मनोविज्ञानी	मनोचिकित्सा

स्नातक/स्नातकोत्तर/सुपर स्पेशियलिटी परीक्षा के लिए परीक्षा बोर्ड

नियमित एवं पूरक परीक्षाओं के कार्यक्रम निर्धारण के लिए

क्र. सं.	संकाय/अधिकारियों का नाम	पदनाम
1.	प्रो. (डॉ.) निधि पुरी,	अध्यक्ष
2.	सभी संबंधित विभागाध्यक्ष/संकाय प्रभारी	सदस्य
3.	(डॉ.) पूनम वर्मा,	सदस्य
4.	श्री कुलदीप कुमार शर्मा	सदस्य सचिव

आयोजित स्नातक व्यावसायिक/वार्षिक परीक्षाओं का विवरण

क्र. सं.	माह और वर्ष	बैच	परीक्षा	कुल उम्मीदवार	उत्तीर्ण	असफल	अनुपस्थित
1.	मई 2024	2020	फाइनल प्रोफेशनल पार्ट-I (पूरक)	17	13	4	0
2.	जुलाई 2024	2021	द्वितीय प्रोफेशनल – नियमित	49	44	4	1
3.	अगस्त 2024	2023	प्रथम प्रोफेशनल – नियमित	100	85	6	9
4.	अगस्त 2024	2022	प्रथम प्रोफेशनल – पूरक	5	2	3	0
5.	सितंबर 2024	2023	बी.एस.सी. (पैरा मेडिकल) – प्रथम वर्ष नियमित	18	9	5	4
6.	सितंबर 2024	2022	बी.एस.सी. (नर्सिंग) – द्वितीय वर्ष नियमित	26	25	0	1
7.	सितंबर 2024	2023	बी.एस.सी. (नर्सिंग) – प्रथम वर्ष नियमित	32	32	0	0
8.	अक्टूबर 2024	2021	द्वितीय प्रोफेशनल – पूरक	5	4	1	0
9.	अक्टूबर 2024	2022	बी.एस.सी. (पैरा मेडिकल) – द्वितीय वर्ष नियमित	9	9	0	0
10.	नवम्बर 2024	2023	प्रथम प्रोफेशनल – पूरक	15	11	3	1
11.	नवम्बर 2024	2023	बी.एस.सी. (पैरा मेडिकल) – पूरक, प्रथम वर्ष	9	1	5	3
12.	दिसम्बर 2024	2022	बी.एस.सी. (नर्सिंग) – द्वितीय वर्ष पूरक	1	1	0	0
13.	फरवरी 2025	2020	फाइनल प्रोफेशनल पार्ट-II – नियमित	50	28	1	21
	कुल			**336**	**264**	**32**	**40**

आयोजित प्रवेश परीक्षा का विवरण

क्र. सं.	पाठ्यक्रम	परीक्षा की तिथि	आवेदन करने वाले उम्मीदवार	पात्र उम्मीदवार	उपस्थित उम्मीदवार
1.	ईएमटी	25-01-2025	103	91	55

आयोजित भर्ती परीक्षा का विवरण

क्र. सं.	पाठ्यक्रम	परीक्षा की तिथि	आवेदन करने वाले उम्मीदवार	पात्र उम्मीदवार
1.	जूनियर रेजिडेंट (गैर-शैक्षणिक)	02/12/2024	76	70

उपलब्धियाँ

- परीक्षा अनुभाग द्वारा पहली बार प्रथम प्रवेश परीक्षा (ईएमटी पाठ्यक्रम हेतु) और भर्ती परीक्षा (गैर-शैक्षणिक जूनियर रेजिडेंट और वीआरडीएल तकनीशियन हेतु) आयोजित की गई।
- सभी परीक्षाएँ गोपनीयता और सुरक्षा प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन करते हुए निर्धारित समय के अनुसार सफलतापूर्वक आयोजित की गईं।
- प्रश्नपत्रों में संज्ञानात्मक क्षेत्रों के सभी पहलुओं को शामिल किया गया जिससे व्यापक मूल्यांकन सुनिश्चित हुआ।
- विभागों, आंतरिक और बाह्य परीक्षकों के बीच समन्वय सुव्यवस्थित रहा।
- परीक्षा अवधि के दौरान किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या प्रक्रियागत चूक की सूचना नहीं मिली।
- छात्रों को नियमित रूप से अंकतालिकाएँ वितरित की जा रही हैं।

भविष्य की योजनाएँ

- संकाय विकास पहल के तहत विभिन्न परीक्षाओं के लिए मूल्यांकन विधियों पर संकाय प्रशिक्षण आयोजित करना।
- एम्स, बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश में मूल्यांकन की एक व्यापक नियमावली विकसित करना।
- एम.बी.बी.एस. और बीएससी नर्सिंग पाठ्यक्रमों के लिए प्रश्न बैंकों का व्यवस्थित संकलन, आसान पुनर्प्राप्ति के लिए नैदानिक विगनेट्स की कोडिंग के साथ।
- सभी परीक्षा प्रश्न पत्रों और प्रश्न बैंकों का बैकअप सुनिश्चित करना, जो हार्ड डिस्क और क्लाउड दोनों पर संग्रहीत हों।
- एक्सेल, गूगल ड्राइव को संभालने और ईमेल और गूगल ड्राइव विकल्पों के साथ प्रभावी ढंग से काम करने के लिए कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान करना।
- परीक्षा आयोजित करने में शामिल सभी आंतरिक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करना, जिसमें शामिल हैं:
  - उपयुक्तता के लिए प्रश्न पत्रों की प्रारंभिक जाँच।
  - परीक्षा के दिन के लिए कार्य सूची तैयार करना।
  - परीक्षा से संबंधित पत्रों और नोट शीट का संकलन।
  - ओएमआर शीट की समीक्षा और संशोधन।
  - सहायक कर्मचारियों, निरीक्षकों, मुख्य निरीक्षकों, परीक्षा अधीक्षकों और पारिश्रमिक प्रारूपों की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों का स्पष्टीकरण।
- परीक्षा संचालन के दौरान विभिन्न प्रक्रियाओं पर परीक्षा सहायक कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान करना।

वार्षिक प्रतिवेदन समिति

बैठे हुए (बाएँ से दाएँ): *डॉ. सुष्रुति (सदस्य सचिव), डॉ. अनुपम (अधिष्ठाता–अनुसंधान), डॉ. रुपाली (अधिष्ठाता–शैक्षणिक), लेफ्टिनेंट जनरल (डॉ.) दलजीत सिंह (से.नि.), कार्यकारी निदेशक, लेफ्टिनेंट कर्नल विश्वास प्रदीप परांजपे (उप निदेशक–प्रशासन) तथा डॉ. यतिराज (अध्यक्ष)*

खड़े हुए (बाएँ से दाएँ): *डॉ. सुमिता, डॉ. नलिनी, डॉ. विभूति, डॉ. सुमनदीप, डॉ. निकिता, श्री आशिष, श्री विजय पाल, डॉ. राकेश कुमार, श्री शिवेन्दु तथा श्री उमेश*

क्र. सं.	नाम	पदनाम	भूमिका
1.	प्रो. (डॉ.) यतिराज सिंगी	आचार्य	अध्यक्ष
2.	डॉ. सुमिता शर्मा	अतिरिक्त आचार्य	सदस्य
3.	डॉ. नलिनी ए.	सह-आचार्य	सदस्य
4.	डॉ. सुष्रुति कौशल	सह-आचार्य	सदस्य सचिव
5.	डॉ. राकेश कुमार सिंह	कुलसचिव	सदस्य
6.	डॉ. वरिंदर कौर	सह-आचार्य	सदस्य
7.	डॉ. निकिता शर्मा	सहायक आचार्य	सदस्य
8.	डॉ. विभूति सेठी	सहायक आचार्य	सदस्य
9.	डॉ. सुमनदीप कौर	सहायक आचार्य	सदस्य
10.	श्री अशिष पाटियाल	कार्यकारी अभियंता (सिविल)	सदस्य
11.	श्री विजय पाल सिंह	लेखा अधिकारी	सदस्य
12.	श्री उमेश, पुस्तकालयाध्यक्ष (ग्रेड–III)	पुस्तकालयाध्यक्ष (श्रेणी-तृतीय)	सदस्य
13.	श्री शिवेन्दु गौतम	कनिष्ठ हिंदी अनुवादक	सदस्य

(ग्राफ़िक डिज़ाइनर: श्री अंकितेश चंदेल)

विभागीय वार्षिक रिपोर्ट

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान बिलासपुर

ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES BILASPUR

सर्वे सन्तु निरामयाः

संज्ञाहरण एवं गहन चिकित्सा विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पदनाम	कार्यभार ग्रहण की तिथि
1.	डॉ. विजयलक्ष्मी शिवापुरापु	अतिरिक्त आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	29.08.2023
2.	डॉ. सुनील ठाकुर	सह-आचार्य	01.12.2023
3.	डॉ. पूजा गुरनाल	सहायक आचार्य	23.11.2020
4.	डॉ. आयशा गोयल	सहायक आचार्य	14.12.2023 (24.12.2024 तक)
5.	डॉ. व्रिंदा चौहान	सहायक आचार्य	20.04.2024
6.	डॉ. अमृता बनर्जी	सहायक आचार्य	20.04.2024
7.	डॉ. विजयंथी वी	सहायक आचार्य	04.10.2024 (20.03.2025 तक)

विभाग के विषय में

परिचय

संज्ञाहरण एक अत्यंत महत्वपूर्ण एवं प्रगतिशील चिकित्सीय विशेषता है, जिसका उद्देश्य शल्य, नैदानिक एवं उपचारात्मक प्रक्रियाओं के दौरान रोगियों की पूर्ण सुरक्षा एवं सुविधा सुनिश्चित करना है। यह विशेषता आपातकालीन एवं गंभीर परिस्थितियों में महत्वपूर्ण चिकित्सीय हस्तक्षेपों से संबंधित है और विभाग की सुदृढ़ता संस्थान में स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता एवं रोगी परिणामों को सीधे प्रभावित करती है। एम्स बिलासपुर का संज्ञाहरण एवं गहन चिकित्सा विभाग, पेरिऑपरेटिव केयर और तीव्र आपातकालीन सेवाओं की रीढ़ है, जो मरीजों को चौबीसों घंटे गुणवत्तापूर्ण देखभाल और सेवाएं प्रदान करता है।

दृष्टिकोण :

- विभाग संज्ञाहरण सेवाओं में अग्रणी भूमिका निभाते हुए नैदानिक कार्य, शिक्षा तथा अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है।
- विभाग में वर्तमान में प्रारंभिक अनुकरण (सिमुलेशन) व्यवस्था संचालित है, जिसे अत्याधुनिक अनुकरण प्रयोगशाला के रूप में विकसित किए जाने का लक्ष्य है।
- गहन देखभाल (क्रिटिकल केयर) में डी.एम. पाठ्यक्रम को संस्थान के बोर्ड द्वारा अनुमोदन प्राप्त हो चुका है।
- बाल संज्ञाहरण (पीडियाट्रिक एनेस्थीसियोलॉजी) एवं कैंसर संज्ञाहरण (ऑन्कोएनेस्थीसिया) में स्नातकोत्तर डिग्री प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम प्रारंभ करने का प्रस्ताव।
- स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को संज्ञाहरण के क्षेत्र में नवीनतम प्रगति से अवगत कराने हेतु राष्ट्रीय सम्मेलन एवं कार्यशालाओं का आयोजन।
- दीर्घकालिक पीड़ा (क्रॉनिक पेन) सेवाओं का विस्तार करते हुए रेडियो-फ्रीक्वेंसी एब्लेशन जैसी उन्नत विधियों एवं हस्तक्षेपों को सम्मिलित करना।
- संज्ञाहरण के क्षेत्र में नवाचारपरक एवं प्रभावशाली अनुसंधान कर रोगी देखभाल के परिणामों में सुधार लाना।
- चिकित्साविज्ञान में प्रगति को प्रोत्साहित करने हेतु अंतर्विषयी अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देना।
- समुदाय में संज्ञाहरण एवं ऑपरेशन-पूर्व और पश्चात देखभाल (पेरिऑपरेटिव केयर) के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के लिए कार्यक्रमों का आयोजन।
- राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संज्ञाहरण के क्षेत्र में नेतृत्व एवं पक्षधरता को सशक्त बनाना।

लक्ष्य

उत्कृष्ट संज्ञाहरण सेवाएं, पीड़ा प्रबंधन एवं गहन चिकित्सा सेवाएं प्रदान करना तथा नवाचारपरक अनुसंधान और समग्र शिक्षण के माध्यम से इस क्षेत्र को निरंतर अग्रसर करना।

रोगी देखभाल सेवाएं

1. **ऑपरेशन थिएटर :** विभाग ने कार्यरत ऑपरेशन थिएटरों की संख्या 3 से बढ़ाकर 8 कर दी है, साथ ही एक आपातकालीन ऑपरेशन थिएटर 24 घंटे संचालित हो रहा है। विभाग अत्याधुनिक उपकरणों एवं विशेषज्ञ अनुभव से सुसज्जित है, जिससे उच्च जोखिम वाले मामलों का सफलतापूर्वक प्रबंधन किया जा रहा है। विभाग द्वारा न्यूरोसर्जरी, बाल शल्य चिकित्सा, मूत्ररोग शल्य चिकित्सा, कैंसर शल्य चिकित्सा आदि विभिन्न शल्य चिकित्सा विशेषज्ञताओं एवं सुपर-स्पेशलिटीज़ को संज्ञाहरण सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। पिछले एक वर्ष में 7 सफल गुर्दा प्रत्यारोपण (किडनी ट्रांसप्लांट) के लिए पेरिऑपरेटिव देखभाल प्रदान की गई है।
2. **पूर्व-संज्ञाहरण क्लिनिक :** पूर्व-संज्ञाहरण क्लिनिक में वरिष्ठ एवं कनिष्ठ निवासी चिकित्सकों की नियमित

उपस्थिति तथा संकाय सदस्यों के सतत मार्गदर्शन से रोगी देखभाल वितरण प्रणाली को सुदृढ़ किया गया है। प्रति माह लगभग 1000 पूर्व-संज्ञाहरण जांचें की जा रही हैं।

3. **पेरिऑपरेटिव चिकित्सा :** विभाग शल्य क्रिया से पूर्व, शल्य क्रिया के दौरान एवं पश्चात रोगियों की समग्र देखभाल में सक्रिय रूप से संलग्न है। संज्ञाहरण विशेषज्ञ शल्य क्रिया से पहले रोगियों की स्वास्थ्य स्थिति का मूल्यांकन एवं अनुकूलन करते हैं ताकि शल्य क्रिया के परिणाम सुरक्षित रहें।
4. **तीव्र पीड़ा प्रबंधन सेवाएं :** विभाग तीव्र पीड़ा प्रबंधन के लिए प्रतिबद्ध है तथा दवा आधारित उपचार, केंद्रीय न्यूराक्षीय तकनीक एवं अल्ट्रासोनोग्राफी मार्गदर्शित पेरिफेरल नर्व ब्लॉक जैसी विविध हस्तक्षेप विधियों द्वारा प्रभावी सेवा प्रदान कर रहा है।
5. **गैर-ऑपरेशन थिएटर संज्ञाहरण सेवाएं:** विभाग सप्ताह में तीन बार विभिन्न इंटरवेंशन एवं नैदानिक रेडियोलॉजी प्रक्रियाओं हेतु संज्ञाहरण सेवाएं प्रदान करता है।
6. **गहन चिकित्सा इकाई :** जनवरी 2024 से विभाग द्वारा 10 बिस्तरों की गहन चिकित्सा इकाई (सीसीयू) प्रारंभ की गई है, जिसमें गंभीर रूप से बीमार रोगियों को सेवाएं दी जा रही हैं। वायुमार्ग प्रबंधन, पुनर्जीवन एवं उन्नत मॉनिटरिंग में संज्ञाहरण विशेषज्ञों का अनुभव उच्च जोखिम वाले मामलों में बेहतर पेरिऑपरेटिव परिणाम सुनिश्चित करता है।
7. **शैक्षणिक पाठ्यक्रम :** विभाग में एम.डी. संज्ञाहरण का स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम संचालित है, जिसमें प्रतिवर्ष 8 विद्यार्थियों का प्रवेश होता है। साथ ही, बी.एससी. ओटी तकनीशियन प्रशिक्षण भी संज्ञाहरण एवं पेरिऑपरेटिव देखभाल के क्षेत्र में विभाग द्वारा प्रदान किया जा रहा है।

भविष्य की योजनाएँ:

क. नैदानिक देखभाल

1. रोगी देखभाल सेवाओं का विस्तार: सुपर-स्पेशलिटी एवं अन्य शल्य विभागों के लिए ऑपरेशन थिएटरों की संख्या बढ़ाना।
2. हृदय–छाती–स्नायु संबंधी शल्य क्रियाओं (कार्डियोथोरैसिक वेस्कुलर सर्जरी) के लिए हृदय संज्ञाहरण सेवाएं प्रदान करना।
3. गहन चिकित्सा इकाई की सेवाओं का विस्तार एवं उन्नयन।
4. तीव्र पीड़ा प्रबंधन एवं संबंधित हस्तक्षेपों को सुदृढ़ करना।
5. दीर्घकालिक पीड़ा सेवाओं का उन्नयन, पीड़ा क्लिनिक सुविधाओं का विस्तार एवं उन्नत हस्तक्षेप प्रक्रियाओं को सम्मिलित करना।
6. पूर्व-संज्ञाहरण नैदानिक सेवाओं को और सुदृढ़ बनाना।

ख. शिक्षा एवं प्रशिक्षण

1. गहन चिकित्सा, कैंसर संज्ञाहरण एवं बाल संज्ञाहरण में सुपर-स्पेशलिटी/उपविशेषता पाठ्यक्रम प्रारंभ करना।
2. वर्तमान में प्रति वर्ष 5 बी.एससी. ओटी तकनीशियन विद्यार्थियों का प्रशिक्षण।
3. एम.बी.बी.एस. एवं स्नातकोत्तर छात्रों के शिक्षण और प्रशिक्षण के लिए कौशल प्रयोगशाला एवं अनुकरण का निर्माण।
4. विभागीय पुस्तकालय और संग्रहालय की स्थापना।

ग. अनुसंधान

विभाग अनुसंधान के माध्यम से क्षेत्र में प्रगति के लिए प्रतिबद्ध है, जैसे संज्ञाहरण तकनीक, पीड़ा तंत्र, एवं रोगी सुरक्षा। चिकित्सा विज्ञान में नवाचार को बढ़ावा देने हेतु अंतर्विषयी अनुसंधान सहयोग को प्रोत्साहित करना।

घ. सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम

विभाग संज्ञाहरण और पेरिऑपरेटिव देखभाल के प्रति जनता में जागरूकता बढ़ाने के लिए सामुदायिक कार्यक्रमों में अधिक सक्रिय भागीदारी करेगा। हम प्रत्येक समुदाय सदस्य को मूल जीवन समर्थन प्रशिक्षण देने के अपने लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्ध हैं। पूर्व-संज्ञाहरण नैदानिक और रोगी प्रतीक्षा क्षेत्र में दिखाने हेतु, संज्ञाहरण एवं संबंधित विषयों पर शैक्षणिक वीडियो तैयार करना।

सीएमई/कार्यशाला/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन

क्र.सं.	कार्यक्रम का शीर्षक	कार्यक्रम का प्रकार	विषय/ केंद्रित विषय	तिथि एवं स्थान	आयोजन समिति	सहयोगी संस्थाएँ (यदि कोई हों)	सहभागिता
1.	राष्ट्रीय पोकस कार्यशाला	कार्यशाला	पोकस	10 नवंबर 2024	संज्ञाहरण विभाग	संज्ञाहरण एवं नैदानिक औषधि विज्ञान अनुसंधान समिति	-

2.	एईडी प्रशिक्षण	संकाय प्रशिक्षण	एईडी	अक्टूबर 2024	संज्ञाहरण विभाग	-	एम्स के सभी संकाय

सीएमई/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुत व्याख्यान/पत्र एवं पोस्टर

क्र. सं.	संकाय सदस्य का नाम	व्याख्यान/शोध पत्र/पोस्टर का शीर्षक	योगदान का प्रकार	कार्यक्रम विवरण नाम/आयोजक/स्थान	तिथि
1.	डॉ. विजयलक्ष्मी शिवापुरापु	व्याख्यान – ट्रंकल ब्लॉक्स – अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न	अतिथि संकाय	5वां MAMC स्नातकोत्तर अद्यतन	अक्टूबर 2024
2.	डॉ. विजयलक्ष्मी शिवापुरापु	संकाय कार्यशाला - फाइबरऑप्टिक इंटुबैशन	संकाय कार्यशाला	एआरसी-स्नातकोत्तर रिफ्रेशर कोर्स	अक्टूबर 2024
3.	डॉ. विजयलक्ष्मी शिवापुरापु		संकाय कार्यशाला	आरएससीएपी, सीएपी और पीओसीयूएस राष्ट्रीय कार्यशाला एम्स, बिलासपुर	10 नवंबर 2024
4.	डॉ. सुनील ठाकुर	व्याख्यान – ब्लड पैच से परे: पोस्टडुरल पैचीय हेडेक (पीडीपीएच) प्रबंधन में नए आयाम	अतिथि व्याख्यान	एचपी-आईएसएकॉन-2025	30 -31 मार्च 2025
5.	डॉ. सुनील ठाकुर	टीआईवीए संकाय कार्यशाला	संकाय कार्यशाला	भारतीय नेत्र रोग विशेषज्ञ एनेस्थेसियोलॉजिस्ट एसोसिएशन का चौथा राष्ट्रीय सम्मेलन, स्नातकोत्तरआईएमईआर, चंडीगढ़	20 - 22 सितंबर 2024
6.	डॉ. सुनील ठाकुर		संकाय कार्यशाला	आरएससीएपी, सीएपी और पीओसीयूएस राष्ट्रीय कार्यशाला एम्स, बिलासपुर	10 नवंबर, 2024
7.	डॉ. पूजा गुरनाल	जीवन समर्थन	बीएलएस /एसीएलएस प्रशिक्षक	बीएलएस/एसीएलएस कार्यशाला, मेदांता अस्पताल, गुरूग्राम	22-24 जनवरी 2025 और 26-28 फ़रवरी 2025
8.	डॉ. पूजा गुरनाल		संकाय कार्यशाला	आरएससीएपी, सीएपी और पीओसीयूएस राष्ट्रीय कार्यशाला एम्स, बिलासपुर	10 नवंबर 2024
9.	डॉ. आयशा गोयल	लैरींगोस्कोपी और इंट्यूबेशन (प्रत्यक्ष और वीडियो लैरींगोस्कोप)	संकाय कार्यशाला	नवजात वायुमार्ग कार्यशाला 2024, स्नातकोत्तरआईएमईआर, चंडीगढ़	21 जुलाई 2024
10.	डॉ. वृंदा चौहान		संकाय कार्यशाला	आरएससीएपी, सीएपी और पीओसीयूएस राष्ट्रीय कार्यशाला एम्स, बिलासपुर	10 नवंबर 2024
11.	डॉ. अमृता बनर्जी		संकाय कार्यशाला	आरएससीएपी, सीएपी और पीओसीयूएस राष्ट्रीय कार्यशाला एम्स, बिलासपुर	10 नवंबर, 2024

12.	डॉ. अमृता बनर्जी	एनेस्थिसियोलॉजी प्रौद्योगिकी में नवाचार परिदृश्य पर संकाय वार्ता	संकाय व्याख्यान	आईएसए युवाकॉन, एचआईएमएस, देहरादून	2-4 अगस्त 2024
13.	डॉ. अमृता बनर्जी	पित्तवाहिनी अविवरता में नवजात संबंधी चिंताएँ	संकाय व्याख्यान	नास्कॉन 2024, नई दिल्ली	27-28 जुलाई 2024

प्रकाशन

शोध-पत्र

1) **ठाकुर एस.,** कंवर एम.एस., शर्मा ए., कौशल एस., मारवाह पी.डी., शर्मा एन., कुमार आर.। इलेक्टिव सीजेरियन डिलीवरी में प्रीऑपरेटिव ओरल कार्बोहाइड्रेट-युक्त तरल बनाम साधारण पानी: एक यादृच्छिक नैदानिक अध्ययन। J Perianesth Nurs. 2025 अप्रैल; 40(2):326-330. doi: 10.1016/j.jopan.2024.05.007
2) मधुसूदन एस., विमला एस., एस.एम., **गोयल ए.,** सिंगी वाई। इंटेंसिव केयर यूनिट में पोस्टऑपरेटिव न्यूरोसर्जिकल रोगियों को मानिटोल देने के बाद हेमोडायनामिक और सेरेब्रोवास्कुलर परिवर्तनों का क्रमिक मूल्यांकन: ट्रांसथोरासिक और ट्रांसक्रेनियल कलर डॉपलर अध्ययन का संयोजन। क्यूरियस. 2024 जुलाई 13;16(7):e64448. doi: 10.7759/क्यूरियस.64448. PMID: 39135834; PMCID: PMC11317847
3) **गोयल ए**, कुमार ए, सिंगी वाई, राव एस. बेसिक ट्रांसथोरेसिक इकोकार्डियोग्राफी का सिमुलेशन आधारित शिक्षण बनाम पॉइंट-ऑफ-केयर शिक्षण - एक संभावित यादृच्छिक श्रेष्ठता अध्ययन। एनेस्थीसिया एंड एनाल्जेसिया 2024 दिसंबर 1 (खंड 139, अंक 6) में। टू कॉमर्स स्क्वायर, 2001 मार्केट स्ट्रीट, फिलाडेल्फिया, पीए 19103 यूएसए: लिपिंकॉट विलियम्स एंड विल्किंस।

पुस्तक में अध्याय

क्र. सं.	लेखक का नाम	अध्याय / पुस्तक का शीर्षक	संपादक	आई.एस.बी.एन. संख्या	संस्करण एवं वर्ष	प्रकाशक
1.	डॉ. आयशा गोयल	द्वितीय एम.बी.बी.एस. हेतु मार्गदर्शक	यतिराज सिंगी	978-9356-964-488	17वाँ संस्करण, 2024	जे.पी. ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स प्रा. लि., नई दिल्ली
2.	डॉ. अमृता बैनर्जी	पीडियाट्रिक रीजनल एनेस्थीसिया में अप्रोच एवं समस्या-समाधान	मुकेश कुमार प्रसाद, सुखमिंदर जीत बाजवा		प्रथम संस्करण, अक्तूबर 2024	स्प्रिंगर ग्रुप ऑफ पब्लिकेशन्स

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ

डॉ. विजयलक्ष्मी शिवापुरापु

1) जर्नल ऑफ़ एनेस्थीसियोलॉजी क्लिनिकल फ़ार्माकोलॉजी द्वारा RSA-JOACP संपादकीय फैलोशिप के लिए चयनित, 2025-2026
2) 33वें वार्षिक और 4th अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, रिसर्च सोसाइटी ऑफ़ एनेस्थीसियोलॉजी क्लिनिकल फ़ार्माकोलॉजी, बाटिंडा, मार्च 2025 में संकाय ई-पोस्टर के लिए द्वितीय पुरस्कार प्राप्त

सामुदायिक सेवा

डॉ. आयशा गोयल

1) अमर उजाला में एक जागरूकता लेख प्रकाशित। 25.11.2024 सहमति के महत्व पर "अस्पताल में भर्ती रोगी की सर्जरी या अन्य प्रक्रिया के लिए सहमति आवश्यक"

शरीर रचना विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पदनाम	कार्यभार ग्रहण की तिथि
1.	प्रो. (डॉ.) निधि पुरी	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	18.10.2023
		अतिरिक्त आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	16.06.2022
2.	डॉ. संजय कुमार शर्मा	अतिरिक्त आचार्य	01.07.2024
		सह-आचार्य	23.11.2020
3.	डॉ. भाग्य श्री	सह-आचार्य	01.07.2024
		सहायक आचार्य	11.11.2020
4.	डॉ. सचिन सोनी	सह-आचार्य	01.07.2024
		सहायक आचार्य	23.11.2020
5.	डॉ. मोनाली हिरवारकर	सहायक आचार्य	14.06.2022 (05.01.2025 तक)
6.	डॉ. सुशांत स्वरूप दास	सहायक आचार्य	24.06.2022 (05.01.2025 तक)
7.	डॉ. कुमार संभव	सहायक आचार्य	24.03.2025

विभाग के विषय में

परिचय

शरीर रचना विभाग, संस्थान के प्रारंभिक स्थापित विभागों में से एक है, ने संस्थान में लागू शरीर रचना पाठ्यक्रम के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। यह विभाग स्नातक और परास्नातक स्तर पर चिकित्सा शिक्षण और प्रशिक्षण में सक्रिय है। विभाग विभिन्न शव संबंधित कार्यशालाओं का आयोजक और सहयोगी भी है, जो संकाय और परास्नातक प्रशिक्षण तथा शल्य और संबद्ध विषयों में कौशल विकास हेतु आयोजित की जाती हैं। विभाग कई शोध परियोजनाओं में भी शामिल है। विभाग में विक्षेदन हॉल, सूक्ष्मशरीर विज्ञान प्रयोगशाला और शोध प्रयोगशाला की आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध हैं।

दृष्टिकोण एवं लक्ष्य

विभाग का लक्ष्य ज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्टता स्थापित करना है, जिसके लिए:

- नवाचारी शिक्षण और अधिगम विधियों को अपनाना
- छात्रों और संकाय के संज्ञानात्मक, मनोचालित और भावनात्मक कौशल को बढ़ावा देना, जिसमें नैदानिक अनुप्रयोग और संवर्धित तथा आभासी वास्तविकता तकनीकों का समावेश हो
- शरीर रचना शिक्षण और नैदानिक अभ्यास के बीच अंतर को कम करना

विभाग ने वर्ष 2024-25 में वर्चुअल डिसेक्शन टेबल की खरीद शुरू की है।

रोगी देखभाल सेवाएँ

सामाजिक/यात्रा शव तैयारी

शैक्षणिक पाठ्यक्रम

विभाग एम.बी.बी.एस., बीएससी एलाइड हेल्थ साइंसेज़ और नर्सिंग (ऑनर्स) को प्रशिक्षण प्रदान करता है।

अनुसंधान एवं नवाचार

प्रकाशित पेटेंट: 01

"टाइटेनियम डाइऑक्साइड नैनोपार्टिकल संवर्धित फॉर्मालिन फिक्सेटिव ताकि फॉर्मलडिहाइड के वाष्पीकरण को कम किया जा सके और इसके हानिकारक प्रभावों को कम किया जा सके: चिकित्सा प्रयोगशालाओं में ऊतक संरक्षण की एक सुरक्षित और नवीन विधि"

आईसीएमआर एसटीएस परियोजनाएँ स्वीकृत: 02

1. हिमाचल प्रदेश के चिकित्सा छात्रों में विभिन्न चिकित्सा प्रणालियों के उपयोग पैटर्न और अनुभव की प्रभावशीलता का मूल्यांकन
2. परीक्षा तनाव का भावनात्मक बुद्धिमत्ता पर प्रभाव – एम.बी.बी.एस. छात्रों पर एक अध्ययन

भविष्य की योजनाएँ

- डिजिटल संग्रहालय और डिजिटल हिस्टोलॉजी प्रयोगशाला का विकास, स्नातक और स्नातकोत्तर शिक्षण एवं प्रशिक्षण के लिए
- अत्याधुनिक साइटोजेनेटिक प्रयोगशाला की स्थापना
- प्लास्टिनेशन प्रयोगशाला का विकास

- सुसज्जित शव कौशल प्रयोगशाला की स्थापना, ताकि बहु-विषयक हाथों-हाथ कार्यशालाएँ आयोजित की जा सकें
- डिजिटल संसाधन सामग्री का विकास, जिसमें MCQ बैंक और मानव शरीर रचना शिक्षण के लिए वर्चुअल 3D मॉडल शामिल हैं।

सीएमई /कार्यशालाओं/संगोष्ठियों/राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन

क्र. सं.	कार्यक्रम का शीर्षक	कार्यक्रम का प्रकार	विषय / केंद्रित क्षेत्र	तिथि एवं स्थान	आयोजन टीम	सहयोगी संस्थाएँ	प्रतिभागिता
1.	छठा चिकित्सीय शिक्षा एवं राष्ट्रीय शरीर रचना विशेषज्ञ संघ सम्मेलन	चिकित्सीय शिक्षा और सम्मेलन	3डी शरीर रचना अंतर्दृष्टि: नैदानिक उत्कृष्टता के लिए चिकित्सा शिक्षा में क्रांति	28.09.2024, एम्स बिलासपुर	डॉ. निधि पुरी (आयोजन अध्यक्ष)	राष्ट्रीय शरीर रचना विशेषज्ञ संघ का उत्तर चैप्टर	140

सीएमई/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान/पत्र या पोस्टर प्रस्तुत किए गए

क्र. सं.	संकाय सदस्य का नाम	व्याख्यान / शोध पत्र / पोस्टर का शीर्षक	योगदान का प्रकार	कार्यक्रम का विवरण (नाम / आयोजक / स्थान)	तिथि
1.	डॉ. संजय कुमार शर्मा	विशिष्ट इम्यूनोहिस्टोकेमिकल लक्ष्य प्रोटीनों का उपयोग करके शीर्ष ग्रीवा गैंग्लिया के न्यूरॉन्स के बीच गैप जंक्शनों का स्थानिक अध्ययन	शोध पत्र प्रस्तुति	SOCA, डॉ. वाई. पाटिल मेडिकल कॉलेज, पिंपरी, पुणे	5-6 अप्रैल 2024
2.	डॉ. भाग्यश्री	वयस्क मानव शव हृदयों में मानव माइट्रल वाल्व की कुमिसूर की आकारिकी और रूपमितीय अध्ययन	शोध पत्र प्रस्तुति	नैटकॉन-71, एसजीआरडी मेडिकल कॉलेज और स्वास्थ्य विज्ञान संस्थान, श्री अमृतसर, पंजाब	21-24 नवम्बर 2024
3.	डॉ. सचिन सोनी	डुप्लिकेट यूरिटर, कैल्सिफाइड सिस्ट और दाहिने वृक्क की रीनल धमनी का प्रारंभिक विभाजन – एक केस अध्ययन	शोध पत्र प्रस्तुति	नैटकॉन-71, एसजीआरडी मेडिकल कॉलेज और स्वास्थ्य विज्ञान संस्थान, श्री अमृतसर, पंजाब	21-24 नवम्बर 2024

जैवरसायन विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पदनाम	कार्यभार ग्रहण की तिथि
1.	डॉ. साधना शर्मा	आचार्य (संविदात्मक)	16.11.2023 (15.11.2024 तक)
2.	डॉ. सुमिता शर्मा	अतिरिक्त आचार्य	01.07.2024
		सह-आचार्य	16.11.2020
3.	डॉ. दीप्ती मलिक	सह-आचार्य	01.07.2024
		सहायक आचार्य	11.11.2020
4.	डॉ. ओंजल के. तायवडे	सहायक आचार्य	20.11.2020 (03.01.2025 तक)
5.	डॉ. अनुराग संख्यान	सह-आचार्य	01.07.2025
		सहायक आचार्य	24.06.2021
6.	डॉ. संजुक्ता नाइक	सहायक आचार्य	17.01.2024

विभाग के विषय में

परिचय

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर में रसायन विज्ञान विभाग की स्थापना उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा और अनुसंधान के अवसर प्रदान करने हेतु की गई है। यह विभाग स्नातक, परास्नातक और पीएच.डी. स्तर के विद्यार्थियों के लिए अध्ययन और अनुसंधान के अवसर उपलब्ध कराता है। साथ ही, यह विभाग रोगियों की देखभाल हेतु आवश्यक प्रयोगशाला सेवाएँ भी प्रदान करता है।

दृष्टि

विभाग का उद्देश्य शिक्षा, अनुसंधान और नैदानिक प्रयोगशालाओं के क्षेत्र में उत्कृष्टता का एक प्रमुख केन्द्र बनना है।

लक्ष्य

विभाग का लक्ष्य एक आदर्श विभाग का निर्माण करना है, जो स्नातक एवं परास्नातक छात्रों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने में अग्रणी हो। विभाग राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं का विकास कर सटीक और विश्वसनीय परीक्षण परिणाम सुनिश्चित करता है। सहयोगात्मक अनुसंधान वातावरण के निर्माण के माध्यम से विभाग चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान करने का प्रयास करता है, जिससे रोगियों के उपचार परिणामों में सुधार हो।

रोगी देखभाल सेवाएँ

विभाग निदान सेवाएँ हिंदलैब्स और संस्थागत रसायन विज्ञान प्रयोगशाला (निदान खंड C) के माध्यम से प्रदान करता है। हिंदलैब्स की रसायन विज्ञान सेवाओं का संचालन विभाग द्वारा किया जाता है तथा संकाय सदस्य दैनिक कार्य संचालन और रिपोर्टों के प्रमाणीकरण की निरंतर निगरानी करते हैं। अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक विभाग ने दस लाख से अधिक परीक्षणों की समीक्षा की है। प्रयोगशाला की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु आंतरिक गुणवत्ता नियंत्रण कार्यक्रम दैनिक रूप से तथा बाह्य गुणवत्ता आश्वासन योजनाओं में मासिक रूप से भागीदारी द्वारा निगरानी की जा रही है। दिसंबर 2024 से विभाग ने आपातकालीन रोगियों के लिए गुर्दे और यकृत कार्य परीक्षण प्रारंभ किए। इसके उपरांत निदान खंड C की प्रयोगशाला में एंटी-टीपीओ, मूत्र संबंधी परीक्षण (यूरिया, यूरिक अम्ल, लवण), लिथियम, अमोनिया और ऑस्मोलैलिटी परीक्षण शामिल किए गए। ये सभी सेवाएँ चौबीस घंटे उपलब्ध हैं और अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक निदान खंड में पचास हजार से अधिक परीक्षण किए गए। इसके अतिरिक्त, विभाग ने आनुवंशिक निदान परीक्षण भी प्रारंभ किए हैं, जिनमें थैलेसीमिया में आनुवंशिक परिवर्तन और जेएकेवी 617 उत्परिवर्तन का परीक्षण शामिल है।

शैक्षणिक कार्यक्रम

संकाय सदस्य स्नातक और परास्नातक विद्यार्थियों को व्याख्यान तथा प्रयोगशाला अभ्यास प्रदान करने में सक्रिय रूप से संलग्न हैं। यह शिक्षा एम.बी.बी.एस. , नर्सिंग और सहायक चिकित्सकीय विज्ञान (चिकित्सा प्रयोगशाला प्रौद्योगिकी, चिकित्सा विकिरण प्रौद्योगिकी, डायलिसिस प्रौद्योगिकी एवं शल्य कक्ष प्रौद्योगिकी) के विद्यार्थियों को दी जाती है। विभाग में परास्नातक पाठ्यक्रम (एम.डी.) की स्वीकृति के पश्चात् मार्च 2025 में एक छात्र ने प्रवेश लिया।

शिक्षण को प्रभावी बनाने हेतु विभाग परंपरागत व्याख्यानों के साथ-साथ ट्यूटोरियल, प्रकरण अध्ययन, संगोष्ठी और प्रारंभिक नैदानिक अनुभव जैसी विधियों का उपयोग करता है। विद्यार्थियों का मूल्यांकन नियमित परीक्षणों के माध्यम से किया जाता है।

भविष्य की योजनाएँ

निदान सेवाओं का विस्तार: आगामी वर्ष में विभाग इन-हाउस निदान सेवाओं का विस्तार करने की योजना बना रहा है, जिसमें प्रतिरक्षा परीक्षण भी शामिल होंगे।

नवजात शिशु परीक्षण: विभाग नवजात शिशु परीक्षण सेवाओं की शुरुआत करने की योजना बना रहा है और इसके लिए आवश्यक उपकरणों की प्राप्ति प्रगति पर है।

पीएच.डी. कार्यक्रम: विभाग आगामी वर्ष में पीएच.डी. पाठ्यक्रम प्रारंभ करने का प्रयास कर रहा है।

अनुसंधान गतिविधियाँ: संकाय सदस्य स्वीकृत अनुसंधान परियोजनाओं को क्रियान्वित करने और आगामी वर्ष में अतिरिक्त संस्थागत तथा अनुदानित अनुसंधान परियोजनाओं को ग्रहण करने की योजना बना रहे हैं।

सीएमई/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान/पत्र या पोस्टर प्रस्तुत किए गए

क्र.सं.	संकाय सदस्य का नाम	व्याख्यान / शोध प्रबंध / पोस्टर का शीर्षक	योगदान का प्रकार	कार्यक्रम विवरण नाम/आयोजक/स्थान	तिथि
1.	डॉ. सुमिता शर्मा	अनीमिया का प्रयोगशाला मूल्यांकन	व्याख्यान	3रा राष्ट्रीय स्नातकोत्तर अपडेट एवं कार्यशाला, जीएमसीएच, चंडीगढ़	12 अप्रैल, 2024
2.	डॉ. सुमिता शर्मा	मूत्र प्रोटीन और माइक्रोएल्ब्यूमिन विश्लेषण के प्रदर्शन की निगरानी हेतु गुणवत्ता नियंत्रण सामग्री के रूप में मिश्रित सीरम	पोस्टर प्रस्तुति	एशिया पैसिफिक फेडरेशन फॉर क्लिनिकल केमिस्ट्री एवं प्रयोगशाला चिकित्सा कांग्रेस (एपीएफसीबी 2024), आईसीसी सिडनी, ऑस्ट्रेलिया	31 अक्टूबर – 3 नवंबर, 2024
3.	डॉ. दीप्ती मलिक	मानव कोशिकीय माइटोकॉन्ड्रियल पुनर्गठन एमआईआर-2909 आरएनोमिक्स द्वारा नियंत्रित है	मौखिक प्रस्तुति	7वीं राष्ट्रीय कार्यशाला "फार्माकोजेनोमिक्स: मूल से उन्नत", स्नातकोत्तरआईएमईआर, चंडीगढ़	10 मई, 2024
4.	डॉ. दीप्ती मलिक	एमआईआर-2909 एंटीसाइकोटिक दवा पिमोज़ाइड की रासायनिक उपचार क्रिया को मध्यस्थ करता है	मौखिक प्रस्तुति	स्वर्ण जयंती सम्मेलन, एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल बायोकैमिस्ट्स ऑफ इंडिया (एपीएफसीबी 2024), आईसीसी स्नातकोत्तरआईएमईआर, चंडीगढ़	6 दिसंबर, 2024
5.	डॉ. अनुराग संख्यान	टेटनस टोक्सॉइड का कृत्रिम विघटन	मौखिक प्रस्तुति	स्वर्ण जयंती सम्मेलन, एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल	6 दिसंबर, 2024

		और गुणात्मक विश्लेषण		बायोकैमिस्ट्स ऑफ इंडिया (एपीएफसीबी 2024), आईसीसी स्नातकोत्तरआईएमईआर, चंडीगढ़	

प्रकाशन

शोध-पत्र

1) शर्मा के., जरयाल ए., **शर्मा स**., राणा एल. मिलियरी तपेदिक के दौरान तीव्र श्वसन संकट सिंड्रोम के साथ प्रसारित अंतःसंचारी रक्तस्राव (Disseminated Intravascular Coagulation)**.** जे ग्लोबल इन्फेक्शन डिसीज़,2024;16(3):120-2. उपलब्ध: https://journals.lww.com/10.4103/jgid.jgid_202_23
2) **शर्मा स**., शर्मा के., टायवाडे ओ.के., कुमार एम., संख्यान ए. विरल आनुवंशिक विकारों के सह-अस्तित्व के कारण अनसंयोजित हाइपरबिलिरुबिनेमिया का एक केस अध्ययन। इंडियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल बायोकैमिस्ट्री, 2024. उपलब्ध: https://doi.org/10.1007/s12291-024-01227-7
3) ऋषभ, बंसल स., गोयल ए., गुप्ता स., **मलिक डी.**, बंसल एन. मधुमेह के विकास में एस्ट्रोजन की कमी और आंत-बायोटा असंतुलन के बीच अंतःक्रिया का विश्लेषण**।** करंट डायबिटीज़ रिव्यू, 2024;20(10):69-79.

पुस्तक में प्रकाशित अध्याय

क्र. सं.	लेखक	अध्याय एवं पुस्तक का शीर्षक	संपादक का नाम	आईएसबीएन संख्या	संस्करण एवं वर्ष	प्रकाशक
1.	**मलिक डी.,** कौर जी., राजपूत एम., मेधी बी.	कैंसर का पता लगाने और चिकित्सा विज्ञान की निगरानी में बायोमार्कर में कैंसर के लिए बायोमार्कर के रूप में गैर-कोडिंग आरएनए की भूमिका।	आर. सी. सोबती, अवतार कृशन गंजू एवं आस्था सोबती	978-0-323-95116-6	प्रथम संस्करण; 2024	
2.	कुमार एम., थापा एस. एवं **संख्यान ए.**	हाइपोक्सिया और ट्यूमर सूक्ष्म वातावरण में हाइपोक्सिया और ट्यूमर प्रतिरक्षा	सुखेश मुखर्जी, जगत राकेश कंवर	978-981-96-1015-0	प्रथम संस्करण; 2025	

बर्न्स एवं प्लास्टिक सर्जरी विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पदनाम	कार्यभार ग्रहण की तिथि
1.	डॉ. नवनीत शर्मा	सह-आचार्य	01.07.2024
		सहायक आचार्य	23.11.2020
2.	डॉ. परमप्रीत सिंह सैनी	सहायक आचार्य (संविदात्मक)	02.01.2024 (08.07.2024 तक)

विभाग के विषय में

परिचय

एम्स बिलासपुर में बर्न्स एवं प्लास्टिक सर्जरी विभाग की स्थापना उच्च-गुणवत्ता वाली रोगी देखभाल प्रदान करने के साथ-साथ शिक्षा और अनुसंधान में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के मुख्य उद्देश्य से की गई थी। अपनी स्थापना के बाद से, विभाग पुनर्निर्माण और सौंदर्य शल्य चिकित्सा के साथ-साथ जलन प्रबंधन के क्षेत्र में व्यापक सेवाएँ प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। उल्लेखनीय रूप से, विभाग वर्तमान में एक समर्पित संकाय सदस्य के नेतृत्व में कार्य कर रहा है और अब तक 700 से अधिक सफल शल्य चिकित्सा प्रक्रियाएँ कर चुका है। यह न केवल विभाग की नैदानिक क्षमताओं को दर्शाता है, बल्कि रोगी कल्याण और चिकित्सा प्रगति के प्रति इसकी अटूट प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है।

प्रशासनिक गतिविधियाँ

एम्स बिलासपुर के बर्न्स एवं प्लास्टिक सर्जरी विभाग का संकाय सदस्य संस्थान के प्रशासनिक ढांचे में सक्रिय योगदान दे रहा है। इसमें प्रमुख जिम्मेदारियाँ शामिल हैं:

- दाह एवं प्लास्टिक शल्य चिकित्सा विभाग, संकाय प्रभारी
- केंद्रीय स्वच्छ आपूर्ति विभाग (सीएसएसडी) और लॉन्ड्री का सदस्य सचिव
- स्थानीय खरीद समिति (ऑपरेशन थियेटर परिसर) का सदस्य सचिव

ये भूमिकाएँ संकाय की संस्थागत शासन, संचालन दक्षता और महत्वपूर्ण अस्पताल सेवाओं के सुचारु संचालन में सक्रिय भागीदारी को दर्शाती हैं।

शैक्षणिक गतिविधियाँ

बर्न्स एवं प्लास्टिक सर्जरी विभाग विभिन्न स्तरों पर शिक्षण और प्रशिक्षण में सक्रिय रूप से संलग्न है:

- एम.बी.बी.एस. शिक्षण: शरीर रचना और सामान्य शल्य चिकित्सा विभागों के साथ समेकित सत्र।
- स्नातकोत्तर शिक्षण: एमएस सामान्य सर्जरी निवासियों के सुपर-स्पेशलिटी पोस्टिंग के दौरान क्लिनिकल प्रशिक्षण।
- नर्सिंग शिक्षा: सामान्य अभिमुखीकरण कार्यक्रमों के अंतर्गत सत्र।
- पैरामेडिकल प्रशिक्षण: पंच प्राण आपात एवं ट्रॉमा देखभाल पहल के अंतर्गत बीएसएफ मेडिकल अधिकारियों और पैरामेडिक्स के लिए प्रशिक्षण।
- एम.सीएच. निवास: प्लास्टिक सर्जरी में चल रहा निवास कार्यक्रम।

अनुसंधान गतिविधियाँ

- विभाग की अनुसंधान क्षमता को बढ़ाने के लिए अनुसंधान प्रोटोकॉल भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आई.सी.एम.आर.) सहित बाह्य अनुदान एजेंसियों को प्रस्तुत किए गए हैं।
- एम.सीएच. निवास कार्यक्रम के तहत थीसिस कार्य वर्तमान में प्रगति पर है।

विभाग द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं के प्रकार

एम्स बिलासपुर का बर्न्स एवं प्लास्टिक सर्जरी विभाग पुनर्निर्माण, सूक्ष्मशल्य चिकित्सा और सौंदर्य शल्य चिकित्सा के क्षेत्र में व्यापक शल्य सेवाएँ प्रदान करता है, जिनमें शामिल हैं:

- जन्मजात विकृतियाँ: होंठ और तालु दोष सुधार, माइक्रोटिया सुधार, टॉर्टिकोलीस सुधार, त्वचा टैग हटाना, और हाथ की विकृतियों का सुधार (सिंडैक्टिली, पॉलीडैक्टिली, कैम्प्टोडैक्टिली, रेडियल क्लब हैंड, अंगूठा हाइपोप्लासिया)।
- आघात पुनर्निर्माण: स्प्लिट-थिकनेस स्किन ग्राफ्टिंग, स्थानीय फ्लैप्स, और माइक्रोवैस्कुलर फ्री फ्लैप पुनर्निर्माण।
- स्नायुशिरा शल्य चिकित्सा: एवी फिस्टुला निर्माण, रक्त वाहिकाओं की मरम्मत, और रक्त वाहिका दोष सुधार।
- सूक्ष्मशल्य चिकित्सा: फ्री फ्लैप प्रक्रियाएँ, तंत्रिका मरम्मत, और डिजिटल पुनर्निर्माण।

- हाथ शल्य चिकित्सा: हाथ आघात का प्रबंधन (फ्रैक्चर फिक्सेशन, फ्लैप कवरेज), टेंडन मरम्मत और स्थानांतरण।
- ब्राचियल प्लेक्सस शल्य चिकित्सा: ब्राचियल प्लेक्सस चोटों का मूल्यांकन और शल्य प्रबंधन।
- कैंसर संबंधित पुनर्निर्माण: ऑनकोसर्जरी, दंत शल्य चिकित्सा और ईएनटी विभागों के सहयोग में स्थानीय और फ्री फ्लैप।
- सौंदर्य शल्य चिकित्सा: दाग-सुधार, लोबुलोप्लास्टी और अन्य सौंदर्य प्रक्रियाएँ।
- चेहरा पुनर्निर्माण: आघात या जन्मजात विकृतियों के बाद पुनर्निर्माण।
- डायबिटिक फुट प्रबंधन: जटिल डायबिटिक फुट घावों के लिए डीब्रिडमेंट, फ्लैप कवरेज और ऑफलोडिंग प्रक्रियाएँ।

भविष्य की दृष्टि

एम्स बिलासपुर का बर्न्स एवं प्लास्टिक सर्जरी विभाग अपनी क्षमता और प्रभाव को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। विभाग क्षेत्र में सेवा वितरण को बेहतर बनाने हेतु अत्याधुनिक सुविधाओं की स्थापना पर सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। स्नातकोत्तर (एम.च.) प्रशिक्षण की शुरुआत और नियोजित अवसंरचना विकास के साथ, विभाग दाह देखभाल, सूक्ष्मशल्य चिकित्सा और सुपर-सूक्ष्मशल्य चिकित्सा में उत्कृष्टता का केंद्र बनने का लक्ष्य रखता है, जो विश्व स्तरीय रोगी सेवा, उन्नत शैक्षणिक प्रशिक्षण और अत्याधुनिक अनुसंधान प्रदान करेगा।

सीएमई/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुत व्याख्यान / शोध पत्र या पोस्टर

क्र. सं.	संकाय सदस्य का नाम	व्याख्यान / शोध पत्र / पोस्टर का शीर्षक	योगदान का प्रकार	आयोजन विवरण (नाम/संगठक / स्थान)	तिथि
1.	डॉ. नवनीत शर्मा	हेयर रीजेनेरेशन में पीआरपी	अतिथि व्याख्यान	एआईडीवीएल ईसी और एसआईजी ट्राइकोलॉजी, एआईआईएमएस बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश	26 अक्टूबर 2024
2.	डॉ. नवनीत शर्मा	चेहरे के त्वचीय घातक रोगों का प्रबंधन	अतिथि व्याख्यान	एनजेडएपीएसआईसीओएन 2024	21 दिसंबर 2024
3.	डॉ. नवनीत शर्मा	दाह प्रबंधन	अतिथि संकाय	पंच प्राण, भारत सरकार 2025	6 फरवरी 2025

सामुदायिक सेवा

1) राष्ट्रीय मेडिकल्स संगठन के अंतर्गत 17-11-2024 को बहु-विषयक सामुदायिक स्वास्थ्य शिविर आयोजित।

कार्डियोथोरेसिक सर्जरी विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पदनाम	कार्यभार ग्रहण की तिथि
1.	डॉ. विकास कुमार	सह-आचार्य	01.08.2022
2.	डॉ. लक्ष्मी कुमारी सांख्यान	सहायक आचार्य	09.11.2020 (05.01.2025 तक)

विभाग के विषय में

परिचय

हिमाचल प्रदेश और आस-पास के राज्यों के रोगियों के लिए व्यापक कार्डियोथोरेसिक सर्जरी सेवाएं विकसित करने के उद्देश्य से आखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर में कार्डियोथोरैसिक सर्जरी विभाग की स्थापना 2022 में की गई। वर्तमान में विभाग विकासात्मक चरण में है और अत्याधुनिक अवसंरचना, पर्फ्यूजन सेवाओं और गहन चिकित्सा सुविधाओं के साथ पूर्ण-स्वरूप कार्डियक सर्जरी कार्यक्रम स्थापित करने पर कार्यरत है। वित्तीय वर्ष 2024–25 के दौरान विभाग ने शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों को सुदृढ़ करने, मॉड्यूलर कार्डियक ऑपरेटिंग थियेटर और आईसीयू की योजना बनाने, और रोगी देखभाल तथा प्रशिक्षण हेतु देश के प्रमुख कार्डियक केंद्रों के साथ सहयोग आरंभ करने पर विशेष ध्यान दिया।

दृष्टि एवं लक्ष्य

आखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर में कार्डियोथोरैसिक सर्जरी का उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करना जो अत्याधुनिक शल्य चिकित्सा सेवाएं प्रदान करे, शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा दे और हृदय विज्ञान में नवाचार को प्रोत्साहित करे।

जन्मजात, वयस्क और थोरैसिक हृदय रोगों के लिए उन्नत शल्य एवं इंटरवेंशनल क्षमताओं का विकास करना; अगले पीढ़ी के शल्य चिकित्सकों का प्रशिक्षण देना; और स्वदेशी उपकरण विकास एवं पुनर्जीवन चिकित्सा में अनुवादात्मक अनुसंधान को बढ़ावा देना।

रोगी देखभाल सेवाएं

विभाग में कार्डियक सर्जरी सेवाओं की स्थापना प्रक्रिया में है। वर्तमान में विभाग कार्डियोथोरैसिक और संवहनी रोगों वाले रोगियों को ओपीडी सेवाएं प्रदान कर रहा है। वित्तीय वर्ष 2024–25 में विभाग ने पूर्व-सर्जिकल हृदय मूल्यांकन, बहु-विषयक रोगी चर्चा, और उच्च केंद्रों जैसे स्नातकोत्तरआई चंडीगढ़ एवं एम्स नई दिल्ली में सर्जिकल प्रबंधन के लिए रेफरल समन्वय में सक्रिय भागीदारी निभाई। विभाग ने वयस्क और बाल रोग कार्डियक सर्जरी शुरू करने के लिए अवसंरचना योजना और आवश्यक उपकरणों की खरीद में भी योगदान दिया।

शैक्षणिक पाठ्यक्रम

विभाग पूर्वस्नातक (एम.बी.बी.एस.) और स्नातकोत्तर (एमएस जनरल सर्जरी) छात्रों को शिक्षण में सक्रिय रूप से शामिल है। वित्तीय वर्ष 2024–25 के दौरान नियमित व्याख्यान और केस-आधारित चर्चाएं आयोजित की गईं। विभाग शल्य प्रशिक्षुओं को कार्डियोथोरैसिक सर्जरी के सिद्धांत और हृदय रोगियों की पीरियोपरेटिव देखभाल का प्रशिक्षण भी प्रदान करता है।

अनुसंधान एवं नवाचार

"डेवलपमेंट एंड इवैल्युएशन ऑफ़ अ नोवल पर्क्यूटेनियस स्टेंट-ग्राफ्ट सिस्टम फॉर फॉन्टन कंप्लीशन इन सिंगल वेंट्रिकल फिजियोलॉजी: अ पायलट स्टडी" शीर्षक के अनुसंधान प्रस्ताव को भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली के सहयोग से प्रस्तुत किया गया। यह परियोजना जटिल जन्मजात हृदय सर्जरी के लिए एक अभिनव, न्यूनतम आक्रामक दृष्टिकोण को दर्शाती है।

"वैलिडेशन ऑफ़ जीनोम-व्यापक पहचाने गए सिंगल न्यूक्लियोटाइड पॉलीमॉर्फिज्म एसोसिएटेड विद कोरोनरी आर्टरी डिज़ीज़ इन नॉर्थ इंडियन पॉपुलेशन - अ पायलट स्टडी" शीर्षक के अनुसंधान प्रस्ताव को पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के सहयोग से आईसीएमआर में प्रस्तुत किया गया। इसका उद्देश्य उत्तर भारतीय आबादी में कोरोनरी आर्टरी डिज़ीज़ के विकास के लिए आनुवंशिक कारकों की पहचान करना है।

एक तकनीकी हस्तांतरण पूरा किया गया है, जिसके तहत "हृदय वाल्व में उपयोग के लिए पत्रक बनाने हेतु एक उपकरण" के तहत पेटेंट-रहित नवाचार का उपयोग कर रोगी की अपनी पेरिकार्डियम से एओर्टिक वाल्व प्रतिस्थापन किया गया, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ के सहयोग से। यह विभाग के स्वदेशी चिकित्सा उपकरण विकास में योगदान को रेखांकित करता है।

भविष्य की योजना

विभाग आगामी वित्तीय वर्ष से कार्डियक शल्य सेवाओं की शुरुआत करने का लक्ष्य रखता है, वयस्क कार्डियक और थोरैसिक शल्य प्रक्रियाओं से प्रारंभ, और इसके बाद बाल रोग और जन्मजात सर्जरी। विभाग संरचित स्नातकोत्तर शल्य चिकित्सा कार्डियोथोरैसिक एवं संवहनी सर्जरी और बी.एससी.पर्फ्यूजन टेक्नोलॉजी कार्यक्रम शुरू करने तथा जैव-इंजीनियरिंग, स्टेम सेल और वाल्व टिशू इंजीनियरिंग में अनुवादात्मक अनुसंधान के लिए सहयोग सुदृढ़ करने की योजना भी रखता है।

पुरस्कार, सम्मान और प्रमुख उपलब्धियां

डॉ. विकास कुमार

1) स्नातकोत्तरआईएमईआर, चंडीगढ़ के सहयोग से ऑटोलॉगस पेरीकार्डियम का उपयोग करके रोगग्रस्त महाधमनी वाल्व के प्रतिस्थापन के लिए "कार्डियक वाल्व में उपयोग के लिए लीफलेट बनाने हेतु एक उपकरण" शीर्षक से पेटेंटाधीन नवाचार के लिए प्रौद्योगिकी हस्तांतरण कार्यालय आदेश संख्या MERC/स्नातकोत्तर।/2024/2724 दिनांक 23/08/2024 के तहत पूरा हुआ।

कार्डियोलॉजी विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पदनाम	कार्यभार ग्रहण की तिथि
1.	डॉ. नवदीप सिंह सिद्धू	सहायक आचार्य	04.10.2022

विभाग के विषय में

परिचय

कार्डियोलॉजी विभाग ने अक्टूबर 2022 से अपनी गतिविधियाँ शुरू कीं, जब डॉ. नवदीप सिंह सिद्धू सहायक आचार्य के रूप में शामिल हुए। वर्तमान में विभाग बाह्य रोगी विभाग सेवाएँ प्रदान कर रहा है (सप्ताह में तीन दिन) तथा इकोकार्डियोग्राफी सेवाएँ (सप्ताह में तीन दिन) भी उपलब्ध कराता है। विभाग ने अब अंतर-रोगी सेवाएँ भी शुरू कर दी हैं, और कार्डियक केयर यूनिट में अब तक लगभग 600–700 रोगियों का प्रवेश हो चुका है।

कार्डियक कैथेटराइजेशन प्रयोगशाला 09/02/2024 से चालू हुई है और वर्तमान में प्रति माह 60–65 प्रक्रियाएँ संपन्न कर रही है। विभाग विभिन्न शल्य और चिकित्सीय प्रक्रियाएँ जैसे एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी, अस्थायी और स्थायी पेसमेकर प्रत्यारोपण, इंट्रा-कारोटिड स्टेंटिंग, परिधीय संवहनी स्टेंटिंग, पेरिकार्डियोसेंटेसिस, फ्रैक्शनल फ्लो रिज़र्व (एफएफआर), कार्डियक रिसिंक्रोनाइजेशन थेरेपी (सीआरटी), इम्प्लांटेबल कार्डियोवर्टर डिफिब्रिलेटर (आईसीडी) आदि जरूरतमंद रोगियों के लिए आयोजित करता है। अब तक कार्डियक कैथेटराइजेशन प्रयोगशाला ने लगभग 1400 रोगियों को सेवाएँ प्रदान की हैं।

विभाग में रोगी भार लगातार बढ़ रहा है और वर्तमान में विभाग प्रति माह लगभग 700–800 रोगियों को ओपीडी सेवाएँ और 200–220 रोगियों को इकोकार्डियोग्राफी सेवाएँ प्रदान करता है। इसके अलावा, विभाग अन्य विभागों में भर्ती रोगियों को कार्डियोलॉजी परामर्श प्रदान करता है और हृदय संबंधी लक्षण या रोग वाले रोगियों को गैर-हृदय शल्य चिकित्सा के लिए प्री-ऑपरेटिव फिटनेस भी देता है। विभाग आपातकालीन सेवाओं को चिकित्सा विभाग के सहयोग से भी प्रदान करता है।

दृष्टि

हमारी दृष्टि है कि नवोन्मेषी हृदय देखभाल, अनुसंधान और शिक्षा के माध्यम से उच्च गुणवत्ता और लागत-कुशल क्लिनिक एवं बाह्य रोगी सेवाएँ प्रदान की जाएँ, जिससे अंततः रोगियों के परिणामों और हृदय रोग से प्रभावित लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार हो।

लक्ष्य

हमारा लक्ष्य व्यापक, उच्च गुणवत्ता वाली हृदय देखभाल प्रदान करना है, जिसमें हृदय रोगों की रोकथाम, निदान और उपचार शामिल हैं, और रोगी-केंद्रित देखभाल तथा सतत सुधार पर बल दिया जाता है।

सेवाएँ

अंतर-रोगी विभाग

रोगियों का उपचार निम्नलिखित स्थितियों में किया जाता है:

1. हृदय विफलता
2. इस्केमिक हृदय
3. मायोकार्डियल इंफार्क्शन – स्टेमी, एनएसटीईएमआई
4. अस्थिर एंजाइना, प्रयासजन्य एंजाइना, असामान्य छाती दर्द
5. कार्डियोमायोपैथी
6. जन्मजात हृदय रोग – एएसडी, वीएसडी, पीडीए, टीओएफ, एओआरटीए का निसंकुचन
7. आइज़ेनमांगर सिंड्रोम
8. रूमेटिक हृदय रोग
9. परिधीय धमनी रोग

बाह्य रोगी विभाग

1. इलेक्ट्रोकार्डियोग्राफी (ईसीजी)
2. इकोकार्डियोग्राफी

प्रक्रियाएँ

1. कोरोनरी एंजियोग्राफी
2. परक्यूटेनियस ट्रांसल्यूमिनल कोरोनरी एंजियोप्लास्टी
3. परिधीय एंजियोप्लास्टी
4. पेरिकार्डियोसेंटेसिस
5. स्थायी पेसमेकर प्रत्यारोपण
6. इम्प्लांटेबल कार्डियोवर्टर डिफिब्रिलेटर
7. इंट्रावास्कुलर अल्ट्रासाउंड
8. कार्डियक रिसिंक्रोनाइजेशन थेरेपी – पी
9. कार्डियक रिसिंक्रोनाइजेशन थेरेपी – ऋषम
10. अस्थायी पेसमेकर प्रत्यारोपण
11. रोटा-अब्लेशन
12. फ्रैक्शनल फ्लो रिज़र्व/आईएफआर

13. इंट्रावास्कुलर लिथोट्रिप्सी
14. एड्रिनल वेनस सैम्पलिंग
15. धमनी अवरोध (ब्रॉन्कियल, गर्भाशयी आदि)
16. डिवाइस क्लोज़र (एएसडी)

शैक्षणिक गतिविधियाँ

- डीएम हृदय रोग पाठ्यक्रम
- एमडी चिकित्सा स्नातकोत्तर छात्रों की पोस्टिंग
- डीएम/एमडी/एम.बी.बी.एस. /नर्सिंग छात्रों के लिए क्लिनिकल शिक्षण
- विभागीय सेमिनार / केस प्रेजेंटेशन और ग्रैंड राउंड आदि
- सम्मेलनों और सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) कार्यक्रमों में सहभागिता
- विभागीय और अंतरविभागीय शिक्षण सहयोग
- स्नातक और जूनियर रेज़िडेंट छात्रों के लिए ईसीजी शिक्षण और इको ब्रीफिंग

भविष्य की योजना

- विभाग का उद्देश्य इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी स्टडी (ईपीएस) और रेडियोफ्रीक्वेंसी एब्लेशन (RFA) शुरू करना है।
- आगामी महीनों में ट्रेडमिल टेस्टिंग (टीएमटी), होल्टर मॉनिटरिंग, स्ट्रेस इकोकार्डियोग्राफी, ट्रांसओसोफेजियल इकोकार्डियोग्राफी (टी.ई.ई), पल्मोनरी/एओर्टिक वाल्वोटोमी और अन्य गैर-आक्रामक जांच सुविधाएँ भी चालू होने की संभावना है।

प्रकाशन

शोध-पत्र

1) जारयाल ए, **सिधू एनएस**, विक्रांत एस. रोगसूचक ब्रैडीकार्डिया पोस्ट रिटक्सिमैब इन्फ्यूजन। भारतीय जे नेफ्रोल. 2024 मार्च-अप्रैल;34(2):207. doi: 10.4103/ijn.ijn_167_23.
2) **सिधू एनएस**, कुमार एस, खुटन एच, बाला आर, जैन ए, गर्ग आर, एट अल। हृदय संबंधी परिणामों पर कोविड-19 का प्रभाव: तृतीयक देखभाल केंद्र से एक पूर्वव्यापी अध्ययन। जे कार्डियोवास्क डिस रेस. 2024; 15 (5): 1593-98

पुस्तक में अध्याय

क्र. सं.	लेखक	अध्याय एवं पुस्तक का शीर्षक	संपादक का नाम	आईएसबीएन संख्या	संस्करण एवं वर्ष	प्रकाशक
1.	बाली एच. के., सिद्धू एन. एस.	बाएँ आलिंद की विफलता: एसजीएलटी2आईएस, ए.आर.एन.आई, बिसोप्रोलोल और एमआरए की भूमिका। हृदय विफलता (एआरएचएफ) में प्रगति और क्रांतियाँ - कार्डियोलॉजी की एक पाठ्यपुस्तक (पृष्ठ 418-23)	चोपड़ा एचके, नंदा एनसी, नरूला जे, वांडर जीएस, मंजूनाथ सीएन, चंद्रा पी, एट अल		2024	जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (प्रा.) लिमिटेड, नई दिल्ली
2.	बाली एच. के., सिद्धू एन. एस., कौर एस.	"हृदय-संवहनी अनुनाद प्राप्त करने और हृदय गति परिवर्तनशीलता में सुधार के साधन के रूप में योग। योग के तंत्रिका विज्ञान में। https://doi.org/10.1007/978-981-97-2851-0_15	आनंद ए.		2024	स्प्रिंगर, सिंगापुर
3.	बाली एच. के., सिद्धू एन. एस.	भारत में वायु प्रदूषण और हृदय स्वास्थ्य। मोनोग्राफ: प्रदूषण और स्वास्थ्य (पृष्ठ 34-41)	वांडर जी. एस., गुप्ता वी. के.		2024	एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन्स ऑफ इंडिया

						एवं फिजिशियन रिसर्च फाउंडेशन
4.	बाली एच. के., सिद्धू एन. एस.	ट्रांसकैथेटर महाधमनी वाल्व प्रतिस्थापन: स्थिति 2024. सीएसआई कार्डियोलॉजी अपडेट 2024 में	त्यागी एस.		2024	जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (प्रा.) लिमिटेड, नई दिल्ली
5.	बाली एच. के., सिद्धू एन. एस.	एचएफपीईएफ में बाएँ आलिंद की विफलता: एसजीएलटी2आईएस, एआरएनआई, बिसोप्रोलोल और एमआरए की भूमिका। एचएफपीईएफ प्रबंधन में प्रगति - कार्डियोलॉजी की एक पाठ्यपुस्तक (पृष्ठ 984-97)	चोपड़ा एच. के., नंदा एन. सी., नरूला जे., वांडर जी. एस., बजाज एस., कुमार वी.		2024	जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (प्रा.) लिमिटेड, नई दिल्ली

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ

डॉ. नवदीप सिंह सिद्धू

1) 2024 में कार्डियोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा कैथ लैब में उत्कृष्टता के लिए "शाइनिंग स्टार अवार्ड" से सम्मानित।
2) इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लाइफ साइंसेज, बायोटेक्नोलॉजी एंड फार्मा रिसर्च (आई.जे.एल.पी.आर, ई.एम.बी.ए.एस.ई में अनुक्रमित) के संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में चयनित।
3) पूर्ण परियोजनाएँ: लगभग 10,000 रोगियों से संबंधित राष्ट्रव्यापी "लाई-केयर " अध्ययन के लिए संस्थान स्तरीय प्रमुख अन्वेषक, प्रकाशन प्रक्रिया में।
4) क्यूरियस जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज के एसोसिएट एडिटर (स्प्रिंगर-नेचर का हिस्सा, पबमेड इंडेक्स्ड आईएफ:1.2)
5) "क्यूरियस जर्नल ऑफ मेडिकल साइंस" के एसोसिएट एडिटर के रूप में कार्यरत (अंतर्राष्ट्रीय पबमेड इंडेक्स्ड, स्प्रिंगर नेचर का हिस्सा, आईएफ 1.2)
6) अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन द्वारा मान्यता प्राप्त बीएलएस और एसीएलएस प्रदाता पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया।
7) आईजेसीटीओ सम्मेलन, लखनऊ 2025 में चुनौतीपूर्ण केस प्रस्तुति की श्रेणी में फाइनलिस्ट।
8) स्ट्रक्चरल हार्ट समिट, मुंबई अप्रैल 2025 में आमंत्रित राष्ट्रीय संकाय के रूप में भागीदारी।
9) कार्डियोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया-नेशनल इंटरवेंशनल काउंसिल (सीएसआई-एनआईसी) वार्षिक सम्मेलन, लखनऊ 2025 में चुनौतीपूर्ण केस प्रस्तुति की श्रेणी में फाइनलिस्ट।
10) इंडिया वाल्व्स 2025 में आमंत्रित राष्ट्रीय संकाय के रूप में भागीदारी।

सामुदायिक सेवाएँ

1) विश्व हृदय दिवस मनाया गया। सितंबर 2024 के महीने में एम्स बिलासपुर के कार्डियोलॉजी विभाग के ओपीडी और रोगी प्रतीक्षा क्षेत्र में स्वास्थ्य वार्ता आयोजित करके और स्वास्थ्य शिक्षा सामग्री वितरित करके रोगियों और आम जनता के बीच जागरूकता पैदा की जाएगी।

क्लिनिकल इम्यूनोलॉजी एवं रुमेटोलॉजी विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पदनाम	कार्यभार ग्रहण की तिथि
1.	डॉ. योगेश प्रीत सिंह	सहायक आचार्य	28.03.2024
2.	डॉ. देवेंद्र बैरवा	सहायक आचार्य	23.12.2023
3.	डॉ. रवि कुमार शर्मा	सहायक आचार्य	13.03.2024

विभाग के विषय में

परिचय

नैदानिक प्रतिरक्षा विज्ञान एवं रुमेटोलॉजी विभाग ने जनवरी 2025 से प्रभावी रूप से अपनी गतिविधियाँ शुरू की हैं और इस विषय में प्रति सेमेस्टर 1 डीएम छात्र को स्वीकृति प्रदान की गई है। वर्तमान में विभाग में एक क्लिनिकल सेवाएँ देने वाला संकाय सदस्य, एक प्रयोगशाला सेवाओं का संकाय सदस्य और डीएम कार्यक्रम में नामांकित 3 छात्र हैं। विभाग एंडोक्राइनोलॉजी एवं मेटाबॉलिज़्म विभाग के सहयोग से एक निदानात्मक प्रयोगशाला (ईसीआर लैब) भी संचालित करता है।

दृष्टि एवं मिशन

विभाग का उद्देश्य समाज और विभिन्न रुमेटिक रोगों से प्रभावित रोगियों की नैदानिक, अनुसंधान और निदान संबंधी आवश्यकताओं की सेवा करना है।

रोगी देखभाल गतिविधियाँ

विभाग सप्ताह में तीन दिन ओपीडी सेवाएँ प्रदान करता है और प्रति सप्ताह 200 से अधिक रोगियों का इलाज करता है। विभाग में 12-बेड वाली आईपीडी सुविधा है और भर्ती रोगियों की देखभाल की जाती है। ईसीआर लैब रुमेटिक रोगों वाले रोगियों और अन्य रोगियों को निदानात्मक सेवाएँ प्रदान करती है।

शैक्षणिक गतिविधियाँ

विभाग वर्तमान में नैदानिक प्रतिरक्षा विज्ञान एवं रुमेटोलॉजी में डीएम पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है, जिसमें प्रति सेमेस्टर 1 छात्र का प्रवेश होता है। वर्तमान में कार्यक्रम में 3 छात्र नामांकित हैं।

अनुसंधान गतिविधियाँ

विभाग का मुख्य फोकस ऑटोइम्यून रोगों में शामिल प्रतिरक्षा तंत्रों का अध्ययन करना है। भविष्य के अनुसंधान उद्देश्यों के लिए विभाग ने अपनी स्वयं की बायोबैंक स्थापित की है।

भविष्य की दृष्टि

विभाग 2026 से ट्रांसलेशनल इम्यूनोलॉजी पर केंद्रित पीएचडी कार्यक्रम शुरू करने का लक्ष्य रखता है। विभाग अनुसंधान के क्षेत्र में निरंतर कार्य करेगा और रोगियों की आवश्यकताओं की सेवा हेतु ट्रांसलेशनल उपकरण और उत्पादों के विकास की दिशा में प्रयासरत रहेगा।

सीएमई/कार्यशाला/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम का प्रकार	विषय / प्रमुख क्षेत्र	तिथि एवं स्थान	आयोजन टीम	सहयोगी संस्थाएँ (यदि कोई हों)	सहभागिता संख्या
1.	हिमराकॉन 2024	संगोष्ठी	रुमेटोलॉजी	14 एवं 15 सितम्बर 2024, ऑडिटोरियम, एम्स बिलासपुर	डॉ. योगेश प्रीत सिंह / डॉ. रवि कुमार शर्मा / डॉ. देवेंद्र बैरवा	कोई नहीं	200
2.	ऑटोएंटीबॉडी कार्यशाला 2024	कार्यशाला	ऑटोएंटीबॉडी पता लगाने की	14 सितंबर 2024, ईसीआर	डॉ. योगेश प्रीत सिंह / डॉ. रवि	कोई नहीं	35

			प्रयोगशाला तकनीक (हैंड्स-ऑन कार्यशाला)	लैब्स, एम्स बिलासपुर	कुमार शर्मा / डॉ. देवेंद्र बैरवा		
3.	एस.डी. देओधर क्विज़ 2024	राज्य स्तरीय रुमेटोलॉजी क्विज़	रुमेटोलॉजी	15 सितम्बर 2024, ऑडिटोरियम, एम्स बिलासपुर	डॉ. योगेश प्रीत सिंह / डॉ. रवि कुमार शर्मा / डॉ. देवेंद्र बैरवा	इंडियन रुमेटोलॉजी एसोसिएशन	16
4.	एम.एस.के. यूएसजी कार्यशाला 2025	कार्यशाला	स्किल लैब, एम्स बिलासपुर	21 एवं 22 मार्च 2025	डॉ. योगेश प्रीत सिंह / डॉ. रवि कुमार शर्मा / डॉ. देवेंद्र बैरवा	कोई नहीं	35

सीएमई/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुत व्याख्यान/शोध पत्र या पोस्टर

क्रम सं.	संकाय सदस्य का नाम	व्याख्यान / शोध-पत्र / पोस्टर का शीर्षक	योगदान का प्रकार	आयोजन का विवरण (नाम / आयोजक / स्थान)	तिथि
1.	डॉ. योगेश प्रीत सिंह	एस.पी.ए. में प्रबंधन	सत्र विशेषज्ञ	एंकिलोज़िंग स्पॉन्डिलाइटिस असेंबली, नई दिल्ली	11 अगस्त 2024
2.	डॉ. योगेश प्रीत सिंह	इलाज में कठिन आरए का प्रबंधन	आमंत्रित व्याख्यान	केराकॉन 2024, अलेप्पी, केरल	5–6 अक्टूबर 2024
3.	डॉ. योगेश प्रीत सिंह	त्वचा की गहरी समझ से परे सोरियाटिक गठिया - एक केस आधारित चर्चा	आमंत्रित व्याख्यान	रूमा डायलॉग 2024, एम्स, एसएएस नगर, पंजाब	28 सितम्बर 2024
4.	डॉ. योगेश प्रीत सिंह	ऑटोइम्यून रोग में Ro-52 के कई रूप	आमंत्रित व्याख्यान	इराकॉन 2024, बैंगलोर, कर्नाटक	
5.	डॉ. योगेश प्रीत सिंह	विशालकाय कोशिका धमनीशोथ पर प्रोफेसर से मिलने के सत्र के लिए संकाय को आमंत्रित किया गया	आमंत्रित संकाय	इराकॉन 2024, बेंगलुरु, कर्नाटक	2–7 दिसम्बर 2024
6.	डॉ. देवेंद्र बैरवा	कार्यशाला	आमंत्रित संकाय	इम्यूनोफ्लोरेसेंस और एएनए एंटीबॉडी कार्यशाला, अमृता इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, चौधरी	1 जून 2024

7.	डॉ. देवेंद्र बैरवा	गाउट का प्रबंधन	आमंत्रित व्याख्यान	रुमा डायलॉग 2024, एआईएमएस, एस.एस.एस. नगर, पंजाब	28 सितम्बर 2024
8.	डॉ. देवेंद्र बैरवा	एलोपेसिया एरीटा में जैविक पदार्थ	आमंत्रित विशेषज्ञ	ट्राइकोलॉजी और प्रत्यारोपण, त्वचा विभाग, एम्स बिलासपुर के विशेषज्ञ के साथ सीएमई	26 अक्टूबर 2024
9.	डॉ. अंकीता देवांगन, डॉ. वीर सिंह नेगी, **डॉ. सिंह वाई.पी., डॉ. देवेंद्र बैरवा, डॉ. रवि कुमार शर्मा**	किशोर मिश्रित संयोजी ऊतक रोग, जो विकास में विफलता के रूप में प्रकट होता है	पोस्टर प्रस्तुति	पीडियाट्रिक रुमेटोलॉजी सोसायटी का राष्ट्रीय सम्मेलन 2024, भुमि	25 अक्टूबर 2024
10.	दास ए.सी., शेनॉय पी., सिरकार जी., ममदापुर एम., सक्थिवेल वाई., कोडाली आर.एस., **योगेश पी.एस**.	प्रणालीगत स्केलेरोसिस में मूल्यांकन और उपचार पैटर्न: भारतीय रुमेटोलॉजिस्टों के एक सर्वेक्षण से प्राप्त जानकारी	पोस्टर प्रस्तुति	इराकॉन 2024, बेंगलुरु, कर्नाटक	2–7 दिसम्बर 2024
11.	**सिंह वाई.पी**., देवांगन ए., भाट के., गुरुरानी एस., कविता एम.एम., जैन एन.	टोफैसिटिनिब का प्रतिकूल प्रभाव प्रोफ़ाइल: एक वास्तविक दुनिया परिदृश्य	पोस्टर प्रस्तुति	इराकॉन 2024, बेंगलुरु, कर्नाटक	2–7 दिसम्बर 2024
12.	**सिंह वाई.पी.,** बैंस एस.	गठिया रोगों में कोविड-19 वैक्सीन बूस्टर खुराक हिचकिचाहट	पोस्टर प्रस्तुति	इराकॉन 2024, बेंगलुरु, कर्नाटक	2–7 दिसम्बर 2024
13.	रावत ए., **सिंह वाई.पी.**	कोविड-19 संक्रमण और कूल्हे का एवस्कुलर नेक्रोसिस	पोस्टर प्रस्तुति	इराकॉन 2024, बेंगलुरु, कर्नाटक	2–7 दिसम्बर 2024
14.	यशस बी.पी., **सिंह वाई.पी.,** प्रसाद एस., पाटिल पी., इमैनुएल डी., माइкап डी.	पोस्ट इंट्रावेसिकल बीसीजी रिएक्टिव आर्थराइटिस: नैदानिक विशेषताएं और परिणाम	पोस्टर प्रस्तुति	इराकॉन 2024, बेंगलुरु, कर्नाटक	2–7 दिसम्बर 2024
15.	**सिंह वाई.पी**., बैंस एस., जोशी ए.	रुमेटोलॉजिकल स्थितियां और पूरक एवं वैकल्पिक चिकित्सा (सीएएम) उपयोग: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन	पोस्टर प्रस्तुति	इराकॉन 2024, बेंगलुरु, कर्नाटक	2–7 दिसम्बर 2024

प्रकाशन

शोध-पत्र

1) मेहता एन, अक़राम एम, **सिंह वाईपी।** जिंक पूरकता का टाइप 2 मधुमेह और इसकी जटिलताओं पर प्रभाव। क्यूरियस [इंटरनेट]. 2024;16(11):e73473। उपलब्ध: http://dx.doi.org/10.7759/क्यूरियस.73473
2) डे एम, दोसकालीउक बी, पारोडिस आई, लिंडब्लॉम जे, विनकप सी, जोशी एम, COVAD अध्ययन समूह। कोविड-19टीकाकरण से संबंधित विलंबित प्रतिकूल घटनाएँ रूमेटॉयड आर्थराइटिस रोगियों में: अंतरराष्ट्रीय COVAD सर्वेक्षण के परिणाम। Rheumatol Int [इंटरनेट]. 2024;44(12):2853-61। उपलब्ध: http://dx.doi.org/10.1007/s00296-024-05742-x (COVAD अध्ययन समूह का हिस्सा)
3) फॉर्नारो एम, वेनेरिटो वी, पेलिको एमआर, इयानोन एफ, जोशी एम, चेन वाई-एम, COVAD अध्ययन समूह। सूजन संबंधी मायोपैथियों में बहु-रोगिता का जीवन गुणवत्ता पर प्रभाव: COVAD डेटा सेट से क्लस्टर विश्लेषण। Rheumatology (Oxford) [इंटरनेट]. 2025;64(4):2133-42। उपलब्ध: http://dx.doi.org/10.1093/rheumatology/keae520 (COVAD अध्ययन समूह का हिस्सा)
4) शोभा वी, **प्रीत सिंह वाई**, मालवीय एस, पोन्नियाह सुब्रमणियन एआर, राजशेखर एल, गुप्ता आर, आदि। लुपस का प्रारंभिक निदान: संभावना। भारतीय रूमेटोलॉजी संघ (IRA) के SLE विशेष रुचि समूह से बहु-केंद्रित अध्ययन। Lupus [इंटरनेट]. 2024;33(13):1416-23। उपलब्ध: http://dx.doi.org/10.1177/09612033241283111
5) **सिंह वाईपी**, बैंस एस, जैन एन। जायंट सेल आर्टेराइटिस और ताकायसु आर्टेराइटिस: क्या वे समान हैं या अलग? Indian J Rheumatol [इंटरनेट]. 2025;20(1):48-59। उपलब्ध: http://dx.doi.org/10.1177/09733698241271469
6) पलाज़्जो एल, लिंडब्लॉम जे, किल्हेन ऑल्सन ई, निकिफोरोउ ई, विनकप सी, साहा एस, COVAD अध्ययन समूह। पूर्ण टीकाकरण प्राप्त रोगियों में SARS-CoV-2 ब्रेकथ्रू संक्रमण: कोविड-19Vaccination in Autoimmune Disease (COVAD) अध्ययन के परिणाम। Rheumatol Int [इंटरनेट]. 2024;44(10):1923-33। उपलब्ध: http://dx.doi.org/10.1007/s00296-024-05682-6 (COVAD अध्ययन समूह का हिस्सा)
7) राव वीके, कोडली आरएस, पाटिल ए, चेब्बी पी, सुब्रमणियन आर, कुमार एस, **सिंह वाईपी**, चंद्रशेखर एस, शोभा वी। बहेचट रोग (BD) में नैदानिक प्रोफाइल, उपचार विशेषताएँ और परिणाम: कर्नाटक रूमेटोलॉजी एसोसिएशन से पीछे retrospective अध्ययन। Clin Rheumatol. 2024;43(10):3223-3230। doi: 10.1007/s10067-024-07089-x
8) अलुनो ए, कारुब्बी एफ, तान एएल, सेन पी, कावग्ना एल, जोशी एम, COVAD अध्ययन समूह। कोविड-19की गंभीरता, ब्रेकथ्रू संक्रमण और युवा रोगियों में टीका सुरक्षा: COVAD अध्ययन से निष्कर्ष। Rheumatol Int [इंटरनेट]. 2024;44(9):1725-31। उपलब्ध: http://dx.doi.org/10.1007/s00296-024-05654-w (COVAD अध्ययन समूह का हिस्सा)
9) अविचल उघरेजा आर, वेंकटेशन पी, बालेबैल गोपालकृष्णा डी, **प्रीत सिंह वाई**, वाणी लक्ष्मी आर। फाइब्रोमायल्जिया सिंड्रोम में नींद की गुणवत्ता पर क्रेनियोसैक्रल थेरेपी, बोवेन थेरेपी, स्थिर स्पर्श और मानक व्यायाम कार्यक्रम का प्रभाव: रैंडमाइज्ड नियंत्रित अध्ययन। J Integr Med [इंटरनेट]. 2024;22(4):473-83। उपलब्ध: http://dx.doi.org/10.1016/j.joim.2024.06.003
10) भारती सुषमा, बैरवा रेनू, **बैरवा देवेंद्र**, शर्मा तरुण। गाउटी टॉफी का साइटोलॉजिकल निदान, कुहनी पर प्रारंभिक लक्षण के रूप में। Journal of Bone and Joint Diseases. 2024;39(1):53-56। DOI: 10.4103/jbjd.jbjd_1_24
11) किटिकॉर्न वांग्रियाटिसक, शार्लोट डे व्रीस , **रवि कुमार शर्मा,** कैरोलिन ग्रोनवाल, वेनक्की ह्वांग, प्रपापॉर्न पिसितकुन, इवा गुनार्सन, विवियाने माल्मस्ट्रोम, पैचनी चूटॉन्ग, फ्रांसेस्का फॉसटिनी। Peripheral activated naive और double negative 2 B-cell subsets और ल्युपस नेफ्राइटिस रोगियों में नैदानिक मापदंडों के बीच संबंध (*समान योगदान)। स्कैंडिनेवियन जर्नल ऑफ इम्यूनोलॉजी 2024। doi.org/10.1111/sji.13427
12) सारा टुर्सिनोव, **रवि के शर्मा**, शार्लोट डे व्रीस, क्रिस्टिना गेरस्टनर, ब्रूनो रापोसो, मोनिका हैंसन, लिंडा माथ्सन-आल्म, अनातोली डबनोवित्स्की, विलियम डब्ल्यू. क्रोक, कैरोलिन ग्रोनवाल, कराइन केमी, विवियाने माल्मस्ट्रोम, आस हेंसवोल्ड। "रुमेटॉयड आर्थराइटिस के जोखिम-चरण के दौरान, आर्थराइटिस प्रोग्रेसर्स में परिसंचारी ऑटोरेएक्टिव T-कोशिकाओं की आवृत्ति कम पाई गई।"संदर्भ: RMD Open 2024। doi:10.1136/rmdopen-2024-004510

13) शार्लोट डे व्रीस, वेनक्की ह्वांग, **रवि कुमार शर्मा**, सारा टुर्सिनोव, एलेक्ज़ांद्रा आर्गिरिओउ, बेगम होरुलुओग्लु, किटिकॉर्न वांग्रियाटिसक, एलेक्ज़ांद्रा सिरसियमारू, लार्स रोनब्लोम, कैरोलिन ग्रोनवाल, विवियाने माल्मस्ट्रोम, आस हेंसवोल्ड, करिन लुंडबर्ग। **रुमेटॉयड आर्थराइटिस से संबंधित बी-कोशिका परिवर्तनों का पता पहले से ही जोखिम-RA चरण में लगाया जा सकता है।"** संदर्भ: यूरोपियन जर्नल ऑफ इम्यूनोलॉजी 2025। DOI: 10.1002/eji.202451391

14) वेनक्की ह्वांग, शार्लोट डे व्रीस, **रवि कुमार शर्मा**, किटिकॉर्न वांग्रियाटिसक, कैटेरिना चट्जिडियोनिसिउ, विवियाने माल्मस्ट्रोम, कैरोलिन ग्रोनवाल। जैनस किनेज अवरोधक और "बी-कोशिका की कार्यप्रणाली: प्लाज़्मा सेल विभेदन, साइटोकाइन उत्पादन और अपरिपक्व बी-कोशिका सक्रियण पर तुलनात्मक अध्ययन। यूरोपियन जर्नल ऑफ इम्यूनोलॉजी 2025।

सामुदायिक सेवा

1) विश्व एंकिलॉसिंग स्पॉन्डिलाइटिस दिवस के उपलक्ष्य में 4 मई 2024 को एम्स के बे एरिया ओपीडी में पैरामेडिकल छात्रों द्वारा मरीजों और आम जनता के लिए एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया।
2) विश्व ल्यूपस दिवस के उपलक्ष्य में 9 मई 2024 को एम्स के मुख्य सभागार में एम.बी.बी.एस. छात्रों, नर्सिंग अधिकारियों और रेजिडेंट डॉक्टरों के लिए एक इंटरैक्टिव जागरूकता सत्र आयोजित किया गया।
3) विश्व ल्यूपस दिवस के उपलक्ष्य में 10 मई 2024 को एलटी-5 में मरीजों के लिए एक इंटरैक्टिव जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।
4) 27 अगस्त 2024 को नूरपुर, कांगड़ा (हिमाचल प्रदेश) में एक गठिया जांच शिविर का आयोजन किया गया।
5) विश्व गठिया दिवस के उपलक्ष्य में 17 अक्टूबर 2024 को एम्स के बे एरिया ओपीडी में मरीजों और आम जनता के लिए एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया।
6) 15 दिसंबर 2024 को कुल्लू, हिमाचल प्रदेश में गठिया जांच शिविर का आयोजन किया गया।
7) 19 दिसंबर 2024 को दूरदर्शन केंद्र, शिमला में गठिया पर एक स्वास्थ्य वार्ता आयोजित की गई।

सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पदनाम	कार्यभार ग्रहण की तिथि
1.	प्रो. (डॉ.) अनुपम पाराशर	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	14.06.2022
2.	डॉ. मीनल मधुकर ठाकरे	अतिरिक्त आचार्य	16.11.2020
3.	डॉ. नवप्रीत	सह-आचार्य	05.12.2020
4.	डॉ. अनुपमा धीमान	सह-आचार्य	05.12.2020
5.	डॉ. निकिता शर्मा	सहायक आचार्य	13.06.2022

विभाग के विषय में

परिचय

सामुदायिक और पारिवारिक चिकित्सा विभाग, एम्स बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश के प्रारंभिक कार्यरत विभागों में से एक है। कार्यकारी निदेशक के मार्गदर्शन में, विभाग का उद्देश्य वैश्विक शिक्षा, अनुसंधान और सेवा मानकों के अनुरूप विकसित राष्ट्रीय स्वास्थ्य आवश्यकताओं का उत्तर देना है। विभाग का लक्ष्य एक पेशेवर कार्यबल तैयार करना है जो ज्ञान को क्रियान्वित करके समुदायों के स्वास्थ्य में सुधार कर सके।

वर्तमान में विभाग में 05 संकाय सदस्य, 03 वरिष्ठ निवासी, 05 परास्नातक छात्र, 02 नर्सिंग अधिकारी, 01 प्रयोगशाला तकनीशियन, 01 प्रयोगशाला परिचारक और 01 स्वच्छता परिचारक कार्यरत हैं।

विभाग के प्रमुख अनुसंधान और कार्य क्षेत्रों में गैर-संचारी रोग, स्वास्थ्य संवर्धन, प्रजनन एवं बाल स्वास्थ्य, राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम, सार्वजनिक स्वास्थ्य सूचना विज्ञान, स्वास्थ्य सेवा वितरण अनुसंधान, किशोर स्वास्थ्य, सामाजिक मुद्दों पर गुणात्मक अनुसंधान, महामारी विज्ञान, प्रणालीगत समीक्षा, स्वास्थ्य में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, परिचालन अनुसंधान, अनुवादात्मक अनुसंधान, चिकित्सा शिक्षा, स्वास्थ्य में जीआईएस, तंबाकू नियंत्रण और टीकाकरण शामिल हैं।

दृष्टि:

एम्स बिलासपुर का सामुदायिक और पारिवारिक चिकित्सा विभाग उत्कृष्टता केंद्र बनने की आकांक्षा रखता है, जो हिमालयी क्षेत्र और उससे परे के अद्वितीय स्वास्थ्य आवश्यकताओं के अनुरूप नवाचारपूर्ण स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और अनुसंधान मॉडल विकसित करता है। हमारा उद्देश्य सामाजिक रूप से जिम्मेदार स्वास्थ्य नेताओं का निर्माण करना और मजबूत सार्वजनिक स्वास्थ्य अवसंरचना स्थापित करना है, जो रोग निवारण, स्वास्थ्य संवर्धन और समान स्वास्थ्य परिणाम सुनिश्चित करे।

लक्ष्य:

विभाग का लक्ष्य समुदायों के स्वास्थ्य और कल्याण में सुधार करना है, जिसके लिए:

1) शिक्षा में उत्कृष्टता: स्नातक और परास्नातक छात्रों को उत्कृष्ट सामुदायिक आधारित शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करना, स्वास्थ्य के सामाजिक निर्धारकों की गहन समझ विकसित करना और विभिन्न सेटिंग्स में सहानुभूतिपूर्ण और साक्ष्य-आधारित अभ्यास के लिए तैयार करना।
2) समग्र रोगी देखभाल: सुलभ, किफायती और उच्च गुणवत्ता वाली प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करना, जिसमें रोकथाम और सहायक देखभाल पर जोर हो। ग्रामीण और शहरी स्वास्थ्य केन्द्रों को सुदृढ़ करना, विशेषज्ञ नैदानिक सेवाओं का विस्तार करना और राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना।
3) प्रभावशाली अनुसंधान: स्थानीय और क्षेत्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्याओं को संबोधित करने वाले अंतःविषय अनुसंधान का संचालन और समर्थन करना। इसका उद्देश्य नीति निर्माण के लिए साक्ष्य जुटाना, स्वास्थ्य सेवा वितरण में सुधार करना और पर्यावरण तथा जीवनशैली संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं से निपटना है।

रोगी देखभाल सेवाएँ

क. ग्रामीण स्वास्थ्य केन्द्र, मार्कंड

- प्रारंभिक उपचार सेवाएँ 02 सितंबर 2024 को वैकल्पिक दिन पर शुरू हुईं; 03 मार्च 2025 से दैनिक ओपीडी सेवाएँ शुरू की गईं।

- उपचारात्मक, रोकथाम और संवर्धन सेवाएँ; प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान) के दिन।
- विभाग के एक संकाय सदस्य और एक वरिष्ठ निवासी दैनिक ओपीडी सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं। एम.बी.बी.एस. इंटर्नों का शिक्षण एवं प्रशिक्षण मार्च 2024 से शुरू हुआ।

ख. शहरी स्वास्थ्य एवं प्रशिक्षण केन्द्र, रौड़ा

- उपचारात्मक सेवाएँ फरवरी 2025 में शुरू हुईं; 06 मार्च 2025 से दैनिक ओपीडी सेवाएँ।
- उपचारात्मक, रोकथाम और संवर्धन सेवाएँ; प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के दिन।
- विभाग के एक संकाय सदस्य और एक वरिष्ठ निवासी दैनिक ओपीडी सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं। एम.बी.बी.एस. इंटर्नों का शिक्षण एवं प्रशिक्षण मार्च 2024 से शुरू हुआ।

ग. जीवनशैली प्रबंधन एवं स्टाफ वेलनेस क्लिनिक

- 13 अगस्त 2024 से संकाय, छात्र और स्टाफ, रोगी तथा उनके परिचारकों के लिए सेवाएँ।
- रोकथाम और संवर्धन सेवाएँ।

घ. टीकाकरण क्लिनिक

- पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों, गर्भवती महिलाओं और वयस्कों के लिए सेवाएँ।
- गर्भवती महिलाओं और बच्चों के पंजीकरण के लिए यू-विन पोर्टल।
- टीका भंडारण के लिए कोल्ड चेन प्वाइंट और ईविन।
- टीका-निवारक रोगों की निगरानी (एएफपी, बुखार और दाने, डिफ़थीरिया, पर्टुसिस, नवजात टेटनस, एईएफआई)।

ङ. ग्राम गोद लेने कार्यक्रम के तहत स्वास्थ्य जाँच शिविर

च. सार्वजनिक स्वास्थ्य महत्व के स्वास्थ्य दिवस/सप्ताह

छ. राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों (एनटीईपी, एनएसीपी, एनएलईपी, आयुष्मान भारत) के कार्यान्वयन में राज्य और जिला समन्वय; टीबी मुक्त ग्राम पंचायत के लिए सत्यापन, जिला बिलासपुर।

शैक्षणिक पाठ्यक्रम

- एम.बी.बी.एस. और बी.एससी. पैरामेडिकल साइंसेज़ के स्नातक छात्रों का शिक्षण एवं प्रशिक्षण।
- परास्नातक (एम.डी. सामुदायिक चिकित्सा) का शिक्षण एवं प्रशिक्षण।
- सी.आर.एच. मार्कंड और यू.एच.टी.सी रौड़ा में इंटर्न का प्रशिक्षण।
- अनुसंधान पद्धति और एनटीईपी में वैकल्पिक पाठ्यक्रम।
- परिवार गोद लेने कार्यक्रम के तहत ब्लॉक मार्कंड के गांवों में चार एमबीबीएस बैचों को परिवार आवंटन।
- ई.सी.एच.ओ. प्लेटफ़ॉर्म का उपयोग करके सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों का प्रशिक्षण।

अनुसंधान एवं नवाचार

- कुल परियोजनाएँ (प्रधान अन्वेषक और सह-अन्वेषक के रूप में): 12 (चल रही/पूर्ण)
- कुल स्नातकोत्तर प्रोटोकॉल: 05
- कुल प्रकाशन: 10
- स्नातकोत्तर छात्रों के प्रत्येक बैच के लिए प्रोटोकॉल लेखन कार्यशाला
- स्नातक छात्रों के लिए अनुसंधान पद्धति वैकल्पिक पाठ्यक्रम
- विभिन्न विभागों के परास्नातक छात्रों को प्रोटोकॉल और डेटा विश्लेषण में मार्गदर्शन

भविष्य की योजनाएँ

क. विभाग के अंतर्गत स्वयं का ग्रामीण स्वास्थ्य केन्द्र स्थापित करना।

ख. एम्स बिलासपुर में येलो फीवर टीकाकरण क्लिनिक की शुरुआत।

ग. बायोस्टैटिस्टिक्स सेक्शन की स्थापना।

घ. एपिडेमियोलॉजी यूनिट की स्थापना।

ङ. पब्लिक हेल्थ लैब की स्थापना।

च. स्वास्थ्य शिक्षा अनुभाग की स्थापना।

छ. सीआरएच मार्कंड और यूएचटीसी रौड़ा में सेवाओं (विशेषज्ञ क्लिनिक) को सुदृढ़ करना।

ज. पीएच.डी. पाठ्यक्रम की शुरुआत।

सीएमई/कार्यशाला/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

क्र. सं.	कार्यक्रम का शीर्षक	कार्यक्रम का प्रकार	विषय / प्रमुख क्षेत्र	तिथि एवं स्थान	आयोजन टीम	सहयोगी संस्थाएँ	प्रतिभागिता

						(यदि कोई हों)	
1.	परास्नातक छात्रों के लिए प्रोटोकॉल लेखन कार्यशाला	कार्यशाला	शोध प्रोटोकॉल लेखन	03.04.2024, एम्स बिलासपुर, भौतिक	सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा विभाग	–	प्रथम वर्ष के स्नातकोत्तर छात्र
2.	परास्नातक छात्रों के लिए प्रोटोकॉल लेखन कार्यशाला	कार्यशाला	शोध प्रोटोकॉल लेखन	19.09.2024, एम्स बिलासपुर, भौतिक	सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा विभाग	–	प्रथम वर्ष के स्नातकोत्तर छात्र
3.	परास्नातक छात्रों के लिए प्रोटोकॉल लेखन कार्यशाला	कार्यशाला	शोध प्रोटोकॉल लेखन	27.03.2025, एम्स बिलासपुर, भौतिक	सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा विभाग	–	प्रथम वर्ष के स्नातकोत्तर छात्र
4.	एनटीईपी में हालिया प्रगति पर सीएमई	सीएमई	एनटीईपी	10.04.2024	डॉ. अनुपम पराशर	-	
5.	अच्छी नैदानिक प्रथाएँ	कार्यशाला	जीसीपी	13.05.2024	डॉ. अनुपम पराशर	-	चिकित्सक, रेजिडेंट

सीएमई/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान/पत्र या पोस्टर प्रस्तुत किए गए

क्र. सं.	संकाय सदस्य का नाम	व्याख्यान / शोधपत्र / पोस्टर का शीर्षक	योगदान का प्रकार	कार्यक्रम विवरण (नाम / आयोजक / स्थान)	दिनांक
1.	डॉ. अनुपम पराशर	भारत में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा स्तर पर विश्व स्वास्थ्य संगठन के आवश्यक गैर-संचारी रोग (डब्ल्यू.एच.ओ. पी.ई.एन.) हस्तक्षेप पैकेज के एकीकरण – एक प्रभाव मूल्यांकन अध्ययन	मौखिक प्रस्तुति	विश्व महामारी विज्ञान सम्मेलन, इंटरनेशनल एपिडेमियोलॉजिकल एसोसिएशन, केप टाउन, दक्षिण अफ्रीका	24–27 सितम्बर, 2024
2.	डॉ. अनुपम पराशर	हिमाचल प्रदेश के कृषि क्षेत्र में रहने वाले लोगों में कीटनाशक के संपर्क और सीकेडीयू का अध्ययन	मौखिक प्रस्तुति	आईसीएमआर – राष्ट्रीय व्यावसायिक स्वास्थ्य संस्थान, अहमदाबाद	26–28 फरवरी, 2025
3.	डॉ. अनुपम पराशर	एच.पी. चैप्टर आईएपीएसएमसीओएन	पैनलिस्ट	धर्मशाला	14–15 दिसम्बर, 2024
4.	डॉ. अनुपम पराशर	एम्स दिल्ली डीन अनुसंधान बैठक एवं अनुसंधान दिवस	आमंत्रित प्रतिनिधि,	एम्स नई दिल्ली	29 जनवरी, 2025

			एम्स बिलासपुर		
5.	डॉ. अनुपम पराशर	यात्रा स्वास्थ्य क्लिनिक पर कार्यशाला : समय की आवश्यकता	आमंत्रित प्रतिनिधि, एम्स बिलासपुर	एम्स भुवनेश्वर	17–18 फरवरी, 2025
6.	डॉ. अनुपम पराशर	प्रोटोकॉल लेखन कार्यशाला	संसाधन संकाय	जैव-चिकित्सीय अनुसंधान पर कार्यशाला, सभी स्नातकोत्तर विद्यार्थियों हेतु, एम्स बिलासपुर	जुलाई 2024 एवं जनवरी 2025 बैच
7.	डॉ. अनुपम पराशर	बिलासपुर (हि.प्र.) जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों हेतु ईको कार्यक्रम – गैर-संचारी रोगों पर	संसाधन संकाय	एम्स बिलासपुर	सतत (महीने में दो बार)
8.	डॉ. मीनल एम. ठक्कर	चिकित्सीय अनुसंधान में अनुसंधान प्रश्न, परिकल्पना एवं उद्देश्य का निर्माण	संसाधन संकाय	जैव-चिकित्सीय अनुसंधान पर कार्यशाला, सभी स्नातकोत्तर विद्यार्थियों हेतु, एम्स बिलासपुर	27 मार्च, 2025
9.	डॉ. मीनल एम. ठक्कर	स्वास्थ्य क्षेत्र में क्षमता निर्माण एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग	संसाधन संकाय	5वां आईएपीएसएम यंग लीडर्स राष्ट्रीय सम्मेलन, एम्स नई दिल्ली	8 नवम्बर, 2024
10.	डॉ. मीनल एम. ठक्कर	वायु प्रदूषण एवं स्वास्थ्य पर सफल अनुसंधान प्रस्ताव लेखन	आमंत्रित वक्ता	एम्स नई दिल्ली एवं आईआईटी दिल्ली	16 दिसम्बर, 2024
11.	डॉ. मीनल एम. ठक्कर	अनुसंधान के सफल प्रोटोकॉल हेतु आवश्यक ज्ञान – "बायोस्टैटिस्टिक्स एवं रिसर्च मेथडोलॉजी" कार्यशाला (अनुसंधान- राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन द्वारा प्रायोजित)	आमंत्रित वक्ता	शासकीय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, चंडीगढ़	7–8 फरवरी, 2025
12.	डॉ. मीनल एम. ठक्कर	"सार्वजनिक स्वास्थ्य में डिजिटल अंतराल को पाटना: प्रौद्योगिकी के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच का विस्तार"	आमंत्रित वक्ता	26वां एमएचआईएपीएसएम आईपीए-कॉन 2025, डॉ. उल्हास पाटिल मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, जळगांव	17 जनवरी, 2025
13.	डॉ. मीनल एम. ठक्कर	"पोषण नीतियों के निर्माण में सरकारी संगठनों की भूमिका"	आमंत्रित वक्ता	द्वितीय राष्ट्रीय सम्मेलन – पोषण एवं स्वास्थ्य 2024, एम्स मंगलगिरि	30 सितम्बर, 2024

14.	डॉ. नवप्रीत	नमूना आकार निर्धारण – व्यावहारिक अभ्यास	संसाधन संकाय	कार्यशाला "बायोस्टैटिस्टिक्स एवं रिसर्च मेथडोलॉजी: सफल अनुसंधान प्रोटोकॉल हेतु आवश्यक ज्ञान", जी.एम.सी.एच., चंडीगढ़	7–8 फरवरी, 2025

प्रकाशन

शोध-पत्र

1) **पाराशर अ**., विक्रांत स., जार्याल अ., **धिमान अ**. "हिमाचल प्रदेश में कृषि में निवास करने वाले लोगों में अज्ञात कारणों से होने वाली क्रॉनिक किडनी डिज़ीज़ (सीकेडीयू) और कीटनाशक एक्सपोज़र।" व्यावसायिक और पर्यावरणीय स्वास्थ्य पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों पर भारत-अमेरिका सम्मेलन। जर्नल ऑफ हेल्थ पॉल्यूट 2025;13(1):018701, ABR080. https://doi.org/10.1289/JहिP.1375
2) सिंह त., **पाराशर अ., सिंह न., धिमान अ., शर्मा न.** "विकसित भारत संकल्प यात्रा – गैर-संचारी रोगों के स्क्रीनिंग और समुदायों में जागरूकता व सशक्तिकरण के अवसर: एक संक्षिप्त रिपोर्ट।" एनएमओ जर्नल 2025;19(1):61-63. DOI: 10.4103/JNMO.JNMO_4_25
3) डेबनाथ डी.जे., राय स.क., कांबले स., गवाड़े न., **ठकरे म.म**., गिरी प., जवादेकर स.स. "आईएपीएसएम पोज़िशन पेपर: माँ से बच्चे में एच.आई.वी. का वर्टिकल ट्रांसमिशन।" इंडियन जर्नल ऑफ कम्युनिटी मेडिसिन. 2024 दिसंबर 1;49(Suppl 2):S191-201.
4) करोल स., **ठकरे म.म**., गिरी प.ए., कारोळ म., शर्मा म., धिमान र. "उत्तर भारत के हाई स्कूल छात्रों में यंग इंटरनेट एडिक्शन टेस्ट का मनोमितीय विश्लेषण।" इंडियन जे कम्युनिटी मेड 2025;50:615-20.
5) करोल स., **ठकरे म.म**. "भारत में टीकाकरण सेवाओं को डिजिटल रूपांतरण के माध्यम से मजबूत बनाना: को-विन से यू-विन तक – एक समीक्षा।" निवारक चिकित्सा: अनुसंधान और समीक्षा. 2024 Jan 1;1(1):25-8.
6) गुलाटी अ., **ठकरे म.म., धिमान अ.** " यू-विन, ई-विन और को-विन: भारत में टीकाकरण कवरेज बढ़ाने के लिए डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म का उपयोग।" इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कम्युनिटी मेड पब्लिक हेल्थ.2025;12(2):1166-1171. doi:10.18203/2394-6040.ijcmph20250340
7) कालरा स., अंजना र.म., वर्मा म., प्रदीपा र., **शर्मा न.,** डीपा म., इत्यादि. "हरियाणा में वयस्कों में मधुमेह की प्रचलन में शहरी और ग्रामीण अंतर: ICMR-INDIAB अध्ययन (ICMR-INDIAB-18)।" Diabetes Ther 2024;15:1597–613.
8) गुप्ता म., बंसल अ., मेहता अ., **शर्मा न.** "भारत में वयस्क टीकाकरण की आवश्यकता और तर्क: एक समीक्षा।" निवारक चिकित्सा अनुसंधान एवं समीक्षा. 2025;2(2):76–86. https://doi.org/10.4103/PMRR.PMRR_13_24
9) **शर्मा न**., वर्मा म., गोयल क., कुलकर्णी म.म., भारद्वाज अ., शर्मा स., इत्यादि. "भारत में वयस्क टीकाकरण के लिए आईएपीएसएम का इन्फ्लुएंज़ा वैक्सीन पोज़िशन पेपर।" इंडियन जे कम्युनिटी मेड 2024 Dec;49(Suppl 2):S146–52.
10) गोयल क., वर्मा म., **शर्मा न.,** परिदा स.प., भारद्वाज अ., नड्डा अ., इत्यादि. "भारत में वयस्क टीकाकरण के लिए आईएपीएसएम का टाइफाइड वैक्सीन पोज़िशन पेपर।" इंडियन जे कम्युनिटी मेड 2024 Dec;49(Suppl 2):S139–45.
11) राव सी.आर., कामथ वि.जी., नड्डा अ., परिदा स.प., **शर्मा न.,** गोयल क., इत्यादि. "भारत में वयस्क टीकाकरण के लिए आईएपीएसएम का न्यूमोकोकल वैक्सीन (PCV) पोज़िशन पेपर।" इंडियन जे कम्युनिटी मेड 2024 Dec;49(Suppl 2):S132–8.
12) **शर्मा न., ठकरे म.म.** "IJCM_294A: तृतीयक देखभाल संस्थान के स्टाफ और छात्रों में कोविड-19टीकाकरण की स्थिति और बूस्टर डोज़ के लिए तत्परता।" इंडियन जे कम्युनिटी मेड 2024 Apr;49(Suppl 1):S85. doi: 10.4103/ijcm.ijcm_abstract294. PMCID: PMC11155930.

पुस्तक में अध्याय

क्र. सं.	लेखक	अध्याय और पुस्तक का शीर्षक	संपादक का नाम	आई.एस.बी.एन. संख्या	संस्करण एवं वर्ष	प्रकाशक
1.	डॉ. अनुपम पाराशर	एनआईएचएफडब्ल्यू एमओएचएफडब्ल्यू के स्नातकोत्तरडीएम स्वास्थ्य संवर्धन दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम के मॉड्यूल खंड-3 स्वास्थ्य संवर्धन में योजना, डिजाइन, निगरानी और मूल्यांकन इकाई-1 स्वास्थ्य संवर्धन कार्यक्रम की योजना बनाना इकाई-2 स्वास्थ्य संवर्धन में निगरानी और मूल्यांकन	एन.आई.एच.एफ.डब्ल्यू.		2025	एन.आई.एच.एफ.डब्ल्यू. स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार
2.	डॉ. पुरुषोत्तम गिरी, मुख्य संपादक	आई.ए.पी.एस.एम. बेस्ट प्रैक्टिसेज कम्पेंडियम 2024–25	डॉ. मीनल म. ठकरे, सहायक संपादक	-	प्रथम संस्करण, 2024	इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रिवेंटिव एंड सोशल मेडिसिन (आईएपीएसएम)

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

डॉ. अनुपम पाराशर

1) केंद्रीय टीम सदस्य - राष्ट्रीय एचआईवी प्रहरी निगरानी संस्थान, एम्स (एनआई-एम्स),
2) राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, भारत सरकार
3) राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम, हिमाचल प्रदेश पर राज्य टास्क फोर्स के सदस्य
4) उपाध्यक्ष - स्थानीय अनुसंधान सलाहकार समिति, एमआरयू, डॉ. आरकेजीएमसी, हमीरपुर
5) बाह्य सदस्य - अध्ययन बोर्ड, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय।
6) एम.बी.बी.एस. पाठ्यक्रम के लिए राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के निर्धारक
7) टीबी मृत्यु लेखा परीक्षा समिति, राज्य टीबी प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के सदस्य
8) ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र, मार्कंड और शहरी स्वास्थ्य प्रशिक्षण केंद्र, रौड़ा, बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश) में विभागीय ओपीडी सेवाएँ शुरू की गईं।
9) जीवनशैली संशोधन और स्टाफ वेलनेस क्लिनिक, एम्स, बिलासपुर शुरू किया गया।
10) शहरी और ग्रामीण प्रशिक्षण स्वास्थ्य केंद्रों से आउटरीच सेवाएँ।
11) सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा विभाग में इंटर्नशिप के लिए इंटर्नशिप कार्यक्रम और लॉग बुक का प्रारूप तैयार किया गया।
12) एम्स बिलासपुर के सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा विभाग के शहरी एवं ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों में वर्ष 2025 में प्रशिक्षुओं के पहले बैच की इंटर्नशिप शुरू हुई।
13) ईसीएचओ प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हुए ब्लॉक मार्कण्ड के सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों के लिए गैर-संचारी रोगों के प्रबंधन हेतु क्षमता निर्माण कार्यक्रम।

डॉ. मीनल एम ठाकरे

1) तंबाकू नियंत्रण पर बुनियादी पाठ्यक्रम पूरा करने के लिए 2024-25 के दौरान स्नातकोत्तरआईएमईआर चंडीगढ़ के तंबाकू नियंत्रण संसाधन केंद्र द्वारा योग्यता प्रमाणपत्र प्रदान किया गया।
2) 2025 में राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी में आजीवन सदस्यता प्राप्त हुई, साथ ही विभिन्न व्यावसायिक संगठनों की सदस्यता भी प्राप्त हुई।
3) "चिकित्सा अनुसंधान के लिए वैज्ञानिक लेखन" कार्यशाला के संयोजक के रूप में कार्य करने के लिए 10 अप्रैल 2025 को प्रशंसा पुरस्कार प्राप्त हुआ।

4) सर्वोत्तम प्रथाओं के लिए राष्ट्रीय समिति, आईएपीएसएम के राष्ट्रीय प्रमुख के रूप में कार्य करने के लिए 13 अप्रैल 2025 को एम्स अवंतीपोरा, कश्मीर के कार्यकारी निदेशक द्वारा प्रशंसा पुरस्कार प्रदान किया गया।
5) मई 2025 में भारत सरकार के क्षमता निर्माण आयोग के राष्ट्रीय कर्मयोगी जन सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत एम्स बिलासपुर के लिए प्रमुख प्रशिक्षक के रूप में कार्य किया, जिसमें 300 चयनित राष्ट्रीय प्रमुख प्रशिक्षकों में से एक रहा।
6) वर्ष 2022 से अब तक राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानकों (एनक्यूएएस), एनएचएसआरसी, भारत सरकार के लिए एक राष्ट्रीय बाह्य निर्धारक के रूप में कार्यरत।
7) नवंबर 2024 में भारत सरकार के एनएचएम के 16वें वार्षिक कॉमन रिव्यू मिशन में त्रिपुरा के लिए एक जन स्वास्थ्य विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया।
8) वर्ष 2023 से अब तक एक अंतरराष्ट्रीय डीओएजे-सूचीबद्ध पत्रिका, प्रिवेंटिव मेडिसिन: रिसर्च एंड रिव्यूज़ के प्रबंध संपादक के रूप में कार्यरत।
9) 28 जुलाई 2025 को स्नातकोत्तरआईएमईआर, चंडीगढ़ में प्राथमिक स्वास्थ्य प्रबंधन के लिए संसाधन संकाय के रूप में आमंत्रित।
10) 15 सितंबर 2024 को एम्स, नई दिल्ली में यंग लीडर्स एम्बेसडर पुरस्कार के लिए राष्ट्रीय प्रमुख के रूप में कार्य किया।

डॉ. नवप्रीत

1) सेंटर फॉर रूरल हेल्थ, मार्कंड में रोगी देखभाल सेवाओं के प्रारंभ में सक्रिय भागीदारी।
2) एम्स बिलासपुर और जिला बिलासपुर से नमूनों के परिवहन के लिए ड्रोन संचालन के प्रारंभ में सक्रिय भागीदारी, इंटरमीडिएट रेफरेंस लैब (टीबी सैनेटोरियम), जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश।
3) सेंटर फॉर रूरल हेल्थ, मार्कंड में इंटर्न्स के लिए शिक्षण और प्रशिक्षण का प्रारंभ।
4) जिला बिलासपुर में 'टीबी मुक्त पंचायत' दावे के आकलन के लिए जिला सत्यापन टीम के सदस्य।
5) जिला बिलासपुर में स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों को रोगी देखभाल सेवाओं में सुधार हेतु मार्गदर्शन।
6) ई.सी.एच.ओ. प्लेटफ़ॉर्म का उपयोग कर कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर्स को व्याख्यान देना।
7) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के संकाय के लिए कर्मयोगी हेतु iGOT पर दस ऑनलाइन पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूर्ण किए, जैसा समय-समय पर अधिसूचित किया गया।

डॉ. अनुपमा धीमान

1) एम्स बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश में स्टाफ वेलनेस क्लिनिक की शुरुआत में सक्रिय भागीदारी।
2) जिला बिलासपुर में स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों को रोगी देखभाल सेवाओं में सुधार हेतु मार्गदर्शन।
3) ई.सी.एच.ओ. प्लेटफ़ॉर्म का उपयोग कर कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर्स को व्याख्यान देना।
4) अंडरग्रेजुएट्स के प्रायोगिक सत्रों में जिगसॉ तकनीक का उपयोग करके छोटे समूह शिक्षण का कार्यान्वयन।
5) एम्स बिलासपुर के लिए फर्नीचर मूल्यांकन के दृष्टिगत सी.ए.पी.एफ.आई.एम.एस., नई दिल्ली का दौरा, फर्नीचर कमेटी के हिस्से के रूप में।
6) जिला बिलासपुर में कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर्स के लिए ई.सी.एच.ओ. प्लेटफ़ॉर्म पर सत्र आयोजित करने की समन्वयक भूमिका।

डॉ. निकिता शर्मा

1) अर्बन हेल्थ ट्रेनिंग सेंटर, रौड़ा में रोगी देखभाल सेवाओं की शुरुआत में सक्रिय भागीदारी।
2) अर्बन हेल्थ ट्रेनिंग सेंटर, रौड़ा में इंटर्न्स के शिक्षण और प्रशिक्षण की शुरुआत।
3) बिलासपुर में स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों को रोगी देखभाल सेवाओं में सुधार हेतु मार्गदर्शन।
4) ई.सी.एच.ओ. प्लेटफ़ॉर्म का उपयोग कर कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर्स को व्याख्यान देना।
5) राष्ट्रीय स्तर के निबंध प्रतियोगिता स्नातक- एमईबी, नेशनल मेडिकल कमिशन, आईएपीएसएम के सहयोग से, के लिए ज्यूरी सदस्य।

सामुदायिक सेवा

डॉ. अनुपम पराशर

1) वर्ल्ड मेन्स्टु अल हाइजीन डे 2024 – 29.05.2024, गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल (गर्ल्स), रौड़ा, जिला बिलासपुर।

2) "अंगदान जन जागरूकता अभियान" के अंतर्गत ऑर्गन डोनेशन मंथ 2024 में एम.बी.बी.एस. छात्रों और अटैच्ड हेल्थ सेंटरों में जनता के बीच जागरूकता।
3) इंडियन ऑर्गन डोनेशन डे पर मल्टीस्पेशलिटी टॉक और जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन।
4) वर्ल्ड टीबी डे 2025 और "टीबी मुक्त भारत" अभियान के तहत निक्षय शिविरों का आयोजन।
5) वर्ल्ड टीबी डे पर आम जनता के लिए जागरूकता रैली और नुक्कड़ नाटक का आयोजन, जिसके बाद प्रश्न-उत्तर सत्र हुआ; 22.03.2025 को एम्स बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश) में 50-60 लोगों ने भाग लिया।
6) वर्ल्ड हेल्थ डे 2024 के अंतर्गत जागरूकता और क्विज़।
7) वर्ल्ड डायबिटीज डे 2024 का आयोजन थीम "ब्रेकिंग बैरियर्स, ब्रिजिंग गैप्स" के तहत, लाइफस्टाइल मैनेजमेंट और स्टाफ वेलनेस क्लिनिक, ओ.पी.डी. ब्लॉक, एम्स बिलासपुर में।
8) अक्टूबर 2024 – ब्रेस्ट कैंसर अवेयरनेस मंथ: मार्कंड में आशा वर्कर्स के लिए संवेदनशीलता सत्र।
9) वर्ल्ड इम्युनाइजेशन डे – आम जनता के लिए स्वास्थ्य चर्चा, नवंबर 2024।
10) वर्ल्ड नो टोबैको डे, मई 2024 – एम.बी.बी.एस. और बी.एस.सी. संबद्ध विज्ञान के छात्रों द्वारा स्वास्थ्य चर्चा और प्रतिज्ञा।

डॉ. मीनल एम ठाकरे

1) नवंबर 2024 में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के 16वें कॉमन रिव्यू मिशन में भाग लिया और जन स्वास्थ्य विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया।
2) जून 2024 में बिलासपुर के 19 आंगनवाड़ी केंद्रों में एबी-पीएमजेएवाई के अंतर्गत सेवा पखवाड़ा गतिविधियों का आयोजन किया।
3) सितंबर 2024 में एक आंगनवाड़ी केंद्र में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह गतिविधियों का आयोजन किया।
4) 11 जुलाई 2024 को बिलासपुर के एचडब्ल्यूसी-पीएचसी रौड़ा में विश्व जनसंख्या दिवस पर गतिविधियों का नेतृत्व किया, जिसमें टीम लीडर के रूप में 25 प्रतिभागियों के लिए संवेदीकरण और समस्या-समाधान किया गया।
5) 19 जून 2024 को एम्स बिलासपुर में विश्व सिकल सेल एनीमिया दिवस 2024 पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें सिकल सेल एनीमिया के विषय में जागरूकता बढ़ाई गई।
6) मई 2025 के दौरान जिला बिलासपुर में स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों को मार्गदर्शन और सुविधा प्रदान की।
7) 2024 में वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, कोठीपुरा में स्वच्छता ही सेवा अभियान में भाग लिया।
8) 2024 में केंद्रीय नवोदय विद्यालय में स्कूली छात्रों के लिए गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के विषय में जागरूकता सत्र आयोजित किए।
9) 27 दिसंबर 2024 को एम्स बिलासपुर के सुरक्षा गार्डों के लिए पॉश अधिनियम पर एक जागरूकता सत्र आयोजित किया।
10) 2 अक्टूबर 2024 को स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान एक स्वच्छता अभियान का आयोजन किया।
11) 20 जुलाई 2024 को "बाधाओं को तोड़ना: ट्रांसजेंडर समावेशिता" शीर्षक से एक सत्र आयोजित किया, जिसमें लैंगिक समावेशिता के विषय में जागरूकता पर ध्यान केंद्रित किया गया।
12) 11 जुलाई 2024 को डीएवी स्कूल में विश्व मोटापा दिवस की गतिविधियों में भाग लिया।

डॉ. नवप्रीत

1) विश्व टीकाकरण सप्ताह 2024 के दौरान, 29 अप्रैल 2024 को डीएवी पब्लिक स्कूल, बिलासपुर में कक्षा 9 से 11 तक के 150 से अधिक विद्यार्थियों को किशोरों के टीकाकरण पर ध्यान केंद्रित करते हुए टीकों के महत्व के विषय में जागरूक किया गया।
2) विश्व मासिक धर्म स्वच्छता दिवस 2024 पर, 29 मई 2024 को शासकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय (कन्या), रौड़ा, बिलासपुर में 350 से अधिक विद्यार्थियों और कर्मचारियों को मासिक धर्म, स्वच्छता और मिथकों के विषय में जागरूक किया गया और पुरुषों की भागीदारी को प्रोत्साहित किया गया।
3) अंगदान माह 2024 के दौरान "अंगदान जन जागरूकता अभियान" के एक भाग के रूप में, 50 से अधिक प्रतिभागियों (रोगियों, आशा कार्यकर्ताओं और कर्मचारियों सहित) को जागरूक किया गया, मिथकों का समाधान किया गया और 27 जुलाई 2024 को ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र/सिविल अस्पताल, मार्कंड, बिलासपुर में एक नुक्कड़ नाटक और स्वास्थ्य वार्ता का पर्यवेक्षण किया गया।

4) भारतीय अंगदान दिवस 2024 पर, 2 अगस्त 2024 को ग्राम राजपुरा, मार्कंड, बिलासपुर में जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से 20 से अधिक लोगों को अंगदान का संकल्प लेने के लिए प्रेरित किया गया।
5) 18 सितंबर 2024 को जुखाला, मार्कंड, बिलासपुर में सैर मेला स्वास्थ्य शिविर के दौरान लगभग 30 रोगियों और उनके परिजनों को चिकित्सीय देखभाल सेवाएँ प्रदान की गईं।
6) विश्व रेबीज दिवस 2024 पर, 27 सितंबर 2024 को ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र, मार्कंड, बिलासपुर में लगभग 50 लोगों को रेबीज की रोकथाम, जानवरों के काटने के बाद प्राथमिक उपचार और समय पर टीकाकरण के विषय में शिक्षित किया गया।
7) स्वच्छता ही सेवा अभियान 2024 के तहत, 1 अक्टूबर 2024 को एम्स बिलासपुर में एक रैली निकाली गई, जिसमें 200 से अधिक छात्रों ने स्वच्छता, अपशिष्ट पृथक्करण और एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक के उपयोग को कम करने के विषय में जागरूकता बढ़ाई।
8) अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस 2024 के उपलक्ष्य में, 7 अक्टूबर 2024 को ग्राम बेनला ब्राह्मणा, मार्कंड, बिलासपुर में 20 वृद्धजनों और कर्मचारियों के लिए एक स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया।
9) विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस 2024 पर, 10 अक्टूबर 2024 को शासकीय उच्च विद्यालय, देलाग, मार्कंड, बिलासपुर में 50 से अधिक कर्मचारियों और विद्यार्थियों को कार्यस्थान पर तनाव और स्वास्थ्य के विषय में जागरूक किया गया।
10) स्तन कैंसर जागरूकता माह 2024 के दौरान, 28 अक्टूबर 2024 को ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र/सिविल अस्पताल, मार्कंड, बिलासपुर में 30 से अधिक आशा कार्यकर्ताओं को लक्षणों, जोखिम कारकों, रोकथाम और स्तन स्व-परीक्षण पर प्रशिक्षित किया गया।
11) विश्व निमोनिया दिवस 2024 पर, 13 नवंबर 2024 को ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र/सिविल अस्पताल, मार्कंड, बिलासपुर में 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों की 20 से अधिक माताओं और अन्य लोगों को निमोनिया के लक्षणों, रोकथाम और शीघ्र पहचान के विषय में जागरूक किया गया।
12) विश्व एड्स दिवस 2024 के लिए, 150 से अधिक छात्रों और कर्मचारियों को एचआईवी संचरण और रोकथाम के विषय में शिक्षित किया गया, मिथकों को दूर किया गया और 3 दिसंबर 2024 को शासकीय वरिष्ठ माध्यमिक (बालक) विद्यालय, रौड़ा, बिलासपुर में एक नुक्कड़ नाटक का पर्यवेक्षण किया गया।
13) 24 मार्च 2025 को विश्व टीबी दिवस 2025 (समुदाय) के लिए, ग्राम पंचायत, डयोढ़ (भजून), मार्कंड, बिलासपुर और एम्स बिलासपुर में एक रैली और नुक्कड़ नाटक के माध्यम से 50 से अधिक जन प्रतिभागियों और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और 100 से अधिक छात्रों के बीच जागरूकता बढ़ाई गई।
14) निक्षय शिविर (टीबी मुक्त भारत) के अंतर्गत 9 मार्च 2025 और 11 मार्च 2025 को बिलासपुर के मारकण्डा के दियारा और बंदला में 40 से अधिक प्रतिभागियों को स्वास्थ्य वार्ता दी गई, जिसमें टीबी के लक्षण, जांच, उपचार और निवारक उपायों पर ध्यान केंद्रित किया गया।

डॉ. अनुपमा धीमान

1) विश्व टीकाकरण सप्ताह 2024 के दौरान, 29 अप्रैल 2024 को डीएवी पब्लिक स्कूल, बिलासपुर में कक्षा 9 से 11 तक के 150 से अधिक विद्यार्थियों को किशोरों के टीकाकरण पर विशेष जोर देते हुए टीकों के महत्व के विषय में जागरूक किया गया।
2) विश्व मासिक धर्म स्वच्छता दिवस 2024 पर, 29 मई 2024 को शासकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय (कन्या), रौड़ा, बिलासपुर में 350 से अधिक विद्यार्थियों और कर्मचारियों को मासिक धर्म, स्वच्छता, आम मिथकों और पुरुषों की भागीदारी के महत्व के विषय में शिक्षित किया गया।
3) अंगदान माह 2024 के दौरान "अंगदान जन जागरूकता अभियान" के तहत, 27 जुलाई 2024 को ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र/सिविल अस्पताल, मार्कंड, बिलासपुर में रोगियों, आशा कार्यकर्ताओं और कर्मचारियों सहित 50 से अधिक प्रतिभागियों को जागरूक किया गया, मिथकों को स्पष्ट किया गया और एक नुक्कड़ नाटक और स्वास्थ्य वार्ता का आयोजन किया गया।
4) भारतीय अंगदान दिवस 2024 पर, जागरूकता गतिविधियों ने आम जनता, आशा कार्यकर्ताओं और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं में से 20 से अधिक व्यक्तियों को 2 अगस्त 2024 को ग्राम राजपुरा, मार्कंड, बिलासपुर में पंजीकरण कराने और अंगदान का संकल्प लेने के लिए प्रेरित किया।

5) विश्व स्तनपान सप्ताह 2024 के लिए, लगभग 25 माताओं और बच्चों को 7 अगस्त 2024 को आंगनवाड़ी केंद्र पारोही, मार्कंड, बिलासपुर में स्तनपान के लाभों और उचित दूध पिलाने की स्थिति के विषय में जागरूक किया गया।
6) स्वच्छता ही सेवा अभियान 2024 के तहत, 1 अक्टूबर 2024 को एम्स बिलासपुर में स्वच्छता, अपशिष्ट पृथक्करण और एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक को कम करने के लिए 200 से अधिक छात्रों की एक रैली आयोजित की गई।
7) विश्व मधुमेह दिवस 2024 पर, 26 लाभार्थियों ने एम्स बिलासपुर में रक्तचाप, रक्त शर्करा और बीएमआई जांच कराई, जिसके बाद जीवनशैली परामर्श दिया गया (कार्यक्रम के अवसर के अलावा तिथि निर्दिष्ट नहीं की गई)।
8) विश्व एड्स दिवस 2024 के लिए, 150 से अधिक छात्रों और कर्मचारियों को एचआईवी/एड्स संचरण और रोकथाम के विषय में जागरूक किया गया, मिथकों को संबोधित किया गया, और 3 दिसंबर 2024 को शासकीय वरिष्ठ माध्यमिक (बालक) विद्यालय, रौड़ा, बिलासपुर में एक नुक्कड़ नाटक का पर्यवेक्षण किया गया।
9) गर्भाशय ग्रीवा कैंसर जागरूकता माह 2025 के दौरान, 22 जनवरी 2025 को शासकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय (बालिका), रौड़ा, बिलासपुर में 100 से अधिक छात्रों और कर्मचारियों को गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की रोकथाम और टीकाकरण के विषय में जागरूक किया गया।
10) विश्व टीबी दिवस 2025 पर, 24 मार्च 2025 को एम्स बिलासपुर में टीबी के लक्षणों, संचरण, निदान और उपचार के विषय में जागरूकता बढ़ाने के लिए 100 से अधिक छात्रों ने एक रैली और नुक्कड़ नाटक में भाग लिया।

डॉ. निकिता शर्मा

1) 17 मई, 2024 को विश्व उच्च रक्तचाप दिवस पर एमबीबीएस छात्रों के बीच एक प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई, जिसमें एम्स बिलासपुर के लगभग 100 एमबीबीएस छात्रों ने भाग लिया।
2) 11 जुलाई 2024 को यूएचटीसी रौरा में विश्व जनसंख्या दिवस 2024 पर आम जनता के लिए एक जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 40 महिलाओं ने भाग लिया और अपने अनुभव भी साझा किए।
3) 13.07.2024 को नर्सिंग छात्रों, नर्सिंग अधिकारियों, एमबीबीएस छात्रों, कर्मचारियों और स्थानीय ट्रांसजेंडर कार्यकर्ताओं के लिए 'बाधाओं को तोड़ना: चिकित्सा व्यवस्था में ट्रांसजेंडर समावेशिता को बढ़ावा देना' शीर्षक से एक जागरूकता कार्यक्रम का समन्वय किया गया, जिसमें लगभग 80 प्रतिभागियों को जागरूक किया गया।
4) विश्व स्तनपान सप्ताह 2024 के अवसर पर 07.08.2024 को आंगनवाड़ी केंद्र, पारोही, बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश) में लगभग 20 गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं को व्याख्यान दिया।
5) 16.09.2024 को जुखाला, बिलासपुर में सायर मेले (ज़िला स्तरीय) में एक स्वास्थ्य शिविर और रक्तदान शिविर का आयोजन और उसमें भाग लिया, जिसमें लगभग 75 रोगियों की गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) के लिए जाँच की गई और 20 ने रक्तदान किया।
6) 28.09.2024 को ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र, मार्कंड, बिलासपुर में विश्व रेबीज दिवस पर प्राथमिक उपचार और जानवरों के काटने पर शीघ्र हस्तक्षेप पर केंद्रित स्वास्थ्य वार्ता दी, जिसमें 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
7) विश्व टीकाकरण दिवस पर आम जनता के लिए एक सामुदायिक जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया, और 11 नवंबर 2024 को ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र, मार्कंड, बिलासपुर में एमबीबीएस छात्रों द्वारा पोस्टर निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 45 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
8) 100 दिवसीय टीबी अभियान के तहत निक्षय शिविर में एमबीबीएस छात्रों द्वारा एक रोल प्ले का आयोजन किया गया, जिसमें 7 मार्च, 2025 को जवाहर नवोदय विद्यालय, कोठीपुरा में लगभग 40 स्कूली छात्रों को जागरूक किया गया।
9) विश्व टीबी दिवस पर आम जनता के लिए एक जागरूकता रैली और नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया, जिसके बाद प्रश्नोत्तर सत्र का आयोजन किया गया जिसमें 22.03.2025 को एम्स बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश) में 50-60 लोगों ने भाग लिया।

दंत चिकित्सा विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पदनाम	कार्यभार ग्रहण की तिथि
1.	प्रो. (डॉ.) दिनेश कुमार वर्मा	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	16.11.2020
2.	डॉ. नीलम यादव	सहायक आचार्य	20.03.2024

विभाग के विषय में

परिचय

एम्स बिलासपुर में दंत चिकित्सा विभाग एक विकसित और गतिशील विशेषज्ञता क्षेत्र है, जो समेकित और विशिष्ट मौखिक स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने के लिए समर्पित है। ओरल और मैक्सिलोफेशियल सर्जरी तथा प्रोसिथोडोंटिक्स (क्राउन एवं ब्रिज) में संकाय विशेषज्ञता के साथ, यह विभाग दंत चिकित्सा विभाग की सभी शाखाओं में समग्र सेवाएँ प्रदान करता है, जिनका संचालन वरिष्ठ और कनिष्ठ रेज़िडेंट्स के सहयोग से होता है। स्थापना से ही यह विभाग नैदानिक उत्कृष्टता, शैक्षणिक प्रशिक्षण और सामुदायिक सेवा को उन्नत तकनीकों और रोगी-केंद्रित दृष्टिकोण के साथ संयोजित करने का प्रयास कर रहा है।

दृष्टि

मौखिक स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा और अनुसंधान में उत्कृष्टता का केंद्र बनना, और रोगी-केंद्रित सेवाएँ करुणा, नैतिकता और नवाचार के साथ प्रदान करना।

लक्ष्य

- सभी विशेषज्ञताओं में व्यापक और प्रमाण-आधारित दंत चिकित्सा देखभाल प्रदान करना।
- स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक प्रशिक्षण सुनिश्चित करना।
- अंतर-विभागीय सहयोग के माध्यम से अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देना।
- समुदाय में रोकथाम और मौखिक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करना।
- संस्थागत विकास और राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा में योगदान देना।

रोगी देखभाल सेवाएँ

नवम्बर 2022 में विभाग ने तीन डेंटल चेयर्स के साथ ओपीडी, आईपीडी और आपातकालीन सेवाओं के साथ नैदानिक सेवाएँ शुरू की। 2024–25 तक यह संख्या बढ़कर पाँच डेंटल चेयर्स हो गई, जिसमें एक समर्पित माइनर सर्जरी यूनिट भी शामिल है। विभाग सभी प्रमुख दंत विशेषज्ञताओं में व्यापक देखभाल प्रदान करता है और आउट पेशेंट एवं आपातकालीन मामलों दोनों को सेवा देता है। रोकथाम, उपचार और पुनर्वासात्मक दंत देखभाल गुणवत्ता और सुलभता के साथ प्रदान की जाती है।

शैक्षणिक पाठ्यक्रम

शिक्षा, विभाग का मुख्य कार्य है। संकाय सदस्य एमबीबीएस छात्रों को सैद्धांतिक व्याख्यान और नैदानिक अनुभव प्रदान करते हैं। विभाग ओरल और मैक्सिलोफेशियल सर्जरी में मास्टर ऑफ डेंटल सर्जरी कार्यक्रम भी संचालित करता है, जो स्नातकोत्तर छात्रों को विशेषज्ञ कौशल, नैदानिक विशेषज्ञता और उन्नत अनुसंधान के अवसर प्रदान करता है।

अनुसंधान एवं नवाचार

विभाग सक्रिय रूप से अनुसंधान और नवाचार में लगा हुआ है, और अंतर-विभागीय एवं अंतर-संस्थागत सहयोग को बढ़ावा देता है। संकाय और रेज़िडेंट्स दंत विज्ञान में प्रमाण-आधारित और रोगी-केंद्रित प्रथाओं का विकास करने हेतु योगदान देते हैं। विभिन्न समितियों में भागीदारी विभाग की शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों में भूमिका को और मजबूत बनाती है।

भविष्य की योजनाएँ

दंत चिकित्सा विभाग अपनी सेवाओं के दायरे का विस्तार करने, अतिरिक्त दंत विशेषज्ञताओं को शामिल करने, और आधुनिक तकनीकों से अवसंरचना को सशक्त बनाने की योजना बना रहा है। इसमें कम सेवा वाले क्षेत्रों में मौखिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम, अनुसंधान पहल को बढ़ावा देना, और विभाग को दंत विज्ञान में उत्कृष्टता का केंद्र बनाना शामिल है। नैदानिक देखभाल, शिक्षा और नवाचार में निरंतर वृद्धि के साथ, विभाग क्षेत्र में दंत शिक्षा, सेवा और अनुसंधान का प्रमुख केंद्र बनने का लक्ष्य रखता है।

सतत चिकित्सा शिक्षा / राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में व्याख्यान / पेपर / पोस्टर प्रस्तुतियाँ

क्र. सं.	संकाय का नाम	व्याख्यान / पत्र / पोस्टर का शीर्षक	योगदान का प्रकार	कार्यक्रम का विवरण (आयोजक / स्थान)	दिनांक
1.	डॉ. दिनेश कुमार वर्मा	एन.ओ.ई. फ्रैक्चर का प्रबंधन	मुख्य व्याख्यान	भारत के ओरल और मैक्सिलोफैशियल सर्जनों के संघ की 9वीं वार्षिक सम्मेलन, तेलंगाना राज्य अध्याय	30-31 अगस्त 2024

प्रकाशन

1) मिमांसा, ज़फ़र एम.ए., **वर्मा डी.के.,** दास आर., अग्रवाल जेन., शानवस ए. ऑटोलॉजस कीमो-फोटो-इम्यून सक्रिय नैनो-माइक्रो-सीरा आधारित फाइब्रिन इम्प्लांट द्वारा स्तन कैंसर की पुनरावृत्ति से सुरक्षा। *नैनोस्केल* 25 जुलाई 2024;16(29):14006-14019. doi: 10.1039/d4nr01076k. PMID: 38989622. मूल लेख। PUBMED सूचीबद्ध।
2) कुमार जे., अलगारसामी आर., लाल बी., राय ए.जे., जोशी आर., कर्णा एस.टी., शक्ति पी., **वर्मा डी.के.,** यादव वी., गोयल पी., युनुस एम., बराथी ए. लेप्रोस्कोपिक सर्जरी कराने वाले रोगियों में पोस्टऑपरेटिव मतली और उल्टी को रोकने के लिए पलोनोस्ट्रॉन और ओन्डान्स्ट्रॉन की प्रभावकारिता और सुरक्षा की तुलना: एक प्रणालीगत समीक्षा एवं मेटा-विश्लेषण। *जे मिनिम इनवेसिव सर्ज.* 15 दिसंबर 2024;27(4):202-216. doi: 10.7602/jmis.2024.27.4.202. PMID: 39675754. प्रणालीगत समीक्षा। PUBMED सूचीबद्ध।
3) वालिया एस., **वर्मा डी.**, बंसल एस., सुतर एस., गुप्ता ए., कार्डवाल के. प्रभावित अधोयक मोलर (मैन्डिबुलर तृतीय मोलर) के निष्कर्षण में पिज़ोसर्जरी उपकरण और रोटरी उपकरण के उपयोग की तुलना। *J Pharm Bioallied Sci.* जुलाई 2024;16(पूरक 3):S2140-S2142. doi: 10.4103/jpbs.jpbs_92_24. Epub 31 जुलाई 2024. PMID: 39346438; PMCID: PMC11426619. मूल लेख। PUBMED सूचीबद्ध।
4) यादव एल., मेहरा पी., वासिष्ठ डी., मैट्टू एन., बिस्वास के., **यादव एन.** भारत में मौखिक स्वास्थ्य चिकित्सकों में फार्माकोविजिलेंस और मैटेरियोविजिलेंस के ज्ञान, दृष्टिकोण एवं अभ्यास का मूल्यांकन। जर्नल ऑफ फार्मेसी और बायोअलाइड साइंसेज1 फरवरी 2024;16(पूरक 1):S202-205. मूल लेख।
5) यादव एल., मैट्टू एन., **यादव एन.,** देव जे.के. शल्य-क्रियाओं के परिणामों में सुधार: शिशुओं में एकतरफा होठ, दांत और तालु दोष (क्लेफ्ट लिप, एल्वियोलस और पैलेट) के लिए पूर्वशल्य नासोअल्वियोलर मोल्डिंग—एक प्रगतिशील नैदानिक रिपोर्ट। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्लिनिकल पीडियाट्रिक डेंटिस्ट्री. अगस्त 2024;17(8):951. केस रिपोर्ट।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ

डॉ. दिनेश कुमार वर्मा

1) सर्वाधिकार–एल-**149289/2024** गंभीर ट्रिज़मस वाले मामलों में सामान्य संज्ञाहरण के तहत शल्य चिकित्सा की आवश्यकता होने पर नासोफैरिंजियल एयरवे द्वारा थ्रोट पैकिंग: एक सरल और नवीन दृष्टिकोण।
2) सर्वाधिका – एल-**156816/2024** सिआलोसील के प्रबंधन के लिए न्यूनतम इनवेसिव ड्रेनेज प्रणाली: एक नवोन्मेषी तकनीक।

सामुदायिक सेवा

1) दंत विभाग ने 30 नवम्बर 2023 को एम्स बिलासपुर द्वारा रंजीत बक्षी जनकल्याण फाउंडेशन, नूरपुर, कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में भाग लिया।
2) दंत विभाग ने 16 से 18 सितम्बर 2024 को एम्स बिलासपुर द्वारा मार्कंद्रिषि, हिमाचल प्रदेश में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में भाग लिया।
3) दंत विभाग ने 07 से 10 अगस्त 2024 को जेएनवी स्कूल, कोठीपुरा में दंत चिकित्सा शिविर का आयोजन किया।
4) दंत विभाग ने 13 जून 2025 को सरकारी स्कूल, भोली में दंत चिकित्सा शिविर का आयोजन किया।

5) दंत विभाग ने 18 सितम्बर 2025 को एम्स बिलासपुर द्वारा गुग्गा भटेर, हिमाचल प्रदेश में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में भाग लिया।
6) दंत विभाग ने 25 सितम्बर 2025 को एम्स बिलासपुर द्वारा कुणाला, हिमाचल प्रदेश में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में भाग लिया।
7) दंत विभाग ने 27 सितम्बर 2025 को एम्स बिलासपुर द्वारा चेतना संस्था, विजयपुर, बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में भाग लिया।

त्वचाविज्ञान विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पदनाम	कार्यभार ग्रहण की तिथि
1.	डॉ. मंजू दरोच	सह-आचार्य	01.07.2024
		सहायक आचार्य	11.11.2020

विभाग के विषय में

परिचय

एम्स बिलासपुर में त्वचाविज्ञान विभाग की स्थापना 2021 में हुई थी। यह विभाग क्लिनिकल सेवाएँ, शैक्षणिक कार्यक्रम और अनुसंधान सहित व्यापक त्वचारोग संबंधी देखभाल प्रदान करता है। विभाग त्वचा, बाल, नाखून और श्लेष्म झिल्ली से संबंधित रोगों की व्यापक श्रृंखला का प्रबंधन करता है, जिसमें साक्ष्य-आधारित प्रबंधन, रोगी सुरक्षा और नवाचार पर विशेष ध्यान दिया जाता है। विभाग के शिक्षक और कर्मचारी रोगी देखभाल, शिक्षण और नैदानिक अनुसंधान में सक्रिय रूप से संलग्न हैं, जिससे तृतीयक स्तर की स्वास्थ्य सेवा में समग्र त्वरोगीय सेवाएँ सुनिश्चित होती हैं।

दृष्टि

सहानुभूतिपूर्ण रोगी सेवा और नवाचार पर जोर देते हुए त्वचारोग देखभाल, शिक्षा और अनुसंधान में उत्कृष्टता का केंद्र बनना।

लक्ष्य

उच्च गुणवत्ता, किफायती त्वचा देखभाल प्रदान करना; नैदानिक और शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देना; और अनुवादात्मक एवं सामुदायिक-केंद्रित त्वचारोग अनुसंधान में योगदान करना। वित्तीय वर्ष 2024–25 में विभाग ने विशेष क्लिनिकल सेवाओं को सुदृढ़ किया, नई नैदानिक सुविधाओं की शुरुआत की और बाह्य वित्त पोषित परियोजनाओं के माध्यम से अनुसंधान अवसंरचना का विस्तार किया, जो एम्स बिलासपुर की रोगी-केंद्रित एवं अनुसंधान-आधारित स्वास्थ्य सेवा की दृष्टि के अनुरूप है।

रोगी देखभाल सेवाएँ

वित्तीय वर्ष 2024–25 में कुल रोगियों को परामर्श प्रदान किया गया: 18289

विभाग प्रतिदिन ओपीडी सेवाएँ प्रदान करता है और त्वरोगीय आपात स्थितियों एवं दीर्घकालिक त्वचा रोगों (जैसे गंभीर दवा-संबंधी त्वचा प्रतिक्रिया, एरिथ्रोडर्मा, सोरायसिस, एक्जिमा, संयोजी ऊतक रोग और त्वचा कैंसर) के लिए 24x7 आईपीडी देखभाल उपलब्ध कराता है। इसमें बायोलॉजिकल दवा चिकित्साएँ भी शामिल हैं।

विशेष क्लिनिक (2024–25 में प्रारंभ):

- एक्जिमा क्लिनिक
- वर्णक विकार क्लिनिक
- इम्यूनोबुलस डिसऑर्डर्स क्लिनिक
- सोरायसिस क्लिनिक
- बाल त्वचारोग क्लिनिक
- एसटीआई क्लिनिक
- डर्माटोसर्जरी क्लिनिक

प्रक्रियाएँ एवं सेवाएँ

डर्माटोसर्जिकल हस्तक्षेप: विटिलिगो सर्जरी, पीआरपी/पीआरएफ ड्रेसिंग, जीएफसी, इंट्रालेशनल थेरपीज़, सिस्ट और मोल निष्कर्षण, हाइड्राडेनाइटिस सुपरेटिवा सर्जरी।

उन्नत उपचार: सोरायसिस और अर्टिकारिया के लिए बायोलॉजिक दवाएँ; कई संकेतों के लिए फोटोथेरेपी।

एलर्जी संपर्क डर्माटाइटिस के लिए पैच टेस्टिंग।

सौंदर्य त्वरोग चिकित्सा: केमिकल पीलिंग, माइक्रोनीडलिंग और हाइपरहाइड्रोसिस के लिए बोटुलिनम टॉक्सिन।

नैदानिक सहायता: के.ओ.एच. माउंट, ग्राम स्टेन, जीम्सा स्टेन और वेट माउंट सहित साइट प्रयोगशाला सेवाएँ।

नई उपकरण (2024–25): डिजिटल माइक्रोस्कोप प्रोजेक्शन के साथ, सेंट्रीफ्यूज, ओटी लाइट, ऑटोक्लेव, डर्मास्कोप और डर्माटोलॉजी सर्जिकल उपकरण।

शैक्षणिक गतिविधियाँ

विभाग एमबीबीएस, बीएससी नर्सिंग और एमडी त्वचाविज्ञान के छात्रों को त्वचाविज्ञान प्रशिक्षण प्रदान करता है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में, दो स्नातकोत्तर रेज़िडेंट नामांकित किए गए। शिक्षण-अधिगम में इंटरैक्टिव सत्र, केस-आधारित चर्चाएँ, कौशल प्रयोगशाला प्रदर्शन और बिस्तर पर नैदानिक शिक्षण शामिल हैं। शैक्षणिक आदान-प्रदान और सतत चिकित्सा शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए वर्ष के दौरान दो विभागीय सीएमई आयोजित किए गए।

अनुसंधान एवं नवाचार

विभाग ने बाह्य निधि के माध्यम से अपने शोध प्रोफ़ाइल को मज़बूत किया है, जिसके अंतर्गत एक परियोजना तकनीशियन की भर्ती की गई है।

वर्तमान शोध विषय एक्स्ट्राफेशियल मेलास्मा सहित वर्णक विकारों पर केंद्रित हैं, और समुदाय आधारित परियोजना डर्मेटोफ़ाइटोसिस पर केंद्रित है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, विभाग ने प्रतिष्ठित अनुक्रमित पत्रिकाओं में 13 शोधपत्र प्रकाशित किए। संकाय और निवासी अस्पताल-आधारित और सहयोगात्मक अनुसंधान पहलों में सक्रिय रूप से योगदान देते हैं।

सामुदायिक संपर्क

विभाग ने विश्व ल्यूपस दिवस सहित सामुदायिक सहभागिता गतिविधियों में भाग लिया, तथा एम्स बिलासपुर द्वारा आयोजित त्वचा स्वास्थ्य शिविरों में भी भाग लिया, जिसमें निवारक त्वचा स्वास्थ्य शिक्षा पर जोर दिया गया।

भविष्य की योजनाएँ

- लेज़र सेवाओं की स्थापना
- एकीकृत निदान के लिए डर्माटोपैथोलॉजी सेटअप का विकास
- ट्राइकॉलॉजी में फैलोशिप कार्यक्रम
- वीडियोडर्मास्कोप का अधिग्रहण
- सूजन और वर्णक संबंधी त्वचा रोगों पर बहु-केंद्रित अनुसंधान और अनुवादात्मक अध्ययन की शुरुआत
- शैक्षणिक उत्कृष्टता, कौशल-आधारित प्रशिक्षण और रोगी-केंद्रित नवाचार पर सतत जोर
- बाल प्रत्यारोपण

सीएमई/कार्यशालाएँ/संगोष्ठियाँ/राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन

क्र. सं.	कार्यक्रम का शीर्षक	कार्यक्रम का प्रकार	विषय / केन्द्रित क्षेत्र	तिथि एवं स्थान	आयोजन समिति	सहयोगी संस्थाएँ (यदि कोई हो)	प्रतिभागिता
1.	डर्माटोपैथोलॉजी नेक्सस	सीएमई	ग्रैनुलोमैटस रोग	31 अगस्त, 2024/ एम्स बिलासपुर	डॉ. मनुप्रिया, डॉ. गुरविंदर, डॉ. मंजू दरोच	डर्माटोपैथोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया	128
2.	नेक्स्ट जेन सॉल्यूशन्स इन हेयर रिस्टोरेशन – ट्राइकॉलॉजी और ट्रांसप्लांट एडवांसेस	सीएमई	ट्राइकॉलॉजी	26 अक्टूबर, 2024	डॉ. संजय विक्रांत, डॉ. मंजू दरोच	इंडियन एसोसिएशन ऑफ डर्माटोलॉजिस्ट, वीनरोलॉजिस्ट्स और लेप्रोलॉजिस्ट्स	100

सतत चिकित्सा शिक्षा / राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुत व्याख्यान / शोध पत्र या पोस्टर

क्र. सं.	संकाय का नाम	व्याख्यान / शोध पत्र / पोस्टर का शीर्षक	योगदान का प्रकार	कार्यक्रम विवरण (नाम / आयोजक / स्थान)	तिथि
1.	डॉ. मंजू दरोच	स्कारिंग एलोपेसिया – ट्राइकॉस्कोपी	यंग टर्क्स सत्र में वक्ता	डर्माटोलॉजी और एलाइड साइंसेज समिट – 2024 / होटल एरोस, नई दिल्ली	6-7 जुलाई 2024
2	डॉ. मंजू दरोच	क्लिनिकल ट्राइकॉलॉजी में ट्राइकॉस्कोपी	संकाय वक्ता	क्यूटिकॉन जम्मू एवं कश्मीर, 2024 / श्रीनगर	8-9 सितम्बर 2024
3	डॉ. मंजू दरोच	अधिग्रहित हाइपरपिगमेंटरी विकारों के लिए डर्मोस्कोपिक दृष्टिकोण	संकाय वक्ता	डर्मोस्कोपी सीएमई, कन्नूर	22 सितम्बर 2024

4.	डॉ. मंजू दरोच	नॉन-स्कारिंग एलोपेसिया में ट्राइकॉस्कोपी	संकाय वक्ता	ट्राइकॉलॉजी सीएमई / एआईआईएमएस बिलासपुर	26 अक्टूबर 2024
5.	डॉ. मंजू दरोच	क्लिनिक में डर्मास्कोप का उपयोग कैसे अनुकूलित करें: कब और कैसे उपयोग करें?	संकाय वक्ता	वेबिनार – एसआईजी डर्मोस्कोपी – प्रैक्टिशनर्स फोरम	28 नवम्बर 2024
6.	डॉ. मंजू दरोच	वयस्कों में स्कारिंग हेयर लॉस का दृष्टिकोण	संकाय वक्ता	वेबिनार – एसआईजी ट्राइकॉलॉजी	17 दिसम्बर 2024

प्रकाशन

शोध-पत्र

1) धीमान ए, चौहान पी, दरोच एम. एक युवा महिला में रहस्यमय रंजित पामर स्पॉट। पिगमेंट इंट. 2024 अप्रैल;11(1):64.
2) धीमान ए, चौहान पी, **दरोच एम**. पिटिरियासिस वर्सीकोलर का एक दुर्लभ फॉलिक्युलर प्रकार। कॉस्मोडर्मा. 2024 अप्रैल 17;4:41.
3) धीमान ए, चौहान पी, **दरोच एम.** विटिलिगो से ग्रस्त एक लड़के में रैखिक हाइपरपिग्मेंटेशन। पिगमेंट इंट. 2024 अप्रैल 22;
4) चौहान पी, **दरोच एम**, धीमान ए. बाधाओं पर काबू पाना: पुरानी दवाओं के दुष्प्रभाव और एलोपेसिया एरीटा में नई दवा से सफलता प्राप्त करना। इंडियन जे फार्माकोल. 2024 जुलाई 5;56.
5) धीमान ए, **दरोच एम**, चौहान पी. बमुश्किल दिखाई देने वाली लेकिन तीव्रता से महसूस होने वाली खुजली कॉस्मोडर्मा. 2024 अगस्त 15;4.
6) **दरोच एम**, धीमान ए, कौशल डी, चौहान पी. उच्च रक्तचाप से ग्रस्त रोगी में एम्लोडिपिन-प्रेरित मसूड़ों की अतिवृद्धि. स्किनमेड. 2024 सितंबर 17;22:312–3.
7) गोयल पी, मीना डी, **दरोच एम**, चौहान पी. बचपन में ग्रैनुलोमैटस पेरिओरिफिशियल डर्मेटाइटिस: शीर्षक को संशोधित करने की तत्काल आवश्यकता? इंडियन जे डर्मेटोल. 2024 सितंबर 27;
8) भागवत अभिषेक, कौर जी, **दरोच एम.** नीला विटिलिगो: डर्मोस्कोपिक विश्लेषण और साहित्य की समीक्षा सर. पिगमेंट इंट. 2024 सितंबर 29;
9) धीमान ए, **दरोच एम**, चौहान पी. पॉलीमॉर्फस लाइट इरप्शन का लाइकेन स्पिनुलोसस जैसा प्रकार: एक नए प्रकार की रिपोर्ट. जे पाक एसोसिएट डर्मेटोल. 2024 अक्टूबर 11;34:1108–10.
10) धीमान ए, चौहान पी, **दरोच एम.** प्लेटलेट-समृद्ध फाइब्रिन थेरेपी से बुलस मॉर्फिया के अल्सर का सफल उपचार। जे क्यूटन एस्थेटिक सर्ज. 2024 नवंबर 29;1–3.
11) चौहान पी, शर्मा आर, **दरोच एम**, जिंदल आर, मीना डी. सिफिलिटिक चांसर की डर्मोस्कोपी: पांच मामलों की रिपोर्ट। इंट जे एसटीडी एड्स. 2024 दिसंबर 24;
12) भागवत ए, बंसल वी, पंडिता एस, **दरोच एम.** वार्ट इम्यूनोथेरेपी में एमएमआर वैक्सीन के प्रतिकूल प्रभाव के रूप में एक्यूट एपिडीडिमो-ऑर्काइटिस. ऑस्ट्रेलस जे डर्मेटोल. 2024 दिसंबर 26;
13) अविता धीमान, **मंजू दरोच.** सिस्टमिक स्क्लेरोसिस में टेलैंजिएक्टेटिक मैट्स. कॉस्मोडर्मा 2025:5;26

पुस्तक में प्रकाशित अध्याय

क्र. सं.	लेखक	अध्याय एवं पुस्तक का शीर्षक	संपादक	आई.एस.बी.एन. संख्या	संस्करण एवं वर्ष	प्रकाशक
1.	डॉ. मंजू दरोच, डॉ. राहुल महाजन	बालक में पीले पापुलोनोड्यूल्स: त्वचा-दर्शी अवलोकन; बाल्यावस्था के त्वचारोगों के उलझन भरे प्रकरण	प्रो. डी. एम. थप्पा	978-93-83989-74-4	खंड 2, 2023	ट्री लाइफ मीडिया

2.	डॉ. मंजू दरोच, डॉ. राहुल महाजन	मुँहासों में रेटिनोइड चिकित्सा; मुँहासों की वार्षिक पुस्तक 2024	डॉ. संजीव गुप्ता, डॉ. रोहित बत्रा	978-81-969039-9-2	प्रथम, 2024	जी.जे.एस. पब्लिशिंग प्रा. लि.

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ

1) डर्मेटोपैथोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया के कार्यकारी सदस्य (2024-2026)
2) इंडियन एसोसिएशन ऑफ डर्मेटोलॉजी, वेनेरोलॉजी एंड लेप्रोलॉजी के विशेष रुचि समूह ट्राइकोलॉजी एंड हेयर ट्रांसप्लांट के कार्यकारी सदस्य
3) पिगमेंटरी डिसऑर्डर्स सोसाइटी (पी.डी.एस.) संस्थान के सदस्य
4) पिगमेंट इंटरनेशनल में सहायक संपादक

सामुदायिक सेवा

1) विश्व ल्यूपस दिवस (10 मई 2025) के अवसर पर रोगी जागरूकता व्याख्यान का आयोजन।
2) सामुदायिक आधारित अनुसंधान परियोजना — "उत्तरी भारत में त्वचा डर्माटोफाइट संक्रमण के संबंध में सामुदायिक औषधि विक्रेताओं के ज्ञान, दृष्टिकोण एवं व्यवहार (के.ए.पी.) पर आई.ई.सी. हस्तक्षेप के प्रभाव का मूल्यांकन।"

अंतःस्रावविज्ञान एवं चयापचय विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पदनाम	कार्यभार ग्रहण की तिथि
1.	डॉ. प्रियंदर सिंह ठाकुर	सह-आचार्य	23.11.2020

विभाग के विषय में

परिचय

अंतःस्रावविज्ञान एवं चयापचय विभाग प्रति सप्ताह तीन दिन ओपीडी सेवाएँ प्रदान करता है, जिसमें लगभग 300 रोगियों को परामर्श दिया जाता है। विभाग में 15 शय्याओं वाला एक सुसज्जित आईपीडी है, जो अंतःस्रावी रोगियों की भर्ती, डायनेमिक टेस्टिंग, लघु शल्यक्रिया/डे-केयर प्रक्रियाएँ तथा विभिन्न प्रकार के हार्मोनल स्टिमुलेशन परीक्षणों हेतु समर्पित है। वित्तीय वर्ष 2024–25 में विभाग द्वारा एक एंडोक्रिनोलॉजी हार्मोनल एस्से प्रयोगशाला प्रारम्भ की गई, जिससे संस्थान की डायग्नोस्टिक क्षमता एवं रोगी प्रबंधन की दक्षता में वृद्धि हुई।

दृष्टि एवं लक्ष्य:

हमारा लक्ष्य एक अत्याधुनिक विभाग विकसित करना है जो रोगी सेवाओं, शिक्षा और अनुसंधान में उत्कृष्टता के माध्यम से हिमालयी क्षेत्र के लिए उच्च-गुणवत्तापूर्ण, किफायती अंतःस्रावी देखभाल प्रदान करे, और मधुमेह, थायरॉइड रोग, अस्थि स्वास्थ्य और जटिल अंतःस्रावी विकारों में प्रभावशाली कार्य के लिए राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त करे। हमारा लक्ष्य एक मजबूत अंतःस्रावी हार्मोनल परख प्रयोगशाला के साथ एकीकृत ओपीडी/आईपीडी सेवाएँ प्रदान करना, स्नातक/मस्तिष्क संबंधी विकारों से पीड़ित शिक्षार्थियों के लिए योग्यता-आधारित शिक्षण प्रदान करना, प्राथमिकता वाले अंतःस्रावी क्षेत्रों में नैतिक और अनुवादात्मक अनुसंधान को आगे बढ़ाना, पहाड़ी समुदायों के लिए पहुँच और समानता को मज़बूत करना, और अगले 1-2 वर्षों में डीएक्सए और एक विस्तारित लैब टेस्ट मेनू सहित निदान का विस्तार करना है।

रोगी सेवा सुविधाएँ

वित्तीय वर्ष 2024–25 में विभाग द्वारा प्रारंभ की गई नई सेवा एंडोक्रिनोलॉजी हार्मोनल एस्से प्रयोगशाला है, जिसे ईसीएलआईए रोश ईकोबास-402, ऑस्मोमीटर एवं मल्टीप्लेट ईएलआईएसए रीडर जैसे नवीन उपकरणों से सुसज्जित किया गया है। नियमित सेवाओं में डायनेमिक टेस्टिंग, डे-केयर प्रक्रियाएँ एवं ओपीडी-आईपीडी से जुड़ी व्यापक रोगी देखभाल शामिल है, जिससे सामान्य तथा जटिल अंतःस्रावी रोगों के प्रबंधन के लिए एक सुसंगठित प्रणाली विकसित हुई है।

शैक्षणिक पाठ्यक्रम

विभाग स्नातक शिक्षण एवं उच्च-स्तरीय (डीएम) प्रशिक्षण में सक्रिय रूप से संलग्न है। वित्तीय वर्ष 2024–25 के दौरान विभाग में तीन डीएम प्रशिक्षु अध्ययनरत हैं, जो संस्थान के शैक्षणिक कार्यक्रमों एवं क्लीनिकल पोस्टिंग्स के अनुरूप प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

अनुसंधान एवं नवाचार

विभाग मधुमेह, थायरॉइड विकारों एवं डिजिटल स्वास्थ्य पर केंद्रित वित्तपोषित तथा सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजनाओं में सक्रिय है। वर्ष 2024–25 के दौरान तीन परियोजनाएँ प्रगति पर रहीं। विभाग की हार्मोनल एस्से प्रयोगशाला अनुसंधान नमूनों की प्रक्रिया एवं रूपांतरणीय अध्ययन के लिए सहायक सिद्ध हो रही है, जिससे नैदानिक निर्णय-निर्धारण की गुणवत्ता में सुधार हुआ है।

भविष्य की योजनाएँ

लघु अवधि (1–2 वर्ष) के लक्ष्यों में प्रयोगशाला की परीक्षण सूची का विस्तार एवं डीएक्सा सेवा प्रारंभ कर व्यापक अस्थि-चयापचय देखभाल सुनिश्चित करना शामिल है। दीर्घकालिक लक्ष्य एक अत्याधुनिक विभाग का निर्माण है, जो उन्नत निदान, नैदानिक उत्कृष्टता, शिक्षण और अनुसंधान को क्षेत्रीय आवश्यकताओं के अनुरूप एकीकृत रूप में विकसित करे।

प्रकाशन

शोध-पत्र

1) सूरागोंडा बी.जी., ठाकुर पी., मोगन्ती आर., गर्ग ए., गर्ग यू.के. मधुमेह के प्रबंधन में सामान्य प्रोबायोटिक स्ट्रेनों — स्ट्रेप्टोकॉकस फीकैलिस, क्लोस्ट्रिडियम ब्युटरिकम, बैसिलस मेसेन्टरिकस तथा लैक्टोबैसिलस स्पोरोजेनेस — की प्रभावशीलता पर एक प्रणालीबद्ध समीक्षा। जर्नल ऑफ डायबेटोलॉजी, खंड 16 (अंक 1), पृष्ठ 29–36, जनवरी–मार्च 2025।

2) नेहा एन., गौर एन., सिंह पी.टी. एवं अन्य। डिस्थायरॉयड ऑप्टिक न्यूरोपैथी वाले एक रोगी में सेंट्रल सीरस कोरियोरेटिनोपैथी (CSCR) का प्रबंधन। बीएमजे केस रिपोर्ट्स सीपी, 2025; खंड 18: e262624।
3) सिंह के., नेगी आर.आर., ठाकुर पी.एस., नेगी ए. स्तन का म्योएपिथीलियल कार्सिनोमा — साहित्य में वर्णित 72 मामलों की समीक्षा सहित एक केस रिपोर्ट। जर्नल ऑफ कैंसर रिसर्च एंड प्रैक्टिस, खंड 11 (अंक 3), पृष्ठ 93–99, जुलाई–सितंबर 2024।
4) सिदाना एस., कपाटिया जी., ठाकुर पी., रॉय ए., सिंगला एम. नॉन-इंसुलिनोमा पैंक्रियाटोजेनस हाइपोग्लाइसीमिया सिंड्रोम की ऊतक-विज्ञानी विशेषताएँ: गैर-मधुमेही वयस्कों में हाइपोग्लाइसीमिया का एक दुर्लभ कारण। आईजेईएम केस रिपोर्ट्स, खंड 2 (अंक 2), पृष्ठ 80–81, अप्रैल–जून 2024।

पुस्तक में अध्याय

क्र. सं.	लेखक	अध्याय और पुस्तक का शीर्षक	संपादक का नाम	आईएसबीएन संख्या	संस्करण और वर्ष	प्रकाशक
1.	डॉ. प्रियंदर सिंह ठाकुर	एंडोक्रिनोलॉजी की ईएसआई पाठ्यपुस्तक में बुजुर्गों में मधुमेह	डॉ. संजय कालरा		प्रथम संस्करण, 2025	केबीआई प्राइवेट लिमिटेड
2.	डॉ. प्रियंदर सिंह ठाकुर	आरएसएसडीआई ड्रग सीरीज़ में थियाज़ोलिडाइनडायन के प्रतिकूल प्रभाव और मतभेद - थियाज़ोलिडाइनडायन	डॉ. राकेश सहाय		प्रथम संस्करण, 2025	इवेंजेल पब्लिशिंग

ईएनटी एवं सिर गर्दन शल्यचिकित्सा विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पदनाम	कार्यभार ग्रहण की तिथि
1.	डॉ. सुदेश कुमार	अतिरिक्त आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	11.07.2023
2.	डॉ. सुमीत अंगरल	सह-आचार्य	23.03.2024
3.	डॉ. नेहा चौहान	सह-आचार्य	01.07.2024
		सहायक आचार्य	27.04.2021

विभाग के विषय में

परिचय

विभाग में कान, नाक, गले तथा सिर-गर्दन के कैंसर से संबंधित रोगियों की संख्या निरंतर बढ़ रही है। यह विभाग न केवल हिमाचल प्रदेश के रोगियों को बल्कि पंजाब जैसे समीपवर्ती राज्यों से आने वाले रोगियों को भी अपनी बाह्य रोगी सेवाएँ (ओपीडी) प्रदान कर रहा है। प्रतिवर्ष लगभग 21,000 रोगियों की जाँच ओपीडी में की जाती है, इसके अतिरिक्त अनेक आपातकालीन रोगियों का भी उपचार किया जाता है। लघु ऑपरेशन थियेटर (माइनर ओटी) में लगभग 3,960 प्रक्रियाएँ जैसे नैज़ल एंडोस्कोपी, वीडियो लेरिंगोस्कोपी और बायोप्सी की गईं। श्रवण एवं वाणी चिकित्सा अनुभाग द्वारा लगभग 2,000 श्रवण परीक्षण तथा वाणी चिकित्सा सत्र आयोजित किए गए। आपातकालीन शल्यक्रियाओं के अतिरिक्त, पिछले वर्ष लगभग 300 प्रमुख वैकल्पिक शल्यक्रियाएँ जैसे सिर-गर्दन शल्यक्रिया, थायरॉयडेक्टॉमी, नेक डिसेक्शन, एंडोस्कोपिक साइनस सर्जरी एवं मास्टॉइडेक्टॉमी की गईं। लगभग 170 सर्जरी स्थानीय एनेस्थीसिया के अंतर्गत की गईं। विभाग ने हाल ही में गहन जन्मजात श्रवण हानि वाले बच्चों में दस सफल कॉक्लियर इम्प्लांट सर्जरी संपन्न की हैं। न्यूरोसर्जरी विभाग के सहयोग से उन्नत एंडोस्कोपिक स्कल बेस सर्जरी जैसे एंडोस्कोपिक हाइपोफाइजेक्टॉमी एवं एंडोस्कोपिक सीएसएफ राइनोरिया रिपेयर भी प्रारंभ की गई हैं।

दृष्टि एवं लक्ष्य

हमारा लक्ष्य उन्नत चिकित्सा अनुसंधान, अत्याधुनिक तकनीक और करुणामय रोगी देखभाल को एकीकृत करके विश्व स्तरीय कान, नाक और गले, सिर और गर्दन के कैंसर की स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना है, साथ ही नैदानिक अभ्यास में शिक्षा, नवाचार और उत्कृष्टता के लिए एक सहयोगात्मक वातावरण को बढ़ावा देना है। हमारा लक्ष्य कान, नाक और गले की बीमारियों और सिर और गर्दन के कैंसर से पीड़ित रोगियों को व्यापक, उच्च-गुणवत्ता वाली और करुणामय देखभाल प्रदान करना है। हमारा लक्ष्य विशेषज्ञ नैदानिक सेवाओं, अनुसंधान और प्रशिक्षण के माध्यम से स्वास्थ्य परिणामों में सुधार और अपने रोगियों की भलाई को बढ़ाना है।

रोगी देखभाल सेवाएँ

- बाह्य रोगी सेवाएँ: सभी कार्यदिवस। ओपीडी में इक्कीस हज़ार रोगियों की जाँच की गई। 3960 छोटी ओटी प्रक्रियाएँ जैसे नासिका एंडोस्कोपी, वीडियो लैरींगोस्कोपी और बायोप्सी भी की गईं।
- अंतःरोगी सेवाएँ: निगरानी सुविधा वाले 4 बिस्तरों वाले 25 बिस्तरों वाले समर्पित वार्ड।
- ओटी सेवाएँ: प्रति सप्ताह 3 सामान्य संज्ञाहरण और 1 स्थानीय संज्ञाहरण प्रक्रियाएँ की जाती हैं, और पिछले वर्ष 300 सामान्य संज्ञाहरण और 170 स्थानीय संज्ञाहरण के मामले किए गए।
- आपातकालीन ओटी सेवाएँ: 96 सर्जरी आपातकालीन स्थिति में की गईं।
- सिर-गर्दन ट्यूमर क्लिनिक: सिर और गर्दन के कैंसर के रोगियों के लिए एक बहु-विशिष्ट क्लिनिक जहाँ विकिरण ऑन्कोलॉजिस्ट, मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट, प्लास्टिक सर्जरी और ओटोलरींगोलॉजिस्ट जटिल मामलों के प्रबंधन की योजना बनाने के लिए मिलते हैं।
- विकिरण ऑन्कोलॉजी विभाग के सहयोग से सिर और गर्दन के कैंसर के शुरुआती निदान के लिए ब्रैकीथेरेपी शुरू की गई।
- न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग के सहयोग से सिर और गर्दन के कैंसर के रोगियों में पीईटी निर्देशित बायोप्सी।

शैक्षणिक पाठ्यक्रम

1. स्नातक: सैद्धांतिक कक्षाएं, सेमिनार, ट्यूटोरियल और नैदानिक पोस्टिंग
2. स्नातकोत्तर: छह अकादमिक निवासी 3 वर्षीय रेजीडेंसी एमएस ओटोलरींगोलॉजी और हेड नेक सर्जरी पाठ्यक्रम के लिए प्रशिक्षण ले रहे हैं।

भविष्य की योजनाएँ

विभाग में विशेष क्लीनिक और उप-विशेष सेवाएं शुरू करना।

सीएमई/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान/पत्र या पोस्टर प्रस्तुत किए गए

क्र. सं.	संकाय सदस्य का नाम	व्याख्यान / शोधपत्र / पोस्टर का शीर्षक	योगदान का प्रकार	कार्यक्रम का विवरण (नाम / आयोजक / स्थान)	तिथि
1.	डॉ. सुदेश कुमार	लार ग्रंथि के ट्यूमर का प्रबंधन	पैनल सदस्य	तृतीय मध्यावधि ए.ओ.आई.एच.एन.एस., पी.जी.आई.एम.ई.आर., चंडीगढ़	21–23 मार्च, 2025
2.	डॉ. सुदेश कुमार	फंगल राइनोसाइनोसाइटिस: विवादास्पद पहलू	पैनल सदस्य	मिड-राइनोकॉन 2025, फोर्टिस, मोहाली	08–09 मार्च, 2025
3.	डॉ. नेहा चौहान	शव विच्छेदन (कैडेवरिक डिसेक्शन)	संसाधन संकाय	प्रथम राइनोलॉजी कार्यशाला एवं शव विच्छेदन पाठ्यक्रम, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बठिंडा	25–26 मई, 2024
4.	डॉ. नेहा चौहान	स्लीप एपनिया – व्यावहारिक विच्छेदन कार्यशाला	अतिथि संकाय	तृतीय मध्यावधि ए.ओ.आई.एच.एन.एस. (विषय: सिर–गर्दन शल्य चिकित्सा एवं स्लीप एपनिया), पी.जी.आई.एम.ई.आर., चंडीगढ़	21–23 मार्च, 2025

प्रकाशन

1) शर्मा एम, मेयेस डी, भारती एस, शर्मा सी, कुमार सी, **कुमार एस.** इंट्राऑपरेटिव निर्णय लेना: अस्सी लगातार नमूनों में स्क्रैप साइटोलॉजी बनाम फ्रोजन सेक्शन का तुलनात्मक विश्लेषण। जे साइटोल। 2025 अप्रैल-जून;42(2):75-81. doi: 10.4103/joc.joc_159_24. ईपब 2025 मई 29. PMID: 40520671; PMCID: PMC12165621.
2) **कुमार एस**, गुप्ता एन, ठाकुर पी, गुप्ता एन, बोध ए. उच्च ऊंचाई वाले सिर और गर्दन के पैरागैंग्लियोमा: एक पहला उप-हिमालयी अनुभव। ओटीओ ओपन 2024, खंड 8(1):e112. DOI: 10.1002/oto2.112
3) गुप्ता एन, सरीन पी, **कुमार एस**, नेगी एम. उत्तर भारत के दो शैक्षणिक चिकित्सा संस्थानों में मेडिकल छात्रों और संकाय सदस्यों के बीच परमाणु चिकित्सा और परमाणु चिकित्सा पद्धतियों के उचित उपयोग के विषय में जागरूकता और ज्ञान का आकलन: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन। एशिया ओशन जे न्यूक्ल मेड बायोल. 2024; 12(1): 73-85. doi10.22038/AOJNMB.2023.71375.1497
4) मल्होत्रा एम, प्रिया एम, भारद्वाज ए, सिंह वी, **अंगराल एस**, एट अल. गंभीर से गहन जन्मजात श्रवण हानि वाले व्यक्तियों में प्रसव पूर्व, प्रसव के बाद और प्रसवोत्तर जोखिम कारकों की पहचान के लिए एक हिंदी प्रश्नावली का विकास और सत्यापन। इंडियन जर्नल ऑफ ओटोलरींजोलॉजी एंड न्यूरोसर्जरी। 2025. https://doi.org/10.1007/s12070-025-06060-9.
5) कथवाल जे, शर्मा ए, **अंगराल एस**, शर्मा के. ट्रेकियोस्टोमी प्रशिक्षण में अंतराल को संबोधित करना: बेहतर रोगी परिणामों का मार्ग। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस, इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (आईजेएसईएम) 2025;12(05);37-30. आईएसएसएन (ऑनलाइन) 2456-1304
6) **अंगराल एस**, बिस्वास बी, सासंका के के, बानो जी. आवासीय विद्यालयों में पुरुष किशोरों के बीच शैक्षणिक प्रदर्शन पर कान के स्वास्थ्य, देखभाल प्रथाओं और श्रवण हानि का प्रभाव: पूर्वी भारत में व्यापक अध्ययन। एस क्यू एम जे 2025;25:600–610. https://doi.org/10.18295/2075-0528.6872
7) बानो जी, राज आर, **अंगराल एस**, केएसबीएस कृष्णा सासंका, वार्ष्णेय एस. उपेक्षित कर्ण रक्तगुल्म। आईपी इंडियन जर्नल ऑफ एनाटॉमी सर्जरी, हेड, नेक, ब्रेन 2024;10(4):97-100।
8) बानो जी, **अंगराल एस**, सासंका के, एट अल. झारखंड के संथाल परगना क्षेत्र में नाक संबंधी राइनोस्पोरिडिओसिस का एक दुर्लभ मामला: नैदानिक प्रस्तुति और प्रबंधन। क्यूरियस 16(10):e72674. DOI 10.7759/क्यूरियस.72674

9) बानो जी, **अंगराल एस**, सासंका के, एट अल. (21 अप्रैल, 2024) ऑपरेशन के बाद विलंबित चेहरे की तंत्रिका पक्षाघात: एक सर्जन का दुःस्वप्न। क्यूरियस 16(4): e58691. DOI 10.7759/क्यूरियस.58691

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ

डॉ. सुदेश कुमार

1) शोध परियोजना, "इंट्राऑपरेटिव डिसीजन मेकिंग: स्क्रैप साइटोलॉजी और फ्रोजन सेक्शन 80 लगातार नमूनों का तुलनात्मक विश्लेषण" के लिए एम्स बिलासपुर 2025 का सर्वश्रेष्ठ प्रकाशन सलाहकार पुरस्कार।
2) मौजूदा स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को मजबूत करने और आदिवासी समुदाय के लिए उच्च स्वास्थ्य सेवा प्रणाली सुनिश्चित करने के संबंध में 20-1-2025 को नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय जनजातीय सम्मेलन में एम्स बिलासपुर का प्रतिनिधित्व किया।

सामुदायिक सेवा

डॉ. सुदेश कुमार

1) 12-13-14 मार्च 2025 को किन्नौर में तीन दिवसीय बहु-विशिष्ट चिकित्सा शिविर में भाग लिया: लगभग 300 रोगियों की विभिन्न ईएनटी रोगों की जाँच की गई।

डॉ. सुमीत अंगराल

1) अगस्त 2024 में लाहौल और स्पीति में दो दिवसीय बहु-विशिष्ट चिकित्सा शिविर में भाग लिया।

न्यायालयी चिकित्सा एवं विष विज्ञान

संकाय

क्र. सं.	नाम	पदनाम	कार्यभार ग्रहण की तिथि
1.	प्रो. (डॉ.) यतिराज सिंगी	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	08.08.2024
		सह-आचार्य	23.11.2020
2.	डॉ. दीपेन डाभी	सह-आचार्य	01.07.2024
		सहायक आचार्य	18.03.2021

विभाग के विषय में

परिचय

एम्स बिलासपुर में न्यायालयी चिकित्सा एवं विष विज्ञान विभाग की स्थापना उच्चतम शैक्षणिक, नैदानिक और शोध गतिविधियों को संचालित करने के उद्देश्य से की गई थी। विभाग के संकाय सदस्य संस्थान के निर्माण और विकास में सक्रिय रूप से योगदान दे रहे हैं, जिससे एम्स बिलासपुर अपने मूल संस्थान एम्स नई दिल्ली की विरासत और मानकों के अनुरूप विकसित हो सके।

प्रशासनिक गतिविधियाँ

विभाग के संकाय ने संस्थान में महत्वपूर्ण प्रशासनिक जिम्मेदारियाँ निभाई हैं, जिनमें शामिल हैं: अतिरिक्त मेडिकल सुप्रीटेंडेंट, संकाय प्रभारी – आई.टी., वार्षिक रिपोर्ट समिति, संकाय प्रभारी – स्टोर

शैक्षणिक गतिविधियाँ

- विभाग ने उद्घाटन एम.बी.बी.एस. बैच के फाउंडेशन कोर्स में सक्रिय भागीदारी निभाई।
- एम.बी.बी.एस. फेज II छात्रों के लिए नियमित शिक्षण, संरचित व्याख्यान और प्रायोगिक सत्र आयोजित किए गए।
- जनवरी 2025 सत्र में पहले स्नातकोत्तर छात्र के प्रवेश के साथ विभाग ने स्नातकोत्तर प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया।
- संकाय सदस्य स्नातकोत्तर छात्रों के ओरिएंटेशन कार्यक्रमों में नियमित योगदान देते हैं, जिसमें मेडिकल प्रैक्टिस के मेडिको-लीगल पहलू, चिकित्सा लापरवाही और नैतिकता पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।
- जूनियर डॉक्टरों को नियमित रूप से मेडिको-लीगल मामलों को संभालने, दस्तावेज़ीकरण करने और मृत्यु के कारण के प्रमाणपत्र जारी करने का प्रशिक्षण दिया जाता है।

शोध गतिविधियाँ

- विभाग ने अपने शोध प्रोफ़ाइल को मजबूत करने के लिए इंडियन काउंसिल ऑफ़ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) जैसी बाह्य निधि देने वाली संस्थाओं को शोध प्रोटोकॉल प्रस्तुत किए।
- रेडियोलॉजी विभाग के साथ सहयोगात्मक शोध चल रहा है।

मेडिको-लीगल सेवाएँ

- विभाग ने 1 अप्रैल 2024 से अस्थायी शवगृह सेटअप (एनाटॉमी डिसेक्शन हॉल, ग्राउंड फ्लोर, कॉलेज ऑफ नर्सिंग) में शव विच्छेदन सेवाएँ शुरू कीं।
- वर्तमान में अस्पताल में होने वाली सभी मेडिको-लीगल मौतों के शव विच्छेदन केवल एम्स बिलासपुर में ही किया जाता है।
- संकाय अन्य पुलिस जिलों जैसे बिलासपुर और बड्डी से संदर्भित मामलों में भी शव विच्छेदन करते हैं।
- विभाग मृत शरीरों के सम्मानजनक प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और पेशेवर एवं नैतिक मानकों का पालन सुनिश्चित करता है।

भविष्य का दृष्टिकोण

- विभाग एम्स बिलासपुर में अत्याधुनिक शवगृह परिसर की स्थापना के लिए सक्रिय प्रयास कर रहा है, जिसके लिए स्थायी वित्त समिति से अनुमोदन प्राप्त हुआ है।
- स्नातकोत्तर प्रशिक्षण की शुरुआत और नियोजित अवसंरचना विस्तार के साथ, विभाग न्यायालयी चिकित्सा में उत्कृष्टता का केंद्र बनने की दिशा में अग्रसर है, जो उच्च स्तरीय शैक्षणिक, शोध और मेडिको-लीगल सेवाएँ प्रदान करेगा।

संक्षिप्त समयावधि में, एम्स बिलासपुर का न्यायालयी चिकित्सा एवं विष विज्ञान विभाग शैक्षणिक, शोध, मेडिको-लीगल सेवाओं और संस्थागत विकास में उल्लेखनीय योगदान दे चुका है। शव विच्छेदन सेवाओं, स्नातकोत्तर प्रशिक्षण और मेडिको-लीगल गतिविधियों के विस्तार ने विभाग की वृद्धि में महत्वपूर्ण मील के पत्थर स्थापित किए हैं। विभाग उच्च शैक्षणिक मानकों, गुणवत्तापूर्ण मेडिको-लीगल सेवाओं और क्षेत्र में न्यायालयी चिकित्सा के विकास के प्रति प्रतिबद्ध है।

सीएमई/कार्यशाला/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

क्र. सं.	कार्यक्रम का शीर्षक	कार्यक्रम का प्रकार	विषय / केंद्रित क्षेत्र	तिथि एवं स्थान	आयोजन समिति	सहयोगी संस्थाएँ (यदि कोई हों)	प्रतिभागिता
1.	मेडिको-लीगल प्रैक्टिसेज़ और नए आपराधिक कानून पर रिफ्रेशर सीएमई	सीएमई	नए आपराधिक कानून	18 जुलाई 2024, एम्स बिलासपुर	डॉ. यति राज सिंगी एवं डॉ. दीपेन डाभी	-	90 प्रतिनिधि, जूनियर रेज़िडेंट, सीनियर रेज़िडेंट, संकाय

सीएमई/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान/पत्र या पोस्टर प्रस्तुत किए गए

क्र. सं.	संकाय का नाम	व्याख्यान / पेपर / पोस्टर का शीर्षक	योगदान का प्रकार	कार्यक्रम विवरण (नाम / आयोजक / स्थान)	तिथि
1.	डॉ. यति राज सिंगी	पोस्टमार्टम रिपोर्टिंग में परिवर्तन – मेडलीपीआर पोर्टल के प्रथम अनुभव	अतिथि व्याख्यान	के.ए.एम.एल.एस. के 32वें वार्षिक राज्य सम्मेलन (कामल्सकॉन 2024), जेएनएमसी, केएलई यूनिवर्सिटी, बेलगावी	8-9 नवम्बर 2024
2.	डॉ. यति राज सिंगी	भारतीय संविधान का परिचय	अतिथि व्याख्यान	गोवा नर्सिंग काउंसिल और ई.सी.एच.ओ. इंडिया द्वारा आयोजित "फोरेंसिक मेडिसिन और फोरेंसिक नर्सिंग का परिचय"	5 दिसंबर 2024

प्रकाशन

शोध-पत्र

1) **डाभी डी, सिंगी वाई**, नगर एन, जैन जे, मोदगिल वी, राठौर आर, छाबड़ा डी, जैन एस, जांगिड़ ए, कृष्णगोपाल एसएन। उच्च हिमालयी स्वदेशी जनजातीय जनसंख्या में जातीय मूल का संकेतक के रूप में चेहरे के संकेतांक का अध्ययन। क्यूरियस. 2025 May 25;17(5):e84773. doi: 10.7759/क्यूरियस.84773. PMID: 40556996; PMCID: PMC12186710.

2) नगर एन, **सिंगी वाई, डाभी डी,** राठौर आर। हिमाचल प्रदेश के जनजातीय जिलों की स्वदेशी जनसंख्या में सिर का संकेतांक का भिन्नता। क्यूरियस. 2024 Aस्नातक 28;16(8):e68018. doi: 10.7759/क्यूरियस.68018. PMID: 39347171; PMCID: PMC11430408.

3) **डाभी डी, सिंगी वाई,** नगर एन। टेलीमेडिसिन दिशानिर्देशों में अस्पष्टताओं के बीच अव्यवस्थित चिकित्सीय प्रमाणपत्रों की बढ़ोतरी। इंडियन जे मेड एथिक्स. 2024 Oct-Dec;IX(4):337-338. doi: 10.20529/IJME.2024.054. PMID: 39817299.

4) **डाभी डी, सिंगी वाई,** पारेख यू, गुप्ता एस, गुप्ता एन। सूर्यास्त के बाद पोस्टमार्टम परीक्षा (रात्रि शव परीक्षण): एक स्कोपिंग समीक्षा। जर्नल ऑफ फोरेंसिक मेडिसिन एंड टॉक्सिकोलॉजी 2024;41(1):109-13.

5) मधुसूदन एस, विमला एस, एस एम, गोयल ए, **सिंगी वाई**। पोस्टऑपरेटिव न्यूरोसर्जिकल रोगियों में आईसीयू में मैनीटॉल प्रशासन के बाद हेमोडायनामिक और मस्तिष्क रक्त वाहिका परिवर्तनों का क्रमिक मूल्यांकन: ट्रांसथोरेसिक

और ट्रांसक्रेनियल कलर डॉपलर अध्ययन। क्यूरियस. 2024 Jul 13;16(7):e64448. doi: 10.7759/क्यूरियस.64448. PMID: 39135834; PMCID: PMC11317847.

6) गोयल ए, कुमार ए, **सिंगी वाई**, राव एस। मूल ट्रांसथोरेसिक इकोकार्डियोग्राफी की सिमुलेशन आधारित शिक्षा बनाम पॉइंट ऑफ केयर शिक्षा: एक प्रॉस्पेक्टिव रैंडमाइज्ड सुपीरियॉरिटी अध्ययन। एनेस्थीसिया और एनाल्जेसिया 2024 दिसंबर 1 (वॉल्यूम 139, अंक 6) में। टू कॉमर्स स्क्वेयर, 2001 मार्केट स्ट्रीट, फिलाडेल्फिया, पीए 19103 यूएसए: लिपिंकॉट विलियम्स एंड विल्किंस।

पुस्तक में अध्याय

क्र. सं.	लेखक	अध्याय एवं पुस्तक का शीर्षक	संपादक का नाम	आई.एस.बी.एन. संख्या	संस्करण एवं वर्ष	प्रकाशक
1.	डॉ. यति राज सिंगी	तृतीय एम.बी.बी.एस. के लिए मार्गदर्शक	डॉ. यति राज सिंगी	978-9354-654-985	14वां संस्करण, 2024	जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स प्रा. लि., नई दिल्ली
2.	डॉ. यति राज सिंगी	अंतिम एम.बी.बी.एस. के लिए मार्गदर्शक	डॉ. यति राज सिंगी	978-9354-656-446	15वां संस्करण, 2024	जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स प्रा. लि., नई दिल्ली
3.	डॉ. यति राज सिंगी	द्वितीय एम.बी.बी.एस. के लिए मार्गदर्शक	डॉ. यति राज सिंगी	978-9356-964-488	17वां संस्करण, 2024	जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स प्रा. लि., नई दिल्ली
4.	डॉ. यति राज सिंगी	प्रथम एम.बी.बी.एस. के लिए मार्गदर्शक	डॉ. यति राज सिंगी	978-9354-654-978	16वां संस्करण, 2024	जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स प्रा. लि., नई दिल्ली

सामुदायिक सेवा

डॉ. यतिराज सिंघी

1) अमर उजाला दिनांक 25.11.2024 में सहमति के महत्व पर जागरूकता लेख प्रकाशित: "अस्पताल में भर्ती मरीज की सर्जरी या अन्य प्रक्रिया के लिए सहमति आवश्यक"

डॉ. यतिराज सिंघी एवं डॉ. दिपेन डाभी

1) अमर उजाला दिनांक 07.06.2024 में पोस्टमार्टम के महत्व पर जागरूकता लेख प्रकाशित: "मृत्यु के दौरान की परिस्थितियों को समझने के लिए पोस्टमार्टम आवश्यक"

सामान्य औषधि विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पदनाम	कार्यभार ग्रहण की तिथि
1.	डॉ. अजय जरयाल	अतिरिक्त आचार्य	01.07.2024
		सह-आचार्य	23.11.2020
2.	डॉ. तरूण शर्मा	सह-आचार्य	15.06.2022
3.	डॉ. भूपेन्द्र कुमार	सह-आचार्य	01.07.2024
		सहायक आचार्य	25.11.2020
4.	डॉ. कपिल शर्मा	सह-आचार्य	01.07.2024
		सहायक आचार्य	16.11.2020
5.	डॉ. सुभाष चंदर	सहायक आचार्य	14.06.2022
6.	डॉ. शिवानी चंदेल	सहायक आचार्य	04.07.2023
7.	डॉ. अजय चौहान	सहायक आचार्य	01.01.2025
8.	डॉ. रणविजय सिंह	सहायक आचार्य	12.03.2025

विभाग के विषय में

परिचय

सामान्य औषधि विभाग की स्थापना वर्ष 2020–21 में संस्थान के आरंभ के साथ ही हुई। विभाग प्रारंभ से ही स्नातक विद्यार्थियों के शिक्षण कार्य में सक्रिय रूप से संलग्न रहा है। कोविड-19 महामारी के दौरान विभाग ने दूरदराज़ क्षेत्रों के रोगियों के लिए ऑनलाइन परामर्श सेवाएँ आरंभ कर संस्थान की सामाजिक प्रतिबद्धता को सशक्त रूप में प्रदर्शित किया। महामारी के पश्चात, विभाग द्वारा भौतिक ओपीडी सेवाएँ आर.एच. बिलासपुर में प्रारंभ की गईं, जो बाद में संस्थान परिसर स्थित आयुष ब्लॉक में स्थानांतरित की गईं। रोगी सेवा में उत्कृष्टता की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए विभाग ने संस्थान में अंतःविभागीय भर्ती सेवाओं के शुभारंभ में अग्रणी भूमिका निभाई। वर्तमान में विभाग में 60 बिस्तरों वाला मेडिसिन वार्ड है, जिसमें अत्याधुनिक सुविधाएँ जैसे — अल्ट्रासोनोग्राफी (यूएसजी), ईकोकार्डियोग्राफी, वेंटिलेटर, मल्टीपैरामीटर मॉनिटर, ईसीजी मशीन तथा ए.बी.जी. मशीन आदि उपलब्ध हैं। इन 60 बिस्तरों में से 4 बिस्तर आईसीयू तथा 4 बिस्तर एचडीयू के लिए समर्पित हैं।

विभाग के संकाय सदस्य एवं निवासी चिकित्सक आपातकालीन विभाग में 24 घंटे सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं तथा अन्य विभागों को भी इंटरडिपार्टमेंटल कंसल्टेशन उपलब्ध करा रहे हैं। विभाग सामुदायिक पहुँच कार्यक्रमों एवं जन-जागरूकता अभियानों में सक्रिय रूप से सहभागी है। उच्च प्रेरणा से कार्यरत संकाय, निवासी एवं स्टाफ सदस्यों द्वारा हाइपरटेंशन, डायबिटीज़ जैसी गैर-संचारी बीमारियों के प्रति जागरूकता फैलाने हेतु सार्वजनिक वार्ताएँ, कार्यशालाएँ, सम्मेलनों, स्वास्थ्य शिविरों, रेडियो एवं टेलीविज़न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। रोगियों की बढ़ती संख्या के बावजूद विभाग ने अनुसंधान के क्षेत्र में संस्थागत लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु सतत प्रयास किए हैं तथा अन्य विभागों के सहयोग से बाह्य अनुसंधान अनुदान भी प्राप्त किए हैं। भविष्य में विभाग पोस्ट-स्नातकोत्तर फ़ेलोशिप कार्यक्रम प्रारंभ करने तथा आईसीयू क्षमता को वर्तमान 11 बिस्तरों से बढ़ाकर 16 बिस्तर तक करने की दिशा में कार्यरत है। इसके अतिरिक्त, विभाग द्वारा जेरियाट्रिक एवं गैर-संचारी रोग की विशेष क्लीनिकें भी सफलतापूर्वक संचालित की जा रही हैं।

सतत चिकित्सा शिक्षा / कार्यशाला / संगोष्ठी / राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

क्र. सं.	कार्यक्रम का शीर्षक	कार्यक्रम का प्रकार	विषय / प्रमुख क्षेत्र	तिथि एवं स्थान	आयोजन टीम	सहयोगी संस्थान (यदि कोई हो)	प्रतिभागी

1.	जीवन रक्षक कौशल	कार्यशाला	सी.पी.आर.	अप्रैल 2024	औषधि विभाग	-	बी.एस.एफ. कर्मी, जालंधर (पंजाब)

प्रकाशन

शोध-पत्र

1) इवकोविच वी, बाजेमा आई, ब्रुचफेल्ड ए, मैकडू एस, कुमार ए, क्लॉस आर, कंज़ेलमेयर एन, तौज़ोट एम, मालौफ जी, **जरयाल ए**, विक्रांत एस. एंटीग्लोमेरुलर बेसमेंट मेम्ब्रेन डिजीज में रिटक्सिमैब की प्रभावकारिता और सुरक्षा। किडनी इंटरनेशनल रिपोर्ट्स। 2025;10(3):743-52।
2) **जरयाल ए**, कुमार बी, गौर एन, शर्मा के, विक्रांत एस, कुमार एन. बाह्य रोगी सेटिंग में उच्च रक्तचाप से ग्रस्त रोगियों में उच्च रक्तचाप-मध्यस्थता वाले लक्ष्य अंग क्षति की व्यापकता - एक अवलोकन अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ नॉनकम्युनिकेबल डिजीज। 2025; 10(1):12-16
3) कपूर, आर.; कुमार, वाई.; शर्मा, एस.; रस्तोगी, वी.; शर्मा, एस.; कंवर, वी.; **शर्मा टी**.; भावसार, ए.; दत्त, वी. डायबिटिकसेंस: सांस के माध्यम से मधुमेह का पता लगाने के लिए एक गैर-आक्रामक, बहु-सेंसर, IoT-आधारित पूर्व-निदान प्रणाली। जे. क्लिन. मेड. 2023, 12, 6439.
4) **शर्मा टी**, ग्रांट ए. आपात स्थितियों, आघात और सदमे में क्या नया है - आपातकालीन विभागों में अल्ट्रासाउंड के लिए पॉइंट-ऑफ-केयर एल्गोरिदम: समय की आवश्यकता। जे इमर्ज ट्रॉमा शॉक 2023;16:77-8.
5) **शर्मा टी**, काम एस. आपात स्थितियों, आघात और सदमे में क्या नया है: भारत में अस्पताल-पूर्व और अति-तीव्र स्ट्रोक देखभाल - वे बाधाएँ जिन्हें हमें पार करना होगा। जे इमर्ज ट्रॉमा शॉक 2024;17:127-8.
6) **शर्मा टी**, केलकर डी, काम एस. आपातकालीन आघात और सदमे में क्या नया है: गर्भावस्था और प्रसवोत्तर अवधि में सेरेब्रल वेन थ्रोम्बोसिस: आपातकाल में एक पहेली। जे इमर्ज ट्रॉमा शॉक 2024;17:1-2।
7) **शर्मा टी,** तीव्र इस्केमिक स्ट्रोक वाले रोगियों में आपातकालीन प्रवेश पर मापे गए सूजन मार्करों और अस्पताल में मृत्यु दर के बीच संबंध। यूरेशियन जे इमर्ज मेड. 2025;24(1):1-2।
8) **शर्मा टी**, रेड्डी केबी, शर्मा ए, शर्मा के. उप-हिमालयी क्षेत्र के अस्पताल की आपात स्थिति में तीव्र श्वसन संकट सिंड्रोम वाले रोगियों की प्रोफ़ाइल का अध्ययन करना। जे फैमिली मेड प्राइम केयर 2025;XX:XX-XX।
9) **शर्मा टी**, भट एन, पट्टार एस, एट अल. आपात स्थिति में अचानक सांस लेने में तकलीफ के साथ पोस्ट सिजेरियन का मामला - एक दिलचस्प केस रिपोर्ट। ट्रिहम्स मेड जे 2025;xx(xx):xx–xx.
10) **शर्मा के**, शर्मा एस. एनसीडी महामारी: डिजिटल स्वास्थ्य प्रौद्योगिकियों की भूमिका। जे कम्युनिटी हेल्थ मैनेज 2024;11(1):1-2.
11) **शर्मा, कपिल; जरयाल, अजय**; शर्मा, सुमिता; राणा, लोकेश। तीव्र श्वसन संकट सिंड्रोम के साथ माइलरी ट्यूबरकुलोसिस के दौरान डिसेमिनेटेड इंट्रावास्कुलर कोएगुलेशन। जर्नल ऑफ ग्लोबल इंफेक्शियस डिजीज ():10.4103/jgid.jgid_202_23, 24 मई, 2024।
12) शर्मा एस, **शर्मा के**, तायवाडे ओके, कुमार एम, सांख्यान ए. वंशानुगत विकारों के दुर्लभ सह-अस्तित्व के परिणामस्वरूप असंयुग्मित हाइपरबिलिरुबिनेमिया के एक मामले की खोज - एक केस रिपोर्ट। इंडियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल बायोकैमिस्ट्री [इंटरनेट] 2024; उपलब्ध: https://doi.org/10.1007/s12291-024-01227-7.
13) **जरयाल, अजय**, विक्रांत, संजय; **कुमार, भूपेंद्र; शर्मा, कपिल; चंदर, सुभाष**; **चंदेल, शिवानी**। विटामिन बी-12 की कमी का एक असामान्य प्रस्तुतीकरण: तीव्र दस्त और तीव्र किडनी क्षति की आवश्यकता वाला डायलिसिस। ट्रॉपिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी 45(1):पृष्ठ 48-51, जनवरी-मार्च 2024। | DOI: 10.7869/tg.748
14) **शर्मा टी**, भट एन, पट्टर एस, शर्मा एम, **चंदर एस**, प्रकाश सी। आपात स्थिति में सिजेरियन के बाद अचानक सांस फूलने का मामला: एक दिलचस्प केस रिपोर्ट। 2 (1):29-31

पुस्तक में अध्याय

क्र. सं.	लेखक	अध्याय एवं पुस्तक का शीर्षक	संपादक का नाम	आई.एस.बी.एन. संख्या	संस्करण एवं वर्ष	प्रकाशक
1.	डॉ. अजय जयराल	डायबिटिक नेफ्रोपैथी — व्यवहार में मधुमेह में	डॉ. धीरज कपूर			
2.	डॉ. तरुण शर्मा	आईएससीसीएम विष विज्ञान पाठ्यपुस्तक में बेंजोडायजेपाइन प्रतिपक्षी - गंभीर रूप से बीमार विष रोगी का उपचार				
3.	डॉ. तरुण शर्मा	मधुमेह में जीवनशैली में बदलाव का अभ्यास				

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ

डॉ. तरुण शर्मा

1) 2022 में इंडियन कॉलेज ऑफ़ इमरजेंसी एक्सपर्ट्स से इमरजेंसी मेडिसिन में फ़ेलोशिप प्राप्त की।
2) इमरजेंसी मेडिसिन इंडिया गिल्ड द्वारा डीवाई पाटिल, पुणे में वार्षिक शिक्षा समृद्धि पुरस्कार से सम्मानित।
3) अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन (एएचए) द्वारा प्रमाणित एसीएलएस और बीएलएस प्रशिक्षक के रूप में कार्यरत।
4) राष्ट्रीय आपातकालीन जीवन रक्षक प्रणाली (एनईएलएस) पाठ्यक्रम के प्रशिक्षक भी हैं।

डॉ. कपिल शर्मा

1) "अश्वमेघ" फ़ेलोशिप से सम्मानित, एक अकादमिक आपातकालीन चिकित्सा संकाय विकास कार्यक्रम जो शैक्षणिक और प्रशासनिक कौशल विकास पर केंद्रित है। यह कार्यक्रम विश्व स्वास्थ्य संगठन के आपातकालीन एवं आघात सहयोग केंद्र (एम्स नई दिल्ली) और एम्स नागपुर द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किया गया है, और यह फ़ेलोशिप अगस्त 2024 में एम्स भोपाल में ईएमआईएनडीए सम्मेलन के दौरान प्रदान की गई।

सामुदायिक सेवा

डॉ. अजय जरयाल

1) 10 मई 2024 को विश्व ल्यूपस दिवस पर एम्स बिलासपुर में एक जन जागरूकता गतिविधि का आयोजन किया।

डॉ. तरुण शर्मा

1) 15 मार्च 2024 को विश्व किडनी दिवस पर स्नातक छात्रों द्वारा ओपीडी क्षेत्र में किडनी रोग पर एक नुक्कड़ नाटक का निर्देशन किया।
2) 27 अगस्त 2024 को नूरपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश में एक रुमेटोलॉजी शिविर में भाग लिया और 100 रोगियों की गठिया रोगों की जाँच की।
3) 17 अक्टूबर 2024 को विश्व गठिया दिवस पर एक रोगी जागरूकता व्याख्यान दिया।
4) 10 मई 2024 को विश्व ल्यूपस जागरूकता दिवस पर ल्यूपस के विषय में मिथकों और तथ्यों पर एक व्याख्यान देकर इसमें भाग लिया।

डॉ. सुभाष चंदर

1) 18 जुलाई 2024 को हिमाचल प्रदेश के आदिवासी क्षेत्र लाहौल-स्पीति के क्षेत्रीय अस्पताल, केलांग में एक चिकित्सा स्वास्थ्य जाँच शिविर के दौरान स्वास्थ्य जाँच सेवाएँ प्रदान कीं।
2) 19 जुलाई 2024 को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शांशा में जनजातीय क्षेत्र में स्वास्थ्य जाँच जारी रखी।
3) 20 जुलाई 2024 को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उदयपुर में लाहौल-स्पीति में आगे की स्वास्थ्य जाँच की।
4) 10 मई 2024 को विश्व ल्यूपस दिवस पर एम्स बिलासपुर में एक जन जागरूकता गतिविधि का आयोजन किया।

5) 17 अक्टूबर 2024 को विश्व गठिया दिवस पर एम्स बिलासपुर में एक जन जागरूकता गतिविधि का आयोजन किया।

डॉ. शिवानी चंदेल

1) 19 जनवरी 2024 को होटल एम4यू, घुमारवीं में चिकित्सा शिविर में भाग लिया।

डॉ. अजय चौहान

1) जेएसडब्ल्यू शोल्टू, किन्नौर में एक चिकित्सा शिविर में सहयोग किया और स्वास्थ्य जाँच प्रदान की।

डॉ. रणविजय सिंह

1) 25 सितंबर 2025 को कुनाला, बिलासपुर में एक चिकित्सा शिविर के दौरान जन जागरूकता और स्वास्थ्य जाँच की।

सामान्य शल्य चिकित्सा विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पदनाम	कार्यभार ग्रहण की तिथि
1.	डॉ. मोहिम ठाकुर	सह-आचार्य	16.03.2021
2.	डॉ. अजय कुमार धीमान	सहायक आचार्य	04.07.2022
3.	डॉ. विपुल श्रीवास्तव	सहायक आचार्य	21.12.2023 (28.09.2024 तक)
4.	डॉ. सौम्या चोपड़ा	सहायक आचार्य	30.06.2023 (11.12.2024 तक)

विभाग के विषय में

परिचय

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश का सामान्य शल्य चिकित्सा विभाग उच्च गुणवत्ता वाली शल्य चिकित्सा सेवाएँ प्रदान करने, चिकित्सा शिक्षा को प्रोत्साहित करने तथा नवोन्मेषी शोध को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। अपनी स्थापना के बाद से विभाग निरंतर प्रगति करता आ रहा है और संस्थान में शल्य चिकित्सा उत्कृष्टता का एक प्रमुख केंद्र बन चुका है।

दृष्टि

विभाग का लक्ष्य सामान्य शल्य चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्टता का एक अग्रणी केंद्र बनना है, जो अपनी नैदानिक विशेषज्ञता, नवोन्मेषी शोध तथा उत्कृष्ट शिक्षण कार्यक्रमों के लिए जाना जाए। हमारा लक्ष्य अत्याधुनिक शल्य तकनीकों, बहुविषयक सहयोग तथा रोगी-केंद्रित दृष्टिकोण के माध्यम से रोगियों के उपचार परिणामों में सुधार लाना है।

लक्ष्य

i. रोगी देखभाल: सभी रोगियों को समग्र, सहानुभूतिपूर्ण एवं अत्याधुनिक शल्य चिकित्सा सेवाएँ प्रदान करना।

ii. शिक्षा: स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्रों के लिए उच्च स्तरीय शल्य चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करना।

iii. अनुसंधान: सामान्य शल्य चिकित्सा के क्षेत्र में अग्रणी अनुसंधान करना, जिससे रोगी देखभाल में सुधार लाया जा सके।

रोगी देखभाल सेवाएँ

पिछले एक साल में, सामान्य शल्य चिकित्सा विभाग ने रोगी देखभाल सेवाओं को बेहतर बनाने में उल्लेखनीय प्रगति की है। हमने 500 से ज़्यादा बड़ी सर्जरी सफलतापूर्वक की हैं, जिनमें कोलोरेक्टल, अपर जीआई, हेपेटोबिलरी, ऑन्कोलॉजिकल रिसेक्शन, ट्रॉमा सर्जरी और जटिल मिनिमली इनवेसिव हर्निया रिपेयर जैसी कई तरह की प्रक्रियाएँ शामिल हैं। हमारी बाह्य रोगी सेवाओं का विस्तार हुआ है, पिछले एक साल में 25,000 से ज़्यादा परामर्श प्रदान किए गए हैं और 2000 आईपीडी दाखिले हुए हैं। 650 बड़ी सर्जरी की गईं। हमें इस साल एम्स बिलापुर में डायग्नोस्टिक और बेसिक थेरेप्यूटिक एंडोस्कोपी शुरू करने पर भी गर्व है।

मुख्य उपलब्धियाँ

क. **एंडोस्कोपी सेवाएँ**

- अगस्त 2024 से डायग्नोस्टिक एवं बेसिक थैरेप्यूटिक एंडोस्कोपी सेवाओं की शुरुआत।
- अब तक 500 एंडोस्कोपी प्रक्रियाएँ सफलतापूर्वक की गईं।
- संस्थान में अत्याधुनिक एंडो-सूट की स्थापना की गई।
- किए गए थैरेप्यूटिक प्रोसिजर: बायोप्सी, ए.पी.सी. एब्लेशन, सी.बी.डी. स्टेंट रिमूवल, कोलोनोस्कोपिक डी-कंप्रेशन एवं पॉलिपेक्टॉमी।

ख. **न्यूनतम इनवेसिव शल्य चिकित्सा**

- कुल 280 लैप्रोस्कोपिक प्रक्रियाएँ की गईं।
- कन्वर्ज़न दर <1% तथा सर्जिकल साइट इंफेक्शन दर 0% रही।
- जी.ई.आर.डी., हायाटल हर्निया एवं बाइलरी ट्रैक्ट की लैप्रोस्कोपिक सर्जरी की गई।
- उन्नत लैप्रोस्कोपिक ऑन्कोलॉजिक सर्जरी (कोलन एवं रेक्टम कैंसर)।
- मिनिमली इनवेसिव हेमोरॉयडेक्टॉमी (MIPH) प्रक्रियाएँ।

- 100 लैप्रोस्कोपिक इनग्वाइनल हर्निया सर्जरी पूर्ण की गईं।

ग. आपातकालीन एवं ट्रॉमा सेवाएँ

- समर्पित ट्रॉमा टीम द्वारा निरंतर आपातकालीन सेवाएँ प्रदान की जा रही हैं।
- वर्ष के दौरान 5500 शल्य रोगियों का आपातकालीन विभाग में उपचार किया गया।

घ. **शल्य चिकित्सा आई.सी.यू.**

- विभाग द्वारा स्वतंत्र रूप से संचालित 4-बिस्तर वाला एस.आई.सी.यू. उच्च गुणवत्ता वाली क्रिटिकल केयर सेवाएँ प्रदान कर रहा है। औसत बिस्तर उपयोग दर 90–95% रही।

शैक्षणिक कार्यक्रम

विभाग शल्य चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। हमारे शैक्षणिक कार्यक्रम छात्रों को उत्कृष्ट ज्ञान, कौशल एवं अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से तैयार किए गए हैं।

क. स्नातक कार्यक्रम: एम.बी.बी.एस. छात्रों के लिए कठोर पाठ्यक्रम, जिसमें समग्र शल्य प्रशिक्षण, बेडसाइड टीचिंग एवं सिमुलेशन आधारित शिक्षण शामिल है। वर्तमान में 3 बैच संचालित हो रहे हैं।

ख. स्नातकोत्तर कार्यक्रम: एम.एस. (जनरल सर्जरी) पाठ्यक्रम में वर्तमान में 8 स्नातकोत्तर छात्र प्रशिक्षणरत हैं। यह कार्यक्रम देशभर से प्रतिभाशाली उम्मीदवारों को आकर्षित करता है और उन्हें व्यापक क्लिनिकल प्रशिक्षण, अनुसंधान के अवसर तथा मार्गदर्शन प्रदान करता है।

अनुसंधान एवं प्रकाशन

विभाग के संकाय सदस्य एवं रेजिडेंट सक्रिय रूप से क्लिनिकल एवं ट्रांसलेशनल अनुसंधान में संलग्न हैं। वर्तमान में 6 शोध प्रबंध (थीसिस प्रोजेक्ट) प्रगति पर हैं।

भविष्य की योजनाएँ

क. **सेवाओं का विस्तार**

- रोबोटिक सर्जरी: उन्नत रोबोटिक सर्जरी सेवाएँ प्रारंभ करने की योजना।
- मेटाबॉलिक क्लिनिक एवं बैरिएट्रिक सर्जरी।
- कोलोरेक्टल क्लिनिक।
- ब्रेस्ट क्लिनिक।

ख. **शैक्षणिक सुदृढ़ीकरण**

- न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी एवं ट्रॉमा सर्जरी में फेलोशिप कोर्स प्रारंभ करने की योजना।

सीएमई/कार्यशाला/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

क्र. सं.	कार्यक्रम का शीर्षक	कार्यक्रम का प्रकार	विषय / केंद्र बिंदु	तिथि एवं स्थान	आयोजन टीम	सह-आयोजक संस्थाएँ (यदि कोई हों)	प्रतिभागिता
1.	प्रथम बेसिक स्यूचरिंग कार्यशाला	कार्यशाला	हाथों से स्यूचरिंग प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	25–26 नवम्बर 2024 एम्स बिलासपुर	डॉ. मोहित ठाकुर डॉ. अजय धीमान डॉ. सौम्या चोपड़ा	—	60 एम.बी.बी.एस. छात्र

प्रकाशन

शोध-पत्र

1) चंदेल के., पटेल आर.के., **ठाकुर एम.** एवं अन्य। ट्रांसहेपेटिक कोलांजियोग्राफी एंड बाइलियरी ड्रेनेज: बेसिक कॉन्सेप्ट्स एंड टेक्नीक। DigDis Interv. DOI: 10.1055/s-0044-1791790
2) उनियाल एम., अहमद आई., **धीमान ए.के.**, कुमार ए., सरकार बी., जगने एन., मागो वी., आज़म एम.क्यू. पोस्ट-ट्रॉमैटिक घावों में स्प्लिट-थिकनेस स्किन ग्राफ्ट ग्रहणशीलता और डोनर साइट हीलिंग पर हाइपरबेरिक ऑक्सीजन थेरेपी का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन। घाव, मार्च 2025; 37(3):134–140. DOI: 10.25270/wnds/24157. PMID: 40215364.

पुरस्कार, सम्मान एवं उल्लेखनीय उपलब्धियाँ

डॉ. मोहिम ठाकुर

1) एक माह की ऑब्ज़र्वरशिप कोर्स इन एंडोस्कोपी, डॉ. प्रमोद गर्ग (प्रमुख, गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी एवं ह्यूमन न्यूट्रिशन विभाग, एम्स नई दिल्ली) के मार्गदर्शन में पूर्ण की — वर्ष 2024।
2) एंडोस्कोपी प्रशिक्षण – जीईएम हॉस्पिटल, ए.एम.ए.एस.आई. (भारतीय न्यूनतम पहुँच शल्य चिकित्सकों का संघ) के तत्वावधान में — वर्ष 2024।
3) एम्स बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश) में डायग्नोस्टिक एवं बेसिक थैरेप्यूटिक एंडोस्कोपी सेवाओं की शुरुआत — वर्ष 2024।
4) एम्स बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश) में मिनिमली इनवेसिव ऑन्कोलॉजिक सर्जरी की शुरुआत — वर्ष 2024।

अस्पताल प्रशासन विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पदनाम	कार्यभार ग्रहण की तिथि
1.	डॉ. विक्रांत कंवर	सहायक आचार्य	23.11.2020

विभाग के विषय में

विभाग का "दृष्टिकोण"

We "SAVE" (System, Administer, Values and Economy)

with

CARE (Compassion, Affection, Respect and Empathy)

हम **"सेव"** (प्रणाली, प्रशासन, मूल्यों एवं अर्थव्यवस्था) के माध्यम से

"केयर" (सहानुभूति, स्नेह, सम्मान और सहानुभूतिपूर्ण देखभाल) सुनिश्चित करते हैं।

विभाग का "लक्ष्य"

एक ऐसी प्रणाली तैयार करना जो मूल्यों और अर्थव्यवस्था के माध्यम से प्रशासन करे, ताकि सहानुभूतिपूर्ण, स्नेहपूर्ण, सम्मानजनक और सहानुभूतिपूर्ण देखभाल सुनिश्चित की जा सके।

अस्पताल प्रशासन विभाग के मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

- संस्थान/अस्पताल में दैनिक प्रशासनिक गतिविधियों का आयोजन और समन्वय करना, ताकि प्रभावी स्वास्थ्य सेवा प्रदान की जा सके।
- प्रक्रियाओं को सुचारू बनाने के लिए प्रौद्योगिकी-आधारित स्वास्थ्य प्रणालियों को लागू करना।
- प्रभावी सेवा वितरण के लिए स्वास्थ्य कार्यबल का प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण करना।
- संस्थानों में कानूनी अनुपालन सुनिश्चित करना और नैतिक प्रथाओं को बढ़ावा देना।
- तृतीयक देखभाल अस्पतालों में गुणवत्ता आश्वासन कार्यक्रमों का समन्वय और सुविधा प्रदान करना तथा राज्य के अन्य अस्पतालों के लिए इन गतिविधियों का नोडल सेंटर के रूप में कार्य करना।
- प्रभावी प्रबंधन निर्णय लेने हेतु स्वास्थ्य और स्वास्थ्य प्रशासन के विभिन्न क्षेत्रों में संचालनात्मक अनुसंधान करना।
- अस्पताल योजना और प्रबंधन में वर्तमान प्रवृत्तियों के संबंध में परामर्श और सिफारिशें प्रदान करना।

सीएमई/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुत व्याख्यान/पत्र एवं पोस्टर

क्र. सं.	संकाय सदस्य का नाम	व्याख्यान / शोधपत्र / पोस्टर का शीर्षक	योगदान का प्रकार	कार्यक्रम विवरण – नाम / आयोजक / स्थान	तिथि
1.	डॉ. विक्रांत कंवर	भारत के पर्यावरण-संवेदनशील उपहिमालयी क्षेत्र में टेलीहेल्थ हस्तक्षेपों के पर्यावरणीय लाभ और आर्थिक लागत बचत	पोस्टर प्रस्तुति	जिनेवा हेल्थ फोरम सम्मेलन 2024	27-29 मई, 2024

प्रकाशन

शोध-पत्र

1) रितु कपूर, यशवंत कुमार, स्वाति शर्मा, शिवानी, ईशकरण सिंह, ध्रुव रोहिल्ला, भूपिंदर कुमार, **विक्रांत कंवर**, अर्नव भावसार और वरुण दत्त; ग्लूको ब्रीथ: एक आईओटी, एमएल और ब्रीथ आधारित गैर-इनवेसिव ग्लूकोमीटर, आईईईई एक्सेस 12, 3392015

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ

डॉ. विक्रांत कंवर

1) ग्लूकोज मापने वाले यंत्र के लिए पेटेंट प्राप्त किया।
2) जिनेवा हेल्थ फोरम में ग्रहीय स्वास्थ्य पर नीति पत्र में योगदान दिया।
3) स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी मूल्यांकन पर अंतर्राष्ट्रीय फैलोशिप प्राप्त की और इसमें भाग लिया।
4) भारत के टेलीमेडिसिन सोसाइटी के हिमाचल प्रदेश चैप्टर के संरक्षक के रूप में नियुक्त किया गया।

मेडिकल ऑन्कोलॉजी एवं हेमेटोलॉजी विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पदनाम	कार्यभार ग्रहण की तिथि
1.	डॉ. प्रवेश धीमान	सह-आचार्य	28.06.2022

विभाग के विषय में

परिचय

एम्स बिलासपुर में मेडिकल ऑन्कोलॉजी और हेमेटोलॉजी विभाग की स्थापना 2022 में व्यापक कैंसर देखभाल, उन्नत प्रशिक्षण और ऑन्कोलॉजी एवं हेमेटोलॉजिकल विकारों में ट्रांसलेशनल अनुसंधान प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, विभाग ने रोगी-केंद्रित देखभाल, शैक्षणिक विकास और क्षेत्र-विशिष्ट अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करते हुए अपनी सेवाओं का दायरा बढ़ाना जारी रखा। विभाग में एक पूर्णकालिक संकाय सदस्य - डॉ. प्रवेश धीमान (सह-आचार्य) कार्यरत थे, जो नैदानिक सेवाओं, अनुसंधान, शिक्षण और संस्थागत पहलों में सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं।

विभाग के मुख्य फोकस क्षेत्रों में शामिल हैं:

- ठोस ट्यूमर और हेमेटोलॉजिकल दुर्दमताओं का निदान और प्रबंधन।
- कीमोथेरेपी और लक्षित चिकित्सा प्रशासन (अस्पताल में भर्ती और डे केयर)।
- स्टेम सेल प्रत्यारोपण (एससीटी) कार्यक्रम का विकास।
- क्षेत्रीय कैंसर महामारी विज्ञान और आणविक अनुसंधान।
- सुपर स्पेशियलिटी छात्रों (मेडिकल ऑन्कोलॉजी में डीएम) का प्रशिक्षण। प्रवेश प्रतीक्षा में है।
- समग्र कैंसर देखभाल के लिए सर्जरी, पैथोलॉजी, रेडियोलॉजी और रेडिएशन ऑन्कोलॉजी के साथ बहु-विषयक एकीकरण।

विभाग, हिमाचल प्रदेश और आसपास के राज्यों की आबादी के लिए विश्व स्तरीय, किफायती स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के एम्स बिलासपुर के व्यापक दृष्टिकोण के साथ अपने विकास को संरेखित करते हुए, रोगी देखभाल को शैक्षणिक और अनुसंधान उत्कृष्टता के साथ संतुलित करने का प्रयास करता है।

दृष्टिकोण

एम्स बिलासपुर में एक व्यापक कैंसर देखभाल पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना जो अत्याधुनिक नैदानिक सेवाओं, उन्नत शैक्षणिक प्रशिक्षण और क्षेत्र-विशिष्ट अनुसंधान को सामर्थ्य, सुलभता और उत्कृष्टता पर केंद्रित करते हुए संयोजित करे।

लक्ष्य

- डे केयर कीमोथेरेपी सुविधाओं को सुदृढ़ करके, अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण कार्यक्रम शुरू करके और सुव्यवस्थित नैदानिक और चिकित्सीय मार्ग प्रस्तुत करके रोगी देखभाल सेवाओं का विस्तार करना।
- फेफड़ों के कैंसर, स्तन कैंसर, रक्त संबंधी दुर्दमताओं और हिमाचल प्रदेश की आबादी के अद्वितीय आणविक और महामारी विज्ञान पैटर्न पर जोर देते हुए, एम्स बिलासपुर को क्षेत्रीय कैंसर अनुसंधान के केंद्र के रूप में स्थापित करना।
- समय पर निदान और उपचार की शुरुआत सुनिश्चित करने के लिए प्रस्तावित "ग्रीन पाथवे" सहित रोगी प्रवाह के नवीन मॉडलों को लागू करना।
- डीएम (मेडिकल ऑन्कोलॉजी) कार्यक्रम के माध्यम से भावी ऑन्कोलॉजिस्टों को प्रशिक्षित और पोषित करना, योग्यता-आधारित शिक्षा और व्यावहारिक अनुभव को बढ़ावा देना।
- बायोमार्कर, प्रतिरोध तंत्र और चिकित्सीय लक्ष्यों पर दीर्घकालिक शोध के लिए एक कैंसर बायोबैंक विकसित करना।
- समग्र कैंसर देखभाल सुनिश्चित करते हुए, विशेषज्ञताओं में बहु-विषयक सहयोग को बढ़ावा देना।

रोगी देखभाल सेवाएँ

मेडिकल ऑन्कोलॉजी और हेमेटोलॉजी विभाग ने पहुँच, सुरक्षा और रोगी आराम पर ध्यान केंद्रित करते हुए अपनी नैदानिक सेवाओं को मजबूत किया।

क. डे केयर कीमोथेरेपी यूनिट: विभाग ने डे केयर कीमोथेरेपी सेवाओं का विस्तार किया, जिससे कीमोथेरेपी, लक्षित चिकित्सा और सहायक देखभाल का सुरक्षित प्रशासन संभव हुआ। इससे भर्ती मरीजों का बोझ कम हुआ है और रोगियों की संख्या में सुधार हुआ है। अस्पताल प्रशासन के सहयोग से डे केयर बेड की संख्या बढ़ाने के प्रयास शुरू किए गए।

ख. बाह्य रोगी और अंतःरोगी सेवाएँ: सप्ताह में छह दिन नियमित बाह्य रोगी क्लीनिक संचालित किए गए, जिनमें ठोस और रक्त संबंधी दुर्दमताओं वाले रोगियों के लिए परामर्श, अनुवर्ती कार्रवाई और परामर्श सेवाएँ प्रदान की गईं। दीर्घकालीन कीमोथेरेपी, गहन निगरानी, या सहायक प्रबंधन की आवश्यकता वाले रोगियों के लिए समर्पित अंतःरोगी देखभाल प्रदान की गई।

ग. निदान और उपचारात्मक मार्गों का मानकीकरण: सामान्य दुर्दमताओं के लिए निदान मार्गों को सुव्यवस्थित किया गया, जिसमें पैथोलॉजी, रेडियोलॉजी और आणविक परीक्षण को एकीकृत किया गया। एक समान, साक्ष्य-आधारित देखभाल सुनिश्चित करने के लिए चिकित्सीय प्रोटोकॉल को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दिशानिर्देशों के अनुरूप बनाया गया।

घ. बहु-विषयक ट्यूमर बोर्ड: विभाग ने संस्थागत ट्यूमर बोर्ड में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, ऑन्कोलॉजी, सर्जरी, पैथोलॉजी, रेडियोलॉजी और विकिरण ऑन्कोलॉजी को शामिल करके व्यापक निर्णय लेना सुनिश्चित किया। इससे उपचार योजना और रोगी परिणामों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

ङ. अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण (बीएमटी) सेवाएँ: एक समर्पित ऑटोलॉगस स्टेम सेल प्रत्यारोपण सुविधा की स्थापना के लिए आधारभूत कार्य शुरू किया गया, जिसके लिए स्थान की पहचान की गई और अगले 1-2 महीनों में विकास पूरा होने की उम्मीद है। जीएलपी-प्रमाणित प्रयोगशालाओं वाली अत्याधुनिक बीएमटी इकाई के लिए 25 करोड़ रुपये की एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) को स्थायी वित्त समिति (एसएफसी) द्वारा मंजूरी दे दी गई है और इसे धन जारी करने के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू) को भेज दिया गया है।

च. हरित मार्ग योजना: विभाग ने कैंसर रोगियों के निदान से लेकर उपचार तक की प्रक्रिया को तेज़ करने, देरी को कम करने और संसाधनों के अधिकतम उपयोग के लिए "हरित मार्ग" की योजना शुरू की है। इस प्रणाली के आगामी वर्ष में लागू होने की उम्मीद है।

छ. इन पहलों के माध्यम से, विभाग ने निकट भविष्य में उन्नत सेवाओं की नींव रखते हुए उच्च-गुणवत्ता वाली, रोगी-केंद्रित कैंसर देखभाल प्रदान करना जारी रखा है।

शैक्षणिक पाठ्यक्रम

क. सुपरस्पेशलिटी प्रशिक्षण (मेडिकल ऑन्कोलॉजी में डीएम): विभाग ने डीएम (मेडिकल ऑन्कोलॉजी) कार्यक्रम के पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक विकसित और अनुमोदित किया है। यह पाठ्यक्रम प्रति सत्र एक अभ्यर्थी के साथ शुरू किया गया है, जो एम्स बिलासपुर में ऑन्कोलॉजी में सुपरस्पेशलिटी प्रशिक्षण को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

ख. स्नातक और स्नातकोत्तर शिक्षण: संकाय सदस्यों ने व्याख्यान, केस चर्चा और बेडसाइड शिक्षण के माध्यम से एम.बी.बी.एस. और एमडी छात्रों को पढ़ाने में सक्रिय रूप से योगदान दिया, जिसका उद्देश्य ऑन्कोलॉजी अवधारणाओं को व्यापक चिकित्सा शिक्षा में एकीकृत करना था। संबद्ध विभागों के रेजिडेंट भी संयुक्त शिक्षण सत्रों में शामिल हुए।

ग. नवीन शिक्षण-अधिगम विधियाँ: प्रशिक्षुओं में आलोचनात्मक सोच और साक्ष्य-आधारित अभ्यास को बढ़ाने के लिए समस्या-आधारित शिक्षण, बहु-विषयक केस चर्चा और जर्नल क्लब नियमित रूप से आयोजित किए गए। शिक्षण और मूल्यांकन के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग भी एकीकृत किया गया।

घ. मेंटरशिप और अनुसंधान मार्गदर्शन: संकाय सदस्यों ने अनुसंधान परियोजनाओं, शोध प्रबंधों और विभागीय पहलों का पर्यवेक्षण किया, जिससे छात्रों में जिज्ञासा की संस्कृति को बढ़ावा मिला। पैथोलॉजी, रेडियोलॉजी और आणविक विज्ञान के सहयोग से परियोजनाओं के लिए अंतर-विषयक मार्गदर्शन को प्रोत्साहित किया गया।

ङ. शैक्षणिक योगदान: संकाय ने व्याख्यान दिए, शोधपत्र प्रस्तुत किए और राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक कार्यक्रमों में संसाधन व्यक्तियों के रूप में भाग लिया, जिससे विभाग की दृश्यता और शैक्षणिक प्रतिष्ठा में वृद्धि हुई।

च. इन गतिविधियों के माध्यम से, विभाग ने ऑन्कोलॉजी शिक्षा में क्षमता निर्माण के एम्स बिलासपुर के व्यापक लक्ष्यों के साथ तालमेल बिठाते हुए संरचित शैक्षणिक विकास के लिए एक आधार स्थापित किया है।

अनुसंधान एवं नवाचार

विभाग परियोजना आईडी: एनसीडीआईआर/एचबीसीआर/12/एनएफ/100/2022

/5799 के अंतर्गत भारत में अस्पताल-आधारित कैंसर रजिस्ट्री (साइट सह-पीआई के रूप में) में नामांकित है।

भविष्य की योजनाएँ

क. मेडिकल ऑन्कोलॉजी और हेमेटोलॉजी विभाग का लक्ष्य अगले 1-2 वर्षों में अपनी सेवाओं, शैक्षणिक कार्यक्रमों और अनुसंधान का विस्तार और समेकन करना है। प्रमुख फोकस क्षेत्रों में शामिल हैं:

ख. अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण कार्यक्रम: ऑटोलॉगस स्टेम सेल प्रत्यारोपण सुविधा का पूरा होना और उसका संचालन। **25** करोड़ रुपये की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) की मंजूरी के बाद, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय से धनराशि जारी होने के अधीन, जीएलपी-प्रमाणित प्रयोगशालाओं के साथ एक व्यापक अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण इकाई की स्थापना।

ग. कैंसर रोगियों के लिए हरित मार्ग: नैदानिक जांच, विशेषज्ञ रेफरल और उपचार की शुरुआत में तेजी लाने के लिए एक सुव्यवस्थित रोगी प्रवाह मॉडल का कार्यान्वयन, जिससे देरी कम हो और रोगी परिणामों में सुधार हो।

घ. कैंसर बायोबैंक: ट्यूमर ऊतक और रक्त के नमूनों के व्यवस्थित संग्रह और संरक्षण के लिए एक बायोबैंक का विकास, जो बायोमार्कर खोज, आणविक महामारी विज्ञान और क्षेत्रीय आबादी के अनुरूप अनुवादात्मक अनुसंधान का समर्थन करेगा।

ङ. डे केयर कीमोथेरेपी सुविधाओं का विस्तार: बढ़ते रोगी भार को पूरा करने और दक्षता बढ़ाने के लिए डे केयर बेड की संख्या में वृद्धि और सहायक देखभाल सेवाओं को एकीकृत करना।

च. शैक्षणिक विकास: संरचित शिक्षण, बहु-विषयक अनुभव और अनुसंधान प्रशिक्षण के एकीकरण के साथ डीएम (मेडिकल ऑन्कोलॉजी) कार्यक्रम को मजबूत करना। राष्ट्रीय कैंसर केंद्रों के सहयोग से रेजिडेंट और फेलो के लिए अतिरिक्त प्रशिक्षण मॉड्यूल की खोज करना।

छ. अनुसंधान एवं नैदानिक परीक्षण: विशेष रूप से फेफड़ों के कैंसर, स्तन कैंसर और रक्त संबंधी दुर्दमताओं में, अन्वेषक-प्रारंभित और सहयोगात्मक नैदानिक अनुसंधान परियोजनाओं का विस्तार। व्यक्तिगत कैंसर देखभाल के मार्गदर्शन के लिए एआई/एमएल-आधारित दृष्टिकोणों का उपयोग करते हुए पूर्वानुमान मॉडल का विकास।

ज. सामुदायिक एवं निवारक ऑन्कोलॉजी: हिमाचल प्रदेश में शीघ्र पहचान और रोकथाम रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, राज्य स्वास्थ्य अधिकारियों के सहयोग से कैंसर जागरूकता और जांच कार्यक्रमों की शुरुआत।

इन पहलों के माध्यम से, विभाग एक व्यापक कैंसर केंद्र में परिवर्तित होने की कल्पना करता है, जिसमें उन्नत नैदानिक देखभाल, उच्च-गुणवत्ता वाली शिक्षा और क्षेत्र की स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताओं के अनुरूप प्रभावशाली अनुसंधान को एकीकृत किया जाएगा।

प्रकाशन

शोध-पत्र

1) मीनू एम, **धीमान पी,** कुमार एम, प्रधान पी, पांडे एस. आवर्तक/मेटास्टेटिक/असंक्रमणीय सिर और गर्दन के स्क्वैमस सेल कैंसर के रोगियों में पेम्ब्रोलिजुमाब की प्रभावशीलता पर वास्तविक साक्ष्य: एक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण। क्यूरियस। 202517(1):e76709. doi:10.7759/क्यूरियस.76709
2) **धीमान पी,** पाटिल सीएन, कोनीमेनी एस, मीनू एम. भारत में मानक देखभाल उपचार प्राप्त कर रहे स्तन कैंसर रोगियों में ट्रिपल-नेगेटिव, HER2/Neu, और Ki67 मार्कर: ट्यूमर की आक्रामकता और उत्तरजीविता परिणामों पर वास्तविक साक्ष्य। क्यूरियस। 202517(2):e78798. doi:10.7759/क्यूरियस...78798

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ

डॉ. प्रवेश धीमान

1) 15 सितंबर, 2022 को ईएसएमओ के सदस्य बने और आज तक सदस्य बने हुए हैं।
2) 30 सितंबर, 2021 से एएससीओ के सदस्य हैं और आज तक सक्रिय सदस्य हैं।
3) 13 अक्टूबर, 2022 को आईएसएमपीओ के सदस्य बने और आज तक सदस्य बने हुए हैं।
4) 9 जुलाई, 2025 को हेमेटोलॉजी कैंसर कंसोर्टियम के सदस्य बने और आज भी इससे जुड़े हुए हैं।

सामुदायिक सेवा

डॉ. प्रवेश धीमान

1) विश्व डिम्बग्रंथि कैंसर दिवस (8 मई 2024) पर एक सामुदायिक जागरूकता गतिविधि आयोजित की गई।
2) विश्व फेफड़े के कैंसर दिवस (1 अगस्त 2024) पर सामुदायिक जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की गईं।
3) विश्व कैंसर दिवस (4 फ़रवरी 2025) पर एक सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पदनाम	कार्यभार ग्रहण की तिथि
1.	प्रो. (डॉ.) प्रीति अग्रवाल	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	05.11.2024
2.	डॉ. प्रशांत सूद	अतिरिक्त आचार्य	22.03.2021 (31.07.2024 तक)
3.	डॉ.पुनीत कुमार गुप्ता	अतिरिक्त आचार्य	01.07.2024
		सह आचार्य	08.12.2020
4.	डॉ. नेहा गौतम	अतिरिक्त आचार्य	15.03.2025
5.	डॉ. मेघा शर्मा	सह आचार्य	01.07.2024
		सहायक आचार्य	09.11.2020
6.	डॉ. स्वाति गुप्ता	सहायक आचार्य	20.11.2020 (22.10.2024 तक)

विभाग के विषय में

रोगी देखभाल

वित्तीय वर्ष 2024–25 के दौरान, सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग द्वारा एम्स बिलासपुर के रोगियों के लिए अनेक महत्त्वपूर्ण नैदानिक सेवाओं की शुरुआत की गई। रक्त संवर्धन एवं स्वचालित संवेदनशीलता परीक्षण जैसी पूर्ववर्ती सेवाओं में उल्लेखनीय वृद्धि हुई तथा परिणाम प्राप्त करने की अवधि में सुधार हुआ। नवम्बर 2024 से मूत्र एवं स्वचालित प्रतिजैविक संवेदनशीलता परीक्षण प्रारंभ किया गया। इसी अवधि में, क्षेत्रीय वीआरडीएल परियोजना के अंतर्गत आवश्यक मानव संसाधन की भर्ती जुलाई 2024 में पूर्ण की गई तथा परियोजना के अंतर्गत विभिन्न सीरोलॉजिकल एवं आणविक परीक्षण प्रारंभ किए गए।

वर्ष 2024–25 के दौरान रोगी देखभाल से संबंधित अनेक नई नैदानिक सेवाएँ प्रारंभ की गईं, जिनमें स्क्रब टाइफस एवं लेप्टोस्पायरोसिस के लिए परीक्षण, श्वसन संबंधी विषाणुजनित रोगजनकों जैसे ह्यूमन मेटाप्नेमोवायरस, इन्फ्लुएंजा वायरस, रेस्पिरेटरी सिंशिशियल वायरस, एडेनोवायरस, वेरिसेला जोस्टर *वायरस* की आणविक पहचान, डेंगू का सिरोटाइपिंग, हेपेटाइटिस बी एवं सी विषाणु का वायरल लोड परीक्षण, तथा ह्यूमन पैपिलोमा वायरस, मीज़ल्स, मम्प्स और रूबेला आदि के परीक्षण शामिल हैं। विभाग ने केमिल्युमिनेसेंस एवं वीडस प्रणाली के माध्यम से उच्च-क्षमता वाली सीरोलॉजिकल जाँच की सुविधा प्रारंभ की है तथा प्रोकैल्सिटोनिन सहित महत्वपूर्ण जाँचों के लिए 24×7 सेवाएँ प्रदान की जा रही हैं।

विभाग ने 10-कलर चैनल जीनएक्सपर्ट मशीन अधिग्रहित की है, जिसके माध्यम से एमडीआर एवं प्री-एक्सडीआर क्षय रोग की पहचान फुफ्फुसीय एवं बाह्य-फुफ्फुसीय दोनों प्रकार के नमूनों से की जा सकती है। इसके साथ ही ऊतक नमूनों से क्षय रोग की आणविक पहचान हेतु नई सुविधा भी प्रारंभ की गई है।

शैक्षणिक पाठ्यक्रम

वर्ष 2024–25 में विभाग द्वारा एम.बी.बी.एस. (2022 एवं 2023 बैच), बी.एससी. एम.एल.टी. (तीन बैच) तथा बी.एससी. नर्सिंग विद्यार्थियों के लिए नियमित शिक्षण कक्षाएँ आयोजित की गईं। विभाग में पहले एम.डी. छात्र ने जनवरी 2025 में प्रवेश लिया। इसके अतिरिक्त, विभाग द्वारा संस्थान के संकाय सदस्यों, नर्सिंग अधिकारियों, एम.बी.बी.एस. के नवप्रवेशित छात्रों (बुनियादी पाठ्यक्रम) तथा रेज़िडेंट डॉक्टरों हेतु अस्पताल संक्रमण नियंत्रण एवं जैव-चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन पर प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए। विभाग के शिक्षकों को बाह्य परीक्षक एवं विषय विशेषज्ञ) के रूप में विभिन्न राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय शिक्षण संस्थानों, विशेषकर हिमाचल प्रदेश एवं उत्तर भारत के संस्थानों में आमंत्रित किया गया।

अनुसंधान

सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग अनुसंधान के क्षेत्र में सक्रिय रूप से कार्यरत है, विशेष रूप से आईसीएमआर–डीएचआर द्वारा वित्तपोषित क्षेत्रीय वीआरडीएल परियोजना के अंतर्गत। विभाग में बीएसएल-2 स्तर की प्रयोगशाला गतिविधियाँ प्रारंभ हो चुकी हैं, जबकि बीएसएल-3 सुविधा हेलिपैड क्षेत्र के समीप एक स्वतंत्र इकाई के रूप में स्थापित की जाएगी।

विभाग द्वारा डीएसटी द्वारा प्रायोजित एक परियोजना सफलतापूर्वक पूर्ण की गई है तथा आईसीएमआर द्वारा वित्तपोषित एक बहुकेन्द्रिक परियोजना तीव्र ज्वरजन्य रोग पर प्रारंभ की गई है।

सीएमई/कार्यशाला/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

क्र. सं.	कार्यक्रम का शीर्षक	कार्यक्रम का प्रकार	विषय / केंद्र बिंदु	तिथि एवं स्थान	आयोजन टीम	सह-आयोजक संस्थाएँ (यदि कोई हों)	प्रतिभागिता
1.	विश्व प्रतिजैविक जागरूकता सप्ताह	सीएमई	प्रतिजैविक जागरूकता	18-11-2024	सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग	—	संकाय सदस्य, विद्यार्थी एवं कर्मचारी

सीएमई/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान/पत्र या पोस्टर प्रस्तुत किए गए

क्र. सं.	संकाय सदस्य का नाम	व्याख्यान / शोध-पत्र / पोस्टर का शीर्षक	योगदान का प्रकार	कार्यक्रम का विवरण (नाम / आयोजक / स्थान)	तिथि
1.	डॉ. पुनीत कुमार गुप्ता	संक्रामक ग्रैन्युलोमेटस विकारों में सूक्ष्मजीवविज्ञान की भूमिका	अतिथि व्याख्यान	डर्माटोपैथोलॉजी सीएमई, एम्स बिलासपुर	21 अगस्त 2024
2.	डॉ. मेघा शर्मा	मेरुदंड का ब्रुसेलोसिस – अत्यंत दुर्लभ एवं गंभीर: निदान हेतु सशक्त उपकरण स्थापित करने का प्रयास	मौखिक प्रस्तुति	माइक्रोकॉन 2024, आईएएमएम सम्मेलन (इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजिस्ट्स), बी.जे. मेडिकल कॉलेज, पुणे, महाराष्ट्र	21–24 नवम्बर 2024
3.	डॉ. मेघा शर्मा	कृमि परजीवियों द्वारा रोग प्रतिरोधक तंत्र का विनियमन	पैनल सदस्य	ट्रोपाकॉन 2024, आईएटीपी (इंडियन एसोसिएशन ऑफ ट्रॉपिकल पैरासिटोलॉजी), एम्स गुवाहाटी	13–15 सितम्बर 2024

प्रकाशन

शोध-पत्र

1) **शर्मा एम**., कृष्णमूर्ति एस., श्रीनिवासन पी., वर्मा एस. — कैम्पिलोबैक्टर रक्त-स्राव संक्रमणों की व्यापकता, पूर्ववर्ती कारक, विभिन्न प्रजातियों में नैदानिक प्रोफ़ाइल एवं परिणामों में भिन्नता का मूल्यांकन: उत्तर भारत से 7 वर्षों का अनुभव। **जर्नल ऑफ द एपिडेमियोलॉजी फाउंडेशन ऑफ इंडिया**, 2024; खंड 2: 119–127.
2) शर्मा के., अंग्रुप ए., घोष ए., सिंह एस., सूद ए., अरोड़ा ए. इत्यादि **(शर्मा एम.)** — ऐनएरोब्स, माइकोबैक्टीरिया, नोकॉर्डिया तथा मोल्ड्स की पहचान हेतु VITEK MS संस्करण 3.0 MALDI-TOF का मूल्यांकन। **डायग्नॉस्टिक माइक्रोबायोलॉजी एंड इन्फेक्शियस डिजीज**, 2024; 110: 116477. https://doi.org/10.1016/j.diagmicrobio.2024.116477
3) शर्मा के., **शर्मा एम**., श्री आर., सिंगला एन., जोशी एच., मोदी टी. इत्यादि — ट्रूनैट चिप्स का उपयोग करके ट्यूबरकुलस मेनिन्जाइटिस में XDR, pre-XDR और MDR को परिभाषित करने का अध्ययन। **ट्यूबरकुलोसिस**, 2024; 147: 102513. https://doi.org/10.1016/j.tube.2024.102513

4) शर्मा के., **शर्मा एम**., अय्यादुरई एन., डोगरा एम., शर्मा ए., गुप्ता वी. इत्यादि — नेत्र क्षयरोग के निदान तथा औषधि-प्रतिरोध का पता लगाने हेतु Truenat Assay का मूल्यांकन। **ऑक्युलर इम्यूनोलॉजी एंड इंफ्लेमेशन**, 2024; 1 फरवरी: 1–7. https://doi.org/10.1080/09273948.2023.2170888
5) **शर्मा एम**., खुराना एस. — कृमि परजीवियों द्वारा रोग-प्रतिरोधक तंत्र का विनियमन और वर्म थेरेपी। **ट्रॉपिकल पैरासिटोलॉजी**, 2025; 15: 2–7. https://doi.org/10.4103/tp.tp_5_25
6) माथुर पी., श्रीवास्तव एस., ठाकुर ए. के., परवीन आर., पुरस्वानी एम., श्रीवास्तव ए. के. इत्यादि **(वर्मा पी. के.)** — भारतीय आईसीयू नेटवर्क में कैंडीडीमिया और सेंट्रल लाइन-एसोसिएटेड कैंडीडीमिया: कोविड-19 महामारी का प्रभाव। **माइकोसेज़**, सितम्बर 2024; 67 (9): e13790. https://doi.org/10.1111/myc.13790

सामुदायिक सेवा

डॉ. प्रीति अग्रवाल एवं डॉ. मेघा शर्मा

1) विश्व प्रतिजैविक जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत स्वास्थ्य कर्मियों हेतु जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन 19 नवम्बर 2024 को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) मरकंड में किया गया।

नवजात शिशु रोग विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पदनाम	कार्यभार ग्रहण की तिथि
1.	डॉ. नलिनी ए	सह-आचार्य	19.10.2023
		सहायक आचार्य	08.02.2021

विभाग के विषय में

परिचय

नवजात शिशु रोग विभाग में नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाई की स्थापना नवंबर 2023 में की गई। विभाग में विभिन्न प्रकार की सेवाएँ उपलब्ध हैं, जिनमें एनआईसीयू सेवाएँ, प्रसवोत्तर वार्ड में नवजात शिशुओं की देखभाल, आपातकालीन नवजात देखभाल सेवाएँ तथा बाह्य रोगी सेवाएँ सम्मिलित हैं। बाह्य रोगी सेवाओं में स्वस्थ नवजात शिशुओं की अनुवर्ती जाँच, उच्च जोखिम वाले शिशुओं की निगरानी तथा प्रसवपूर्व परामर्श शामिल हैं। आंतरिक रोगी सेवाओं में नियमित नवजात देखभाल, आपातकालीन नवजात देखभाल तथा नवजात स्क्रीनिंग की सुविधाएँ उपलब्ध हैं। नवजात शिशुओं को द्वितीय एवं तृतीय स्तर की चिकित्सा प्रदान की जाती है, जिसमें पारंपरिक एवं उच्च आवृत्ति वेंटिलेशन, सर्फेक्टेंट थेरेपी, प्रकाश चिकित्सा, एक्सचेंज ट्रांसफ्यूजन, पूर्ण पैरेंट्रल पोषण, समयपूर्व एवं कम जन्म वजन वाले शिशुओं की देखभाल, कंगारू मदर केयर तथा जन्म के समय अत्यंत कम भार वाले शिशुओं की देखभाल सम्मिलित है। संकाय सदस्य द्वारा स्नातक चिकित्सा विद्यार्थियों, वरिष्ठ/कनिष्ठ निवासी चिकित्सक (शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक) तथा नवजात शिशु रोग एवं प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग के नर्सिंग अधिकारियों को आवश्यक एवं आपातकालीन नवजात देखभाल का प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। संकाय सदस्य विभागीय नीतियों एवं प्रोटोकॉल के निर्माण, एनआईसीयू डिज़ाइन, नैदानिक एवं शिक्षण सामग्री की तैयारी, उपकरण, उपभोज्य वस्तुएँ, औषधियों की क्रय प्रक्रिया तथा मानव संसाधन आवश्यकताओं के निर्धारण में भी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। विभाग को एक आईसीएमआर बाह्य अनुसंधान अनुदान प्राप्त हुआ है, जो वर्तमान में प्रगति पर है। इसके अतिरिक्त विभाग में डी.एम. नवजात शिशु रोग निवासी चिकित्सक हेतु मार्गदर्शक एवं प्रसूति एवं स्त्री रोग तथा बाल रोग विभाग के स्नातकोत्तर शैक्षणिक कनिष्ठ निवासी चिकित्सक हेतु सह-मार्गदर्शक के रूप में अनुसंधान कार्य संचालित किए जा रहे हैं। सामुदायिक गतिविधियों के अंतर्गत समुदाय की माताओं को नवजात शिशुओं की गृह आधारित देखभाल, टीकाकरण क्लिनिक में आने वाली माताओं को विशेष रूप से केवल स्तनपान की शीघ्र शुरुआत के प्रति जागरूक किया गया। संकाय सदस्य विभिन्न संस्थागत समितियों के सदस्य के रूप में भी कार्यरत हैं।

दृष्टि

हिमाचल प्रदेश के पर्वतीय क्षेत्र में स्थित नवजात शिशुओं को अत्याधुनिक, समग्र, साक्ष्य-आधारित एवं गुणवत्तापूर्ण रोगी-देखभाल प्रदान करना, जिसमें सामुदायिक स्तर तक समग्र स्वास्थ्य सेवाएँ सम्मिलित हों। उन्नत तकनीक एवं नवोन्मेषी शिक्षण पद्धतियों के माध्यम से उच्चतम स्तर की एनआईसीयू सेवाओं का विकास एवं संवर्धन करना।

लक्ष्य

साक्ष्य-आधारित, गुणवत्तापूर्ण रोगी-देखभाल एवं समग्र सामुदायिक स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करना। उन्नत तकनीक एवं नवीन शिक्षण पद्धतियों के माध्यम से एनआईसीयू सेवाओं को सर्वोच्च स्तर तक पहुँचाना। स्नातक, स्नातकोत्तर एवं डी.एम. (नवजात विज्ञान) पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को उत्कृष्ट प्रशिक्षण प्रदान करना। राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संस्थानों से अनुसंधान परियोजनाओं हेतु सहयोग प्राप्त करना, प्रतिष्ठित सूचीबद्ध पत्रिकाओं में प्रकाशन एवं पेटेंट प्राप्त करना। संस्थान को साक्ष्य-आधारित चिकित्सा, अनुसंधान एवं शिक्षण गतिविधियों के क्षेत्र में सर्वोच्च स्तर तक ले जाना।

रोगी देखभाल सेवाएँ

विभाग द्वारा उच्चतम मानकों के अनुसार लेवल-3 एनआईसीयू सेवाएँ प्रदान की जा रही हैं, जिनमें वेंटिलेशन, सीपीएपी, पूर्ण पारेंटरल पोषण, वृद्धि एवं विकास की निगरानी, कंगारू मदर केयर, प्रकाश चिकित्सा, एक्सचेंज ट्रांसफ्यूजन तथा स्वस्थ नवजात शिशुओं की व्यापक स्क्रीनिंग सम्मिलित है। विभाग में उच्च जोखिम नवजात अनुवर्ती क्लिनिक एवं स्वस्थ शिशु अनुवर्ती क्लिनिक भी संचालित हैं।

शैक्षणिक पाठ्यक्रम

विभाग में जनवरी 2024 से डी.एम. नवजात विज्ञान पाठ्यक्रम प्रारंभ किया गया है। मार्च 2025 तक विभाग में 2 डी.एम. नवजात विज्ञान निवासी कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त विभाग में शिशु रोग के स्नातक एवं स्नातकोत्तर

विद्यार्थियों को शिक्षण दिया जाता है। एनेस्थीसिया एवं आपातकालीन चिकित्सा तकनीशियन तथा बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग विद्यार्थी भी विभाग में रोटेशनल पोस्टिंग के रूप में प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं।

अनुसंधान एवं नवाचार

विभाग को भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद की एक बाह्य अनुसंधान परियोजना प्राप्त हुई है, जो वर्तमान में प्रगति पर है। विभाग डी.एम. नवजात विज्ञान निवासी के लिए मार्गदर्शक तथा प्रसूति एवं स्त्री रोग एवं शिशु रोग विभाग के स्नातकोत्तर शिक्षार्थियों के लिए सह-मार्गदर्शक के रूप में कार्य कर रहा है।

भावी योजनाएँ

फेलोशिप, एम.एससी. नर्सिंग एवं पीएच.डी. पाठ्यक्रम प्रारंभ करना, नर्सों हेतु अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा केएमसी, टीपीएन, एनआरपी एवं विकासात्मक सहायक देखभाल पर कौशल कार्यशालाओं का आयोजन करना। मदर एंड चाइल्ड हेल्थ ब्लॉक के माध्यम से एनआईसीयू की सुविधाओं में वृद्धि एवं बिस्तरों की संख्या में विस्तार करना। मानव दुग्ध बैंक की स्थापना करना।शैक्षणिक वरिष्ठ निवासियों के लिए अन्य राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों में रोटेशनल पोस्टिंग सुनिश्चित करना। अन्य संस्थानों के साथ अनुसंधान एवं शैक्षणिक सहयोग स्थापित करना। हिमाचल प्रदेश में एआईआईएमएस-संचालित एसएनसीयू के हब एंड स्पोक मॉडल की स्थापना करना।

सीएमई/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुत व्याख्यान/पत्र एवं पोस्टर

क्र. सं.	कार्यक्रम का शीर्षक	कार्यक्रम का प्रकार	विषय / केंद्रित क्षेत्र	तिथि एवं स्थान	आयोजन टीम	सहयोगी संस्थाएँ (यदि कोई हों)	सहभागिता
1.	एन.आर.पी. कार्यशाला	कार्यशाला	नवजात शिशु पुनर्जीवन	19–20 नवम्बर 2024, एम्स बिलासपुर	डॉ. नलिनी ए.	—	नर्सिंग अधिकारी एवं जूनियर रेज़िडेंट्स
2.	स्तनपान कार्यशाला	कार्यशाला	स्तनपान	19–20 नवम्बर 2024, एम्स बिलासपुर	डॉ. नलिनी ए.	—	नर्सिंग अधिकारी एवं जूनियर रेज़िडेंट्स
3.	कंगारू मदर केयर कार्यशाला	कार्यशाला	कंगारू मदर केयर	19–20 नवम्बर 2024, एम्स बिलासपुर	डॉ. नलिनी ए.	—	नर्सिंग अधिकारी एवं जूनियर रेज़िडेंट्स
4.	ई-पोस्टर प्रतियोगिता	प्रतियोगिता	स्तनपान	20 नवम्बर 2024, एम्स बिलासपुर	डॉ. नलिनी ए.	—	संकाय सदस्य एवं छात्र-छात्राएँ

सी.एम.ई. / राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान / प्रस्तुत किए गए शोधपत्र या पोस्टर

क्र. सं.	संकाय का नाम	व्याख्यान / शोधपत्र / पोस्टर का शीर्षक	योगदान का प्रकार	कार्यक्रम का विवरण नाम / आयोजक / स्थान	तिथि
1.	डॉ. नलिनी ए.	नवजात नर्सिंग कार्यशाला	संकाय सदस्य	राष्ट्रीय नियोकोन 2024, एन.एन.एफ., चेन्नई	05-12-2024
2.	डॉ. नलिनी ए.	नवजात शिशु में पुनरावर्ती असंयुग्मित हाइपरबिलिरुबिनेमिया –	डॉ. अंजलि के लिए मार्गदर्शक संकाय	राष्ट्रीय नियोकोन 2024, एन.एन.एफ., चेन्नई	06-12-2024 से

		गिल्बर्ट सिंड्रोम का एक विशिष्ट मामला – पोस्टर			08-12-2024
3.	डॉ. नलिनी ए.	पोस्टर	डॉ. मोनालिसा के लिए मार्गदर्शक संकाय	राष्ट्रीय नियोकोन 2024, एन.एन.एफ., चेन्नई	06-12-2024 से 08-12-2024

सामुदायिक सेवा

डॉ. नलिनी ए

1) राष्ट्रीय नवजात सप्ताह के एक भाग के रूप में, 18 नवंबर 2024 को शिशु स्वास्थ्य केंद्र, मार्कंड, बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश) में नवजात शिशु की आवश्यक और घर-आधारित देखभाल पर एक सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें एनएनएफ और आईएपी के सहयोग से 75 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
2) राष्ट्रीय नवजात सप्ताह के दौरान, 20 नवंबर 2024 को एम्स बिलासपुर के बी-ब्लॉक स्थित रिसेप्शन एरिया में एनएनएफ और आईएपी के सहयोग से एक जन जागरूकता कार्यक्रम और पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया, जिसमें 100 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
3) परिधीय स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के लिए पल्स ऑक्सीमीटर स्क्रीनिंग और फीमरल पल्स पैल्पेशन पर एक ब्लॉक-स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 18 नवंबर 2024 को आईसीएमआर के तहत शिशु स्वास्थ्य केंद्र, मार्कंड में 60 प्रतिभागियों के साथ आयोजित किया गया।
4) यही ब्लॉक-स्तरीय प्रशिक्षण 6 जनवरी 2025 को आईसीएमआर के तहत घुमारवीं में 54 प्रतिभागियों के साथ आयोजित किया गया।
5) आईसीएमआर के अंतर्गत सीएच, झंडुत्ता में 5 फरवरी 2025 को एक और ब्लॉक स्तरीय प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया, जिसमें 41 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
6) पल्स ऑक्सीमीटर स्क्रीनिंग और फीमरल पल्स पैल्पेशन पर अगला ब्लॉक स्तरीय प्रशिक्षण 6 मार्च 2025 को आईसीएमआर के अंतर्गत श्री नैना देवी जी में 33 प्रतिभागियों के साथ हुआ।

नेफ्रोलॉजी विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पदनाम	कार्यभार ग्रहण की तिथि
1.	प्रो. (डॉ.) संजय विक्रांत	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	21.11.2020

विभाग के विषय में

परिचय

एम्स बिलासपुर में नेफ्रोलॉजी विभाग की शुरुआत 21 नवंबर, 2020 को संस्थापक संकाय के शामिल होने के साथ हुई।

रोगी देखभाल सेवाएँ

गुर्दे के रोगियों के लिए बाह्य रोगी और अंतःरोगी आधार पर नियमित और आपातकालीन देखभाल। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा 5 अक्टूबर, 2022 को एम्स बिलासपुर के उद्घाटन के साथ ही डायलिसिस इकाई चालू हो गई। नेफ्रोलॉजी ओपीडी सप्ताह में तीन दिन आयोजित की जाती है। संवहनी पहुँच प्रक्रियाएँ, अस्थायी और सुरंगयुक्त हेमोडायलिसिस कैथेटर लगाना, धमनी शिरापरक फिस्टुला और गुर्दे की बायोप्सी की जाती हैं। डायलिसिस इकाई पूरे वर्ष 24x7 चालू रहती है।

इस अवधि के दौरान क्रिटिकल केयर नेफ्रोलॉजी सेवाएँ- आईसीयू डायलिसिस-सीआरआरटी और प्लास्मफेरेसिस शुरू की गईं। 08.08.2024 से हिमाचल प्रदेश के राज्य उपयुक्त प्राधिकरण के साथ अस्पताल को गुर्दा प्रत्यारोपण के लिए पंजीकृत कराया गया। तीन बिस्तरों वाला रीनल ट्रांसप्लांट आईसीयू चालू कर दिया गया और किडनी ट्रांसप्लांट सेवाएँ शुरू कर दी गईं, पहला सफल किडनी ट्रांसप्लांट 2 अक्टूबर, 2024 को किया गया।

इस अवधि के दौरान किए गए नैदानिक कार्य

- कुल ओपीडी उपस्थिति 6750
- आईपीडी 1510
- हेमोडायलिसिस 3205
- एसएलईडी 55
- एससीयूएफ 23
- सीआरआरटी 22
- प्लाज़्माफेरेसिस 70
- पीडी 78
- एचडी के लिए अस्थायी एचडी कैथेटर सम्मिलन 890
- टनल एचडी कैथेटर प्लेसमेंट 200
- एवी फिस्टुला 110
- किडनी बायोप्सी 161
- किडनी ट्रांसप्लांट 05

शैक्षणिक

- स्नातक शिक्षण: यूजी पाठ्यक्रम के अनुसार नेफ्रोलॉजी और डायलिसिस में एम.बी.बी.एस. का शिक्षण
- स्नातकोत्तर अध्यापन: चिकित्सा, बाल रोग और पैथोलॉजी के स्नातकोत्तर छात्रों के लिए नेफ्रोलॉजी में रोटेशनल प्रशिक्षण।
- पोस्ट डॉक्टरल अध्यापन: डीएम (नेफ्रोलॉजी) प्रशिक्षण पाठ्यक्रम 2024 से स्वीकृत।
- पैरामेडिकल विज्ञान के लिए पाठ्यक्रम: बी.एससी. डायलिसिस थेरेपी टेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम, जिसमें प्रति वर्ष पाँच छात्रों को प्रवेश दिया जाएगा, नवंबर 2022 में शुरू किया गया। इस वर्ष के दौरान तीसरे बैच में प्रवेश दिया गया।

अनुसंधान

अनुसंधान के क्षेत्र: उष्णकटिबंधीय एकेआई, सीकेडी, ग्लोमेरुलोनेफ्राइटिस और वास्कुलिटिस, गुर्दे की पथरी रोग, एडीपीकेडी, उच्च रक्तचाप, मधुमेह गुर्दा रोग, इलेक्ट्रोलाइट और अम्ल-क्षार विकार, क्रिटिकल केयर नेफ्रोलॉजी, पेरिटोनियल डायलिसिस, हीमोडायलिसिस, गुर्दा प्रत्यारोपण और उच्च-ऊंचाई वाली चिकित्सा।

प्रख्यात आगंतुक

क. प्रो. (डॉ.) दीपांकर भौमिक, विभागाध्यक्ष, नेफ्रोलॉजी, एम्स, नई दिल्ली और प्रो. (डॉ.) सीनू वुथालुरु, सर्जरी के प्रोफेसर एवं किडनी प्रत्यारोपण सेवाओं के प्रमुख, एम्स, नई दिल्ली

ख. डॉ. श्रीनिवास वी. कावेरी, अनुसंधान निदेशक, इंसर्म, पेरिस, फ्रांस।

ग.

प्रकाशन

शोध-पत्र

1) **विक्रांत एस**, जारयाल ए. हिमाचल प्रदेश में नेफ्रोलॉजी। भारतीय जे नेफ्रोल. डीओआई: 10.25259/आईजेएन_131_2024
2) वानजा इवकोविक, इंगेबोर्ग बाजेमा, एनेट ब्रुचफेल्ड, स्टीफन मैकएडू, आशीष कुमार, रिचर्ड क्लॉस, नेले कंजेलमेयर, मैक्सिम टौज़ोट, जॉर्जीना मालौफ, अजय जारयाल, **संजय विक्रांत**, डाइटर हाफनर, बार्बेल लैंग-स्पेरांडियो, डेविड सादौन, मार्टेन सेगेलमार्क, एंड्रियास क्रोनबिचलर। एंटीग्लोमेरुलर बेसमेंट मेम्ब्रेन रोग में रिटक्सिमैब की प्रभावकारिता और सुरक्षा। किडनी अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि 2024 दिसंबर 31;10(3):743-752।
3) यादव के, रामचंद्रन आर, कुमार वी, प्रभार ए, यादव एके, गोपालकृष्णन एन, शर्मा एस, पीएसपी, लाहिड़ी ए, सहाय एम, राजू एसबी, श्रीलता एम, मनोरंजन आर, मुखोपाध्याय पी, प्रसाद एन, वीरंकी वी, मीना पी, कोहली एचएस, **विक्रांत एस**, झा वी। डिकोडिंग ग्लोमेरुलर रोग: आई-टैंजिबल रजिस्ट्री से बेसलाइन प्रोफाइल और अंतर्दृष्टि। किडनी अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि 2025 फ़रवरी 26;10(5):1566-1570।
4) जरयाल ए, सिधू एनएस, **विक्रांत एस.** रोगसूचक ब्रैडीकार्डिया पोस्ट रिटक्सिमैब इन्फ्यूजन। भारतीय जे नेफ्रोल. 2024 मार्च-अप्रैल;34(2):207.
5) जरयाल ए, **विक्रांत एस**, बंसल वी, आकांक्षा, शर्मा एस, अनेजा आर. टनल्ड कफ्ड कैथेटर का सहज इंट्रावास्कुलर सेफेलैड माइग्रेशन - एक असामान्य देर से होने वाली जटिलता और री-इमेजिंग की भूमिका। इंडियन जे नेफ्रोल। 2025 जनवरी-फरवरी;35(1):110-111।
6) जरयाल, ए, **विक्रांत एस**, कुमार बी, शर्मा के, चंदर के, चंदेल एस. वर्मा। विटामिन बी-12 की कमी का एक असामान्य प्रस्तुतीकरण: तीव्र दस्त और तीव्र किडनी की चोट की आवश्यकता वाले डायलिसिस। ट्रॉपिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी 2024; 45 (1):1-4
7) जरयाल ए, **विक्रांत एस**, शर्मा ए. हाइपोथायरायडिज्म से संबंधित किडनी रोग - दो मामलों की एक रिपोर्ट। इंडियन जे नेफ्रोल। 2025 जुलाई-अगस्त;35(4):574-575.

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ

प्रो. (डॉ.) संजय विक्रांत

1) अमेरिकन सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी और इंडियन सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी की फेलोशिप।
2) बाह्य विशेषज्ञ सदस्य: अटल मेडिकल एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी मंडी (हिमाचल प्रदेश) में स्नातकोत्तर बोर्ड ऑफ स्टडीज इन मेडिकल साइंसेज (सुपर स्पेशियलिटी)।
3) डीएम नेफ्रोलॉजी के लिए राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के निर्धारक।
4) संस्थापक डीन (शैक्षणिक) एम्स बिलासपुर 2021-24

सामुदायिक पहुँच

1) नेफ्रोलॉजी विभाग और सोसाइटी फॉर किडनी केयर ने स्वास्थ्य कर्मचारियों और रोगियों के बीच सीकेडी के विषय में जागरूकता बढ़ाने के लिए 13 मार्च, 2025 को विश्व किडनी 2025 मनाया।
2) भारतीय अंगदान दिवस 03 अगस्त 2024: नेफ्रोलॉजी विभाग, जनरल मेडिसिन और यूरोलॉजी विभागों के साथ मिलकर छात्रों, कर्मचारियों, रोगियों और आम जनता के बीच किडनी रोगों, अंगदान के विषय में जागरूकता बढ़ाएगा।

न्यूरोलॉजी विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पदनाम	कार्यभार ग्रहण की तिथि
1.	डॉ. आशीष शर्मा	अतिरिक्त आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	14.06.2023
		सह-आचार्य	23.11.2020
2.	डॉ. नीतिका शर्मा	सहायक आचार्य	19.08.2024

विभाग के विषय में

परिचय

एम्स बिलासपुर का न्यूरोलॉजी विभाग, वर्ष 2020 में स्थापित किया गया था। यह विभाग नैदानिक देखभाल, शिक्षण एवं अनुसंधान को एकीकृत करते हुए व्यापक न्यूरोलॉजिकल सेवाएँ प्रदान करता है। एक पूर्णकालिक संकाय सदस्य के साथ विभाग स्ट्रोक, मूवमेंट डिसऑर्डर्स, मिर्गी, डिमायलिनेटिंग रोगों, न्यूरो-पुनर्वास (योग एवं आयुर्वेद सहित) तथा ट्रांसलेशनल न्यूरो-टेक्नोलॉजीज़ पर केंद्रित है।

दृष्टि

न्यूरोलॉजिकल देखभाल, शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्टता का केंद्र बनना, तथा नवाचार और सहानुभूतिपूर्ण रोगी देखभाल को समुदाय एवं उससे परे तक पहुँचाना।

लक्ष्य

अत्याधुनिक न्यूरोलॉजी सेवाएँ प्रदान करना, शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देना, तथा स्वास्थ्य देखभाल नवाचार के एम्स बिलासपुर के लक्ष्य के अनुरूप प्रभावशाली अनुसंधान करना।

वित्तीय वर्ष 2024–25 की प्रमुख उपलब्धियाँ: डीएम न्यूरोलॉजी कार्यक्रम की सफल शुरुआत (जुलाई 2024 को मंजूरी, जुलाई 2025 से शुरू), राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क के तहत स्ट्रोक परीक्षणों का विस्तार, और स्वदेशी कम लागत वाले पुनर्वास उपकरणों को अपनाना।

रोगी देखभाल सेवाएँ

- **नई सेवाएँ**
  - उन्नत पार्किंसन रोग के लिए अपोमॉर्फिन इन्फ्यूज़न (अपोसन कार्यक्रम) की शुरुआत।
  - न्यूरो-इंटरवेंशन सेवाएँ (डीएसए, कैरोटिड स्टेंटिंग) रेडियोलॉजी विभाग के सहयोग से प्रारंभ; मैकेनिकल थ्रॉम्बेक्टॉमी के लिए तैयारी पूर्ण।
  - माइग्रेन प्रबंधन हेतु रेन डिवाइस (नेरिविओ™) का उपयोग (तीव्र एवं निवारक दोनों उपचारों हेतु)।
  - कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित पॉलीसोमनोग्राफी (बेलुन रिंग) प्रणाली स्थापित की गई।
- **क्लिनिकल कार्यभार:** सप्ताह में तीन बार ओपीडी (लगभग 400+ मरीज/सप्ताह), 35 बिस्तरों वाली आईपीडी (20 वर्चुअल बिस्तरों सहित), और चौबीसों घंटे आपातकालीन/आईसीयू देखभाल।
- **प्रौद्योगिकी एकीकरण:** घरेलू उपयोग हेतु कम-लागत स्वदेशी टीडीसीएस उपकरण द्वारा स्ट्रोक पुनर्वास; बाहरी केंद्रों के सहयोग से मिरर थेरेपी और मैग्नीशियम हाइड्रोथेरेपी का उपयोग मस्कुलर डिस्ट्रॉफी रोगियों में किया जा रहा है।

शैक्षणिक

- **शिक्षण:** एम.बी.बी.एस. (100 विद्यार्थी प्रति बैच), एमडी/एमएस रोटेशन, बी.एससी. नर्सिंग (40 विद्यार्थी), पैरामेडिकल कार्यक्रम (20 विद्यार्थी)।
- **नई पहल:** ईपीए-आधारित डीएम न्यूरोलॉजी पाठ्यक्रम (2025 से प्रारंभ)।
- **प्रशिक्षण में नवाचार:** पुनर्वास शिक्षण में योग एवं आयुर्वेद मॉड्यूल का समावेश; ईईजी/ईएनएमजी में सिमुलेशन-आधारित प्रशिक्षण।
- **पीएच.डी. कार्यक्रम:** आईआईटी मंडी के साथ संयुक्त रूप से 2 पीएच.डी. परियोजनाएँ प्रगति परहैं — (पार्किंसन में संतुलन हेतु टीडीसीएस अध्ययन एवं ईईजी आधारित ड्यूल-टास्क विश्लेषण)।

अनुसंधान एवं नवाचार

मुख्य अनुसंधान विषय: स्ट्रोक (त्वरित प्रबंधन, रजिस्ट्रियाँ, टेली-स्ट्रोक), पार्किंसन रोग (आनुवंशिकता, पुनर्वास, टीडीसीएस), मल्टीपल स्क्लेरोसिस/डिमायलिनेशन, न्यूरोलॉजी में समन्वित चिकित्सा (एकीकृत चिकित्सा), एवं डिवाइस-आधारित माइग्रेन थेरेपी।

मुख्य परियोजनाएँ:

- स्मार्ट इंडिया: टेली-स्ट्रोक बनाम चिकित्सक-नेतृत्वित स्ट्रोक देखभाल पर अध्ययन — दिसंबर 2024 में पूर्ण।
- एफ.ई.एस.एस.एच, INSTRuCT, आंतरिक, स्टेनोसिस: प्रगतिशील बहुकेंद्रित आईसीएमआर/डीएचआर - वित्तपोषित ट्रायल्स।

- पार्किंसन रोग में आनुवंशिक अध्ययन (राष्ट्रीय एवं फॉक्स फाउंडेशन सहयोग)।
- योग एवं न्यूरो-पुनर्वास आधारित अध्ययन माइग्रेन, एफएनडी, एवं पार्किंसन में जारी।

नवाचार:

घरेलू उपयोग हेतु टीडीसीएस प्रोटोटाइप, डिजिटल चाल (gait) विश्लेषण प्रणाली पार्किंसन में, तथा रेन डिवाइस पर नैदानिक अध्ययन।

प्रकाशन:

वित्तीय वर्ष 2024–25 में 15 से अधिक पबमेड-सूचीबद्ध प्रकाशन, एवं विश्व स्ट्रोक कांग्रेस 2024 तथा इयानकॉन 2024 में प्रस्तुतियाँ।

भविष्य की योजनाएँ

क्लिनिकल:

- पूर्ण विकसित मैकेनिकल थ्रॉम्बेक्टॉमी कार्यक्रम की स्थापना।
- न्यूरो-क्रिटिकल केयर यूनिट का विस्तार।
- हेडेक एवं मूवमेंट डिसऑर्डर क्लिनिक की स्थापना।

शैक्षणिक:

- डीएम न्यूरोलॉजी रेजीडेंसी कार्यक्रम (प्रवेश जुलाई 2025 से)।
- स्नातकोत्तर एवं पीएचडी में परामर्श एवं अनुसंधान मार्गदर्शन को सुदृढ़ करना।

अनुसंधान:

- एक्ट-ग्लोबल अनुकूली स्ट्रोक ट्रायल में भागीदारी।
- आयुर्वेद + एलोपैथी पर आधारित आरसीटी स्ट्रोक पुनर्वास अध्ययन का आरंभ।
- न्यूरोमॉड्यूलेशन ट्रायल्स का विस्तार।
- ड्यूशेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी रजिस्ट्री का विकास — आईएएमडी के सहयोग से।

सीएमई/कार्यशाला/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

क्र. सं.	कार्यक्रम का शीर्षक	कार्यक्रम का प्रकार	विषय / केंद्रित क्षेत्र	दिनांक एवं स्थान	आयोजन टीम	सहयोगी संस्थान (यदि कोई हो)	सहभागिता
1.	इस्कीमिक स्ट्रोक का उपचार एवं इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी की भूमिका	सीएमई एवं कार्यशाला (विश्व मस्तिष्क दिवस के अवसर पर)	तीव्र इस्कीमिक स्ट्रोक प्रबंधन में प्रगति; स्ट्रोक पहचान, इमेजिंग प्रोटोकॉल, स्ट्रोक पाथवे एवं इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी (मैकेनिकल थ्रॉम्बेक्टॉमी)	22 जुलाई 2024, एम्स बिलास पुर	आयोजन अध्यक्ष: डॉ. आशीष शर्मा आयोजन सचिव: डॉ. तरुण शर्मा (सहायक प्रोफेसर, मेडिसिन)	—	लगभग 70–100 प्रतिभागी (संकाय सदस्य, रेजिडेंट्स एवं नर्सिंग स्टाफ); क्षेत्रीय/राष्ट्रीय स्तर की सहभागिता
2.	मल्टिपल स्क्लेरोसिस का बदलता परिदृश्य – एमएस में ओक्रेलिज़ुमैब की भूमिका	संगोष्ठी	मल्टिपल स्क्लेरोसिस के निदान एवं उपचार में नवीन प्रगति; ओक्रेलिज़ुमै	07 अक्तूबर 2024, समय: 2:00–3:00 अपराह्न	अध्यक्षगण: डॉ. अजय जारयाल (सहायक प्रोफेसर, मेडिसिन), डॉ. तरुण शर्मा (सहायक	रोश प्रोडक्ट्स (इंडिया) प्रा. लि. (वैज्ञानिक सहयोग	लगभग 40–50 प्रतिभागी (संकाय, स्नातकोत्तर विद्यार्थी एवं चिकित्सक); क्षेत्रीय/राष्ट्रीय

			ब थेरेपी पर विशेष फोकस	स्थान: एलटी5, हॉस्पिटल कॉम्प्लेक्स, सी-ब्लॉक, 5वीं मंज़िल, एम्स बिलासपुर	आचार्य, मेडिसिन) आयोजन संकाय: डॉ. आशीष शर्मा (अतिरिक्त आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, न्यूरोलॉजी)	एवं प्रायोजन)	स्तर की सहभागिता
3.	नर्व कंडक्शन स्टडी एवं ऑटोनॉमिक फंक्शन टेस्ट	सीएमई सह कार्यशाला	एनसीएस एवं ए.एफ.टी. की न्यूरोफिज़ियोलॉजी, तकनीकें, नैदानिक अनुप्रयोग एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण	29 जनवरी 2025, फिज़ियोलॉजी एवं न्यूरोलॉजी विभाग, एम्स बिलासपुर	आयोजन अध्यक्ष: डॉ. पूनम वर्मा (फिज़ियोलॉजी) आयोजन सचिव: डॉ. आशीष शर्मा (न्यूरोलॉजी)	ए.पी.पी.आई– बिलासपुर (हि. प्र.) शाखा के तत्वावधान में	लगभग 30 प्रत्यक्ष प्रतिभागी एवं 100+ वर्चुअल प्रतिभागी (रेजिडेंट्स, स्नातकोत्तर एवं संकाय सदस्य); राष्ट्रीय स्तर की सहभागिता

सीएमई / राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान / प्रस्तुत शोध-पत्र एवं पोस्टर

क्र. सं.	संकाय सदस्य का नाम	व्याख्यान / शोध-पत्र / पोस्टर का शीर्षक	योगदान का प्रकार	आयोजन का विवरण (नाम / आयोजक / स्थान)	दिनांक
1.	डॉ. आशीष शर्मा	प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर मीटिंग – एफ.ई.एस.एस.एच ट्रायल	आमंत्रित संकाय / पी.आई. प्रस्तुति	एफ.ई.एस.एस.एच ट्रायल पीआई मीटिंग, राष्ट्रीय स्तर	30 मई 2024
2.	डॉ. आशीष शर्मा	स्ट्रोक पुनर्वास में नवीन प्रगति (सत्र संकाय)	अतिथि संकाय	क्रॉसओवर 2024, गुलमर्ग	21–23 जून 2024
3.	डॉ. आशीष शर्मा	भारतीय परिप्रेक्ष्य में एम.एस. (मल्टीपल स्क्लेरोसिस) सहायता देखभाल	अतिथि संकाय	एम.एस. सपोर्ट मीट, एआईएमएसएस, शिमला	25 जून 2024
4.	डॉ. आशीष शर्मा	नेरिवियो उपकरण पर सर्वसम्मति विकास	अतिथि संकाय	नेरिवियो डेल्फी कंसेंसस मीटिंग, दिल्ली	16 जून 2024
5.	डॉ. आशीष शर्मा	सत्र संकाय – स्ट्रोक ट्रायल्स अपडेट	अतिथि संकाय	द्वितीय इन्स्ट्रक्ट अन्वेषक बैठक एवं कार्यशाला, जेआईपीएमईआर	5–7 जुलाई 2024

6.	डॉ. आशीष शर्मा	चाल विकारों पर व्याख्यान	अतिथि संकाय	फाइन वीकेंड न्यूरोलॉजी कॉन्क्लेव, पुणे	26–28 जुलाई 2024
7.	डॉ. आशीष शर्मा	सिस्टेमेटिक रिव्यू एवं मेटा-विश्लेषण पर कार्यशाला	संकाय / प्रतिभागी	राष्ट्रीय कार्यशाला – सिस्टेमेटिक रिव्यू एवं मेटा-विश्लेषण	28–30 अक्तूबर 2024
8.	डॉ. आशीष शर्मा	सेरिबेलर एवं चाल तंत्रिका विज्ञान में प्रगति	अतिथि संकाय	फाइन सीएमई – सेरिबेलम एवं गेट, पुणे	17–19 जनवरी 2025
9.	डॉ. आशीष शर्मा	स्ट्रोक नेटवर्क अपडेट्स	अतिथि संकाय	इन्स्ट्रक्ट-द्वितीय प्रत्यक्ष बैठक, राष्ट्रीय स्तर	3–4 मार्च 2025
10.	डॉ. आशीष शर्मा	प्रोलेविस स्ट्रोक ट्रायल अपडेट	मौखिक प्रस्तुति (प्लैटफॉर्म पेपर)	आईएफएनआरकॉन 2024, लुधियाना	16–18 अगस्त 2024
11.	डॉ. आशीष शर्मा	इन्स्ट्रक्ट ट्रायल अपडेट	मौखिक प्रस्तुति (प्लैटफॉर्म पेपर)	इयानकॉन 2024, हैदराबाद	3–6 अक्तूबर 2024
12.	डॉ. आशीष शर्मा	स्मार्ट इंडिया ट्रायल परिणाम	मौखिक प्रस्तुति (प्लैटफॉर्म पेपर)	वर्ल्ड स्ट्रोक कांग्रेस 2024, अबू धाबी, यूएई	23–26 अक्तूबर 2024
13.	डॉ. आशीष शर्मा	माइग्रेन में योग मॉड्यूल	पोस्टर प्रस्तुति	इयानकॉन 2024, हैदराबाद	3–6 अक्तूबर 2024
14.	डॉ. आशीष शर्मा	पार्किंसन रोग में स्वायत्त तंत्र क्रियाओं का परीक्षण	पोस्टर प्रस्तुति	आईएफएनआरकॉन 2024, लुधियाना	16–18 अगस्त 2024
15.	डॉ. आशीष शर्मा	स्ट्रोक पुनर्वास में कम लागत वाला टीडीसीएस उपकरण	पोस्टर प्रस्तुति	वर्ल्ड स्ट्रोक कांग्रेस 2024, अबू धाबी, यूएई	23–26 अक्तूबर 2024
16.	डॉ. नीतिका शर्मा	न्यूरो-इम्यूनोलॉजी में केस श्रृंखला	पोस्टर प्रस्तुति	इयानकॉन 2024, हैदराबाद	3–6 अक्तूबर 2024

प्रकाशन

शोध-पत्र

1) द इंडियन मल्टीपल स्क्लेरोसिस एंड अलाइड डिमायलिनेटिंग डिसऑर्डर्स रजिस्ट्री एंड रिसर्च नेटवर्क (आईएमएसआरएन) सहयोगियों द्वारा – द इंडियन मल्टीपल स्क्लेरोसिस एंड अलाइड डिमायलिनेटिंग डिसऑर्डर्स रजिस्ट्री एंड रिसर्च नेटवर्क (आईएमएसआरएन): इंसेप्शन टू रिएलिटी, मल्टीपल स्क्लेरोसिस रिलेटेड डिसऑर्डर्स, 2024; 87:105627।
2) **शर्मा एन., शर्मा ए.** – एक्यूट फ्लेसिड मायलाइटिस – एक वर्णनात्मक समीक्षा, एक्टा साई न्यूरोलॉजी, 2024; 7(11):60–68।
3) **शर्मा एन., शर्मा ए.** – कैफीन एवं स्नायविक विकार, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करेंट एडवांस्ड रिसर्च, 2024; 13(2):2887–91।

4) **शर्मा एन., शर्मा ए.** – केस रिपोर्ट – डिमेंशिया का एक कम रिपोर्ट किया गया आनुवंशिक कारण: फैमिलियल क्रयूट्सफेल्ड-जेकब रोग, एक्टा साई न्यूरोलॉजी, 2024; 7(4):4–6।

पुरस्कार, सम्मान एवं प्रमुख उपलब्धियाँ

डॉ. आशीष शर्मा

- न्यूरोलॉजी के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान हेतु 8वीं वीनस इंटरनेशनल हेल्थकेयर अवार्ड्स *(विहा 2025)* में **"अवार्ड फॉर एक्सीलेंस इन न्यूरोलॉजी"** से सम्मानित।
- वर्ष 2024 में **एपिडेमियोलॉजी फाउंडेशन ऑफ इंडिया (ईएफआई)** की मानद सदस्यता प्राप्त।
- वर्ष 2024 में **नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज़ (एनएएमएस)** के मानद सहयोगी सदस्य के रूप में नामित।
- अनेक राष्ट्रीय स्तर के सीएमई एवं इन्वेस्टिगेटर मीटिंग्स (जैसे *एफ.ई.एस.एस.एच ट्रायल पीआई मीटिंग, क्रॉसओवर गुलमर्ग,* इन्स्ट्रक्ट -II आदि) में आमंत्रित संकाय के रूप में सहभागिता।
- स्ट्रोक इनोवेशन एवं उत्कृष्टता के क्षेत्र में विभागीय योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त हुई — विशेष रूप से आईसीएमआर क्लिनिकल ट्रायल नेटवर्क्स में विभाग की सक्रिय भागीदारी एवं नेतृत्व।
- न्यूरो-इंटरवेंशन, पार्किन्सन रोग हेतु एपोमोर्फीन इन्फ्यूजन, कम लागत वाले टीडीसीएस स्ट्रोक पुनर्वास, तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित पॉलीसोमनोग्राफी जैसी उन्नत नैदानिक सेवाओं के विकास एवं विस्तार के लिए संस्थागत स्तर पर प्रशंसा प्राप्त।

सामुदायिक सेवा

डॉ. आशीष शर्मा

- हिमाचल प्रदेश के दूरस्थ एवं वंचित क्षेत्रों में आउटरीच ओपीडी तथा स्वास्थ्य एवं कल्याण शिविरों का संचालन।
- लाइफलाइन एक्सप्रेस (भारत की पहली अस्पताल ट्रेन) के एपिलेप्सी क्लिनिक में सक्रिय भागीदारी कर देश के विभिन्न दुर्गम क्षेत्रों में न्यूरोलॉजिकल परामर्श प्रदान किया।
- मिर्गी, माइग्रेन एवं स्ट्रोक पर जन-जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन – जिसमें रोगी शिक्षण सत्रों एवं ऑडियो-विजुअल सामग्री का वितरण सम्मिलित था।
- राष्ट्रीय स्वास्थ्य दिवसों एवं विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों के अवसर पर स्ट्रोक रोकथाम एवं न्यूरोलॉजिकल विकारों पर जनसम्पर्क व्याख्यान एवं संवाद सत्र आयोजित किए।
- ग्रामीण एवं कठिन पहुँच वाले क्षेत्रों में टेलीमेडिसिन सेवाओं के माध्यम से स्ट्रोक एवं मिर्गी रोगियों को विशेषज्ञ परामर्श उपलब्ध कराया।

डॉ. नीतिका शर्मा

- विभागीय स्वास्थ्य-जागरूकता गतिविधियों में सक्रिय योगदान दिया तथा ओपीडी में रोगी शिक्षण एवं सूचना-संचार सामग्री (आईईसी) के माध्यम से जन-जागरूकता को प्रोत्साहित किया।
- विद्यालयों एवं समुदायों में स्ट्रोक एवं मिर्गी विषयों पर जागरूकता सत्रों का आयोजन किया, जिनमें विशेष रूप से युवाओं एवं देखभाल करने वालों को लक्षित किया गया।

विभागीय सामुदायिक योगदान

- फिज़ियोलॉजी विभाग के सहयोग से संयुक्त स्वास्थ्य-जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जैसे एनसीएस एवं ऑटोनॉमिक फंक्शन टेस्ट्स पर सीएमई-कम-कार्यशाला, जिसने स्थानीय चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया।
- मिर्गी, माइग्रेन, स्ट्रोक एवं पार्किन्सन रोग संबंधी जन-जागरूकता के लिए शैक्षणिक पुस्तिकाएँ एवं दृश्य-श्रव्य सामग्री तैयार की गई एवं वितरित की गई।
- इंटीग्रेटेड मस्कुलर डिस्ट्रॉफी रिहैबिलिटेशन सेंटर, सोलन के साथ सहयोग में समुदाय-आधारित पुनर्वास पहलों में भागीदारी की गई, जिसमें रोगियों एवं उनके परिजनों के लिए प्रशिक्षण एवं परामर्श सत्र सम्मिलित थे।

न्यूरोसर्जरी विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पदनाम	कार्यभार ग्रहण की तिथि
1.	डॉ. अर्जुन धर	सह-आचार्य	20.03.2025
		सहायक आचार्य	07.09.2022
2.	डॉ. भानु प्रताप सिंह	सहायक आचार्य	10.01.2024

विभाग के विषय में

परिचय

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश) का न्यूरोसर्जरी विभाग विश्वस्तरीय न्यूरोसर्जिकल रोगी देखभाल सेवाएँ प्रदान करने में एक अग्रणी केंद्र के रूप में कार्यरत है। यह विभाग प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना – चरण-V (पीएमएसएसवाई-वी) के दृष्टिकोण के अनुरूप, हिमाचल प्रदेश के दुर्गम क्षेत्रों सहित आस-पास के राज्यों में रहने वाले अंतिम छोर के लाभार्थियों तक उच्च गुणवत्ता वाली न्यूरोसर्जिकल सेवाएँ पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

दृष्टि एवं मिशन

विभाग का उद्देश्य समग्र एवं सुलभ रोगी देखभाल, सहकारी अनुसंधान, स्वायत्त न्यूरोसर्जिकल कार्यप्रवाह अपनाना तथा तकनीक-आधारित रोगी संपर्क सेवाओं के माध्यम से परिणामों की निरंतर निगरानी सुनिश्चित करना है।

रोगी सेवा

विभाग द्वारा आउट पेशेंट (ओपीडी) सेवाएँ सितंबर 2022 में प्रारंभ की गईं, जबकि शल्य चिकित्सा सेवाएँ वर्ष 2023 में एकमात्र संकाय सदस्य के साथ सीमित संसाधनों में आरंभ हुईं। प्रारंभ में उपकरण उधार लेकर, अन्य विभागों के साथ साझा ऑपरेशन थिएटर का उपयोग करते हुए, अत्यंत सीमित ओटी स्लॉट्स में भी विभाग ने रोगियों की सेवा को प्राथमिकता दी।

अपनी स्थापना के पश्चात् विभाग ने न्यूरोसर्जरी के सभी प्रमुख क्षेत्रों में उत्कृष्ट सेवाएँ प्रदान करने हेतु निरंतर प्रगति की है। वर्तमान में विभाग में ब्रेन ट्यूमर, स्पाइनल कॉर्ड ट्यूमर, ब्रेन एनीयूरिज़्म एवं एवीएम, सिर एवं रीढ़ की हड्डी की चोटें, अपक्षयी एवं जन्मजात रीढ़ विकारों का सफल उपचार किया जा रहा है।

जनवरी 2025 में विभाग में न्यूरोसर्जिकल ऑपरेटिंग माइक्रोस्कोप एवं न्यूरोसर्जिकल ड्रिल स्थापित एवं चालू किए गए, जो डीपीआर खरीद प्रक्रिया का भाग हैं। मई 2025 में विभाग को एक समर्पित न्यूरोसर्जरी ऑपरेशन थिएटर आवंटित किया गया, किंतु आपातकालीन, ओपीडी एवं आंतरिक रेफरल के बढ़ते मामलों को देखते हुए यह अपर्याप्त सिद्ध हो रहा है।

न्यूरोसर्जरी मामलों की बढ़ती संख्या को देखते हुए, विभाग द्वारा एक अतिरिक्त समर्पित ऑपरेशन थिएटर, अधिक ओटी स्लॉट्स, अधिक न्यूरोसर्जरी बेड्स तथा न्यूरोसर्जिकल आईसीयू की स्थापना हेतु अनुरोध किया गया है। विभाग इसके शीघ्र स्वीकृत होने की प्रतीक्षा कर रहा है।

विभाग 24×7 आपातकालीन न्यूरोसर्जरी सेवाएँ प्रदान कर रहा है, जिसमें वरिष्ठ एवं कनिष्ठ रेजिडेंट्स सक्रिय रूप से सम्मिलित हैं।

दूसरे ऑपरेशन थिएटर को संचालित करने हेतु आवश्यक अतिरिक्त उपकरणों की खरीद प्रक्रिया भी प्रगति पर है, जिससे बढ़ती शल्य चिकित्सा मांग और सीमित ओटी क्षमता के बीच संतुलन स्थापित किया जा सके।

शैक्षणिक गतिविधियाँ

विभाग भविष्य में आवश्यक अधोसंरचना उपलब्ध होने पर पोस्ट-डॉक्टोरल सुपर-स्पेशलिटी रेजीडेंसी एवं फेलोशिप कार्यक्रम प्रारंभ करने की दिशा में अग्रसर है। एम.सी.एच. न्यूरोसर्जरी पाठ्यक्रम की स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है और विभाग शीघ्र ही अपने रेजीडेंसी कार्यक्रम के शुभारंभ की प्रतीक्षा कर रहा है।

अनुसंधान एवं नवाचार

विभाग, संस्थान के अन्य विभागों एवं आईआईटी रुड़की के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजनाओं में संलग्न है, जिससे न्यूरोसर्जरी के क्षेत्र में तकनीकी एवं शैक्षणिक नवाचार को बढ़ावा मिल रहा है।

भावी योजनाएँ

विभाग का भविष्य अत्याधुनिक तकनीक के समुचित एकीकरण, उच्च स्तरीय नैदानिक दक्षता, नवाचार को प्रोत्साहन, रोगी सुरक्षा एवं संतुष्टि सुनिश्चित करने की क्षमता पर निर्भर करता है।

इसके लिए विभाग का उद्देश्य रणनीतिक योजना, पर्याप्त अधोसंरचना निवेश, विशेषज्ञ नेतृत्व एवं निरंतर सुधार के प्रति प्रतिबद्धता को अपनी कार्य-योजना का आधार बनाना है।

सीएमई/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान/पत्र या पोस्टर प्रस्तुत किए गए

क्र. सं.	संकाय सदस्य का नाम	व्याख्यान / शोध-पत्र / पोस्टर का शीर्षक	योगदान का प्रकार	कार्यक्रम का विवरण (नाम / आयोजक / स्थान)	तिथि
1.	डॉ. अर्जुन धर	माय एक्सपीरियंस विद स्पाइनल डिजेनरेशन	शोध-पत्र प्रस्तुति	भारत-जापानी समाज मैत्री बैठक, मुंबई अगस्त 2024	2–8 अगस्त 2024
2.	डॉ. अर्जुन धर	संकाय प्रदर्शक	कार्यशाला	12वीं वार्षिक एम्स स्पाइन ऑपरेटिव कार्यशाला और सम्मेलन	28–31 अगस्त 2024

प्रकाशन

शोध-पत्र

1) शाह ए., **धर ए**., प्रसाद ए., गोयल ए. 3-डी प्रिंटेड खोपड़ी मॉडल: सीएसएफ राइनोरिया के मामलों में अस्थि दोष के स्थान की पहचान में भूमिका / न्यूरोलॉजी इंडिया, खंड 72(2): पृष्ठ 391–394, अप्रैल 2024।

पुरस्कार, सम्मान एवं उल्लेखनीय उपलब्धियाँ

डा. अर्जुन धर

1) जापान सोसाइटी फॉर स्कल बेस सर्जरी की अंतरराष्ट्रीय सदस्यता से सम्मानित।
2) बेसिक कोर्स इन बायोमेडिकल रिसर्च *का* समापन प्रमाणपत्र प्राप्त किया।

डा. भानु प्रताप सिंह

1) तेशिनकाई साप्पोरो हॉस्पिटल, जापान में एक सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु चयनित एवं सम्मानित।

नाभिकीय चिकित्सा विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पदनाम	कार्यभार ग्रहण की तिथि
1.	डॉ. अंशुल शर्मा	सहायक आचार्य	05.09.2023

विभाग के विषय में

परिचय

नाभिकीय चिकित्सा विभाग एक अत्यंत विशिष्ट विभाग है, जो अनसील्ड विकिरण स्रोतों के उपयोग से संबंधित है। ये रेडियोधर्मी पदार्थ अथवा रेडियोफार्मास्यूटिकल्स निदान एवं उपचार दोनों उद्देश्यों के लिए उपयोग किए जाते हैं। कड़े नियामक प्रावधानों के कारण देश में बहुत कम पूर्ण रूप से सुसज्जित नाभिकीय चिकित्सा केंद्र उपलब्ध हैं। यह विभाग विविध प्रकार के रोगियों को सेवाएँ प्रदान करता है, जिनमें मुख्य रूप से बच्चे, हृदय, गुर्दा एवं कैंसर रोगी प्रमुख लाभार्थी हैं।

सामान्यतः किए जाने वाले संरचनात्मक अथवा आकारगत इमेजिंग (जैसे सीटी या एक्स-रे) की तुलना में, पीईटी/एसपीईसीटी इमेजिंग जैविक प्रक्रियाओं का अवलोकन करने में सक्षम है। इसमें शरीर की चयापचय क्रियाएँ (ग्लूकोज़, अमीनो अम्ल, झिल्ली आदि), कोशिकाओं पर उपस्थित रिसेप्टर्स या रक्त प्रवाह का अध्ययन किया जा सकता है। इसके लिए सूक्ष्म अथवा ट्रेसर मात्रा में रेडियोफार्मास्यूटिकल्स रोगी को दिए जाते हैं और उनके जैव-वितरण की इमेजिंग की जाती है। उदाहरण के लिए, रेडियोधर्मी ग्लूकोज़ का पीईटी/सीटी के साथ नियमित उपयोग किया जाता है ताकि शरीर में ग्लूकोज़ चयापचय का चित्रण किया जा सके तथा उच्च चयापचयी सक्रियता वाले क्षेत्रों, जैसे कैंसर, को सटीकता से पहचाना जा सके।

उपचारात्मक प्रभाव हेतु रेडियोफार्मास्यूटिकल्स की उच्च मात्रा दी जाती है। निम्न खुराक रेडियोन्यूक्लाइड थेरेपी का उपयोग थायरॉयड कैंसर, न्यूरोब्लास्टोमा, न्यूरो-एंडोक्राइन ट्यूमर, प्रोस्टेट कैंसर, जोड़ों की सूजन तथा अस्थि दर्द निवारण जैसे रोगों में किया जा रहा है।

दृष्टि एवं लक्ष्य

रेडियोफार्मास्यूटिकल्स के उपयोग एवं प्रबंधन में उन्नत नैदानिक सेवाओं तथा प्रशिक्षण के लिए एक संसाधन केंद्र के रूप में विकसित होना।

रोगी सेवा गतिविधियाँ

1. पीईटी/सीटी
2. एसपीईसीटी/सीटी अथवा गामा कैमरा—वृक्क ,यकृत , अस्थि, लसिका, हृदय, जठरांत्र, न्यूरो, आयोडीन-131 थायरॉयड स्कैन आदि।
3. रेडियोधर्मी आयोडीन ग्रहण परीक्षण।
4. आयोडीन-131 उपचार।
5. लुटेशियम-177 पीएसएमए उपचार।
6. लुटेशियम-177 पीआरआरटी उपचार।
7. पीईटी/सीटी मार्गदर्शित बायोप्सी।

शैक्षणिक गतिविधियाँ

1. प्रस्तावित: एम.एससी. (न्यूक्लियर मेडिसिन टेक्नोलॉजी) तथा एम.डी. (न्यूक्लियर मेडिसिन) पाठ्यक्रम प्रारंभ किए जाने की योजना है।

भविष्य की योजनाएँ

उच्च खुराक रेडियोआयोडीन उपचार के लिए एच.डी.टी. वार्ड की स्थापना की योजना है।

सीएमई/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान/पत्र या पोस्टर प्रस्तुत किए गए

क्र. सं.	संकाय सदस्य का नाम	व्याख्यान / शोधपत्र / पोस्टर का शीर्षक	योगदान का प्रकार	कार्यक्रम का विवरण (नाम / आयोजक / स्थान)	तिथि
1.	डॉ. अंशुल शर्मा	एन.एम. से जुड़ी चुनौतियों पर पैनल चर्चा	संकाय सदस्य / पैनलिस्ट	ए.एन.एम.पी.आई.कॉन 2024, चंडीगढ़	27 सितम्बर 2024

प्रकाशन

शोध-पत्र

1) **शर्मा ए.,** गर्ग ए., सिंह एम., शर्मा एम.सी., गुप्ता एस., कुनहिपराम्बथ एच., त्रिपाठी एम., केले एस.एस., बाल सी. "पुनरावर्ती ग्लियोमा में मेटाबॉलिक इमेजिंग: 18F-FDOPA, 18F-फ्लुओरोकोलीन और 18F-FDG PET/CT का

तुलनात्मक प्रदर्शन" न्यूक्लियर मेडिसिन कम्युनिकेशन्स, 1 फ़रवरी 2024; खंड 45(2):139–147. DOI: 10.1097/MNM.0000000000001795.

2) अजाज एन., कुमार एन., कुमार आर., पाटिल वी., **शर्मा ए.** "उपचार-प्रतिरोधी अवसाद रोगियों में इंटरमिटेंट थीटा बर्स्ट स्टिम्युलेशन प्रतिक्रिया के पूर्वानुमान के रूप में कॉर्टिकल हाइपोमेटाबॉलिज्म: एक ओपन-लेबल अध्ययन" इंडियन जर्नल ऑफ साइकियाट्री, दिसम्बर 2024; खंड 66(12):1154–1158. DOI: 10.4103/indianjpsychiatry.indianjpsychiatry_161_24.

प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पदनाम	कार्यभार ग्रहण की तिथि
1.	प्रो. (डॉ.) पूजन डोगरा मरवाहा	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	20.03.2025
		अतिरिक्त आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	20.06.2022
2.	डॉ. हरप्रीत कौर	अतिरिक्त आचार्य	01.07.2024
		सह आचार्य	20.11.2020
3.	डॉ. चंद्रदीप शर्मा	सह आचार्य	14.06.2022
4.	डॉ. सुश्रुति कौशल	सह आचार्य	01.07.2024
		सहायक आचार्य	28.11.2020
5.	डॉ. अस्मिता	सह आचार्य	01.07.2024
		सहायक आचार्य	11.12.2020
6.	डॉ. निशा मलिक	सहायक आचार्य	05.02.2021 (25.04.2024 तक)

विभाग के विषय में

परिचय

एम्स बिलासपुर का प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग महिलाओं के संपूर्ण स्वास्थ्य की देखभाल के लिए समर्पित है, जिसमें निवारक, प्रोत्साहक, नैदानिक एवं उपचारात्मक सेवाएँ सम्मिलित हैं। उच्च गुणवत्ता वाली नैदानिक सेवाओं, शैक्षणिक उत्कृष्टता तथा नवाचार आधारित शोध कार्यों पर विशेष बल देते हुए यह विभाग क्षेत्र में मातृ एवं प्रजनन स्वास्थ्य के लिए एक उत्कृष्ट केंद्र के रूप में निरंतर प्रगति कर रहा है।

दृष्टि एवं लक्ष्य

उत्कृष्ट नैदानिक देखभाल, शिक्षा एवं अनुसंधान के माध्यम से महिलाओं के स्वास्थ्य को उन्नत करना, विशेषकर मातृ एवं भ्रूण स्वास्थ्य, स्त्री-रोग कैंसर विज्ञान तथा प्रजनन स्वास्थ्य पर केंद्रित रहते हुए। रोगी-केंद्रित एवं साक्ष्य-आधारित चिकित्सा सेवाएँ प्रदान करना। महिलाओं के स्वास्थ्य क्षेत्र में भावी चिकित्सक एवं विशेषज्ञ तैयार करना। उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान एवं नवाचार के माध्यम से राष्ट्रीय एवं वैश्विक ज्ञान में योगदान देना।

रोगी देखभाल सेवाएँ

वर्ष 2024–25 में विभाग ने भ्रूण चिकित्सा सेवाओं की शुरुआत कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त की है। इन सेवाओं के माध्यम से प्रसव-पूर्व निदान, भ्रूण असामान्यताओं का शीघ्र पता लगाना एवं उच्च जोखिम गर्भधारण की देखभाल को सुदृढ़ बनाया गया है। यह पहल क्षेत्र में समग्र मातृ-भ्रूण देखभाल की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

शैक्षणिक गतिविधियाँ

विभाग ने एक प्रमुख शैक्षणिक उपलब्धि के रूप में एम.सी.एच. (स्त्री रोग कैंसर विज्ञान) कार्यक्रम का पाठ्यक्रम स्वीकृत करवाया है, जिससे एम्स बिलासपुर देश के उन चुनिंदा संस्थानों में शामिल हो गया है जहाँ यह सुपर-स्पेशलिटी प्रशिक्षण उपलब्ध है। यह कार्यक्रम जटिल स्त्री रोग कैंसरों के प्रबंधन की क्षमता को सुदृढ़ करेगा एवं महिलाओं के स्वास्थ्य क्षेत्र में शैक्षणिक नेतृत्व को बढ़ावा देगा।

अनुसंधान एवं नवाचार

विभाग मातृ स्वास्थ्य, भ्रूण वृद्धि मूल्यांकन, प्रजनन अंतःस्रावी तंत्र एवं स्त्री रोग संबंधी कैंसर पर केंद्रित नैदानिक एवं अनुवादात्मक अनुसंधान में सक्रिय रूप से संलग्न है। चल रहे प्रोजेक्ट्स का उद्देश्य ऐसा साक्ष्य उत्पन्न करना है जिससे प्रत्यक्ष रूप से रोगी देखभाल में सुधार हो सके तथा राष्ट्रीय दिशानिर्देशों को दिशा मिल सके। विभाग राष्ट्रीय अनुसंधान संस्थानों के साथ सहयोग स्थापित करने के प्रयासों में भी संलग्न है ताकि नवाचार एवं शैक्षणिक उत्पादन को सुदृढ़ किया जा सके।

भविष्य की योजनाएँ

- भ्रूण चिकित्सा इकाई का विस्तार कर इसे समग्र भ्रूण देखभाल केंद्र के रूप में विकसित करना।
- प्रजनन चिकित्सा एवं बांझपन क्लिनिक की स्थापना।
- मातृ स्वास्थ्य एवं स्त्री रोग कैंसर विज्ञान में बहुकेन्द्रीय सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजनाओं की शुरुआत।
- स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए कौशल-आधारित सिमुलेशन प्रशिक्षण मॉड्यूल की शुरुआत।

- हिमाचल प्रदेश के दुर्गम एवं उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में महिलाओं के स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों के समाधान हेतु सामुदायिक जन-जागरूकता एवं पहुँच कार्यक्रमों को सशक्त बनाना।

सीएमई/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान/पत्र या पोस्टर प्रस्तुत किए गए

क्र. सं.	संकाय सदस्य का नाम	व्याख्यान / शोध-पत्र / पोस्टर का शीर्षक	योगदान का प्रकार	आयोजन का विवरण (नाम / आयोजक / स्थान)	तिथि
1.	डॉ. हरप्रीत कौर	आवर्ती गर्भपात की जाँच प्रक्रिया	अतिथि वक्ता	एओएफओजी, 28वीं एओएफओजी कांग्रेस, बुसान, दक्षिण कोरिया	16–20 मई 2024
2.	डॉ. हरप्रीत कौर	प्रसवोत्तर मनोवैज्ञानिक बीमारी की व्यापकता और जोखिम कारक: हिमाचल प्रदेश के पर्वतीय क्षेत्र में एक सामुदायिक आधारित क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन	मौखिक प्रस्तुति	फ्यूज़न, प्रजनन चिकित्सा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, ईएसएचआरई, आईएसएआर एवं आईएफएस का संयुक्त सम्मेलन, जयपुर, भारत	सितम्बर 2024

प्रकाशन

शोध-पत्र

1) **डोगरा पीएम**, भावना बी, **कौंडल ए**, मलिक एन, **कौशल एस.** गर्भावस्था में हाइपोफॉस्फेटेमिया: एक केस रिपोर्ट। नाइजर मेड जे. 2025 जनवरी 10;65(6):1156-1159. doi: 10.60787/nmj.v65i6.603. PMID: 39877493; PMCID: PMC11770657.
2) **मारवाहा पीडी,** मलिक एन, भावना बी, **कौंडल ए, कौशल एस.** तीव्र उदर रोग से ग्रस्त एक किशोरी में रक्तमापी के रूप में जननांग तपेदिक: एक केस रिपोर्ट। नाइजर मेड जे. 2024;65(4):540-545. प्रकाशित 2024 सितंबर 26. doi:10.60787/nmj-v65i3-477
3) ठाकुर एस, कंवर एमएस, शर्मा ए, **कौशल एस, मारवाह पीडी**, शर्मा एन, कुमार आर. इलेक्टिव सिजेरियन डिलीवरी में प्रीऑपरेटिव ओरल कार्बोहाइड्रेट युक्त द्रव बनाम सादा पानी: एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण। जे पेरियानेस्थ नर्स। 2025 अप्रैल;40(2):326-330. doi:10.1016/j.jopan.2024.05.007. ईपब 2024 अगस्त 7. PMID: 39115474.
4) **पूजन डोगरा मारवाह, अस्मिता कौंडल,** प्रतीक सिहाग, भावना, **सुश्रुति कौशल**, निशा मलिक। पायोपेरिटोनियम: उन्नत कार्सिनोमा गर्भाशय ग्रीवा की एक असामान्य प्रस्तुति। मलेशिया का मेडिकल जर्नल। 3. 41-45
5) **कौंडल ए**, रेनजेन पी, कुमारी आर, झा आरपी, **मारवाह पीडी, कौर एच, कौशल एस**, मलिक एन, गुप्ता जे. महिला यौन रोग-ज्ञान, दृष्टिकोण, प्रथाएं और देश भर में चिकित्सा बिरादरी द्वारा सामना की जाने वाली बाधाएं: एक वेब-आधारित क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन। जे फैमिली मेड प्राइम केयर। 2024 अप्रैल;13(4):1284-1290. doi: 10.4103/jfmpc.jfmpc_1013_23. ईपब 2024 अप्रैल 22. पीएमआईडी: 38827699; पीएमसीआईडी: पीएमसी11141967.

6) सिंह आर, भारती एस, **कौर एच,** यादव एसके. सर्जिकल रूप से अनुभवहीन बहुप्रसूता युवा महिला में अम्बिलिकल एंडोमेट्रियोसिस। जे मिडलाइफ हेल्थ। 2024 जनवरी-मार्च;15(1):36-38. doi: 10.4103/jmh.jmh_172_23. Epub 2024 अप्रैल 4. PMID: 38764928; PMCID: PMC11100629.
7) **कौर एच**, प्रणेश जीटी, राव वी, राव केए. ट्रिगर डे सीरम ल्यूटिनाइजिंग हार्मोन के स्तर का इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन परिणाम पर प्रभाव: एक अवलोकन अध्ययन. प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान. 2024 मार्च;67(2):235-242. doi: 10.5468/ogs.23215. Epub 2024 फ़रवरी 7. PMID: 38325384; PMCID: PMC10948215.
8) मंगला एम, नेरख जी, ऐनी आरपी, कलियप्पन ए, **कौर एच**, सिंगला डी. जन्मजात विसंगतियों वाले भ्रूण या नवजात शिशु में आनुवंशिक निदान के लिए एक व्यावहारिक, व्यवस्थित दृष्टिकोण। नियोरिव्यूज़। 2024 सितंबर 1;25(9):e537-e550. doi: 10.1542/neo.25-9-e537. PMID: 39217133.
9) मंगला एम, गर्ग पी, योगा पुरीनी पी, पॉल एस, **कौर एच,** राठौड़ एसआर, एट अल. भारतीय महिलाओं में वल्वर और योनि संबंधी शारीरिक विविधताएँ - एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन। जे कटन एस्थेट सर्ज। 2025;18:252-9. doi: 10.25259/jcas_41_24
10) विल्सन ए, **कौर एच**, हसन एए, एमबीवेले बी, सोभ्य एस, कैल्वो जीआर, पिनेरो एसओ, ज़मोरा जे, थंगारातिनम एस. निम्न और मध्यम आय वाले देशों में सिजेरियन सेक्शन के परिणामों की रिपोर्टिंग में भिन्नताएँ: एक व्यवस्थित समीक्षा। यूर जे ओब्स्टेट गाइनेकोलॉजी रिप्रोड बायोल. 2025 अप्रैल;307:61-70. doi: 10.1016/j.ejogrb.2025.01.039. ईपब 2025 जनवरी 25. पीएमआईडी: 39889559.
11) मंगला एम, कुमार एन, **कौर एच**, सिंगला डी. पहली तिमाही के अल्ट्रासाउंड में हाइड्रोप्स फीटालिस का पता लगाने का विश्लेषण। पेरिनेटोलॉजी 2025;26(1):1-7.
12) पुरी एम, खान टी, अशरफ ए, शर्मा बी, बत्रा ए, चौरसिया ए, सिंह ए, अहमद ए, फातिमा बी, **कौर एच**, पांडे के, कुमार एम, अजीज एन, सिंह एस, चोपड़ा एस, गडप्पा एस, अग्रवाल एस, अग्रवाल एन। स्टिलबर्थ की रोकथाम के लिए प्रसवपूर्व देखभाल बंडल: स्टिलबर्थ सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा प्रस्तावित हस्तक्षेप। इंडियन जे कम्युनिटी मेड। 2025 जुलाई-अगस्त;50(4):560-566। doi: 10.4103/ijcm.ijcm_95_24। ई-प्रकाशन 2025 मार्च 31। पीएमआईडी: 40837178; पीएमसीआईडी: पीएमसी12364295।

पुरस्कार, सम्मान एवं उल्लेखनीय उपलब्धियाँ

डॉ. सुषरुति कौशल

1) आईएसयूओजी बेसिक ट्रेनिंग ऑनलाइन प्रोग्राम सफलतापूर्वक पूर्ण किया।

नेत्र विज्ञान विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पदनाम	कार्यभार ग्रहण की तिथि
1.	डॉ. नीलम वर्मा	सह आचार्य	22.09.2023
2.	डॉ. नृपेन गौड़	सह आचार्य	01.07.2024
		सहायक आचार्य	19.11.2020
3.	डॉ. विभूति मित्तल	सहायक आचार्य	04.10.2023

विभाग के विषय में

परिचय

नेत्र विज्ञान विभाग की स्थापना वर्ष 2021 में की गई थी, जिसका उद्देश्य व्यापक नेत्र देखभाल सेवाएँ प्रदान करना, शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देना तथा नेत्र विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान को सशक्त बनाना है। समर्पित एवं कुशल संकाय दल के सहयोग से विभाग प्रतिदिन लगभग 100 बाह्य रोगियों को सेवाएँ प्रदान कर रहा है तथा रोगियों के लिए इनडोर सुविधाएँ भी उपलब्ध हैं।

विभाग में विभिन्न निदानात्मक सुविधाएँ जैसे ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी, फंडस फोटोग्राफी, एंजियोग्राफी, विजुअल फील्ड टेस्टिंग, टोनोमेट्री, केरेटोमेट्री, बायोमेट्री, साइनॉप्टोफोर एवं बी-स्कैन उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त कॉर्निया, ग्लूकोमा एवं ऑक्यूलोप्लास्टी के लिए विशेष क्लिनिक भी संचालित किए जा रहे हैं।

सितंबर 2024 से नियमित रूप से वैकल्पिक एवं आपातकालीन सर्जरी की जा रही हैं। विभाग द्वारा स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को नैदानिक प्रशिक्षण, कौशल आधारित शिक्षण तथा अनुसंधान उन्मुख गतिविधियों के माध्यम से शिक्षित किया जा रहा है। जनवरी 2024 से विभाग में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रारंभ किया गया है।

भविष्य में विभाग द्वारा एक नेत्र बैंक स्थापित करने की योजना है तथा स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के हित में "स्टेट ऑफ द आर्ट" स्किल एवं वेट लैब सेवाएँ शीघ्र प्रारंभ करने हेतु खरीद प्रक्रिया जारी है।

दृष्टि एवं लक्ष्य

- नेत्र विज्ञान के क्षेत्र में प्रशिक्षण, अनुसंधान एवं नैदानिक अभ्यास में उत्कृष्टता प्रदान करते हुए केन्द्र उत्कृष्टता के रूप में विकसित होना।
- समुदाय एवं जनसामान्य को निष्पक्ष, किफायती एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करना।
- जनसामान्य को समग्र नेत्र देखभाल सेवाएँ प्रदान करना।
- शिक्षकों, विद्यार्थियों, शोधकर्ताओं एवं वैज्ञानिकों को शिक्षित, प्रशिक्षित एवं मार्गदर्शन प्रदान करना।
- उच्चतम गुणवत्ता की रोगी देखभाल उपलब्ध कराते हुए स्थानीय एवं वैश्विक स्तर पर समाज की नेत्र देखभाल आवश्यकताओं की पूर्ति में योगदान देना।

रोगी देखभाल सेवाएँ

- विभाग में प्रतिदिन लगभग 100 बाह्य रोगियों को सेवाएँ प्रदान की जाती हैं।
- अगस्त 2024 से विभाग में ऑपरेटिव सेवाएँ प्रारंभ की गईं, जिसके अंतर्गत फेकोएमल्सिफिकेशन, ग्लूकोमा सर्जरी, स्क्विंट एवं ऑक्यूलोप्लास्टी सर्जरी की जा रही हैं।
- विभाग में विभिन्न निदानात्मक सेवाएँ जैसे ओ.सी.टी., फंडस फोटोग्राफी, टोनोमेट्री, बायोमेट्री, विजुअल फील्ड टेस्ट एवं बी-स्कैन उपलब्ध हैं, जो विभिन्न नेत्र रोगों के निदान एवं उपचार में सहायक हैं।
- फंडस फ्लोरोसिन एंजियोग्राफी, लेजर एवं लघु शल्य क्रियाएँ जैसी डे-केयर प्रक्रियाएँ नियमित रूप से की जा रही हैं।
- ग्लूकोमा, कॉर्निया एवं स्क्विंट रोगियों हेतु विशेष क्लिनिक संचालित हैं।

शैक्षणिक पाठ्यक्रम

- जनवरी 2024 में विभाग में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रारंभ किया गया, जिसमें वर्तमान में 05 छात्र नामांकित हैं।
- विभाग द्वारा एम.बी.बी.एस. 2020 बैच (50 छात्र) एवं 2021 बैच (09 छात्र) की परीक्षाएँ आयोजित की गईं।
- वर्तमान में एम.बी.बी.एस. 2022 एवं 2023 बैच, प्रत्येक में 100 छात्रों सहित, प्रगति पर हैं।
- विभाग में संकाय एवं विद्यार्थियों की
- शैक्षणिक उन्नति हेतु अनुसंधान एवं शैक्षणिक गतिविधियाँ निरंतर संचालित हैं।
- वर्तमान में विभाग में दो शोध प्रबंध प्रगति पर हैं।
- वर्ष 2024 एवं 2025 में विभाग द्वारा संकाय क्लिनिकल मीट प्रस्तुत की गई।

भविष्य की योजनाएँ

- जनसामान्य को समग्र, किफायती एवं गुणवत्तापूर्ण नेत्र स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करना।
- एक पूर्णतः कार्यात्मक नेत्र बैंक की स्थापना करना।
- रोगियों की बढ़ती आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विशेषता क्लिनिक प्रारंभ करना।
- प्रशिक्षण, अनुसंधान एवं नैदानिक अभ्यास में उत्कृष्टता प्रदान करना।
- रेज़िडेंट्स के शल्य प्रशिक्षण एवं कौशल वृद्धि हेतु वेट लैब सुविधा विकसित करना।

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सीएमई में दिए गए व्याख्यान/पत्र या पोस्टर प्रस्तुत किए गए

क्र. सं.	संकाय सदस्य का नाम	व्याख्यान / शोधपत्र / पोस्टर का शीर्षक	योगदान का प्रकार	आयोजन का विवरण (नाम / आयोजक / स्थान)	दिनांक
1.	डॉ. विभूति मित्तल	ग्लूकोमा का औषधीय प्रबंधन	अतिथि व्याख्यान	एचपीओएस 2024 मिड टर्म कॉन्फ्रेंस, हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश	07 दिसम्बर 2024
2.	डॉ. नृपेन गौर	अस्पष्ट दृष्टि हानि के प्रति दृष्टिकोण	अतिथि व्याख्यान	आईएनओएस वार्षिक सम्मेलन, चेन्नई	20–22 सितम्बर 2024

प्रकाशन

शोध-पत्र

1) नेहा एन., **गौर एन.,** सिंह पी.टी. इत्यादि। डिसथायरॉइड ऑप्टिक न्यूरोपैथी वाले रोगी में सेंट्रल सिरस कोरियोरेटिनोपैथी का प्रबंधन। BMJ Case Reports CP, 2025;18:e262624.
2) जरयाल अजय, कुमार भूपेन्द्र, **गौर नृपेन**, शर्मा कपिल, विक्रांत संजय, कुमार नितिन। आउटपेशेंट सेटिंग में उच्च रक्तचाप से संबंधित अंग क्षति की प्रचलनता – एक प्रेक्षणात्मक अध्ययन। अंतर्राष्ट्रीय गैर-संचारी रोग जर्नल, 10(1): 12–16, जनवरी–मार्च 2025. DOI: 10.4103/jncd.jncd_51_24.
3) पुरी एस., **गौर एन**., लोकदर्शी जी., कपूर बी. पंक्टम का छद्म-सिलियम (पंक्टम का छद्म-सिलियम): एक असामान्य विदेशी वस्तु। डिजिटल जर्नल ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी, 2024; 30(4).
4) सैनी एम., जैन ए., वनथी एम., कालिया ए., सैनी के., गुप्ता पी., **गौर एन.** कॉर्नियल न्यूरोटाइजेशन में वर्तमान दृष्टिकोण और चिंताएँ। डिजिटल जर्नल ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी, अक्टूबर 2024; 72(10):1404–1411. DOI: 10.4103/IJO.IJO_195_24. PMID: 39331430; PMCID: PMC11573042.
5) **विभूति मित्तल,** हिमांशु कुमार मित्तल, राजीव तुली। क्रोनिक डैक्रोसिस्टाइटिस: जीवाणु विज्ञान एवं प्रतिजैविक संवेदनशीलता प्रतिरूप पर एक अध्ययन। ओमान जर्नल ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी, मई–अगस्त 2024; 17(2):192–197.

पुरस्कार, सम्मान एवं उल्लेखनीय उपलब्धियाँ

डॉ. नृपेन गौर

1) वर्ष 2024–2025 के लिए एआईओएस बेस्ट ऑफ आईजेओ अवार्ड से सम्मानित।
2) वर्ष 2024–2025 के लिए रिव्यूअर प्रशंसा पुरस्कार प्राप्त।

सामुदायिक सेवा

1) दिनांक 18/07/2024, 19/07/2024 और 20/07/2024 को क्षेत्रीय अस्पताल केलांग, सीएच शांशा और सीएच उदयपुर में स्वास्थ्य शिविर में भाग लिया।
2) व्यापक नेत्र जांच - अपवर्तक त्रुटियों, मोतियाबिंद, ग्लूकोमा और अन्य नेत्र रोगों की जांच की गई।

3) एनसीडी से संबंधित नेत्र रोगों की जांच - मधुमेह और उच्च रक्तचाप से ग्रस्त रेटिनोपैथी के मामलों की पहचान की गई और आगे की देखभाल के लिए उचित रेफरल दिया गया।
4) सामुदायिक स्तर पर जांच - ऐसे आउटरीच शिविरों का आयोजन किया गया जिनसे वंचित आबादी में रोकथाम योग्य अंधेपन का शीघ्र पता लगाने में मदद मिली।
5) सामुदायिक जागरूकता - निवारक नेत्र देखभाल, सुरक्षात्मक उपायों और नियमित अनुवर्ती कार्रवाई के महत्व पर परामर्श प्रदान किया गया।
6) 5 सितंबर 2024 को राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े के दौरान, "मैं अब स्पष्ट रूप से देख सकता हूँ" शीर्षक से व्याख्यान ओपीडी रिसेप्शन क्षेत्र, प्रथम तल, बी ब्लॉक में आयोजित किया गया। इसमें पोस्टर बनाने के लिए 15 एम.बी.बी.एस. और नर्सिंग छात्रों, नुक्कड़ नाटक के लिए 15 एम.बी.बी.एस. छात्रों और 65-70 मरीज़ों और उनके तीमारदारों ने भाग लिया।
7) 11-12 मार्च 2025 को आयोजित विश्व ग्लूकोमा सप्ताह के लिए, ओपीडी रिसेप्शन क्षेत्र (प्रथम तल, बी ब्लॉक) और एम्स ओपीडी एवं आईपीडी परिसर में गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 10 नर्सिंग छात्रों ने नुक्कड़ नाटक, 70-80 मरीज़ों और उनके तीमारदारों, और 45 छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने वॉकथॉन में भाग लिया।

हड्डी रोग विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पदनाम	कार्यभार ग्रहण की तिथि
1.	डॉ. रणजीत चौधरी	सह आचार्य	01.08.2023
2.	डॉ. गौरव कुमार शर्मा	सह आचार्य	01.07.2024
		सहायक आचार्य	08.12.2020
3.	डॉ. रमेश कुमार	सहायक आचार्य	14.06.2022
4.	डॉ. अमित कुमार सलारिया	सहायक आचार्य	29.06.2022
5.	डॉ. देवेन्द्र	सहायक आचार्य	14.06.2023

विभाग के विषय में

परिचय

हड्डी रोग विभाग का उद्देश्य मांशपेशीय विकारों के निदान, उपचार, पुनर्वास एवं रोकथाम में समर्पित सेवाएँ प्रदान करना है। ये विकार हड्डियों, जोड़ों, स्नायुबंधन, टेंडन तथा मांसपेशियों को प्रभावित करते हैं, जिससे रोगियों की गतिशीलता एवं जीवन की गुणवत्ता पर प्रभाव पड़ता है। विभाग में विशेषज्ञ अस्थि शल्य चिकित्सक, फिजियोथेरेपिस्ट एवं सहयोगी स्टाफ सम्मिलित हैं, जो मिलकर समग्र एवं उच्च गुणवत्ता वाली देखभाल प्रदान करते हैं। प्रत्येक रोगी की स्थिति का सटीक मूल्यांकन करने के लिए विभाग में आधुनिक इमेजिंग तकनीक एवं प्रयोगशाला जांच की सुविधाएं उपलब्ध हैं।

मुख्य कार्यक्षेत्र

क) जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी (प्राथमिक एवं पुनर्निर्माण): कूल्हा, घुटना, कोहनी और कंधे के प्रतिस्थापन हेतु नवीनतम तकनीकों का उपयोग कर शीघ्र स्वस्थता एवं उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त किए जाते हैं।

ख) खेल चिकित्सा : खेल संबंधी चोटों जैसे लिगामेंट/टेंडन रिपेयर, पुनर्निर्माण, मेनिस्कस रिपेयर का उपचार तथा व्यक्तिगत पुनर्वास कार्यक्रम उपलब्ध कराए जाते हैं ताकि रोगी शीघ्र सक्रिय जीवन में लौट सकें।

ग) बाल अस्थि-चिकित्सा : बच्चों में पाए जाने वाले अस्थि एवं मांशपेशीय विकारों जैसे स्कोलियोसिस एवं अंग विकृतियों का उपचार किया जाता है।

घ) आघात देखभाल : विभाग तीव्र एवं उपेक्षित चोटों के प्रबंधन हेतु सुसज्जित है, जिसमें फ्रैक्चर एवं अव्यवस्था के लिए आपातकालीन देखभाल दी जाती है।

ङ) रीढ़ की देखभाल : रीढ़ संबंधी विकारों के लिए शल्य एवं गैर-शल्य दोनों प्रकार की चिकित्सा प्रदान की जाती है, जिससे रोगी को समग्र स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हो सके।

च) विकृति सुधार एवं अंग लंबाई बढ़ाना : जन्मजात या अर्जित विकृतियों वाले रोगियों में सुधारात्मक उपचार एवं सर्जरी की जाती है।

दृष्टि

क) रोगी-केंद्रित देखभाल: उच्च गुणवत्ता वाली, व्यक्तिगत देखभाल प्रदान करना जिससे रोगियों की गतिशीलता एवं जीवन गुणवत्ता में सुधार हो और उनकी सुरक्षा, सुविधा एवं संतुष्टि सुनिश्चित हो।

ख) नवाचार एवं उत्कृष्टता: नवीनतम शल्य तकनीकों, उन्नत प्रौद्योगिकी एवं साक्ष्य-आधारित उपचार विधियों को अपनाकर उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त करना।

ग) अनुसंधान एवं शिक्षा: अत्याधुनिक अनुसंधान के माध्यम से अस्थि-चिकित्सा ज्ञान को आगे बढ़ाना तथा भावी विशेषज्ञों को प्रशिक्षित करना।

घ) सहयोग एवं सामुदायिक भागीदारी: बहु-विषयक टीमों, सामुदायिक भागीदारों एवं रोगियों के साथ मिलकर समग्र देखभाल प्रदान करना।

ङ) सुलभता एवं समानता: प्रत्येक रोगी को उसकी सामाजिक या आर्थिक पृष्ठभूमि से परे समान रूप से गुणवत्तापूर्ण सेवाएँ प्रदान करना।

च) अनुसंधान एवं नवाचार: नवीनतम अनुसंधान के माध्यम से आधुनिक उपचार एवं तकनीक अपनाकर रोगियों को लाभान्वित करना।

छ) विकृति सुधार और अंग लम्बाई - जन्मजात/अधिग्रहित विकृतियों के रोगियों में।

लक्ष्य

एक अग्रणी अस्थि-चिकित्सा विभाग का निर्माण करना जो न केवल रोगों का उपचार करे बल्कि रोगियों को सशक्त बनाए, नवाचार को बढ़ावा दे और स्वस्थ समुदाय के निर्माण में योगदान दे।

रोगी देखभाल सेवाएँ

2024-2025 में ओपीडी जनगणना=41,778, इंट्राआर्टिकुलर इंजेक्शन रिकॉर्ड=539, प्लास्टर कास्ट आवेदन=457, आईपीडी=1682, सर्जरी=1527

शैक्षणिक गतिविधियाँ

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम **अगस्त 2023** से प्रारंभ किया गया, जिसमें **प्रत्येक 6 माह में 2 छात्रों** का प्रवेश होता है।

भविष्य की योजनाएँ

क. **रोगी देखभाल सेवाएँ**

- सॉफ्ट टिश्यू एवं बोन बैंक सुविधा की स्थापना
- खेल चोट एवं आर्थ्रोस्कोपी सेवाओं की शुरुआत
- न्यूनतम आक्रामक रीढ़ की शल्य चिकित्सा प्रारंभ करना
- रीढ़ विकृति सुधारक शल्य क्रियाएँ प्रारंभ करना
- आर्थोपेडिक ट्यूमर रजिस्ट्री की स्थापना

ख. शैक्षणिक पाठ्यक्रम

1. **एम.सी.एच.**
   - आर्थ्रोप्लास्टी एवं जॉइंट पुनर्निर्माण
   - स्पाइनल ऑर्थोपेडिक सर्जरी
   - बाल अस्थि-चिकित्सा
2. **फ़ेलोशिप**
   - स्पाइन फ़ेलोशिप
   - जोड़ संरक्षण आर्थ्रोप्लास्टी
3. **पैरामेडिकल पाठ्यक्रम**
   - प्लास्टर तकनीशियन का डिप्लोमा
   - ऑर्थोपेडिक्स तकनीशियन का डिप्लोमा

बाल रोग विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पदनाम	कार्यभार ग्रहण की तिथि
1.	प्रो. (डॉ.) श्रीराम पी	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	29.08.2023
2.	डॉ. नवीन कुमार	सह आचार्य	01.12.2023
3.	डॉ. जसबीर सिंह	सह आचार्य	01.07.2024
		सहायक आचार्य	13.11.2020
4.	डॉ. रमन शर्मा	सहायक आचार्य	11.12.2023

विभाग के विषय में

परिचय

एम्स बिलासपुर का बाल रोग विभाग 1 महीने से 18 वर्ष की आयु के बच्चों को व्यापक और समग्र स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारी सेवाओं में बाह्य और अंतःरोगी देखभाल, टीकाकरण, विशेष क्लीनिक, बाल चिकित्सा गहन देखभाल और चौबीसों घंटे उपलब्ध आपातकालीन सेवाएँ शामिल हैं। नैदानिक ज़िम्मेदारियों के साथ-साथ, विभाग स्नातक और स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, छात्रों को सक्षम, दयालु और नैतिक रूप से ज़िम्मेदार डॉक्टर बनने के लिए तैयार करता है।

दृष्टि

रोगी-केंद्रित, परिवार-अनुकूल ढाँचे के भीतर अत्याधुनिक बाल चिकित्सा और उप-विशेषज्ञ देखभाल प्रदान करना।

लक्ष्य

आधुनिक सुविधाओं और उन्नत तकनीकों के माध्यम से नैदानिक देखभाल को निरंतर उन्नत करना। क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर बच्चों की स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम कुशल डॉक्टर तैयार करने हेतु शैक्षणिक कार्यक्रमों को मज़बूत करना।

रोगी देखभाल सेवाएँ

विभाग ने अपने नैदानिक कार्यक्षेत्र का उल्लेखनीय विस्तार किया है। विभाग सोमवार से शनिवार सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक 18 वर्ष तक के आयु वर्ग के बच्चों के लिए ओपीडी सेवाएँ संचालित करता है, जिसमें बाल चिकित्सा उप-विशेषज्ञ सेवाएँ, टीकाकरण, किशोर स्वास्थ्य सेवाएँ (नयदिशा केंद्र) शामिल हैं। ओपीडी में बाल चिकित्सा ईईजी, वीडियो ईईजी और स्पाइरोमेट्री जैसी विशेष नैदानिक सेवाएँ उपलब्ध हैं। बाल चिकित्सा और किशोर बच्चों के लिए नियमित स्वास्थ्य परामर्श सत्र होते हैं। कोर पीडियाट्रिक्स और उप-विशेषज्ञ क्लीनिक जैसे पीडियाट्रिक न्यूरोलॉजी और पीआईसीयू फॉलो-अप क्लिनिक, दोनों में लगातार वृद्धि हुई है। बाल चिकित्सा आईपीडी में 30 बिस्तर हैं जिनमें चार बिस्तरों वाला एचडीयू है। बाल चिकित्सा गहन चिकित्सा इकाई (पीआईसीयू), एक 7-बिस्तरों वाली इकाई है जो विशेष गहन देखभाल प्रदान करती है।

शैक्षणिक

विभाग स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों शिक्षण में सक्रिय रूप से योगदान देता है। हर छह महीने में तीन स्नातकोत्तर छात्रों को भर्ती किया जाता है, जिसमें संरचित प्रशिक्षण होता है जिसमें बिस्तर के पास शिक्षण, केस चर्चा और शैक्षणिक सत्रों पर जोर दिया जाता है। संकाय सदस्य प्रशिक्षुओं के बीच एक शोध-उन्मुख मानसिकता को प्रोत्साहित करते हैं, जिससे राष्ट्रीय शैक्षणिक मंचों पर परियोजनाओं और प्रस्तुतियों में स्नातक/स्नातकोत्तर भागीदारी सुनिश्चित होती है।

अनुसंधान एवं नवाचार

विभाग नैदानिक और अनुवादात्मक अनुसंधान की संस्कृति को पोषित कर रहा है। संकाय सदस्य कई स्नातक परियोजनाओं का मार्गदर्शन कर रहे हैं, और इस वर्ष एक स्नातक अनुदान पहले ही प्राप्त हो चुका है। स्नातकोत्तर छात्रों को स्नातकोत्तर शोध प्रबंध और गुणवत्तापूर्ण अध्ययन के माध्यम से अनुसंधान गतिविधियों में प्रोत्साहित किया जाता है। स्नातकोत्तर छात्रों को सम्मेलनों में पोस्टर प्रस्तुति के रूप में अपने शोध प्रस्तुत करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है। संकाय ने अनुसंधान में सक्रिय रुचि ली है और राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में शोध पत्र प्रस्तुत किए हैं, शोध परियोजनाएँ प्रस्तुत की हैं और समकक्षों द्वारा समीक्षित प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित किए हैं। बहु-केंद्रित अनुसंधान सहयोगों में सक्रिय भागीदारी साक्ष्य-आधारित बाल चिकित्सा देखभाल और नवाचार के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

भविष्य की योजनाएँ

क) उन्नत निगरानी और वेंटिलेटरी सहायता के साथ पीआईसीयू सुविधाओं का विस्तार।

ख) दीर्घकालिक वीडियो ईईजी निगरानी सेवाओं की स्थापना।

ग) निम्नलिखित क्षेत्रों में नए विशेष क्लीनिकों की शुरुआत:

- o विकासात्मक बाल चिकित्सा
- o बाल चिकित्सा फुफ्फुस विज्ञान
- o बाल चिकित्सा रक्त-ऑन्कोलॉजी
- o बाल चिकित्सा अंतःस्त्राविका विज्ञान
- o बाल चिकित्सा हृदय रोग विज्ञान
- o बाल चिकित्सा जठरांत्र विज्ञान
- o बाल मार्गदर्शन क्लिनिक
- o बाल चिकित्सा आनुवंशिक क्लिनिक
- o बाल चिकित्सा वृक्क विज्ञान

घ) **समर्पित केंद्रों और प्रयोगशालाओं की स्थापना:**

- o थैलेसीमिया डे केयर सेंटर
- o बाल विकास एवं प्रारंभिक हस्तक्षेप केंद्र
- o बाल चिकित्सा पल्मोनोलॉजी प्रयोगशाला
- o बाल चिकित्सा ईईजी एवं निद्रा प्रयोगशाला
- o तंत्रिका चालन अध्ययन प्रयोगशाला
- o बाल चिकित्सा सिमुलेशन प्रयोगशाला

ङ) कौशल-आधारित प्रशिक्षण मॉड्यूल और सिमुलेशन-आधारित शिक्षा के माध्यम से शैक्षणिक कार्यक्रमों को सुदृढ़ बनाना।

च) नवजात और बाल चिकित्सा के बुनियादी और उन्नत जीवन समर्थन (पीएएलएस और एनएएलएस) के क्षेत्र में प्रशिक्षण को सुदृढ़ बनाना।

छ) बाल चिकित्सा संक्रामक रोग वार्ड की स्थापना जो महामारी और महामारियों की आवश्यकताओं को पूरा करेगा।

ज) बच्चों से संबंधित राष्ट्रीय कार्यक्रमों को लागू करके सार्वजनिक स्वास्थ्य में उत्कृष्टता केंद्र।

झ) सामुदायिक आउटरीच गतिविधियों को बढ़ाकर और मजबूत अंतर-विभागीय समन्वय स्थापित करके बाल चिकित्सा सेवाओं का विस्तार करना।

ञ) बाल चिकित्सा स्वास्थ्य और सामुदायिक आउटरीच को आगे बढ़ाने के लिए नैदानिक देखभाल, प्रशिक्षण और अनुसंधान को एकीकृत करते हुए एक व्यापक बाल चिकित्सा उप-विशेषता केंद्र का विकास।

सीएमई/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान/पत्र या पोस्टर प्रस्तुत किए गए

क्र. सं.	संकाय का नाम	व्याख्यान/पत्र/पोस्टर का शीर्षक	योगदान का प्रकार	कार्यक्रम विवरण	तिथि
1.	डॉ. पी. श्रीराम	रोगी सुरक्षा में जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन की भूमिका - भारत में रोगी सुरक्षा पर राष्ट्रीय क्षमता निर्माण	अतिथि व्याख्यान	रोगी सुरक्षा सचिवालय, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली	05 फरवरी 2025
2.	डॉ. पी. श्रीराम	पीआईसीयू में भर्ती रोगियों में शॉक के परिणामों की व्यापकता का अध्ययन	मौखिक पेपर प्रस्तुति	पेडिकॉन 2025, हैदराबाद	12 जनवरी 2025

प्रकाशन

शोध-पत्र

1) एंटनी जे, परमेश्वरन एन, आर आर, के आर, **पोथाप्रेगड़ा एस**, कुमार एस. एक विकासशील देश में तृतीयक बाल चिकित्सा आपातकालीन विभाग में आगमन पर परिवहन का तरीका और रोगी की स्थिति: एक संभावित अवलोकन अध्ययन। क्यूरियस। 2024 28;16(8)

2) एंटनी जे, परमेश्वरन एन, रामनाथन, कथावरायण आर, **पोथाप्रेगड़ा एस**, कुमार एस. पुडुचेरी और उसके आसपास के जिला अस्पतालों से रेफर किए गए बीमार बच्चों के परिणामों में सुधार, एक संचार नेटवर्क स्थापित करके: एक समुदाय-आधारित गुणवत्ता सुधार पहल। इंडियन जे क्रिट केयर मेड। 2024;28(12):1153-8।

3) अभिमनन वी, **पोथाप्रेगड़ा एस**, वर्धन बीबी, अभिमनन एसवी, अमीषा। तृतीयक देखभाल अस्पताल में जांचे गए बच्चों और किशोरों में अवसाद की व्यापकता और उससे जुड़े जोखिम कारक। Int J Contemp Pediatr 2025;12:41-6.
4) **भारद्वाज एनके**, शशिधरन आर, टोटेजा एन, एट अल। योनि से जन्मे ≥35 सप्ताह के गर्भकाल वाले शिशुओं में प्रारंभिक त्वचा से त्वचा के संपर्क की प्रथा को लागू करना: एक गुणवत्ता सुधार अध्ययन। BMJ Open Qual. 2024;13(Suppl 1):e002408. प्रकाशित 2024 अप्रैल 8.
5) सिदाना एस, कौर एन, **भारद्वाज एनके**, बंसल एस, मित्तल पी। जन्मजात हाइपोथायरायडिज्म और नेफ्रोकैल्सीनोसिस—एक असामान्य संबंध। IJEM Case Rep 2024;2:50-3.
6) वांडर ए, पीर एस, **भारद्वाज एनके।** उच्च लैक्टेट (एलटीबीएल) के साथ थैलेमस और ब्रेनस्टेम की भागीदारी वाली ल्यूकोएनसेफैलोपैथी में न्यूरोइमेजिंग विशेषताएँ। जे पीडियाट्रिक न्यूरोसाइंस 2024;19:79-80

बाल चिकित्सा शल्य चिकित्सा विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पदनाम	कार्यभार ग्रहण की तिथि
1.	डॉ. बिजय कुमार सेठी	सह-आचार्य	12.01.2021
2.	डॉ. संदीप सिंह सेन	सहायक आचार्य	12.12.2022

विभाग के विषय में

परिचय

बाल चिकित्सा शल्य चिकित्सा विभाग में दो संकाय सदस्य और तीन गैर-शिक्षित संकाय सदस्य हैं। विभाग सप्ताह में चार दिन ओपीडी संचालित करता है। वर्तमान में विभाग को ई ब्लॉक, प्रथम तल पर 11 बिस्तर आवंटित हैं। विभाग पिछले 3 वर्षों से आपातकालीन और वैकल्पिक सर्जरी कर रहा है। कुल 572 सर्जरी की गई हैं। विभाग ने 572 प्रमुख सर्जरी की हैं।

वार्षिक प्रदर्शन 2024-25

- विभिन्न आयु वर्ग के परामर्श: 2400
- अस्थायी आयु वर्ग के प्रवेश: 350
- प्रमुख सर्जरी: 271
- लैप्रोस्कोपी प्रक्रियाएँ: 71
- थोरैकोस्कोपिक प्रक्रियाएँ: 04
- लघु सर्जरी: 15

दृष्टि

बाल चिकित्सा शल्य चिकित्सा विभाग में हमारा दृष्टिकोण बाल चिकित्सा शल्य चिकित्सा देखभाल में एक वैश्विक अग्रणी बनना है, जिसे हमारे नवीन दृष्टिकोण, करुणामय उपचार और बच्चों के स्वास्थ्य और कल्याण में सुधार के प्रति प्रतिबद्धता के लिए मान्यता प्राप्त है। हमारा लक्ष्य बाल चिकित्सा सर्जरी में नए मानक स्थापित करना और सर्जनों की भावी पीढ़ियों को प्रेरित करना है।

लक्ष्य

हमारा लक्ष्य बच्चों को उच्चतम गुणवत्ता वाली शल्य चिकित्सा देखभाल प्रदान करना, अत्याधुनिक अनुसंधान के माध्यम से बाल चिकित्सा शल्य चिकित्सा के क्षेत्र को आगे बढ़ाना और बाल शल्य चिकित्सकों की अगली पीढ़ी को प्रशिक्षित करना है। हम निम्नलिखित के लिए समर्पित हैं:

- प्रत्येक बच्चे की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप व्यापक, रोगी-केंद्रित शल्य चिकित्सा देखभाल प्रदान करना।
- बाल चिकित्सा शल्य चिकित्सा में प्रगति को बढ़ावा देने वाले अग्रणी अनुसंधान का संचालन करना।
- भावी बाल चिकित्सा शल्य चिकित्सकों के लिए कठोर और नवीन प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करना।

रोगी देखभाल सेवाएँ

- विभाग लेप्रोस्कोपिक सर्जरी के लिए प्रवेश प्रदान कर रहा है।
- ओपीडी और आईपीडी का सफलतापूर्वक संचालन।
- सभी बाल चिकित्सा आपात स्थितियों में भाग लेना।
- सभी बाल चिकित्सा शल्य चिकित्सा मामलों का प्रबंधन किया गया है।
- विभाग ने यूरोडायनामिक्स प्रक्रियाएँ शुरू कर दी हैं।
- बाल चिकित्सा ब्रोंकोस्कोपी।

शैक्षणिक सेवाएँ

विभाग ने छह वर्षीय एम.सीएच. कार्यक्रम शुरू करने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) के दिशानिर्देशों के अनुरूप एम्स बिलासपुर में एम.सीएच. बाल चिकित्सा शल्य चिकित्सा (तीन वर्षीय) पाठ्यक्रम के डिजाइन और विकास में योगदान दिया है। एकीकृत शिक्षण, संरचित शल्य-कौशल प्रशिक्षण, सिमुलेशन-आधारित शिक्षण मॉड्यूल और आवधिक योग्यता-आधारित मूल्यांकन पर ज़ोर दिया गया।

अनुसंधान एवं नवाचार

- वैकल्पिक और आपातकालीन शल्य-चिकित्सा से गुज़र रहे बाल आयु वर्ग के रोगियों में शल्य-पूर्व और शल्य-अंत: गैस्ट्रिक आयतन: एक अवलोकनात्मक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन
- सामान्य संज्ञाहरण के तहत कॉडल ब्लॉक के साथ और बिना शल्य-चिकित्सा से गुज़र रहे बाल रोगियों में परफ्यूज़न सूचकांक की तुलना: एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन
- वैकल्पिक प्रक्रियाओं से गुज़र रहे बाल रोगियों में संज्ञाहरण के दौरान हाइपोग्लाइसीमिया की घटना और शल्य-पूर्व उपवास समय के साथ इसके सहसंबंध का आकलन करना

भविष्य की योजनाएँ

- उन्नत न्यूनतम शल्य-चिकित्सा विकसित करना
- रोबोटिक शल्य-चिकित्सा स्थापित करना

- ठोस अंग प्रत्यारोपण सहित बाल चिकित्सा प्रत्यारोपण विकसित करना
- छह वर्षीय एमसीएच कार्यक्रम

सीएमई/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान/पत्र या पोस्टर प्रस्तुत किए गए

क्र. सं.	संकाय सदस्य का नाम	व्याख्यान/पेपर/पोस्टर का शीर्षक	योगदान का प्रकार	कार्यक्रम विवरण (आयोजक/स्थान)	तिथि
1.	डॉ. बिजय कुमार सेठी	हाइपोसपैडियास में कॉर्डी डिग्री का लिंग मूत्रमार्ग की लंबाई पर प्रभाव: एक त्रिकोणमितीय विश्लेषण	मौखिक प्रस्तुति	9वीं अंतर्राष्ट्रीय बाल सर्जरी सम्मेलन हाइपोसपैडियास और लिंग विकास विकार, अबू धाबी, संयुक्त अरब अमीरात	मई 2024
2.	डॉ. संदीप सिंह सेन		ई-पोस्टर प्रस्तुति	राष्ट्रीय बाल लैप्रोस्कोपिक सर्जरी सम्मेलन, आगरा	2024
3.	डॉ. संदीप सिंह सेन	लैप्रोस्कोपिक पायेलोप्लास्टी	वीडियो प्रस्तुति	जेकेआईएपीएस, जीएमसी जम्मू	2025

प्रकाशन

शोध-पत्र

1) **सेन एसएस, सेठी बीके**, पाल ए, सिंह ए। लैप्रोस्कोपिक प्रबंधन: लुम्बो-कॉस्टो-वर्टेब्रल सिंड्रोम वाले बच्चे में जन्मजात कमर हीर्निया। जर्नल ऑफ़ इंडियन एसोसिएशन ऑफ़ पीडियाट्रिक सर्जरी, 2025 सितंबर-अक्टूबर;30(5):677-678। doi: 10.4103/jiaps.jiaps_70_25। ई-पब 2 जून 2025। PMID: 40950631; PMCID: PMC12425384।

पैथोलॉजी विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पदनाम	कार्यभार ग्रहण की तिथि
1.	डॉ. मनुप्रिया शर्मा	अतिरिक्त आचार्य	09.08.2024
		सह आचार्य	15.06.2022
2.	डॉ. गुरविंदर कौर	सह आचार्य	11.11.2020
3.	डॉ. सुषमा भारती	सहायक आचार्य	07.07.2022 (06.07.2024 तक)
4.	डॉ. तरूणप्रीत सैनी	सहायक आचार्य	02.04.2024

विभाग के विषय में

परिचय

पैथोलॉजी विभाग ने वर्ष 2024-25 के दौरान अपनी नैदानिक, शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों को सुदृढ़ करना जारी रखा है। हेमेटोलॉजी, साइटोपैथोलॉजी और हिस्टोपैथोलॉजी में समर्पित उप-इकाइयों के साथ, विभाग रोगी देखभाल के लिए आवश्यक प्रयोगशाला नैदानिक सेवाओं की एक व्यापक श्रृंखला प्रदान करता है। हेमेटोलॉजी और जमावट परीक्षण में उन्नत स्वचालन, ग्रीवा जांच के लिए द्रव-आधारित कोशिका विज्ञान (एलबीसी) के कार्यान्वयन, और इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री (आईएचसी) और फ्लो साइटोमेट्री की शुरुआत ने नैदानिक सटीकता और टर्नअराउंड समय में उल्लेखनीय वृद्धि की है। विभाग ने शव परीक्षण सेवाओं को भी सफलतापूर्वक बहाल किया है, जिससे नैदानिक ऑडिट और चिकित्सा शिक्षा में योगदान मिला है।

अप्रैल 2024 और मार्च 2025 के बीच, सभी प्रभागों में कुल 1,54,235 नैदानिक जाँचें की गईं, जो कार्यभार और नैदानिक दक्षता में निरंतर वृद्धि को दर्शाती हैं। विभाग प्रयोगशाला चिकित्सा, गुणवत्ता आश्वासन और शैक्षणिक उन्नति में उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्ध है।

दृष्टि एवं लक्ष्य

- रोगी देखभाल और सामुदायिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार को एकीकृत करते हुए, नैदानिक विकृति विज्ञान में उत्कृष्टता केंद्र के रूप में मान्यता प्राप्त करना।
- उन्नत तकनीक और कुशल विशेषज्ञता के माध्यम से सटीक, समय पर और किफायती नैदानिक सेवाएँ प्रदान करना।
- कार्य के सभी क्षेत्रों में गुणवत्ता आश्वासन और नैतिक व्यवहार के उच्च मानकों को बनाए रखना।

रोगी देखभाल सेवाएँ

यह विभाग सभी नैदानिक विभागों को चौबीसों घंटे नैदानिक सहायता प्रदान करता है। 2024-25 के दौरान प्रमुख उपलब्धियों में शामिल हैं:

- 1.2 लाख से अधिक हेमेटोलॉजी परीक्षण, जिनमें 71,000 सीबीसी और 31,000 जमावट प्रोफाइल शामिल हैं।
- 29,000 साइटोपैथोलॉजी नमूने, जिनमें एफएनएसी, शरीर के तरल पदार्थ और एलबीसी शामिल हैं।
- 3,000 हिस्टोपैथोलॉजी नमूने, फ्रोजन सेक्शन और शव परीक्षण।
- बेहतर निदान के लिए कोशिका विज्ञान में सेल ब्लॉक तैयारी की स्थापना।
- उन्नत प्रयोगशाला स्वचालन, सटीकता, दक्षता और कम टर्नअराउंड समय सुनिश्चित करता है।

शैक्षणिक

पैथोलॉजी विभाग स्नातक (एम.बी.बी.एस.), स्नातकोत्तर (एमडी पैथोलॉजी) और संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान (बीएससी एमएलटी और बीएससी नर्सिंग) के छात्रों के लिए व्यापक शिक्षण और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से संलग्न है। शैक्षणिक पाठ्यक्रम सिद्धांत, व्यावहारिक प्रशिक्षण और अंतःविषय शिक्षण के संयोजन वाले एक एकीकृत दृष्टिकोण के माध्यम से रोग तंत्र, नैदानिक व्याख्या और प्रयोगशाला प्रथाओं की गहरी समझ को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। अतिरिक्त शैक्षणिक और सहयोगात्मक गतिविधियाँ

- अंतर-विभागीय बैठक: बेहतर नैदानिक सहसंबंध के लिए जटिल और बहु-विषयक नैदानिक मामलों पर चर्चा करने के लिए हर 15 दिनों में एक बार आयोजित की जाती है।
- ट्यूमर बोर्ड: कैंसर के मामलों की समीक्षा और प्रबंधन योजना के लिए, ऑन्कोलॉजी और सर्जिकल

विभागों के सहयोग से, साप्ताहिक रूप से आयोजित किया जाता है।

अनुसंधान और नवाचार

पैथोलॉजी विभाग रोगी देखभाल, शिक्षण और अनुसंधान की गुणवत्ता और दायरे को बढ़ाने के लिए अपनी नैदानिक क्षमताओं और बुनियादी ढांचे का निरंतर विस्तार कर रहा है। आने वाले महीनों और अगले शैक्षणिक वर्ष में कार्यान्वयन के लिए कई प्रमुख विकास की योजना बनाई गई है।

अगले 2-4 महीनों के लिए नियोजित गतिविधियाँ

1. उच्च-प्रदर्शन द्रव क्रोमैटोग्राफी (एचपीएलसी): एचपीएलसी मशीन सफलतापूर्वक स्थापित हो गई है और प्रदर्शन पूरा हो गया है। नियमित परीक्षण अगले महीने के भीतर शुरू होने की उम्मीद है।
2. फ्लो साइटोमेट्री: यह प्रणाली वर्तमान में परीक्षण के आधार पर चालू है। विशिष्ट एंटीबॉडी की खरीद प्रक्रिया प्रगति परहै और जल्द ही यह सेवा पूरी तरह से चालू हो जाने की उम्मीद है।
3. मूत्र विश्लेषक: उपभोग्य सामग्रियों की खरीद फ़ाइल अंतिम अनुमोदन के अधीन है, जिसके बाद विश्लेषक को नियमित उपयोग के लिए चालू कर दिया जाएगा।
4. हाइब्रिड कैप्चर सिस्टम: उपभोग्य सामग्रियों को क्रय सलाहकार समिति (पीएसी) द्वारा अनुमोदित कर दिया गया है और विभाग स्थापना और सत्यापन शुरू करने के लिए आपूर्ति आदेश की प्रतीक्षा कर रहा है।
5. संग्रहालय स्थापना: विभागीय पैथोलॉजी संग्रहालय की स्थापना की प्रक्रिया प्रगति परहै, जिसके अगले तीन महीनों के भीतर पूरा होने की उम्मीद है। यह संग्रहालय छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण शैक्षिक और संदर्भ संसाधन के रूप में कार्य करेगा।

भविष्य की योजनाएँ

क. एनएबीएल मान्यता: राष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करने और नैदानिक सेवाओं की विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए परीक्षण एवं अंशांकन प्रयोगशालाओं के लिए राष्ट्रीय मान्यता बोर्ड (एनएबीएल) मान्यता प्रक्रिया की शुरुआत।

ख. ईक्वास भागीदारी: नैदानिक रिपोर्टिंग में सटीकता, परिशुद्धता और अंतर-प्रयोगशाला विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए बाह्य गुणवत्ता आश्वासन योजनाओं (ईक्वास) में औपचारिक भागीदारी।

ग. आणविक रोग विज्ञान संस्थान: उन्नत आणविक और बायोमार्कर-आधारित परीक्षण शुरू करने के लिए एक आणविक रोग विज्ञान संस्थान की स्थापना, संस्थान के भीतर व्यक्तिगत और परिशुद्धता चिकित्सा क्षमताओं को मजबूत करना।

सीएमई/कार्यशाला/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम का प्रकार	विषय / केंद्रित क्षेत्र	तिथि एवं स्थान	आयोजक टीम	सहयोगी संगठन	भागीदारी
1.	डर्मा पैथोलॉजी सीएमई	सीएमई	ग्रैनुलोमैटस रोग	31 अगस्त 2024, एम्स बिलासपुर	डॉ. मनुप्रिया, डॉ. मंजू दरोच	डीएसआई (डर्मेटोपैथोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया)	110 प्रतिनिधि, जूनियर रेजिडेंट, सीनियर रेजिडेंट, संकाय

सीएमई/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान/पत्र या पोस्टर प्रस्तुत किए गए

क्र. सं.	संकाय का नाम	व्याख्यान / पेपर / पोस्टर का शीर्षक	योगदान का प्रकार	कार्यक्रम का विवरण (नाम / आयोजक / स्थान)	तिथि
1.	डॉ. तरुणप्रीत सैनी	—	मौखिक पेपर प्रस्तुति	इंटरनेशनल सायटो-हिस्टो कॉन्फ्रेंस, गोवा	जनवरी 2025

प्रकाशन

शोध-पत्र

1) कुमारी एन, **शर्मा एम**, कौल आर, रायना एस। "कम संसाधन वाले सेटिंग में सेरस एफ़्यूज़न में शराब-फार्मालिन सेल-ब्लॉक तकनीक की पारंपरिक साइटोलॉजी से साइटोमॉर्फोलॉजिकल तुलना।" *Trop Doct.* अक्टूबर 2024;54(4):346-351. doi: 10.1177/00494755241260903. Epub 2024 जुलाई 23. PMID: 39043050.
2) **कौर जी**, मायस डी, शर्मा एन, कुमार सी, चौधरी ए। "सिंक्रोनस ट्रिपल कार्सिनोमा का सह-अस्तित्व – 76 वर्षीय रोगी में शल्य चिकित्सा द्वारा हटाए गए दुर्लभ मामले की रिपोर्ट।" *Int. J. of Adv. Res.* (जुलाई): 882-885.
3) मायस डी, **कौर जी**, शर्मा सी। "यूटेरिन लिपोलीयोमायोमा: केस रिपोर्ट और साहित्य समीक्षा।" *South Asian J Case Rep Rev.* 2025;12(2):37-40.
4) कौंडल ए, **कौर जी**, रेंजेन पी, पारसाद एस, शर्मा एस। "फैलोपियन ट्यूब पैपिलोमा: केस रिपोर्ट्स की व्यवस्थित समीक्षा।" *Niger Med J.* 2025 जनवरी 10;65(6):811-823.
5) सैनी पीएस, अग्रवाल ए, **सैनी टी**। "भारत में एक ऑर्थोपेडिक बर्न रोगी में एंटीमाइक्रोबियल विषाक्तता और सेप्सिस-उत्पन्न प्रसारित इंट्रावास्कुलर कोएगुलेशन का भेदभाव: केस रिपोर्ट।" *J Trauma Inj.* 2025;38(1):44-50. doi:10.20408/jti.2024.0040
6) **सैनी टी**, कुंडू आर, रोहिल्ला एम, गुप्ता पी, गुप्ता एन, श्रीनिवासन आर, साइकिया यूएन, दे पी। "ग्रे ज़ोन बेथेस्डा श्रेणी III – अपरिभाषित महत्व के एटिपिया वाली थायरॉइड लक्षण: संभावित डायग्नोस्टिक मुद्दे और साइटोमॉर्फोलॉजी में इमेज मोर्फोमेट्री का उपयोग।" *Cytojournal.* अक्टूबर 2024;21:38. doi: 10.25259/Cytojournal_86_2023. PMID: 39563672; PMCID: PMC11574686.
7) **सैनी टी**, जैन एस, नारंग टी, यादव आर, रस्तोगी पी। "डर्मेटोलॉजी और हेमाटोलॉजी का पुल: बोन मैरो संलग्नता और पैंसाइटोपेनिया वाले लेप्रोमाटस लेप्रसी का केस।" *J Hematop.* दिसंबर 2024;17(4):251-254. doi: 10.1007/s12308-024-00601-x. Epub 2024 अगस्त 7. PMID: 39107623.
8) मायस डी, कुमार सी, **सैनी टी**। "युवती महिला में लक्षणात्मक एड्रिनल एंडोथीलियल सिस्ट।" *Surg Exp Pathol.* 2025;8. https://doi.org/10.1186/s42047-025-00194-4

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

डॉ. तरुणप्रीत सैनी

1) विली द्वारा समीक्षा लेख के लिए पुरस्कार प्राप्त: "Saini T, Bansal B, Dey P. डिजिटल साइटोलॉजी: वर्तमान स्थिति और भविष्य की संभावनाएं।" *Diagn Cytopathol.* मार्च 2023;51(3):211-218. doi: 10.1002/dc.25099. Epub 2023 जनवरी 3. PMID: 36594526.

भेषजगुण विज्ञान विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पदनाम	कार्यभार ग्रहण की तिथि
1.	प्रो. (डॉ.) दीप्ति चोपड़ा	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	27.07.2022
2.	डॉ. अशोक दुबे	अतिरिक्त आचार्य	10.07.2023
3.	डॉ. अवुला नवीन	सह-आचार्य	05.02.2024
4.	डॉ. मीनाक्षी मीनू	सह-आचार्य	01.07.2024
		सहायक आचार्य	25.11.2020
5.	डॉ. यांगशेन ल्हामो	सह-आचार्य	01.07.2024
		सहायक आचार्य	25.11.2020

विभाग के विषय में

परिचय

एम्स बिलासपुर का भेषजगुण विज्ञान विभाग अपनी स्थापना के बाद से निरंतर विकसित होता रहा है, जिससे चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान और रोगी देखभाल में उत्कृष्टता प्राप्त करने के संस्थान के दृष्टिकोण को बल मिला है। विभाग ने साक्ष्य-आधारित शिक्षण और प्रशिक्षण को बढ़ावा देने और चिकित्सा शिक्षा में समकालीन आवश्यकताओं और प्रगति के अनुरूप शिक्षा में नवीन पद्धतियों को अपनाया है। स्नातक छात्रों को सैद्धांतिक और व्यावहारिक कौशल प्रदान करने के अलावा, विभाग युवा मस्तिष्कों को व्यावसायिक नैतिकता, संचार और करुणा सीखने में मदद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। विभाग प्रतिकूल दवा प्रतिक्रियाओं (एडीआर) की रिपोर्टिंग के महत्व के विषय में समुदाय, रोगियों और स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों को संवेदनशील बनाने के लिए जागरूकता कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से शामिल है। विभाग रोगी देखभाल में उत्कृष्टता के लिए संस्थान के दृष्टिकोण को साझा करता है। विभाग दवाओं के तर्कसंगत उपयोग को बढ़ावा देने के लिए अस्पताल के लिए प्रिस्क्रिप्शन ऑडिट में सक्रिय रूप से शामिल है। संकाय सदस्य स्वयं को उत्कृष्ट बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रहे हैं। पिछले वर्ष, उन्होंने विभिन्न राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय कार्यशालाओं और सम्मेलनों में भाग लेकर और अनुक्रमित पत्रिकाओं में प्रकाशन करके वैज्ञानिक जगत में योगदान दिया है।

एम्स, बिलासपुर का भेषजगुण विज्ञान विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तत्वावधान में भारतीय औषधकोपिया आयोग, गाजियाबाद द्वारा 2021 से मान्यता प्राप्त एक प्रतिकूल औषधि प्रतिक्रिया निगरानी केंद्र (एएमसी) है और राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय औषध सतर्कता कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से योगदान दे रहा है।

दृष्टि:

भेषजगुण विज्ञान विभाग का उद्देश्य एक गतिशील और विशिष्ट शिक्षण वातावरण प्रदान करना है जो बुनियादी और नैदानिक औषध विज्ञान, चिकित्सा विज्ञान और विष विज्ञान में नवीन और अभूतपूर्व अनुसंधान को बढ़ावा देगा। हम बुनियादी और नैदानिक अनुसंधान को एकीकृत करने पर जोर देंगे। हमारे प्राथमिक अनुसंधान क्षेत्रों में फार्माकोजेनोमिक्स, चिकित्सीय औषधि निगरानी, एंटीबायोटिक प्रबंधन, औषधियों का तर्कसंगत उपयोग और विष विज्ञान शामिल हैं, जिनका ध्यान देश के प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य भार पर है। विभाग का लक्ष्य नई चिकित्सीय पद्धतियों और औषधि पुन:प्रयोजन की खोज और विकास को बढ़ावा देना है। संस्थागत, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय समितियों और सामुदायिक संगठनों में प्रशासनिक जिम्मेदारियाँ संभालकर, हम संस्थान और अपने देश की प्रगति में योगदान देंगे।

रोगी देखभाल सेवाएँ

एडीआर निगरानी, प्रिस्क्रिप्शन ऑडिट, रोगियों के प्रति निवासियों का संवेदीकरण।

शैक्षणिक पाठ्यक्रम

एम.बी.बी.एस. , एमडी, बीएससी नर्सिंग।

भविष्य की योजनाएँ: चिकित्सीय औषधि निगरानी सेवाएँ, रोगाणुरोधी प्रबंधन कार्यक्रम और विष नियंत्रण केंद्र।

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

क्र. सं.	कार्यक्रम का शीर्षक	कार्यक्रम का प्रकार	विषय / केंद्रित क्षेत्र	तिथि एवं स्थान	आयोजन टीम	सहयोगी संगठन (यदि कोई हो)	प्रतिभागी
1.	प्रिस्क्रिप्शन लिखने के कौशल पर वेबिनार	वेबिनार	प्रिस्क्रिप्शन लेखन	19 अप्रैल 2024, एम्स बिलासपुर	फार्माकोलॉजी विभाग	-	100; यूजी एवं स्नातकोत्तर छात्र
2.	"नेशनल वर्कशॉप ऑन गुड क्लिनिकल प्रैक्टिस (GCP)", "टेस्ट करने के लिए वर्तमान नैतिक दिशानिर्देश" पर कार्यशाला	कार्यशाला	जीसीपी -एथिक्स	13 मई 2024, एम्स बिलासपुर	फार्माकोलॉजी विभाग और आईईसी	-	1000 (संकाय एवं रेजिडेंट्स)
3.	फार्माकोविजिलेंस सप्ताह	संवेदनशीलता व्याख्यान और वेबिनार	फार्माकोविजिलेंस	17-23 सितम्बर 2024, एम्स बिलासपुर	फार्माकोलॉजी विभाग	आई.पी.सी., गाजियाबाद	100; यूजी एवं स्नातकोत्तर छात्र
4.	एनसीएस और एएफटी एपीपीआई के तहत	कार्यशाला	न्यूरल कंडक्शन स्टडीज	29 जनवरी 2025, एम्स बिलासपुर	APPI कार्यकारी सदस्य	APPI (हिमाचल चैप्टर)	60 (संकाय एवं रेजिडेंट्स)

सीएमई/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान/पत्र या पोस्टर प्रस्तुत किए गए

क्र. सं.	संकाय का नाम	लेक्चर/पेपर/पोस्टर का शीर्षक	योगदान का प्रकार	कार्यक्रम विवरण (आयोजक/स्थान)	तिथि
1.	डॉ. अवुला नवीन	स्वयं-निर्देशित शिक्षा : भारत के दूरदराज के द्वीप पर मेडिकल छात्रों के विचार और तैयारी	मौखिक प्रस्तुति	13वीं वार्षिक मेडिकल शिक्षा प्रौद्योगिकी सम्मेलन, हैदराबाद	10-12 जनवरी 2025
2.	डॉ. मीनाक्षी मीनू	रैंडमाइज्ड क्लिनिकल ट्रायल	आमंत्रित वक्ता	वार्षिक रिसर्च मीट 2024 "रिसर्च मेथडोलॉजी और गुड क्लिनिकल प्रैक्टिस (जीसीपी)" काठमांडू, नेपाल	05-07 अगस्त 2024
3.	डॉ. मीनाक्षी मीनू	एंटीमाइक्रोबियल स्टिवर्डशिप प्रोग्राम में क्लिनिकल फार्माकोकाइनेटिक्स का अनुप्रयोग	आमंत्रित वक्ता	3री नेशनल कॉन्फ्रेंस और वर्कशॉप, एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल फार्माकोलॉजिस्ट्स, एक्ट्रेक, टाटा मेमोरियल सेंटर, मुंबई	26-27 सितम्बर 2024

4.	डॉ. मीनाक्षी मीनू	कैंसर दवाओं की वित्तीय विषाक्तता और इसका स्वास्थ्य देखभाल व कैंसर रोगियों की जीवन गुणवत्ता पर प्रभाव	आमंत्रित संकाय	54वीं वार्षिक सम्मेलन, इंडियन फार्माकोलॉजिकल सोसाइटी	28-30 नवम्बर 2024
5.	डॉ. यांगशेन ल्हामो		पोस्टर प्रस्तुति	अंतरराष्ट्रीय फार्माकोलॉजी कॉन्फ्रेंस 2024 और 54वीं वार्षिक सम्मेलन, इंडियन फार्माकोलॉजिकल सोसाइटी 2024	28-30 नवम्बर 2024

प्रकाशन

शोध-पत्र

1) सिद्धू जेके, **चोपड़ा डी.** फेबुक्सोस्टैट प्रेरित स्टीवंस जॉनसन सिंड्रोम: एक केस रिपोर्ट। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिस्क सेफ मेड. 2024 नवंबर;35(4):334-336. doi: 10.1177/09246479241292014. ई-प्रकाशन 2024 नवंबर 5. पीएमआईडी: 39973416.
2) **ल्हामो वाई**, पुरोहित के, सिंह एस, **चोपड़ा डी,** भारती एम. एक उत्तरी भारतीय तृतीयक देखभाल सुविधा से प्रतिकूल दवा प्रतिक्रियाओं का पैटर्न, गंभीरता और रोकथाम: एक पूर्वव्यापी विश्लेषण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिस्क सेफ मेड. 2025 फरवरी;36(1):5-13. doi: 10.1177/09246479241304316. ईपब 2024 दिसंबर 5. पीएमआईडी: 39973423.
3) चतुर्वेदी ए, **दुबे ए.के., नवीन ए**, श्रावणी एमआर. अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में जन औषधि दुकानों की उपयोगिता और जेनेरिक दवाओं के विषय में जागरूकता: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन। क्यूरियस। 2024 अप्रैल 4;16(4):e57630. doi: 10.7759/क्यूरियस.57630. पीएमआईडी: 38711720; पीएमसीआईडी: पीएमसी11070736.
4) कुमार डीएस, प्रशांत के, भंडारी ए, कुमार झा वी, **नवीन ए**, प्रसन्ना एम. एक सुरक्षित कल के लिए कोविड-19 टीकों के विकास में नवाचार और चुनौतियाँ। क्यूरियस। 2024 मई 10;16(5):e60015 doi: 10.7759/क्यूरियस.60015.
5) **मीनू एम**, धीमान पी, कुमार एम, प्रधान पी, पांडे एस. आवर्ती/मेटास्टेटिक/अनरिसेक्टेबल सिर और गर्दन स्क्वैमस सेल कैंसर के रोगियों में पेम्ब्रोलिज़ुमाब की प्रभावशीलता पर वास्तविक दुनिया के साक्ष्य: एक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण। क्यूरियस। 2025 जनवरी 1;17(1):e76709. doi: 10.7759/क्यूरियस.76709
6) धीमान पी, पाटिल सी, कोनीमेनी एस, **मीनू एम.** भारत में मानक देखभाल उपचार से गुजर रहे स्तन कैंसर रोगियों में ट्रिपल-नेगेटिव, HER2/Neu, और Ki67 मार्कर: ट्यूमर की आक्रामकता और उत्तरजीविता परिणामों पर वास्तविक दुनिया के साक्ष्य। क्यूरियस 17(2):e78798. doi:10.7759/क्यूरियस.78798.
7) देसवाल एम, यादव डी, कुमार वी, **मीनू एम.**, तंवर पी, श्रीवास्तव एस, सिंह पी, संदीप के. प्रारंभिक और देर से कैस्ट्रेशन-प्रतिरोधी प्रोस्टेट कैंसर में क्लिनिको-पैथोलॉजिकल कारक और एआर-एलबीडी म्यूटेशन। कैंसर प्रबंधन अनुसंधान। 2024;16:1509-1516।
8) पुरोहित के, सिद्दीकी एडब्ल्यू, आर्य ए, **ल्हामो वाई**, सिंह एस. विल्डाग्लिप्टिन-मेटफॉर्मिन और ग्लिपिरिमाइड-मेटफॉर्मिन संयोजन वाले टाइप 2 मधुमेह रोगी: मधुमेह सुरक्षा प्रोफ़ाइल (एडीडीक्यूओएल) पर निर्भर जीवन की गुणवत्ता की तुलना करने वाला एक खोजपूर्ण अध्ययन। 14(6): 3949-64
9) पुरोहित के, सिद्दीकी एडब्ल्यू, सिंह एस, आर्य ए, **ल्हामो वाई**. मधुमेह के रोगियों में उपचार संतुष्टि के निर्धारक: रोगी द्वारा बताए गए परिणामों का महत्व। आईजेपीसीआर, 2024; 16(2); 928-33

पुस्तक में अध्याय

क्र. सं.	लेखक	अध्याय एवं पुस्तक का शीर्षक	संपादक का नाम	आई.एस.बी. एन. संख्या	संस्करण और वर्ष	प्रकाशक

1.	दुबे ए.के., नवीन ए.	न्यूरोडीजेनेरेटिव विकारों का प्रबंधन: नवीनतम महत्वपूर्ण विकास और पाइपलाइन में लक्षित उपचार (खंड I)। में: MPS क्रूशियल फार्माकोलॉजी ट्रेंड्स	मूर्ति एम.एस. (संपादक)	979-8896-326-205	प्रथम संस्करण, 2024	नोशन प्रेस

सामुदायिक सेवा

1) 24 जनवरी 2025 को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, कोठीपुरा में "ओवर द काउंटर और स्व-चिकित्सा" विषय पर एक अतिथि व्याख्यान दिया गया, जिसमें स्व-चिकित्सा के नुकसान और इसके स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभावों के विषय में जागरूकता फैलाई गई।
2) 18 नवंबर 2024 को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मार्कंड में रोगाणुरोधी दवाओं के तर्कसंगत उपयोग और रोगाणुरोधी प्रतिरोध पर एक सामुदायिक आउटरीच और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें रोगाणुरोधी प्रबंधन के महत्व और एएमआर के सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रभाव पर प्रकाश डाला गया।
3) 21 सितंबर 2024 को एम्स बिलासपुर में डॉक्टरों, नर्सिंग अधिकारियों, स्वास्थ्य अधिकारियों, रोगियों, रिश्तेदारों और अन्य स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए एक वॉकथॉन का आयोजन किया गया, ताकि भारतीय फार्माकोविजिलेंस कार्यक्रम में प्रतिकूल दवा प्रतिक्रियाओं की रिपोर्ट करने के विषय में जागरूकता बढ़ाई जा सके।
4) 20 सितंबर 2024 को एम्स बिलासपुर के ओपीडी ब्लॉक में स्वास्थ्य कर्मियों, मरीजों और उनके रिश्तेदारों के लिए एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया, जिसमें भारतीय फार्माकोविजिलेंस कार्यक्रम में प्रतिकूल दवा प्रतिक्रियाओं की रिपोर्टिंग के महत्व के विषय में जागरूकता फैलाई गई।
5) 19 सितंबर 2024 को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मार्कंड में एक और नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया, जिसमें भारतीय फार्माकोविजिलेंस कार्यक्रम में प्रतिकूल दवा प्रतिक्रियाओं की रिपोर्टिंग के विषय में जागरूकता फैलाई गई।
6) 19 सितंबर 2024 को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मार्कंड में डॉक्टरों, नर्सिंग अधिकारियों, स्वास्थ्य अधिकारियों, मरीजों, रिश्तेदारों और अन्य स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए जागरूकता व्याख्यान आयोजित किए गए, जिसमें फार्माकोविजिलेंस कार्यक्रम के तहत प्रतिकूल दवा प्रतिक्रियाओं की रिपोर्टिंग की आवश्यकता पर बल दिया गया।
7) 19 सितंबर 2024 को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, कोठीपुरा में स्कूली छात्रों के लिए एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों को प्रतिकूल दवा प्रतिक्रियाओं की रिपोर्टिंग के महत्व के विषय में जागरूक किया गया।
8) व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत 7 मई 2024 को एम्स बिलासपुर के फार्माकोलॉजी विभाग में एक प्रदर्शन और अवलोकन यात्रा आयोजित की गई, जहाँ स्कूली छात्रों को शिक्षण, प्रशिक्षण, रोगी देखभाल और अनुसंधान सहित विभागीय गतिविधियों से परिचित कराया गया।

भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पदनाम	कार्यभार ग्रहण की तिथि
1.	डॉ. हिमांशु अग्रवाल	सहायक आचार्य	24.03.2025

विभाग के विषय में

परिचय

शारीरिक चिकित्सा एवं पुनर्वास विभाग (पीएम एंड आर) शारीरिक विकलांगताओं और कार्यात्मक अक्षमताओं वाले व्यक्तियों की रोकथाम, निदान, उपचार और पुनर्वास के लिए प्रतिबद्ध है। विभाग कार्यात्मक स्वतंत्रता को बढ़ाने, जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने और सामाजिक भागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से व्यापक, रोगी-केंद्रित देखभाल प्रदान करता है। बहु-विषयक दृष्टिकोण के साथ, पीएम एंड आर समग्र पुनर्वास सेवाएँ प्रदान करने के लिए चिकित्सा प्रबंधन, चिकित्सीय हस्तक्षेप, प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स, और रोगी शिक्षा को एकीकृत करता है। विभाग तंत्रिका संबंधी, मस्कुलोस्केलेटल, बाल चिकित्सा, वृद्धावस्था और दर्द संबंधी विकारों सहित विभिन्न प्रकार की स्थितियों का उपचार करता है। यह गतिशीलता बहाल करने, विकलांगता को कम करने और रोगियों को उनके परिवारों, कार्यस्थलों और समुदायों में पुनः एकीकृत करने के लिए सशक्त बनाने पर केंद्रित है। अपने दृष्टिकोण के अनुरूप, पीएम एंड आर विकलांगता के बोझ को कम करने के लिए शीघ्र हस्तक्षेप, निवारक रणनीतियों और स्वस्थ जीवनशैली प्रथाओं को बढ़ावा देने पर भी जोर देता है।

दृष्टि

हिमाचल प्रदेश में शारीरिक चिकित्सा एवं पुनर्वास के क्षेत्र में उत्कृष्टता के एक अग्रणी केंद्र के रूप में उभरना, जो दिव्यांग व्यक्तियों की क्षमताओं को पुनर्स्थापित करने, उनकी स्वतंत्रता को बढ़ावा देने और उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए समर्पित हो। विभाग व्यापक पुनर्वास देखभाल, उन्नत अनुसंधान और शैक्षणिक उत्कृष्टता में एक क्षेत्रीय अग्रणी बनने का लक्ष्य रखता है, जिससे उत्तर भारत में दिव्यांग देखभाल के क्षेत्र में नए मानक स्थापित हों।

लक्ष्य

- वंचित ग्रामीण और पहाड़ी क्षेत्रों सहित समाज के हर वर्ग के लिए अत्याधुनिक, रोगी-केंद्रित पुनर्वास सेवाएँ सुलभ कराना।
- हिमाचल प्रदेश और उसके पड़ोसी राज्यों की विशिष्ट भौगोलिक, सामाजिक और सांस्कृतिक आवश्यकताओं के अनुरूप नवीन पुनर्वास मॉडल विकसित और कार्यान्वित करना।
- सशक्त शिक्षण, प्रशिक्षण और मार्गदर्शन कार्यक्रमों के माध्यम से पीएमआर के क्षेत्र में उच्च कुशल पेशेवरों का विकास करना।
- कृत्रिम अंग, ऑर्थोटिक्स और सहायक उपकरणों में अनुसंधान, नवाचार और अत्याधुनिक तकनीकों के अनुप्रयोग के माध्यम से पुनर्वास विज्ञान को आगे बढ़ाना।
- समुदाय-आधारित पुनर्वास पहलों का नेतृत्व करना, विकलांगता निवारण, एर्गोनॉमिक्स और स्वस्थ जीवन शैली के विषय में जागरूकता फैलाना।
- पुनर्वास देखभाल के मानकों को उन्नत करने और विकलांग व्यक्तियों का सम्मान और समानता के साथ सामाजिक पुनर्मिलन सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सहयोग करना।

टैगलाइन/ आदर्श वाक्य

"क्षमताओं की पुनर्स्थापना, जीवन का पुनर्निर्माण, हिमाचल प्रदेश और उसके बाहर संभावनाओं की पुनर्परिभाषा।"

रोगी देखभाल सेवाएँ:

मौजूदा पुनर्वास सेवाओं के अलावा, भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास विभाग का उद्देश्य हिमाचल प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों में रोगियों की बढ़ती ज़रूरतों को पूरा करने के लिए विशेष क्लीनिकों और केंद्रों की स्थापना के माध्यम से अपने दायरे का विस्तार करना है। इनमें शामिल हैं:

- बाह्य रोगी सेवाएँ - मस्कुलोस्केलेटल विकारों, तंत्रिका संबंधी विकलांगताओं, दर्द सिंड्रोम, बाल चिकित्सा और वृद्धावस्था पुनर्वास आवश्यकताओं, प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स सहायता, मुद्रा और एर्गोनॉमिक्स मार्गदर्शन, और रोगी शिक्षा के लिए, जिसमें कार्यक्षमता और स्वतंत्रता की बहाली पर बहु-विषयक ध्यान केंद्रित किया जाएगा।
- रोगी सेवाएँ - रीढ़ की हड्डी की चोट के रोगियों, अंग-विच्छेदन पुनर्वास, मधुमेह पैर देखभाल के लिए।
- हस्तक्षेप दर्द क्लिनिक - यूएसजी, सी-एआरएम और न्यूनतम आक्रामक प्रक्रियाओं द्वारा साक्ष्य-आधारित

हस्तक्षेपों के माध्यम से पुराने दर्द के उन्नत प्रबंधन के लिए।

- स्पास्टिसिटी क्लिनिक - औषधीय, पुनर्वास और हस्तक्षेप विधियों का उपयोग करके तंत्रिका संबंधी विकारों में स्पास्टिसिटी के व्यापक मूल्यांकन और उपचार के लिए समर्पित।
- कैंसर पुनर्वास क्लिनिक - कैंसर से बचे लोगों द्वारा सामना की जाने वाली शारीरिक, कार्यात्मक और मनोसामाजिक
- चुनौतियों का समाधान करने के लिए, उन्हें दैनिक जीवन में पुनः एकीकृत करने में सहायता प्रदान करना।
- बाल चिकित्सा पुनर्वास क्लिनिक - बच्चों में कार्यात्मक परिणामों को अधिकतम करने के लिए प्रारंभिक हस्तक्षेप, विकासात्मक विलंब, मस्तिष्क पक्षाघात और तंत्रिका विकास संबंधी विकारों पर ध्यान केंद्रित करना।
- स्ट्रोक पुनर्वास केंद्र - स्ट्रोक से बचे लोगों के लिए गहन, बहु-विषयक देखभाल प्रदान करने वाली एक विशेष इकाई, जिसका उद्देश्य स्वास्थ्य लाभ, स्वतंत्रता और जीवन की गुणवत्ता को बढ़ावा देना है।

इन आगामी पहलों के माध्यम से, विभाग एक व्यापक और एकीकृत पुनर्वास पारिस्थितिकी तंत्र बनाने की परिकल्पना करता है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि रोगियों को एक ही छत के नीचे विशिष्ट, समग्र और रोगी-केंद्रित देखभाल प्राप्त हो।

शैक्षणिक पाठ्यक्रम:

एमडी पाठ्यक्रम, हस्तक्षेप दर्द प्रबंधन और कैंसर पुनर्वास में फेलोशिप शुरू करना।

भविष्य की योजनाएँ:

- प्रोस्थेटिक और ऑर्थोटिक कार्यशाला शुरू करना।
- 3डी मोशन गेट लैब शुरू करना।
- बाल रोगियों के लिए एक बहु-संवेदी पुनर्वास इकाई शुरू करना।
- मधुमेह पैर देखभाल क्लिनिक शुरू करना।
- वृद्धावस्था पुनर्वास इकाई शुरू करना।

शरीर क्रिया विज्ञान विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पदनाम	कार्यभार ग्रहण की तिथि
1.	प्रो. (डॉ.) रूपाली पारलेवार	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	08.02-.2021
2.	डॉ. पुनम वर्मा	अतिरिक्त आचार्य	01.01.2021
3.	डॉ. हितेशकुमार जानी	सह आचार्य	01.07.2024
		सहायक आचार्य	09.12.2020
4.	डॉ. प्रीति भंडेरी	सह आचार्य	01.07.2024
		सहायक आचार्य	09.12.2020
5.	डॉ. भूपेन्द्र पटेल	सह आचार्य	01.07.2024
		सहायक आचार्य	14.12.2020
6.	डॉ. हर्षाली रंखंबे	सह आचार्य	03.10.2024
7.	डॉ. नवदीप आहूजा	सहायक आचार्य	18.03.2024

विभाग के विषय में

परिचय

एम्स बिलासपुर का शरीर क्रिया विज्ञान विभाग चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान में उत्कृष्टता प्राप्त कर रहा है और मानव शरीर के कार्यों की गहरी समझ को बढ़ावा दे रहा है। उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्ध, हमारे प्रतिष्ठित संकाय अनुसंधान को नवीन शिक्षण विधियों के साथ एकीकृत करते हैं, जिससे छात्र चिकित्सा क्षेत्र में अग्रणी बनने के लिए तैयार होते हैं। हमारी अत्याधुनिक प्रयोगशालाएँ और सहयोगात्मक वातावरण, अनुवादित स्वास्थ्य सेवा में प्रगति को बढ़ावा देते हैं। कठोर शैक्षणिक कार्यक्रमों और व्यावहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से, हम भावी स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों को शारीरिक ज्ञान को नैदानिक अभ्यास में अनुवाद करने, रोगी देखभाल को बेहतर बनाने और वैश्विक चिकित्सा समुदाय में योगदान देने के लिए सशक्त बनाते हैं।

दृष्टि

क) शिक्षा में उत्कृष्टता: छात्रों को शारीरिक सिद्धांतों और चिकित्सा पद्धति में उनके अनुप्रयोगों की गहन समझ से लैस करने वाली शीर्ष स्तरीय शिक्षा प्रदान करना।

ख) नवोन्मेषी अनुसंधान: ऐसे अग्रणी अनुसंधान का नेतृत्व करना जो फिजियोलॉजी के क्षेत्र को आगे बढ़ाए, नई चिकित्सा अंतर्दृष्टि और बेहतर स्वास्थ्य सेवा समाधानों में योगदान दे।

ग) अंतःविषय सहयोग: एक सहयोगात्मक वातावरण को बढ़ावा देना जो अंतःविषय साझेदारी को प्रोत्साहित करे, और अन्य चिकित्सा और वैज्ञानिक विषयों के साथ शारीरिक ज्ञान के एकीकरण को बढ़ाए।

घ) अत्याधुनिक सुविधाएँ: अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं और शिक्षण सुविधाओं का रखरखाव और निरंतर उन्नयन करना, ताकि एक इष्टतम शिक्षण और अनुसंधान वातावरण सुनिश्चित हो सके।

ङ) वैश्विक नेतृत्व: विभाग को शारीरिक शिक्षा और अनुसंधान में वैश्विक अग्रणी के रूप में स्थापित करना, और दुनिया भर में स्वास्थ्य सेवा प्रथाओं और नीतियों को प्रभावित करना।

च) सामुदायिक प्रभाव: सामुदायिक आउटरीच और सार्वजनिक स्वास्थ्य पहलों में संलग्न होना, स्वास्थ्य परिणामों में सुधार और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए शारीरिक विशेषज्ञता का उपयोग करना।

लक्ष्य

शैक्षिक उत्कृष्टता: शरीर क्रिया विज्ञान में उच्च-गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान करना, छात्रों में आलोचनात्मक सोच, नवाचार और मानव जीव विज्ञान की गहरी समझ को बढ़ावा देना।

अत्याधुनिक अनुसंधान: ऐसे अभूतपूर्व अनुसंधान करना जो शारीरिक ज्ञान की सीमाओं का विस्तार करें और वैज्ञानिक खोजों को नैदानिक प्रगति में परिवर्तित करें।

अंतःविषय एकीकरण: अंतःविषय सहयोग को बढ़ावा देना, व्यापक स्वास्थ्य सेवा समाधानों को बढ़ाने के लिए विभिन्न चिकित्सा और वैज्ञानिक क्षेत्रों के साथ शारीरिक सिद्धांतों को एकीकृत करना।

व्यावसायिक विकास: संकाय, छात्रों और कर्मचारियों के निरंतर व्यावसायिक विकास को समर्थन प्रदान करना, शरीर क्रिया विज्ञान के क्षेत्र में आजीवन सीखने और नेतृत्व को प्रोत्साहित करना।

सामुदायिक जुड़ाव: आउटरीच कार्यक्रमों, सार्वजनिक स्वास्थ्य पहलों और शैक्षिक साझेदारियों के माध्यम से समुदाय के साथ सक्रिय रूप से जुड़ना, स्वास्थ्य साक्षरता और समग्र कल्याण में सुधार लाना।

रोगी देखभाल सेवाएँ

विभाग निम्नलिखित रोगी देखभाल सेवाएँ प्रदान कर रहा है:

1. स्वायत्त कार्य परीक्षण प्रयोगशाला
2. तंत्रिका विज्ञान विभाग के सहयोग से तंत्रिका शरीर क्रिया विज्ञान प्रयोगशाला।
3. निदान सेवाओं के लिए निद्रा प्रयोगशाला।
4. जीवनशैली प्रबंधन क्लिनिक
5. फुफ्फुसीय कार्य परीक्षण सेवाएँ।

शैक्षणिक

- विभाग एम.बी.बी.एस. और नर्सिंग एवं संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान के छात्रों की शिक्षण गतिविधियों में सक्रिय रूप से संलग्न है।
- वर्ष 2024-25 में, संकाय सदस्यों द्वारा एम.बी.बी.एस. पाठ्यक्रम के लिए कुल 449 घंटे और नर्सिंग/पैरामेडिकल के लिए 184 घंटे का शिक्षण किया गया। इसमें व्याख्यान/प्रैक्टिकल कक्षा/प्रदर्शन/सेमिनार/क्विज़/एसडीएल/ईसीई/छोटे समूह शिक्षण आदि शामिल हैं।
- विभाग में जनवरी 2024 बैच में एक एमडी फिजियोलॉजी रेजिडेंट को प्रवेश मिला है।

अनुसंधान एवं नवाचार

- विभाग के अनुसंधान प्रोफ़ाइल को सुदृढ़ करने के लिए भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) जैसे बाह्य वित्त पोषण निकायों को अनुसंधान प्रोटोकॉल प्रस्तुत किए गए हैं।
- विभाग द्वारा सात अंतःविषय अनुसंधान प्रस्ताव भी प्रस्तुत किए गए हैं।

भविष्य की योजनाएँ

- अंतःक्रियात्मक न्यूरोफिज़ियोलॉजिकल मॉनिटरिंग (आईओएनएम) सेवाएँ प्रदान करना
- कार्डियो पल्मोनरी एक्सरसाइज टेस्टिंग (सीपीईटी) मशीन की खरीद के बाद लाइफस्टाइल प्रबंधन क्लिनिक में व्यायाम संबंधी नुस्खे सेवाएँ जोड़ना।
- एम्बुलेटरी ब्लड प्रेशर मॉनिटर (एबीपीएम) की खरीद के बाद एम्बुलेटरी ब्लड प्रेशर मॉनिटरिंग सेवाएँ शुरू करना।
- शरीर क्रिया विज्ञान संकायों द्वारा अधिक बाह्य अनुसंधान अनुदान प्राप्त करना।

सीएमई/कार्यशाला/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

क्र. सं.	कार्यक्रम का शीर्षक	कार्यक्रम का प्रकार	विषय / केंद्रित क्षेत्र	तिथि एवं स्थान	आयोजन टीम	सहयोगी संस्थाएँ (यदि कोई हों)	सहभागिता
1.	ए.एफ.टी. और एनसीवी पर सीएमई एवं कार्यशाला	सीएमई एवं कार्यशाला	ए.एफ.टी & एनसीवी	29 जनवरी 2025, एम्स बिलासपुर	शरीर क्रिया विज्ञान विभाग	एपीपीआई के तत्वावधान में	~210 प्रतिभागी (संकाय / स्नातकोत्तर छात्र)
2.	विश्व नींद दिवस पर वेबिनार	वेबिनार	नींद स्वच्छता जागरूकता	19 मार्च 2025 (हाइब्रिड)	शरीर क्रिया विज्ञान विभाग	-	~140 प्रतिभागी (संकाय / स्नातकोत्तर छात्र)
3.	विश्व ध्यान दिवस समारोह	जागरूकता और अभ्यास सत्र	ध्यान	21 दिसंबर 2024, एम्स बिलासपुर	शरीर क्रिया विज्ञान विभाग	-	~100 प्रतिभागी (संकाय / स्टाफ / स्नातकोत्तर छात्र)

सीएमई/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान/पत्र या पोस्टर प्रस्तुत किए गए

क्र. सं.	संकाय का नाम	व्याख्यान/पेपर/पोस्टर का शीर्षक	योगदान का प्रकार	कार्यक्रम का विवरण (नाम/आयोजक/स्थान)	तिथि
1.	डॉ. रूपाली पारलेवार	जीवनशैली हस्तक्षेप: जीवनशैली चिकित्सा के स्तंभ	अतिथि वक्ता	ऐपिकॉन 2024, ईएसआई मेडिकल कॉलेज, चेन्नई	12-14 दिसंबर 2024
2.	डॉ. रूपाली पारलेवार	संवेदी और मोटर नस संचार पैरामीटर का सामान्य डेटा: लिंग आधारित अंतर और स्वस्थ व्यक्तियों में आयु एवं कद का प्रभाव	मौखिक पेपर प्रस्तुति	आईएफएनआरकॉन, सीएमसी लुधियाना	27-29 मार्च 2025
3.	डॉ. पुनम वर्मा	जीवनशैली विकारों में नींद और व्यायाम की भूमिका	वक्ता और संगोष्ठी समन्वयक	ऐपिकॉन 2024, ईएसआई मेडिकल कॉलेज, चेन्नई	12-14 दिसंबर 2024
4.	डॉ. पुनम वर्मा	आत्म-प्रतिबिंबन: एक उपेक्षित शिक्षण उपकरण के रूप में शिक्षार्थी सहभागिता के लिए उत्प्रेरक	अतिथि वक्ता	10वीं एफआईपीएस & 10वीं एसोसोपिकॉन, एम्स पटना	21-26 अक्टूबर 2024
5.	डॉ. पुनम वर्मा	चिकित्सा शिक्षा में उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना	पैनल सदस्य	10वीं एफआईपीएस & 10वीं एसोसोपिकॉन, एम्स पटना	21-26 अक्टूबर 2024
6.	डॉ. पुनम वर्मा	चिकित्सा छात्रों में नींद की गुणवत्ता, स्वच्छता जागरूकता और अभ्यास का संबंध: कॉलेज आधारित प्रेक्षणात्मक अध्ययन	मौखिक पेपर प्रस्तुति	11वीं एशियाई नींद अनुसंधान समाज कांग्रेस और 8वीं एशियाई क्रोनोबायोलॉजी फोरम, होटल एंडाज, एरोसिटी, नई दिल्ली	8-9 फरवरी 2025
7.	डॉ. पुनम वर्मा	उच्च-Altitude जनजातियों में आयु और लिंग संबंधित हृदय स्वायत्त कार्य में भिन्नता: लाहौल-स्पीति में प्रेक्षणात्मक अध्ययन	मौखिक पेपर प्रस्तुति	ऐपिकॉन 2024, ईएसआई मेडिकल कॉलेज, चेन्नई	12-14 दिसंबर 2024
8.	डॉ. पुनम वर्मा	नस संचार अध्ययन के मूल तत्व	अतिथि वक्ता	सीएमई एवं कार्यशाला ऑन इलेक्ट्रोमायोग्राफी, AIMS मोहाली, पंजाब	21 मार्च 2025
9.	डॉ. नवदीप अहूजा	स्वास्थ्य का भविष्य: कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में जीवनशैली चिकित्सा	अतिथि वक्ता	ग्लोबल लेक्चर सीरीज, All-इंडिया रिसर्च स्कॉलर्स एसोसिएशन वर्चुअल प्लेटफार्म	14 जुलाई 2024
10.	डॉ. नवदीप अहूजा	ध्यान: फिजियोलॉजी और प्रमाण	अतिथि वक्ता	विश्व ध्यान दिवस समारोह	21 दिसंबर 2024

11.	डॉ. नवदीप अहूजा	जीवनशैली विकारों में जीवनशैली हस्तक्षेप के प्रमाण	अतिथि वक्ता	ऐपिकॉन 2024, ईएसआई मेडिकल कॉलेज, चेन्नई	12-14 दिसंबर 2024

प्रकाशन

शोध-पत्र

1) **वर्मा पी, जानी एच, भंडेरी पी**, सैनी पीके, **पारलेवार आर.** घ्राण सीमा में आयु और हार्मोन संबंधी परिवर्तनशीलता: लागत प्रभावी मात्रात्मक घ्राणमिति। रेस जे मेड साइंस। 2024 अगस्त 4;18(8):549–56।
2) **जानी एच. वर्मा पी, भंडेरी पी, पटेल बी, पारलेवार आरके.** बदलाव को समझना: महामारी के दौरान मेडिकल छात्रों के लिए ऑनलाइन परीक्षा। एजेबीआर। 2024 दिसंबर 13;7234–8।
3) **आहूजा एन,** पठानिया एम, मोहन एल, आदि। उच्च रक्तचाप से ग्रस्त वयस्कों में रक्तचाप और हृदय गति परिवर्तनशीलता पर योग निद्रा हस्तक्षेप का प्रभाव: एक एकल-भुजा हस्तक्षेप परीक्षण। क्यूरियस। 2025;17(1):e77717। doi:10.7759/क्यूरियस.77717
4) मेहता टी, जैन पी, पठानिया एम, **आहूजा एन**, भाटिया एम. एकीकृत चिकित्सा के अभ्यास और शिक्षण के प्रति भारतीय चिकित्सा छात्रों का दृष्टिकोण। जे एसोसिएट फिजिशियन इंडिया। 2024 जून;72(6):109-110। doi:10.59556/japi.72.0550। पीएमआईडी: 38881149।

पुस्तक में अध्याय

क्र. सं.	लेखक/लेखक गण	अध्याय और पुस्तक का शीर्षक	संपादक का नाम	आई.एस.बी.एन. संख्या	संस्करण और वर्ष	प्रकाशक
1.	डॉ. नवदीप आहूजा	शरीर, श्वास और मन का समन्वय: सार्वजनिक सेवा में तनाव और बर्नआउट पर सहनशीलता के लिए योग रणनीतियाँ	1. लियोनार्ड ब्राइट 2. जोस एंटोनियो 3. मिरोन कनेलो	978-0-85014-744-5	प्रथम संस्करण, अक्टूबर 2024	इंटेकओपन

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ

1) डॉ. पूनम वर्मा को 24 अगस्त 2024 को स्टार टाइम मीडिया ग्रुप द्वारा बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश में फिजियोलॉजी में सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता का पुरस्कार प्रदान किया गया।
2) डॉ. भूपेंद्र पटेल और डॉ. नवदीप आहूजा को 30 नवंबर 2024 को आईआईटी मंडी में बी.टेक पाठ्यक्रम के लिए मूल्यांकनकर्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।

सामुदायिक सेवा

1) अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2024 से पहले संकाय/कर्मचारियों/छात्रों के लिए एक महीने का योग सत्र और समुदाय के लिए एक सप्ताह का योग सत्र।
2) एम्स बिलासपुर के ओपीडी क्षेत्र में फिजियोलॉजी संकायों द्वारा योग और स्वस्थ जीवनशैली के स्वास्थ्य पर प्रभाव पर सामुदायिक जागरूकता वार्ता दी गई।
3) सिविल अस्पताल मार्कंड में फिजियोलॉजी संकायों द्वारा विश्व निद्रा दिवस के अवसर पर निद्रा स्वच्छता पर सामुदायिक जागरूकता वार्ता दी गई।

मनोरोग विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पदनाम	कार्यभार ग्रहण की तिथि
1.	डॉ. ज्योति गुप्ता	सहायक आचार्य	28.11.2020
2.	डॉ. भूपेन्द्र यादव	सहायक आचार्य	08.09.2023

विभाग के विषय में

परिचय

विभाग की स्थापना नवंबर 2020 में हुई थी। नैदानिक सेवाएँ ई-संजीवनी ओपीडी और फिर आयुष ब्लॉक में सप्ताह में तीन बार ओपीडी से शुरू हुईं। नैदानिक मनोवैज्ञानिकों के शामिल होने और बुनियादी मनोचिकित्सा उपकरणों की खरीद के साथ, मनोचिकित्सा शुरू हुई। मनोचिकित्सा हस्तक्षेपों को बढ़ाया गया। दिसंबर 2023 में 30 बिस्तरों वाले अलग मनोचिकित्सा वार्ड के रूप में इनडोर सुविधाएँ शुरू हुईं। वर्तमान में हमारे पास 1 बाल मनोवैज्ञानिक, 1 नैदानिक मनोवैज्ञानिक और 2 वरिष्ठ रेजिडेंट हैं। वर्ष 2024-25 के अंत तक नवीनीकरण की प्रक्रिया लगभग पूरी हो जाएगी। इस वर्ष मनोरंजन सुविधाओं में वृद्धि की गई और भर्ती मरीजों के लिए योग भी शुरू किया गया। नशा मुक्ति उपचार सुविधा (केवल ओपीडी) का प्रस्ताव भेजा गया है और विचाराधीन है। डॉ. भूपेंद्र यादव और बाल मनोवैज्ञानिक सुश्री शिवरंजनी सिंह ने बाल एवं किशोर मनोचिकित्सा विभाग, निमहंस, बेंगलुरु, कर्नाटक (20 मार्च 2025 से 31 मार्च 2025) में "विकलांग बच्चों के लिए हस्तक्षेप में बाल संरक्षण और मानसिक स्वास्थ्य परिप्रेक्ष्य को एकीकृत करना" विषय पर आयोजित प्रशिक्षण में भाग लिया। इस प्रकार प्राप्त ज्ञान बेहतर बाल एवं किशोर मानसिक स्वास्थ्य सेवाएँ स्थापित करने में मदद करेगा।

लक्ष्य

स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों के प्रशिक्षण, अनुसंधान प्रगति और सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देकर नैदानिक और शैक्षणिक उत्कृष्टता। हम इसे कम करने का प्रयास करते हैं। मानसिक बीमारी के कलंक को दूर करने और सभी आयु वर्ग के व्यक्तियों, विशेष रूप से हिमाचल प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों की वंचित और ग्रामीण आबादी के लिए सुलभ, दयालु देखभाल सुनिश्चित करने के लिए।

रोगी देखभाल सेवाएँ

- विभिन्न मनोवैज्ञानिक उपकरणों और परीक्षणों की खरीद के साथ, बेहतर निदान और चिकित्सीय सेवाओं के लिए साइकोमेट्री का विस्तार किया गया।
- हमने ईसीटी शुरू कर दिया है।
- मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम-2017 के तहत मानसिक स्वास्थ्य प्रतिष्ठान के लिए निर्धारित न्यूनतम मानकों को पूरा करने और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मनोचिकित्सा वार्ड का नवीनीकरण किया गया है और केंद्रीय मानसिक स्वास्थ्य प्राधिकरण के तहत पंजीकरण की प्रक्रिया प्रगति परहै।
- हमने मादक द्रव्यों के सेवन के रोगियों के लिए समूह चिकित्सा शुरू की है। तंबाकू निषेध केंद्र का उद्घाटन 24/9/2024 को किया गया।
- हम सामान्य मनोचिकित्सा, नशामुक्ति और बाल एवं किशोर रोगियों के लिए औषधीय और गैर-औषधीय दोनों प्रकार के उपचार के लिए इनडोर और आउटडोर सुविधाएँ प्रदान कर रहे हैं।
- मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं वाले एम्स छात्रों के लिए MINDs सेल क्लिनिक शुरू किया गया है और आवश्यकतानुसार सेवाएँ प्रदान की जा रही हैं।

शैक्षणिक पाठ्यक्रम

एमडी मनोचिकित्सा जुलाई 2024 बैच में शुरू हुआ, जिसमें एक जूनियर रेजिडेंट नामांकित है। विभाग मेडिकल और नर्सिंग स्ट्रीम में स्नातक छात्रों के शिक्षण में भी शामिल है।

अनुसंधान एवं नवाचार

डॉ. ज्योति गुप्ता ने 6 महीने के पाठ्यक्रम (2 संपर्क सत्रों के साथ ऑनलाइन) में दाखिला लिया: कौशल संवर्धन के लिए आईपीएस-एसजेड द्वारा मनोचिकित्सा अनुसंधान का संक्षिप्त पाठ्यक्रम-5।

भविष्य की योजनाएँ

- बहु-केंद्रित अनुसंधान सहयोग
- अंतर-विभागीय अनुसंधान
- साइकोमेट्री का विस्तार
- प्ले थेरेपी शुरू करना
- टीएमएस शुरू करना

सीएमई/कार्यशाला/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

क्र. सं.	कार्यक्रम का शीर्षक	कार्यक्रम का प्रकार	विषय / केंद्रित क्षेत्र	तिथि एवं स्थान	आयोजक टीम	सहयोगी संस्थाएँ (यदि कोई हों)	प्रतिभागी
1.	विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर कार्यशाला	कार्यशाला	कार्यस्थान मानसिक स्वास्थ्य	8 अक्टूबर 2024; एम्स बिलासपुर	डॉ. ज्योति गुप्ता डॉ. भूपेंद्र यादव सुश्री शिवरंजनी सिंह सुश्री अर्चना कश्यप श्री अनिल श्री रोहित	--	30 नर्सिंग अधिकारी

प्रकाशन

शोध-पत्र

1) ए कौंडल, पी रेनजेन, आर कुमारी, आरपी झा, पीडी मारवाह, एच कौर, कौशल एस, मलिक एन, **गुप्ता जे.** महिला यौन रोग-ज्ञान, दृष्टिकोण, प्रथाएँ और देश भर में चिकित्सा बिरादरी द्वारा सामना की जाने वाली बाधाएँ: एक वेब-आधारित क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन। जे फैमिली मेड प्राइम केयर 2024;13:1284-90. DOI: 10.4103/jfmpc.jfmpc_1013_23
2) **यादव बी**, ढिल्लों एचएस, शशिधरन एस, कौर ढिल्लों जी. शराब से संबंधित यौन रोग: नुकसान कितना है? मेड जे आर्म्ड फोर्सेज इंडिया। 2024;80:166-71. DOI: 10.1016/j.mjafi.2022.05.002

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ

डॉ. ज्योति गुप्ता

1) इंडियन साइकियाट्रिक सोसाइटी की लाइफ़ फ़ेलो: सदस्यता संख्या 0900262024
2) साइकोडर्मेटोलॉजी एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया की लाइफ़ सदस्यता: सदस्यता संख्या PDAILM01842024
3) इंडियन एसोसिएशन ऑफ़ सोशल साइकियाट्री की लाइफ़ फ़ेलो: सदस्यता संख्या F25002
4) इंडियन साइकियाट्रिक सोसाइटी-उत्तरी क्षेत्र के लाइफ़ फ़ेलो: सदस्यता संख्या 1-0251-4

डॉ. भूपेंद्र यादव

1) वर्ष 2024 में एन.आई.आई.आर.एन.सी.डी. आई.सी.एम.आर. परियोजना, "प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा में सामान्य मानसिक स्वास्थ्य विकारों की जाँच और प्रबंधन हेतु अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के लिए क्षमता निर्माण प्रशिक्षण" में विशेषज्ञ सदस्य

सामुदायिक सेवा

डॉ. ज्योति गुप्ता

1) ओपीडी पंजीकरण क्षेत्र में जन जागरूकता वार्ता और नुक्कड़ नाटक प्रस्तुति विश्व सिज़ोफ्रेनिया दिवस (24 मई 2024) पर छात्रों द्वारा
2) सिज़ोफ्रेनिया और मादक द्रव्यों के सेवन संबंधी विकारों पर डॉ. ज्योति गुप्ता द्वारा समाचार पत्र लेख
3) विश्व मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह के दौरान डॉ. ज्योति गुप्ता और डॉ. भूपेंद्र यादव द्वारा जन जागरूकता के लिए नर्सिंग छात्रों द्वारा ओपीडी ब्लॉक के बाहर पोस्टर प्रस्तुति और ओपीडी रिसेप्शन क्षेत्र में नुक्कड़ नाटक का आयोजन।

डॉ. भूपेंद्र यादव

1) ओपन एयर जेल बिलासपुर में 219 कैदियों का मानसिक स्वास्थ्य मूल्यांकन (12 अप्रैल 2024 से 18 अप्रैल 2024)
2) नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के विरुद्ध अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर मादक द्रव्यों के सेवन के चिकित्सीय और मनोसामाजिक पहलुओं पर एम्स बिलासपुर के फ़ोयर क्षेत्र में एम.बी.बी.एस. छात्रों द्वारा जन जागरूकता नुक्कड़ नाटक - (26 जून 2024)

3) एम्स बिलासपुर के नर्सिंग कॉलेज के अंतर्गत 15 जुलाई 2024 को नर्सों के लिए "संघर्ष से निपटने में भावनात्मक बुद्धिमत्ता कौशल का उपयोग" विषय पर ईसीएचओ सत्र
4) विश्व आत्महत्या रोकथाम पर ओपीडी पंजीकरण क्षेत्र में जन जागरूकता वार्ता 10 सितंबर 2024 को दिन
5) 28 नवंबर 2024 को "मानसिक स्वास्थ्य जांच और मूल्यांकन" पर जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम इकाई बिलासपुर के लिए बहु-समूह प्रशिक्षण (एमओ और सीएचओ) कार्यशाला
6) 15 अक्टूबर 2024 को मानसिक स्वास्थ्य पर जेल के कैदियों की जागरूकता गतिविधि
7) 16 अक्टूबर 2024 को एसपी कार्यालय में पुलिसकर्मियों के लिए कार्यस्थान पर मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने पर चर्चा
8) 18 फरवरी 2025 को सीएफएम विभाग, एम्स बिलासपुर के अंतर्गत सीएचओ के लिए "मानसिक स्वास्थ्य जांच और मूल्यांकन" पर ईसीएचओ सत्र
9) द्विध्रुवी विकार, अवसाद और आत्महत्या के विचारों पर डॉ. भूपेंद्र यादव द्वारा समाचार पत्र में प्रकाशित लेख
10) इन सभी गतिविधियों में नैदानिक मनोवैज्ञानिकों, मनोरोग सामाजिक कार्यकर्ताओं (एमएसएसओ) और रेजिडेंट और नर्सिंग अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी रही।

रेडियोलॉजी विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पदनाम	कार्यभार ग्रहण की तिथि
1.	प्रो. (डॉ.) नरवीर सिंह चौहान	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	11.07.2023
2.	डॉ. लोकेश राणा	सह आचार्य	01.07.2024
		सहायक आचार्य	23.11.2020
3.	डॉ. करमवीर चंदेल	सहायक आचार्य	13.08.2022 (16.01.2025 तक)
4.	डॉ. वरुण बंसल	सहायक आचार्य	31.07.2023

विभाग के विषय में

परिचय:

रेडियोलॉजी विभाग की स्थापना 2021 में एक साधारण शुरुआत के साथ की गई थी। तब से, हमारे विभाग ने 4 वर्षों की छोटी अवधि में तेजी से प्रगति की है और अब एक पूर्ण रूप से स्थापित विभाग के रूप में विकसित हो गया है जो न केवल समग्र और व्यापक रेडियोलॉजी रोगी देखभाल सेवाएं प्रदान करता है, बल्कि बीएससी एमआरआईटी पाठ्यक्रम के साथ-साथ स्नातकोत्तर शैक्षणिक पाठ्यक्रम (एमडी रेडियोडायग्नोसिस) भी प्रदान करता है।

दृष्टि

- क्षेत्र में एक प्रमुख रेडियोलॉजी और इमेजिंग विज्ञान शैक्षिक केंद्र के रूप में विकसित होना जो नवोदित रेडियोलॉजिस्ट और प्रौद्योगिकीविदों को उच्च स्तरीय शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करता है।
- करुणामय, रोगी-केंद्रित दृष्टिकोण की संस्कृति को बढ़ावा देकर रोगी देखभाल सेवाओं में उत्कृष्टता के लिए प्रयास करना।
- हम रेडियोलॉजी में उत्कृष्टता के एक क्षेत्रीय केंद्र के रूप में मान्यता प्राप्त करने की आकांक्षा रखते हैं, जो नैदानिक और इंटरवेंशनल इमेजिंग में गुणवत्ता के लिए मानक स्थापित करता है।

लक्ष्य

- इस सिद्धांत को आत्मसात करके हम सभी के भीतर के देखभालकर्ता को प्रेरित करना कि: "हर जीवन मायने रखता है और हर घंटा मायने रखता है"

रोगी देखभाल सेवाएँ

विभाग ओपीडी आधार पर अत्याधुनिक नैदानिक सेवाएँ प्रदान करता रहा है। इनमें शामिल हैं:

1. 3 टेस्ला मशीन पर उन्नत एमआरआई अनुप्रयोग जैसे डीटीआई, फाइबर ट्रैकिंग, न्यूरोग्राफी, नियमित एमआरआई स्कैन के अलावा कार्डियक एमआरआई स्कैन।
2. अत्याधुनिक दोहरी ऊर्जा 256 स्लाइस सीटी स्कैन के माध्यम से, विभाग शरीर के विभिन्न अंगों के सभी नियमित सीटी स्कैन के अलावा कोरोनरी एंजियोग्राफी, और अन्य एंजियोग्राफी जैसे सेरेब्रल, पल्मोनरी, रीनल और पेरिफेरल एंजियोग्राफी, सीटी यूरोग्राफी और सीटी एंटरोग्राफी जैसे विशिष्ट अध्ययन कर रहा है।
3. डायग्नोस्टिक अल्ट्रासाउंड और विभिन्न डॉप्लर अध्ययन
4. शरीर के विभिन्न अंगों के नियमित रेडियोग्राफ़

आपातकालीन सेवाएँ

विभाग चौबीसों घंटे सीटी स्कैन, सीटी एंजियोग्राफी, अल्ट्रासाउंड और डॉप्लर जैसी सुविधाएँ प्रदान करता है, जो आपातकालीन समय में उपलब्ध रहती हैं।

इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी

विभाग इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता रहा है। इनमें शामिल हैं:

1. सीटी और यूएसजी निर्देशित एफएनएसी और बायोप्सी
2. यूएसजी निर्देशित पिगटेल प्लेसमेंट
3. यूएसजी निर्देशित पीसीएन प्लेसमेंट
4. यूएसजी निर्देशित तंत्रिका ब्लॉक
5. पीआईसीसी लाइन इंसर्शन
6. सीटी निर्देशित फेफड़े की बायोप्सी
7. नैदानिक और चिकित्सीय फुफ्फुस/जलोदर जल निकासी

शैक्षणिक

1. विभाग जुलाई 2023 सत्र से हर दो साल में 2 छात्रों के प्रवेश के साथ एमडी रेडियोडायग्नोसिस पाठ्यक्रम चला रहा है।
2. विभाग सितंबर 2022 से हर दो साल में 5 छात्रों के प्रवेश के साथ बीएससी एमआरआईटी पाठ्यक्रम चला रहा है।

भविष्य की योजनाएँ:

विभाग अतिरिक्त रोगी देखभाल सेवाओं के लिए निम्नलिखित अतिरिक्त उपकरण प्राप्त करने की प्रक्रिया में है:

1. बढ़ते कार्यभार को पूरा करने के लिए एक 1000 एमए डिजिटल डीआर एक्स-रे मशीन
2. नैदानिक और चिकित्सीय हस्तक्षेप संबंधी संवहनी प्रक्रियाएँ शुरू करने के लिए अत्याधुनिक बाइप्लेन डीएसए
3. नवीनतम नैदानिक अल्ट्रासाउंड प्रदान करने के लिए अत्याधुनिक उच्च स्तरीय एमएसके अल्ट्रासाउंड मशीन। डॉप्लर और इलास्टोग्राफी सेवाएँ।
4. एक अत्याधुनिक रेडियोलॉजी पीएसीएस प्रणाली
5. मोबाइल पूर्ण डीआर एक्स-रे मशीन
6. 3 डी यूएसजी मशीनें

सीएमई/कार्यशाला/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम का प्रकार	विषय/केंद्रित क्षेत्र	दिनांक एवं स्थान	आयोजन टीम	सहयोगी संस्थाएँ (यदि कोई हों)	प्रतिभागिता
1.	अंतर्राष्ट्रीय रेडियोलॉजी दिवस	रेडियोलॉजी जागरूकता और शैक्षिक कार्यक्रम	रेडियोलॉजी	08 नवम्बर 2024, एम्स बिलासपुर	डॉ. नर्वीर, डॉ. लोकेश, डॉ. करमवीर, डॉ. वरुण	-	110

सीएमई/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान/पत्र या पोस्टर प्रस्तुत किए गए

क्र. सं.	संकाय का नाम	व्याख्यान / पत्र / पोस्टर का शीर्षक	योगदान का प्रकार	कार्यक्रम का विवरण (नाम / आयोजक / स्थान)	दिनांक
1.	डॉ. नर्वीर सिंह चौहान	स्प्लिट बोलस सीटी यूरोग्राफी: मूत्रमार्ग की असामान्यताओं के मूल्यांकन के लिए कम उपयोग की जाने वाली सीटी विकिरण कम करने की तकनीक	ई-पोस्टर	कोरियाई रेडियोलॉजी कांग्रेस केसीआर, सियोल, दक्षिण कोरिया	02-05 अक्टूबर 2024
2.	डॉ. नर्वीर सिंह चौहान	जटिल भ्रूण जन्मजात असामान्यताओं के निदान में भ्रूण एमआरआई का अतिरिक्त मूल्य: चित्रात्मक विश्लेषण	ई-पोस्टर	कोरियाई रेडियोलॉजी कांग्रेस केसीआर, सियोल, दक्षिण कोरिया	02-05 अक्टूबर 2024
3.	डॉ. नर्वीर सिंह चौहान	तीव्र एपेंडिसाइटिस के मूल्यांकन में डुअल सोर्स डुअल एनर्जी सीटी: एक आशाजनक तकनीक	ई-पोस्टर	कोरियाई रेडियोलॉजी कांग्रेस केसीआर, सियोल, दक्षिण कोरिया	02-05 अक्टूबर 2024

4.	डॉ. वरुण बंसल	मस्कुलोस्केलेटल अल्ट्रासाउंड का परिचय और सिद्धांत	अतिथि व्याख्यान	मस्कुलोस्केलेटल अल्ट्रासाउंड कार्यशाला, एम्स बिलासपुर	21-22 मार्च 2025
5.	डॉ. वरुण बंसल	रोटेटर कफ़ और स्लैप टियर में एमआरआई अंतर्दृष्टि: चित्रात्मक समीक्षा	ई-पोस्टर	12वीं वार्षिक मस्कुलोस्केलेटल सोसाइटी कॉन्फ्रेंस, जयपुर	16-18 अगस्त 2024
6.	डॉ. वरुण बंसल	अग्रवर्ती क्रूसिएट लिगामेंट चोट का एमआरआई आधारित विश्लेषण: सामान्य जनसंख्या में पैटर्न, ग्रेड और संबंधित चोटें	ई-पोस्टर	23वाँ एओसीआर / 77वाँ आईआरआईए कॉन्फ्रेंस, चेन्नई	23-26 जनवरी 2025
7.	डॉ. वरुण बंसल	एक्टिनोमाइसेटोमा बनाम यूरमाइसेटोमा का भेद: पैर के मायसेटोमा में एमआरआई अंतर्दृष्टि	ई-पोस्टर	ग्रैनुलोमेटस स्किन डिजीजेस: डर्माटोपैथोलॉजी सीएमई, एम्स बिलासपुर	31 अगस्त 2024

प्रकाशन

शोध-पत्र

1) कटोच एम, यादव एस, कालिया वी, शर्मा जी, शर्मा आर, धीमान पी, चौहान एनएस। उत्तर भारत के उप-हिमालयी क्षेत्र के रोगियों में मल्टीडिटेक्टर कंप्यूटेड टोमोग्राफी के माध्यम से मैक्सिलरी एयर साइनस का मॉर्फोमेट्रिक आकलन। नेशनल जर्नल ऑफ क्लिनिकल एनाटॉमी। 2025 अप्रैल 1;14(2):67-72।
2) चंदेल के, पटेल आरके, त्रिपाठी टी, मुकुंद ए, चौहान एनएस, कुमार सी, ठाकुर एम। ट्रांसहेपेटिक कोलैंजियोग्राफी और पित्त जल निकासी: मूल अवधारणाएँ और तकनीक। पाचन रोग हस्तक्षेप। 2024 अक्टूबर 16।
3) शर्मा एम, वर्मा एन, कपिला पी, सूद डी, चौहान एनएस। उदर की नियमित कंट्रास्ट संवर्धित कंप्यूटेड टोमोग्राफी पर पोर्टल शिरा भिन्नताएँ और सहायक अवर दाहिनी यकृत शिरा की व्यापकता के साथ इसका संबंध।
4) सिंह आर, शर्मा एम, भारती एस, चोपड़ा एस, राणा एल. पित्ताशय की थैली का एक्टिनोमाइकोसिस: एक दुर्लभ केस रिपोर्ट और साहित्य समीक्षा। जर्नल ऑफ लेबोरेटरी फिजिशियन। 2025 जनवरी 1:1-4।
5) शर्मा के, जरयाल ए, शर्मा एस, राणा एल. एक्यूट रेस्पिरेटरी डिस्ट्रेस सिंड्रोम के साथ मिलिअरी ट्यूबरकुलोसिस के दौरान डिसेमिनेटेड इंट्रावास्कुलर कोएगुलेशन। जर्नल ऑफ ग्लोबल इंफेक्शियस डिजीज। 2024 जुलाई 1;16(3):120-2।
6) भागवत ए, बंसल वी, पंडिता एस, दरोच एम. वार्ट इम्यूनोथेरेपी में एमएमआर वैक्सीन के प्रतिकूल प्रभाव के रूप में एक्यूट एपिडीडिमो-ऑर्काइटिस। ऑस्ट्रेलस जे डर्मेटोल। 2024 दिसंबर 26. doi: 10.1111/ajd.14404. पीएमआईडी: 39723541.
7) जरयाल ए, विक्रांत एस, बंसल वी, आकांक्षा, शर्मा एस, अनेजा आर. टनल्ड कफ्ड कैथेटर का सहज इंट्रावास्कुलर सेफेलैड माइग्रेशन - एक असामान्य देर से होने वाली जटिलता और री-इमेजिंग की भूमिका। इंडियन जे नेफ्रोल। 2025 जनवरी-फरवरी;35(1):110-111. doi: 10.25259/IJN_264_2024. ईपब 2024 अगस्त 22. पीएमआईडी: 39872269; पीएमसीआईडी: पीएमसी11763308.
8) राणा एल, बंसल वी, गुरनाल पी, चौहान एनएस. रेडियोलॉजी में विशाल हाइड्रोनफ्रोसिस: नैदानिक सटीकता में सुधार के लिए आकस्मिक निष्कर्षों से सीखना। रेडियोल केस रिपोर्ट। 2025 अगस्त 20;20(11):5653-5655. doi: 10.1016/j.radcr.2025.07.052. PMID: 40895011; PMCID: PMC12396458.

सामुदायिक सेवा

8 नवंबर 2024 को विश्व रेडियोलॉजी दिवस के अवसर पर अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), बिलासपुर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।रेडियोलॉजी जागरूकता कार्यक्रम:

- डॉ. नरवीर सिंह चौहान द्वारा रेडियोलॉजी पर प्रश्नोत्तरी
- डॉ. लोकेश द्वारा रेडियोलॉजी विकास पर व्याख्यान
- डॉ. वरुण बंसल द्वारा विकिरण सुरक्षा और जागरूकता पर व्याख्यान

रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पदनाम	कार्यभार ग्रहण की तिथि
1.	डॉ. मुनीन्द्र कुमार	अतिरिक्त आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	14.06.2022
2.	डॉ. प्रियंका ठाकुर	सह आचार्य	10.07.2020
3.	डॉ. निकेता ठाकुर	सहायक आचार्य	28.11.2023

विभाग के विषय में

परिचय

रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग में वर्तमान में तीन संकाय सदस्य, दो वरिष्ठ रेजिडेंट, चार कनिष्ठ रेजिडेंट, दो चिकित्सा भौतिक विज्ञानी और दस रेडियोथेरेपी तकनीशियन कार्यरत हैं।

हमारी रेडियोथेरेपी सुविधाएँ, जिनमें एक लीनियर एक्सेलरेटर, सीटी सिम्युलेटर और ब्रैकीथेरेपी इकाई शामिल है, सफलतापूर्वक चालू हो गई हैं, और हमने बाह्य बीम रेडियोथेरेपी और ब्रैकीथेरेपी उपचार शुरू कर दिए हैं।

पिछले दो वर्षों में, हमारे विभाग ने कैंसर देखभाल को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल की हैं। पिछले वर्ष, हमने 3D-CRT, तीव्रता-संग्राहक विकिरण चिकित्सा, वॉल्यूमेट्रिक संग्राहक आर्क थेरेपी और SRS/SBRT सहित अत्याधुनिक बाह्य बीम उपचार तकनीकों को सफलतापूर्वक लागू किया। इन तकनीकों ने हमें अधिक सटीकता के साथ विकिरण प्रदान करने, उपचार की प्रभावकारिता में सुधार करते हुए दुष्प्रभावों को कम करने में सक्षम बनाया है।

इस वर्ष हमने व्यापक ब्रैकीथेरेपी सेवाओं की सफलतापूर्वक स्थापना की है। इनमें पैल्विक, स्तन और मुख गुहा कैंसर के लिए इंट्राकेविटरी और इंटरस्टीशियल ब्रैकीथेरेपी के साथ-साथ मोल्ड-आधारित चिकित्सा शामिल है। यह विस्तार अत्यधिक स्थानीयकृत विकिरण वितरण की अनुमति देता है, जिससे व्यक्तिगत उपचार दृष्टिकोण उपलब्ध होते हैं जो स्वस्थ ऊतकों को संरक्षित करते हुए ट्यूमर नियंत्रण को अधिकतम करते हैं। ये प्रगतियाँ मिलकर अत्याधुनिक, रोगी-केंद्रित कैंसर देखभाल प्रदान करने की दिशा में एक बड़ा कदम हैं।

दृष्टि

नवीनतम विकिरण तकनीकों का उपयोग करते हुए विश्व स्तरीय, रोगी-केंद्रित कैंसर देखभाल प्रदान करना, साथ ही अनुसंधान, नवाचार और शिक्षा में उत्कृष्टता को बढ़ावा देना। हमारा लक्ष्य करुणामय और साक्ष्य-आधारित अभ्यास के माध्यम से प्रत्येक रोगी के लिए उत्तरजीविता में सुधार, उपचार के दुष्प्रभावों को कम करना और जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना है।

लक्ष्य

नवाचार, अनुसंधान और प्रशिक्षण को बढ़ावा देते हुए उन्नत विकिरण चिकित्सा के माध्यम से सुरक्षित, सटीक और करुणामय कैंसर देखभाल प्रदान करना। हम साक्ष्य-आधारित, बहु-विषयक और रोगी-केंद्रित दृष्टिकोणों के साथ रोगी परिणामों में सुधार के लिए समर्पित हैं।

रोगी देखभाल सेवाएँ

ओपीडी, आईपीडी और सभी प्रकार की रेडियोथेरेपी सेवाएँ शुरू कर दी गई हैं।

शैक्षणिक

एम.बी.बी.एस. के पाँचवें (क्लिनिकल पोस्टिंग), छठे और सातवें सेमेस्टर के छात्रों को पढ़ाना और जनवरी 2024 से एमडी रेडिएशन ऑन्कोलॉजी शुरू करना।

भविष्य की योजनाएँ

उपचार की सटीकता और रोगी परिणामों को बेहतर बनाने के लिए रेडियोथेरेपी में नवीनतम तकनीकों को एकीकृत करना। रेडियोथेरेपी तकनीक में बी.एससी. कार्यक्रम शुरू करना। उपचार क्षमता का विस्तार करने और रोगी प्रतीक्षा समय को कम करने के लिए एक और रैखिक त्वरक जोड़ने का प्रस्ताव।

सीएमई/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान/पत्र या पोस्टर प्रस्तुत किए गए

क्र. सं.	संकाय का नाम	व्याख्यान / पत्र / पोस्टर का शीर्षक	योगदान का प्रकार	कार्यक्रम का विवरण (नाम / आयोजक / स्थान)	दिनांक

1.	डॉ. निकेता ठाकुर	-	ई-पोस्टर	आईएसबीकॉन 25, एम्स–एनसीआई झज्जर	29 अगस्त 2025

प्रकाशन

शोध-पत्र

1) वत्स एस., ठाकुर एस., गुप्ता एम., कुमार वी., चंद्रकांत एल., **नेगी एम.,** आदि। सिसेरिकल कैंसर में टैंडेम-रिंग एप्लिकेटर्स के साथ इंट्राकैविटी ब्रैकिथेरपी के दौरान दो रेक्टम-स्पेयरिंग तकनीकों के डोज़ीमेट्रिक पैरामीटरों की तुलनात्मक रेट्रोस्पेक्टिव विश्लेषण। *Cancer Manag Res.* 2025;:1155-68।
2) वत्स एस., रणोटे एस., गुप्ता एम., आज़ाद ए., ठाकुर वी., चंद्रकांत एल., **नेगी एम**., आदि। टैंडेम-ओवॉइड बनाम टैंडेम-रिंग एप्लिकेटर्स का विश्लेषण: क्या डोज़ीमेट्रिक अंतर इंट्राकैविटी ब्रैकिथेरपी के लिए एप्लिकेटर चयन को प्रभावित कर सकते हैं? *Radiother Oncol.* 2025;206(Suppl):S223-6।
3) मीनू एम., धिमान पी., **कुमार एम**., प्रधान पी। पुनरावर्ती/मेटास्टैटिक/असंसर्गीय हेड एंड नेक स्क्वैमस सेल कैंसर रोगियों में पेम्ब्रोलिज़ुमैब की प्रभावशीलता पर वास्तविक दुनिया का प्रमाण: एक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण। *क्यूरियस.* 2025;17(1):e1
4) **ठाकुर एन**., सिंह आर., सुनिग्धा, देवगन आर., शर्मा ए। स्तन कैंसर रोगियों में उत्तरजीविता के लिए क्लिनिकोपैथोलॉजिकल पूर्वानुमान कारक: उत्तर-पश्चिम भारत के एक तृतीयक कैंसर केंद्र से रेट्रोस्पेक्टिव अध्ययन। *ecancer.* 2025;19:1865. doi:10.3332/ecancer.2025.1865
5) **ठाकुर एन**., बंसल एन., सूदन एम., शर्मा ए। मेडलोब्लास्टोमा के लिए क्रैनियोस्पाइनल इर्रेडिएशन का अनुकूलन: दो VMAT योजना विधियों का डोज़ीमेट्रिक तुलना। *ecancer.* 2024;18:1700. doi:10.3332/ecancer.2024.1700
6) **ठाकुर एन**., कौर एच., कौर एस., लिहाल पी., सूदन एम., जैन एन., आदि। VMAT और IMRT तकनीकों का तुलनात्मक विश्लेषण: रासायनिक रेडियोथेरेपी प्राप्त कर रहे सर्वाइकल कैंसर रोगियों में डोज़ प्रतिबंध और बोन मैरो सुरक्षा का मूल्यांकन। *Asian Pac J Cancer Prev.* 2024;25(1):139-44. doi:10.31557/APJCP.2024.25.1.139
7) सोनी केके., शर्मा एच., **कुमार एम., ठाकुर पी., ठाकुर एन**., दास एस। पर्वत से मेडिसिन तक: उप-हिमालयी क्षेत्र में रेडियोथेरेपी सेटअप चुनौतियों को पार करना। *Asian Pac J Cancer Care.* 2025;10(2):589-92. doi:10.31557/APJCC.2025.10.2.589
8) कुमार एस., गुप्ता एन., **ठाकुर पी**., गुप्ता एन., बोध ए। उच्च-altitude हेड और नेक पैराग्लियोमा: उप-हिमालयी क्षेत्र का पहला अनुभव। *OTO Open.* 2024;8(1):e112. doi:10.1002/oto2.112

सामुदायिक सेवा

1) विश्व कैंसर दिवस – 4 फरवरी 2025
2) अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस – 8 मार्च 2025

सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग

संकाय

क्र.सं.	नाम	पदनाम	कार्य ग्रहण की तिथि
1.	डॉ. चितरेश कुमार	अतिरिक्त आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	01.07.2024
		सह-आचार्य	09.12.2020

विभाग के विषय में

परिचय

सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग में दो स्वीकृत संकाय पद हैं: एक सह-आचार्य और दूसरा सहायक आचार्य। वर्तमान में, एक पद खाली है। संस्थान के उद्घाटन के समय, विभाग रोगी देखभाल (ओपीडी, आईपीडी और ओटी सेवाएँ) के संदर्भ में स्थापित और कार्यशील है।

दृष्टि और लक्ष्य

विभाग सभी कैंसर रोगियों को साक्ष्य-आधारित शल्य चिकित्सा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारी दृष्टि है कि अत्याधुनिक तकनीक के साथ एक क्षेत्रीय कैंसर केंद्र स्थापित किया जाए। हमारा मिशन अगले 5 वर्षों में हिमाचल में कैंसर से संबंधित मृत्यु दर को कम करना है।

रोगी देखभाल सेवाएँ

सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग वर्तमान में सप्ताह में 6 दिन ओपीडी सेवाएँ प्रदान कर रहा है और 11 इनडोर तथा 4 एचडीयू बेड के साथ पूर्ण रूप से आईपीडी सेवाएँ संचालित कर रहा है। विभिन्न लघु ओटी प्रक्रियाएँ/डे-केयर प्रक्रियाएँ और प्रमुख शल्य चिकित्सा प्रक्रियाएँ की जा रही हैं। कुछ शल्य चिकित्सा प्रक्रियाएँ ऐसी हैं जो पूरे हिमाचल प्रदेश में केवल हमारे विभाग में ही की जाती हैं, जैसे स्तन कैंसर के लिए सेंटिनल लिम्फ नोड बायोप्सी और थायरॉयड गाँठों के लिए एंडोस्कोपिक थायरॉयडेक्टॉमी। हम ओवेरियन कार्सिनोमा रोगियों के लिए एचआईपीईसी मशीन प्राप्त करने की प्रक्रिया में हैं, जो पूरे हिमाचल प्रदेश में अपनी तरह की पहली मशीन होगी।

अनुसंधान और नवाचार

विभाग स्नातक, स्नातकोत्तर और उत्तरस्नातकोत्तर छात्रों के शिक्षण में सक्रिय रूप से शामिल है। हेड एंड नेक कैंसर और ब्रेस्ट कैंसर पर दो अनुसंधान कार्यक्रम थिसिस कार्य के रूप में किए जा रहे हैं। विभाग प्रारंभिक ब्रेस्ट कैंसर रोगियों में कम लागत वाली नवाचारी सेंटिनल लिम्फ नोड बायोप्सी तकनीक को मान्य कर रहा है। विभाग एकमात्र केंद्र है जो नियमित रूप से नवाचारी जागरूक थायरॉयडेक्टॉमी और पैराथायरॉयडेक्टॉमी गर्दन ब्लॉक्स के तहत करता है।

भविष्य की योजनाएँ

क. एम्स बिलासपुर में एक रोबोटिक प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना।

ख. निम्नलिखित विषयों पर अल्पकालिक फेलोशिप कार्यक्रम शुरू करना।
- स्तन ऑन्कोप्लास्टी और पुनर्निर्माण
- एंडोस्कोपिक थायरॉइडेक्टॉमी

ग. अन्य एम्स की तरह स्तन एवं अंतःस्रावी सर्जरी में एम.सीएच. कार्यक्रम शुरू करना।

घ. अन्य सभी एम्स में प्रथम स्तन एवं अंतःस्रावी सर्जरी विभाग की स्थापना।

सीएमई / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुत व्याख्यान / पत्र / पोस्टर

क्र. सं.	संकाय का नाम	व्याख्यान / पत्र / पोस्टर का शीर्षक	योगदान का प्रकार	कार्यक्रम का विवरण (संगठन / आयोजक / स्थान)	तिथि
1.	डॉ. चितरेश कुमार	सौम्य स्तन रोग	अतिथि व्याख्यान	यूपी चैप्टर ऑफ़ एएसआई का वार्षिक मध्यकालीन सम्मेलन: यूपीएमएएसआईकॉन 2024, आईएमएस, बीएचयू, वाराणसी	30 अगस्त 2024

प्रकाशन

शोध-पत्र

1) चंदेल के, पटेल आरके, त्रिपाठी टी, मुकुंद ए, चौहान एन, **कुमार सी**, एट अल। ट्रांसहेपेटिक कोलैंजियोग्राफी और पित्त जल निकासी: मूल अवधारणाएँ और तकनीक। पाचन रोग हस्तक्षेप। 10.1055/s-0044-1791790।

2) कुमार आर, अवस्थी एस, प्रधान डी, **कुमार सी**, एट अल। संपूर्ण एक्सोम अनुक्रमण द्वारा भारतीय स्तन कैंसर के मामलों में दैहिक उत्परिवर्तन परिदृश्य। विज्ञान रिपोर्ट 14, 18679 (2024)। https://doi.org/10.1038/s41598-024-65148-4
3) मायेस डी, शर्मा एम, **कुमार सी**, चौधरी ए। दुर्लभ प्रस्तुति: एक बुजुर्ग पुरुष में समकालिक प्राथमिक स्तन और थायरॉयड कैंसर। 762-767
4) कौर जी, मायेस डी, शर्मा एन, **कुमार सी**, अनीता चौधरी। 76 वर्षीय रोगी में रिसेक्ट किए गए सिंक्रोनस ट्रिपल कार्सिनोमा का सह-अस्तित्व - एक दुर्लभ केस रिपोर्ट। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडव. रेस. (जुलाई)। 882-885
5) कुमार आर, अवस्थी एस, प्रधान डी, कुमार आर, गोयल एच, सिंह जे, आदि। संपूर्ण एक्सोम अनुक्रमण द्वारा भारतीय स्तन कैंसर के मामलों में दैहिक उत्परिवर्तन परिदृश्य। विज्ञान रिपोर्ट। 2024 अगस्त 12;14(1):18679। doi: 10.1038/s41598-024-65148-4। PMID: 39134585; PMCID: PMC11319672।

पुस्तक में अध्याय

क्र. सं.	लेखक	अध्याय और पुस्तक का शीर्षक	संपादक का नाम	आईएसबीएन संख्या	संस्करण एवं वर्ष	प्रकाशक
1.	एसवीएस देव, ए मिश्रा, **सी कुमार, एस** भोरीवाल	स्तन संरक्षण शल्य चिकित्सा में मार्जिन मूल्यांकन, स्तन ऑनकोप्लास्टी और पुनर्निर्माण: सिद्धांत और अभ्यास	एस.वी.एस देव			स्प्रिंगर, सिंगापुर, 2023
2.	एसवीएस देव, जे शर्मा, **सी कुमार**, वी सिनू	स्तन पुनर्निर्माण का अवलोकन, स्तन ऑनकोप्लास्टी और पुनर्निर्माण: सिद्धांत और अभ्यास	एस.वी.एस देव			स्प्रिंगर, सिंगापुर, 2023
3.	एसवीएस देव, ए मिश्रा, **सी कुमार**, ए गोयल	फॉलो-अप और सौंदर्य परिणाम, स्तन ऑनकोप्लास्टी में, स्तन ऑनकोप्लास्टी और पुनर्निर्माण: सिद्धांत और अभ्यास	एस.वी.एस देव			स्प्रिंगर, सिंगापुर, 2023

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

1) भारतीय एंडोक्राइन सर्जन्स एसोसिएशन के संयुक्त सचिव।

सामुदायिक सेवा

1) ओपीडी में 30 वर्ष से अधिक आयु वाली महिला परिचारिकाओं में स्तन कैंसर की जांच।

ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन एवं ब्लड बैंक विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पदनाम	कार्यभार ग्रहण की तिथि
1.	डॉ. राकेश कुमार	सह-आचार्य	01.07.2024
		सहायक आचार्य	27.11.2020

विभाग के विषय में

परिचय

हमारे संस्थान के ट्रांसफ़्यूज़न मेडिसिन एवं ब्लड बैंक विभाग को 19 अक्टूबर, 2023 को रक्त के संग्रह, परीक्षण, प्रसंस्करण और वितरण के लिए लाइसेंस प्राप्त हुआ। हमारी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की एक महत्वपूर्ण इकाई के रूप में, हम जीवन बचाने के लिए रक्त और उसके घटकों की सुरक्षा, उपलब्धता और इष्टतम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

दृष्टि

उच्चतम गुणवत्ता वाला रक्त और रक्त उत्पाद प्रदान करके, रोगियों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करके, और इस क्षेत्र में अनुसंधान और शिक्षा को आगे बढ़ाकर ट्रांसफ़्यूज़न मेडिसिन में अग्रणी बनना।

लक्ष्य

हमारा मिशन अनुकरणीय रोगी देखभाल प्रदान करना, अनुसंधान के माध्यम से चिकित्सा ज्ञान को आगे बढ़ाना और ट्रांसफ़्यूज़न मेडिसिन के क्षेत्र में भावी अग्रणी लोगों को शिक्षित करना है। हम एक विश्वसनीय और सुरक्षित रक्त आपूर्ति बनाए रखने, स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देने और ट्रांसफ़्यूज़न प्रथाओं और तकनीकों में नवाचार करने का प्रयास करते हैं।

रोगी देखभाल सेवाएँ

- **रक्त संग्रह:** पर्याप्त रक्त आपूर्ति बनाए रखने के लिए नियमित रक्तदान शिविर और आंतरिक रक्तदान।
- **घटक तैयारी:** रोगियों की विविध आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संपूर्ण रक्त को लाल रक्त कोशिकाओं, प्लेटलेट्स और प्लाज्मा जैसे घटकों में विभाजित करना।
- **रक्ताधान सेवाएँ:** व्यापक संगतता परीक्षण द्वारा समर्थित, रोगियों को रक्त उत्पादों का सुरक्षित और समय पर आधान।

शैक्षणिक

इस क्षेत्र में कुशल पेशेवरों को विकसित करने के लिए रक्ताधान चिकित्सा में एमडी कार्यक्रम शुरू किया गया है।

भविष्य की योजनाएँ

- सेवाओं का विस्तार: रक्त उत्पादों की बढ़ती माँग को पूरा करने के लिए हमारे रक्त बैंक की क्षमता में वृद्धि।
- अनुसंधान पहल: नई तकनीकों को विकसित करने और रोगियों के परिणामों में सुधार के लिए रक्ताधान चिकित्सा में अनुसंधान प्रयासों को बढ़ाना।
- जन जागरूकता अभियान: लक्षित अभियानों और गैर-सरकारी संगठनों के साथ सहयोग के माध्यम से स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देना।
- उन्नत प्रौद्योगिकियाँ: सुरक्षा और गुणवत्ता के उच्चतम मानकों को सुनिश्चित करने के लिए स्वचालित रक्त प्रसंस्करण जैसी अत्याधुनिक तकनीकों को एकीकृत करना।

सीएमई/कार्यशाला/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

क्र. सं.	कार्यक्रम का शीर्षक	कार्यक्रम का प्रकार	विषय / केंद्रित क्षेत्र	तिथि एवं स्थान	आयोजन टीम	सहयोगी संस्थान / निकाय	प्रतिभागी
1.	क्षमता निर्माण	प्रशिक्षण	रक्तकोष सुदृढ़ीकरण	14–16 अक्टूबर 2024	डॉ. राकेश कुमार	हिमाचल प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी	13 चिकित्सा अधिकारी

प्रकाशन

शोध-पत्र

1) गर्ग एस, कामरा एचटी, **कुमार आर**, जैन आर, गुप्ता ए. संपूर्ण रक्त दाताओं में सीरोरिएक्टिविटी और प्रतिक्रिया दर: भविष्य में सुधार के लिए सुरक्षा और परामर्श प्रथाओं को बढ़ाना। एशियन जर्नल ऑफ ट्रांसफ्यूजन साइंस। 2025:10-4103।

आघात एवं आपातकालीन विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पदनाम	कार्यभार ग्रहण की तिथि
1.	डॉ. प्रवल श्रीमाल	सहायक आचार्य	11.03.2025

विभाग के विषय में

परिचय:

आघात एवं आपातकालीन विभाग 55 बिस्तरों वाला विभाग है जो 24x7 सभी प्रकार की चिकित्सा और शल्य चिकित्सा आपात स्थितियों की सेवा प्रदान करता है। विभाग की स्थापना 2024 में हुई थी और पहला आचार्य मार्च 2025 में शामिल हुए। यह विभाग रोगियों की सेवा में उच्चतम गुणवत्ता प्रदान करने के लिए समर्पित है और रोगी-केंद्रित सुविधाओं और सेवाओं का पूरा स्पेक्ट्रम प्रदान करता है।

दृष्टि और लक्ष्य:

हमारा लक्ष्य विभाग को प्रमुख संस्थानों के स्तर तक पहुँचाना और उसे और भी आगे बढ़ाना है। अत्याधुनिक आघात एवं आपातकालीन विभाग में नवाचार, प्रशिक्षण, अनुसंधान और रोगी कल्याण का सामंजस्यपूर्ण सम्मिलन ही हमारा लक्ष्य है।

मरीज देखभाल सेवाएँ:

विभाग सभी प्रकार की मेडिकल और सर्जिकल इमरजेंसीज़ को संभालता है।

शैक्षणिक पाठ्यक्रम:

इमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियन डिप्लोमा कोर्स 2025 में शुरू हुआ, जिसमें 10 प्रशिक्षुओं का प्रवेश है।

अनुसंधान और नवाचार:

विभाग सिमुलेशन आधारित प्रशिक्षण नवाचार में शामिल है।

भविष्य की योजनाएँ:

विभाग में इमरजेंसी मेडिसिन और ट्रॉमा सर्जरी में स्नातकोत्तर कार्यक्रम शुरू करने की योजना है। विभाग में समर्पित ट्रॉमा और इमरजेंसी ब्लॉक के साथ आईपीडी सेवाएँ स्थापित करने की कल्पना की गई है।

यूरोलॉजी विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पदनाम	कार्यभार ग्रहण की तिथि
1.	डॉ. उमा कांत दत्त	सहायक आचार्य	28.06.2022

विभाग के विषय में

परिचय

एम्स बिलासपुर का यूरोलॉजी विभाग असाधारण रोगी देखभाल, अग्रणी यूरोलॉजिकल अनुसंधान और उच्च-स्तरीय शिक्षा एवं प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह वार्षिक प्रतिवेदन पिछले वर्ष की हमारी प्रमुख उपलब्धियों, हमारे शैक्षणिक कार्यक्रमों में प्रगति और भविष्य के लिए हमारी रणनीतिक दृष्टि को रेखांकित करती है।

दृष्टि

हमारा उद्देश्य प्रत्येक रोगी को अच्छी और ईमानदार यूरोलॉजी देखभाल प्रदान करना है। हम चाहते हैं कि हमारा विभाग देखभालपूर्ण व्यवहार, स्पष्ट संचार, सुरक्षित उपचार और कुशल प्रक्रियाओं के लिए जाना जाए। हम रोगी की सुविधा और गरिमा को ध्यान में रखते हुए सर्वोत्तम उपलब्ध तकनीक का उपयोग करने और साक्ष्य-आधारित पद्धति का पालन करने का प्रयास करते हैं। हम सीखने, सिखाने और टीम वर्क पर भी ध्यान केंद्रित करते हैं ताकि हमारे कर्मचारी, छात्र और निवासी निरंतर विकास और सुधार करते रहें। हमारा लक्ष्य रोगियों को शीघ्र स्वस्थ होने, उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने और हर कदम पर उन्हें समर्थित महसूस कराने में मदद करना है।

लक्ष्य

हमारा लक्ष्य अपने रोगियों को व्यापक, करुणामय और अत्याधुनिक यूरोलॉजिकल देखभाल प्रदान करना, नवीन अनुसंधान के माध्यम से यूरोलॉजी के क्षेत्र को आगे बढ़ाना और अगली पीढ़ी के यूरोलॉजिस्टों को उत्कृष्टता के उच्चतम मानकों पर शिक्षित और प्रशिक्षित करना है।

रोगी देखभाल सेवाएँ

बाह्य रोगी विभाग में रोगी आगमन: 14,000

आंतरिक रोगी भर्ती: 585

किए गए शल्य क्रियाएँ: 454

किडनी प्रत्यारोपण: 04

रीज़ूम थेरेपी: 03

यूरोडायनामिक्स एवं यूरोफ्लोमेट्री सेवाएँ प्रारंभ की गईं।

शैक्षणिक

एम.सीएच. पाठ्यक्रम शुरू।

भविष्य की योजनाएँ

- यूरोलॉजी विभाग में रोबोटिक प्रक्रियाएँ शुरू करना
- उन बीपीएच रोगियों के लिए रेज़म प्रक्रिया शुरू करना जो एनेस्थीसिया के लिए उपयुक्त नहीं हैं
- जिन समुदायों की हम सेवा करते हैं, उनके लिए एंड्रो यूरोलॉजी क्लीनिक शुरू करना।
- संवहनी पहुँच और गुर्दे के प्रत्यारोपण के रोगियों और उनके अनुवर्ती उपचार के लिए क्लिनिक शुरू करना।
- हिमाचल प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में गुर्दे और प्रोस्टेट स्वास्थ्य पर जनता को सामान्य स्वास्थ्य शिक्षा प्रदान करने के लिए सामुदायिक भ्रमण शुरू करना।

सीएमई/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान/पत्र या पोस्टर प्रस्तुत किए गए

क्र. सं.	संकाय सदस्य का नाम	व्याख्यान / शोध पत्र / पोस्टर का शीर्षक	योगदान का प्रकार	कार्यक्रम का विवरण (नाम / आयोजक / स्थान)	तिथि
1.	डॉ. उमाकांत दत्त	अनकम्प्लिकेटेड यूटीआई	आमंत्रित व्याख्यान	सी.एम.ई., क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, लुधियाना	30 सितम्बर 2024

सामुदायिक सेवा

1) विश्व किडनी दिवस पर हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश में यूरोलॉजी स्वास्थ्य पर आकाशवाणी द्वारा लाइव रेडियो वार्ता।
2) 27 मई 2025 को प्रसार भारती द्वारा राष्ट्रीय शिमला में किडनी प्रत्यारोपण पर लाइव कार्यक्रम।
3) विश्व किडनी दिवस पर एक समाचार पत्र में किडनी स्वास्थ्य को प्राथमिकता शीर्षक से प्रकाशित एक लेख।

नर्सिंग महाविद्यालय

संकाय

क्र. सं.	नाम	पदनाम	कार्यभार ग्रहण की तिथि
1.	डॉ. आदित्य शर्मा	आचार्य सह प्राचार्य (प्रतिनियुक्ति पर)	28.05.2022
2.	डॉ. मोनिका शर्मा	सह-आचार्य	16.05.2023
3.	डॉ. वरिंदर कौर	सह-आचार्य	01.05.2023
4.	डॉ. सुमन दीप कौर	सहायक आचार्य	25.04.2023
5.	सुश्री इंदु बाला	सहायक आचार्य	21.04.2023
6.	डॉ. ज्योति कथवाल	सहायक आचार्य	14.08.2023

विभाग के विषय में

परिचय

एम्स बिलासपुर में नर्सिंग महाविद्यालय का विभाग 2022 में स्थापित किया गया, जब प्राचार्य और सात अनुशिक्षकों की नियुक्ति के साथ एक नए और गतिशील शैक्षणिक संस्थान की नींव रखी गई। एक प्रमुख मील का पत्थर अक्टूबर 2022 में उद्घाटन बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग बैच (2022–2026) के प्रारंभ के साथ प्राप्त हुआ, जिसमें 26 छात्रों ने प्रवेश लिया। विभाग पेशेवर विकास को बढ़ावा देने वाले अनुसंधान-आधारित और साक्ष्य-आधारित नैदानिक प्रथाओं के माध्यम से व्यापक शैक्षणिक वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

दृष्टि

नर्सिंग शिक्षा, अनुसंधान और रोगी देखभाल में एक प्रमुख उत्कृष्टता केंद्र बनना, जो अत्यधिक कुशल और सहानुभूतिपूर्ण नर्सिंग पेशेवरों के विकास के माध्यम से स्वास्थ्य सेवा को वैश्विक स्तर पर उन्नत करने के लिए मान्यता प्राप्त हो।

लक्ष्य

क. शैक्षणिक उत्कृष्टता: एक परिवर्तनकारी शिक्षण वातावरण प्रदान करना, जो उन्नत नर्सिंग ज्ञान, महत्वपूर्ण सोच और सहानुभूतिपूर्ण, रोगी-केंद्रित देखभाल को बढ़ावा देता हो।

ख. अनुसंधान उन्नति: नवोन्मेषी अनुसंधान को बढ़ावा देना और उसका समर्थन करना, जो नर्सिंग अभ्यास में प्रगति लाए, स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करे और रोगी देखभाल के परिणामों में सुधार करे।

ग. सामुदायिक सहभागिता: स्वास्थ्य आउटरीच पहलों के माध्यम से स्थानीय और वैश्विक समुदायों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ना, स्वास्थ्य समानता के लिए वकालत करना और समाज की समग्र भलाई में योगदान देना।

रोगी देखभाल सेवाएँ

विभाग कक्षा में पढ़ाई को वास्तविक नैदानिक अनुभव के साथ जोड़ता है ताकि छात्र रोगी देखभाल में मजबूत कौशल विकसित कर सकें। एम्स बिलासपुर के स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ निकटता से काम करके, छात्रों को वास्तविक अस्पताल सेटिंग में अपने ज्ञान को लागू करने का अवसर मिलता है। वे अनुभवी नर्सिंग पेशेवरों से सीधे सीखते हैं, जो उन्हें रोगियों की सुरक्षा, करुणा और प्रभावी ढंग से देखभाल करने की प्रक्रिया समझाते हैं। यह व्यावहारिक प्रशिक्षण छात्रों को वास्तविक दुनिया की नर्सिंग आवश्यकताओं को पूरा करने और विभिन्न स्वास्थ्य देखभाल वातावरण में उच्च गुणवत्ता वाली देखभाल प्रदान करने के लिए तैयार करता है।

शैक्षणिक पाठ्यक्रम

बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग का पहला बैच अक्टूबर 2022 में 40 सीटों के साथ शुरू हुआ। वर्तमान में चौथा बैच बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग अगस्त 2025 से प्रवेश ले चुका है।

अनुसंधान और नवाचार

- दो आंतरिक अनुसंधान परियोजनाओं के लिए आवेदन किया गया।
- एक बाह्य अनुसंधान परियोजना के लिए आवेदन किया गया।
- चौथे वर्ष बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग के लिए 5 परियोजनाएँ।

भविष्य की योजनाएँ

- पी.एच.डी. नर्सिंग कार्यक्रम प्रारंभ करना।
- पाँच परास्नातक डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रारंभ करना — (आपातकालीन एवं आपदा नर्सिंग, जेरिएट्रिक नर्सिंग, ऑन्कोलॉजी नर्सिंग, आर्थोपेडिक्स एवं पुनर्वास नर्सिंग तथा उपशामक देखभाल नर्सिंग)।

- नर्सिंग अधिकारियों के लिए स्टाफ विकास कार्यक्रम आरंभ करना।

सीएमई/कार्यशालाएँ / संगोष्ठियाँ / राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन

क्र. सं.	कार्यक्रम का शीर्षक	कार्यक्रम का प्रकार	विषय / केंद्रित क्षेत्र	तिथि एवं स्थान	आयोजन समिति	सहयोगी संस्था (यदि कोई हो)	प्रतिभागिता
1.	सुरक्षित इन्फ्यूजन प्रैक्टिस	सम्मेलन	निष्फल तकनीक और संक्रमण नियंत्रण	05 अप्रैल 2024, एम्स बिलासपुर	डॉ. आदित्य शर्मा (आयोजन अध्यक्ष), डॉ. ज्योति कथवाल (आयोजन सचिव), आयोजन समिति, नर्सिंग कॉलेज के सभी संकाय एवं अनुशिक्षक	इन्फ्यूजन नर्सेस' सोसाइटी इंडिया	~60, राष्ट्रीय स्तर
2.	भावनात्मक बुद्धिमत्ता	ऑनलाइन प्रशिक्षण	भावनात्मक बुद्धिमत्ता के पहलू	वर्चुअल	डॉ. आदित्य शर्मा, डॉ. ज्योति कथवाल, सुश्री अनुजा शर्मा	ई.सी.एच.ओ इंडिया	~100, राष्ट्रीय स्तर

सीएमई/राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान/प्रस्तुत किए गए पत्र या पोस्टर

क्र. सं.	संकाय का नाम	व्याख्यान / पत्र / पोस्टर का शीर्षक	योगदान का प्रकार	कार्यक्रम का विवरण (नाम / आयोजक / स्थान)	तिथि
1	डॉ. मोनिका शर्मा	सुरक्षित रक्त और रक्त उत्पाद ट्रांसफ्यूजन प्रैक्टिस	अतिथि व्याख्यान	"सुरक्षित आसव प्रथाएँ" कार्यशाला, नर्सिंग महाविद्यालय, एम्स बिलासपुर, हि.प्र.	05 अप्रैल 2024
		वृद्ध व्यक्तियों में स्वास्थ्य देखभाल का अधिकार	ऑनलाइन अतिथि व्याख्यान	राष्ट्रीय संगोष्ठी: वृद्ध व्यक्तियों के अधिकारों की सुरक्षा – सामाजिक-वैधानिक मुद्दे, चुनौतियाँ और समाधान, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, आई.सी.एस.एस.आर., नॉर्थ वेस्टर्न रीजनल सेंटर, चंडीगढ़ के सहयोग से	05 अप्रैल 2024
		वयस्क बेसिक एयरवे प्रबंधन (प्रदर्शन सहित व्याख्यान)	संसाधन व्यक्ति	राष्ट्रीय संगोष्ठी, सोसाइटी ऑफ़ पेरि-ऑपरेटिव नर्सिंग (एस.पी.एन.) इंडिया, आई.एन.ई.आर., एम्स बठिंडा	17 मई 2024

		एंडोट्रेकियल सक्शनिंग के दौरान मशीनी रूप से वेंटिलेटेड मरीजों में दर्द, सिडेशन और जीवन संकेतों पर संगीत हस्तक्षेप का प्रभाव	पत्र प्रस्तुति	राष्ट्रीय संगोष्ठी, एस.पी.एन. इंडिया, आई.एन.ई.आर., एम्स बठिंडा, एस.पी.एन. इंडिया के तत्वावधान में	18 मई 2024
		अतिथि व्याख्यान	अतिथि व्याख्यान	इंडक्शन क्लासेज, नर्सिंग सेवा विभाग द्वारा आयोजित, LT5, एम्स बिलासपुर	27 अगस्त 2024
		मात्रात्मक अनुसंधान में अनुसंधान दृष्टिकोण	अतिथि व्याख्यान	6वीं वार्षिक उत्तर क्षेत्रीय सम्मेलन, नर्सिंग रिसर्च सोसाइटी ऑफ़ इंडिया 2024, गवर्नमेंट नर्सिंग कॉलेज SLBSGMC&H, अटल मेडिकल एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी, नेरचौक, मंडी, हिमाचल प्रदेश, भारत	20 सितम्बर 2024
		नवोन्मेषी शैक्षणिक तकनीकें	अतिथि व्याख्यान	पंजाब नर्सेस रजिस्ट्रेशन काउंसिल (PNRC) द्वारा पंजाब के 23 जिलों में सभी नर्सिंग संकाय के लिए संकाय वर्कशॉप, DMRE, पंजाब एवं DHFW, पंजाब के सहयोग से, लुधियाना	25 अक्टूबर 2024
2	डॉ. वरिंदर कौर	नर्सिंग गुणवत्ता संकेतक, शिफ्ट रिपोर्टिंग, हैंडिंग और टेकिंग ओवर, एसबीएआर और रोगी शिफ्टिंग और परिवहन	अतिथि व्याख्यान	इंडक्शन क्लासेज, नर्सिंग सेवा विभाग द्वारा आयोजित, एलटी5, एम्स बिलासपुर	20 जून & 28 अगस्त 2024
		वृद्ध व्यक्तियों में सामाजिक मुद्दे	अतिथि व्याख्यान	राष्ट्रीय संगोष्ठी: वृद्ध व्यक्तियों के अधिकारों की सुरक्षा – सामाजिक और वैधानिक मुद्दे, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय	05 अप्रैल 2024
3	डॉ. सुमनदीप कौर	क्रैश कार्ट सामग्री और नीति, आपूर्ति का रखरखाव और वेंटिलेटर: इनवेसिव और नॉन-इनवेसिव,	अतिथि व्याख्यान	इंडक्शन क्लासेज, नर्सिंग सेवा विभाग द्वारा आयोजित, एलटी5, एम्स बिलासपुर	20 जून & 28 अगस्त 2024

		बीआईपीएपी/सीपीएपी मशीनें			
4.	सुश्री इंदु बाला	मेरा अस्पताल	अतिथि व्याख्यान	इंडक्शन क्लासेज, नर्सिंग सेवा विभाग द्वारा आयोजित, एलटी 5, एम्स बिलासपुर	28 अगस्त 2024
5	डॉ. ज्योति कथवाल	रोगी सुरक्षा और गुणवत्ता नियंत्रण	अतिथि व्याख्यान	3rd अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, स्वास्थ्य देखभाल गुणवत्ता और रोगी सुरक्षा – कार्यशाला के लिए संसाधन व्यक्ति	सितम्बर 2024
		फॉरेंसिक नर्सिंग का परिचय	अतिथि व्याख्यान	फॉरेंसिक मेडिसिन और फॉरेंसिक नर्सिंग का परिचय", गोवा नर्सिंग काउंसिल एवं ई.सी.एच.ओ. इंडिया द्वारा आयोजित	26 सितम्बर 2024
		दवा प्रशासन में सामान्य त्रुटियाँ	अतिथि व्याख्यान	सुरक्षित इन्फ्यूजन प्रैक्टिस कार्यशाला	अप्रैल 2024
		ओ.टी. में सफाई और कीटाणुशोधन	अतिथि व्याख्यान	एस.पी.एन.CON, एम्स बठिंडा	17 मई 2024
		नर्सिंग अनुसंधान में AI का उपयोग	अतिथि व्याख्यान	XI अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, नर्सिंग शिक्षा में AI का एकीकरण, एटरनल यूनिवर्सिटी	May 2024
		डेटा संग्रह उपकरणों के मनोमितीय गुण	अतिथि व्याख्यान	SPHE FDP	जनवरी 2025
		नर्सिंग शिक्षा में गेमिफिकेशन और सिमुलेशन	अतिथि व्याख्यान	SPHE मोहाली – इन-सर्विस शिक्षा कार्यक्रम	28 फरवरी 2025
		फॉरेंसिक नर्सों के साथ नर्सिंग कर्मियों का सहयोग	अतिथि व्याख्यान	राष्ट्रीय वेबिनार, फॉरेंसिक नर्सिंग	जून 2024
		राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रत्यायन एजेंसियाँ – अवलोकन प्रक्रिया	अतिथि व्याख्यान	नर्सिंग शिक्षा और अभ्यास में उत्कृष्टता बढ़ाना" वर्चुअल क्षमता निर्माण ई.सी.एच.ओ. प्रोग्राम, गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ़ नर्सिंग, सूरत	फरवरी 2025

प्रकाशन

शोध-पत्र

1) सिद्धू एन.एस., कुमार एस., खुटान एच., बाला आर., जैन ए., गर्ग आर., कौर एन., **कौर एस**. कोविड-19 का हृदय संबंधी परिणामों पर प्रभाव: एक तृतीयक देखभाल केंद्र से पूर्वव्यवस्थित अध्ययन। J Cardiovasc Dis Res. 2024; 15(5): 1593-1598

2) बाली, एच.के., सिद्धू, एन.एस., **कौर एस**. (2024)। योग: हृदय संबंधी सामंजस्य प्राप्त करने और हृदय गति परिवर्तनशीलता सुधारने का एक उपकरण। में: आनंद, ए. (संपादक) योग का तंत्रिका विज्ञान। स्प्रिंगर, सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-97-2851-0_15
3) **कथवाल जे.** नैदानिक निर्णय: एक परिचित और भूला हुआ नर्सिंग अवधारणा: समीक्षा। अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ कम्युनिटी मेड पब्लिक हेल्थ 2025; 12:1155-1158
4) **कथवाल जे**., शर्मा ए., शर्मा सी., कुमार बी., संपादक। नर्सिंग छात्रों में तनाव, चिंता और मनो-शारीरिक मापदंडों पर योग हस्तक्षेप की प्रभावकारिता। जर्नल ऑफ नर्सिंग प्रैक्टिसेस एंड रिसर्च (जेएनपीआर)। 2024; 4(2):1–6
5) कौर आर., **कथवाल**., गौतम ए., अन्य। सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल सेक्टर-32, चंडीगढ़ के नर्सिंग अधिकारियों में तीव्र किडनी चोट की रोकथाम और पहचान पर क्षमता निर्माण हस्तक्षेप की प्रभावकारिता। J Postgrad Med Edu Res 2024; 58(2):62–68
6) **कथवाल** जे., च. लावन्या, अबनिभूषण जे., कौर एम., एवं यादव एस. (2024)। सर्जिकल डायबिटीज मरीजों में दवा पालन बढ़ाने के लिए नर्सिंग हस्तक्षेप। जर्नल ऑफ पॉपुलेशन थेरेप्यूटिक्स एंड क्लिनिकल फार्माकोलॉजी,31(8), 504-511
7) राव, सी.वी.जी., शास्त्री, ए., पिल्लई, आर.एच., थंगम, एम.एम.एन., **कथवाल**, बनप्पागौदार, एस.बी. (2024)। स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में मिथकों और भ्रांतियों का खंडन: चैटजीपीटी -संचालित मूल्यांकन। में: यादव, एस., अरोड़ा, पी.के., शर्मा, ए.के., कुमार, एच. (संपादक) मैकेनिकल और ऊर्जा प्रौद्योगिकी पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही। आईसीएमईटी 2023। स्मार्ट इनोवेशन, सिस्टम और टेक्नोलॉजीज, खंड 390। स्प्रिंगर, सिंगापुर

पुस्तक में अध्याय

क्र. सं.	लेखक	अध्याय एवं पुस्तक का शीर्षक	संपादक का नाम	आई.एस.बी.एन. संख्या	संस्करण एवं वर्ष	प्रकाशक
1.	डॉ. वरिंदर कौर	जी.एन.एम. के लिए पोषण का पाठ्यपुस्तक	श्री भूपेश अरोड़ा	978-93-94525-63-4	तीसरा संस्करण, 2025	सीबीएस पब्लिशर
		जी.एन.एम. के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य नर्सिंग II का पाठ्यपुस्तक	श्री भरत परीक	978-93-92242-86-1	प्रथम संस्करण, 2025	विजन हेल्थ साइंसेज
2.	डॉ. ज्योति कथवाल	क्लिनिकल नर्सिंग प्रक्रियाएँ: कौशल आधारित मैनुअल	मीनाक्षी सोनी	10. 9392242638	प्रथम संस्करण, 2024	विजन हेल्थ साइंसेज
		वयस्क स्वास्थ्य नर्सिंग – I (एकीकृत पैथोफिजियोलॉजी के साथ)	मीनाक्षी सोनी	978-8197-5310	प्रथम संस्करण, 2025	विजन हेल्थ साइंसेज

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ

डॉ. मोनिका शर्मा

1) अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन (एएचए) के अंतर्गत बीएलएस प्रशिक्षक और एसीएलएस प्रशिक्षक
2) सोसाइटी ऑफ पेरिऑपरेटिव नर्सिंग (एसपीएन) इंडिया के तत्वावधान में इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग एजुकेशन एंड रिसर्च (आईएनईआर) एम्स बठिंडा द्वारा 18-19 मई, 2024 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ मौखिक शोध प्रस्तुति पुरस्कार प्राप्त किया।
3) शोध पत्रिका: "डब्ल्यूओसीएसआई (वाउंड एंड ऑस्टोमी केयर सोसाइटी ऑफ इंडिया), जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज" में संपादकीय सदस्य

4) शोध पत्रिका: "जर्नल ऑफ मेडिकल एविडेंस" (2 दिसंबर 2024) में समीक्षक
5) शोध पत्रिका: "जर्नल ऑफ फैमिली मेडिसिन एंड प्राइमरी केयर" (22 सितंबर 2024) में समीक्षक
6) बीएससी नर्सिंग छात्रों के लिए मीनाक्षी व्यास, पूजा चेतल और रुचि शर्मा द्वारा लिखित पुस्तक "टेक्स्टबुक ऑफ नर्सिंग मैनेजमेंट एंड लीडरशिप" की समीक्षक। (17 सितंबर 2024) (सौरभ मेडिकल पब्लिशर्स- ISBN-978-81-965545-9-0, प्रथम संस्करण: 2024)
7) एम.एम. कॉलेज ऑफ नर्सिंग, महर्षि मार्कंडेश्वर विश्वविद्यालय, कुमारहट्टी-सोलन में नर्सिंग समिति के संकाय में नामित। (7 अक्टूबर 2024 को आमंत्रित, बैठक 9 अक्टूबर 2024 को हुई)
8) बाबा फरीद यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज, फरीदकोट, पंजाब में नामांकित दो पीएचडी छात्रों के सह-पर्यवेक्षक।

डॉ. वरिंदर कौर

1) दिनांक 27 सितंबर 2024 को राष्ट्रीय फार्माकोविजिलेंस सप्ताह के उपलक्ष्य में फार्माकोलॉजी विभाग द्वारा आयोजित कविता लेखन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

डॉ. ज्योति कथवाल

1) डॉ. कंचन कपूर मल्होत्रा, ए., कौर जी., सिंह जे. द्वारा लिखित "बेसिक एंड एप्लाइड ह्यूमन एनाटॉमी एंड फिजियोलॉजी फॉर बी.एससी. नर्सिंग एंड एलाइड हेल्थ साइंस" पुस्तक की संपादक (सौरभ मेडिकल पब्लिशर्स- ISBN-13. 978-8196554538, 2024 संशोधित प्रथम संस्करण)

सामुदायिक सेवा

डॉ. वरिंदर कौर

1) 10 फरवरी 2025 को ग्रामीण अस्पताल गसौर, ब्लॉक मार्कंड में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान) के अंतर्गत प्रसवपूर्व महिलाओं के लिए स्वास्थ्य शिक्षा सत्र का आयोजन किया।
2) व्यक्तिगत स्वच्छता, संतुलित आहार, पर्यावरण स्वच्छता और मोबाइल की लत पर स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम और स्वास्थ्य शिक्षा सत्र का आयोजन किया। दिनांक 24 फरवरी 2025 को स्कूल स्वास्थ्य सेवाओं के अंतर्गत मिडिल स्कूल कोटला में।
3) दिनांक 8 मार्च 2025 को आंगनवाड़ी पंजैतन, ब्लॉक मार्कंड में एनटीईपी के अंतर्गत "100 दिवसीय अभियान" के अंतर्गत तपेदिक पर स्वास्थ्य जागरूकता सत्र का आयोजन।

डॉ. सुमनदीप कौर

1) एम्स, बिलासपुर के बाल रोग विभाग के तत्वावधान में सीएचसी मार्कंड, हिमाचल प्रदेश में राष्ट्रीय नवजात शिशु कार्रवाई सप्ताह (15-21 नवंबर 2024) मनाने हेतु नर्सिंग छात्रों की सक्रिय भागीदारी हेतु गतिविधियों (स्वास्थ्य शिक्षा, भूमिका-निभाना, प्रदर्शन) की योजना बनाई और निर्देशित किया।
2) एम्स, बिलासपुर के ओपीडी और प्रसूति वार्ड में मरीजों के लिए अगस्त 2024 के पहले सप्ताह में स्तनपान सप्ताह पालन संबंधी गतिविधियों का आयोजन।

श्रीमती इंदु बाला

1) एम्स, बिलासपुर के बाल रोग विभाग के तत्वावधान में सीएचसी मार्कंड, हिमाचल प्रदेश में राष्ट्रीय नवजात शिशु कार्रवाई सप्ताह (15-21 नवंबर 2024) मनाने के लिए नर्सिंग छात्रों की सक्रिय भागीदारी के लिए योजनाबद्ध और निर्देशित गतिविधियाँ (स्वास्थ्य शिक्षा, भूमिका निभाना, प्रदर्शन) ।
2) एम्स बिलासपुर में अगस्त के पहले सप्ताह में स्तनपान सप्ताह का आयोजन किया गया।
3) एम्स बिलासपुर के ओबीजी वार्ड में प्रसवपूर्व और प्रसवोत्तर देखभाल पर स्वास्थ्य शिक्षा का आयोजन किया गया।

डॉ. ज्योति कथवाल

1) हाथ धुलाई दिवस पर विभिन्न वार्डों और ओपीडी में मरीजों और उनके परिजनों के लिए स्वास्थ्य शिक्षा का आयोजन किया गया - अक्टूबर 2024
2) एड्स जागरूकता कार्यक्रम पर विभिन्न वार्डों और ओपीडी में मरीजों और उनके परिजनों के लिए स्वास्थ्य शिक्षा का आयोजन किया गया - दिसंबर 2024

3) मिर्गी जागरूकता कार्यक्रम पर विभिन्न वार्डों और ओपीडी में मरीजों और उनके परिजनों के लिए स्वास्थ्य शिक्षा का आयोजन किया गया - फरवरी 2025
4) मधुमेह की रोकथाम और मधुमेह पैर की देखभाल पर विभिन्न वार्डों और ओपीडी में मरीजों और उनके परिजनों के लिए स्वास्थ्य शिक्षा का आयोजन किया गया - सितंबर 2024
5) बिस्तर पर पड़े मरीजों की देखभाल पर विभिन्न वार्डों और ओपीडी में मरीजों और उनके परिजनों के लिए स्वास्थ्य शिक्षा का आयोजन किया गया - अक्टूबर 2024
6) विभिन्न वार्डों और ओपीडी में मरीजों और उनके परिजनों के लिए स्वास्थ्य शिक्षा का आयोजन किया गया पौष्टिक आहार पर वार्ड और ओपीडी - नवंबर 2024
7) टीबी की रोकथाम और उपचार के दौरान देखभाल पर विभिन्न वार्डों और ओपीडी में मरीजों और उनके परिजनों के लिए स्वास्थ्य शिक्षा का आयोजन - मार्च 2025
8) स्वच्छता की भूमिका निभाने और पोस्टर प्रदर्शनी पर विभिन्न वार्डों और ओपीडी में मरीजों और उनके परिजनों के लिए स्वास्थ्य शिक्षा का आयोजन - मार्च 2024
9) सीवीडी और मधुमेह की जांच के लिए सरकारी स्नातकोत्तर कॉलेज में सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया गया और एनसीडी और नशीली दवाओं की लत से संबंधित भूमिका निभाने का आयोजन 20 दिसंबर 2024 को किया गया।

सामुदायिक भागीदारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान बिलासपुर

ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES BILASPUR

सर्वे सन्तु निरामयाः

सामुदायिक भागीदारी गतिविधियाँ

विश्व स्वास्थ्य दिवस – 7 अप्रैल 2024

सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) बिलासपुर द्वारा विश्व स्वास्थ्य दिवस 2024 मनाया गया। 'मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार' विषय पर राष्ट्रीय स्तर की प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें एम्स बिलासपुर के एम.बी.बी.एस. विद्यार्थियों की 21 टीमों ने भाग लिया। शीर्ष चार टीमों का चयन अंतिम चरण हेतु किया गया, जो 08.04.2024 को संपन्न हुआ। विजेता टीमों एवं अंतिम चरण के प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।

विश्व स्वास्थ्य दिवस गतिविधियाँ – 8 अप्रैल 2025

नर्सिंग महाविद्यालय, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) बिलासपुर द्वारा 08 अप्रैल 2025 को विश्व स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनमें स्वास्थ्य वार्ता (विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रमों एवं योजनाओं पर) तथा नुक्कड़ नाटक (विषय: *डिजिटल डिटॉक्स*) शामिल थे। ये सभी गतिविधियाँ विश्व स्वास्थ्य दिवस की थीम *"मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार"* पर आधारित थीं।

विश्व टीकाकरण सप्ताह – 10 मई 2023

सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) बिलासपुर द्वारा विश्व टीकाकरण सप्ताह 2024 की थीम *"ह्यूमनली पॉसिबल: इम्यूनाइजेशन फॉर ऑल"* के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियाँ डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, बिलासपुर में आयोजित की गईं। विभाग के संकाय सदस्यों एवं एम.बी.बी.एस. द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने कक्षा 9वीं से 11वीं तक के लगभग 150 विद्यार्थियों को टीकाकरण के महत्त्व, विशेषकर किशोर टीकाकरण के संबंध में जागरूक किया। टीकाकरण से रोकी जा सकने वाली बीमारियों की निगरानी संबंधी जानकारी प्रदान की गई तथा टीकाकरण के इतिहास से लेकर वर्तमान तक की जानकारी दर्शाने वाला एक वीडियो प्रदर्शित किया गया। विद्यार्थियों को किशोर स्वास्थ्य से संबंधित विषयों पर भी संवेदनशील बनाया गया और उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

विश्व ल्यूपस दिवस – 10 मई 2024

इस अवसर पर एम्स बिलासपुर के *क्लिनिकल इम्यूनोलॉजी एवं रुमेटोलॉजी विभाग* तथा *आंतरिक चिकित्सा विभाग* द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ संकाय सदस्य, रेज़िडेंट चिकित्सक, नर्सिंग अधिकारी, एम.बी.बी.एस. विद्यार्थी एवं ल्यूपस से पीड़ित रोगियों ने भाग लिया। इस अवसर पर *ई-पोस्टर निर्माण* एवं *ई-स्लोगन लेखन प्रतियोगिता* भी आयोजित की गई। कार्यक्रम के दौरान रोगियों ने ल्यूपस के साथ अपने जीवन के अनुभव साझा किए तथा यह बताया कि उपचार से उनकी रोग-स्थिति एवं रोग-भार में किस प्रकार कमी आई।

विश्व उच्च रक्तचाप दिवस – 17 मई 2024

सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) बिलासपुर द्वारा *"रक्तचाप को सही रूप से मापें, उसे नियंत्रित करें, और लंबा जीवन जिएं"* विषय पर विश्व उच्च रक्तचाप दिवस मनाया गया। एम.बी.बी.एस. द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों के बीच प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई तथा पैरामेडिकल साइंसेज़ (बी.एससी.) प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को भी इस विषय पर जागरूक किया गया। विभाग के संकाय सदस्यों द्वारा सटीक रक्तचाप मापने के महत्त्व, उच्च रक्तचाप की शीघ्र पहचान तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर उसे रोकने के उपायों पर स्वास्थ्य शिक्षा सत्र आयोजित किए गए।

विश्व मासिक धर्म स्वच्छता दिवस – 28 मई 2024

सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) बिलासपुर द्वारा *"टुगेदर फॉर ए #पीरियडफ्रेंडलीवर्ल्ड"* थीम पर विश्व मासिक धर्म स्वच्छता दिवस 2024 मनाया गया। यह कार्यक्रम *राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय (कन्या), रौड़ा, जिला बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश* में आयोजित किया गया। कक्षा 9वीं से 12वीं तक की 350 से अधिक छात्राओं एवं विद्यालय स्टाफ को मासिक धर्म की प्रक्रिया, इस अवधि में रखी जाने वाली स्वच्छता, मासिक धर्म से संबंधित सामान्य भ्रांतियों एवं गलतफहमियों के निवारण तथा *मासिक धर्म स्वच्छता योजना* के अंतर्गत उपलब्ध सेवाओं के विषय में जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में *#पीरियडफ्रेंडलीवर्ल्ड* की दिशा में पुरुष सहभागिता के महत्त्व पर भी बल दिया गया। इस अवसर पर छात्राओं को थीम *#पीरियडफ्रेंडलीवर्ल्ड* से संबंधित बैज वितरित किए गए।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस – 31 मई 2024

सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) बिलासपुर द्वारा *"तंबाकू उद्योग के हस्तक्षेप से बच्चों की सुरक्षा"* थीम पर विश्व तंबाकू निषेध दिवस 2024 मनाया गया। विभाग के संकाय सदस्यों एवं रेज़िडेंट चिकित्सकों द्वारा तंबाकू के दुष्प्रभावों, युवाओं को आकर्षित करने में तंबाकू उद्योग की रणनीतियों तथा तंबाकू सेवन से बचाव के उपायों पर स्वास्थ्य शिक्षा प्रदान की गई। इसमें ध्यान, योग, हेल्पलाइन नंबर तथा *टेली-मानस (Tele-MANAS)* जैसी पहल की जानकारी दी गई। स्वास्थ्य वार्ता के उपरांत सभी विद्यार्थियों ने तंबाकू का किसी भी रूप में सेवन न करने की *शपथ* ली और *हस्ताक्षर अभियान* में भाग लिया।

विश्व सिकल सेल एनीमिया दिवस – 19 जून 2024

सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) बिलासपुर द्वारा *बाल रोग विभाग* के सहयोग से सिकल सेल एनीमिया के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गईं। बाल रोग एवं अंत:स्रावी रोग (एंडोक्रिनोलॉजी) ओपीडी में एक संवेदनशीलता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें विभाग के संकाय सदस्यों ने विषय पर चर्चा की। एम.बी.बी.एस. विद्यार्थियों द्वारा *शैक्षणिक नाटक (रोल-प्ले)* प्रस्तुत किया गया, जिसके माध्यम से गैर-संचारी रोगों के प्रति जानकारी एवं सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस – 21 जून 2024

संस्थान के संकाय सदस्य, विद्यार्थी एवं कर्मचारीगण ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योगाभ्यास में भाग लिया और योग का अभ्यास किया। शारीरिकी विभाग द्वारा संकाय, विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों के लिए एक माह पूर्व से योगाभ्यास सत्रों का समन्वयन किया गया। सत्र के दौरान संस्थान के योग प्रशिक्षकों ने सभी प्रतिभागियों को योगाभ्यास की सही विधि का प्रदर्शन एवं प्रशिक्षण दिया। ओपीडी ब्लॉक में *सामुदायिक जागरूकता गतिविधि* भी आयोजित की गई, जिसमें शारीरिकी एवं औषधि (मेडिसिन) विभाग के संकाय सदस्यों ने रोगियों एवं उनके परिजनों को योग के लाभों तथा निष्क्रिय जीवनशैली के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों के विषय में जागरूक किया।

विश्व जनसंख्या दिवस – 11 जुलाई 2024

सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) बिलासपुर द्वारा एच.डब्ल्यू.सी.–पी.एच.सी. रौड़ा, बिलासपुर में सतत जनसंख्या प्रबंधन एवं स्वास्थ्य परिणामों में सुधार में इसकी भूमिका विषय पर एक व्यापक स्वास्थ्य वार्ता एवं जन-जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में समुदाय के सदस्यों, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं एवं आशा कार्यकर्ताओं सहित लगभग 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

"ब्रेकिंग बैरियर्स: चिकित्सा परिवेश में ट्रांसजेंडर समावेशन को बढ़ावा" – 13 जुलाई 2024

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) बिलासपुर के सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा विभाग द्वारा ट्रांसजेंडर समावेशन को प्रोत्साहित करने हेतु एक अत्यंत सफल कार्यक्रम आयोजित किया गया। सत्र में प्रमुख वक्ताओं ने ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के कानूनी अधिकारों तथा उनके साथ होने वाले भेदभाव के विषय में अपने अनुभव एवं विशेषज्ञ विचार साझा किए। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों, नर्सिंग अधिकारियों एवं कर्मचारियों सहित लगभग 100 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

अंगदान माह – जुलाई 2024

सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) बिलासपुर द्वारा अंगदान जन जागरूकता अभियान के अंतर्गत अंगदान माह (जुलाई 2024) के दौरान ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र, मार्कंड, बिलासपुर में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।एम.बी.बी.एस. विद्यार्थियों द्वारा नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर अंगदान के महत्त्व पर जागरूकता फैलायी गई।विभाग के संकाय सदस्यों एवं रेज़िडेंट चिकित्सकों ने आशा कार्यकर्ताओं को अंगदान के विषय में संवेदनशील बनाया। इस अवसर पर 50 से अधिक प्रतिभागियों को एन.ओ.टी.टी.ओ. (NOTTO) पर पंजीकरण हेतु प्रेरित किया गया।

बहुविशेषज्ञ स्वास्थ्य शिविर – 18 से 20 जुलाई 2024

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) बिलासपुर द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से केलोंग, लाहौल एवं स्पीति में 18 से 20 जुलाई 2024 तक एक बहुविशेषज्ञ चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य इस दूरस्थ जनजातीय क्षेत्र में विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करना था। छः विशेषज्ञताओं के चिकित्सकों की टीम ने केलोंग, शांशा और उदयपुर में कुल 491 रोगियों का उपचार किया। मुख्य रूप से गैस्ट्राइटिस, माइग्रेन, कान के संक्रमण, विटामिन-डी की कमी एवं सर्विसाइटिस जैसी स्वास्थ्य समस्याएँ पाई गईं। इस शिविर ने न केवल समुदाय तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच को सुदृढ़ किया, बल्कि अल्पसेवित क्षेत्रों में नियमित विशेषज्ञ भ्रमण की आवश्यकता को भी रेखांकित किया।

राष्ट्रीय अंगदान दिवस – 3 अगस्त 2024

नेफ्रोलॉजी विभाग एवं नेत्र रोग विभाग द्वारा सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा विभाग के सहयोग से राष्ट्रीय अंगदान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान संकाय सदस्यों ने एम.बी.बी.एस. विद्यार्थियों को अंगदान के महत्त्व, दान किए जा सकने वाले विभिन्न अंगों एवं ऊतकों तथा एन.ओ.टी.टी.ओ. (NOTTO) पर पंजीकरण की प्रक्रिया के विषय में जानकारी प्रदान की। साथ ही किडनी प्रत्यारोपण एवं कॉर्निया प्रत्यारोपण की सफल कहानियाँ भी साझा की गईं, जिससे विद्यार्थियों को अंगदान के मानवीय एवं चिकित्सीय महत्त्व का बोध कराया गया।

विश्व स्तनपान सप्ताह - 1 से 7 अगस्त 2024

सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा विभाग ने आंगनवाड़ी केंद्र परोही में विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया। संकाय सदस्यों ने स्तनपान के महत्व पर चर्चा की, स्तनपान कराने की विभिन्न स्थितियों का प्रदर्शन किया और स्तनपान कराने वाली माताओं के सामने आने वाली चुनौतियों से निपटने के तरीकों पर चर्चा की। एम.बी.बी.एस. के छात्रों ने पोस्टर तैयार किए और लाभार्थियों को उनका प्रदर्शन किया। माताओं ने अपने शिशुओं के साथ सेल्फी भी लीं। एम्स बिलासपुर के नर्सिंग कॉलेज ने 7 अगस्त 2024 को प्रसूति एवं स्त्री रोग ओपीडी और प्रसूति वार्ड में इस वर्ष की थीम "अंतर को पाटना: सभी के लिए स्तनपान समर्थन" पर आधारित स्तनपान पर एक स्वास्थ्य चर्चा और रोल प्ले का आयोजन किया। कामकाजी और गैर-कामकाजी माताओं द्वारा प्रसवपूर्व माताओं, स्तनपान कराने वाली माताओं और परिवार के सदस्यों के बीच स्तनपान के लाभों और तकनीकों के विषय में जागरूकता पैदा की गई।

स्वतंत्रता दिवस – 15 अगस्त 2024

मनोचिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) बिलासपुर द्वारा विभिन्न मानसिक रोगों से उपचाररत आंतरिक रोगियों के साथ स्वतंत्रता दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। रोगियों ने चित्रकला प्रतियोगिता, भाषण एवं देशभक्ति गीतों जैसी विभिन्न गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस आयोजन का उद्देश्य समाज में यह संदेश देना था कि मानसिक रोगों से ग्रसित व्यक्तियों के प्रति पूर्वाग्रह एवं भेदभावपूर्ण व्यवहार से स्वयं को मुक्त करना आवश्यक है — ताकि उन्हें समानता एवं सम्मान के साथ समाज की मुख्यधारा में स्थान मिल सके।

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह – 1 से 7 सितम्बर 2024

सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) बिलासपुर द्वारा कोठीपुरा में स्वास्थ्य जांच, पोषण मूल्यांकन एवं परामर्श शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में लगभग 50 लाभार्थियों — जिनमें गर्भवती महिलाएँ, स्तनपान कराने वाली माताएँ, वयस्क महिलाएँ, बच्चे एवं किशोरियाँ शामिल थीं — को स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी सेवाएँ प्रदान की गईं।

राष्ट्रीय औषधि सतर्कता सप्ताह – 17 से 23 सितम्बर 2024

भेषजगुण विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) बिलासपुर द्वारा राष्ट्रीय औषधि सतर्कता सप्ताह के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गईं। एम.बी.बी.एस. विद्यार्थियों द्वारा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मार्कंड तथा एम्स अस्पताल, बिलासपुर में नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए गए। इसके अतिरिक्त स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए संवेदनशीलता व्याख्यान, वॉकथॉन तथा विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों के लिए स्लोगन एवं कविता लेखन, रंगोली निर्माण, ई-पोस्टर एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। इन सभी गतिविधियों का उद्देश्य रोगियों एवं स्वास्थ्य कर्मियों में औषधि प्रतिकूल प्रभाव (ADR) रिपोर्टिंग की संस्कृति को प्रोत्साहित करना था।

विश्व रेबीज दिवस – 28 सितम्बर 2024

सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) बिलासपुर द्वारा "ब्रेकिंग रेबीज बाउंड्रीज़" थीम पर सिविल अस्पताल, मार्कंड में सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लगभग 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसमें समुदाय को रेबीज संक्रमण के प्रसार के विषय में जागरूक किया गया। विभाग के संकाय सदस्यों एवं रेज़िडेंट चिकित्सकों ने पशु के काटने के बाद घाव को तुरंत धोने तथा टीका एवं इम्युनोग्लोबुलिन प्राप्त करने हेतु शीघ्र स्वास्थ्य केंद्र पहुँचने के महत्त्व पर विशेष बल दिया।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस – 10 अक्तूबर 2023

मनोचिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) बिलासपुर द्वारा 8 अक्तूबर को नर्सिंग विद्यार्थियों, अस्पताल कर्मियों एवं मनोचिकित्सा विभाग में उपचाराधीन रोगियों के लिए पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता आयोजित की गई। बी.एससी. नर्सिंग विद्यार्थियों द्वारा मानसिक विकारों के प्रति जागरूकता फैलाने हेतु नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। इसके अतिरिक्त, सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा विभाग के संकाय सदस्यों ने 10 अक्तूबर 2024 को राजकीय उच्च विद्यालय, देलग में *स्वास्थ्य वार्ता* आयोजित की, जिसमें 50 से अधिक शिक्षक एवं विद्यार्थी सम्मिलित हुए।

ओपन एयर जेल में मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष कार्यक्रम – 15 अक्तूबर 2024

मनोचिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) बिलासपुर द्वारा ओपन एयर जेल, बिलासपुर में मानसिक स्वास्थ्य पर एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कैदियों को मानसिक स्वास्थ्य के महत्त्व के प्रति जागरूक करना तथा जीवन की चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने हेतु सकारात्मक रणनीतियाँ अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना था।

स्तन कैंसर जागरूकता माह – अक्तूबर 2024

सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) बिलासपुर द्वारा "नो वन शुड फेस ब्रेस्ट कैंसर अलोन" थीम पर 28 अक्तूबर 2024 को ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र, मार्कंड में स्तन कैंसर जागरूकता माह मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान मार्कंड ब्लॉक *की* आशा कार्यकर्ताओं को विभाग के संकाय सदस्यों एवं रेज़िडेंट चिकित्सकों द्वारा समुदाय में स्तन कैंसर की जाँच एवं पहचान में उनकी भूमिका के महत्त्व के संबंध में संवेदनशील बनाया गया।

विश्व टीकाकरण दिवस – 11 नवम्बर 2024

सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) बिलासपुर द्वारा ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र, मार्कंड *में* सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 45 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें समुदाय को बच्चों एवं वयस्कों के लिए टीकाकरण *के महत्त्व* के विषय में जागरूक किया गया। एम.बी.बी.एस. द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने आम जनता को यह बताया कि टीके हमें टीकाकरण से रोकी जा सकने वाली बीमारियों से कैसे सुरक्षा प्रदान करते हैं, टीकाकरण के लाभ क्या हैं, तथा सर्वजन टीकाकरण कार्यक्रम (Universal Immunization Program) के अंतर्गत कौन-कौन से टीके उपलब्ध हैं।

विश्व निमोनिया दिवस – 13 नवम्बर 2024

सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) बिलासपुर द्वारा पाँच वर्ष से कम आयु के बच्चों के साथ आई माताओं, रोगियों, उनके परिजनों तथा कर्मचारियों को निमोनिया, उसके लक्षण, रोकथाम एवं उपचार के विषय में जागरूक किया गया। स्वास्थ्य शिक्षा वीडियो और प्लेकार्ड्स के माध्यम से भी जानकारी प्रदान की गई, जिससे लोगों में निमोनिया की रोकथाम एवं नियंत्रण के प्रति बेहतर समझ विकसित हो सके।

विश्व मधुमेह दिवस – 14 नवम्बर 2024

सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) बिलासपुर द्वारा "बाधाओं को तोड़ना, अंतरालों को पाटना" विषय पर विश्व मधुमेह दिवस 2024 मनाया गया। यह कार्यक्रम लाइफस्टाइल मैनेजमेंट एवं स्टाफ वेलनेस क्लिनिक, ओपीडी ब्लॉक में आयोजित किया गया। इस अवसर पर 26 प्रतिभागियों की स्क्रीनिंग की गई, जिनमें एम्स बिलासपुर के संकाय सदस्य, रेजिडेंट डॉक्टर, नर्सिंग अधिकारी, संस्थान के अन्य कर्मचारी, रोगी तथा उनके परिजन शामिल थे।

राष्ट्रीय नवजात शिशु सप्ताह – 15 से 21 नवम्बर 2024

नवजात शिशु विभाग द्वारा राष्ट्रीय नवजात शिशु सप्ताह मनाया गया। इस अवसर पर सिविल अस्पताल, मार्कंड के बीएमओ के सहयोग से जनसमुदाय के लिए नवजात शिशु की आवश्यक देखभाल, घर पर नवजात देखभाल तथा पीलिया के विषय पर जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जनसामान्य को स्वच्छता, अनन्य स्तनपान, टीकाकरण, कंगारू मदर केयर, खतरे के संकेतों की पहचान तथा गलत बाल-पालन प्रथाओं से बचने के विषय में जागरूक किया गया। एम्स बिलासपुर के तृतीय वर्ष के नर्सिंग छात्रों द्वारा नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। इसके पश्चात् डॉ. नलिनी एवं नर्सिंग अधिकारी द्वारा स्वास्थ्य वार्ता आयोजित की गई। एम्स बिलासपुर के ओपीडी ब्लॉक में भी नवजात शिशु की आवश्यक देखभाल, घर पर नवजात देखभाल तथा पीलिया के विषय पर एक अन्य जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। एम.बी.बी.एस. तथा नर्सिंग छात्रों के लिए पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता आयोजित की गई तथा विजेताओं को सम्मानित किया गया।

विश्व रोगाणुरोधी प्रतिरोध जागरूकता सप्ताह – 18 से 24 नवम्बर 2024

भेषजगुण विज्ञान तथा सूक्ष्मजीव विज्ञान विभागों द्वारा विश्व रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर) जागरूकता सप्ताह मनाया गया। इस अवसर पर पोस्टर प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता एवं अतिथि व्याख्यान जैसी विविध गतिविधियाँ आयोजित की गईं। चिकित्सा अधिकारियों, सामुदायिक स्वास्थ्य कर्मियों तथा अन्य स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए सिविल अस्पताल, मार्कंड, बिलासपुर में एक संवेदनशीलता सत्र आयोजित किया गया, जिसमें एएमआर के प्रति जागरूकता बढ़ाने एवं इसके रोकथाम हेतु रणनीतियों पर चर्चा की गई।

विश्व एड्स दिवस – 1 दिसम्बर 2024

समुदाय एवं परिवार चिकित्सा विभाग, एम्स बिलासपुर द्वारा विश्व एड्स दिवस के अवसर पर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक (बाल) विद्यालय, रौड़ा में कार्यक्रम आयोजित किया गया। एम.बी.बी.एस. विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से विद्यालय के विद्यार्थियों को एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूक किया। विभाग के संकाय सदस्यों एवं रेजिडेंट चिकित्सकों ने एचआईवी/एड्स के संचरण के तरीकों, रोकथाम, और इससे जुड़ी भ्रांतियों एवं कलंक के विषय में जागरूकता बढ़ाने हेतु स्वास्थ्य वार्ता दी। कार्यक्रम में यह संदेश दिया गया कि एचआईवी/एड्स से पीड़ित प्रत्येक व्यक्ति की गरिमा, स्वास्थ्य एवं स्वायत्तता का सम्मान किया जाना चाहिए। इस कार्यक्रम में 150 से अधिक विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया।

गठिया जाँच शिविर – 17 दिसम्बर 2024

क्लिनिकल इम्यूनोलॉजी एवं रूमेटोलॉजी विभाग द्वारा कुल्लू स्थित जिला दिव्यांगता एवं पुनर्वास केंद्र में गठिया जाँच शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 130 मरीजों को लाभ प्राप्त हुआ। विभाग की टीम ने गठिया, उच्च रक्तचाप एवं मधुमेह की जाँच की तथा विशेषज्ञ परामर्श प्रदान किया।

मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम – 21 दिसम्बर 2024

नर्सिंग महाविद्यालय के तृतीय वर्ष बी.एससी. छात्रों द्वारा एआईआईएमएस बिलासपुर की ओपीडी में उपस्थित मरीजों और उनके परिजनों के लिए मानसिक स्वास्थ्य और मानसिक विकारों पर एक स्वास्थ्य शिक्षा सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र का उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना, रोकथाम के उपायों एवं उपचार संबंधी जानकारी प्रदान करना था।

विश्व कैंसर दिवस – 5 फरवरी 2025

नर्सिंग महाविद्यालय द्वारा एम्स बिलासपुर की ओपीडी में उपस्थित मरीजों एवं उनके परिजनों के लिए कैंसर की रोकथाम पर एक जनजागरूकता सत्र आयोजित किया गया। इस अवसर पर आयोजित स्वास्थ्य वार्ता में कैंसर के सामान्य जोखिम कारक, लक्षण तथा उपलब्ध उपचार विधियों के विषय में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई।

स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम – 22 फरवरी 2025

नर्सिंग महाविद्यालय के बी.एससी. नर्सिंग तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों ने राजकीय माध्यमिक विद्यालय, कोटला में एक स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम आयोजित किया। विद्यार्थियों ने स्कूल के बच्चों को व्यक्तिगत स्वच्छता, पर्यावरणीय स्वच्छता, संतुलित आहार तथा मोबाइल फोन की लत से बचाव के विषय में जागरूक किया।

एचपीवी टीकाकरण जागरूकता शिविर – 26 फरवरी 2024

प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग तथा सामुदायिक एवं परिवार चिकित्सा विभाग द्वारा जवाहर नवोदय विद्यालय, बिलासपुर में एचपीवी टीकाकरण जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। इस अवसर पर 9 से 14 वर्ष आयु की 120 छात्राओं को गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर की रोकथाम के विषय में जानकारी दी गई।

विश्व गुर्दा दिवस – 17 मार्च 2025

नेफ्रोलॉजी विभाग ने सोसाइटी फॉर किडनी केयर के सहयोग से विश्व गुर्दा दिवस 2025 मनाया। बी.एससी. (डायलिसिस थेरेपी टेक्नोलॉजी) 2023 बैच के छात्रों ने मरीजों और आम जनता में गुर्दे के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु एक सारगर्भित नाटक प्रस्तुत किया। इस अवसर पर छात्रों के लिए पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें उन्होंने गुर्दा स्वास्थ्य के प्रति अपने रचनात्मक विचार प्रस्तुत किए।

100 दिवसीय टी.बी. मुक्त अभियान – मार्च 2024

समुदाय एवं परिवार चिकित्सा विभाग, एम्स बिलासपुर ने जिला बिलासपुर के ब्लॉक मार्कंड में आयोजित निक्षय शिविरों में *जनभागीदारी* के रूप में सक्रिय भागीदारी निभाई। 7 मार्च 2025 को जवाहर नवोदय विद्यालय, कोठीपुरा में एम.बी.बी.एस. विद्यार्थियों द्वारा क्षय रोग (टी.बी.) के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने हेतु नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। 9 मार्च 2025 को संकाय सदस्यों, स्नातकोत्तर छात्र एवं इंटर्न की टीम ने डियारा सेक्टर में आयोजित निक्षय शिविर में सक्रिय रूप से भाग लिया। 11 मार्च को एम.बी.बी.एस. छात्रों ने पंचायत घर, बंदला में नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर टी.बी. के लक्षणों, संक्रमण के तरीकों तथा निदान एवं उपचार हेतु उपलब्ध सुविधाओं के विषय में जनजागरूकता फैलायी। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित निक्षय शिविर के दौरान हैंड-हेल्ड एक्स-रे एवं Cy-TB टेस्ट के माध्यम से टी.बी. की स्क्रीनिंग की गई। इस शिविर में आमजन, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी एवं आशा कार्यकर्ताओं सहित 50 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

खबरों में एम्स बिलासपुर

क्र. सं.	समाचार	समाचार एजेंसी	तिथि
1.	एम्स बिलासपुर में गूंजी कव्वाली	दिव्य हिमाचल	अप्रैल-24
2.	एम्स बिलासपुर में कव्वाली रात से जमा खूब रंग	अमर उजाला	अप्रैल-24
3.	एम्स बिलासपुर में शुरू हुई पोस्टमार्टम की सुविधा	अमर उजाला	अप्रैल-24
4.	विश्व आपातकालीन दिवस पर एम्स में जनता में जागरुकता फैलाई गयी	अमर उजाला	मई 24
5.	एम्स में पल्मोनरी मेडिसिन, पीएमआर की आईपीडी की जल्द होगी शुरुआत	अमर उजाला	मई 24
6.	एम्स के चिकित्सकों ने छात्राओं को किया जागरूक	दिव्य हिमाचल	मई 24
7.	एम्स के विशेष्यज्ञों ने किया एनीमिया के प्रति जागरूक	दिव्य हिमाचल	जून 24
8.	एम्स बिलासपुर में दो माह बाद शुरू होगा मरीजों के लिए ड्रोन सेवा	दिव्य हिमाचल	जून 24
9.	एम्स बिलासपुर में घुटने की पहली सफल ऑर्थोस्कोपिक सर्जरी	संवाद समाचार एजेंसी	जून 24
10.	एम्स बिलासपुर में मनाया अंतरराष्ट्रिय योग दिवस	संवाद समाचार एजेंसी	जून 24
11.	एम्स के विशेषज्ञों ने काँगड़ा के नूरपुर में शिविर में की लोगों के स्वास्थ्य की जाँच	अमर उजाला	जुलाई 24
12.	एम्स बिलासपुर में जल्द शुरू होगा किडनी ट्रांसप्लांट	दिव्य हिमाचल	जुलाई 24
13.	एम्स बिलासपुर में पहली बार कंधा बदलने का सफल ऑपरेशन किआ गया	सवेरा न्यूज़	जुलाई 24
14.	एम्स में शुरू हुआ जीवन शैली प्रबंधन क्लीनिक	सवेरा न्यूज़	अगस्त 24
15.	एम्स में डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए बनाई कमेटी	अमर उजाला	अगस्त 24
16.	एम्स में हेली एम्बुलेंस शुरू करने की तैयारी	अमर उजाला	सितंबर 24
17.	एम्स बिलासपुर में आत्महत्या के मामलों को रोकने के लिए लोगों को जागरूक किया गया	अमर उजाला	सितंबर 24
18.	एम्स दे रहा अल्कोहाल, चिट्टा और गांजा के आदी मरीजों को नई ज़िंदगी	अमर उजाला	सितंबर 24
19.	भांग के नशे से हो सकती है मानसिक बीमारी सिज़ोफ्रेनिया	संवाद समाचार एजेंसी	सितंबर 24
20.	एम्स में अगले सप्ताह से शुरू हो सकता है किडनी ट्रांसप्लांट	संवाद समाचार एजेंसी	सितंबर 24
21.	अब एम्स बिलासपुर छुड़वाएगा तंबाकू की लत	दिव्य हिमाचल	सितंबर 24
22.	एम्स ने महाविद्यालय झंडूत्ता में लगाया स्वास्थ्य जाँच एवं जागरूकता शिविर	दिव्य हिमाचल	सितंबर 24
23.	एम्स में एमनियोसेंटेसिस सुविधा शुरू	दिव्य हिमाचल	सितंबर 24
24.	एम्स के चिकित्सकों ने कोठीपुरा स्कूल के छात्रों को दी स्वछता की जानकारी	अमर उजाला	सितंबर 24

क्र. सं.	समाचार	समाचार एजेंसी	तिथि
25.	भ्रूण रोगग्रस्त तो नहीं, गर्भ में ही लगेगा पता	दिव्य हिमाचल	सितंबर 24
26.	एम्स में शुरू हुआ कर्मचारी कल्याण क्लीनिक	दिव्य हिमाचल	सितंबर 24
27.	नरेंद्र मोदी जी ने किआ २३२ करोड़ की अत्याधुनिक सेवाओं का शुभारंभ	दिव्य हिमाचल	सितंबर 24
28.	एम्स मैं हृदय रोगों के प्रति किया लोगों को जागरूक	अमर उजाला	सितंबर 24
29.	हिमाचल के चारों मेडिकल कॉलेजों के प्रोफेसर करेंगे एम्स का विजिट	दिव्य हिमाचल	सितंबर 24
30.	एम्स में आधुनिक न्यूट्रिशन लैब बनाएगी पोषण और आहार विज्ञान में दक्ष	अमर उजाला	अक्टूबर 24
31.	एम्स में तीन माह में शुरू होगा एंडोब्रोंकिअल अल्ट्रासाउंड	अमर उजाला	अक्टूबर 24
32.	एम्स में राष्ट्रिय फार्माकोविजीलैंस सप्ताह मनाया गया	अमर उजाला	अक्टूबर 24
33.	दवाइयों के दुष्प्रभाव की एम्स में होगी मॉनिटरिंग	संवाद समाचार एजेंसी	अक्टूबर 24
34.	एम्स में जल्द शुरू होगी हार्ट सर्जरी	संवाद समाचार एजेंसी	अक्टूबर 24
35.	नुक्कड़ नाटक के माध्यम से छात्रों ने लोगों को दी गठिये की जानकारी	अमर उजाला	अक्टूबर 24
36.	नींद विकार के रोगियों का अब एम्स बिलासपुर में हो सकेगा इलाज	संवाद समाचार एजेंसी	अक्टूबर 24
37.	एम्स से ड्रोन धर्मपुर लैब पहुंचाएगा ब्लड सैंपल	दिव्य हिमाचल	अक्टूबर 24
38.	एम्स में सैन्य चिकित्सा अधिकारीयों को ट्रेनिगं दी गयी	सवेरा न्यूज़	अक्टूबर 24
39.	एम्स बिलासपुर में बनेगा 355 बिस्तर का ट्रामा सेंटर	सवेरा न्यूज़	अक्टूबर 24
40.	एम्स बिलासपुर में किडनी प्रत्यारोपण आईसीयू शुरू	सवेरा न्यूज़	अक्टूबर 24
41.	एम्स में होगा वायरस पर अनुसंधान, रोगों को रोकने में मिलेगी मदद	सवेरा न्यूज़	नवंबर 24
42.	एम्स में मिल रही सस्ती जेनेरिक दवाइयां	दिव्य हिमाचल	नवंबर-24
43.	एम्स बिलासपुर में डॉक्टरों ने जानीं रोगियों के बेहतर इलाज की तकनीक	दिव्य हिमाचल	नवंबर-24
44.	एम्स बिलासपुर में किडनी प्रत्यारोपण का दूसरा सफल ऑपरेशन	दैनिक सवेरा	नवंबर-24
45.	एम्स में बीएसएफ के चिकित्सा अधिकारीयों का प्रशिक्षण शुरू	दैनिक सवेरा	नवंबर-24
46.	एम्स बिलासपुर में होगा घुटनों और जोड़ों के दर्द का इलाज	दैनिक सवेरा	नवंबर-24
47.	एम्स में होगा सांस संबंधी रोगों का गहन उपचार	दिव्य हिमाचल	नवंबर-24
48.	एम्स बिलासपुर के विशेषज्ञ रखेंगे जिला के कुपोषित बच्चों का ध्यान	दिव्य हिमाचल	नवंबर-24
49.	एम्स की कौशल प्रशिक्षण लैब में हुई पहली कार्यशाला	दिव्य हिमाचल	नवंबर-24
50.	एम्स से बलगम के सैंपल ले टीबी सेनिटोरियम धर्मपुर पहुंचा ड्रोन	दैनिक सवेरा	नवंबर-24

क्र. सं.	समाचार	समाचार एजेंसी	तिथि
51.	एम्स बिलासपुर में पेन क्लीनिक की सेवाएं आरंभ	अमर उजाला	नवंबर-24
52.	एम्स में पुराने दर्द के ब्लॉक आघात रोगियों की स्कैनिंग	अमर उजाला	नवंबर-24
53.	एम्स बिलासपुर में किडनी प्रत्यारोपण का दूसरा सफल ऑपरेशन	अमर उजाला	नवंबर-24
54.	ड्रोन से सैंपल ले जाने की योजना का हो रहा विस्तार	अमर उजाला	नवंबर-24
55.	एम्स बिलासपुर में करवाया जाएगा आपातकालीन चिकित्सा डिप्लोमा	दिव्य हिमाचल	नवंबर-24
56.	एम्स में इमरजेंसी मेडिकल तकनीशियन कोर्स शुरू	दिव्य हिमाचल	दिसम्बर-24
57.	एम्स में तीमारदारों को मिलेगा आश्रय	दैनिक सवेरा	दिसम्बर-24
58.	एम्स बिलासपुर की टीम ने कुल्लू में लगाया गठिया स्क्रीनिंग शिविर	दैनिक सवेरा	दिसम्बर-24
59.	एहएमपीवी पर चौकसी बिलासपुर एम्स में आईसीयू शुरू	दिव्य हिमाचल	दिसम्बर-24
60.	एम्स में ऑटोनोमिक फंक्शन टेस्टिंग पर करवाई वर्कशॉप	दिव्य हिमाचल	दिसम्बर-24
61.	एम्स में लोगों को कैंसर से बचाव उपचार के विषय में किया जागरूक	दैनिक सवेरा	दिसम्बर-24
62.	एम्स बिलासपुर में मार्च से पैट स्कैन नहीं जाना पड़ेगा स्नातकोत्तरआई चंडीगढ़	दैनिक सवेरा	जनवरी-25
63.	एम्स में वेट्स से फेफड़े के ट्यूमर की सफल सर्जरी	अमर उजाला	जनवरी-25
64.	एम्स बिलासपुर में 720 बिस्तरों की सुविधा मरीजों का रिकॉर्ड होगा डिजिटल	अमर उजाला	फरवरी-25
65.	किडनी ट्रांसप्लांट के बाद अब स्टेम सेल थैरेपी भी एम्स बिलासपुर में शुरू	दैनिक जागरण	फरवरी-25
66.	बिलासपुर एम्स में पैट स्कैन शरू, पोर्टेबल अस्पताल मिला	दैनिक जागरण	फरवरी-25
67.	एम्स बिलासपुर में बनेगी वीआरडीएल लैब, खतरनाक वायरस की होगी जाँच	दैनिक जागरण	मार्च-25
68.	आपदा स्थान पर मिलेगा इलाज, दो भीष्म क्यूब एम्स बिलासपुर पहुंचे	अमर उजाला	मार्च-25
69.	भीष्म क्यूब से लैस देश का पहला संसथान बना एम्स बिलासपुर, आपदा या सड़क दुर्घटना के पीड़ितों को मौके पर मिलेगा इलाज	अमर उजाला	मार्च-25
70.	एम्स बिलासपुर में बिना बेहोश किये निकला थायरायड ग्रंथि	अमर उजाला	मार्च-25
71.	पी एच सी रौड़ा में मिलेंगी एम्स विशेषज्ञ चिकित्स्कों की सेवाएं	सवेरा न्यूज़	मार्च-25
72.	एम्स को जल्द मिलेंगे 35 विशेषयज्ञ चिकित्सक	सवेरा न्यूज़	मार्च-25
73.	एम्स बिलासपुर ने बचाई बुजुर्ग की जान, हिमाचल में पहली बार अवेक थायरॉइडोक्टोमी की हुई सफल सर्जरी	सवेरा न्यूज़	मार्च-25

वार्षिक लेखा
(वित्तीय वर्ष २०२४-२५)

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान बिलासपुर

ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES BILASPUR

सर्वे सन्तु निरामयाः

भारतीय लेखापरीक्षा तथा लेखा विभाग

कार्यालय प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय), चण्डीगढ़

Indian Audit & Accounts Department

Office of The Principal Director of Audit (Central), Chandigarh

सत्यमेव जयते

स०/No: पी. डी. ए.सी.के व्यय/SAR/AIIMSbilaspur/2024-25/ 644 दि०/Dated: 13.11.2025

सेवा मे,

सचिव,
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
(Ministry of Health & Family Welfare),
भारत सरकार,
कृषि भवन, नई दिल्ली – 110001

विषय: All India Institute of Medical Sciences, Bilaspur, Himachal Pradesh के वर्ष 2024-25 के लेखाओं पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन

महोदय/महोदया,

कृप्या All India Institute of Medical Sciences, Bilaspur, Himachal Pradesh के वर्ष 2024-25 के लेखाओं पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन (Separate Audit Report) संसद के दोनों सदनों के समक्ष प्रस्तुत करने हेतु संलग्न पाएं | संसद में प्रस्तुत होने तक प्रतिवेदन को गोपनीय रखा जाए |

संसद में प्रस्तुत करने के उपरांत प्रतिवेदन की पांच प्रतियाँ इस कार्यालय को भी भेज दी जाएं |

कृप्या इस पत्र की पावती भेजें |

भवदीया,

संलग्न: उपरोक्त अनुसार

प्रधान निदेशक

उपरोक्त की प्रतिलिपी वर्ष 2024-25 की पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन की प्रति सहित आवश्यक कार्यवाही हेतु Executive Director, All India Institute of Medical Sciences, Bilaspur, Himachal Pradesh -174037 को प्रेषित की जाती है|

भवदीय,

निदेशक (केन्द्रीय व्यय)

प्लाट न. 20-21, सेक्टर - 17ई, चण्डीगढ़ - 160017 Plot No. 20-21, Sector-17E, Chandigarh - 160017
दूरभाष/ Tel.No. 0172 - 2782020 & 2706117 फैक्स/ FAX No:0172 - 2782021 / 2783974 ई-मेल/ Email: pdacchandigarh@cag.gov.in

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक का अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), बिलासपुर (हि.प्र.) के 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लेखाओं पर मत

मत

हमने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), बिलासपुर के वित्तीय विवरणों का लेखा-परीक्षण किया है, जिनमें 31 मार्च 2025 की स्थिति के अनुसार वित्तीय स्थिति विवरण तथा उस वर्ष के लिए आय-व्यय लेखा/प्राप्ति-भुगतान लेखा और वित्तीय विवरणों से संबंधित टिप्पणियाँ सम्मिलित हैं। इनमें नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कर्तव्य, शक्तियाँ और सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 19(2) को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान अधिनियम, 1956 की धारा 18(2) के साथ पठित करते हुए तैयार की गई महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों का सार भी शामिल है।

यह लेखा-परीक्षा प्रतिवेदन भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणियाँ मात्र वित्तीय विवरणों का सही लेखांकन उनके वर्गीकरण, सर्वोत्तम लेखांकन पद्धतियों के साथ अनुरूपता, लेखांकन मानकों, प्रकटीकरण मानदंडों आदि के संदर्भ में है। विधि, नियमों एवं विनियमों (औचित्य एवं नियमितता) के अनुपालन तथा दक्षता-सह-प्रदर्शन से संबंधित वित्तीय लेन-देन पर (यदि कोई), लेखा टिप्पणियाँ पृथक रूप से निरीक्षण प्रतिवेदनों/सीएजी की लेखा-परीक्षा रिपोर्टों के माध्यम से प्रस्तुत की जाती हैं।

हमारी राय में, संलग्न अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के वित्तीय विवरण, जब संबंधित लेखांकन नीतियों, उन पर की गई टिप्पणियों तथा इसके पश्चात आने वाले पृथक लेखा-परीक्षा प्रतिवेदन में उल्लिखित अन्य विषयों के साथ पढ़े जाते हैं, तो वे 31 मार्च 2025 की स्थिति के अनुसार स्वायत्त निकाय की वित्तीय स्थिति तथा उस वर्ष के लिए उसके वित्तीय प्रदर्शन एवं नकदी प्रवाह का **सत्य एवं उचित दृश्य** प्रस्तुत करते हैं। ये विवरण भारत सरकार के वित्त मंत्रालय द्वारा निर्धारित प्रारूप तथा भारत में सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन मानकों के अनुरूप हैं।

मत का आधार

हमने यह लेखा परीक्षण सीएजी के लेखा-परीक्षा विनियमों/मानकों/मैनुअलों/दिशा-निर्देशों/मार्गदर्शक टिप्पणियों/आदेशों/परिपत्रों आदि के अनुसार किया है। वित्तीय विवरणों की लेखा-परीक्षा के संबंध में हमारी जिम्मेदारियों का विस्तृत विवरण इस प्रतिवेदन के "लेखा-परीक्षक की जिम्मेदारियाँ" अनुभाग में दिया गया है। हम प्रासंगिक नैतिक आवश्यकताओं के अनुरूप स्वायत्त निकाय से स्वतंत्र हैं तथा हमने अपनी अन्य नैतिक जिम्मेदारियों का भी अनुपालन किया है। हमारा विश्वास है कि हमारे द्वारा प्राप्त लेखा-परीक्षा साक्ष्य हमारे मत के लिए पर्याप्त एवं उपयुक्त आधार प्रदान करते हैं।

विषय पर विशेष बल

शून्य

वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन की जिम्मेदारियाँ

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), बिलासपुर का प्रबंधन बोर्ड वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निर्धारित प्रारूप तथा भारत में सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन मानकों के अनुरूप वित्तीय विवरणों की तैयारी एवं उचित प्रस्तुति के लिए उत्तरदायी है। इसके अतिरिक्त, वह आंतरिक नियंत्रण की ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए भी उत्तरदायी है, जिसे प्रबंधन वित्तीय विवरणों को किसी भी प्रकार की महत्वपूर्ण त्रुटि—चाहे वह धोखाधड़ी से उत्पन्न हो या त्रुटि से—से मुक्त रखने हेतु आवश्यक समझता है।

वित्तीय विवरणों की लेखा-परीक्षा के लिए लेखा-परीक्षक की जिम्मेदारियाँ

हमारा उद्देश्य यह युक्तिसंगत आश्वासन प्राप्त करना है कि वित्तीय विवरण समग्र रूप से किसी भी प्रकार की महत्वपूर्ण त्रुटि से—चाहे वह धोखाधड़ी से उत्पन्न हो या त्रुटि से—मुक्त हैं, तथा सीएजी के लेखा-परीक्षा विनियमों/मानकों/मैनुअलों/दिशा-निर्देशों/मार्गदर्शक टिप्पणियों/आदेशों/परिपत्रों आदि के अनुरूप अपना मत सम्मिलित करते हुए लेखा-परीक्षक का प्रतिवेदन जारी करना है।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की ओर से

(हस्ताक्षर)

प्रधान निदेशक लेखा-परीक्षा (केन्द्रीय), चंडीगढ़

स्थान: चंडीगढ़
दिनांक: 12.11.2024

31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), बिलासपुर का पृथक लेखा-परीक्षा प्रतिवेदन

A. सामान्य

लेखांकन मानक-15 के अनुसार, कर्मचारियों के सेवानिवृत्ति लाभों (ग्रेच्युटी, अवकाश नकदीकरण, पेंशन आदि) के लिए प्रत्येक लेखांकन वर्ष में देय प्रावधान, बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर वार्षिक लेखाओं में किया जाना चाहिए।

तथापि, यह पाया गया कि संस्थान द्वारा अपने कर्मचारियों के सेवानिवृत्ति लाभों के लिए न तो कोई प्रावधान किया गया है और न ही इसके कारणों का उल्लेख लेखाओं पर टिप्पणियों में किया गया है। संस्थान को लेखांकन मानक-15 के अनुसार अपने कर्मचारियों के सेवानिवृत्ति लाभों हेतु प्रावधान करना तथा लेखाओं पर टिप्पणियों में उसका विस्तृत प्रकटीकरण करना आवश्यक है।

यही टिप्पणी वर्ष 2022-23 तथा 2023-24 के पृथक लेखा-परीक्षा प्रतिवेदनों से संबंधित प्रबंधन पत्र में भी सम्मिलित की गई थी, किंतु गत वर्ष अनुपालन का आश्वासन दिए जाने के बावजूद अभी तक अनुपालन नहीं किया गया है।

B. प्रबंधन पत्र

वे कमियाँ जो इस पृथक लेखा-परीक्षा प्रतिवेदन में सम्मिलित नहीं की गई हैं, उन्हें सुधारात्मक/उपचारात्मक कार्रवाई हेतु पृथक रूप से जारी प्रबंधन पत्र के माध्यम से प्रबंधन के संज्ञान में लाया गया है।

C. आंतरिक नियंत्रणों का मूल्यांकन

C.1 आंतरिक लेखा-परीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता

संस्थान का आंतरिक लेखा-परीक्षा मैनुअल तैयार किया जा चुका है, किंतु अब तक शासी निकाय द्वारा अनुमोदित नहीं किया गया है। साथ ही, संस्थान द्वारा आंतरिक लेखा-परीक्षा प्रकोष्ठ की स्थापना भी नहीं की गई है।

C.2 आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता

आंतरिक नियंत्रण प्रणाली को निम्नलिखित कारणों से अपर्याप्त माना गया है—

(क) संस्थान द्वारा लेखांकन मैनुअल तैयार नहीं किया गया है।

(ख) अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), बिलासपुर (हि.प्र.) के नियम एवं विनियमों के नियम 8(1) के अनुसार, शासी निकाय की बैठक अध्यक्ष द्वारा आवश्यक समझे जाने पर आयोजित की जा सकती है, किंतु सामान्यतः वर्ष में कम से कम तीन बार—अधिमानतः जनवरी, मई और सितंबर माह में—आयोजित की जानी चाहिए। यही प्रावधान संस्थान निकाय पर भी लागू है। तथापि, वर्ष 2024-25 के दौरान न तो शासी निकाय की और न ही संस्थान निकाय की कोई बैठक आयोजित की गई, जो विभाग के नियमों एवं विनियमों का उल्लंघन है।

C.3 स्थायी परिसंपत्तियों का भौतिक सत्यापन

वर्ष 2024-25 के लिए स्थायी परिसंपत्तियों का भौतिक सत्यापन किया गया।

C.4 भंडार (इन्वेंट्री) का भौतिक सत्यापन

वर्ष 2024-25 के लिए भंडार का भौतिक सत्यापन किया गया।

C.5 पुस्तकालय पुस्तकों का भौतिक सत्यापन

वर्ष 2024-25 के लिए पुस्तकालय पुस्तकों का भौतिक सत्यापन किया गया।

C.6 वैधानिक देयों के भुगतान में नियमितता

संस्थान द्वारा वैधानिक देयों का भुगतान नियमित रूप से नहीं किया गया, क्योंकि वर्ष 2022-23 से 2023-24 तक की लेखा-परीक्षा शुल्क का भुगतान नहीं किया गया।

D. अनुदान-सहायता (Grant-in-Aid)

वर्ष 2024-25 के लिए संस्थान की अनुदान-सहायता की स्थिति निम्नानुसार है:

लेखा शीर्ष	**सामान्य (OH-31)**	**वेतन (OH-36)**	**पूंजी (OH-35)**	**कुल राशि (₹ करोड़ में)**
01.04.2024 को प्रारंभिक शेष	0	0	0	0
वर्ष के दौरान प्राप्त अनुदान	47.00	158.00	53.12	258.12
समर्पित/लोपित अनुदान	0	0	0	0
कुल राशि	47.00	158.00	53.12	258.12
व्यय	47.00	158.00	53.12	258.12
31.03.2025 को अव्ययित	0	0	0	0

प्रबंधन पत्र

प्रेषक:
श्रीमती तृप्ति गुप्ता, भा.ले.एवं.ले.से.
महालेखाकार
पंजाब एवं केंद्र शासित प्रदेश, चंडीगढ़

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

कार्यालय महालेखाकार (लेखा व हकदारी)
पंजाब एवं यू.टी. चण्डीगढ़
प्लॉट नं. 20, सेक्टर 17-ई, चंडीगढ़-160017

महोदय,

आपके संस्थान के 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के वार्षिक लेखाओं का लेखा-परीक्षण किया गया है तथा उससे संबंधित लेखा-परीक्षा टिप्पणियाँ पृथक लेखा-परीक्षा प्रतिवेदन (Separate Audit Report) के माध्यम से प्रस्तुत की गई हैं।

इस संदर्भ में आपका ध्यान इस ओर आकृष्ट किया जाता है कि कुछ स्थायी प्रकृति की अनियमितताएँ, जिन्हें बार-बार पृथक लेखा-परीक्षा प्रतिवेदनों/प्रबंधन पत्रों में शामिल किया जा रहा है (जिनका संक्षिप्त विवरण संलग्न परिशिष्ट के भाग-A में दिया गया है), के संबंध में संस्थान के प्रबंधन द्वारा अब तक सुधारात्मक कार्रवाई नहीं की गई है। इनमें आपके तत्काल हस्तक्षेप की आवश्यकता है।

इसके अतिरिक्त, लेखा-परीक्षा के दौरान कुछ अन्य कमियाँ भी पाई गई हैं, जिन्हें पृथक लेखा-परीक्षा प्रतिवेदन में सम्मिलित नहीं किया गया है, परंतु वे भी महत्वपूर्ण हैं (जैसा कि संलग्न परिशिष्ट के भाग-B में विस्तृत रूप से दर्शाया गया है)। इन कमियों को भी सुधारात्मक/उपचारात्मक कार्रवाई हेतु आपके संज्ञान में लाया जा रहा है।

अतः आपसे अनुरोध है कि कृपया इस संबंध में आवश्यक सुधारात्मक उपाय किए जाने हेतु उपयुक्त निर्देश जारी करें।

भवदीय,
(हस्ताक्षर)
महालेखाकार

प्रो. (डॉ.) डी.एन. शर्मा
कार्यकारी निदेशक
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान,
चंगर पलासियां, तहसील सदर,
जिला बिलासपुर,
हिमाचल प्रदेश – 174037

प्रबंधन पत्र का परिशिष्ट

भाग–A: पृथक लेखा-परीक्षा प्रतिवेदनों / प्रबंधन पत्रों में निरंतर सम्मिलित की जा रही लगातारअनियमितताएँ

पूर्ववर्ती वर्षों के पृथक लेखा-परीक्षा प्रतिवेदनों/प्रबंधन पत्रों में सम्मिलित टिप्पणियों का अनुपालन न किए जाने के कारण, वर्ष 2024-25 के पृथक लेखा-परीक्षा प्रतिवेदन में निम्नलिखित टिप्पणियाँ पुनः सम्मिलित की गई हैं—

1. **₹18.34 करोड़ की मोबिलाइज़ेशन अग्रिम राशि पर अर्जित ब्याज को आय के रूप में दर्ज न किया जाना।**
   - प्रबंधन पत्र 2024-25 की क्रम संख्या B.3
   - पृथक लेखा-परीक्षा प्रतिवेदन 2023-24 की क्रम संख्या A.1
   - पृथक लेखा-परीक्षा प्रतिवेदन 2022-23 की क्रम संख्या A.1
   - पृथक लेखा-परीक्षा प्रतिवेदन 2021-22 की क्रम संख्या A.4
2. **लेखांकन नियमावली का निर्माण न किया जाना।**
   - पृथक लेखा-परीक्षा प्रतिवेदन 2024-25 की क्रम संख्या C.2(a)
   - पृथक लेखा-परीक्षा प्रतिवेदन 2023-24 के परिशिष्ट की क्रम संख्या 2(i)
3. **शासी निकाय की निर्धारित संख्या में बैठकों का आयोजन न किया जाना।**
   - पृथक लेखा-परीक्षा प्रतिवेदन 2024-25 के परिशिष्ट की क्रम संख्या C.2(b)
   - पृथक लेखा-परीक्षा प्रतिवेदन 2023-24 के परिशिष्ट की क्रम संख्या 2(ii)
4. **सेवानिवृत्ति लाभों हेतु प्रावधानों का न किया जाना।**
   - पृथक लेखा-परीक्षा प्रतिवेदन 2024-25 की क्रम संख्या A
   - पृथक लेखा-परीक्षा प्रतिवेदन 2023-24 के प्रबंधन पत्र की क्रम संख्या B
   - पृथक लेखा-परीक्षा प्रतिवेदन 2022-23 के प्रबंधन पत्र की क्रम संख्या B

भाग–B: वर्ष 2024-25 के लिए लेखाओं के लेखा-परीक्षण के दौरान पाई गई अन्य अनियमितताएँ, जिन्हें पृथक लेखा-परीक्षा प्रतिवेदन में सम्मिलित नहीं किया गया

B.1 बैलेंस शीट

चालू देनदारियाँ एवं प्रावधान (अनुसूची-7): ₹43.04 करोड़

वर्ष 2022-23 से 2023-24 के लिए लेन-देन लेखा-परीक्षा प्रतिवेदन के अनुसार, ₹3.38 लाख (₹1.45 लाख + ₹1.93 लाख) की लेखा-परीक्षा शुल्क राशि अब तक देय थी। तथापि, न तो उक्त लेखा-परीक्षा शुल्क का भुगतान किया गया और न ही वर्ष 2024-25 के वार्षिक लेखाओं में इसे देनदारी के रूप में रखा गया। इसके परिणामस्वरूप, व्यय तथा चालू देनदारियाँ एवं प्रावधान दोनों को ₹3.38 लाख कम दर्शाया गया है।

B.2 आय-व्यय लेखा (Income & Expenditure Account)

B.2.1 अन्य आय (अनुसूची-18): ₹160 लाख

संस्थान को श्रीमती द्रोपती से भूमि अधिग्रहण के मुआवज़े के भुगतान के संबंध में ₹28.71 लाख की राशि प्राप्त हुई थी। वर्ष 2022-23 के दौरान प्राप्त इस राशि को संस्थान के खाते में आय के रूप में दर्ज कर लिया गया। हालाँकि, मुआवज़े का वास्तविक भुगतान संस्थान द्वारा भूमि स्वामी को वर्ष 2024-25 में किया गया। अतः यह राशि कोष (Corpus) में निहित रही।

"अन्य आय" की उक्त राशि में ₹28.71 लाख की ऋणात्मक प्रविष्टि को समायोजित किया गया है, जो भूमि मुआवज़ा व्यय से संबंधित है, जबकि इसे सीधे कोष/पूंजी निधि से समायोजित किया जाना चाहिए था, क्योंकि यह संस्थान का ऐसा व्यय नहीं है जिसे आय-व्यय लेखा के माध्यम से दर्शाया जाना अपेक्षित हो।

इसके परिणामस्वरूप घाटे (Deficit) को ₹28.71 लाख से अधिक दर्शाया गया है।

B.2.2 स्थापना व्यय (अनुसूची-20)

(क) वेतन एवं मजदूरी: ₹154.95 करोड़

केंद्रीय स्वायत्त निकायों के लिए निर्धारित एकरूप लेखा प्रारूप (पृष्ठ-51) के अनुसार, प्रत्येक मद के अंतर्गत सकल व्यय को अनुसूची-20 में दर्शाया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त, जुर्माना, दंड आदि के रूप में की गई वसूली को व्यय मद से घटाया नहीं जाना चाहिए, बल्कि "अन्य आय" (अनुसूची-18) के अंतर्गत दर्शाया जाना चाहिए।

इसमें, वेतन एवं मजदूरी मद के अंतर्गत ₹154.95 करोड़ की शुद्ध राशि, जो कर्मचारियों के वेतन से ₹20.67 लाख की लाइसेंस शुल्क वसूली घटाने के पश्चात निकाली गई है, वो एकरूप लेखा प्रारूपों के विपरीत है। उक्त ₹20.67 लाख की राशि को "अन्य आय" (अनुसूची-18) के अंतर्गत दर्शाया जाना चाहिए था।

इसके परिणामस्वरूप स्थापना व्यय (अनुसूची-20) तथा अन्य आय (अनुसूची-18) दोनों को ₹20.67 लाख से कम दर्शाया गया है।

(ख) इसमें, ₹10.63 लाख की राशि दूरभाष कॉल शुल्क (कर सहित) की प्रतिपूर्ति के रूप में शामिल की गई है। चूँकि यह भत्ता नहीं बल्कि प्रतिपूर्ति है, अतः इसे स्थापना व्यय (अनुसूची-20) के स्थान पर अन्य प्रशासनिक व्यय (अनुसूची-21) के अंतर्गत दर्शाया जाना चाहिए था।

इसके परिणामस्वरूप स्थापना व्यय को अधिक दर्शाना तथा अन्य प्रशासनिक व्यय को ₹10.63 लाख से कम दर्शाया गया है।

सामान्य

B.3

मैसर्ज एनबीसीसी संस्थान में निर्माण कार्यों के लिए कार्यकारी एजेंसी के रूप में कार्यरत थी, जिसके लिए सरकार द्वारा संस्थान की ओर से धनराशि उपलब्ध कराई गई थी। मैसर्ज एनबीसीसी द्वारा मंत्रालय को प्रस्तुत छठे परामर्श बिल (दिनांक 20.05.2022) में, ठेकेदार को दी गई ₹110.09 करोड़ की मोबिलाइज़ेशन अग्रिम राशि पर ₹18.34 करोड़ की ब्याज राशि दर्शाई गई है।

मंत्रालय द्वारा दिनांक 17.01.2025 के पत्र के माध्यम से यह निर्देश दिया गया कि एनबीसीसी ठेकेदार एजेंसी की निष्पादन गारंटी (Performance Guarantee) केवल तभी जारी करे, जब मोबिलाइज़ेशन अग्रिम पर देय ब्याज की राशि, वसूल कर, भारत सरकार के खाते में जमा कर दी जाए।

संस्थान यह सुनिश्चित करे कि ₹18,34,28,342/- की ब्याज राशि एनबीसीसी द्वारा भारत सरकार के खाते में जमा कर दी गई है।

(हस्ताक्षर)
निदेशक
(सी.ई.)

सत्यमेव जयते

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान , बिलासपुर
हिमाचल प्रदेश -१७४००१
All India Institute of Medical Sciences, Bilaspur
Himachal Pradesh-174001
https://aiimsbilaspur.edu.in
01978-292575

File NO. AIIMS-BLS (C)(15)SAR/ 25-26-5059 Dated 14/11/ /2025.

To

Shri Abhijit Chakraborty,
Director, PMSSY-V
Ministry of Health & Family Welfare,
Govt. of India, Delhi.

Subject: - Utilization certificate in respect of AIIMS, Bilaspur for the FY 2024-25.

Sir,

This is with reference to Pr. Director General of Audit (Central), Chandigarh's letter No. PDACE/SAR/2024-25/644 dated 13-11-2025 vide which Separate Audit Report for the FY 2024-25 in respect of AIIMS Bilaspur was submitted to your good office.

Please find enclosed herewith Statement of Utilization Certificate for the FY 2024-25 in respect of AIIMS, Bilaspur based on audited annual accounts for favour of further necessary action at your end please.

With regards,

Yours Sincerely,

Daljit Singh

Encl: As above.

Executive Director,
AIIMS, Bilaspur (HP)

Copy to:-

1. PA to Executive Director, AIIMS, Bilaspur.
2. Deputy Director (Admin).

[(See Rule 238 (1)]

FORM OF UTILIZATION CERTIFICATE

UTILIZATION CERTIFICATE FOR THE YEAR 2024-25 (as on 31-03-2025) in respect of recurring/non-recurring GRANTS-IN-AID/SALARIES/CREATION OF CAPITAL ASSETS

(In Crores)

1. Name of the Scheme - Grants-in-Aid/ Salaries/ General/ Creation of capital assets
2. Whether recurring or non-recurring grants Non- Recurring
3. **Grants position at the beginning of the Financial year**

(i) Cash in Hand/Bank Rs. 0

(ii) Unadjusted advances Rs. 0.23

(iii) **Total** **Rs. 0.23**

4. Details of grants received, expenditure incurred and closing balances: (Actuals)

	Unspent Balances of Grants received years	Intt. earned thereon	Grant received during the year Exp. Up to 31-03-2024			Funds surrendered	Grants Lapsed	Total funds	Exp.	Closing balance (8-9-10)
1	2	3	5	6	7	8	9	10		11
			Sanction No.	Date	Amount					
GIA-General	0	0	G-22011/04/2024-PMSSY-V [8270707]	2024-04-12	12.00	0	0	47	47	0
			G-22011/04/2024-PMSSY-V[8270707]	2024-07-25	10.00					
			G-22011/04/2024-PMSSY-V-Part(1)[8298977]	2024-10-25	12.00					
			G-22011/04/2024-PMSSY-V [8270707]	2025-01-29	7.00					
			G-22011/04/2024-PMSSY-V [8270707]	2025-03-19	6.00					
			Sub-Total:-		47.00	0	0	47	47	0
CCA	0		G-22011/04/2024-PMSSY-V [8270707]	2024-04-12	8.00		0	53.12	53.12	0
			G-22011/04/2024-PMSSY-V [8270707]	2024-06-05	21.12					
			G-22011/07/2022-PMSSY-V [8176491]	2024-09-12	20.00					
			G-22011/04/2024-PMSSY-V [8270707]	2025-01-29	3.00					
			G-22011/04/2024-PMSSY-V [8270707]	2025-02-13	1.00					

			Sub-Total: -		53.12	0	0	53.12	53.12	0
Salary	0		G-22011/04/2024-PMSSY-V [8270707]	2024-04-12	30.00	0	0	158	158	0
			G-22011/04/2024-PMSSY-V [8270707]	2024-06-28	10.00					
			G-22011/04/2024-PMSSY-V [8270707]	2024-07-19	16.00					
			G-22011/04/2024-PMSSY-V [8270707]	2024-08-28	24.00					
			G-22011/04/2024-PMSSY-V-Part(1)[8298977]	2024-10-25	40.00					
			G-22011/04/2024-PMSSY-V [8270707]	2025-01-29	10.00					
			G-22011/04/2024-PMSSY-V [8270707]	2025-03-19	17.00					
			G-22011/04/2024-PMSSY-V [8270707]	2025-03-27	11.00					
			Sub- Total:-		158.00	0	0	158	158	0
Total: -	0	0			258.12	0	0	258.12	258.12	0

Note:- An amount of Rs. 16307 only has lapsed against different sanctions.

1. Component wise utilization of grants:

Grant-in-aid– General	Grant-in-aid–Salary	Grant-in-aid–creation of capital assets	Total
47.00	158.00	53.12	258.12

Details of grants position at the end of the year:

(i) Cash in Hand/Bank Rs. 0

(ii) Unadjusted Advances Rs. 0.05

(iii) Total Rs. 0.05

Certified that I have satisfied myself that the conditions on which grants were sanctioned have been duly fulfilled/are being fulfilled and that I have exercised following checks to see that the money has been actually utilized for the purpose for which it was sanctioned:

(i) The main accounts and other subsidiary accounts and registers (including assets registers) are maintained as prescribed in the relevant Act/Rules/Standing instructions (mention the Act/Rules) and have been duly audited by designated auditors. The figures depicted above tally with the audited figures mentioned in financial statements/accounts.

(ii) There exist internal controls for safeguarding public funds/assets, watching outcomes and achievements of physical targets against the financial inputs, ensuring quality in asset creation etc. & the period i/e evaluation of internal controls is exercised to ensure their effectiveness.

(iii) To the best of our knowledge and belief, no transactions have been entered that are in violation of relevant Act/Rules/standing instructions and scheme guidelines.

(iv) The responsibilities among the key functionaries for execution of the scheme have been assigned in clear terms and are not general in nature.

(v) The benefits were extended to the intended beneficiaries and only such areas/districts were covered where the scheme was intended to operate.

(vi) The expenditure on various components of the scheme was in the proportions authorized as per the scheme guidelines and terms and conditions of the grants-in-aid.

(vii) It has been ensured that the physical and financial performance under..... (name of the scheme has been according to the requirements, as prescribed in the guidelines issued by Govt. of India and the performance/targets achieved statement for the year to which the utilization of the fund resulted in outcomes given at Annexure – I duly enclosed.

(viii) The utilization of the fund resulted in outcomes given at Annexure – II duly enclosed (to be formulated by the Ministry/Department concerned as per their requirements/specifications.)

(ix) Details of various schemes executed by the agency through grants-in-aid received from the same Ministry or from other Ministries is enclosed at Annexure –II (to be formulated by the Ministry/ Department concerned as per their requirements/specifications).

Date:

Place:

Signature
Name.....
(Head of the Finance)
Finance Officer
AIIMS-Bilaspur H.P.

Signature
Name.....
Head of the Organisation
Executive Director
AIIMS Bilaspur-H.P.

Serving The Nation

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश

ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES, BILASPUR, HIMACHAL PRADESH

Village- Changar Palasiyan, Bilaspur, Himachal Pradesh- 174037

Designed by - Ankitesh Chandel